भक्तवरदाराजञ्च सुमुखं सुन्दरं शिवम् ।
जगत्कारणमव्यक्तं गणपतिं नमाम्यहम् ।।

भास्कर पञ्चाङ्ग २०२४

Bhāskar Panchāng 2024

विमलोत्कर्षिणी विद्या कला ज्ञान प्रकाशिनी ।
श्रेयष्करी सरस्वती त्वामहं नौति सर्वदा ।।

VIKRAM SAMVAT 2080-2081 SHAK 1945-1946

INDIAN ALMANAC

North American Edition — EST

A RELIABLE SOURCE FOR:

- Auspicious days
- Daily Lagna Tables
- Dream Interpretation
- Hindu Fasts & Festivals
- Marriage Compatibility
- Main festivals 2024-2033
- Mantra & Muhurta knowledge
- Daily Almanac & Astro Forecast

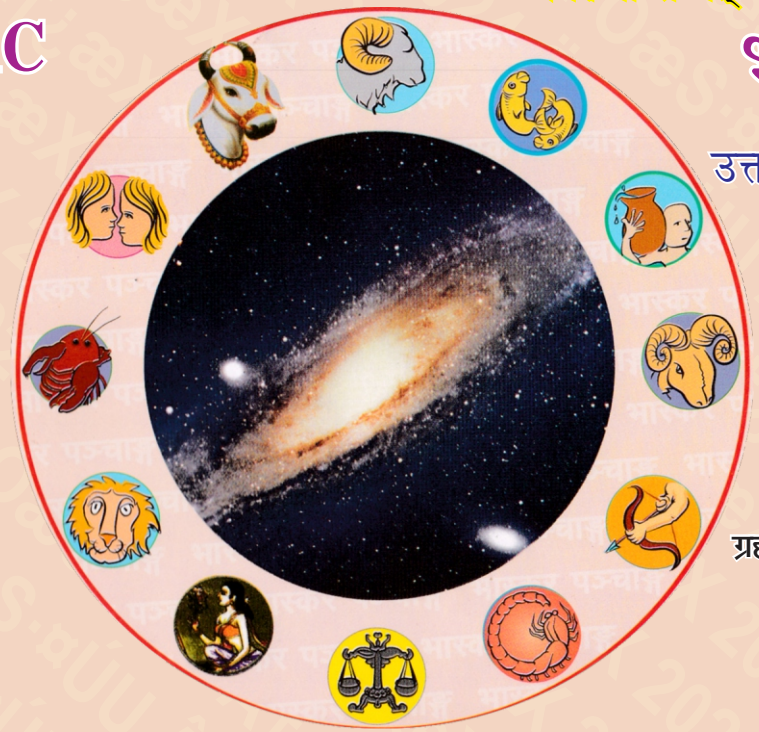

विक्रमी सम्वत् २०८०–२०८१ शाक सम्वत् १९४५–१९४६

भारतीय पञ्चाङ्ग

उत्तरी अमरीकी संस्करण – ई एस टी

दैनिक पंचांग, दैनिक मुहूर्त

दैनिक लग्न एवं पर्व, त्यौहार

प्रमुख त्यौहार २०२४-२०३३

मेलापक सारिणी, धर्म शास्त्र विवेक

राशिफल, मन्त्र, स्वप्न व मुहूर्त ज्ञान

ग्रह विवरण व अन्य विविध विषयों से संलग्न

EDITOR :
Acharya Surendra Sharma Shastri

सम्पादक :
आचार्य सुरेन्द्र शर्मा शास्त्री

www.hinduvision.com

भास्कर पञ्चाङ्ग की प्रयोग विधि

1. भास्कर पंचांग का गणित भारतीय पद्धति अनुसार उत्तरी अमेरिका के ईस्टर्न स्टैण्डर्ड टाईम टोरन्टो शहर के अक्षांश $43^0 39'$ उत्तर तथा रेखांश $79^0 23'$ पश्चिम पर आधारित है।
2. इस पंचांग के माध्यम से विश्व के किसी भी शहर के पंचांग का तिथि नक्षत्र का समय सुगमता से जाना जा सकता है। 2025 के मुख्य व्रत-पर्व पृष्ठ 16 पर दिये गये हैं। भारत और कनाडा के त्यौहारों में अन्तर पृष्ठ 14 पर दिये गये हैं।
3. विश्व के सभी शहरों में मनाने के लिये मुख्य पर्व व्रतों को भी पृष्ठ 84-85 पर दिया गया है।
4. पंचांग में सूर्य व चंद्रमा के मेष, वृष आदि राशियों के प्रवेश समय व दैनिक लग्न सारणी के प्रवेश समय के अतिरिक्त सर्वत्र तिथि, नक्षत्र, योग का समाप्तिकाल दिया गया है।
5. वार (दिन) की गणना भारतीय परम्परानुसार सूर्योदय से की गयी है।
6. सभी जगह समय घन्टा-मिनटों में दिया गया है। सूर्योदय से लेकर दूसरे दिन के सूर्योदय तक 31 घंटों तक की भी गणना की गयी है। दोपहर 12 बजे के बाद 13, 14, 15.... आदि लिखकर रात्रि 12 बजे को 24 तथा मध्य रात्रि 1 बजे से को 25, 26.... 31 तक अंकित किया गया है, उदाहरणार्थ जनवरी 10, 2024 को पंचांग पृष्ठ 34 पर चतुर्दशी व अमावस एक ही दिन लिखी है, जिसका तात्पर्य है कि अमावस तिथि क्षय है जो कि जनवरी 10 के सूर्योदय के बाद आरम्भ हुई और जनवरी 11 के सूर्योदय से पहले समाप्त हो गई जैसे अमावस के सामने 30:58 लिखा है, जिसका तात्पर्य है कि यह तिथि जनवरी 11, 2024 को 30:58 - 24:00 = 06:58 प्रात: तक रहेगी। इस दिन सूर्योदय प्रात: 7:52 पर होगा। अत: सूर्योदय से पूर्व ही तिथि समय समाप्त होने के कारण जनवरी 10, 2024 को लिखी है, ऐसे ही अन्यत्र पंचांग में समझें।
7. बव, बालव आदि सभी करण टोरन्टो सूर्योदय कालिक दिये गये हैं। भद्रा, पंचक, गण्डमूल, सिद्धि योग, रवि योग आदि का प्रारम्भिक व समाप्तिकाल दोनों दिये गये हैं। सभी मुहूर्तों की उपयोगिता प्राय: उनके साथ ही दी गई है।
8. भारतीय महीनों की तारीखों को 'प्रविष्टे' लिखा गया है। पहला प्रविष्टा संक्रान्ति को होता है। संक्रान्ति का पुण्यकाल, दान व शुभ कर्म हेतु प्रत्येक मास की संक्रान्ति के सामने लिखा गया है।
9. सूर्य, चन्द्रादि ग्रहों का राशि प्रवेश काल तथा वक्री-मार्गी आदि उसी तारीख के सामने लिखा गया है जिस दिन वे दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं या वक्री-मार्गी हुये हैं और पृष्ठ 32 पर भी आप देख सकते हैं। विभिन्न शहरों का करवाचौथ चंद्रोदय समय पृष्ठ 86 पर दिया गया है।
10. जनवरी से दिसम्बर तक प्रत्येक मास की पहली तारीख से निरयण ग्रह स्पष्ट राशि, अंश, कला लिखकर टोरोन्टो समयानुसार प्रात: 7 बजे की तथा ग्रीष्मकाल में प्रात: 8 बजे की कुण्डलियाँ बनाई गयी हैं। ग्रह स्पष्ट के साथ ग्रह का नक्षत्र चरण भी दिया गया है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन समय मार्च 10, 2024 से नवम्बर 3, 2024 तक होगा।
11. ग्रीष्मकालीनता में बढ़ने वाला एक घन्टा जमा कर दिया गया है। अत: जहाँ जितना समय लिखा है उसमें कुछ घटाने बढ़ाने की आवश्यकता नहीं। केवल दैनिक लग्न सारणी तथा ग्रह स्पष्ट पृष्ठांक 58-63 में मार्च से नवम्बर तक एक घंटा अवश्य जमा कर सही समय जानें।
12. ईस्टर्न टाईम के अतिरिक्त आप सीएसटी के लिये 2 घंटा घटाकर तथा पीएसटी के लिये 3 घंटा घटाकर तथा एएसटी के लिए 1 घंटा जमाकर, जीएमटी इंग्लैण्ड के लिये 5 घंटा जमाकर आईएसटी भारत के लिये 10:30 घंटे तथा मार्च से नवम्बर (डे लाइट समायनुसार) तक 9:30 घंटे जमा कर इस पंचांग में प्रयुक्त किये गये समय से वहाँ के समय अनुसार पंचांग आदि सही ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।
13. भद्रा, पंचक आदि भी दैनिक पंचांग के सामने लिखा गया है। गणेश व्रत व सत्यनारायण व्रत के दिन चंद्रोदय समय दिया गया है। दैनिक पंचांग के मुख्य पर्व त्यौहारों की पंक्ति में जहाँ स्थान अभाव रहा है उसके समाने ABC संकेत देकर उसी पृष्ठ के नीचे या दूसरी पंक्ति में लिखा गया है।

How to use Bhàskar Panchang

1. Bhàskar Panchàng is based on calculations for EasternStandard Time (EST) of Toronto, Canada (43° 39' N, 79° 23' W) according to Indian astrology.
2. Timings for Tithi and Nakshatra for all over the world can be known from this Bhàskar Panchàng very easily. 2025 Main festivals have been given on page16
3. Main festivals around the world have given on page 84-85. Difference of festivals between India & Canada have given page 14.
4. Times for all the Tithi's, Nakshatras, Yogas, Karanas, Muhurtas correspond to their ending time except that the entry time is given for Daily Lagna table and Sun- Moon in the Rashi's Mesha, Vrisha, etc.
5. According to Indian tradition day counts from Sunrise to next Sunrise.
6. All the times are given in hours and minutes in a 24-hour clock system. After mid-night time continue like 25, 26 ...31 because a day counts from Sunrise to Sunrise. When the quoted time exceeds 24, it implies continuation after midnight, e.g. at page No. 35 of Bhàskar Panchàng On Jan. 10, 2024 Chaturdashi and Amavas Tithi has been written in one day that means Amavas Tithi is Kshaya. It will start after the sunrise of Jan. 10th and will end before the sunrise of Jan. 11th. Ending time for Amavas is 30:58 on Jan 10th it means Amavas Tithi will end at (30:58 - 24:00 = 6:58) 06:58 A.M. of Jan. 11th. This has been given beside Jan 10th because it ended before the Sunrise 07:52 am of Jan. 11th.The Same method has been applied everywhere.
7. Time given for the Karanas Bav, Kaulav etc is only at the Sunrise time. There is beginning and ending times for Bhadra, Gandmool, Siddhi yog, Ravi Yog etc. Also the importance of Muhurats are generally given with them.
8. PA means Pravishtaa (date of Hindu month).The auspicious timings of Sakraanti for prayer and Charity are given together with the date of Sakranti.
9. In 2023 Planetary transition, retrogression and combustion positions are given in the daily Panchàng of same date which they move and also on page 33 Karwa Chauth Moonrise time for different cities has been given on page No. 86.
10. In the Panchàng for January to December (see pages 34 to 59), the Kundali's for the 1st and the 15th of each month correspond to 7 A.M. Toronto time in the winter and 8:00 A.M. in the summer time. The Entry time of Sun and Moon into Rashies (zodiac), retrograde position, combustion state of all the planets are given beside that date. Also, given are Raashi of the true Nirayana planets, degree and minutes of Rashi's, and position of planets. Summer time starts from March 10th, 2024 and ends on November 3rd, 2024 at 2:00 A.M.
11. One hour had been added already in the summer time except the daily Lagna Sarini and daily planetry position.
12. By subtracting from EST three Hours for PST, Two Hours for CST and adding one hours for AST, adding 5:00 hours for GMT, 10:30 hours for IST in winter (and 09:30 Hours in Summer) could give the accurate times of Panchàng for that place.
13. Moonrise time quoted with the Ganesh Chaturthi and Satyanarayan vrat in the same column In the column of Main festivals of Daily panchang, if there is no sufficient place for material then follow A, B, C sign.

With Best Compliments from

ॐ ध्यायन्तु भूतानि शिवं मिथो धिया — May Everyone Think Good of Others

HINDU HERITAGE CENTRE
हिन्दू सांस्कृतिक केन्द्र
6300 Mississauga Road, Mississauga
Ontario, Canada, L5N 1A7
Email : info@hinuvision.com
www.hinduvision.com

मंदिर का दैनिक समय
प्रात: 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक
प्रात: आरती प्रात: 7 बजे
सायं आरती सायं 7 बजे

TEMPLE TIMINGS
Everyday 7am to 9pm
Morning Aarti 7am
Evening Aarti 7pm
Daily Hawan 7:30am

Day	Program	Timing
MONDAY	Walking Club with breakfast	9 AM to 11 AM
	Rudrabhishek	6:00 PM to 7:00 PM
	Bhartnatyam Class	6:30 to 7:30 PM
TUESDAY	Sudarkand Paath	9 AM to 11 AM
	Seniors Program	1:00 PM to 4:00 PM
	Chanting of Devi Sahsrnam, Bhajans & Shri Hanuman Chalisa	6:00 PM to 7:30 PM
WEDNESDAY	Walking Club with breakfast	9 AM to 11 AM
	Bharatnatyam Class	6:30 PM to 7:30 PM
THURSDAY	Kucchipudi Dance Class	6:00 PM to 8:30 PM
FRIDAY	Shri Durga Saptshati Paath	9:00 AM to 11:00 AM
	Telugu Class	6:30 PM to 8:30 PM
SATURDAY	Occasional Mata Ji Ki Chowki	6:00 PM to 9:00 PM
SUNDAY	Yoga Pranayam Class	7:30 AM to 8:30 AM
	Sanskrit Class	10:00 AM to 12:00 PM
	Satsang, Bhajan, Meditation Aarti & Preetibhoj	4:00 PM to 6:00 PM
	Bal Vihar Class	5:15 PM to 6:00 PM
	Hindi Class	3:45 PM to 5:15 PM
	Indian Music Class (Harmonium, Tabla, Vocal)	3:15 PM to 6:45 PM
	Kathak Nritya/Bollywood Class	4:00 PM to 6:00 PM
	Vedic Mathematics	4:00 PM to 6:00 PM

Every Month on Purnima day Satyanarayan Puja Katha evening time.
Every Month first Thursay Shri Gita Ji Path 5 PM to 7 PM

For All Sanskaar's (Ritual), Bhajan, Chowki, Jagran, Sundarkand Paath, Puja, Hawan, Katha, Shraadh ete.
Contact : Hindu Heritage Centre 905-369-0363 or Acharya Surendra Sharma Shastri at 416-457-0719

Best Compliments from

ॐ संगच्छध्वं संगवदध्वं Serve in harmony, uploading ancient traditions

कैनैडियन हिन्दू पुरोहित परिषद्

THE CANADIAN COUNCIL OF HINDU PRIESTS
www.hindupriestscanada.ca

ॐ संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम् ।
देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते ॥

May we march forward with a common goal.
May we be open minded and work together with harmony.
May we share our thoughts for integrated wisdom.
May we follow the example of our ancestors,
who achieved higher goals by virtue of being united.

Please be a member of
"The Canadian Council of Hindu Priests"

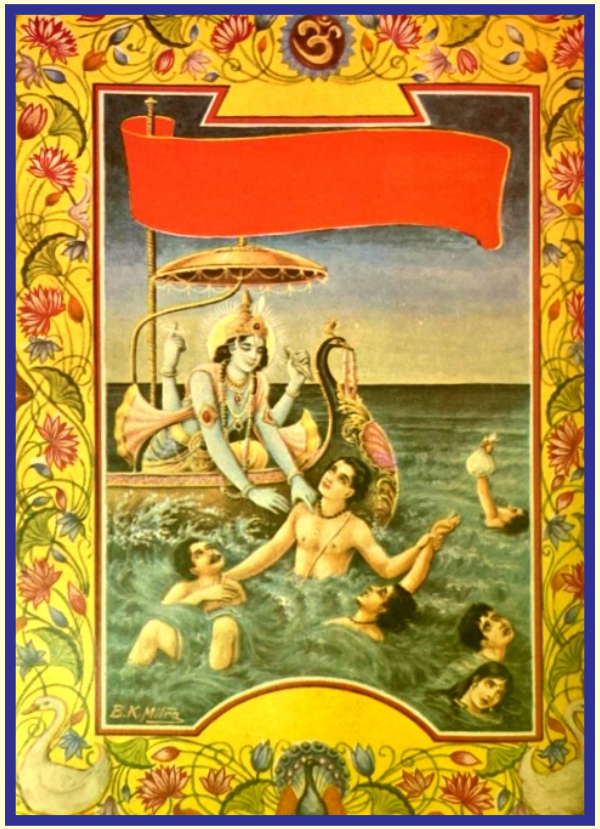

योऽन्तः प्रविश्य मम वाचमिमां प्रसुप्तां, सञ्जीवयत्यखिलशक्तिधरः स्वधाम्ना।
अन्यांश्च हस्तचरणश्रवणत्वगादीन्, प्राणान् नमो भगवते पुरुषाय तुभ्यम्॥

हे भगवान्, मैं आपको गौरवशाली प्राणी को नमस्कार करता हूँ। आपने अपनी बुद्धिमान शक्ति के माध्यम से मुझमें प्रवेश किया है और मेरी वाणी की सुप्त क्षमता को जागृत किया है। समस्त शक्तियों के स्वामी होने के नाते, आप मेरे अन्य सभी अंगों को भी क्रियाशील करने के लिए प्रेरित करते हैं।

Yo'ntaḥ praviśya mama vācamimāṁ prasuptḥṁ, sañjīvayatyakhilaśaktidharaḥ svadhāmnā।
anyāṅśca hastacaraṇaśravaṇatvagādīn, prāṇān namo bhagavate puruṣāya tubhyam॥

O Lord, I make salutations to Thee, the glorious Being. Thou hast entered into me through Thy intelligent power and roused my dormant faculty of speech. Being the lord of all powers, Thou kindlest to activity also all other organs of mine.

भक्तवरदाराजञ्च सुमुखं सुन्दरं शिवम्।
जगत्कारणमव्यक्तं गणपतिं नमाम्यहम्॥

भास्कर पञ्चाङ्ग 2024

Bhāskar Panchāng 2024

विमलोत्कर्षिणी विद्या कला ज्ञान प्रकाशिनी।
श्रेयष्करी सरस्वती त्वामहं नौमि सर्वदा॥

Eastern Standard Time (EST)

VIKRAM SAMVAT 2080-2081 SHAK 1945-1946

विक्रमी सम्वत् 2080-2081, शक 1945-1946

INDIAN ALMANAC

North American Edition

भारतीय पञ्चाङ्ग

उत्तरी अमरीकी संस्करण

वर्ष का राजा — मंगल

King of the Year — MARS

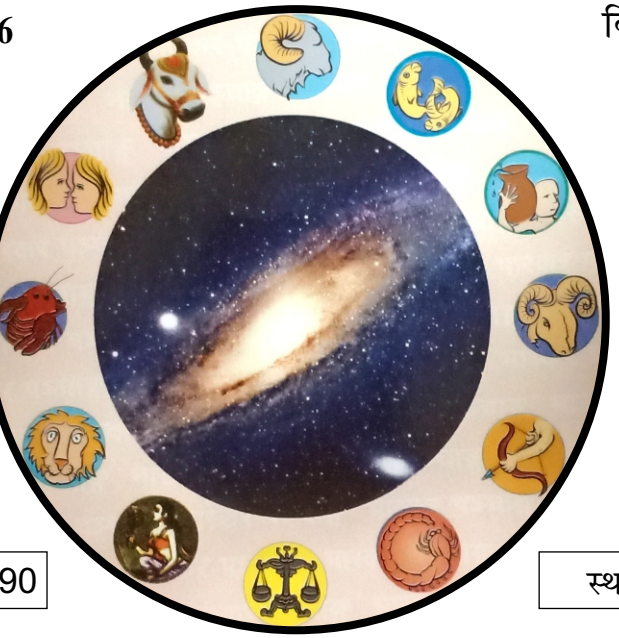

वर्ष का मन्त्री — शनि

Minister of the Year — SATURN

स्वर्गीय पंडित सोमनाथ रत्न
Lt.Pt. Som Nath Rattan
Former Editor

Established 1990

स्थापित वर्ष 1990

सम्पादक : आचार्य सुरेन्द्र शर्मा शास्त्री

Editor : ACHARYA SURENDER SHARMA SHASTRI

All copyright 2023-2024 reserved by Surendra Sharma, Toronto

ISBN : 978-1-9994955-8-9

Publisher :- Hari Krishan Publication
Toronto (416) 457-0719
Printer:- Swan Printing & Lithograph Ltd.
95-97 Norfinch Drive, Toronto, Ontario
Tel: 416-7440322 • www.swanprinting.ca

Further information Please Contact :
ACHARYA SURENDER SHARMA SHASTRI
6300 Mississauga Road, Mississauga, Ontario Canada L5N 1A7
www.hinduvision.com
Tel: 416-457-0719 • Email: sshastri@hinduvision.com

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ
भास्कर पंचांग प्रयोग विधि	आवरण पृष्ठान्तर
मुख्य आवरण प्रतिलिपि पंचांग का प्रमुख प्राप्ति स्थान	1
अनुक्रमणिका	2-3
विनम्र निवेदन	4-5
वर्ष राजा मंत्री आदि	6-9
मुख्य व्रत पर्व हिन्दी, अंग्रेजी में ईस्टर्न समयानुसार	10-11
प्रमुख मासिक व्रत आदि, निरयण संक्रान्ति पुण्यकाल आदि	12
शुभाशुभ फल जानें	13
भारत से कनाडा-अमेरिका के मुख्य त्यौहारों में अन्तर का कारण	14-15
2024 के स्वयं सिद्ध मुहूर्त व वर्जित समय	16
2025 के मुख्य त्यौहार व समय शुद्धि विचार	16
प्रमुख त्यौहार 2024-2033	17
शनि, गुरु, राहु आदि का गोचरी प्रभाव	18-19
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	20
शनि का बारह राशियों पर गोचरी प्रभाव	21-22
2024 का संक्षिप्त राशिफल	23-30
ग्रहों का राशि संचार, वक्री मार्गीपन व उदयास्त	31-32
दैनिक पंचांग जनवरी 1, 2024 से दिसम्बर 31, 2024	35-56
दैनिक ग्रह स्पष्ट टोरोन्टो	57-59
दैनिक लग्न सारिणी टोरोन्टो	60-62
वर कन्या विवाह मेलापक सारणी	63-64
मेलापक सारणी ज्ञातव्य विषय	65
मेलापक सारणी में नाडी आदि दोष, मंगलीक दोष विचार	66-68
नक्षत्र, राशि स्वामी, वर्ण, वश्य आदि ज्ञान	69
द्वादशभावफल बोधक यन्त्र	71
घात चक्र, विंशोत्तरी दशा, योगिनी दशा आदि का ज्ञान	72-73
ज्योतिष शास्त्र में योग	74
भारतीय धर्मशास्त्र में अशौच व्यवस्था	75
स्मार्त वैष्णव कौन	76
वास्तु शान्ति	77
गृहारम्भ व गृह प्रवेश	78-79
कर्णवेध संस्कार	80-81
मन्त्र साधना	82
वैधृति, व्यतिपात योग व संक्रान्ति जातक की शान्ति	83
विश्व के विभिन्न स्थलों पर मुख्य-व्रत-पर्वों की तारीखें	84-85
विभिन्न शहरों का करवा चौथ चन्द्रोदय 2024	86
धर्म शास्त्रीय विवेक	87
सूर्य-चन्द्र ग्रहण विवरण 2024	88-89
जन्म पूर्व व मृत्यु पश्चात ग्रह विचार	90-91
मृत्यु के समय व उपरान्त क्या करें	92-93
ज्योतिष एवं रोग	94-95
स्वप्न विज्ञान	96-97
कुछ महत्त्वपूर्ण मुहूर्त ज्ञान	98-99
यात्रा मुहूर्त	100
सिद्ध होरा	101
अभिजित मुहूर्त	102
दैनिक चौघड़िया मुहूर्त	103
हवन मुहूर्त 2024	104
पंचक में क्या करें, क्या नहीं	105
भद्रा विचार	106
गण्ड मूल 2024, गण्डान्त दोष के प्रभाव व शान्ति उपाय	107-109
ग्रहों का प्रभाव व उपचार	110-111
पचांग परिभाषा	112-113
सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि, सिद्धि, गुरुपुष्यामृत योग आदि	114-115
विश्व के मुख्य शहरों के कुछ अक्षांश-रेखांश व टाईम ज्ञान	116
उत्तरी अमेरिका के कुछ पण्डितों के नाम व दूरभाष नम्बर	117-118
हिन्दू मन्दिर नामावली उत्तरी अमेरिका	119
उत्तरी अमेरिका के कुछ प्रमुख दिन	120

TABLE OF CONTENTS

Directions for use of Bhaskar Panchang — Inside page of front cover	
Bhaskar Panchang to be held —	1
Table of Contents	2-3
Editorial	4-5
Lord and Minister of the year 2024	6-9
2024 Hindu Fasts & Festivals (Hindi, English) for EST	10-11
Monthly Main Festivals, Nirayan Sankranti Punyakaal Time	12
Know Auspicious Results	13
Difference of Festivals in Canada-America from India	14-15
Inauspicious, Auspicious Days of 2024 Main Festivals 2025	16
Main Festivals 2024-2033	17
Influence of Sani, Guru, Rahu-Ketu's Transit Position	18-21
Srikrishna Janmasthami	20
Influence of Shani of Twelve Rashis in 2024	21-22
Abridged Monthly Prediction of Twelve Rashis in 2024	23-30
Transits of Planets into Signs (Nirayana Rashis)	31-32
Daily Panchaang from Jan. 1st to Dec. 31st, 2024	33-56
Daily Planets Position Table in 2024 for Toronto	57-59
Daily Nirayan Lagna Table for Toronto	60-61
Astrological Compatibility Chart for Marriage	63-64
Knowledge about Marriage Compatibility Chart	65
Naadi, Gan etc. Negative Points in Marriage Comp. Chart	66
Effect of being Mangalik	67-68
Nakshatra - Rashi Knowledge	69
Dwadash Bhav Fal Bodhak Yantra (only Hindi)	70-71
Knowledge about Ghaat Chakra, Vimshottari & Yogini Dasha	72-73
Important Yog in Jyotish	74
Management of Impurity (Ashaucha) in Indian Scriptures	75
Who is Smaart and Vaishnav?	76
Vastu Shanti	77
Thoughts provoking subject to build a house	78-79
Karnavedh Sanskar	80-81
Attainment of Goal by Mantra	82
Remedy for born in Vaidhriti, Vyatipat Yog and Sankranti	83
Major Festivals of 2024 around the world	84-85
Karwa Chauth Moonrise time in different cities	86
Scriptural wisdom	87
2024 Eclipses of the Sun and the Moon	88-89
Before birth and after death	90-91
Actions should be taken at the time of Death & after death	92-93
108 Rosary Beads	94-95
Science of Dreaming	96-97
Auspicious Days, and Nakshatra for important ceremonies	98-99
Auspicious Timings for a Journey	100
Auspicious Hour for Successful Results	101
Abhijit Muhurta	102
Chaughadiya Muhurta for Day & Night	103
Havan Muhurt 2024	104
About Panchak	105
Bhadra	106
Gandmool 2024 and Effect of birth in Gandmool	107-109
Nine planets their influence and remedies	110-111
Natural calamities and Astrology	112-113
Sarvarth Siddhi, Ravi Yog, Guru Pushya etc.	114-115
Latitudes and Longitudes around the world	116
Priests in North America	117-118
Hindu Temples and Organizations in North America	118-119
Main North America Days	120

सम्पादकीय

प्रिय पाठकवृन्द!

सादर हरि स्मरण। भास्कर पंचांग 2024 का प्रकाशन आपके हाथों में समर्पित करते हुए हमें अपार वर्ष हो रहा है। सन् 1988 से यह प्रकाशन एक तिथि पत्रिका के रूप में प्रारम्भ हुआ था। शनै: शनै: पाठकवृन्द की वृद्धि हुई, धार्मिक समाज की समझ बढ़ी, श्रद्धा बढ़ी और यह भास्कर पंचांग समूचे उत्तरी अमेरिका एवं दक्षिण अमेरिका में भी धर्मावलम्बियों का मार्गदर्शक बन गया।

पंचांग में तिथि, वार, वक्षत्र, योग, करण से सृष्टि में घटित होने वाली प्रत्येक घटना का बोध होता है। ज्योतिष वेदों का एक नेत्र रूपी अंग है और वेद अनादि अपौरूषेय एवं सृष्टि के आदि ग्रन्थ हैं। मानव जीवन की सार्थकता हेतु वेद, पुराण, संहिता, इतिहास, स्मृतियां आदि सृष्टि के आदि से व्रत-पर्वोत्सव हेतु सत्प्रेरित करते रहे हैं और ये सब तिथियों के अनुसार मनाए जाते हैं। तिथि, नक्षत्र आदि का कुल मान 20 से 27 घंटे तक के अन्तराल में रहता है इसी कारण हमारे सब व्रत पर्व एक ही अंग्रेजी तारीख को सर्वत्र नहीं आ सकते। जैसे पूर्णिमा, अमावस आदि ही लीजिए। अंग्रेजी तारीख 24 घंटे का निश्चित मान है जो कि आज के विश्व में सर्वत्र प्रचलित है लेकिन हमारे सूर्योदय के अगले सूर्योदय तक एक दिन मानकर व्रत निर्णय होता है। प्राचीनकाल से हमारे व्रत प्रात:काल, सांयकाल, निशीथकाल पर मनाए जाते रहे हैं।

प्रदोष व्रत, श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत, दीपावली, शिवरात्रि आदि सभी रात्रि प्रधानव्रत हैं और श्रीरामनवमी, श्री दुर्गाष्टमी, एकादशी, व्यास (गुरू) पूर्णिमा, रक्षाबन्धन, भ्रातृ द्वितीया आदि दिनवली प्रधान व्रत हैं अर्थात् इनमें रात्रि व दिन तिथि आदि की व्यापकता के आधार पर व्रत रखा जाता है, जप-तप, पूजा पाठादि किया जाता है। दिनमान और रात्रिमान में 15-15 मुहूर्त होते हैं जिनके आधार पर व्रत-पर्वों का निर्णय कर शास्त्रीय मत से हिन्दू धर्मावलम्बी व्रतादि कर जीवन को अध्यात्ममय बनाते हैं।

कर्मणो यस्य य:काल: तत्काल व्यापिनी तिथि (विष्णुधर्मोतर)

जिस कर्म की जो तिथि शास्त्रों में लिखी है, वह व्रत पर्व उसी में मनाना चाहिए। ऐसा नहीं करेंगे तो गीता में श्री कृष्ण जी कहते हैं—

य: शास्त्रविधिमुत्सृज्य वर्तते कामकरात:।
न स सिद्धिमवाप्नोति न सुखं न परां गतिम्॥ — गीता 16/23

अर्थात् जो शास्त्रों के आदेशों की अवहेलना करता है और मनमाने ढंग से कार्य करता है, उसे न तो सिद्धि, न सुख, न ही परम गति को प्राप्ति होती है।

तस्माच्छास्त्रं प्रमाणं ते कार्याकार्यव्यवस्थितौ।
ज्ञात्वा शास्त्रविधानोक्तं कर्म कर्तुमिहार्हसि॥ — गीता 16/24

अर्थात् मनुष्य को यह जानना चाहिए कि शास्त्रों के विधान के अनुसार क्या कर्तव्य है और क्या अकर्तव्य है। उसे ऐसे विधि विधानों को जानकर कर्म करना चाहिए जिससे वह क्रमश: ऊपर उठ सके।

कुछ समय पूर्व भारतीय लोग भारत में स्थानीय पंचांग का प्रयोग कर इनका निर्णय करते थे और उससे बाहर नहीं जाते थे। अब समूचे विश्व में हिन्दू धार्मिक समाज बैठा है, जहां पर 24-24 घंटे तक का भी पूर्व-पश्चिम का समयान्तर है, ऐसी स्थिति में पूरे विश्व में एक ही तारीख को सभी त्यौहार नहीं मनाए जा सकते हैं। यदि भारत की तारीख को ही प्रमाण लेकर चलें तो समस्त धर्म शास्त्रीय मत की अवहेलना होती है। तिथि तो सारी पृथिवी पर सूर्य-चन्द्र की गति से बनती है जो कि एक ही समय पर समाप्त होगी। जैसे कि जनवरी 13, 2024 को तृतीया टोरान्टो में 21:31 पर समाप्त हो रही है तो एएसटी समयानुसार (जार्जटाउन ग्याना) में 20:31 वैन्कूबर में 18:31 पर और लन्दन (इंग्लैण्ड) में 26:31 तो भारत में 32:01 (जनवरी 14, 2024 को प्रात: 08:01 और सिडनी में 37:01 (जनवरी 14, 2024 को दोपहर के 13:01) पर समाप्त होगी जिसके अनुसार यह तृतीया तिथि भारत व सिडनी में जनवरी 13, 2024 को ही मनाई जाएगी। इसी आधार पर व्रत पर्व का निर्णय धर्म ग्रन्थों से लेकर हम व्रतादि कर जीवन को सार्थक बना सकते हैं। आजकल तो कम्प्यूटर का युग है तथापि समझ की जरूरत है। उसी समझ हेतु यह भास्कर पंचांग आपकी सेवा में प्रस्तुत है जिसमें सुगमता पूर्वक विश्व के किसी भी कोने में बैठकर व्रत-पर्व का काल निर्णय कर लाभन्वित हो सकते हैं।

सभी विद्वज्जन, पुरोहित वर्ग एवं सुधी पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे स्वार्थ, ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा का परित्याग कर धर्मशास्त्र को समझें और स्वयं को व अपने हिन्दूधर्म समाज को पथभ्रष्ट होने से बचायें, यही हमारा कर्तव्य है, धर्म है। समस्त धर्मशास्त्र, सन्त, ग्रन्थ विधि निषेध का ही वर्णन करते हैं क्या करें क्या न करें ये समझ गए तो सब समझ जायेंगे। हिन्दू सनातन संस्कृति जो अनादिकाल से चली आ रही है। प्राचीन ऋषि-मुनिजनों के तप व सहस्त्रों वर्षों के अनुभव के फलस्वरूप व्रत-पर्व आदि का निर्देश हम सभी के लिये हुआ है। अत: सही मार्ग का अनुगमन करे तो जीवन सुखद शान्त होगा, अच्छे संस्कार बनेंगे। संसार में शान्ति, आनन्द, वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना सार्थक होगी।

किमधिकम्। सभी पाठकवृन्द को साधुवाद देते हुये निवेदन करूंगा कि इस पंचांग में किंचितमात्र नन्हा सा प्रयास किया है, उसे स्वीकार करें। पंचांग में त्रुतियां होनी स्वाभाविक ही हैं **मानव: स्खलनशील प्राणी विद्यते** अत: सुधार कर पढ़ें और हमें सूचित करने का प्रयास करें ताकि भविष्य में भूल का सुधार कर सही मार्गदर्शन कर पायें।

गच्छत: स्खलन:क्वापि भवत्येव प्रमादत:। हसन्ति दुर्जनास्त्र समादधति सज्जन:॥

आभार प्रदर्शन— आचार्य प्रवीण जी एवं श्री केदारनाथ गुप्ता जी को हृदय से धन्यवाद करते हैं जो तन मन से पंचांग लेखों का संशोधन व अनुवाद में सहयोग देते हैं। ईश्वर आपको सुस्वस्थता व शतायु प्रदान करे, यही कामना है। समस्त पाठकवृन्द विद्वज्जन, प्रैसाध्यक्ष सभी का हार्दिक धन्यवाद। जय श्रीहरि!

निमित्तमात्र :- सुरेन्द्र शर्मा

Editor's Note

Aum Gan Ganpatye Namah..

Dear Readers,

With the blessings of the almighty we are pleased to present to you 'Bhaskar Panchang' 2024. In 1988, this Panchang was first published as 'Tithi Patrika' magazine but slowly it progressed into an important guide, and almanac for the entire North and South America.

The Panchang gives the knowledge of 'tithi', 'vaar', 'nakshatra', 'yoga', 'karan', thereby predicting the various happenings in the world. Astrology is like the eyes of Vedas and Vedas are eternal. Since the beginning of the universe the Vedas, Puranas, Sanhitas, and other historical Hindu documents have been inspiring and used as the base for the facts and festivals. Hindu fasts and festivals are all celebrated as per the base of the fasts and festivals. Hindu fasts and festivals are all celebrated as per the various lunar days called 'Tithi'. 'Tithi', 'Nakshtra' remain for 20 to 27 hours, hence these often do not fall on the same dates of the western solar calendar. As a result from ancient times Hindu fasts and festivals, are observed in the morning, evening, pradoshkal and midnight.

'Pradosh Vrat', Ganesh Chaturthi vrat, Shri Krishna Janmaashtami vratm Dipavali, shiv ratri, are all night based whilst Shri Ramnavami, Shri Durga Astami, Ekadashi, Vyas Guru Purnima, Raksha bandhan, Bhai Dooj are all day based. In all, these the fasts are observed on ancient vedic traditions that involve the 'tithi', day or night, and scripture rules for mode and method of celebration. Each day and night have 15 auspicious moments each, based off which the fasts and festivals are decided.

"Karmano yasya yah kalah tatkaal vyapini tithi" (Vishnu dhramottar), The scriptures state that Fasts and festivals should only be observed as per 'tithis'. the consequences of not doing so are stated in following lines from the Bhagwat Gita.

Yah sashtravidhimutsrajya vartate kaamkaaratah |
Na SA sidhhivapnoti na sukham na param gatim || — Gita 16/23

In these lines, Krishna Ji says "One who disobeys scriptures and performs as per their own will, shall never get happiness, comforts, prosperity and God's abode.

Tasmaachhastram pramanam te karyaakarya-vyavasthitau |
gyavata shastrvidhanokatam karmah kartumiharahasi || — Gita 16/24

Shri Ksirhna Ji goes on further to say that "Let the scriptures be your guide determining what should be done and what should not be done. You should merely perform your own duty following the scriptural wisdom.

In the past Hindus used to use their local almanac to understand when to celebrate and did so without asking any questions. Today, Hindus are living across many different time zones where there are difference of upto 24 hours. In such a situations, fasts and festivals cannot to celebrated at the same time. If we follow Indian timings then it will disobey the scriptures. 'Tithi' is formed by the revolution of Sun and Moon, hence ends up at the same time. For example on January 8, 2024 Dwitiya Tithi in Toronto is ending at 23:10 hrs. but in Georgetown (Guyana) AST Tritiya will end at 22:10, while in Vancouver it will be end at 20:10 and London, UK at 28:10 and in India it will be ending at 33:40 (that is January 9 at 09:40) and in Sydney will be ending at 38:40 (that is January 9 at 14:40 noon) so Dwitiya will be observed on January 9 in India and Sydney. With the advancement of technology it has become easier to help understand the differences. With this Almanic we hope you can better understand the conjunction of North American time zones and ancient Indian scriptures.

It is our earnest request to all concourses of learned people, priests and respected readers that they should forget their selfishness, jealously, rivalry and save the society, deviating from the righteous path. Society should follow the right path to make life peaceful and blissful. Hindu Sanatan culture which is being followed since eternity, the direction for fasts and festivals is meant for all of us, given out, by the personal experience of sages and saints from their hundreds of years of impressions. Therefore, the society follow them, it will make life happy and peaceful and good traditions will emerge.

I wish to request that please accept this Panchang as a little attempt from us. There may be mistakes, which are obvious, '***Manavah skhalansheel prani vidyate',*** so please read after correcting them. Also, inform us so that we can correct them in future.

'Gachchatah skhalanah kvaapi bhavatyev pramadatah, hasanti durjanastra samadadhati sajjanah'. Mischief-makers look for mistakes, committed due to ignorance or unintentional thoughts but these are corrected by wise people.

I thank Acharya Parveen ji who has spent his time to bring this Panchang out on time. May Bhagwan ji give you bright future. I thank Shri Kedar Nath Gupta from bottom of mu heart, who in spite of his poor health has helped us wholeheartedly in correcting articles of the Almanac, translation, writing own articles, proof reading etc. May God make him healthy and give him long life. Also, thanks to all the readers, wise people and press authorities.

'Hari Smaran'.

Humbly Yours,
Surendra Sharma

विक्रमी सम्वत् 2081 (अप्रैल 09, 2024 से मार्च 28, 2025)

सम्वत् नाम – कालयुक्त

वत्सरे कालयुक्ताख्ये सुखिनः सर्व जंतवः। सन्त्यथापि च सस्या नि प्रचुराणि तथा गदाः॥

काल वर्ष में सभी मनुष्य सुखी रहें और अन्न अधिक हों किन्तु रोग फैले ।

वर्ष नाम – आश्विन

अब्देत्वाश्वयुजेत्यर्थं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्व सस्यंस्यात् परिपूर्णा विपच्यते ॥

आश्विन संज्ञक वर्ष हो तो सब प्राणी सुखी रहें । प्रथम धान्य (जौ, गेहूं) कम हो, और सब प्रकार से परिपूर्णता हो ।

राजा – मंगल

भौमे नृपे वह्नि। भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहंच ।

दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुमचति वारिवाहः ॥

यदि मंगल राजा हो तो वह्नि। भय, जन क्षय, चोरों से आकुलता, राजाओं में और प्रजा में व्याधि वियोग पीड़ा आदि का दुःख हो और मेघ कम वर्षे।

मन्त्री – शनि

रवि सुतेयदि मंत्रिणिपार्थिवाविनय संरहिताबहुदुःखदाः।

न जल दाजलदाजन तापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्रचित्॥

शनि मन्त्री हो तो राजाओं में नम्रता न रहने से लोगों को वे दुःखदाई रहें, मेघों से जल न गिरे और मनुष्यों में कुछ भी सुख धन नहीं हों ।

वर्ष के दस पदाधिकारी :—

राजा	मंत्री	सस्येश	धान्येश	मेघेश	रसेश	नीरसेश	फलेश	धनेश	दुर्गेश
मंगल	शनि	चन्द्र	रवि	शुक्र	बुध	सूर्य	बुध	सोम	शुक्र

भारतीय ज्योतिष में वर्ष के दस पदाधिकारियों द्वारा वर्ष भर होने वाली घटनाओं को ज्ञात किया जाता है । विक्रमी सम्वत् 2081 (9 अप्रैल, 2024 से 28 मार्च, 2025) तक रहेगा । इस **सम्वत् का नाम कालयुक्त** है, **वर्ष का नाम आश्विन** होगा। वर्ष के दस पदाधिकारियों के नाम ऊपर लिखे हैं । वर्ष में **आवर्तक नामक मेघ** बरसेगा, खण्ड वृष्टि होगी ।

रोहिणी का वास तट पर होगा और समय का वास रजक के गृह में होगा। समय का वाहन हिरण होगा। शनि की दृष्टि प्रायः उत्तर की तरफ रहेगी, जहाँ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

वर्ष भर में होने वाली घटनाओं की प्रतिशतता का ज्ञान आगे लिखा जा रहा है । कुल 20विश्वा होते हैं, उनमें शान्त, क्रोध, पाप, पुण्य, आदि का कितना प्रभाव है उस से जाना जाता है । वर्ष में पाप अधिक होगा या पुण्य, शान्ति कितनी होगी, धान्य की औसत क्या रहेगी। इन सभी का विवरण सामान्य जानकारी हेतु दिया गया है। आशा है आप लाभान्वित होंगे ।

इस वर्ष के चार स्तम्भ की प्रतिशतता इस प्रकार रहेगी:- जल स्तम्भ – 38 प्रतिशत, तृण स्तम्भ – 67 प्रतिशत, वायु स्तम्भ – 87 प्रतिशत, अन्न स्तम्भ – 98 प्रतिशत ।

इस वर्ष में कौन सी प्रधानता व किस वस्तु की न्यूनता रहेगी, यह प्रतिशतता नीचे दी जा रही है-

वर्षादि का विश्वा ज्ञान

वर्षा — 5 विश्वा
धान्य — 11 विश्वा
तृण — 5 विश्वा
शीत — 13 विश्वा
तेज — 19 विश्वा
वायु — 13 विश्वा
वृद्धि — 15 विश्वा
क्षय — 5 विश्वा
विग्रह — 11 विश्वा
उद्भिजादि का विश्वा ज्ञान

क्षुधादि का विश्वा ज्ञान

क्षुधा — 3 विश्वा
तृषा — 9 विश्वा
निद्रा — 15 विश्वा
आलस — 15 विश्वा
उधम — 13 विश्वा
शान्ति — 15 विश्वा
क्रोध — 13 विश्वा
दम्भ — 5 विश्वा
लोभ — 3 विश्वा
मैथुन — 15 विश्वा
रस निस्पति — 9 विश्वा
फल निस्पति — 13 विश्वा

पाप पुण्यादि का विश्वा ज्ञान

उग्र – 15 विश्वा
पाप – 17 विश्वा
पुण्य – 7 विश्वा
व्याधि – 7 विश्वा
व्याधि नाश – 5 विश्वा
आचार – 5 विश्वा
अनाचार – 11 विश्वा
मरण – 9 विश्वा
जन्म – 1 विश्वा
देशोपद्रव – 7 विश्वा
देश व्यवस्था – 13 विश्वा
चोर भय – 3 विश्वा
चोर नाश – 13 विश्वा

अष्टोत्तरी व विंशोत्तरी मतानुसार यह देखा जाता है किस राशि को इस वर्ष कितना लाभ या हानि होगी। आय व्यय आदि की मात्रा कितनी है । अपनी राशि के अनुसार आप अपना इस वर्ष का आय व्यय नीचे लिखी तालिका से जान सकते हैं ।

अष्टोत्तरी मतानुसार राशियों का आय व्यय विचार

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	5	14	2	11	9	2	5	14	8	11	11	8
व्यय	14	5	5	2	11	5	14	5	5	14	14	5

विंशोत्तरी मतानुसार राशियों का आय व्यय विचार

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	2	11	2	11	9	2	11	2	14	8	8	14
व्यय	14	5	5	14	11	5	5	14	2	5	5	2

ॐ नवसम्वतसर 2081

॥ ॐ स्वस्ति श्री गणपतिर्जयति॥

ॐ अचिन्त्यव्यक्तरूपाय निर्गुणाय गुणात्मने । समस्तजगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः॥

वैदिक एवं पौराणिक मतानुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को सूर्योदय काल से नवसम्वत्सर का शुभारम्भ माना जाता है। **चैत्र शुक्ल प्रतिपदे ब्रह्मजगत्संसर्ज** अर्थात् इस सृष्टि का प्रचलन ब्रह्मा जी द्वारा इसी दिन से किया किया है। सृष्टि सम्वत् 195,58,85,121 के मध्य कलि सम्वत् 5125, श्रीकृष्ण सम्वत् 5259, शक् सम्वत् 1946, तदनुसार 9 अप्रैल सन् ईस्वी 2024 को नूतन विक्रमी सम्वत् 2081 कालयुक्त नामक का शुभारम्भ हो रहा है।

प्राचीन ऋषि मतानुसार नवसम्वतसर के प्रथम दिन

प्राप्ते नतूनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद्धवजारोपनम्। स्नानं मंगलाचरेद् द्विजवरैः कुर्यान्मनोवाञ्छितम्॥

प्रातः काल स्नानकर अपने इष्टदेव, गौरी, गणपति, नारायण भगवान की पूजा करें और प्रत्येक घर में नयी केसरी अथवा रक्त ध्वजारोहण करें। पूज्यजनों, गुरूजनों, ब्राह्मणों को प्रणाम करें व आशार्वीद ग्रहण करें और अपने इस वर्ष की मंगलमयता हेतु भगवत् प्रार्थना करें, ब्राह्मणों को दान दें। पञ्चाङ्ग दान का भी इस दिन बहुत माहात्म्य कहा है, सम्भव हो तो पञ्चाङ्ग लेकर गुरु, ब्राह्मणों को दान देना चाहिए।

परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः। सुपुष्पाणि समानीय चूर्ण कृत्वा विधानतः॥
मरीच हिंगु लवण जीरकेण च संयुतम्। अजमोदायुतम् कृत्वा भक्षयेद्रोगशान्तये॥

इस दिन नीम के कोमल कोमल पत्ते व फूल लेकर इसमें काली मिर्च, काला नमक, हींग, अजवायन व जीरा को मिश्रित कर चूर्ण बनाकर वर्ष भर उसका थोड़ा नित्य सेवन आरोग्यप्रद होता है। वैशाख संक्रान्ति वाले दिन पञ्चाङ्ग में पुण्यकाल लिखा होता है, उस काल में दो पत्ते नीम, मसूर के साथ खाने से वर्ष भर आधि-व्याधि से निवृत्ति रहती है।

सम्वत् 2081 काल नामक है। इस वर्ष के दस पदाधिकारियों का विवरण भी ऊपर लिखित है। वर्षनाम आश्विन है, वर्ष राजा मंगल है उनका वाहन हरिण है। मन्त्री पद शनि को मिला है। रोहिणी वास तट पर है, समय वास रजक के घर, आर्वतक नाम मेघ बरसेगा।

वर्ष 2081 की लग्न कुण्डली, जगत कुण्डली व आर्द्रा नक्षत्र प्रवेश (जून 21, 2024 को 14:48 EST पर) की कुण्डली बनाई गई है। जल, तृण, वायु, अन्न आदि स्तम्भों का भी उल्लेख किया गया है। सोमवती अमावस, खप्पर योग, सूर्य चन्द्रादि ग्रहण एवं मासिक पंचवारों का समावेश इसमें किया गया है। शास्त्रविद इनकी उपादेयता से अवश्य लाभान्वित होंगे व सम्भावित घटनाओं से अवगत होंगे।

विक्रम सम्वत् (2081) कालयुक्त नामक है। सकल ग्रह स्थिति पर ध्यान देने पर प्रतीत होता है कि यह वर्ष जन-जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण होगा। धार्मिक जगत व राजनैतिक दृष्टि से कठोर निर्णय लिए जाएंगे, गूढ़ चिन्तन होगा, मानवता का सर्वांगीण विकास होगा। जनता के हित में सभी निर्णय अनुकूल रहेंगे। नई योजनाएँ, नई नीतियाँ बनेंगी, कानून व्यवस्था कठोर होगी, शासक वर्ग प्रभावी रहेगा, कूटनीति का प्रयोग भी होगा। सरकार द्वारा कुछ निर्णय जनहित की अवहेलना वाले भी रहेंगे, प्रकृति-जलवायु अनुकूल होगी।

यह वर्ष गत वर्षों की भांति प्रायः सामान्य ही रहेगा। राजनैतिक व जन जीवन में वैमनस्य रहेगा। राजनैतिक व जीनजीवन में संघर्ष रहेगा। शासक वर्ग स्वार्थवश नए निर्णय लेंगे। धार्मिक जगत में नीतियाँ, आडम्बर व दार्शनिक विचारों व उत्थान होगा। नई-नई योजनाएँ बनेंगी। साधारणतया जनजीवन सर्वतोभावेन उत्थान की ओर अग्रसर होगा। प्राकृतिक आपदाओं से कहीं कहीं विशेष घटनाएँ घटित होंगी। आध्यात्मिक विचारों की अभिवृद्धि होगी। आधि-व्याधि का भी प्रभाव जनजीवन पर अधिक रहेगा। जनता पर कर आदि का व्ययभार और बढ़ेगा। आर्थिक दृष्टि से जीवन विशेष प्रभावित होगा।

जनवरी मास में प्रचुर वर्षा व हिमपात की सम्भावना रहेगी। जनता में कुछ विशेष उथल पुथल सम्भव है जलवायु की दृष्टि से ठीक रहेगा।

फरवरी मास में हवा का प्रकोप तेज़ रहेगा। मध्य में हिमपात व सरकार द्वारा जनकल्याण हेतु विशेष प्रावधान रखा जाएगा।

मार्च में जनजीवन सामान्य रहेगा। प्राकृतिक दृष्टि हवा का तेज बढ़ेगा। थोड़ी वर्षा व हिमपात भी रहेगा। मार्च अन्त में सुन्दर समाज व प्राकृतिक छटा का अनुभव होगा।

अप्रैल प्रारम्भ में ठण्डी हवाएँ। जनजीवन में आक्रोश की सम्भावना बढ़ेगी। सरकार की ओर से जनता की हित में विशेष कदम उठाए जायेंगे।

मई में देश के कुछ भागों में हचलच, अशान्ति-उपद्रव, चोर आदि का भय बढ़ सकता है। कहीं कहीं अप्रिय घटनाएँ घटित होंगी।

जून में गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलेगी। रोगों की वृद्धि व अराजकता वृद्धि, जलादि का प्रकोप बढ़ सकता है।

जुलाई में राजनैतिक परिवर्तन, कोई अप्रिय घटना एवं कहीं प्राकृतिक आपदाएँ ग्रस्त होंगी।

अगस्त में जन जीवन में परिवर्तन, मानसिक रोगों की वृद्धि, कृषि कार्यों में व उत्पादन में विघ्न, व फसलों के रोग में वृद्धि, राजनैतिक-धार्मिकवर्ग दोनों ही प्रभावित होंगे।

सितम्बर में शीतकालीन हवाएँ शुरु में ही वृद्धि। मास अन्त में मौसम अच्छा रहेगा। जनजीवन सामान्य चलेगा। सामान्य स्थिति बनी रहेगी।

अक्टूबर में सरकार व जनता में अर्न्तव्यथा व द्वन्द्व जैसी स्थिति बन सकती है। आर्थिक दशा सभी उतार चढ़ाव वाली देखी जा सकती है। वैमनस्य व विरोध भी देखा जाएगा।

नवम्बर में मानसिक व्यथाएँ जनजीवन को प्रभावित करेगी। जलवायु अनुकूल रहेगा। शासक वर्ग जनहित में कुछ योजनाओं पर विचार करेगा।

दिसम्बर मास में वर्षा व हिमपात होगा। आर्थिक व्यवस्था निम्नता की ओर अग्रसर होगी। रोग संक्रमण वृद्धि, शासकवर्ग गम्भीर व मूक स्थिति में देखा जा सकता है। जनजीवन सामान्य चलता रहेगा।

यह तो सामान्य बातें लिखकर प्रस्तुत की गयी है। काल का चक्र तो श्रीहरि के कर कमलों में है जो सर्वज्ञ है। सब के अधिष्ठाता एवं सकल ब्रह्माण्ड नायक हैं उन्हीं के चरण कमलों में सादर वन्दन करते हुए और सभी के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए यही प्रार्थना है।

स्वस्ति प्रजाभ्यः परिपालयन्तां, न्यायेन मार्गेण महीं महीशाः।
गोब्राह्मणेभ्यः शुभमस्तु नित्यं, लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु॥

निमित्त मात्र
आचार्य सुरेन्द्र शर्मा शास्त्री

अप्रैल 9, 2024, 13:21 मंगल

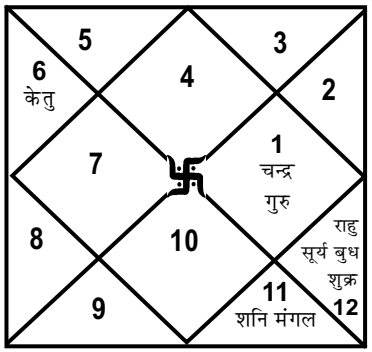

मेष संक्रान्ति अप्रैल 13, 2024
प्रवेश समय 10:26

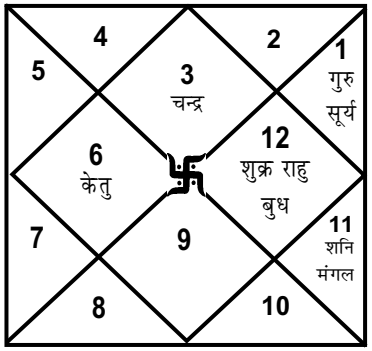

आर्द्रा नक्षत्र प्रवेश जून 21, 2024
समय 14:28

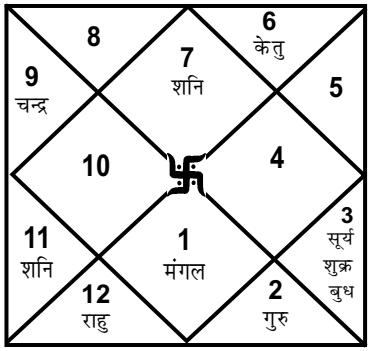

Ten office bearers of Vikrami Samvat 2081 (April 9, 2024 to March 28, 2025)

Vikrami Samvat name – Kaalyukta

In the year Kaal, all people are happy and there is plenty of food, but diseases spread.

Year (varsh) name – Ashwin

If Ashwin is the Sangyak year then all living beings should be happy. The first grain should be small and complete in all respects.

King (Raja) – Mangal (Mars)

If Mars is the king then there will be fear of fire, loss of life, anxiety from thieves, disease, separation, pain etc. among the kings and people and there will be less rain.

Minister (Mantri) – Shani (Saturn)

If Saturn is the minister, then due to lack of humility among the kings, they will cause pain to the people, water will not fall from the clouds and there will be no happiness and wealth among the people.

Ten Office Bearers

King (Raja) – Mars
Minister (Mantri) – Saturn
Wealth Owner (Sasyesh) - Moon
Crop Owner (Dhanyesh) – Sun
Rain Owner (Meghesh) – Saturn
Pleasure Owner (Rashesh) – Mercury
Prosaic Owner (Neershesh) – Sun
Result Owner (Phalesh) – Mercury
Wealth Owner (Dhanesh) – Moon
Fort Owner (Durgesh) – Venus

In Indian astrology, the events happening throughout the year are known by the ten officials of the year. Vikrami Samvat will last till 2081 (April 9, 2024 to March 28, 2025). The name of this Samvat is Kaal, the name of the year will be Ashwin. The names of the ten office bearers of the year are written above. During the year, there will be recurring clouds and heavy rains.

Rohini will reside on the coast and time will be in Rajak's house. The vehicle of time will be the deer. Saturn's vision will mostly be towards the north, where special events will happen.

The knowledge of the percentage of events occurring throughout the year can be written further. There are a total of 20 Visvas, the extent of influence of calmness, anger, sin, virtue, etc. is known from them. Will there be more sins or virtues in the year, how much peace will there be, what will be the average grain yield. Details of all these are given for general information. Hope you will benefit.

This year's four pillars will be as follows: - Water pillar 38%, Grass pillar 67%, Air pillar 87%, and Food pillar 98%.

The percentage of which things will be in abundance and which will be deficient in this year is given below -

Rain (Varshadi) in % 'Visva'	Desire (Kshuda) in % 'Visva'	Sin-virtue (Paap-punya) in % Visva
Rain (Varsha) - 5	Desire (Kshudha) - 3	Violent (Ugra) - 15
Wealth (Dhanya) - 11	Thirst (Trisha) - 9	Sin (Paap) - 17
Grass (Tran) - 5	Slumber (Nidra) - 15	Sacred (Punya) - 7
Cold (Sheet) - 13	Lazy (Aalas) - 15	Illness (Vyadhi) - 7
Sharpness (Tej) - 19	Active (Udyam) - 13	Healthy (Vyadhinas)-5
Wind (Vayu) - 13	Peace (Shanti) - 15	Conduct (Aachar) - 5
Increase (Vriddhi) - 15	Anger (Krodh) - 13	Debased (Anachar) -11
Loss (Kshay) - 5	Vanity (Dammbh) - 5	Death (Maran) - 9
Strife (Vigrah) - 11	Greed (Lobh) - 3	Birth (Janma) - 1
	Coitus (Maithun) – 15	Country disturbance-7
	Juice (Rasnispati) - 9	Country management-13
	Fruit (Falnispati) – 13	Theft - 3
		Theft control - 13

According to Ashtottari and Vimshottari opinion, it is seen how much profit or loss each zodiac sign will get this year. What is the amount of income, expenditure etc. According to your zodiac sign, you can know your income and expenditure this year from the table given below.

Income expenditure consideration of zodiac signs according to Ashtottari opinion

Rashi	Mesh	Vrish	Mithun	Kark	Singh	Kanya	Tula	Vrisch.	Dhan	Makar	Kumbh	Meen
Income	5	14	2	11	9	2	5	14	8	11	11	8
Expend.	14	5	5	2	11	5	14	5	5	14	14	5

Income expenditure consideration of zodiac signs according to Vimshottari opinion

Rashi	Mesh	Vrish	Mithun	Kark	Singh	Kanya	Tula	Vrisch.	Dhan	Makar	Kumbh	Meen
Income	2	11	2	11	9	2	11	2	14	8	8	14
Expend.	14	5	5	14	11	5	5	14	2	5	5	2

By considering the Vinshottri and Ashtottri systems one can find out the income and expenditure as per their rashis. For this year, please find out the same by seeing the above chart.

Vikrami Samvat 2081

|| Aum Swasti shri ganpatirjayati ||

Aum Achintyavyaktarupaay Nirgunaaygunaatmane |

Samastajagadadhaar Murtaye Brahmane Namah ||

As per Vedic and mythological views, the new Samvat year starts with the Sunrise of first (Pratipada) in bright fortnight of 'chaitra' lunar month. 'Chaitra Shuklapratipade Brahmajagatsansarja' meaning Brahma has created this universe on this day. The universe year 195,58,85,121, Vikram Samvat 2081, Kali Samvat 5125, Shri Krishna Samvat 5259, Shak Samvat 1946, accordingly the new Vikram Samvat 2081 with name 'Kaal' is starting on April 9, 2024. As per ancient stages, on this first day of the New Year, Prapte Nutanvatsare Pratigrihe Kuryaddhvajaaropanam, Snanam Mangalaachared Dwijvaraih Kuryaanmanovaanchhitam, take bath early morning and worship God, own deity, Ganpati and Gauri, Narayan Bhagwan and put up a saffron or red flag in the house. Bow to elders, Brahmins and 'gurus' and get their blessings for the happy, successful and prosperous new year. Also, one should donate this year's almanac after giving charity to Brahmins, as this is supposed to be very auspicious.

Paribhadrasya Patraani Komalani Visheshatah | Supushpani Samaaniya Churna Kritva Vidhaanatah ||

Marich Hingu Lavan Jeerken Cha Sanyutam | Ajmodaayutam Kritva Bhakshyodrogashaantaye ||

On this day bring new leaves of 'Neem' and flowers with black pepper, black salt, asafoetida, wild celery seeds and cumin seeds and use this mixture a little everyday throughout this year, it is very healthy. In the almanac one can find the auspicious time for 'Vaisakh Sakranti', eat two leaves of 'Neem' with 'Masur', it will avoid all illness throughout the year.

Navsamvatsar 2081 name is Kaalyukta. The description of the ten scholars of this year is also written below. The name of Year is Ashwin, the King of Year is Mangal, and his vehicle is Hiranya. Minister is Shani. Rohini is placed at shore, Samay is situated at the Rajak's house,

Avartak clouds will rain.

Lagan Kundli, Jagat Kundli and Kundli of Aadhra Nakshatra Pravesh (June 21, 2024 at 14:48 EST) for the year 2081 have been prepared. Pillars like water, grass, air, food etc. have also been mentioned. Somvati Amavasya, Khapar Yoga, Solar Lunar and other Eclipses with Monthly Panchwar have also been included in it. The intellectuals will surely be benefitted from the teachings and will be aware of possible incidents.

2081 Vikram Samvat name is Kaal. After paying attention to the overall house situation, it seems that this year will be important for life. Tough decisions will be taken from the religious world and political point of view, deep thinking will take place, and there will be all-round development of humanity. All decisions will be favorable in the public interest. New plans, new policies will be made, law and order will be strict, the ruling class will remain effective, and diplomacy will also be used. Some decisions taken by the government will be in disregard of public interest, nature and climate will be favourable.

This year will be almost normal like previous years. There will be conflict in political and public life. The ruling class will take new decisions out of selfishness. There will be an upliftment of policies, pomp and philosophical ideas in the religious world. New plans will be made. Generally life will move towards all-round upliftment. Special events will occur at some places due to natural disasters. Spiritual thoughts will increase. Even half the disease will have more impact on life. The burden of taxes etc. on the public will further increase. Life will be especially affected from financial point of view.

There will be a possibility of abundant rain and snowfall in the month of **January**. Some special upheavals are possible. Climate will remain in view.

The wind will be strong in the month of **February.** There will be snowfall in the middle and special provision will be made by the government for public welfare.

Life will be normal in **March.** Natural view: Wind speed will increase. There will also be some rain and snow. At the end of March, you will experience beautiful society and natural beauty.

Cold winds in the beginning of **April.** The possibility of anger in public life will increase. Special steps will be taken by the government in the interest of the public.

In **May,** there may be increase in some parts of the country due to disturbance, disturbance, fear of thieves etc. Unpleasant incidents will happen somewhere.

Activities will run smoothly in **June.** Diseases may increase, anarchy may increase, and outbreak of flood may increase.

There will be political changes, some unpleasant incidents and natural disasters in **July.**

In **August,** there will be changes in life, increase in mental diseases, and disruption in agricultural work and production, and increase in crops, both political and religious groups will be affected.

Winter winds increase early in **September.** The weather will be good at the end of the month. Life will go on as normal. Normal situation will remain.

In **October,** a situation like conflict and discord may arise between the government and the public. The economic condition can be seen to be full of ups and downs. Animosity and opposition will also be seen.

Mental troubles will affect life in **November.** The climate will be favourable. The ruling class will consider some schemes in public interest.

There will be rain and snow in the month of **December.** The economic system will move towards decline. Increase in disease infection and ruling class can be seen in serious and silent condition. Life will continue as normal.

This has been written and presented in general terms. The wheel of time is in the lotus feet of Shri Hari who is omniscient. We pay our respectful obeisance at the lotus feet of He who is the presiding deity of all and the hero of the entire universe and pray for the auspicious life of all.

"Swasti Prajaabhyah Paripaalayantaam, Nyayyen Margen Mahim Mahishaah |

Gobrahmanebhyah Shubhamastu Nityam, Lokaah Samastaah Sukhino Bhavantu ||"

May good betide all people. May the sovereign rule the earth, following the righteous path. May all beings ever attain what is good. May the worlds be prosperous and happy.

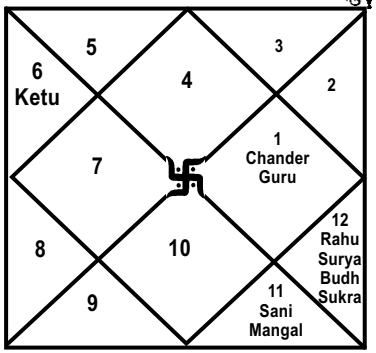

Chaitra Shukl Pratipada Kundali
April 9, 2024, 13:21 Mangal

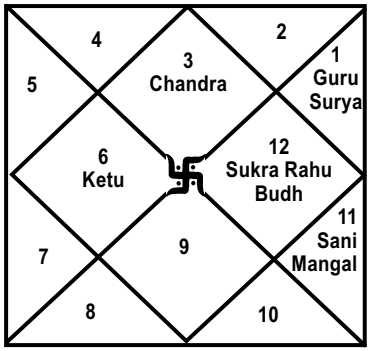

Mesh Sankranti Kundali
April 13, 2024, 10:16

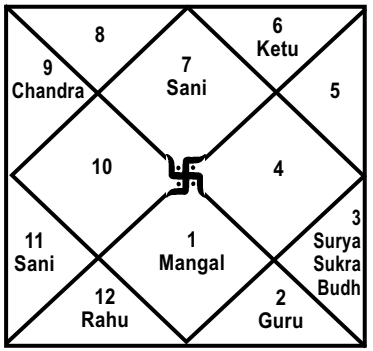

Ardra Nakshatra Pravesh Kundali
June 21, 2024, 14:28

- Humbly Yours
Acharya Surendra Sharma Shastri

जनवरी

सफला एकादशी	रवि	7
प्रदोष व्रत	सोम	8
अमावस	बुध	10
विवेकानन्द जंयती	शुक्र	12
लोहड़ी	शनि	13
मकर संक्रान्ति	रवि	14
पुत्रदा एकादशी	रवि	21
प्रदोष व्रत	सोम	22
सत्यनारायण व्रत	बुध	24
पूर्णिमा	गुरु	25
श्री गणेश (संकट) चतुर्थी व्रत	रवि	28

फरवरी

पुत्र सप्तमी	गुरु	1
षट्तिला एकादशी	सोम	5
प्रदोष व्रत	बुध	7
अमावस	शुक्र	9
गणेश तिल चतुर्थी	सोम	12
वसन्त पंचमी	मंगल	13
सरस्वती जयंती	मंगल	13
फाल्गुन संक्रान्ति	मंगल	13
रथ सप्तमी	गुरु	15
जया एकादशी	सोम	19
प्रदोष व्रत	बुध	21
सत्यनारायण व्रत	शुक्र	23
पूर्णिमा	शुक्र	23
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	मंगल	27

मार्च

सीता अष्टमी	रवि	3
महर्षिदयान्द जयंती	मंगल	5
विजया एकादशी	बुध	6
प्रदोष व्रत	गुरु	7
श्रीमहाशिवरात्रि व्रत	शुक्र	8
अमावस	शनि	9
रामकृष्ण परमहंस जयंती	सोम	11
फुलैरा दूज	सोम	11
शहीद लेखराम तृतीया	मंगल	12
(मीन संक्रान्ति) चैत्र संक्रान्ति	बुध	13
होलाष्टक प्रारम्भ	रवि	17
अन्नापूर्णा अष्टमी	रवि	17
आमलकी एकादशी	बुध	20
प्रदोष व्रत	गुरु	21
श्रीसत्यनारायण व्रत, होलिका दहन	रवि	24
बसंत पूर्णिमा, होलाष्टक समाप्त	रवि	24
चैतन्य महाप्रभु जन्यती	रवि	24
होली, चन्द्रग्रहण (अदृश्य)	सोम	25
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु	28
श्रीशिवाजी जंयती, श्रीतुकाराम जयंती	गुरु	28
शीतला सप्तमी	रवि	31

अप्रैल

शीतला अष्टमी	सोम	1
पापमोचनी एकादशी	गुरु	4
शनि प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	शनि	6
सोमवती अमावस्या / सूर्यग्रहण	सोम	8
चैत्रनवरात्रि / सम्वत् २०८१ आरम्भ	मंगल	9
आर्य समाज स्थापना दिवस, गुड़ी पड़वा	मंगल	9
मत्स्य जयन्ती, गणगौर	बुध	10
लक्ष्मी पंचमी	शुक्र	12
मेष / वैशाख संक्रान्ति दान पुण्य	शनि	13
श्रीदुर्गाष्टमी	सोम	15
श्रीरामनवमी/नवरात्रि समाप्त	मंगल	16
धर्मराज दशमी	बुध	17
कामदा एकादशी व्रत	शुक्र	19
प्रदोष व्रत	शनि	20
श्री सत्यनारायण व्रत	सोम	22
श्री हनुमान जन्मोत्सव, पूर्णिमा	मंगल	23
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	शुक्र	26

मई

वरुथिनी एकादशी	शनि	4
श्री वल्लभाचार्य जयन्ती	शनि	4
प्रदोष व्रत	रवि	5
भौमवती अमावस	मंगल	7
श्री परशुराम जयन्ती	गुरु	9
अक्षय तृतीया	शुक्र	10
सूरदास/ आदि गुरु शंकराचार्य जयन्ती	रवि	12
गंगा सप्तमी / ज्येष्ठ संक्रान्ति	मंगल	14
बगलामुखी जयन्ती	बुध	15
श्री जानकी	गुरु	16
मोहिनी एकादशी	शनि	18
प्रदोष व्रत	सोम	20
श्रीनृसिंह जयन्ती	मंगल	21
श्री सत्यनारायण व्रत / कूर्म जयन्ती	बुध	22
बुद्ध पूर्णिमा	गुरु	23
नारद जयन्ती	गुरु	23
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	रवि	26

जून

अपरा एकादशी	रवि	2
प्रदोष व्रत	सोम	3
मासिक शिवरात्रि	मंगल	4
वट सावित्री व्रत	बुध	5
अमावस्या, शनि जयन्ती	गुरु	6
रम्भा तृतीया / महाराणा प्रताप जयन्ती	रवि	9
ज्येष्ठ संक्रान्ति	शुक्र	14
गंगा दशहरा	रवि	16
निर्जला एकादशी / गायत्री जयन्ती	सोम	17
प्रदोष व्रत	बुध	19
वट सावित्री व्रत	शुक्र	21
श्री सत्यनारायण व्रत / पूर्णिमा	शुक्र	21
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	सोम	24

जुलाई

योगिनी एकादशी	सोम	१
प्रदोष व्रत	मंगल	२
अमावस	शुक्र	५
आषाढ़ नवरात्रि	शनि	६
रथयात्रा पुरी-जगन्नाथ, जगदीश रथोत्सव	रवि	७
कुमार षष्ठी	गुरु	११
अढ़ाई व्रत प्रारम्भ	शुक्र	१२
गुप्त नवरात्रि समाप्त / आषाढ़ संक्रान्ति	सोम	१५
गौरी व्रत आरम्भ, देवशयनी एकादशी	बुध	१७
प्रदोष व्रत	गुरु	१८
जया पार्वती व्रत आरम्भ	शुक्र	१९
श्री सत्यनारायण व्रत	शनि	२०
गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा	रवि	२१
श्रावण सोम आरम्भ	सोम	२२
गौरी व जया पार्वती व्रत समाप्त	मंगल	२३
श्रीगणेश चतुर्थी व्रत	मंगल	२३
कामिका एकादशी	मंगल	३०

अगस्त

प्रदोष व्रत	गुरु	1
हरियाली अमावस	रवि	4
हरियाली तीज	बुध	7
नाग पंचमी	शुक्र	9
कल्कि जयन्ती	शनि	10
गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	रवि	11
श्रीदुर्गा अष्टमी (चिन्नपूर्णी)	सोम	12
पवित्रा एकादशी	गुरु	15
भाद्रपद संक्रान्ति दान पुण्य	शुक्र	16
प्रदोष व्रत	शनि	17
श्री सत्यनारायण व्रत	रवि	18
पूर्णिमा, रक्षाबन्धन	सोम	19
श्रावण सोम समाप्त	सोम	19
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु	22
श्री चन्दन षष्ठी	शनि	24
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	रवि	25
गुग्गा नवमी	मंगल	27
अजा एकादशी	गुरु	29
प्रदोष व्रत	शुक्र	30

सितम्बर

कुशोत्पाटिनी अमावस	सोम	2
वाराह जयन्ती / हरितालिका तीज	गुरु	5
विनायक चतुर्थी	शुक्र	6
महालक्ष्मी व्रत आरम्भ	मंगल	10
श्रीराधाष्टमी	बुध	11
श्री चन्द नवमी	गुरु	12
पदमा एकादशी, वामन जयन्ती	शनि	14
प्रदोष व्रत	रवि	15
आश्विन संक्रान्ति दान पुण्य	सोम	16
अनन्त चतुर्दशी	सोम	16
पूर्णिमा / श्रीसत्यनारायण व्रत	मंगल	17
पितृ पक्ष आरम्भ	बुध	18
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	शुक्र	20
महालक्ष्मी व्रत समाप्त	मंगल	24
इन्दिरा एकादशी	शुक्र	27
प्रदोष व्रत	रवि	29

अक्तूबर

अमावस / सर्वपितृ श्राद्ध	बुध	2
पितृ विसर्जन	बुध	2
शरद् नवरात्रि आरम्भ	गुरु	3
श्री ललिता पंचमी	सोम	7
श्रीदुर्गा अष्टमी	गुरु	10
श्रीमहानवमी	शुक्र	11
विजया दशमी / अपराजिता पूजन	शनि	12
पापांकुशा एकादशी	रवि	13
प्रदोष व्रत	सोम	14
कार्तिक संक्रान्ति, वाल्मिकी जयन्ती	बुध	16
शरद् पूर्णिमा / सत्यनारायण व्रत	बुध	16
श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करवा चौथ	रवि	20
अहोई अष्टमी	बुध	23
रमा एकादशी	रवि	27
प्रदोष व्रत, धन तेरस	मंगल	29
श्री हनुमान जमोत्सव / नरक चौदस	बुध	30
दीपावली / महालक्ष्मी पूजा / अमावस	गुरु	31

नवम्बर

अन्न कूट, गोवर्धन पूजा (गुजराती नववर्ष)	शुक्र	1
भाई दूज	शनि	2
छठ पूजा	गुरु	7
गोपाष्टमी	शनि	9
अक्षय नवमी	रवि	10
हरिप्रबोधिनी एकादशी	सोम	11
तुलसी विवाह	मंगल	12
प्रदोष व्रत	बुध	13
वैकुंठ चौदस	गुरु	14
मार्गशीर्ष संक्रान्ति, श्रीसत्यनाारयण व्रत	शुक्र	15
पूर्णिमा, गुरु नानक जयन्ती	शुक्र	15
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	सोम	18
उत्पन्ना एकादशी	मंगल	26
प्रदोष व्रत	गुरु	28
अमावस, श्री बालाजी जयन्ती	शनि	30

दिसम्बर

चम्पा षष्ठी	शुक्र	6
मित्र सप्तमी	शनि	7
मोक्षदा एकादशी, गीता जयन्ती	बुध	11
प्रदोष व्रत	गुरु	12
श्री सत्यनारायण व्रत, पूर्णिमा, दत्तात्रेय जयन्ती	शनि	14
पौष संक्रान्ति दान पुण्य हेतु	रवि	15
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	बुध	18
सफला एकादशी	गुरु	26
प्रदोष व्रत	शुक्र	27
अमावस	सोम	30

यह सभी त्यौहार ईस्टर्न समयानुसार लगाये गये हैं
अधिक जानकारी के लिए आचार्य सुरेन्द्र शर्मा जी से
सम्पर्क करें (416) 457-0719

JANUARY

Safala Ekadashi	Sun	7
Pradosh Vrat	Mon	8
Amavas	Wed	10
Vivekanand Jay.	Fri	12
Lohri	Sat	13
Makar Sankranti	Sun	14
Putrada Ekadashi	Sun	21
Pradosh Vrat	Mon	22
Satyanarayan Vrat	Wed	24
Purnima	Thu	25
Ganesh (Sankat) Chaturthi Vrat	Sun	28

FEBRUARY

Putra Saptami	Thu	1
Shattila Ekadashi	Mon	5
Pradosh Vrat	Wed	7
Amavas	Fri	9
Ganesh Til Chaturthi	Mon	12
Vasant Panchami	Tue	13
Sarswati Jayanti	Tue	13
Phalgun Sankranti	Tue	13
Rath Saptami	Thu	15
Jaya Ekadashi	Mon	19
Pradosh Vrat	Wed	21
Satyanarayan Vrat	Fri	23
Purnima	Fri	23
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Tue	27

MARCH

Seeta Ashatami	Sun	3
Maharishi Dayanand Jayanti	Tue	5
Vijaya Ekadashi	Wed	6
Pradosh Vrat	Thu	7
Shri Mahashivratri Vrat	Fri	8
Amavas	Sat	9
Ramkrishan Paramhans Jay.	Mon	11
Fulera Duj	Mon	11
Shahid Lekhram Tritiya	Tue	12
(Meen Sankrant) Chaitra Sankrant	Wed	13
Holaashtak Begin	Sun	17
Annapurna Ashtmi	Sun	17
Amalki Ekadashi	Wed	20
Pradosh Vrat	Thu	21
Satyanarayan Vrat, Holika Dahan	Sun	24
Basant Purnima, Holaashtak End	Sun	24
Chaitnya Mahaprabhu Jayanti	Sun	24
Holi, Chandragrahan (Invisible)	Mon	25
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Thu	28
Sh. Shivaji Jay., Sh. Tukaram Jay.	Thu	28
Sheetla Saptami	Sun	31

APRIL

Sheetala Ashtami	Mon	1
Paapmochini Ekadashi	Thu	4
Shani Pradosh Vrat, Monthly Shivratri	Sat	6
Somvati Amavasya/Solar Eclipse	Mon	8
Chaitr Navratri/Samvat 2081 begin	Tue	9
Arya Samaj Sthapana Day/Gudi Parv	Tue	9
Matsya Jayanti/Gangaur	Wed	10
Lakshmi Panchami	Fri	12
Mesh/Vaishak Skranti Daan Punya	Sat	13
Shri Durga Ashtami	Mon	15
Shri Ram Navami/Navratri End	Tue	16
Dharamraj Dashami	Wed	17
Kamada Ekadashi	Fri	19
Pradosh Vrat	Sat	20
Shri Satyanayaran Vrat	Mon	22
Shri Hanuman Jayanti, Purnima	Tue	23
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Fri	26

MAY

Varuthini Ekadashi	Sat	4
Sh. Vallbhacharya Jayanti	Sat	4
Pradosh Vrat	Sun	5
Bhaumvati Amavasya	Tue	7
Shri Parshuram Jayanti	Thu	9
Akashya Tritiya	Fri	10
Surdas/Aadi Guru Shankracharya Jayanti	Sun	12
Ganga Saptami / Jyeshth Sankranti	Tue	14
Baglamukhi Jayanti	Wed	15
Shri Janaki	Thu	16
Mohini Ekadashi	Sat	18
Pradosh Vrat	Mon	20
Shri Nrisingh Jayanti	Tue	21
Shri Satyanarayan Vrat / Kurm Jayanti	Wed	22
Budh Purnima	Thu	23
Narad Jayanti	Thu	23
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Sun	26

JUNE

Apara Ekadashi	Sun	2
Pradosh Vrat	Mon	3
Monthly Shivratri	Tue	4
Vat Savitri Vrat	Wed	5
Amavsya, Shani Jay.	Thu	6
Rambha Tritiya / Maha Pratap Jay.	Sun	9
Jyeshtha Sankranti	Fri	14
Ganga Dushera	Sun	16
Nirjala Ekadashi / Gayatri Jay.	Mon	17
Pradosh Vrat	Wed	19
Vat Savitri Vrat	Fri	21
Shri Satyanayaran Vrat / Purnima	Fri	21
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Mon	24

JULY

Yogini Ekadashi	Mon	1
Pradosh Vrat	Tue	2
Amavas	Fri	5
Aashadh Navratri	Sat	6
Rathyatra Puri-Jagannath	Sun	7
Jagdish Rath Utsav	Sun	7
Kumar Shasthi	Thu	11
Atthais Vrat Begin	Fri	12
Gupt Navratri Ends / Aashadh Sankranti	Mon	15
Gauri Vrat Begin / Devshyani Ekadashi	Wed	17
Pradosh Vrat	Thu	18
Jaya Parvati Vrat Begins	Fri	19
Shri Satyanarayan Vrat	Sat	20
Guru Purnima / Vyas Purnima	Sun	21
Shraavan Som Begins	Mon	22
Gauri & Jaya Parvati Vrat Ends	Tue	23
Ganesh Chaturthi	Tue	23
Kamika Ekadashi	Tue	30

AUGUST

Pradosh	Thu	1
Hariyali Amavas	Sun	4
Hariyali Teej	Wed	7
Naag Panchami	Fri	9
Kalki Jayanti	Sat	10
Sh. Goswami Tulsidas Jayanti	Sun	11
Durgaashtami (Chintpurni)	Mon	12
Pavitra Ekadashi	Thu	15
Bhadrapad Sankranti Daan Punya	Fri	16
Pradosh Vrat	Sat	17
Shri Satyanarayan Vrat	Sun	18
Rakshabandhan / Purnima	Mon	19
Sravan Som Ends	Mon	19
Shri Ganesh Chaturthi	Thu	22
Chandan Shashthi	Sat	24
Shri Krishna Janmashtmi	Sun	25
Guggaa Navami	Tue	27
Aja Ekadashi	Thu	29
Pradosh Vrat	Fri	30

SEPTEMBER

Kusotpatini Amavas	Mon	2
Varah Jayanti / Haritalika Teej	Thu	5
Vinaayak Chaturthi	Fri	6
Mahalakshmi Vrat Begins	Tue	10
Radha Ashtami	Wed	11
Shri Chand Navami	Thu	12
Padama Ekadashi, Vaman Jayanti	Sat	14
Pradosh Vrat	Sun	15
Aashwin Sankranti for Daan Punya	Mon	16
Anant Chaturdashi	Mon	16
Shri Satyanarayan Vrat / Purnima	Tue	17
Pitri Paksh Begins	Wed	18
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Fri	20
Mahalakshi Vrat Ends	Tue	24
Indira Ekadashi	Fri	27
Pradosh Vrat	Sun	29

OCTOBER

Amavas / Shraadh Ends	Wed	2
Pitri Visarjan	Wed	2
Sharad Navratri Begins	Thu	3
Shri Lalita Panchami	Mon	7
Shri Durga Ashtami	Thu	10
Mahanavami	Fri	11
Vijaya Dashami / Aprajita Pujan	Sat	12
Papankusha Ekadashi	Sun	13
Pradosh Vrat	Mon	14
Kartik Sankranti / Balmiki Jayanti	Wed	16
Sharad Purnima / Shri Satyanarayan	Wed	16
Shri Ganesh Chaturthi / Krva Chauth	Sun	20
Ahoi Ashtami	Wed	23
Rama Ekadashi	Sun	27
Pradosh , Dhan Teras	Tue	29
Shri Hanuman Jayanti / Narak Chaudas	Wed	30
Diwali / Mahalakshmi Puja/Amavas	Thu	31

NOVEMBER

Annkoot, Govardhan Puja	Fri	1
Bhai Dooj	Sat	2
Chhath Puja	Thu	7
Goopaashtami	Sat	9
Akshaya Navami	Sun	10
Hari Prabhodhini Ekadashi	Mon	11
Tulsi Vivah	Tue	12
Pradosh Vrat	Wed	13
Vaikunth Chaudas	Thu	14
Shri Satyanarayan Vrat	Fri	15
Margsheersh Sankranti	Fri	15
Purnima, Guru Nanak Jayanti	Fri	15
Shri Ganeesh Chaturthi Vrat	Mon	18
Utapanna Ekadashi	Tue	26
Pradosh Vrat	Thu	28
Amavas, Bala Ji Jayanti	Sat	30

DECEMBER

Champa Shashthi	Fri	6
Mitra Saptami	Sat	7
Mokshada Ekadashi, Gita Jayanti	Wed	11
Pradosh Vrat	Thu	12
Shri Satyanarayan Vrat, Purnima	Sat	14
Dattatreya Jayanti	Sat	14
Paush Sankranti for Daan Punya	Sun	15
Shri Ganesh Chaurthi Vrat	Wed	18
Safala Ekadashi	Thu	26
Pradosh Vrat	Fri	27
Amavas	Mon	30

2024 मुख्य मासिक व्रत आदि

Month मास	Purnima पूर्णिमा	Satya.V. सत्यव्रत	Shivratri शिवरात्रि	Amavas अमावस	Sankran संक्रान्ति	Ganesh गणेश चतुर्थी	Pradosh प्रदोश	Ekadashi एकादशी	Panchak पंचक
Jan.	25	24	9	10	14	28	8, 22	7, 21	13-17
Feb.	23	23	7	9	13	27	7, 21	5, 19	9-14
Mar	24	24	8	9	14	28	7, 21	6, 20	8-12
Apr	23	22	6	8	13	26	6, 20	4, 18	4-8
May	23	22	6	7	14	24	5, 20	4, 18	2-6 & 29
Jun	21	21	4	6	14	24	3, 19	2, 17	1,2 & 25-29
Jul	21	20	3	5	16	23	2, 18	1,17,30	22-27
Aug	19	18	2, 31	4	16	22	1, 17, 30	15, 29	19-23
Sep	17	17	30	2	16	20	15, 29	14, 27	15-19
Oct	16	16	30	2, 31	16	20	14, 29	13, 27	13-17
Nov	15	14	28	30	15	18	13, 28	11, 26	9-13
Dec	15	14	28	30	15	18	12, 27	11, 26	6-11

Ten Incarnation of Lord Vishnu2024- Festivals of Arya Samaj

दशावतार जयंतियाँ - 2024		आर्य समाज त्यौहार	
Shri Matsya Jayanti	Apr, 10	Sita Asthami	Mar, 03
Shri Ram Nawami	Apr, 16	Rishi Dayanand Jananti	Mar, 05
Shri Parshuram Jayanti	May, 09	Shahid Lekh Ram Tritiya	Mar, 12
Shri Nrisingh Jayanti	May, 21	Arya Samaj Sthapana Day	Apr, 9
Shri Kuram Jayanti	May, 22	Hari Tritiya	Aug,7
Shri Buddha Jayanti	May, 23	Guru Virjananda Divas	Oct,15
Shri Kalki Jayanti	Aug, 10		
Sh. Krisha Janamashtami	Aug, 25		
Shri Varaha Jayanti	Sep, 05		
Shri Vamana Jayanti	Sep, 14		

श्राद्ध पितृ पक्ष 2024 — **Pitri Paksh 18 Sept. to 02 Oct, 2024**

पंचवार 2024 — Five Days in Hindu month 2024

Maagh - 5 Sat
Phalgun - 5 Sun
Aashadh - 5 Sat
Kartik - 5 Sat
Bhadrapad- 5 Tue
Shravan - 5 Sun

कृपया याद रखें- पंचकों में विवाह, मुंडन, गृह आरम्भ, गृह प्रवेश, उपनयन, रक्षाबन्धन, भैया दूज आदि शुभ होते हैं इनमें पंचकों का विचार नहीं करना चाहिए।

In Panchak — Marriage, Mundan, House warmining, Upnayan, Rakshabandhan, Bhaiya Dooj etc are good to observe.

2024 निरणय संक्रान्ति प्रवेश, पुण्यकाल व संज्ञा आदि — 2024 Sankranti Time, Auspicious time & their Nature

दिनांक वार	प्रवेश घंटे मिन्ट	संक्रान्ति	संज्ञा	मुहूर्ति	जप दान हेतु पुण्यकाल	Date, Day	Time H.M.	Sankranti Name	Nature	MUHURATI	Auspicious Time for prayer, donations,etc.
जन 14, रवि	16:05	माघ (मकर)	सौम्यपयन	15	सारा दिन	Jan.14, Sun	16:05	Maagh(Makar)	Gentle	15	Whole day
फर 12, सोम	29:05	फाल्गुन (कुम्भ)	विष्णुपदी	30	अगली प्रात:13:48	Feb.12, Mon	29:05	Phalgun(Kumbh)	An epithet	30	Next Morning13:48
मार्च 13, बुध	26:58	चैत्र (मीन)	षडषीति	15	अगली प्रात:13:59	Mar.13, Wed	26:58	Chaitra (Meen)	Multiplying	15	Next Morning13:59
अप्रैल13, शनि	10:26	वैशाख (मेष)	विषुव	30	सूर्योदय से 16:50तक	Apr.13, Sat	10:26	Vaishakh (Mesh)	Equinoctial	30	Sunrise to 16:50
मई 14, मंगल	08:15	ज्येष्ठ (वृष)	विष्णुपदी	15	सूर्योदय से 14:39तक	May.14, Tue	08:15	Jyeshtha (Vrish)	An epithet	15	Sunrise to 14:39
जून 14, शुक्र	14:49	आषाढ़ (मिथुन)	षडषीति	45	सारा दिन	June 14, Fri	14:49	Aashadh (Mithun)	Multiplying	45	Whole Day
जुला 15,सोम	25:40	श्रावण (कर्क)	सौम्यपन	45	अगली प्रात: 12:18 तक	Jul.15, Mon	25:40	Shraavan (kark)	Gentle	45	Next Morning12:18
अग 16,शुक्र	10:06	भाद्रपद (सिंह)	विष्णुपदी	30	सूर्योदय से 12:50 तक	Aug. 16, Fri	10:06	Bhadrapad (Singh)	An epithet	30	Sunrise to 12:50
सितं 16,सोम	10:14	आश्विन(कन्या)	षडषीति	15	सूर्योदय से 13:25 तक	Sep. 16, Mon	10:14	Ashwin (Kanya)	Multiplying	15	Sunrise to 13:25
अक्तू 16,बुध	22:04	कार्तिक (तुला)	विषुव	30	दोपहर से सूर्यास्त तक	Oct. 16, Wed	22:04	Kartik (Tula)	Equinoctial	30	Mid day to evening
नवं 15,शुक्र	20:54	मार्गशीर्ष(वृश्चिक)	विष्णुपदी	30	दोपहर से सूर्यास्त तक	Nov. 15, Fri	20:54	Maghark (Vrish.)	An epithet	30	Mid day to evening
दिसं 15,रवि	11:33	पौष (धनु)	षडषीति	30	सूयोदय से 17:57	Dec. 15, Sun	11:33	Paush (Dhanu)	Multiplying	30	Sunrise to 17:57

संक्रान्ति से अपना मासिक शुभाशुभ फल जानें

प्रत्येक मास में संक्रान्ति होती है। सूर्य के एक राशि से दूसरे राशि के प्रवेश को ही संक्रान्ति कहते हैं। पञ्चाङ्ग में जिस दिन संक्रान्ति लिखी है उस संक्रान्ति के प्रवेश काल में देखें कौन सा नक्षत्र है। इस नक्षत्र से अपने जन्म नक्षत्र तक गिने (जन्म नक्षत्र जन्म पत्री में लिखा होता है या अपने जन्म तारीख, स्थान, समयानुसार किसी पंडित ज्योतिषी से जान सकते हैं। जितने अंक में आपका जन्म नक्षत्र तक—

पहले 3 नक्षत्र में	देश-विदेश गमन यात्रा
4 से 6 नक्षत्र तक	सुख, प्राप्ति भोग
7 से 9 नक्षत्र तक	कष्ट, पीड़ा, अशान्ति
10 से 15 नक्षत्र तक	सुख, मनोरख सिद्धि
16 से 18 नक्षत्र तक	हानि, पीड़ा
19 से 24 नक्षत्र तक	धन लाभ
25 से 27 नक्षत्र तक	सामान्य दिन बीते

उदाहरणार्थ :- किसी का जन्म नक्षत्र रेवती है और वह फाल्गुन संक्रान्ति से चैत्र संक्रान्ति तक फेल देखना चाहता है तो पञ्चाङ्ग में पृष्ठ 36 पर फाल्गुन संक्रान्ति 12 फरवरी को लिखी है। उस समय संक्रान्ति के प्रवेश काल पर धनिष्ठा नक्षत्र होगा। अत: संक्रान्ति नक्षत्र (धनिष्ठा) से जन्म नक्षत्र (रेवती) को गिना तो 4 अंक बनते हैं। उपरोक्त सारिणी से 4 से 6 अंक तक 'सुख प्राप्ति' भोग, लिखा है, जो कि रेवती नक्षत्र वालो के लिये फाल्गुन संक्रान्ति से चैत्र संक्रान्ति तक घटित होगा। इसी तरह अन्य नक्षत्रों के अनुसार जानें।

यदि किसी का नक्षत्र ही संक्रान्ति के समय हो तो समझें उस मास वैर, क्लेश होगा। जन्म वार ही संक्रान्तिवार आये तो कष्ट होगा और जन्म तिथि पर संक्रान्ति पड़े तो धन हानि होगी। अत: सोच समझ कर चलें।

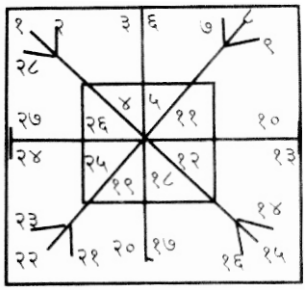

आज आपका दिन कैसे बीतेगा स्वयं जानें :- जिन दिन आपको यह जानना हो कि आज आपका दिन कैसे बीतेगा उस दिन पञ्चाङ्ग में देखें कि चन्द्रमा किस नक्षत्र पर है। आप उस नक्षत्र को क्रमांक 1 से गिन कर सामने लिखे चक्र के क्रमानुसार 28 नक्षत्र लगा लें। फिर यह देखना है कि आपका नक्षत्र किस स्थान पर आता है। वही फल जानें। यदि आपके नाम का नक्षत्र वर्गाकार के अन्दर पड़ेगा तो उस दिन शुभ समाचार, प्रिय बन्धु से मिलाप व धन लाभ होगा। यदि वर्गाकार के बाहर नक्षत्र पड़े तो आधा दिन खुशी में व आधा दिन चिन्ता में बीतेगा। यदि बिल्कुल कोण में पड़े तो पूरा दिन परेशानी में बीतेगा।

Forecasting for the Month from Sankranti (First day of Indian Solar Month)

Every Solar Month's first day in Indian calender is called Sankranti. This is the day when the Sun moves from the territory of one sign of zodiac to that of the next. We are giving here a very simple way of finding as to how the month in question will be for you.

First find the Nakshtra at the time of Sankranti from the Panchang. Then count from that Nakshtra to your birth Nakshtra (see in your horoscope or it can be found by an astrologer from your precise date, time and place of birth). The forecast till the next Sankranti depending upon the number arrived at will be as follows :-

1	—	unhappiness and discord
2, 3	—	Travel
4-6	—	comfort and enjoyment
7-9	—	Ailment and enjoyment
10-15	—	desires fulfilled
16-18	—	loss and suffering
19-24	—	Material gain
25-27	—	Ordinary time

e.g. Suppose some body's birth Nakshatra is Revati and he (she) wants to find out about forecast for Phalguna Month. He should see Phalgun Sankranti i.e. time of entry of the Sun into Kumbha (See page No. 37, Feb. 12, 2023. Surya Nakshtra at the Sankranti time is in Dhanishtha. Counting from this to Revati we get 4. From above table we find the forecast for 4 (4-6) "comfort and enjoyment". So that will be the forecast for the person of Revati Nakshtra from Phalgun Sankranti to Chaitra Sankranti.

If the Sankranti falls on your birth Nakshtra time means that month loss is likely so beware. If weekday of Sankranti and your birthday are the same the month will not be good.

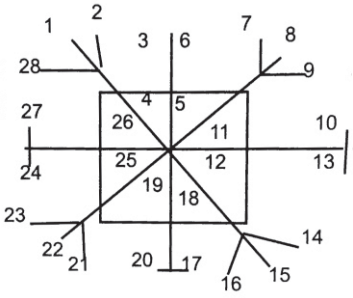

How will pass my day today :—

When you want to know about your day first see in Panchang on which Nakshtra is Chandrma today. According to side table Count from that Nakshtra from 1 to 28. Then see your birth Nakshtra come in which place. If you Nakshtra come on the square inside then you will get good news, meet with friends etc. during the day. If Nakshtra will out the square then half day happy half day sad. If your Nakshtra is falling totally outside corner then your day will not be good means you will be worried during the day.

2024 में भारत से कनाडा अमेरिका में प्रमुख पर्व-त्यौहारों के अन्तर का कारण

1 बसंत पञ्चमी मंगलवार फरवरी 13, 2024 माघ शुक्ल पक्ष पञ्चमी तिथि जिस दिन पूर्वाह्न व्यापिनी हो उस दिन बसंत पञ्चमी मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व उत्तरी अमेरिका में सर्वत्र मंगलवार फरवरी 13, 2024 को मनाया जाएगा।

इय परत्रैव पूर्वाह्न व्याप्तौ परा अन्यथा पूर्वैव।

कनाडा EST समयानुसार पञ्चमी तिथि प्रारम्भ फरवरी 12 को 28:11 (फरवरी 13, 4:11 AM EST) तथा समाप्ति फरवरी 13 को 25:41 (फरवरी 14, 1:41 EST) है। जबकि भारत में पञ्चमी तिथि का आरम्भ काल फरवरी 13 को (4:11 + 10:30) 14:41 IST तथा समाप्ति काल फरवरी 14 को (1:41 + 10:30) 12:11 IST है। भारत में पञ्चमी तिथि पूर्वाह्न में फरवरी 14, 2024 को होने के कारण त्यौहार फरवरी 14, 2024 को मनाया जाएगा। जबकि उत्तरी अमेरिका खण्ड में पञ्चमी तिथि फरवरी 13, 2024 को पूर्वाह्न में होने से बसंत पञ्चमी, वसंतोत्सव, सरवस्ती पूजा इत्यादि फरवरी 13, 2024 को मनाया जाना शास्त्र सम्मत होगा।

2 'श्रीराम नवमी' मंगलवार अप्रैल 16, 2024 भगवान श्री राम जी का जन्म चैत्र शुक्लपक्ष पुनर्वसु नक्षत्र से युक्त नवमी को मध्याह्न में कर्क लग्न में हुआ। **'अस्यां मध्याह्न व्यापिव्यापुपोषणं कार्यम्। दिनद्वये मध्याह्न व्याप्ताव व्याप्तो वा परा। अष्टमी विहाया निवेधात्।'**

इस वर्ष उत्तरी अमेरिका में श्री राम नवमी मंगलवार, अप्रैल 16, 2024 को मनाई जाएगी। भारत में यह बुधवार अप्रैल 17, 2024 को मनाई जाएगी।

EST समयानुसार नवमी तिथि आरम्भ अप्रैल 15, रात्रि 27:53 (अप्रैल 16, 3:53 AM EST) समाप्ति अप्रैल 16, रात्रि 29:44 (अप्रैल 17, 5:44 AM EST)

अष्टमी विधा नवमी का निषेध होने के कारण भारत में यह त्यौहार अप्रैल 17, 2024 को तथा कनाडा व उत्तरी अमेरिका में अप्रैल 16, 2024 को सम्पूर्ण रूप से मध्याह्न व्यापिनी नवमी होने कारण अप्रैल 16, 2024 को श्री राम जन्म महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

3 सिद्धिविनायक श्री गणेश चतुर्थी (विनायक चौथ-पत्थर चौथ) शुक्रवार, सितम्बर 6, 2024

'भाद्रपद शुक्ल चतुर्थ्यां सिद्धि व्रतम्॥ सा मध्याह्न व्यापिनी ग्राह्या॥' भाद्रपद शुक्ल पक्ष की मध्याह्न व्यापिनी चतुर्थी को सिद्धि विनायक गणेश चतुर्थी मनाई जाती है।

इस वर्ष उत्तरी अमेरिका में शुक्रवार सितम्बर 6, 2024 को मध्याह्न व्यापिनी चतुर्थी तिथि है जबकि भारत में चतुर्थी तिथि सितम्बर 6 को 15:01 IST से प्रारम्भ होकर सितम्बर 7 को 17:37 IST तक रहेगी। अत: भारत में यह त्यौहार सितम्बर 7 को मनाया जाएगा।

4 श्री दुर्गा अष्टमी शुक्रवार अक्टूबर 10, 2024

आश्विन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री दुर्गाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन व्रत उपवास, दुर्गार्चन, यज्ञ इत्यादि का विशेष महत्त्व है।

उत्तरी अमेरिका EST समयानुसार अष्टमी तिथि प्रारम्भ अक्टूबर 9 को 27:01 (अक्टूबर 10, 3:01 AM) समाप्तिकाल अक्टूबर 10, 26:36 (अक्टूबर 11, 2:36 AM EST)

भारत में अष्टमी प्रारम्भ अक्टूबर 10 (3:01 + 9:30) 12:31 IST से

समाप्ति काल अक्टूबर 11 (2:36 + 9:30) 12:06 IST तक

भारत में अष्टमी सूर्योदय काल में अक्टूबर 11 को होगी। अत: भारत में दुर्गाष्टमी का त्यौहार अक्टूबर 11, 2024 को मनाया जाएगा। जबकि उत्तरी अमेरिका में सूर्योदय कालिक अष्टमी अक्टूबर 10, 2024 को होने कारण यही दिन व्रत, यज्ञ, दुर्गोत्सव के लिए शास्त्र सम्मत है।

'अथ महाष्टमी घाटिकामात्राप्यौदयिकी नवमी युता ग्राह्या। सप्तमी स्वल्पयुता सर्वथा त्याज्या।'

5 'दीपावली अक्टूबर 31, 2024 (गुरुवार)'

अयं प्रदोष व्यापी ग्राह्यः। स्वातीनक्षत्रयोगस्तस्य प्राशस्त्यातिशयः॥

कार्तिक कृष्ण अमावस्या को प्रदोषकाल में बड़े हर्षोल्लास से दीपोत्सव मनाया जाता है। उत्तरी अमेरिका में अमावस्या तिथि पूर्व दिन रात्रि अक्टूबर 31 को 15:52 IST तथा समाप्ति काल नवम्बर 1 को सायं 18:16 IST तक रहेगी। दोनों दिन प्रदोष व्यापिनी होने से **'दिनद्वयेपि वा प्रदोषव्याप्तौ परा'** के कारण नवम्बर 1 को दीपावली मनाई जाएगी। जबकि उत्तरी अमेरिका में अक्टूबर 31, 2024 को ही प्रदोष व्यापिनी अमावस्या व स्वाति नक्षत्र का संयोग होने से दीपवली, लक्ष्मी पूजन के लिए शास्त्रानुमोदित है।

दीपावली पूजन समय —

प्रदोष काल	18:09 से 20:54
स्वाति पक्ष	15:25 से सूर्योदय
अभिजित	12:40 से 13:21
सिंह लग्न	25:28 से 28:04
वृष लग्न	18:47 से 20:33
निशीथ काल	07:53 से 09:10
लाभ चौघड़िया	13:01 से 14:18
अमृत चौघड़िया	13:01 से 14:18
शुभ चौघड़िया	16:52 से 18:09
अमृत चौघड़िया	18:09 से 19:52
तुला राशि चन्द्रमा	सूर्योदय से सूर्योदय

Logic for difference in festivals between India and Canada / America for 2024

1. Basant Panchami Tuesday February 13, 2024 Magh Shukla Paksha Panchami Tithi Basant Panchami is celebrated on the day when the morning is Nyapini. This year this festival will be celebrated everywhere in North America on Tuesday February 13, 2024.

Iya partraiva purvÁhna vyaptau parÁ anyathÁ parvaiva

According to Canada EST time, Panchami Tithi starts on February 12 at 28:11 (February 13, 4:11 AM EST) and ends on February 13 at 25:41 (February 14, 1:41 EST). Whereas in India, the starting time of Panchami Tithi is on February 13 (4:11 + 10:30) 14:41 IST and the ending time is on February 14 (1:41 + 10:30) 12:11 IST. Due to Panchami Tithi falling on February 14, 2024 in India, the festival will be celebrated on February 14, 2024. Whereas in the North America region, since Panchami Tithi is on February 13, 2024 in the forenoon, celebrating Basant Panchami, Vasantotsav, Saravasti Puja etc. on February 13, 2024 would be according to the scriptures.

2. 'Shri Ram Navami' Tuesday, April 16, 2024 Lord Shri Ram was born on Chaitra Shukla Phal Punarvasu Nakshatra on Navami in the afternoon with Cancer ascendant -

AsyaïmadhyÁhnavyÁpivyÁpupoÒaÆamkÁryam ||

dinadvaye madhyÁhan vyÁptao vÁ parÁ/ AÒÔmÍ vihÁyÁ nivedhÁt ||

This year, Shri Ram Navami will be celebrated in North America on Tuesday, April 16, 2024. In India it will be celebrated on Wednesday April 17, 2024.

According to EST time, Navami Tithi starts on April 15, 27:53 PM (April 16, 3:53 AM EST) and ends on April 16, 29:44 PM (April 17, 5:44 AM EST) due to prohibition of Ashtami Vidya Navami in India.

This festival will be celebrated with great enthusiasm on April 17, 2024 and in Canada and North America on April 16, 2024, due to Madhyam Vyapini Navami, Shri Ram Janma Mahotsav will be celebrated with enthusiasm on April 16, 2024.

3. Siddhivinayak Shri Ganesh Chaturthi (Vinayak Chauth-Paththar Chauth)

Friday, September 6, 2024

BhÁdrapada Đukla caturthyÁï siddhi vratam | SÁ madhyÁhna vyÁpinÍ grÁhyÁ ||

Siddhi Vinayak Ganesh Chaturthi is celebrated on the afternoon of Vyappini Chaturthi of Bhadrapada Shukla Paksha.

This year in North America, Madhyanha Vyapini Chaturthi Tithi is on Friday, September 6, 2024, whereas in India, Chaturthi Tithi will start from 15:01 IST on September 6 and will continue till 17:37 IST on September 7. Hence, this festival will be celebrated in India on September 7.

4. Shri Durga Ashtami Friday October 10, 2024

The festival of Shri Durgashtami is celebrated on the Ashtami date of Ashwin Shukla Paksha. On this day, fasting, Durgacharana, Yagya etc. have special significance.

As per North America EST time Ashtami Tithi starts October 9 on 27:01 (October 10, 3:01 AM) End time October 10, 26:36 (October 11, 2:56 AM EST). In India Ashtami starts October 10 (3:01 + End period from 9:30) 12:31 IST on October 11 (2:36 + 9:30) till 12:06 IST will be on Ashtami sunrise time in India on October 11. Hence, the festival of Durgashtami in India will be celebrated on October 11, 2024. Whereas in North America, due to sunrise Ashtami falling on October 10, 2024, this day is according to the scriptures for fasting, yagya and Durga festival.

Atha mahÁÒÔamÍ ghÁÔikÁmÁtrÁpyaudayikÍ navamÍ yutÁ grÁhyÁ ||

saptamÍ svalpayutÁ sarvthÁ tyÁjyÁ ||

5. Diwali October 31, 2024 (Thursday)

Ayaï pradoÒa vyÁpÍ grÁhya | svÁtÍnakÒatrayogastasya prÁĐastyÁtiĐaya ||

Deepotsav is celebrated with great enthusiasm on Kartik Krishna Amavasya during Pradosh period. In North America, the Amavasya date will be on the previous night of October 31 at 15:52 IST and the end time will be on November 1 at 18:16 IST. Due to Pradosh being a businessman on both days. Due to **Dinadvayepi vÁ pradoÒavyÁptau parÁ** Diwali will be celebrated on November 1. Whereas in North America, due to the coincidence of Pradosh Vyapini Amavasya and Swati Nakshatra on October 31, 2024, Diwali is scripturally approved for Lakshmi worship.

Diwali puja time-

Pradosh Kaal 18:09 to 20:54

Swati Paksha Sunrise from 15:25

Abhijit 12:40 to 13:21

Leo Ascendant 25:28 to 28:04

Taurus Ascendant 18:47 to 20:33

Nishith Kaal 07:53 to 9:10

Labh Choghadiya 13:01 to 14:18

Amrit Choghadiya 13:01 to 14:18

Shubh Choghadiya 16:52 to 18:09

Amrit Choghadiya 18:09 to 19:52

Libra Moonrise to Sunrise

॥ 2024 में विवाहादि हेतु वर्जित समय ॥

खर (पौष) मास	वर्षारम्भ से 13 जनवरी
गुरू अस्त	मई 03 से जून 2 तक
शुक्रास्त	अप्रैल 27 से जुलाई 10 तक
होलाष्टक	मार्च 17 से मार्च 24 तक
खर (चैत्र) मास	मार्च 14 से अप्रैल 13 तक
पितृ पक्ष	सितम्बर 18 से 02 अक्टूबर तक
भीष्म पंचक	नवम्बर 11 से नवम्बर 15 तक
खर (पौष) मास	दिसम्बर 14 से जनवरी 13, 2025 तक

Inauspicious time for Marriages etc. in 2024

Dhanaark (Paush)	Jan 1st to Jan13th
Holaashtak	Mar 27 to Mar 24
Guru combusted	May 03 to Jun 02
Meenaark (Chaitra)	Mar. 14th to April 13th
Shraadha (Pitri Paksha)	Sep. 18 to Oct. 02
Bheesham Panchak	Nov. 11 to Nov. 15
Sukra combusted	April 27 to July10
Dhanaark (Paush)	Dec. 14th to Jan. 13, 2025

॥ 2024 में स्वयँ सिद्ध मुहूर्त ॥

1.	बसन्त पंचमी	फरवरी – 13, मंगलवार
2.	चैत्र शुक्ल प्रतिपदा	अप्रैल- 09, मंगलवार
3.	अक्षया तीज	मई – 10, शुक्रवार
4.	विजया दशमी	अक्टूबर – 12, शनिवार
5.	दीपावली	अक्टूबर – 31, गुरुवार
6.	अभिजित मुहूर्त	प्रतिदिन, पृष्ठ – 102 देखें

Already Very Auspicious days of the year 2024

1.	Vasant Panchami	Feb. 13, Tuesday
2.	Chaitra Shukla pratipada	April 09, Tuesday
3.	Akshaya Tritiya	May 10, Friday
4.	Vijaya Dashami	Oct. 12, Saturday
5.	Deepavali	Oct. 31, Thursday
6.	Abhijit Muhurta	Daily mid day, See page No. 102

॥ 2025 में विवाहादि हेतु वर्जित समय ॥

खर (पौष) मास	वर्षारम्भ से 13 जनवरी
गुरू अस्त	जून 09 से जुलाई 09 तक
शुक्रास्त	मार्च 17 से मार्च 27 तक एवं नवम्बर 26 से फरवरी 17, 2026 तक
होलाष्टक	मार्च 06 से मार्च 13 तक
खर (चैत्र) मास	मार्च 14 से अप्रैल 12 तक
पितृ पक्ष	सितम्बर 08 से सितम्बर 21 तक
भीष्म पंचक	नवम्बर 01 से नवम्बर 05 तक
खर (पौष) मास	दिसम्बर 14 से जनवरी 13, 2026 तक

Approximated Inauspicious time in 2025

Dhanaark (Paush)	Jan 01 to Jan13th
Guru combusted	June 09 to July 09
Sukra combusted	March 17 to March 27 & Nov. 26 to Feb. 17, 2026
Holaashtak	March 06 to March 13
Meenaark (Chaitra)	Mar. 14th to April 12th
Shraadha (Pitri Paksha)	Sep. 08 to Sep. 21
Bheesham Panchak	Nov. 01 to November 05
Dhanaark (Paush)	Dec. 14th to Jan. 13, 2026

॥ 2025 के मुख्य त्यौहार

मकर संक्रान्ति	जनवरी	14	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	अगस्त	15
बसन्त पंचमी	फरवरी	02	विनायक चतुर्थी	अगस्त	26
श्रीमहाशिवरात्रि	फरवरी	25	शरद् नवरात्रि	सितंबर	22
होली	मार्च	14	श्री दुर्गाष्टमी	सितंबर	29
बसन्त नवरात्रि, नव सम्वत्	मार्च	29	विजया दशमी	अक्तूबर	02
श्री दुर्गाष्टमी	अप्रैल	04	करवा चौथ	अक्तूबर	09
श्रीरामनवमी	अप्रैल	05	धन तेरस	अक्तूबर	18
अक्षय तृतीया	अप्रैल	29	दीपावली	अक्तूबर	20
गुरू पूर्णिमा	जुलाई	10	गोवर्धन पूजा	अक्तूबर	21
श्री दुर्गाष्टमी चिन्तपूर्णी	अगस्त	03	भैया दूज	अक्तूबर	22
रक्षाबन्धन	अगस्त	08	श्री गीता जयन्ती	नवम्बर	30

Main Festivals of 2025

Makar Sankranti	Jan.	14	Shri Krishna Janamashtami	Aug.	15
Basant Panchami	Feb.	02	Shri Vinayak Chaturthi	Aug.	26
Maha shivratri	Feb.	25	Sharad Navratri begins	Sep.	22
Holi	Mar.	14	Shri Durga Ashtami	Sep.	29
Navratri & Navasamvat begin	Mar	29	Vijayadashami	Oct.	02
Durga Ashtami	April	04	Karwa Chauth	Oct.	09
Shri Ram Navami	April	05	Dhan Teras	Oct.	18
Akshya Tritiya	April	29	Deepavali	Oct.	20
Guru Purnima	July	10	Govardhan Puja	Oct.	21
Durga Ashtami Chintpurni	Aug.	03	Bhaiya dooj	Oct.	22
Rakshabandhan	Aug.	08	Shri Geeta Jayanti	Nov.	30

प्रमुख पर्व-व्रत-त्यौहार 2024-2033

Main Fasts and Festivals 2024-2033

मुख्य त्यौहार	Main Festivals	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032	2033
लोहड़ी	**Lohri**	Jan 13 Sat	Jan 13 Mon	Jan 13 Tue	Jan 13 Wed	Jan 13 Thu	Jan 13 Sat	Jan 13 Sun	Jan 13 Mon	Jan 14 Wed	Jan 13 Thu
मकर संक्रांति	**Makar Snakranti**	Jan 14 Sun	Jan 14 Tue	Jan 14 Wed	Jan 14 Thu	Jan 14 Fri	Jan 14 Sun	Jan 14 Mon	Jan 14 Tue	Jan 15 Thu	Jan 14 Fri
वसंत पंचमी	**Vasant Panchami**	Feb 13 Tue	Feb 02 Sun	Jan 23 Fri	Feb 11 Thu	Jan 31 Mon	Jan 19 Fri	Feb 07 Thu	Jan 27 Mon	Feb 15 Sun	Feb 03 Thu
महाशिवरात्रि	**Mahashivratri**	Mar 08 Fri	Feb 25 Tue	Feb 15 Sun	Mar 06 Sat	Feb 23 Wed	Feb 11 Sun	Mar 2 Sat	Feb 19 Wed	Mar 09 Tue	Mar 27 Sun
होली	**Holi**	Mar 25 Mon	Mar 14 Fri	Mar 3 Tue	Mar 21 Sat	Mar 10 Fri	Feb 27 Tue	Mar 19 Tue	Mar 08 Sat	Mar 26 Fri	Mar 15 Tue
नवसंवत्सर	**Nav Samvatar**	Apr 09 Tue	Mar 29 Sat	Mar 19 Thu	Apr 07 Wed	Mar 25 Sat	Mar 15 Thu	Apr 3 Wed	Mar 23 Sun	Apr 10 Sat	Mar 31 Thu
वसंत नवरात्रि	**Vasant Navratri**	Apr 09 Tue	Mar 29 Sat	Mar 19 Thu	Apr 07 Wed	Mar 25 Sat	Mar 15 Thu	Apr 3 Wed	Mar 23 Sun	Apr 10 Sat	Mar 31 Thu
दुर्गाष्टमी	**Durgaashtami**	Apr 15 Mon	Apr 4 Fri	Mar 25 Wed	Apr13 Tue	Apr 02 Sun	Apr 21 Sat	Apr 11 Thu	Mar 31 Mon	Apr 17 Sat	Apr 06 Wed
रामनवमी	**Shri Ram Navami**	Apr 16 Tue	Apr 5 Sat	Mar 26 Thu	Apr 14 Wed	Apr 03 Mon	Apr 22 Sun	Apr 11 Thu	Mar 31 Mon	Apr 18 Sun	Apr 07 Thu
परशुराम जयन्ती	**Parashuram Jayanti**	May 9 Thu	Apr 29 Tue	Apr 19 sun	May 08 Sat	Apr 26 Wed	May 15 Tue	May 4 Sat	Apr 23 Wed	May 11 Tue	Apr 30 Sat
अक्षया तृतीया	**Akshya Tritiya**	May 10 Fri	Apr 29 Tue	Apr 19 sun	May 08 Sat	Apr 26 Wed	May 15 Tue	May 5 Sun	Apr 24 Thu	May12 Wed	May 01 Sun
गुरू पूर्णिमा	**Guru Purnima**	Jul 21 Sun	Jul 10 Thu	Jul 29 Wed	Jul 18 Sun	Jul 06 Thu	Jul 25 Wed	Jul 14 Sun	Jul 04 Fri	Jul 22 Thu	Jul 11 Mon
रक्षा बंधन	**Raksha Bandhan**	Aug 19 Mon	Aug 08 Fri	Aug 27 Thu	Aug 16 Mon	Aug 04 Fri	Aug 23 Thu	Aug 12 Mon	Aug 02 Sat	Aug 20 Fri	Aug 10 Wed
जन्माष्टमी	**Janmaashtami**	Aug 26 Mon	Aug 15 Fri	Sep 3 Thu	Aug 24 Tue	Aug 12 Sat	Aug 31 Fri	Aug 20 Tue	Aug 09 Sat	Aug 27 Fri	Aug 16 Tue
विनायक चतुर्थी	**Vinayak Chaturthi**	Sep 6 Fri	Aug 26 Tue	Sep 14 Mon	Sep 03 Fri	Aug 23 Wed	Sep 11 Tue	Sep 01 Sat	Sep 20 Sat	Sep 08 Wed	Aug 28 Sun
पितृ पक्ष	**Pitri Paksh**	Sep 18-Oct 2	Sep 7-21	Sep 26-Oct 10	Sep 16-29	Sep 4- 18	Sep 23-Oct7	Sep 12-26	Sep 30-Oct 15	Sep 19-Oct 4	Sep 09-23
शरद नवरात्रि	**Sharad Navratri**	Oct 13 Thu	Sep 22 Mon	Oct 11 Sun	Sep 30 Thu	Sep 19 Tue	Oct 8 Mon	Sep 27 Fri	Oct 16 Thu	Oct 5 Tue	Sep 24 Sat
दुर्गाष्टमी	**Durgaashtami**	Oct 10 Thu	Sep 29 Mon	Oct 18 Sun	Oct 07 Thu	Sep 25 Mon	Oct 14 Sun	Oct 4 Fri	Oct 23 Thu	Oct 12 Tue	Oct 1 Sat
विजय दशमी	**Vijay Dashami**	Oct 12 Sat	Oct 02 Thu	Oct 20 Tue	Oct 09 Sat	Sep 27 Wed	Oct 16 Tue	Oct 5 Sat	Oct 24 Fri	Oct 13 Wed	Oct 3 Mon
करवा चौथ	**Karva Chauth**	Oct 20 Sun	Oct 09 Thu	Oct 28 Wed	Oct 18 Mon	Oct 6 Fri	Oct 25 Thu	Oct 14 Mon	Nov 02 Sun	Oct 21 Thu	Oct 10 Mon
दीपावली	**Deepavali**	Oct 31 Thu	Oct 20 Mon	Nov 08 Sun	Oct 28 Thu	Oct 17 Tue	Nov 5 Mon	Oct 26 Sat	Nov 13 Thu	Nov 02 Tue	Oct 22 Sun
भैया दूज	**Bhaiya Dooj**	Nov 02 Sat	Oct 22 Wed	Nov 10 Tue	Oct 30 Sat	Oct 19 Thu	Nov 07 Wed	Oct 28 Mon	Nov 15 Sat	Nov 04 Thu	Oct 24 Mon
गीता जयन्ती	**Geeta Jayanti**	Dec 11 Wed	Nov 30 Sun	Dec 19 Sat	Dec 09 Thu	Nov 27 Mon	Dec 16 Sun	Dec 5 Thu	Dec 23 Tue	Dec 12 Sun	Dec 02 Fri

सूर्योदयास्तादि व अक्षांश रेखांश भेदानुसार सम्भवत: एक दिन का अन्तर आ सकता है। स्पष्टीकरण के लिए आप sshastri@hinduvision.com. पर सम्पर्क करें।

According to your local sunrise-sunset time, latitudes, longitude there can be one day difference. Any other query contact at **sshastri@hinduvision.com.**

गुरु राहु केतु शनि आदि ग्रहों का गोचरी प्रभाव

	बृहस्पति (अप्रैल 30, 2024 से मई 14, 2025) मेष राशीस्थ गुरु का अन्य राशियों पर प्रभाव		राहु का मीन राशि से अन्य राशियों पर प्रभाव राहु अक्तूबर 30, 2023 से मई 18, 2025 तक मीन राशि में विचरण करेगा।
मेष	विविध यात्राएँ, धन व्यय, मानसिक अस्थिरता एवं चिन्ता	मेष	व्यर्थ उलझनें, अधिक दौड़-धूप, सेहत मध्यम
वृष	मनोबल निर्बल, योजनाएँ अड़चनों से पूरी होंगी, शुभकार्यों पर व्यय	वृष	अचानक लाभ, धन वृद्धि, पुरुषार्थ वृद्धि, शत्रु पक्ष निर्बल
मिथुन	परिवार में सुख वृद्धि, धर्म-अर्थ लाभ, मंगल कार्य एवं शुभ यात्राएँ	मिथुन	कारोबार, नौकरी में परिवर्तन, घरेलु झंझट व रोग भय
कर्क	आशानुकूल लाभ, पैतृक सम्पत्ति लाभ, पदोन्नति	कर्क	मानसिक अशान्ति, शुभ कार्यों व सत्संग में अरुचि
सिंह	भाग्य वृद्धि, शुभ कार्यों में लगन लगेगी, अच्छे लोगों से मेल मिलाप	सिंह	शरीर कष्ट, रोग भय, गुप्तरोग, शत्रुओं में अरुचि
कन्या	सेहत गिरावट, शुत्र पक्ष प्रबल, वृथा व्यथाएँ, धन व्यय वृद्धि	कन्या	पारिवारिक कलेश, मानसिक चंचलता, अस्थिरता, राजभय
तुला	पारिवारिक बन्धु वान्धवों में सहयोग, राज-सम्मान वृद्धि, दाम्पत्य जीवन सुखी	तुला	धनलाभ, सुखसाधन व वाहनादि से लाभ, मित्रों से लाभ
वृश्चिक	रोगभय, शत्रुवृद्धि, गुप्त चिन्ताओं में वृद्धि	वृश्चिक	बौद्धिक निर्बलता, सन्तान चिन्ता, पेट विकार
धनु	सन्तति लाभ खुशी, बौद्धिक व विद्या लाभ, नई योजनाएँ बनेगी।	धनु	वाहनादि में हानि, सुख की कमी, परिवार में कष्ट
मकर	अकस्मात् क्लेष, मातृकष्ट, सुख की कमी	मकर	आशानुकूल लाभ, अचानक लाभ, सुख समृद्धि
कुम्भ	वृथा दौड़ धूप, शरीर कष्ट, निजीजनों से कलह-क्लेश	कुम्भ	अपव्यय, परिश्रम अधिक लाभ कम, सेहत गिरावट
मीन	धन वृद्धि, धर्म कर्म व शुभ यात्राएँ होंगी, आशानुकूल लाभ	मीन	स्वास्थ्य गिरावट, अचानक क्लेश, मानसिक अस्थिरता

	Influence of Mesh Rashi Guru transit position Guru will transit into Mesh Rashi April 30, 2024 to May 14, 2025		**Influence of Meen Rashi Rahu transit position** Rahu will transit into Meen Rashi from October 30, 2023 to May 18, 2025
Mesh	Miscellaneous travel, money expenditure, mental instability and anxiety.	**Mesh**	Useless entanglements, unnecessary running about, moderate health.
Vrish	Morale is weak, plans completed with obstacles, spending on auspicious work.	**Vrish**	Sudden profit, money increase, charitable increase, enemy side is weak.
Mithu	Happiness increases in the family, wealth profit, good luck, auspicious journeys.	**Mithu**	Change in business and job, domestic troubles and fear of disease.
Kark	Expected profit, ancestral property benefit, promotion.	**Kark**	Mental disturbance, disinterest in auspicious work and satsang.
Singh	Increase in luck, profit in auspicious works, reconciliation with good people.	**Singh**	Body pain, fear of disease, distaste for enemies.
Kanya	Deterioration in health, Enemy side strong, increase in money expenditure.	**Kanya**	Family troubles, mental instability, instability, fear of the kingdom.
Tula	Cooperation in family brothers, increases in royal respect, happy married life.	**Tula**	Money gain, vehicle gain, happiness and peace, benefit from friends.
Vrisch	Fear of disease, increase in enemies, increase in secret worries.	**Vrisch**	Intellectual weakness, Child anxiety, stomach disorder.
Dhan	Progeny benefits happiness, education benefits, new schemes will be made.	**Dhan**	Loss from vehicles, lack of happiness, trouble in family.
Makar	Sudden distress, maternal distress, lack of happiness.	**Makar**	Hopeful profit, sudden profit, happiness and prosperity gain.
Kumbh	Unnecessary running about, body pain, estrangement with personals.	**Kumbh**	Spending on wastage, labor more profit less, health decline.
Meen	There will be wealth growth, auspicious journeys, hopeful benefits.	**Meen**	Health deterioration, sudden distress, mental instability.

गुरु राहु केतु शनि आदि ग्रहों का गोचरी प्रभाव

केतु का कन्या राशि से अन्य राशियों पर प्रभाव केतु अक्तूबर 30, 2023 से मई 18, 2025 तक कन्या राशि में विचरण करेगा।		शनि का कुम्भ राशि से अन्य राशियों पर प्रभाव जनवरी 16, 2023 से मार्च 29, 2025 तक शनि कुम्भ में रहेगा।	
मेष	वाहनादि से भय, निजीजनों से वैमनस्य, शत्रु प्रबल	मेष	आशानुकूल लाभ, उलझनें सुलझेंगे, पदोन्नति,सफलता
वृष	विद्यालाभ, दुखों में भी आशा की किरण, सन्तति चिंता	वृष	व्यवसाय में संकट, पति-पत्नी मन मुटाव, अशान्ति
मिथुन	पारिवारिक कलह, मातृकष्ट, मानहानि	मिथुन	अशुभ कार्यों में प्रवृत्ति, अनुचित निर्णय व निजीजनों में कलह
कर्क	धनवृद्धि, शत्रुनाश, आशाएँ फलीभूत होंगी	कर्क	आर्थिक परेशानियाँ, रोग वृद्धि, वाहन से भय
सिंह	धनहानि, सुख की कमी, उलझनें बढ़ेंगी	सिंह	वैवाहिक जीवन व राजकीय भय, परिवार में क्लेश रोग
कन्या	भय-क्लेश, मानसिक अस्थिरता, शिर रोग-पीड़ा वृद्धि	कन्या	वाहन लाभ, शत्रु निर्बल व पराक्रम वृद्धि, लाभ
तुला	यात्राओं में धन व्यय, नेत्र कष्ट व शिर रोग वृद्धि	तुला	धन-सन्तति की ओर से चिन्ता बढ़े, उत्तेजना वृद्धि
वृश्चिक	अच्छे लोगों से मेल-मिलाप, यथाशक्ति लाभ होगा	वृश्चिक	शत्रुपक्ष प्रबल, अकस्मात् कलह क्लेश वृद्धि, परिवार में कष्ट
धनु	अधिक परिश्रम पर लाभ कम, यात्रा व्यय, परिवार में वैमनस्य	धनु	योजनाओं में सफलता, निजीजनों का सहयोग, यथा लाभ
मकर	धर्म-कर्म में लगन, परिश्रमानुसार लाभ, शुभ कार्यों में रुचि बढ़ेंगी	मकर	आर्थिक उलझनें, मध्यम शरीर कष्ट, अस्थिरता
कुम्भ	गुप्त रोग एवं शत्रुपक्ष प्रबल, अजीर्णता, अशान्ति	कुम्भ	चित विक्षेप, रोग-अशौच भय रहेगा, तथापि आशानुकूल लाभ
मीन	परिवार में कष्ट, राजकीय प्रगति, स्त्री व पति कष्ट	मीन	सेहत व परिवार में हानि, व्यर्थ भ्रमण-धनव्यय, चिन्ता ग्रस्त
	Influence of Kanya Rashi Ketu transit position Ketu will transit into Kanya Rashi from October 30, 2023 to May 18, 2025		**Influence of Kumbh Rashi Saturn transit position** from January 16, 2023 to March 29, 2025
Mesh	Fear of vehicles etc., enmity with private people, enemy prevails.	**Mesh**	Expected profit, problems will be resolved, promotion, success.
Vrish	Learning benefits, a ray of hope even in sorrows, children's worries.	**Vrish**	Crisis in business, husband wife estrangement, restless.
Mithu	There will be family discord, maternal distress, loss.	**Mithu**	Tendency in inauspicious deeds, improper decisions, discord among personals.
Kark	Wealth will increase, hopes will flourish, enemies will be destroyed.	**Kark**	Financial troubles, disease growth, fear of vehicles.
Singh	Money loss, lack of happiness, confusion will increase.	**Singh**	Married life and state fear, problems in the family.
Kanya	Increased fear, mental instability, headache can increase.	**Kanya**	Vehicle advantage, enemy weakness and might increase, profit.
Tula	Expenditure of money in travel, increase in eye disease and headache.	**Tula**	Anxiety from children side and wealth, stimulus increase.
Vrisch	Reconciliation with good people, there will be profit as much as possible.	**Vrisch**	Enemy side strong, sudden increase in discord, trouble in family.
Dhan	Less profit on hard work, expenditure on travel, disharmony in family.	**Dhan**	Success in plans, cooperation of private people, benefits from all sides.
Makar	Dedication and interest in religious work, profit according to hard work.	**Makar**	Financial difficulties, medium body pain, instability.
Kumbh	Secret disease, Enemy side strong, indigestion, unrest.	**Kumbh**	Distraction of mind, fear of disease will remain, but there will be hopeful benefits.
Meen	Trouble in the family, suffering to husband or wife, state profess.	**Meen**	Loss in health and family, wasteful travel, money spent, worried.

नवग्रह स्तोत्रम्

जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्॥

दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुट भूषणम्॥

धरणी गर्भसम्भूतं विद्युत्कान्ति समप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्॥

प्रियंगु कलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्य गुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्॥

देवानां च ऋषिणां च गुरूं काञ्चन सन्निभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि वृहस्पतिम्॥

हिमकुन्द मृणालाभं दैत्यनां परमं गुरूम्। सर्वशास्त्र प्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्॥

नीलानञ्जन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छाया मार्तण्ड सम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्॥

अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्य विमर्दनम्। सिंहिकागर्भ सम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्हम्॥

पलाश पुष्प संकाशं तारकाग्रह मस्तकम्। रौद्र रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्॥

इति व्यासमुखोद्गीतं यः प्रठेत् सुसमाहितः। दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति॥

नरनारीनृपाणां च भवेद्दुः स्वप्ननाशनम्। ऐश्वर्यमतुलं तेषां आरोग्यं पुष्टिवर्धनम्॥

ग्रहनक्षत्रजाः पीड़ास्तकराग्निसमुदभवाः। ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः॥

NAVGRAHA STOTRAM

Japaakusuma sankaasham kaashyapeyam mahaa Dhyuthimal
Tamorima sarvapaapaghanam pranamaami divaakarama II
DhaDhishankha thushaaraabhaM kSheerodhaarnavasaMbhavama I
namaami shashinaM somaM shambhormukuta bhooShanama II
DharaNee garbha saMbhoothama vidhyuthkaanthi samaprabhama I
kumaaraM shakthihasthaM thaM mangalaM praNamaaMyahama II
Priyaangu kalikaashyaamaM rupeNa prathimaM buDhama I
sauMyaM sauMyaguNopethaM thvaM buDhaM praNamaaMyahama II
dhevaanaaMcha RishiNaaMcha gurukaanchana sannibhama I
buDhdhir bhoothaM thrilokeshaM thvaM namaami Vrihaspathima II
himakundha mrinaalaabhaM dhaithyaanaaM paramaM guruma I
sarvashaasthra pravakthaaraM bhaargavaM praNamaaMyahama II
neelaanjana samaabhaasaM raviputhraM yamaagrajama
Chaayaa maarthaaNda saMbhoothaM tvaM namaami shanaishcharam
Ardhakaayam mahaaveerama chandhraadhithya vimarDhanama I
simhikaa garbha saMbhoothaM thvaM raahuM praNamaaMyaham II
phalaasha pushpsankaashaM thaarakaagraha masthakama I
raudhraM raudhraathmakaM ghoraM tvam kethuM praNamaaMyaham II

श्री कृष्ण जन्माष्टमी, अगस्त 25, 2024, रविवार

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी मध्यरात्रि में चन्द्रोदय काल, वृष राशि चन्द्र में रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्री हरि का कृष्णजी के रुप में प्राकट्य दिवस मनाया जाता है । वर्ष 2024 में अष्टमी का ईएसटी समयानुसार भास्कर पंचांग के अनुसार

प्रारम्भकाल	18:10 ईएसटी	25/8/2024
समाप्तिकाल	16:51 ईएसटी	26/8/2024
चन्द्रोदय	23:05 ईएसटी	25/8/2024

श्रीकृष्णजी के जन्म में मुख्यतया अष्टमी की प्रधानता है । जैसा कि नाम है, कृष्ण + जन्म + अष्टमी, तदनुसार अगस्त 25 को ही पूरे उत्तरी अमेरिका में श्रीकृष्णजन्माष्टमी मनाई जानी चाहिए न कि 26 को । विगत वर्षों में यहाँ और भारत में अनेकों बार ऐसा हुआ। जैसे कि रामनवमी चैत्र शुक्ल नवमी, पुर्नवसु, मध्यदिवस होना चाहिए किन्तु नक्षत्र का योग कभी कभी ही बनता है । जन्माष्टमी में यदि रोहिणी नक्षत्र और अष्टमी तिथि, दोनों का संयोग बन जाए तो जयन्ती कहलाता है, जो कि अधिक पुण्यदायक है जैसा कि 2023 की जन्माष्टमी को था।

अर्द्धरात्रे तु योगोऽयं तारापत्युदये तथा ।
नियतात्मा शुचिः स्नातः पूजा तत्र प्रवर्तयेत् ।। – विष्णुधर्मोत्तर पुराण

तदनुसार चन्द्रोदय काल में भी अष्टमी होनी चाहिए । इस वर्ष चन्द्रोदय 23:10 ईएसटी पर हो रहा है, गयाना ट्रिनिडाड आदि में इसी समय के आसपास होगा । 26 अगस्त को रोहिणी नक्षत्र तो होगा लेकिन अष्टमी तिथि 16:10 ईएसटी पर ही समाप्त हो जाएगी ।

कर्मणो यस्य यःकालः तत्कालव्यापिनी तिथि ।। (वि.पु.)

सन्देह स्मार्त-वैष्णव सम्प्रदाय से ही होता है। आज से लगभग 75 वर्ष पूर्व कुछ ऐसा नहीं था। स्मार्त-वैष्णव की व्याख्या 2023 भास्कर पंचांग में पृष्ठ संख्या 76 पर लिखी गयी है, शास्त्रीय मतानुसार वहाँ समझ सकते हैं ।

सूचना – विशद् जानकारी हेतु पद्मपुराण, हरिवंशपुराण, भागवतपुराण, निर्णयसिन्धु, धर्मसिन्धु, विष्णुधर्मोत्तर पुराण, भविष्योत्तर पुराण, वशिष्ठ संहिता, मीमांसक भट्टोजिदीक्षित आदि निर्णायक ग्रन्थों का अध्ययन जिनके आधार पर हमने यह 25 अगस्त को जन्माष्टमी मनाने का निर्णय लिया है और आप सभी से भी मनाने का निवेदन करते हैं ।

SHRI KRISHNA JANMASTHAMI – AUG 25th, 2024, SUNDAY

The day of appearance of Lord Shri Hari in the form of Krishnaji is celebrated on the Ashtami midnight of Krishna Paksha of Bhadrapada month, during moonrise period, in Rohini Nakshatra in Taurus Moon. According to Bhaskar Panchang, EST time of Ashtami in the year 2024

Commencing	18:10 EST	25.8.2024
Concluding	16:51 EST	26.8.2024
Moonrise	23:05 EST	25.8.2024

Ashtami mainly has importance in the birth of Shri Krishna. As the name suggests, Krishna + Janam + Ashtami, accordingly Shri Krishna Janmashtami should be celebrated all over North America on August 25 and not on August 26. This happened many times in the past years and in India too. Like Ramnavmi should be on Chaitra Shukla Navami, Punarvasu, midday but the combination of Nakshatra is formed only sometimes. If there is a coincidence of Rohini Nakshatra and Ashtami Tithi in Janmashtami, then it is called Jayanti, it is more virtuous as it was on Janmashtami of 2023.

Arddhraatre tu yogo yam tarapatyudaye tatha |
Nimatatma shuchih snaatah pujaa tatra pravartayet || - ***Vishnudharmottar Puran***

Accordingly, Ashtami should happen during the moonrise period also. This year moonrise is happening at 23:10 EST, around the same time in Guyana Trinidad etc. Rohini Nakshatra will be there on 26th but it will happen only at 16:10 EST.

Karmano yasya yah kaalah tatkaalvyapini tithi (V.P)

Doubt comes from Smaart Vaishnav Sampraday only. There was nothing like this about 75 years ago. The explanation of Smaart Vaishnav is written in 2023 Bhaskar Panchang on page number 76, it can be understood there according to the Shastriya opinion.

Note - For detailed information, study of the decisive texts like Padmapuran, Harivanshpuran, Bhagwatpuran, Niranyasindhu, Dharmasindhu, Vishnudharmottara Purana, Bhavishtottarapuran Vashishta Samhita, Mimansak Bhattojidikshit etc. on the basis of which we have decided to celebrate Janmashtami on 25th August and request you to also celebrate it.

2024 में मेषादि राशियों पर शनि अढ़ैया, साढ़ेसाती, पाया आदि का प्रभाव

नवग्रहों में शनि का अपना प्रभाव है। शनि व्यक्ति के जीवन के महत्त्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, विशेषोन्नति भी प्रदान करता है। व्यक्ति को दार्शनिक भी बनाता है। शनि प्राय: अढाई वर्ष तक एक राशि पर रहता है। जन्म राशि से या नाम राशि से चतुर्थ या अष्टम स्थान पर जब शनि आता है, तो उसे अढैया कहा जाता है। जब शनि नाम राशि या जन्म राशि से बारहवें, फिर नाम या जन्म राशि पर फिर उससे आगामी राशि पर रहता है वही साढ़ेसाती कहलाती है और यह प्राय: दो या तीन बार सबके जीवन में अवश्य आती है। मेष, कर्क, वृश्चिक राशि वालों को मध्य में वृष, सिंह, कन्या, धन, मकर को शनि साढ़ेसाती प्रारम्भ में और मिथुन, तुला, कुम्भ, मीन राशि वालों को अन्त के अढ़ाई वर्ष विशेष प्रभावी होते हैं। इस वर्ष शनि कुम्भ राशि में विचरण करेंगे जिसका प्रभाव बारह राशियों पर शनि के अढ़ैया तथा साढ़ेसाती का इस प्रकार रहेगा। **जनवरी 16, 2023 से मार्च 29, 2025 तक शनि कुम्भ राशि में रहेगा।** 2024 में शनि अढ़ैया आदि विचार इस प्रकार से होगा:-

1. मेष —

शनि एकास्थभाव में सुवर्ण पाया पर है अत: वर्ष में सुख समृद्धि बढ़ेगी। आशानुकूल लाभ होंगे, यात्रा व नयी योजना से लाभ होगा।

2. वृष —

आपकी राशि से शनिताम्र पाया पर मिश्रित फल घटित करेगा। योजनाबद्ध चलने में अड़चने रहेंगी तथापि तन-धन से अच्छे अवसर मिलेंगे।

3. मिथुन —

शनि चांदी पाया पर शुभ फल प्रदान करेगा। अशुभ मार्ग से बचें, वृथा यात्रा व निजीजनों से मन-मुटाव की सम्भावना रहेंगी।

4. कर्क —

शनि का अढ़ैया लोह पाद पर कष्टप्रद रहेगा। सेहत हानि, चोट, दुर्घटना, वाहनादि से हानि की सम्भावना होगी।

5. सिंह —

आपकी राशी से शनि तांबे के पाया पर चल रहा है। मिलेजुले फल घटित होंगे। योजनाबद्ध कार्य करें तो सफलता मिलती रहेगी।

6. कन्या —

आपकी राशी सुवर्ण पाया पर चल रहा है जो कि सुख-साधनों की वृद्धि व आशाओं को फलीभूत करेगा, नई योजनाओं में लाभ।

7. तुला —

शनि का प्रभाव शुभ फल रहेगा। रजत पाद पर शनि बीच-बीच में गतिविधियों को अवरुद्ध करेगा। विश्वासघात व चिन्ता वृद्धि रहेगी।

8. वृश्चिक —

शनि अढ़ैया चल रहा है। लोग पाद पर होने से घरेलु झंझट, अशान्ति, सुख की कमी व वाहनादि से हानि की सम्भावना रहेगी।

9. धनु —

शनि साढ़ेसाती समाप्ति है, परन्तु शनि ताम्रपाद पर रहेगा तदनुसार वर्ष में मिश्रित फल घटित होंगे। यात्रा से लाभ, योजनाओं में आशा लाभ होगा, धन लाभ होगा।

10. मकर —

चांदी पाया पर शनि पर प्रभाव मध्यम रहेगा। पारिवारिक लेश, नेत्र कष्ट व अपव्य वृद्धि रहेगी। आर्थिक स्थिति अस्थिर रहेगी।

11. कुम्भ —

शनि साढ़ेसाती चल रही है। सुवर्ण पाया पर शनि के प्रभाव से मिले जुले फल घटित होंगे। मनोबल निर्बल, अचानक व्यय, पदोन्नति व व्यवसाय में गति अवरोधक लगेंगे।

12. मीन —

मीन राशी वालों को शनि साढ़ेसाती शुरु हो जाती है। यदि जन्मकालीन शनि शुभ होगा तो ठीक रहेगा अन्यथा चिन्ता-व्यथा दौड़धूप शरीर ताप व उलझनें घेरे रखेंगी।

ध्यान रहे — शनि का विशेष प्रभाव जन्म राशि पर अधिक देखा जाता है और जन्मकालीन शनि की उच्च-नीच अंश आदि की स्थिति अधिकाधिक अच्छा-बुरा प्रभाव दिखाती है। शनि ग्रह यदि शुभ हो तो विशेष पदोन्नति व लाभ देता है। जन्म कुण्डली में 2,3,7,8 आदि कारक भावों में होने से मृत्यु तुल्य कष्ट भी देता है। शन्ति हेतु अपने इष्टदेव को ही विशेष आराधना व शनि मंत्र **शन्नोदेवीरभिष्टय आपोभवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।** का छियत्तर हजार जाप करना चाहिये, घोड़े के पग की लोहे की नाल की अंगूठी बनाकर धारण करें, नीलम सोने की अंगूठी में पहनें। तेल में मुँह देखना, पीपल पूजा, शिव पूजा, आदि शनि शान्त्युपाय हैं। श्री हनुमान जी की प्रार्थना व प्रतिदिन हनुमान चालीसा के सौ पाठ चालीस दिन तक करें, शनि का व्रत करें।

शनिहेतु - अपने इष्टदेव की साधना बढ़ाएँ.

शनि बिज मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम: - मंत्र का कम से कम 23000 जाप करें।

- शनिवार को श्रीरुद्राभिषेक करें। - शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करें।
- पक्षियों को दाना डालें।

- सरसों के तेल को लोहपात्र में डालकर अपनी छाया देखें अर्थात् छायापात्र दान करें।
- तेल दीपक मन्दिर में या शनि सम्मुख जलाकर बीज मन्त्र या वैदिक अथवा लौकिक मन्त्र से जाप किया करें। निम्नलिखित शनि स्त्रोत का पाठ नित्य प्रति करें।

पिप्लाद उवाच॥

नमस्ते कोण संस्थापपिंगलाय नमोस्तुते। नमस्ते वभ्रुरुपाय कृष्णाय च नमोस्तुते॥
नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चांतकाय च। नमस्ते यम संज्ञाय नमस्ते सौराय विभो॥
नमस्ते मद संज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते। प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च॥

ग्रहाधीन जगत्सर्वं उक्ति ठीक है किन्तु मनुष्य धर्म का आश्रय लें तो सब दुख टल जाते हैं। कहा है- **धर्मेण हन्यते व्याधि धर्मेण हन्यते ग्रहा:। धर्मेण हन्यते रिपव: यतो धर्मस्ततो जय:॥** अर्थात् धर्म पथ का अनुगमन करने से शत्रु का नाश, आधि- व्याधि का नाश, ग्रहों का सभी अरिष्ट निवारण धर्म से होता है। जहाँ धर्म हो वहाँ जय होती है। अत: अपनी धीरता, सत्यता को नहीं छोड़ना है। अपनी साधना पथ पर अग्रसर रहें और प्रारब्ध को शिरोधार्य करते हुये आगे बढ़ें जीवन शान्तमय होगा।

EFFECT OF SATURN'S ADHAIYA, SADE-SAATI ON RASHIS IN 2024

Saturn has big influence in nine planets. Saturn influences the life of an individual and also makes some prosperous. It also gives special progress. Generally it remains in each rashi for two and half years. When it is in fourth or eighth house from lagna rashi or by name rashi, it is called 'Adhaiya' but when it is in twelfth or in the next one, it is called 'Sadesati'. Everyone faces this twice or thrice in one's life. Out of seven and half years, Mesh, Kark and Vrishchik will face in mid half; Vrish, Singh, Kanya, Dhan, Makar in the beginning and Mithun, Tula, Kumbh, Meen in the last years, will face its major effect. **Shani will transits into Kumbh Rashi from Jan. 16, 2023 to March 29, 2025.** Saturn's effect on all the Rashi will be as follow :--

1. Aries (Mesh):-

Saturn of Aries is present in the eleventh house in golden Paya which gives good results. Happiness and prosperity will increase in the year, there will be fa-vorable benefits, travel and new plans will benefit.

2. Taurus (Vrish):-

Saturn is present in the copper Paya which gives mixedresults. There will be ob-stacles in planning, but good opportunities will come from body money.

3. Gemini (Mithun) :-

Saturn is present in the Silver Paya which will give good results. Avoid inauspi-cious path, there will be possibility of estrangement with elders and personals.

4. Cancer (Kark) :-

Satrun is present in Loha paad which will give bad results. Health loss, fear of injury accident, there will be possibility of loss from vehicle.

5. Leo (Singh) :-

The effects of Saturn will give mixed results. In the whole good and bad both kinds of incidents will come. Work done with planning will give success.

6. Virgo (Kanya) :-

The effects of Saturn will give good results. There will be an increase in the means of happiness, hopes will come to fruition, benefit in new schemes

7. Libra (Tula) :-

Saturn is present in the Silver Paya which will give good results with some diffi-culties. There will also be an increase in betrayal and anxiety in between.

8. Scorpio (Vrishchik) :-

The effects of Saturn will give negative results. Conflicts increase, bad decisions will be made, Mind Troubles, sorrow from children, secret worries will increase.

9 Sagittarius (Dhanu) :-

Sani sadhesati ends but Saturn is present in the Coper Paya which gives mixed results. There will be benefit from travel, there will be hope in plans, money will be benefited.

10 Capricorn (Makar) :-

Satrun on Silver paya will be medium for this year. Family troubles, eye troubles. extravagance will increase, financial condition will remain unstable.

11 Aquarius (Kumbh) :-

Sani sadhesati is effecting Kumbh rashi. Saturn is on Golden paya which will give mixed results. Morale is weak, suddenly there will be obstacles in promotion and business.

12 Pisces (Meen) :-

Sani sadhesati just started to Meen Rashi so whose saturn is in good position at birth time will give good result to those Otherwise the worry will increase, running about in vain, always confusion and body pain will increase.

Please remember —

Saturn's main effect is seen on the birth rashi and Saturn's status, good or bad degrees affect favorably or adversely. If Saturn is well placed, it can give good result. If in the birth chart, Saturn is in 2, 3, 7, and 8th bhav, it gives death like troubles. One should worship one's own deity and chant the mantra "Sannodevirabhistay aapobhavantu pitaye, shanyorabhishtrshravantanu nah.", chant this mantra 76,000 times. One should also wear ring made out of horse shoe or golden ring with sapphire. Seeing one's face in oil, worshipping f papal and Shiv are some other methods of getting peace. Worship Hanumanji and chant Hanuman Chalisa 100 times and keep fast on Saturday. Please also chant this Saturn's Stotra:

"Piplaad uvaach"

Namaste kon santhappinglaay namostute,
Namaste vabhrupaay krishnaay ch namostute,
Namaste raudra dehaay Namaste chantkay ch,
Namaste yam sanghyay Namaste sauray vibho.
Namaste mad sanghaya shanaishcharai namostute,
prasaadam kuru devesh dinasya prantasya ch.

The above chanting is highly beneficial if one takes shelter of religion or God then all the troubles are eliminated. **"Dharmen hanyate vyadhi dharmen hany-ate grahah, dharmen hanyate ripavah yatodharmastato jayah."** Those who follow the religion, they experience no enmity,no health problems. ill-effect of plan-ets. Where there is religion there is peace. Therefore, do not leave patience, truth and keep on going ahead on your goal. The life will be peaceful.

बारह राशियों का संक्षिप्त मासिक फलादेश

	मेष — चू, चे चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ	वृष — ए, ऊ, आ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो	मिथुन — का, की, क, घ, ड, छ, के, को, ह
जनवरी	स्वास्थ्य मध्यम, भाग्योन्नति के अवसर मिलेंगे, बिड़े कार्यों में सुधार, प्रियजनों से मिलन, मासान्त में किञ्चिद् परेशानी, अकारण कलंकित हो सकते हैं। विद्यार्थियों के सामान्य समय। जन.– 7, 16, 25 अशुभ हैं।	स्वास्थ्य मध्यम, ऊर्जावान होंगे, आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, निवेश न करें। व्यय की अधिकता से परेशानी संभव। जीवनसाथी का सहयोग, विद्या में बाधाएं। जन.– 1, 10, 18, 28 शुभ नहीं है।	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, सप्तमस्थ सूर्य मंगल युति पारिवारिक चिन्ताएं, जीवनसाथी से अनबन, व्यापार व व्यवसाय में उतार-चढ़ाव, मासान्त में भाग्योन्नति के अवसर। आत्मविश्वास बनाए रखें। जन.– 1, 12, 20 शुभ नहीं है।
फरवरी	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। परिश्रम से आय साधन बनते रहेंगे। रक्षा सेवाओं में उन्नति संभव, संतान पक्ष से परेशानी, मासान्त में स्वास्थ्य सुधार, पैतृक सम्पत्ति, विवाह में विजय, परिजन संबंधओं में सफलता। फर. 4, 12, 22 शुभ नहीं है।	सेवाक्षेत्र में परिश्रम का उचित परिणाम, राहू व केतू के एकादश व पंचम भाव में गोचर के कारण प्रेम व वैवाहिक जीवन में परेशानियां, व्यवसाय में आर्थिक रणनीति बनाकर ही कार्य करें। मासान्त में भाग्योदय संभव। फर.– 6, 14, 24 अशुभ हैं।	पैतृक सम्पत्ति संबंधी विवाद संभव, विद्या से कार्य सिद्धि, मासान्त में शत्रु व रोग से कष्ट संभव, शुभ कार्यों में अड़चनें, बल-पराक्रम में कमी। फरवरी– 8, 17, 24 अशुभ हैं।
मार्च	घरेलू एवं व्यावसायिक उलझनों में, मन में उच्चाटन, व्यर्थ भागदौड़, मासान्त में कार्यक्षेत्र में सफलता, परिवारिक संतोष संतान पक्ष व विद्यार्थी खुशहाल। मार्च. 2, 11, 20, 30 सामान्य हैं।	स्वास्थ्य में सुधार, रक्षा सेवाओं व बिजली के कार्यों में उन्नति, व्यवसाय व व्यापार में सफलता हेतू निरंतर प्रयास करें। मासान्त में आकस्मिक हानि संभव। शेयर में निवेश से बचें। मार्च – 4, 13, 22 को नया कार्य न करें।	नई योजनाएं बनेगी और कार्यान्वित होगी, आय के साधनों में वृद्धि, विदेशी संबंधों से कार्य बनेंगे, मासान्त में गुप्त रीतियों से धनागम संभव, विद्यार्थी सफल होंगे, संतान पक्ष सुदृढ़। मार्च– 7, 15, 25 को नया कार्य न करें।
अप्रैल	स्वास्थ्य उत्तम, कार्यक्षेत्र में उन्नति, विलासिता पर व्यय, उदर व नेत्र विकार संभव, मासान्त में स्वभाव में तेजी, बिगड़े कार्यों में सुधार। अप्रैल 7, 16, 26 अशुभ है।	पञ्चमस्थ केतु से विद्या व संतान पक्ष से परेशानी। शनि मंगल की युति के कारण नौकरी पेशे में रुकावट, पिता का स्वास्थ्य भी खराब रहेगा। मासान्त में आय साधनों में वृद्धि। अप्रैल – 1, 9, 18, 28 शुभ नहीं है।	स्वास्थ्य में सुधार, जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग, दशमस्थ सूर्य, शुक्र, राहू की युति पिता के लिए शुभ नहीं है। नौकरी पेशे में बाधाएं, मासान्त में व्यापार व सहभागिता में हानि। अप्रैल – 3, 11, 21, 30 शुभ नहीं है।
मई	विवाहादि शुभ कार्य सम्पन्न, सरकारी कार्यों में सफलता, आय-व्यय सम रहेगा, मासान्त में शत्रुपक्ष तंग करेगा। विद्यार्थी सफल होंगे, व्यापारिक पक्ष सुदृढ़। मई – 5, 13, 23 को शुभ कार्य न करें।	लग्नस्थ गुरू से सात्विक विचार, धार्मिक कार्यों में लग्न, भाग्योन्नति के अवसर मिलेंगे, स्वभाव में उग्रता से बचें, मासान्त में शुक्र बुध की युति द्वादशस्थ होने से व्यापारिक परेशानी। मई– 7, 16, 26 अशुभ है।	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, कापी विकार से कार्य बिगड़ सकते हैं, राजकीय संबंधों से धनागम, भातृवर्ग का सहयोग, आत्मविश्वास व आत्मबल में वृद्धि। मई – 3, 9, 18, 28 अशुभ हैं।
जून	पराक्रम में वृद्धि, गुप्त रीतियों से धनागम, सहकर्मियों से सहयोग प्राप्ति, परिवार में खुशी का माहौल, षष्ठ भाव में केतू होने से उदर पीड़ा संभव। जून– 1, 9, 19, 28 शुभ नहीं है।	विद्यार्थियों के लिए शुभ समय, संतान पक्ष सुदृढ़, बल-पराक्रम में वृद्धि, व्यापार में नए आयाम स्थापित होंगे, मासान्त में आय-व्यय सम, अचानक धन लाभ। जून– 3, 12, 22, 30 को नया कार्य न करें।	ऐश्वर्यादि साधनों पर व्यय, घर में शुभ कार्य सम्पन्न होंगे, धन-भूमि-वाहनादि का सुख, रक्षा सेवाओं व बिजली उपकरणों के व्यापार से लाभ। जून– 5, 15, 24 को कार्य शुभ कार्य न करें।
जुलाई	किसी नए मित्र के साथ सम्पर्क, विद्या व पूर्वकृत प्रयासों में सफलता, सुख साधनों की प्राप्ति, वाहनादि की प्राप्ति संभव, परिवार में शुभ कार्य। जुलाई– 7, 17, 25 को शुभ कार्य न करें।	स्वास्थ्य उत्तम, धनागम सुगम, पारिवारिक हर्षोल्लास, परिश्रम से कार्य सफल होंगे, सहभागिता का व्यापार में धोखा संभव है, सतर्क रगें। जुलाई– 9, 19, 28 शुभ नहीं है।	लग्नस्थ शुक्र सूर्य युति से शारीरिक कष्ट संभव, विद्यार्थियों को परिश्रम से सफलता, मासान्त में राजकीय सहयोग, भ्रातृ व मित्रों के सहयोग से कार्यों में उन्नति। मासान्त में शत्रु से बचें। जुलाई – 3, 12, 21, 30 शुभ नहीं है।
अगस्त	संतान पक्ष से परेशानी, विद्यार्थी परिश्रम से सफल होंगे, मानसिक चिंताएं, अत्यधिक परिश्रम से आय संभव, दीर्घयात्राओं की योजना, प्रियवंधु से मिलन। अगस्त– 3, 13, 22, 31 अशुभ है।	वाहनादि से हानि संभव, व्यर्थ के व्यय, पैतृक सम्पत्ति की अधिकार प्राप्ति, स्वभाव में तेजी से कार्य बिगड़ सकते हैं। मासान्त में कतिपय स्थिति में सुधार, नई योजनाएं बनेंगी। अगस्त– 5, 16, 24 अशुभ हैं।	आय-व्यय सम, कतिपय व्यय की अधिकता से आर्थिक चिन्ताएं, संतान पक्ष कमजोर रहेगा, परन्तु आध्यात्मिकता में वृद्धि, धार्मिक कार्यों में रूचि बनेगी। अगस्त – 8, 18, 26 अशुभ हैं।
सितम्बर	स्वास्थ्य उत्तम, भ्रातृ सहयोग, अपने बल पराक्रम से कार्य सिद्ध होंगे, राजकीय व न्यायिक कार्यों में सफलता, मासान्त विद्यार्थियों के लिए शुभ। सितम्बर– 9, 18, 27 शुभ नहीं है।	राजकीय न्यायिक कार्यों में सफलता, विद्यार्थियों को शुभ समाचार, संतान पक्ष सुदृढ़ रहेगा, नई योजनाएं कार्यान्वित होगी, धनागम आसानी से होगा। सितम्बर– 2, 12, 20, 29 शुभ नहीं है।	भ्रातृवर्ग से सहयोग, धन-भूमि-वाहनादि का लाभ, आत्मविश्वास से कार्य सम्पन्न होंगे। नई योजनाएं बनेगी और आत्मविश्वास से कार्य सम्पन्न होंगे। नई योजनाएं बनेगी और लाभ मिलेगा। निवेश करते समय सावधान रहें। सितम्बर– 5, 14, 22 अशुभ है।
अम्तूबर	रक्षा सेवाओं में उन्नति, शत्रु पस्त होंगे, जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध, नई योजनाएं बनेगी व कार्यान्वित होंगी, व्यापार उत्तम। मासान्त में उतार-चढ़ाल। अक्टूबर – 7, 15, 24 मध्यम है।	मानसिक चिन्ताएं रहेगी, विद्या बल से कार्य सम्पन्न होंगे, रोग व शत्रुओं से मुक्ति, पारिवारिक जनों का सहयोग, मासान्त में न्यायिक प्रक्रियाओं से बचें। हानि सम्भव। अक्टूबर – 9, 17, 27 शुभ नहीं है।	व्यापार में नए आयाम स्थापित होंगे, विद्या व संतान पक्ष से खुशी परिवार में खुशी का माहौल, धर्म कर्म में रूचि, गुप्त विद्याओं से धनागम संभव। अक्टूबर– 2, 11, 20, 29 शुभ नहीं है।
नवम्बर	स्वास्थ्य नर्म रहेगा। अकस्मात् दुर्घटना संभव, अपनों का व्यवहार परायों जैसा होगा, निर्वाह योग्य आय साधन बनेंगे। पारिवारिक वैमनस्य, मासान्त कतिपय शुभ है। नवम्बर– 3, 12, 20, 30 शुभ नहीं है।	मानसिक उच्चाटन व आत्म विश्वास में कमी, हड्डियों में पीड़ा, स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, धन-वाहनादि के व्यापार में हानि संभव, कर्कस्थ मंगल से बल-पराक्रम की कमी। भ्रातृ वर्ग से वैमनस्य। नवम्बर– 5, 14, 22 कोई कार्य शुरु न करें।	नीचस्थ मंगल द्वितीयस्थ होनेसे धनागम में परेशानी, नेत्र कष्ट, विद्यार्थी कठिनाई से सफल होंगे, संतान से कष्ट संभव, मित्र वर्ग से वैमनस्य, राजकीय व न्यायिक परेशानियां। नवम्बर– 8, 16, 25 शुभ नहीं है।
दिसम्बर	पूर्वार्द्ध भाग में कोई शुभ समाचार प्राप्ति, भाग्योन्नति संभव, परन्तु आत्मविश्वास में कमी रहेगी, मंगल की नीच स्थिति से स्वास्थ्य गड़बड़। दिसम्बर – 9, 18, 27 को नया कार्य शुभ न करें।	स्वास्थ्य में किञ्चिद् सुधार, जीवन साथी से अनबन, बिना कारण कलंकित होने का भय। पिता के सहयोग से कार्य बनेंगे। व्यापारिक स्थिति मासान्त में अच्छी होगी। दिसम्बर – 2, 11, 20, 30 शुभ नहीं है।	स्वास्थ्य मध्यम, शत्रुपक्ष परास्त होंगे, वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल, मासान्त में बिना कारण कंलकित हो सकते हैं। गुप्त रीतियों से धन प्राप्ति मातुल पक्ष से सहयोग। दिसम्बर – 5, 13, 22 अशुभ हैं।

बारह राशियों का संक्षिप्त मासिक फलादेश

	कर्क— हू, हे, हो, डे, डी, डू, डे, डो	**सिंह**— मा, मी, मू, मे, ता, ती, तू, ते	**कन्या**— तो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
जनवरी	रोग मुक्ति, विद्या धन प्राप्ति, विवाहादि कार्यों में विलम्ब, भाग्योन्नति में बाधाएं, मासान्त में मातुल पक्ष से सहयोग, सेवाक्षेत्र में यथो सम्मान। जनवरी- 5, 14, 23 शुभ नहीं है।	स्वास्थ्य उत्तम, अपने कार्य क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सफलता, प्रतिष्ठा व सम्मान में वृद्धि, धन-भूमि-वाहनादि की प्राप्ति व लाभ, शत्रु परास्त होंगे। मासान्त में सिर चोट, स्वभाव में उग्रता संभव। संयम रखे।	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, सप्तमस्थ सूर्य मंगल युति पारिवारिक चिन्ताएं, जीवनसाथी से अनबन, व्यापार व व्यवसाय में उतार-चढ़ाव, मासान्त में भाग्योन्नति के अवसर। आत्मविश्वास बनाए रखें। जन.- 1, 12, 20 शुभ नहीं है।
फरवरी	भ्रातृ वर्ग से वैमनस्य, संतान पक्ष सामान्य, धनागम में किञ्चिद् परेशानी के बाद आय संभव, मासान्त में शुभकार्य, सेवाक्षेत्र व व्यार में लाभ। फरवरी- 1, 10, 19, 29 अशुभ है।	जीवनसाथी व मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे, विपरीत परिस्थितियों से कुशलता से निपट सकेंगे, व्यापारिक सहयोगियों व व्यवसायिक लोगों के साथ संबंधों में मिठास, विलास सामग्री पर व्यय।	पैतृक सम्पत्ति संबंधी विवाद संभव, विद्या से कार्य सिद्धि, मासान्त में शत्रु व रोग से कष्ट संभव, शुभ कार्यों में अड़चनें, बल-पराक्रम में कमी। फरवरी- 8, 17, 24 अशुभ हैं।
मार्च	रक्षा सेवाओं में रोजगार प्राप्ति व उन्नति संभव, व्यापार में मिश्रित फल, मीनस्थ राहू जीवन में उथल-पुथल करेगा, मानसिक चिंताएं संभव। मार्च- 9, 17, 27 मध्यम है।	स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, इच्छाएं व महत्त्वकांक्षायें पूरी होंगी, भूमि वाहन के क्रय-विक्रय में लाभ, अनुबंधो व समझौतों से लाभ होगा, प्रेम व प्रणय संबंधों में सफलता, लम्बी यात्राएं लाभकारी होगें।	नई योजनाएं बनेगी और कार्यान्वित होगी, आय के साधनों में वृद्धि, विदेशी संबंधों से कार्य बनेंगे, मासान्त में गुप्त रीतियों से धनागम संभव, विद्यार्थी सफल होंगे, संतान पक्ष सुदृढ़। मार्च- 7, 15, 25 को नया कार्य न करें।
अप्रैल	स्वास्थ्य मध्यम, आकस्मिक धन प्राप्ति व यात्राएं संभव, भूमि-वाहनादि की प्राप्ति, धनागम सुगम, मासान्त में अष्टमस्थ अंगारक योग से दुर्घाटना संभव। अप्रैल- 5, 14, 23 शुभ नहीं है।	नित्य चर्चा व कार्यों में व्यस्तता, सुदूर व विदेशों से शुभ समाचार, गुप्त रीतियों से धनागम, विद्यार्थियों के लिए शुभ समय, संतान प्राप्ति, जीवसाथी से मनमुटाव संभव।	स्वास्थ्य में सुधार, जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग, दशमस्थ सूर्य, शुक्र, राहू की युति पिता के लिए शुभ नहीं है। नौकरी पेशे में बाधाएं, मासान्त में व्यापार व सहभागिता में हानि। अप्रैल - 3, 11, 21, 30 शुभ नहीं है।
मई	पिता के सहयोग कार्यों में प्रगति, नवमस्थ मंगल की युति मिश्रित फल प्रदान करेगी, मासान्त व्यापार व व्यवसाय में लाभ प्राप्ति संभव, गुप्त शत्रु तंग करेंगे। मई- 3, 11, 21, 30 अशुभ है।	आय साधनों में वृद्धि, विलासिता व अन्य वस्तुओं पर व्यय, स्वास्थ्य उत्तम, धर्म कर्म में रूचि, पारिवारिक वातावरण सुखद, मासान्त पिता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, कापी विकार से कार्य बिगड़ सकते हैं, राजकीय संबंधों से धनागम, भातृवर्ग का सहयोग, आत्मविश्वास व आत्मबल में वृद्धि। मई - 3, 9, 18, 28 अशुभ हैं।
जून	विद्या क्षेत्र में उन्नति, संतान पक्ष सुदृढ़, आय के साधनों में वृद्धि, मासान्त में धर्म कार्यों में अरुचि, ऐश्वर्यादि साधनों व्यय। जून- 7, 17, 26 मध्यम है।	दैनिक जीवन में परेशानियां, किसी भी कार्य या योजना की जांच के बाद पूंजी निवेश करें, पारिवारिकजनों से कभी कभी मतभेद, मासान्त में रक्षा सेवाओं व विद्युत उकरणों से लाभ, नेत्र पीड़ा।	ऐश्वर्यादि साधनों पर व्यय, घर में शुभ कार्य सम्पन्न होंगे, धन-भूमि-वाहनादि का सुख, रक्षा सेवाओं व बिजली उपकरणों के व्यापार से लाभ। जून- 5, 15, 24 को कार्य शुभ कार्य न करें।
जुलाई	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आय-व्यय सम रहेगा। किञ्चिद् परेशानियों के बाद व्यापार में लाभ, विद्या व संतान पक्ष से शुभ समाचार। जुलाई - 5, 15, 23 शुभ नहीं है।	साधारण रूप से स्वास्थ्य ठीक रहेगा, शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे, गृहस्थ में असुरक्षा की भावना से डर, मासान्त में अपने कार्यों से प्रशंसा, सम्मान प्राप्ति, आत्म विश्वास में वृद्धि।	लग्नस्थ शुक्र सूर्य युति से शारीरिक कष्ट संभव, विद्यार्थियों को परिश्रम से सफलता, मासान्त में राजकीय सहयोग, भ्रातृ व मित्रों के सहयोग से कार्यों में उन्नति। मासान्त में शत्रु से बचें। जुलाई - 3, 12, 21, 30 शुभ नहीं है।
अगस्त	स्वभाव में तेजी संभव, भ्रातृ वर्ग से वैमनस्य, पराक्रम में कमी, व्यापार में बाधाएं मासान्त में सरकारी संबंधों से आय संभव, आकस्मिक धन लाभ। अगस्त - 1, 11, 20, 28 अभुश है।	स्वास्थ्य उत्तम, सामाजिक क्षेत्र में वृद्धि, यात्राओं से लाभ, पारिवारिक उत्थान के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होगा, वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा, बड़े-बुजुर्गों के सहयोग से कार्य सम्पन्न होगा।	आय-व्यय सम, कतिपय व्यय की अधिकता से आर्थिक चिन्ताएं, संतान पक्ष कमजोर रहेगा, परन्तु आध्यात्मिकता में वृद्धि, धार्मिक कार्यों में रूचि बनेगी। अगस्त - 8, 18, 26 अशुभ हैं।
सितम्बर	राजकीय संबंधों से कार्यों में सफलता क्रय-विक्रय में सावधानी बरतें हानि संभव, ऐश्वर्यादि वस्तुओं के व्यापार से अप्रत्याशित लाभ। सितम्बर- 7, 16, 24 मध्यम है।	मासारम्भ मन्द रहेगा, कार्य में अड़चनें व देरी होगी, काम का बोझ अधिक रहेगा, व्यर्थ के कार्यों में उलझे रहेंगे, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। शांत रहें, स्वभाव में उग्रता से कार्य बिगड़ेंगे।	भ्रातृवर्ग से सहयोग, धन-भूमि-वाहनादि का लाभ, आत्मविश्वास से कार्य सम्पन्न होंगे। नई योजनाएं बनेगी और आत्मविश्वास से कार्य सम्पन्न होंगे। नई योजनाएं बनेगी और लाभ मिलेगा। निवेश करते समय सावधान रहें। सितम्बर- 5, 14, 22 अशुभ है।
अक्टूबर	सूर्य, बुध, केतू की युति से किञ्चिद् बाधाओं के बाद बल पराक्रम व व्यारपार में लाभ, वाहनादि की प्राप्ति संभव, मासान्त में व्याराक व व्यवसाय में लाभ, भ्रातृ वर्ग से वैमनस्य। अक्टूबर- 4,15,22,31 शुभ है।	स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक अड़चनें, रिश्तेदारों के कारण परेशानियां, सहयोगियों की लापरवाही से हानि। मासान्त शुभ रहेगा, व्यापार में वृद्धि धनागम सुगम।	व्यापार में नए आयाम स्थापित होंगे, विद्या व संतान पक्ष से खुशी परिवार में खुशी का माहौल, धर्म कर्म में रूचि, गुप्त विद्याओं से धनागम संभव। अक्टूबर- 2, 11, 20, 29 शुभ नहीं है।
नवम्बर	नीचस्थ मंगल स्वास्थ्य में परेशानी, सूर्य नीचस्थ स्थिति में होने से धनागम में परेशानियाँ, आय-व्यय सम, मासान्त में स्थिति सुधार, विद्या क्षेत्र व संतान पक्ष से भी परेशानी। नवम्बर- 1,10,18,28 अशुभ हैं।	स्वास्थ्य उत्तम, व्यापार व व्यवसाय: लाभ व उन्नति, कर्मठ रहेंगे, वरिष्ठ व सत्तावान मित्रों के साथ संबंधों में सुधार, वाहन प्राप्ति सम्भव विदेशों से शुभ समाचार प्राप्त होगा।	नीचस्थ मंगल द्वितीयस्थ होनेसे धनागम में परेशानी, नेत्र कष्ट, विद्यार्थी कठिनाई से सफल होंगे, संतान से कष्ट संभव, मित्र वर्ग से वैमनस्य, राजकीय व न्यायिक परेशानियां। नवम्बर- 8, 16, 25 शुभ नहीं है।
दिसम्बर	पारिवारिक शुभ कार्य, धर्म कर्म में रूचि, मानसिक शांति परन्तु स्वास्थ्य संबंधी चिन्ताएं बनी रहेंगी। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा। दिसम्बर - 7, 16, 25 शुभ नहीं है।	विद्या व संतान पक्ष सुदृढ़। शुभ कार्यों का आयोजन, गृहस्थ जीवन सुखद, अकस्मात् धन लाभ प्राप्ति, पैतृत संपति का लाभ, छोटी-छोटी बिमारियों से मानसिक शांति भंग होगी।	स्वास्थ्य मध्यम, शत्रुपक्ष परास्त होंगे, वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल, मासान्त में बिना कारण कंलकित हो सकते हैं। गुप्त रीतियों से धन प्राप्ति मातुल पक्ष से सहयोग। दिसम्बर - 5, 13, 22 अशुभ हैं।

बारह राशियों का संक्षिप्त मासिक फलादेश

	तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, तो, ते	वृश्चिक— तो, न, नी, नू ने, नो, या, यी, यू	धनु— या, यो, ये, भा, भी, भू, ध, फ, था
जनवरी	स्वास्थ्य मध्यम, उद्यमों में सफलता, कार्यों में सुधार, धनागम साधारण रहेगा, आय-व्यय सम, विद्यार्थी परिश्रम में सफल होंगे, यात्राएं सुखद होंगी।	स्वास्थ्य मध्यम, पञ्चमास्थ राहू से सही निर्णय लेने की क्षमताओं में योग्यता का आभाव, झूठी आशाएं लक्ष्य से भ्रमित करेंगी। जीवन में सबका सहयोग, धनागम में किञ्चिद् परेशानी।	परिणामों के प्रति अधिक आशावादी, व्यापार वृद्धि की संभावनाएं, महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों से सम्पर्क, कार्यक्षेत्र में सुधार, नए परिवर्तन व सृजन करने की विचार धाराओं से अभिभूत।
फरवरी	सरकार व सताधारी व्यक्तियों के सहयोग कार्यों में प्रगत्वि सफलता, विरोधी पस्त होंगे, पारिवारिक वातावरण सुखद, व्यापार में लाभ, स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव।	धनागम के साधनों में वृद्धि, अचल सम्पत्ति से लाभ, सट्टेबाजी से बचें, मित्रों से संबंधों में कटुता, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, अपच की समस्या व पेट के रोग का भय।	स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, सुविधा व विलासिता पर व्यय, विरोधी व प्रतिद्वन्द्वी हानि पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। विवाहादि संबंधों के लिए शुभ समय, माता-पिता को कष्ट संभव।
मार्च	विवाहादि मंगल कार्य सम्पन्न होंगे, व्यापार व नौकरी पेशे में उन्नति के अवसर, बहु प्रतीक्षित यात्रा का लाभ, इच्छाओं व आकांक्षाओं की पूर्ति।	आय-व्यय सम, किञ्चिद् लाभ हेतु अत्याधिक परिश्रम, नौकरी पेशे में परेशानी, विरोधी प्रबल होंगे। व्यर्थ यात्राएं, मासान्त में स्थिति में सुधार।	भोगवृत्ति पर अंकुश लगाएं, परिवारिक जनों के स्वास्थ्य के कारण चिन्ता, दृष्टिकोष धनात्मक होगा, आत्मबल व विश्वास में वृद्धि, राजकीय क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण पद प्राप्ति संभव।
अप्रैल	दर्शन व साहित्य में रूचि जागृत होगी, विद्वानजनों से सम्पर्क, सम्मानित व विख्यात होंगे, शत्रु व रोगों से मुक्ति मासान्त में सृजनात्मक क्षमता व बुद्धि विवेक की कमी।	स्वास्थ्य मन्द, पारिवारिक सदस्यों से मन मुटाव, मुकद्दमेबाजी व न्यायालय के मामलों में समय अच्छा है, जीवन शक्ति और स्फूर्ति में कमी।	स्वास्थ्य मन्द, छोटी यात्राएं, परिश्रम से सफलता, विदेशी संबंधों से धनागम, धार्मिक कृत्यों से शांति सुख, माता-पिता का सहयोग, विद्याबल से कार्य बनेंगे।
मई	विद्या व संतान क्षेत्र से निराशा, बुद्धि-विवेक से ही निर्णय करें, मित्र व सहयोगी धोखा दे सकते हैं, सतर्क रहें, यात्राएं ठीक नहीं रहेगी, आशओं पर निर्भरता से हानि।	भौतिक सुखों की कमी रहेगी परन्तु धार्मिक व आध्यात्मिक कार्यों में रहने से शांति चैन रहेगा, विरोधी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे, कंलकित होने का भय।	मिश्रित फल प्राप्ति, इच्छाओं के विपरीत फल मिल सकते हैं, छोटी दुर्घटना संभव जोखिम उठाने व सट्टेबाजी से बचें, कानूनी प्रक्रिया में फंस सकते हैं। पारिवारिक परेशानी।
जून	स्वास्थय मन्द रहेगा, अपव्यय से आर्थिक समस्याएं, मानसिक अशांति, जोखिम उठाने की प्रवृति पर अंकुश लगाएं, मासान्त आर्थिक व सामाजिक समृद्धि/प्रसिद्धि प्राप्त।	स्वास्थ्य में सुधार, बल-बुद्धि-विद्या से कार्य बनेंगे, प्रतिभा, योग्यता व निपुणता के अच्छे परिणाम मिलेंगे, विद्वत्जनों से सम्पर्क, सम्मान व ख्याति प्राप्ति। योजनाएं फलीभूत।	स्वास्थ्य उत्तम, प्रयासों में विफलता, मानसिक वेदना, वरिष्ठ अधिकारियों के रोष के भाजन होंगे, अवांछित साधनों से धन आर्जित करने का प्रयत्न न करें। जीवन साथी का सहयोग।
जुलाई	पारिवारिक सुख व शांति, ऋण इत्यादि की वसूली होगी, तीर्थाटन संभव, दार्शनिक व गंभईर प्रवृति, गूढ़ विज्ञान में रूचि बढ़ेगी, दूसरे लोग बात मानेंगे।	पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा, महत्त्वकांक्षाएं प्राप्ति में परिश्रम, साधारण तौर पर सफल व्यक्ति बनेंगे, काम का बोझ बढ़ेगा, धकान होगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।	सेवा क्षेत्र में स्थिति असंतोषप्रद, मित्रों व सहयोगियों से मन-मुटाव, स्वास्थ्य संबंधी परेशानी, विपरीत परिस्थितियों में बुद्धिमता से खेलने का विश्वास जागृत करें।
अगस्त	दूसरों की सही सलाह पर ध्यान देने की चेष्टा रहेगी। गलत व पापपूर्ण कार्यों से संलग्न, गलत निर्णयों से चिन्ताग्रस्त, उन्माद से प्रेरित होकर कार्य न करें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।	अकस्मात् परिस्थितियां अनुकूल हो जाएंगी, व्यापार में प्रचूर धनागम व लाभ, मित्र व हितैषियों का पूर्ण सहयोग, पदोन्नति, सामाजिक मान-सम्मान प्राप्ति।	कतिपय शुभ समय, आत्मविश्वास से निरन्तर विजय व लाभ मान-सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्ति, परिवार में शुभ कृत्य होंगे। व्यापार में लाभ प्राप्ति।
सितम्बर	निवार्ह योग्य धन प्राप्ति, परिवारजनां का सौहार्द पूर्ण व्यवहार, संहेदास्पद साधनों से धनागम, शुभकृत्य का आयोजन मासान्त में नई योजनाओं पर अधिक समय व परिश्रम, सफल होंगे।	विवाहादि मंगल कार्य सम्पन्न होंगे, सुखी व सानन्द पारिवारिक वातावरण, स्त्री वर्ग से सहयोग, परिश्रम का उचित पारितोषिक, आय स्रोतों में वृद्धि परन्तु परिश्रम अधिक होगा।	बुद्धिमता व तीव्र अन्तर्दृष्टि के कारण सही निर्णय, सामाजिक आर्थिक उन्नति, धार्मिक क्रिया कलापों मे सम्बद्ध रहेंगे, मित्र-हितैषी पूर्ण सहयोग करेंगे। पारिवारिक वातावरण सुन्दर होगा।
अक्टूबर	स्त्री वर्ग के सहयोग से कार्यों में सफलता, घर को सजाने के लिए व्यय, परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न होगे। बहु प्रतिष्ठित कामनाओं की पूर्ति का समय नेत्र पीड़ा संभव।	छोटी-छोटी बिमारियों से मानसिक कष्ट रहेगा, पारिवारिकजनों से सहयोग, ललितकला, संगीत व साहित्य में रूचि, धार्मिक पक्ष सुदृढ़, विद्या व संतान पक्ष से शुभ समाचार।	हर कार्य नियम व सुन्दर तरीके से करेंगे, आत्मविश्वास में वृद्धि कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में उत्साहवर्धक परिणाम मिलेंगे, आय साधारण, विदेशी संबंधों से धनागम संभव।
नवम्बर	आत्मबल व विश्वास में कमी, गृहस्थ सुखी, यात्राओं से लाभ, विदेशों से धन लाभ, पारिवारिक मित्रों व रिश्तेदारों से संबंध मधुर होंगे, स्वास्थ्य ठीक रहेगी।	शारीरिक तनाव को सहन की क्षमता, जीवन साथी से मतभेद, धन के अपव्यय से आर्थिक संकट, धन संबंधी विषयों में सचेत रहें, आंख व मुंह की बीमारी से ग्रसित होंगे।	मानसिक चिन्ताएं, विरोधी प्रतिष्ठा आचंलानि का प्रयत्न करेंगे, व्यय की अधिकग, अकस्मात् हानि संभव, नेत्रपीड़ा संभव, वाहनादि दुर्घटना संभव। सूर्यार्घ्य करें।
दिसम्बर	मिश्रित फल प्राप्ति, उन्नति के अवसर मिलेगें परन्तु पूर्व उपयोग नहीं कर पाएंगे, माता-पिता को कष्ट संभव, मासान्त में बल पराक्रम में वृद्धि पार्थिव वस्तुओं से लाभ प्राप्ति।	स्वास्थ्य में गिरावट, परामनोवैज्ञानिक एवं गूढ़ अनुभवों की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील, वाणी में कठोरता से परेशानियां, नियंत्रण में रहें। अवांछित लोगों पर निर्भरता। तनाव से बचें।	स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, पारिवारिक वातावरण सांजस्य नहीं रहेगा, परन्तु मन अध्यात्म की ओर झुकाव, जोखिम उठाने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी का सहयोग।

बारह राशियों का संक्षिप्त मासिक फलादेश

	मकर— भो, जा, जी, खी, खू, खे, ख, गा, गी	कुम्भ— गू, गो, गे सा, सी, सू, से सो, दा	मीन— दी, दू, ठ, झा, ड, दा, दो, चा, ची
जनवरी	स्वास्थ्य लाभ, मित्र-बन्धु-बांधवों का सहयोग, बहु प्रतीक्षित अभिलाषाओं और इच्छा की सम्पूर्ति, यात्रा से लाभ, अपव्यय से बचें वरना आर्थिक कष्ट।	स्वास्थ्य में सुधार, कार्यक्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सफलता प्राप्ति, सम्मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, विपरित परिस्थितियों से कुशलता से निपट सकेंगे। व्यापारिक यात्रा संभव।	स्वास्थ्य सुधार, उच्च पदस्थ लोगों से सम्मान प्राप्ति, कृपा पात्र बनेंगे, माता-पिता व गुरुजनों से संबंध मधुर, विदेश यात्रा संभव, किञ्चिद् प्रयास से आय वृद्धि।
फरवरी	उच्च कोटि का पारिवारिक व सामाजिक सुख, संतान प्राप्ति संभव, विद्यार्थियों को सफलता, व्यापार में अप्रत्याशित उन्नति व लाभ, चहुंमुखी विकास। मातुलपक्ष सुदृढ़।	विद्या व संतान पक्ष से शुभ समाचार, संग्रहशील बनेंगे, उचार-चढ़ाव के बाद कार्यक्षेत्र में उन्नति, भोग-विलास पर व्यय, सहयोगियों से मधुर सम्बन्ध।	मनोवांछित फलों की प्राप्ति, पदोन्नति, विपरित परिस्थितियों में भी धनात्मक ऊर्जा बनी रहेगी, मन बुद्धि धार्मिक कार्यों में लगेगें, जीवन संबंधी उच्चदर्शन की ओर झुकाव।
मार्च	स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। क्षणिक उन्माद में कार्य न करें, बड़ी हानि का संभावना, निर्णय लेने से पहले सोच विचार करें। अपव्ययता से आर्थिक समस्याएं।	स्वास्थ्य सुखद, व्यापार में लाभ, अनुबंधों से प्रचूर लाभ, प्रणय संबंधों के लिए शुभ समय, आय स्रोतों में वृद्धि, इच्छा पूर्ति, मित्रों व बंधुओं से सहयोग।	आर्थिक समस्यायों से छुटकारा, क्रियाशील एवं व्यस्तताएं बढेगी, व्यापार व कार्य क्षेत्र में सफलता, कर्मठता से कार्य सिद्ध, व्यापार यात्राएं सफल होगीं।
अप्रैल	यात्राओं से हानि संभव, प्रयासों से निराशा होगी, प्रतिकूल परिस्थितियों और परेशानियों और परेशानियों का सामना, अंहकार को संयम में रखें, कार्य बिगड़ेंगे।	धन वाहनादि सम्पत्ति की प्राप्ति, पारिवारिक जीवन संतोषप्रद, नित्य कार्य व चर्चा में व्यस्तता, विदेशों से शुभ समाचार, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, मानसिक अशांति, शत्रु छवि बिगड़ने का प्रयास करेंगे, जल्दबाजी से काम करने के प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखे, पारिवारिक सदस्यों का स्वास्थ्य खराब रहेगा।
मई	मासारम्भ में स्वास्थ्य बिगड़ेगा, आय व्यय सम, नए कार्यों में विघ्न, जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार, में उच्चाटन, मासान्त में कतिपय शुभता रहेगी।	विलासिता की सामग्री पर व्यय, जीवनसाथी से सहयोग, लम्बी यात्राएं सुखद व लाभकारी, आकांक्षाओं की पूर्ति। चहुंमुखी विकास होगा।	वयोवृद्ध जनों के सहयोग से कार्यों में सफलता, आय स्रोतों में वृद्धि, सुख-साधनों की प्राप्ति, यद्यपि व्यय की अधिकता होगी, परन्तु आय वृद्धि भी समान रूप से होगी।
जून	शक्ति और ऊर्जा से कार्यों में सुधार होगा, उद्देश्य की प्राप्ति प्राप्ति के लिए प्रशंसित होंगे। इच्छा शक्ति दृढ़ होगी, धर्म कर्म में रूचि बढ़ेगी, शुभ कार्य सम्पन्न होंगे।	घर का वातावरण तनावपूर्ण, परिवाजनों से मतभेद संभव, निर्वाह योग्य धन प्राप्ति, आय-व्यय सम, मासान्त में नई योजनाओं पर पूंजी निवेश की इच्छा परन्तु सतर्क रहें।	लग्नस्थ राहू के कारण उल्टी सीधी तरह से काम करने की प्रवृत्ति, भ्रमित होंगे, स्त्रीवर्ग से संबंधों में कटुता, तथ्य जीवी बनें, गुप्त रोगों से मानसिक चिंताएं।
जुलाई	पदोन्नति, जीवन यापन सुविधाओं से सम्पन्न, पारिवारिक सुख चैन, सम्पत्ति संग्रह के लिए व्यय, व्यापार के विकास पर व्यय, विद्या व संतान पक्ष दृढ़ होगा।	अपने कार्यक्षेत्र में प्रशंसित होगे, धन-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, आत्मबल व विश्वास में वृद्धि, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में वृद्धि, वैवाहिक जीवन सुखद।	स्वास्थ्य में सुधार, विदेशी संबंधों से धन प्राप्ति व संग्रह, लोकहित के लिए धन व्यय, जन प्रिय रहेंगे, विद्या से सफलता, संतान प्राप्ति से प्रसन्नता।
अगस्त	उच्चाधिकारी व शक्तिशाली व्यक्तियों से सम्पर्क, बिगड़े कार्यों में प्रगति, राजकीय व न्यायिक पक्ष दृढ़ होगा। आत्मबल व विश्वास प्राप्ति। मासान्त में व्यापार व कार्यक्षेत्र में बदलाव।	स्वास्थ्य मध्यम, छोटी-छोटी बीमारियों के कारण मानसिक अशांति पारिवारिक उत्थान हेतू कार्य करेंगे, सहयोगियों व सहभागियों से संबंध मधुर होंगे। विद्या से उन्नति।	शत्रु व रोग से मुक्ति, पैतृक सम्पत्ति का लाभ, कवा-कविता एवं साहित्य में रूचि, साधारप्तया सर्व सुखसमानता, इच्छा पूर्ति व मंगलकार्य सम्पन्न।
सितम्बर	धार्मिक यात्राएं, पारिवारजनों की अपेक्षाएं पूरी नहीं होगी। आर्थिक कष्ट संभव, आय संबंधों में कमी, निर्वाह योग्य धन प्राप्ति, दम्पत्ति में परस्पर मतभेद।	शनि लग्नस्थ होने से काम में अड़चनें, कभी-कभी असुरक्षा का भावना से अक्रान्त, काम का बोझ अधिक, परिश्रम अधिक, स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहेगा। हनुमान चालीसा का पाठ करें।	शारीरिक कष्ट से जीवन शक्ति कमें कमी, व्यर्थ कार्यों में परिश्रम से थकान, धन हानि संभव, आकस्मिक व्यय से आर्थिक परेशानी, आध्यात्मिक जगत में रूचि।
अक्टूबर	नए कार्य प्रारम्भ न करें, महत्त्वपूर्ण कार्यों के लिए जांच परखकर हस्ताक्षर करें। मात-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मासान्त में यात्रा से लाभ, मित्रों का सहयोग।	मासारम्भ में स्थिति में सुधार होगा, परन्तु सहभागिता के व्यापार व कार्य में हानि संभव, पूर्ण रूप से कर्मठ बनें। मासान्त में व्यापार में विकास होगा।	भौतिक विषयों के लिए शुभ समय नहीं है। धर्म कर्म में रूचि बढ़ेगी, मासान्त में प्रभावशाली वाणी से लोगों से बात मनवा लेंगे, ख्याति व प्रतिष्ठा में वृद्धि।
नवम्बर	स्वास्थ्य में सुधार, व्यवसाय व व्यापार में वृद्धि के अवसर, इच्छा व महत्वकांक्षाओं की पूर्ति होगी, शुभ समाचार प्राप्ति, विवाहादि कर्म सम्पन्न होंगे, खुशहाल होंगे।	घर में शुभ मंगलकार्य सम्पन्न होंगे, विदेशी संबंधों से धन आय में वृद्धि वरिष्ठ व सतानान लोगों से संबंध सुधरेंगे। वाहनादि का सुख, परिवार में सुख।	नवमस्थ बुध के कारण व्यापार व व्यवसाय में विकास, यात्रा से निश्चित लाभ, परन्तु आत्मबल व विश्वास में कमी, नेत्र पीड़ा व सिर चोट भय।
दिसम्बर	जनकल्याण की भावना से कार्य करेंगे, संस्थान के प्रमुखों से सम्पर्क, सृजनात्मक स्वभाव, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, पारिवारिक जीवन में हर्षोल्लास होगा।	अकस्मात् लाभ प्राप्ति, धार्मिक कार्यों में संबद्ध, परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण, मानसिक अशांति, तीर्थाटन, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि आयवृद्धि।	मिश्रित फल प्राप्ति, अकस्मात् भाग्योदय संभव, सामाजिक क्षेत्र विकसित होगा, मासान्त में पारिवारिक वैमनस्य व्यय की अधिकता, यात्राएं फलदायी नहीं होगी।

ABRIDGED MONTHLY PREDICTIONS IN 2024 FOR TWELVE RASHIES

MONTHS	MESH— chu, che, cho, la, li, Lu, Le, Lo, A	VRISH— Ae, U, Aa, O, Va, Vi, Vu, Bu, Ve	MITHUN— Ka, Ki, Ku, Gh, D, Cha, Ke, Ko, Ha
JANUARY	Health is moderate, there will be opportunities for progress, improvement of bad work, reunion with loved ones, some problems in the month end, may be stigmatized without any reason, normal time for students. Jan 7, 16, 25 inauspicious.	Health will be moderate, energetic, financial condition will be normal, do not invest; problems are possible due to excess expenditure, support from spouse, obstacles in education. Jan - 1, 10,18,28 not auspicious	Take special care of health, due to seventh house Sun-Mars conjunction, family worries, differences with spouse, ups and downs in trade and business, opportunities for progress in the end of the month, maintain self-confidence. Jan - 1,12,20 is not auspicious
FEBRUARY	Take special care of health, sources of income will be generated through hard work; advancement in defense services is possible, problems from children's side, health improvement in month, ancestral property, victory in marriage, success in family relations. Feb 4, 12, 22 inauspicious.	Proper results of hard work in the service sector, problems in love and married life due to transit of Rahu and Ketu in the eleventh and fifth house, work only after making financial strategy in business, good luck is possible in the end of the month. Feb 6,14,24 inauspicious.	Disputes related to ancestral property are possible, work can be accomplished through knowledge; troubles from enemies and disease are possible at the end of the month, hindrances in auspicious works, reduction in strength and prowess. Feb - 8,17,24 are inauspicious.
MARCH	Domestic and professional problems, mental upliftment, unnecessary running around, success in the workplace at the end of the month, family satisfaction, children and students are happy. Mar 2,11,20,30 normal.	Make continuous efforts for improvement in health, progress in defense services and electrical works, success in business and trade, sudden losses are possible at the end of the month, avoid investing in shares. Mar - Do not do new work on 4,13,22.	New plans will be made and implemented, sources of income will increase, work will be done through foreign relations, it is possible to earn money through secret means in the end of the month, students will be successful, children will be strong. Mar - Do not do new work on 7,15,25.
APRIL	Good health, progress in work, expenditure on luxuries, stomach and eyes are possible, improvement in temperament in the end of month, improvement in spoiled work. Apr 7,16, 26 inauspicious.	Problems related to education and children due to Ketu in the fifth house, obstruction in job and profession due to conjunction of Saturn and Mars, father's health will also be bad, increase in income in the end of the month. Apr - 1,9,18,28 is not auspicious.	Improvement in health, full support from spouse, conjunction of Sun, Venus and Rahu in tenth house is not auspicious for father, obstacles in job and profession, loss in business and partnership at the end of the month. Apr - 3,11,21,30 is not auspicious.
MAY	Auspicious work like marriage etc. completed, success in government work, income and expenditure equal, enemies will harass in the month, students will be successful, and business side will be strong. Do not do auspicious work on May 5, 13, 23.	Pure thoughts from Ascendant Jupiter, engagement in religious activities, opportunities for progress in fortune, avoid aggressiveness in nature, business problems due to conjunction of Venus and Mercury in the twelfth month. May – 7,16,26 inauspicious.	Take special care of your health, it can get spoiled due to copy disorders, gain money from government relations, support from fraternity, increase in self-confidence and self-confidence. May - 3,9,28 is not inauspicious.
JUNE	Increase in bravery, earning money through secret methods, getting support from colleagues, happy atmosphere in the family, generous suffering is possible due to Ketu in the sixth house. June 1,9,19,28 inauspicious.	Auspicious time for students, strong children, increase in strength and power, new dimensions will be established in business, income and expenditure will be equal at the end of the month, sudden financial gain. Jun - Do not do new work on 3,12,22,30.	Expenditure on luxuries etc., auspicious work will be accomplished at home, happiness in wealth, land and vehicles, profit from defense services and trade in electrical equipment. Jun - Do not do auspicious work on 5,15,24.
JULY	Contact with a new friend, success in education and previous efforts, attainment of happiness, vehicle etc. possible, auspicious work in the family. Do not do auspicious work on July 7, 17, 25.	Health is good, money is easy to get, family happiness, work will be successful with hard work, fraud in partnership business is possible, be cautious. Jul - 9,19,28 is not auspicious.	Physical problems are possible due to the conjunction of Sun and Venus in ascendant, students get success through hard work, government support in the end of the month, progress in work with the help of brothers and friends, avoid enemies in the end of the month. Jul - 3,12,21,30 not auspicious.
AUGUST	Problems from children's side, students will be successful with hard work, mental worries, income possible through extreme hard work, plans for long trips, meeting with beloved. Aug - 3,13,22,31 inauspicious.	Loss due to vehicle etc. is possible, unnecessary expenditure, acquiring rights of ancestral property, work can deteriorate quickly due to nature, some situation will improve at the end of the month, new plans will be made. Aug - 5,16,24 are inauspicious.	Income and expenditure are even, financial worries due to excess of certain expenditure, children's side will remain weak, but there will be increase in spirituality and interest in religious activities. Aug - 8,18,26 are inauspicious.
SEPTEMBER	Good health, fraternal cooperation, work will be accomplished through one's own strength and bravery, success in government and judicial work, auspicious for students at the end of the month. Sep 9,18,27 is not auspicious.	Success in government judicial work, good news for students, children's side will be strong, new schemes will be implemented, money will be earned easily. Sep - 2,12,20,29 is not auspicious.	Support from fraternity, benefits of money, land and vehicles etc., work will be completed with confidence, new plans will be made and work will be completed with confidence and you will get profit, be careful while investing. Sep - 5,14,22 is inauspicious.
OCTOBER	Advancement in defense services, enemies will be defeated, cordial relationship with spouse, new plans will be made and implemented, business will be good, ups and downs at the end of the month. Oct - 7,15,24 medium.	There will be mental worries, work will be accomplished with the power of knowledge, freedom from diseases and enemies, support from family members, avoid judicial processes at the end of the month, loss is possible. Oct - 9,17,27 is not auspicious.	New dimensions will be established in business, happiness from education and children's side, happy atmosphere in the family, interest in religious activities, possible gain of wealth from secret knowledge. Oct - 2,11,20,29 is not auspicious.
NOVEMBER	Health will be weak, sudden accident is possible, behavior of loved ones will be like that of strangers, livelihood will become source of income, family disharmony, end of month is somewhat auspicious. Nov - 3,12,20,30 is not auspicious.	Decrease in mental elevation and self-confidence, pain in bones, fluctuations in health, possible loss in business related to money, vehicles etc., lack of strength and bravery due to Mars in the factor, enmity with fraternal class. Nov - 5,14,22 Do not start any work.	Due to lower Mars being in the second house, there will be problems in getting money, eye problems, students will be successful with difficulty, possible troubles from children, enmity with friends, government and judicial problems. Nov - 8,16,25 is not auspicious.
DECEMBER	It is possible to receive some good news, fortune, progress in the morning part, but there will be lack of self-confidence, due to the low position of Mars, health will be disturbed. Dec – Do not start new work on 9,18, 27.	Slight improvement in health, discord with life partner, fear of being stigmatized without any reason, work will be done with the help of father, business situation will be good at the end of the month. Dec – 2,11,20,30 is not auspicious.	Health is moderate, enemies will be defeated, turmoil in marital life, image may get tarnished without any reason at the end of month, gaining money through secret methods, support from spouse. Dec – 5,13,22 are inauspicious.

ABRIDGED MONTHLY PREDICTIONS IN 2024 FOR TWELVE RASHIES

MONTHS	KARK — hu, he, ho, de, dee, du, de, do	SINGH — ma, mee, moo, me, mo, taa, tee, too, te	KANYA— to, paa, pee, pu, sha, na, tha, pe, po
JANUARY	Freedom from disease, attainment of knowledge and wealth, delay in marriage etc., obstacles in progress in fortune, support from the maternal side in the end of the month, adequate respect in the field of service. Jan - 5,14,23 is not auspicious.	Good health, significant success in one's field of work, increase in prestige and respect, attainment and benefits of wealth, land and vehicles, enemies will be defeated, head injury at the end of the month, aggressiveness in nature is possible. Be patient.	Take special care of health, Sun-Mars conjunction in seventh house, family worries, differences with spouse, ups and downs in trade and business, opportunities for progress in the month, maintain self-confidence. Jan - 1,12,20 is not auspicious.
FEBRUARY	Animosity from fraternal class, children's side is normal, income is possible after some trouble in wealth, auspicious work at the end of the month, profit in service sector and business. Feb - 1,10,19,29 inauspicious.	With the support of spouse and friends, work will be completed, you will be able to deal with adverse situations efficiently, there will be sweetness in relationships with business associates and business people, and expenditure on luxuries.	Disputes related to ancestral property are possible, work can be accomplished through knowledge, troubles from enemies and rocks are possible at the end of the month, hindrances in auspicious works, reduction in might. Feb - 8,17,24 are inauspicious.
MARCH	Getting employment and progress in defense services is possible, mixed results in business, Pisces situated Rahu will cause turmoil in life, mental worries are possible. Mar - 9,17,27 Moderate.	There will be ups and downs in health, desires and ambitions will be fulfilled, there will be profit in buying and selling of land and vehicles, there will be benefit from contracts and agreements, success in love and romantic relationships, long journeys will be beneficial.	New plans will be made and implemented, sources of income will increase, work will be done through foreign relations, it is possible to earn money through secret means in the end of the month, students will be successful, children will be strong. Mar - Do not start new work on 7,15,25.
APRIL	Health is moderate, sudden wealth gain and travels are possible, land and vehicle etc. are available, wealth is easy to get, accident is possible due to Ashtamashtha Angarak Yoga in the end of the month. Apr - 5,14,23 is not auspicious.	Busy in daily discussions and work, good news from far away and foreign countries, earning money through secret methods, auspicious time for students, having children, possible discord with spouse.	Improvement in health, full support of spouse, conjunction of Sun, Venus and Rahu in the tenth house is not auspicious for father, obstacles in job and profession, loss in business and partnership at the end of the month. Apr - 3,11,21,30 is not auspicious.
MAY	Progress in work with the help of father, conjunction of Mars in the ninth month will give mixed results, it is possible to get profit in trade and business at the end of the month, secret enemies will harass you. May – 3,11,21,30 are inauspicious.	Increase in income, expenditure on luxuries and other things, good health, interest in religious activities, pleasant family environment, father's health may deteriorate at the end of the month.	Take special care of your health, work can get spoiled due to copying disorders, income from government relations, support from fraternity, increase in self-confidence and self-confidence. May – 3,9,18,28 are unlucky.
JUNE	Advancement in the field of education, strong progeny, increase in sources of income, disinterest in religious activities at the end of the month, expenditure on wealth etc. Jun - 7,17,26 is moderate.	Problems in daily life, investing capital after examining any work or plan, sometimes differences with family members, benefits from defense services and electrical equipment in the month end, eye pain.	Expenditure on luxuries etc., auspicious work will be accomplished at home, happiness in wealth, land and vehicles, profit from defense services and trade in electrical equipment. Jun - Don't do any auspicious work on 5,15,24.
JULY	Take special care of health, income and expenditure will remain even, profit in business after some problems, good news from education and children. Jul - 5,15,23 is not auspicious.	Generally health will be fine, enemies will try to cause harm, fear of insecurity in household, praise for your work at the end of the month, gain of respect, increase in self-confidence.	Physical pain is possible due to the conjunction of Venus and Sun in the ascendant, students get success through hard work, government support in the end of the month, progress in work with the help of brothers and friends, avoid enemies in the end of the month. Jul - 3,12,21,30 not auspicious.
AUGUST	Possible quickness in nature, enmity with fraternal class, decrease in bravery, obstacles in business, possible income from government relations in the end of the month, sudden financial gain. Aug - 1,11,20,28 is inauspicious.	Good health, increase in social sphere, benefit from travels, important work will be completed for family upliftment, married life will be happy, work will be completed with the help of elders.	Income and expenditure are even, financial worries due to excess of certain expenditure, children's side will remain weak, but there will be increase in spirituality and interest in religious activities. Aug - 8,18,26 are inauspicious.
SEPTEMBER	Success in work due to political relations, be careful in buying and selling, loss is possible, unexpected profit from business of luxury items etc. Sep - 7,16,24 is moderate.	The beginning of the month will be slow, there will be obstacles in work, workload will be high, you will be entangled in useless tasks, take special care of health, remain calm, work will get spoiled due to aggressiveness in nature.	Support from fraternal class, benefits of wealth, land, vehicles etc., work will be completed with confidence, new plans will be made and profit will be made, be careful while investing. Sep - 5,14,22 is inauspicious.
OCTOBER	Due to the conjunction of Sun, Mercury and Ketu, after some obstacles, there will be strength, prowess and profit in business, it is possible to get vehicle etc., profit in business in the end of the month, enmity with the fraternal class. Oct - 4,15,22,31 are auspicious.	Fluctuations in health, family problems, problems due to relatives, loss due to carelessness of colleagues, end of the month will be auspicious, growth in business, easy earning of money.	New dimensions will be established in business, happiness from education and children's side, happy atmosphere in the family, interest in religious activities, possible gain of wealth from secret knowledge. Oct - 2,11,20,29 is not auspicious.
NOVEMBER	Problems in health due to Mars being in lowest position, problems in earning money due to Sun being in lowest position, income expenditure is even, situation improves in the end of month, problems in the field of education and children also. Nov – 1,10,18,28 are unlucky.	Health will be good, profit and progress in trade and business, will be hard working, relations with senior and powerful friends will improve, vehicle purchase is possible, good news will be received from abroad.	Due to inferior Mars being in the second house, there will be financial problems, eye problems, students will be successful with difficulty, possible troubles from children, enmity with friends, government and judicial problems. Nov - 8,16,25 is not auspicious.
DECEMBER	Good family activities, interest in religious activities, mental peace but health related concerns will remain, you will get full support from your spouse. Dec - 7,16,25 is not auspicious	Education and children's side will be strong, auspicious activities will be organised, family life will be pleasant, unexpected financial gain, benefit from ancestral property, mental peace will be disturbed due to minor illnesses.	Health is moderate, enemies will be defeated, turmoil in marital life, may get tarnished without any reason at the end of month, gaining money through secret methods, support from spouse. Dec - 5,13,22 are inauspicious.

ABRIDGED MONTHLY PREDICTIONS IN 2024 FOR TWELVE RASHIES

MONTHS	TULA — raa, ree, ru, ro, taa, tee, to, te	VRISHCHIK — to, na, nee noo, ne, no, yaa, yee yu	DHANU— ya, yo, bhaa, bhi, bhu, dha, pha, tha
JANUARY	Health is moderate, success in enterprises, improvement in work, income will be normal, income and expenditure will be even, students will be successful with hard work, travels will be pleasant.	Health is moderate, lack of ability to take right decisions due to Panchmastha Rahu, false hopes will mislead from the goal, cooperation from everyone in life, some trouble in wealth.	More optimistic about the results, possibilities of business growth, contact with important people, overwhelmed with thoughts of improvement in the workplace, new changes and creation.
FEBRUARY	Progress will be successful in cooperation with the government and people in power, opponents will be defeated, family environment will be pleasant, profit in business, ups and downs in health.	Increase in sources of income, profit from real estate, avoid speculation, bitterness in relations with friends, take special care of health, fear of indigestion and stomach diseases.	Fluctuations in health, expenditure on comforts and luxuries, opponents and rivals will try to cause harm, auspicious time for marital relations, possible troubles for parents.
MARCH	Auspicious events like marriage etc. will be completed, opportunities for progress in business and job profession, benefit from the much awaited journey, fulfillment of desires and aspirations.	Income and expenditure are equal, too much hard work for little gain, trouble in job and profession, opponents will be strong, useless journeys, situation improves at the end of the month.	Curb indulgence, worry due to health of family members, outlook will be positive, self-confidence and self-confidence will increase, possible to get important post in government sector.
APRIL	Interest in philosophy will be awakened, contact with scholars, will be respected and famous, freedom from enemies and diseases, lack of creative ability and intellectual discretion at the end of the month.	Poor health, discord with family members, time is good for litigation and court matters, lack of vitality and enthusiasm.	Poor health, short journeys, success through hard work, wealth from foreign relations, peace and happiness through religious activities, support from parents and strength of education will help in getting work done.
MAY	Disappointment in the field of education and children, take decisions only with wisdom, friends and colleagues can cheat, be cautious, travels will not be good, loss due to dependence on hopes.	There will be lack of material comforts but there will be peace by being involved in religious and spiritual activities, opponents will try to spoil the image, fear of being tarnished.	You may get mixed results, you may get results contrary to your wishes, minor accidents are possible, avoid taking risks and betting, you may get entangled in legal process, family problems.
JUNE	Health will be poor, financial problems due to extravagance, mental unrest, curb the tendency to take risks, attain economic and social prosperity/fame at the end of the month.	Health will improve, work will be accomplished through strength and wisdom, talent, ability and skill will yield good results, contact with scholars, respect and fame will be achieved, plans will come to fruition.	Good health, failure in efforts, mental anguish, anger of superiors, do not try to earn money through unwanted means, support from spouse.
JULY	There will be family happiness and peace, recovery of debts etc., pilgrimage is possible, philosophical and serious inclinations, interest in esoteric sciences will increase, other people will agree.	Family life will be satisfactory, you will work hard to achieve your ambitions, you will become a generally successful person, workload will increase, there will be fatigue, health will be good.	Unsatisfactory situation in the service sector, discord with friends and colleagues, health related problems, awaken the confidence to play wisely in adverse circumstances.
AUGUST	You will try to pay attention to the right advice of others, do not engage in wrong and sinful activities, be worried about wrong decisions, do not act driven by madness, take special care of your health.	Suddenly circumstances will become favourable, business will bring abundant income and profit, full support from friends and well-wishers, promotion, social respect and honor.	Some auspicious time, continuous victory and profit with confidence, gaining respect and prestige, auspicious activities in the family, profit in business.
SEPTEMBER	Acquiring enough money to survive, cordial behavior of family members, earning money from dubious means, organizing auspicious activities, spending more time and hard work on new projects in the end of the month will be successful.	Auspicious events like marriage etc. will be completed, happy and joyful family environment, support from women, proper reward for hard work, increase in income sources but hard work will be more.	Due to intelligence and sharp insight, one will take right decisions, will be associated with socio-economic progress, religious activities, friends and well-wishers will fully cooperate, the family environment will be beautiful.
OCTOBER	With the support of women, there will be success in work, expenditure on decorating the house, auspicious work will be accomplished in the family, eye pain is possible at the time of fulfillment of many cherished wishes.	There will be mental distress due to minor illnesses, support from family members, interest in fine arts, music and literature, strong religious aspect, good news from education and children.	Every work will be done according to rules and in a beautiful manner, self-confidence will increase, encouraging results will be achieved in the workplace and business, income will be normal, money inflow from foreign relations is possible.
NOVEMBER	There will be lack of self-confidence and confidence, happiness at home, benefit from travels, financial gain from abroad, relations with family friends and relatives will be sweet, health will be fine.	Ability to tolerate physical stress, differences with life partner, financial crisis due to wastage of money, be cautious in money related matters, you will suffer from eye and mouth diseases.	Mental worries, opponents will try to spoil your reputation, excessive expenditure, sudden loss is possible, eye pain is possible, vehicle accident is possible, perform Surya Arghya.
DECEMBER	You will get mixed results, you will get progress but you will not be able to use it as before, possible trouble to your parents, increase in strength in the end of the month, gain from material things.	Deterioration in health, striving for parapsychological and esoteric experiences, problems with harshness of speech, stay under control, dependence on unwanted people, avoid stress.	Health related problems, family environment will not be harmonious, but keep your mind spiritually inclined, risk taking tendency under control, support from your life partner.

ABRIDGED MONTHLY PREDICTIONS IN 2024 FOR TWELVE RASHIES

MONTHS	MAKAR — bho, ja, ji, khi, khoo, khe, gaa, gee	KUMBH — goo, ge, go, sa, see, soo, se, so, da	MEEN— dee, doo, tha, jha, ang, da, do, cha
JANUARY	Health benefits, support from friends and relatives, fulfillment of long-awaited wishes and desires, benefits from travel, avoid wastage otherwise financial troubles.	Improvement in health, significant success in the workplace, increase in respect and prestige, ability to deal with adverse situations efficiently, business trip possible.	Health improvement, getting respect from high-ranking people, will become the recipient of blessings, cordial relations with parents and teachers, foreign travel possible, increase in income with some effort.
FEBRUARY	High level of family social happiness, possibility of having children, success for students, unexpected progress and profit in business, versatile development, Libra Paksha is strong.	Good news from education and children, you will become a collector, progress in work after ups and downs, expenditure on luxury, good relations with colleagues.	Attainment of desired results, promotion, positive energy will remain even in adverse circumstances, mind and intellect will be engaged in religious activities, inclination towards higher philosophy related to life.
MARCH	Take special care of health, do not act in momentary frenzy, possibility of big loss, think before taking decisions, financial problems due to extravagance.	Good health, profit in business, abundant profits from contracts, time of love affairs, increase in income sources, fulfillment of desires, support from friends and relatives.	Financial problems will be relieved, activity and busyness will increase, success in business and workplace will be achieved through hard work, business trips will be successful.
APRIL	Loss is possible due to travels, efforts will be disappointing, facing adverse situations and problems, keep ego under control, work will get spoiled.	Acquisition of wealth, vehicle etc., satisfactory family life, busyness in daily work and discussions, good news from abroad, take care of health.	Fluctuations in health, mental disturbance, enemies will try to tarnish your image, control your tendency to act hastily, health of family members will remain poor.
MAY	Health will deteriorate in the beginning of the month, income and expenditure will be even, obstacles in new work, improvement in the health of the spouse, elevation, there will be some auspiciousness in the end of the month.	Expenditure on luxuries, support from spouse, long journeys will be pleasant and beneficial, fulfillment of aspirations and all-round development.	With the help of elderly people, there will be success in work, increase in sources of income, attainment of luxuries, although there will be more expenditure, but income will also increase equally.
JUNE	Strength and energy will improve the work, you will be praised for achieving your goal, will power will be strong, interest in religious activities will increase, auspicious work will be accomplished.	The atmosphere at home is stressful, differences with family members are possible, earning enough money, income and expenditure are even, desire to invest capital in new projects at the end of the month but be cautious.	Due to ascendant Rahu, there will be a tendency to go in reverse direction, you will get confused, there will be bitterness in relations with women, you will become a matter-of-fact person, mental worries due to hidden diseases.
JULY	Promotion, living facilities, family happiness, expenditure on property accumulation, expenditure on business development, education and children will be strong.	You will be appreciated in your workplace, increase in wealth and prestige, increase in self-confidence and self-confidence, growth in social and economic fields, happy married life.	Improvement in health, earning and accumulation of wealth from foreign relations, spending money for public welfare, being loved by people, success in learning, happiness in having children.
AUGUST	Contact with high officials and powerful people, progress in bad works, government and judicial side will be strong, gaining self-confidence and confidence, change in business and workplace at the end of the month.	Health is moderate, mental disturbance due to minor illnesses, will work for the upliftment of the family, relations with colleagues and associates will be sweet, progress through education.	Freedom from enemies and diseases, benefit from ancestral property, interest in stories, poetry and literature, equality in all happiness, fulfillment of desires and auspicious work accomplished.
SEPTEMBER	Religious journeys, expectations of family members will not be fulfilled, financial troubles are possible, lack of income in relations, subsistence, earning money, mutual differences between the couple.	Due to Saturn being in ascendant, there will be obstacles in work, sometimes feeling of insecurity, heavy work load, excessive hard work, health will also not be good, recite Hanuman Chalisa.	Decrease in vitality due to physical pain, fatigue due to hard work in useless work, possible loss of money, financial trouble due to unexpected expenses, interest in spiritual world.
OCTOBER	Do not start new work, check and sign for important works, health of parents will be fine, benefit from traveling in the month end, support from friends.	The situation will improve in the beginning of the month, but loss is possible in partnership business and work, be completely diligent, there will be development in business in the end of the month.	This is not an auspicious time for material matters, interest in religious activities will increase, at the end of the month you will be able to convince people with your impressive speech, fame and reputation will increase.
NOVEMBER	There will be improvement in health, opportunities for growth in business and trade, fulfillment of desires and ambitions, receipt of good news, marriage etc., work will be accomplished and you will be happy.	Auspicious works will be accomplished at home, increase in financial income from foreign relations, relations with seniors and children will improve, happiness in vehicle etc., happiness in the family.	Due to ninth month Mercury, development in trade and business, definite benefits from travel, but lack of self-confidence and self-confidence, eye pain and headache.
DECEMBER	Will work in the spirit of public welfare, will have contact with heads of institutions, creative nature, increase in prestige, happiness in family life.	Sudden gain, involvement in religious activities, harmonious atmosphere in the family, mental disturbance, pilgrimage, increase in prestige, increase in income.	Getting mixed results, sudden luck is possible, social sector will develop, family discord at the end of month, excess expenditure, travels will not be fruitful.

वर्ष 2024 में ग्रहों का राशि संचार, वक्री-मार्गीपन व उदयास्त

सूर्य

धनु में दिसंबर 16, 2023 को 05:20 बजे से जनवरी 14, 2024 को 16:05 बजे तक
मकर में जनवरी 14 को 16:05 बजे से फरवरी 13 को 29:05 बजे तक
कुंभ में फरवरी 13 को 29:05 बजे से मार्च 13 को 26:58 बजे तक
मीन में मार्च 13 को 26:58 बजे से अप्रैल 13 को 11:26 बजे तक
मेष में अप्रैल 13 को 11:26 बजे से मई 14 को 08:15 बजे तक
वृष में मई 14 को 08:15 बजे से जून 14 को 14:49 बजे तक
मिथुन में जून 14 को 14:49 बजे से जुलाई 15 को 25:40 बजे तक
कर्क में जुलाई 15 को 25:40 से अगस्त 16 को 10:06 तक
सिंह में अगस्त 16 को 10:06 बजे से सितम्बर 16 को 10:04 बजे तक
कन्या में सितम्बर 16 को 10:04 बजे से अक्टूबर 16 को 22:04 बजे तक
तुला में अक्टूबर 16 को 22:04 बजे से नवंबर 15 को 20:54 बजे तक
वृश्चिक में नवंबर 15 को 20:54 बजे से दिसंबर 15 को 11:33 बजे तक
धनु में दिसंबर 15 को 11:33 बजे से जनवरी 13, 2025 को 22:17 बजे तक

मंगल

धनु में दिसंबर 27, 2023 को 13:31 बजे से फरवरी 5, 2024 को 10:54 बजे तक
मकर में फरवरी 5 को 10:54 बजे से मार्च 15 को 8:20 बजे तक
कुम्भ में मार्च 15 को 8:20 बजे से अप्रैल 22 को 22:52 बजे तक
मीन में अप्रैल 22 को 22:52 बजे से जून 1 को 29:51 बजे तक
मेष में जून 1 को 29:51 बजे से जुलाई 12 को 9:15 बजे तक
वृष में जुलाई 12 प्रात: 9:15 बजे से अगस्त 25 को 29:43 बजे तक
मिथुन में अगस्त 25 को 29:43 बजे से अक्टूबर 19 को 28:43 बजे तक
कर्क में अक्टूबर 19 को 28:43 बजे से जनवरी 20, 2025 को 23:29 बजे तक

बुध

वृश्चिक में दिसंबर 28, 2023 को 00:19 बजे से जनवरी 7, 2024 को 10:38 बजे तक
धनु में जनवरी 7 प्रात: 10:38 बजे से फरवरी 1 प्रात: 3:42 बजे तक
मकर में फरवरी 1 को 3:42 बजे से फरवरी 9 को 19:20 बजे तक
कुम्भ में फरवरी 19 को 3:42 बजे से मार्च 6 को 22:55 बजे तक
मीन में मार्च 6 को 22:55 बजे से मार्च 25 को 17:20 बजे तक
मेष में मार्च 25 को 17:20 बजे से अप्रैल 9 को 12:06 बजे तक
मीन में अप्रैल 9 को 12:06 बजे से मई 10 को 9:15 बजे तक
मेष में मई 10 को 9:15 बजे से मई 30 को 26:35 बजे तक
वृष में मई 31 को 26:35 बजे से जून 14 को 13:24 बजे तक
मिथुन में जून 14 को 13:24 बजे से जून 28 को 26:44 बजे तक
कर्क में जून 28 को 26:44 बजे से जुलाई 19 को 11:02बजे तक
सिंह में जुलाई 19 को 11:02 बजे से अगस्त 21 को 21:02 बजे तक
कर्क में अगस्त 21 को 21:02 बजे से सितम्बर 3 को 26:04 बजे तक
सिंह में सितम्बर 3 को 26:04 बजे से सितम्बर 22 को 24:30 बजे तक
कन्या में सितम्बर 22 को 24:30 बजे से अक्टूबर 9 को 25:38 बजे तक
तुला में अक्टूबर 9 को 25:38 बजे से अक्टूबर 29 को 12:57 बजे तक
वृश्चिक में अक्टूबर 29 को 12:57 बजे से जनवरी 3, 2025 को 25:25 बजे तक

बृहस्पति

मेष में अप्रैल 21, 2023 को 17:55 बजे से अप्रैल 30, 2024 को 26:40 बजे तक
वृष में अप्रैल 30, 26:40 बजे से मई 14, 2025 को 12:17 बजे तक

शुक्र

वृश्चिक में दिसंबर 24, 2023 को 20:06 बजे से जनवरी 18, 2024 को 10:16 बजे तक
धनु में जनवरी 18 को 10:16 बजे से फरवरी 11 को 18:11 बजे तक
मकर में फरवरी 11 को 18:11 बजे से मार्च 7 को 00:04 बजे तक
कुंभ में मार्च 7 को 00:04 बजे से मार्च 31 को 7:03 बजे तक
मीन में मार्च 31 को 7:03 बजे से अप्रैल 24 को 14:15 बजे तक
मेष मे अप्रैल 24 को 14:15 से मई 18 को 22:59 बजे तक
वृष में मई 18 को 22:59 बजे से जून 12 को 8:45 बजे तक
मिथुन में जून 12 को 8:45 बजे से जुलाई 6 को 18:47 बजे तक
कर्क में जुलाई 6 को 18:47 बजे से जुलाई 30 को 28:50 बजे तक
सिंह में जुलाई 30 को 28:50 बजे से अगस्त 24 को 15:34 बजे तक
कन्या में अगस्त 24 को 15:34 बजे से सितंबर 17 को 28:15 बजे तक
तुला में सितंबर 17 को 28:15 बजे से अक्टूबर 12 को 20:20 बजे तक
वृश्चिक में अक्टूबर 12 को 20:20 बजे से नवंबर 6 को 16:52 बजे तक
धनु में नवंबर 6 को 16:52 बजे से दिसंबर 2 को 1:19 बजे तक
मकर में दिसंबर 2 को 1:19 बजे से दिसंबर 28 को 13:04 बजे तक
कुंभ में दिसंबर 28 को 13:04 बजे से जनवरी 27, 2025 को 20:28 बजे तक

शनि

कुंभ में जनवरी 17, 2023 को 6:05 बजे से मार्च 29, 2025 को 19:46 बजे तक

राहु एवं केतू

मीन में अक्टूबर 30, 2023 को 6:08 बजे से मई 18, 2025 को 10:05 बजे तक

ग्रहों का वक्री होना

मंगल

6 दिसंबर 2024 को 18:26 बजे से 23 फरवरी 2025 को 20:56 बजे तक

बुध

13 दिसंबर 2023 को 2:02 बजे से 1 जनवरी 2024 को 22:01 बजे तक
1 अप्रैल को 18:08 बजे से 25 अप्रैल को 8:49 बजे तक
4 अगस्त को 24:50 बजे से 28 अगस्त को 17:08 बजे तक
25 नवंबर को 21:36 बजे से 15 दिसंबर को 15:50 बजे तक

बृहस्पति

10 अक्टूबर 2024 को 26:16 बजे से 4 फरवरी 2025 को 3:59 बजे तक

शनि

29 जून 2024 को 13:58 बजे से 15 नवंबर को 8:20 बजे तक
सूर्य और चंद्रमा सदैव सीधी गति में चलते हैं।
राहु और केतु सदैव वक्री गति में चलते हैं।

ग्रहों का उदयास्त

मंगल

24 सितंबर 2023 को 8:17 बजे से 16 जनवरी 2024 को 12:02 बजे तक

बुध

फ़रवरी 8, 2024 को 10:42 बजे से 14 मार्च को 15:36 बजे तक
3 अप्रैल को 24:57 बजे से 18 अप्रैल को 24:45 बजे तक
2 जून को 8:38 बजे से 26 जून को 18:45 बजे तक
11 अगस्त को 24:17 बजे से 26 अगस्त को 8:42 बजे तक
13 सितंबर को 27:13 बजे से 22 अक्टूबर को 9:16 बजे तक
30 नवंबर को 9:45 बजे से 11 दिसंबर को 9:10 बजे तक

बृहस्पति

3 मई 2024 को 13:34 बजे से 2 जून 18:54 बजे तक

शुक्र

अप्रैल 27, 2024 को 21:31 बजे से 10 जुलाई 22:27 बजे तक

शनि

11 फरवरी 2024 को 18:30 बजे से 16 मार्च को 19:06 बजे तक

कृपया ध्यान दें:- अस्त बृहस्पति या शुक्र को विवाह, मुंडन, नए घर में प्रवेश, मंदिर खोलने आदि जैसे शुभ अवसरों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है।

Transits of Planets into Nirayana Rashis (Signs), Retrogression and Combustion, 2024

Sun (Surya)

In Sagittarius (Dhanu) from Dec 16 2023 at 05:20 to Jan 14 2024 at 16:05

In Capricorn (Makar) from Jan 14 at 16:05 to Feb 13 at 29:05

In Aquarius (Kumbh) from Feb 13 at 29:05 to Mar 13 at 26:58

In Pisces (Meen) from Mar 13 at 26:58to Apr 13 at 11:26

In Aries (Mesh) from Apr 13 at 11:26 to May 14 at 08:15

In Taurus (Vrish) from May 14 at 08:15 to Jun 14 at 14:49

In Gemini (Mithun) from Jun 14 at 14:49 to Jul 15 at 25:40

In Cancer (Kark) from Jul 15 at 25:40 to Aug 16 at 10:06

In Leo (Singh) from Aug 16 at 10:06 to Sep 16 at 10:04

In Virgo (Kanya) from Sep 16 at 10:04 to Oct 16 at 22:04

In Libra (Tula) from Oct 16 at 22:04 to Nov 15 at 20:54

In Scorpio (Vrishchik) from Nov 15 at 20:54 to Dec 15 at 11:33

In Sagittarius (Dhanu) from Dec 15 at 11:33 to Jan 13 2025 at 22:17

Mars (Mangal)

In Sagittarius (Dhanu) from Dec 27 2023 at 13:31 to Feb 05 2024 at 10:54

In Capricorn (Makar) from Feb 05 at 10:54 to Mar 15 at 08:20

In Aquarius (Kumbh) from Mar 15 at 08:20 to Apr 22 at 22:52

In Pisces (Meen) from Apr 22 at 22:52 to Jun 01 at 29:51

In Aries (Mesh) from Jun 01 at 29:51 to Jul 12 at 09:15

In Taurus (Vrish) from Jul 12 at 09:15 to Aug 25 at 29:43

In Gemini (Mithun) from Aug 25 at 29:43 to Oct 19 at 28:43

In Cancer (Kark) from Oct 19 at 28:43 to Jan 20 2025 at 23:29

Mercury (Budh)

In Scorpio (Vrishchik) from Dec 28 2023 at 00:19 to Jan 07 2024 at 10:38

In Sagittarius (Dhanu) from Jan 07 at 10:38 to Feb 01 at 03:42

In Capricorn (Makar) from Feb 01 at 03:42 to Feb 19 at 19:20

In Aquarius (Kumbh) from Feb 19 at 19:20 to Mar 06 at 22:55

In Pisces (Meen) from Mar 06 at 22:55 to Mar 25 at 17:20

In Aries (Mesh) from Mar 25 at 17:20 to Apr 09 at 12:06

In Pisces (Meen) from Apr 09 at 12:06 to May 10 at 09:15

In Aries (Mesh) from May 10 at 09:15 to May 30 at 26:35

In Taurus (Vrish) from May 31 at 26:35 to Jun 14 at 13:24

In Gemini (Mithun) from Jun 14 at 13:24 to Jun 28 at 26:44

In Cancer (Kark) from Jun 28 at 26:44 to Jul 19 at 11:02

In Leo (Singh) from Jul 19 at 11:02 to Aug 21 at 21:02

In Cancer (Kark) from Aug 21 at 21:02 to Sep 03 at 26:04

In Leo (Singh) from Sep 03 at 26:04 to Sep 22 at 24:30

In Virgo (Kanya) from Sep 22 at 24:30 to Oct 09 at 25:38

In Libra (Tula) from Oct 09 at 25:38 to Oct 29 at 12:57

In Scorpio (Vrishchik) from Oct 29 at 12:57 to Jan 03, 2025 at 25:25

Jupiter (Guru)

In Aries (Mesh) from Apr 21, 2023 at 17:55 to April 30, 2024 at 26:40

In Taurus (Vrish) from April 30 at 26:40 to May 14 2025 at 12:17

Venus (Sukra)

In Scorpio (Vrishchik) from Dec 24 2023 at 20:06 to Jan 18 2024 at 10:16

In Sagittarius (Dhanu) from Jan 18 at 10:16 to Feb 11 at 18:11

In Capricorn (Makar) from Feb 11 at 18:11 to Mar 07 at 00:04

In Aquarius (Kumbh) from Mar 07 at 00:04 to Mar 31 at 07:03

In Pisces (Meen) from Mar 31 at 07:03 to Apr 24 at 14:15

In Aries (Mesh) from Apr 24 at 14:15 to May 18 at 22:59

In Taurus (Vrish) from May 18 at 22:59 to Jun 12 at 08:45

In Gemini (Mithun) from Jun 12 at 08:45 to Jul 06 at 18:47

In Cancer (Kark) from Jul 06 at 18:47 to Jul 30 at 28:50

In Leo (Singh) from Jul 30 at 28:50 to Aug 24 at 15:34

In Virgo (Kanya) from Aug 24 at 15:34 to Sep 17 at 28:15

In Libra (Tula) from Sep 17 at 28:15 to Oct 12 at 20:20

In Scorpio (Vrishchik) from Oct 12 at 20:20 to Nov 06 at 16:52

In Sagittarius (Dhanu) from Nov 06 at 16:52 to Dec 02 at 01:19

In Capricorn (Makar) from Dec 02 at 01:19 to Dec 28 at 13:04

In Aquarius (Kumbh) from Dec 28 at 13:04 to Jan 27 2025 at 20:28

Saturn (Sani)

In Aquarius (Kumbh) from Jan 17 2023 at 06:05 to Mar 29 2025 at 19:46

Rahu (Rahu)

In Pisces (Meen) from Oct 30 2023 at 06:08 to May 18 2025 at 10:05

Ketu (Ketu)

In Virgo (Kanya) from Oct 30 2023 at 06:08 to May 18 2025 at 10:05

Retrogression of Planets (Grahas)

Mars (Mangal)

Dec 06 2024 at 18:26 to Feb 23 2025 at 20:56

Mercury (Budh)

Dec 13 2023 at 02:02 to Jan 01 2024 at 22:01

Apr 01 at 18:08 to Apr 25 at 08:49

Aug 04 at 24:50 to Aug 28 at 17:08

Nov 25 at 21:36 to Dec 15 at 15:50

Jupiter (Guru)

Oct 10. 2024 at 26:16 to Feb 04 2025 at 03:59

Saturn (Sani)

Jun 29, 2024 at 13:58 to Nov 15 at 08:20

The Sun and Moon always move in Direct motion.

Rahu and Ketu always move in Retrograde motion.

Combustion of Planets (Grahas)

Mars (Mangal)

Sep 24 2023 at 08:17 to Jan 16 2024 at 12:02

Mercury (Budh)

Feb 08 2024 at 10:42 to Mar 14 at 15:36

Apr 03 at 24:57 to Apr 18 at 24:45

Jun 02 at 08:38 to Jun 26 at 18:45

Aug 11 at 24:17 to Aug 26 at 08:42

Sep 13 at 27:13 to Oct 22 at 09:16

Nov 30 at 09:45 to Dec 11 at 09:10

Jupiter (Guru)

May 03 2024 at 13:34 to Jun 02 at 18:54

Venus (Sukra)

Apr 27, 2024 at 21:31 to Jul 10 at 22:27

Saturn (Sani)

Feb 11 2024 at 18:30 to Mar 16 at 19:06

Please Note:— Combusted Jupiter or Venus are not considered good for auspicious occasions like marriage, Mundan, new house entrance, opening temple, etc.

पौष-माघ, सम्वत् 2080, जनवरी 2024, शक् 1945 सूर्योत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
पौष कृष्ण पक्ष	1	सोमवार	षष्ठी	30:42	पूर्वाफाल्गुनी	25:12	आयुष्मान	18:05	गर	17:20	18	सिंह	बुध मार्गी 22:01 से, भद्रा 30:42 से	07:53	16:49
	2	मंगल	सप्तमी	--:--	उत्तराफाल्गुनी	28:16	सौभाग्य	19:02	विष्टि	20:02	19	कन्या 07:59	भद्रा 20:02 तक	07:53	16:49
	3	बुध	सप्तमी	09:19	हस्त	31:03	शोभन	19:50	बव	09:19	20	कन्या		07:53	16:50
	4	गुरू	अष्टमी	11:36	चित्रा	--:--	अतिगण्ड	20:18	कौलव	11:36	21	तुला 20:16		07:53	16:51
	5	शुक्र	नवमी	13:17	चित्रा	09:19	सुकर्म	20:16	गर	13:17	22	तुला	भद्रा 25:51 से	07:53	16:52
	6	शनि	दशमी	14:13	स्वाति	10:53	धृति	19:39	विष्टि	14:13	23	वृश्चिक 29:32	भद्रा 14:43 तक	07:53	16:53
	7	रवि	एकादशी	14:17	विशाखा	11:38	शूल	18:22	बालव	14:17	24	वृश्चिक	बुध धनु में 10:38 से, सफला एकादशी	07:52	16:54
	8	सोम	द्वादशी	13:30	अनुराधा	11:33	गण्ड	16:25	तैतिल	13:30	25	वृश्चिक	प्रदोष व्रत	07:52	16:55
	9	मंगल	त्रयोदशी	11:56	ज्येष्ठा	10:41	वृद्धि	13:51	वणिज	11:56	26	धनु 10:41	भद्रा 11:56 से 22:53 तक	07:52	16:56
	10	बुध	चतुर्दशी अमावस्या	09:42 30:58	मूला पूर्वाषाढ़ा	09:10 31:09	ध्रुव व्याघात	10:47 31:18	शकुनि	09:42	27	धनु	अमावस	07:52	16:57
पौष शुक्ल पक्ष	11	गुरू	प्रतिपदा	27:54	उत्तराषाढ़ा	28:48	हर्षण	27:34	किंस्तुघ्न	17:28	28	मकर 12:35	सूर्य उत्तराषाढ़ा में 09:35	07:52	16:58
	12	शुक्र	द्वितीया	24:42	श्रवण	26:19	वज्र	23:43	बालव	14:19	29	मकर	विवेकानन्द जयन्ती	07:51	17:00
	13	शनि	तृतीया	21:31	धनिष्ठा	23:52	सिद्धि	19:52	तैतिल	11:06	30	कुम्भ 13:05	पंचक प्रारम्भ 13:05, लोहड़ी	07:51	17:01
	14	रवि	चतुर्थी	18:30	शतभिषा	21:37	व्यतिपात	16:09	वणिज	07:59	1	कुम्भ	सूर्य मकर राशि में 16:05, भद्रा 07:59 से 18:30 तक, मकर संक्रान्ति	07:50	17:02
	15	सोम	पंचमी	15:48	पूर्वाभाद्रपद	19:40	वरियान	12:40	बालव	15:48	2	मीन 14:07		07:50	17:03
	16	मंगल	षष्ठी	13:29	उत्तराभाद्रपद	18:08	परिघ शिव	09:30 30:42	तैतिल	13:29	3	मीन	मंगल उदय 12:02	07:50	17:04
	17	बुध	सप्तमी	11:38	रेवती	17:04	सिद्ध	28:17	वणिज	11:38	4	मेष 17:04	भद्रा 11:38 से 22:53 तक, पंचक समाप्त 17:04	07:49	17:05
	18	गुरू	अष्टमी	10:16	अश्विनी	16:28	साध्य	26:15	बव	10:16	5	मेष	शुक्र धनु राशि में 10:16	07:48	17:07
	19	शुक्र	नवमी	09:23	भरणी	16:20	शुभ	24:35	कौलव	09:23	6	वृष 22:23		07:48	17:08
	20	शनि	दशमी	08:58	कृतिका	16:39	शुक्ल	23:16	गर	08:58	7	वृष	भद्रा 20:55 से	07:47	17:09
	21	रवि	एकादशी	08:58	रोहिणी	17:22	ब्रह्म	22:15	विष्टि	08:58	8	मिथुन 29:52	भद्रा 08:58 तक, पुत्रदा एकादशी	07:46	17:10
	22	सोम	द्वादशी	09:23	मृगशिरा	18:28	ऐन्द्र	21:33	बालव	09:23	9	मिथुन	प्रदोष व्रत	07:46	17:12
	23	मंगल	त्रयोदशी	10:10	आर्द्रा	19:56	वैधृति	21:08	तैतिल	10:10	10	मिथुन		07:45	17:13
	24	बुध	चतुर्दशी	11:21	पुनर्वसु	21:46	विष्कुम्भ	21:01	वणिज	11:21	11	कर्क 15:17	सूर्य श्रवण में 11:53 से, भद्रा 11:21 से 24:55, श्री सत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 16:01 पर	07:44	17:14
	25	गुरू	पूर्णिमा	12:55	पुष्य	23:58	प्रीति	21:11	बव	12:55	12	कर्क	पूर्णिमा	07:43	17:16
माघ कृष्ण पक्ष	26	शुक्र	प्रतिपदा	14:51	अश्लेषा	26:31	आयुष्मान	21:38	कौलव	14:51	13	सिंह 26:31		07:43	17:17
	27	शनि	द्वितीया	17:08	मघा	29:23	सौभाग्य	22:19	गर	17:08	14	सिंह	भद्रा 06:23 से	07:42	17:18
	28	रवि	तृतीया	19:42	पूर्वाफाल्गुनी	--:--	शोभन	23:12	विष्टि	19:42	15	सिंह	भद्रा 19:42 तक, श्री गणेश (संकट) चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:22 पर	07:41	17:20
	29	सोम	चतुर्थी	22:25	पूर्वाफाल्गुनी	08:27	अतिगण्ड	24:12	बव	09:03	16	कन्या 15:14		07:40	17:21
	30	मंगल	पंचमी	25:07	उत्तराफाल्गुनी	11:36	सुकर्म	25:10	कौलव	11:47	17	कन्या		07:39	17:22
	31	बुध	षष्ठी	27:35	हस्त	14:38	धृति	25:57	गर	14:24	18	तुला 28:02	बुध मकर राशि में 27:42, भद्रा 28:35 से	07:68	17:24

जनवरी 1, सोम प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°32°

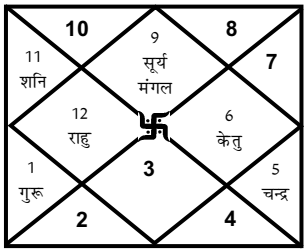

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
8	4	8	7	0	7	10	11	5
16	17	03	28	11	09	09	26	26
22	43	30	01	24	02	06	51	51
			मार्गी				वक्री	वक्री
		अस्त						
पू.षा. 1	पू.फा 2	मूल 2	ज्येष्ठा 4	अश्विनी 4	अनुराधा 2	शतभिषा 1	रेवती 4	चित्रा 2

जनवरी 15, सोम प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°34°

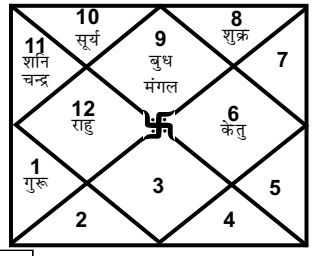

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
9	10	8	8	0	7	10	11	5
00	25	13	07	11	26	10	25	25
38	42	57	21	48	09	27	26	26
							वक्री	वक्री
		अस्त						
उ.षा. 2	पू.भा 2	पू.षा. 1	मूल 3	अश्विनी 4	ज्येष्ठा 3	शतभिषा 2	रेवती 3	चित्रा 2

*Paush-Magh, Samvat 2080, **January 2024,** Saka 1945 Surya-Uttrayan, Dakshin-Gol, Winter Season*

Paush Krishan Paksh / Paush Shukl Paksh / Magh Krishan Paksh

Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
1	Mon	Shasthi	30:42	P.Phaguni	25:12	Ayushman	18:05	Gar	17:20	18	Singh	Budh Margi at 22:01, Bhadra from 30:42	07:53	16:49
2.	Tue	Saptami	-:-	U.Phlaguni	28:16	Saubhagya	19:02	Visthi	20:02	19	Kanya 07:59	Bhadra till 20:02	07:53	16:49
3.	Wed	Saptami	09:19	Hast	31:03	Shobhan	19:50	Bav	09:19	20	Kanya		07:53	16:50
4.	Thu	Ashtami	11:36	Chitra	--:--	Atigand	20:18	Kaulav	11:36	21	Tula 20:16		07:53	16:51
5.	Fri	Navami	13:17	Chitra	09:19	Sukarma	20:16	Gar	13L17	22	Tula	Bhadra from 25:51	07:53	16:52
6.	Sat	Dashami	14:13	Swati	10:53	Dhriti	19:39	Vishti	14:13	23	Vrishchik 29:32	Bhadra till 14:13	07:53	16:53
7.	Sun	Ekadashi	14:17	Vishakha	11:38	Shool	18:22	Balav	14:17	24	Vrishchik	Budh in Dhanu at 10:38, Safala Ekadashi	07:52	16:54
8.	Mon	Dwadashi	13:30	Anuradha	11:33	Gand	16:25	Taitil	13:30	25	Vrishchik	Pradosh Vrat	07:52	16:55
9.	Tue	Tryodashi	11:56	Jyestha	10:41	Vriddhi	13:51	Vanij	11:56	26	Dhanu 10:41	Bhadra 11:56 to 22:53	07:52	16:56
10	Wed	Chaturdash Amavasya	09:42 30:58	Moola P.Shadha	09:10 31:09	Dhruv Vyaghat	10:47 31:18	Shakuni	09:42	27	Dhanu	Amavas	07:52	16:57
11	Thu	Pratipada	27:54	U.Shadha	28:48	Harshan	27:34	Kinstugh	17:28	28	Makar 12:35	Sun in U.Shadha from 09:35	07:52	16:58
12	Fri	Dwitiya	24:42	Sharvan	26:19	Vajra	23:43	Balav	14:19	29	Makar	Vivekanand Jayanti	07:51	17:00
13	Sat	Tritiya	21:31	Dhanishtha	23:52	Sidhi	19:52	Taitil	11:06	30	Kumbh 13:05	Panchak begins at 13:05, Lohri	07:51	17:01
14	Sun	Chaturthi	18:30	Shatbhisha	21:37	Vyatipat	16:09	Vanij	07:59	1	Kumbh	**Makar Sankranti,** Surya in Makar at 16:05, Bhadra 07:59 to 18:30	07:50	17:02
15	Mon	Panchami	15:48	P.Bhadra	19:40	Variyan	12:40	Balav	15:48	2	Meen 14:07		07:50	17:03
16	Tue	Shashthi	13:29	U.Bhadra	18:08	Parigh Shiv	09:30 30:42	Taitil	13:29	3	Meen	Mangal non-combust at 12:02	07:50	17:04
17	Wed	Saptami	11:38	Revati	17:04	Sidh	28:17	Vanij	11:38	4	Mesh 17:04	Bhadra 11:38 to 22:53, Panchak ends at 17:04	07:49	17:05
18	Thu	Astami	10:16	Ashwani	16:28	Sadhya	26:15	Bav	10:16	5	Mesh	Sukra in Dhanu at 10:16	07:48	17:07
19	Fri	Navami	09:23	Bharani	16:20	Shubh	24:35	Kaulav	09:23	6	Vrish 22:23		07:48	17:08
20	Sat	Dashmi	08:58	Kritika	16:39	Shukla	23:16	Gar	08:58	7	Vrish	Bhadra from 20:55	07:47	17:09
21	Sun	Ekadashi	08:58	Rohini	17:22	Brahm	22:15	Vishti	08:58	8	Mithun 29:52	Bhadra till 08:58, Putrada Ekadashi	07:46	17:10
22	Mon	Dwadashi	09:23	Mrigshira	18:28	Ainder	21:33	Balav	09:23	9	Mithun	Pradosh Vrat	07:46	17:12
23	Tue	Tryodashi	10:10	Ardra	19:56	Vaidhriti	21:08	Taitil	10:10	10	Mithun		07:45	17:13
24	Wed	Chaturdashi	11:21	Punarvasu	21:46	Vishkumbh	21:01	Vanij	11:21	11	Kark 15:17	Sun in Shravan from 11:53, Bhadra 11:21 to 24:05, Satyanarayan Vrat, Moonrise 16:01	07:44	17:14
25	Thu	Purnima	12:55	Pushya	23:58	Preeti	21:11	Bav	12:55	12	Kark	Purnima	07:43	17:16
26	Fri	Pratipada	14:51	Ashlesha	26:31	Ayushman	21:38	Kaulav	14:51	13	Singh 26:31		07:43	17:17
27	Sat	Dwitiya	17:08	Magha	29:23	Saubhagya	22:19	Gar	17:08	14	Singh	Bhadra from 06:23	07:42	17:18
28	Sun	Tritiya	19:42	P.Phalguni	--:--	Shobhan	23:12	Vishti	19:42	15	Singh	Bhadra till 19:42, Ganesh (Sankat) Chaturthi Vrat, Moonrise 20:22	07:41	17:20
29	Mon	Chaturthi	22:25	P.Phalguni	08:27	Atigand	24:12	Bav	09:03	16	Kanya 15:14		07:40	17:21
30	Tue	Panchami	25:07	U.Phalguni	11:36	Sukarma	25:10	Kaulav	11:47	17	Kanya		07:39	17:22
31	Wed	Shashthi	27:35	Hast	14:38	Dhriti	25:57	Gar	14:24	18	Tula 28:02	Budh in Makar at 27:42, Bhadra from 28:35	07:38	17:24

January 1st, Mon 7 am Kundali & Niryan planets, Ayanamsa 24°11'32"

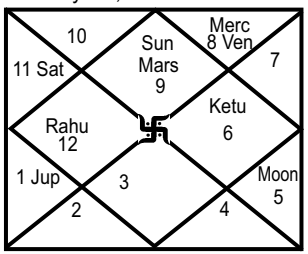

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
8	4	8	7	0	7	10	11	5
16	17	03	28	11	09	09	26	26
22	43	30	01	24	02	06	51	51
			Dx				Rx	Rx
		C						
P.Sha 1	P.Pha 2	Mool 2	Jyes 4	Ashw 4	Anur 2	Shat 1	Reva 4	Chit 2

January 15th, Mon 7 am Kundali & Niryan planets, Ayanamsa 24°11'34"

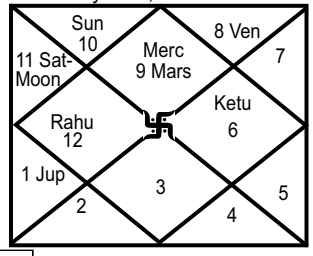

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
9	10	8	8	0	7	10	11	5
00	25	13	07	11	26	10	25	25
38	42	57	21	48	09	27	26	26
							Rx	Rx
		C						
U.Sha 2	P.Bha 2	P.Sha 1	Mool 3	Ashw 4	Jyes 3	Shat 2	Reva 3	Chit 2

माघ-फाल्गुन, सम्वत् 2080, फरवरी 2024, शक् 1945 सूर्योत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
माघ कृष्ण पक्ष	1	गुरू	सप्तमी	29:34	चित्रा	17:19	शूल	26:33	विष्टि	16:39	19	तुला	भद्रा 16:39 तक, पुत्र सप्तमी	07:37	17:24
	2	शुक्र	अष्टमी	30:52	स्वाति	19:27	गर	26:21	बालव	18:18	20	तुला		07:36	17:26
	3	शनि	नवमी	31:21	विशाखा	20:50	वृद्धि	25:41	तैतिल	19:13	21	वृश्चिक 14:34		07:35	17:27
	4	रवि	दशमी	30:56	अनुराधा	21:24	ध्रुव	24:21	वणिज	19:15	22	वृश्चिक	भद्रा 19:15 से 30:56 तक	07:34	17:28
	5	सोम	एकादशी	29:38	ज्येष्ठा	21:05	व्याघात	22:19	बव	18:53	23	धनु 21:05	मंगल मकर में 10:54 पर, षट्तिला एकादशी	07:33	17:30
	6	मंगल	द्वादशी	27:33	मूला	19:57	हर्षण	19:38	कौलव	16:41	24	धनु	सूर्य धनिष्ठा में 10:05 से	07:32	17:31
	7	बुध	त्रयोदशी	24:48	पूर्वाषाढ़ा	18:07	वज्र	16:22	गर	14:15	25	मकर 23:34	भद्रा 24:48 से, प्रदोष व्रत	07:30	17:33
	8	गुरू	चतुर्दशी	21:33	उत्तराषाढ़ा	15:44	सिद्धि	12:39	विष्टि	11:14	26	मकर	बुध अस्त 10:42 पर, भद्रा 11:14 तक	07:29	17:34
	9	शुक्र	अमावस्या	18:00	श्रवण	12:59	व्यतिपात वरियान	08:36 28:23	चातुष्पाद	07:48	27	कुम्भ 23:22	अमावस, पंचक 23:32 पर प्रारम्भ	07:28	17:35
माघ शुक्ल पक्ष	10	शनि	प्रतिपदा	14:18	धनिष्ठा शतभिषा	10:04 31:09	परिघ	24:08	बव	14:18	28	कुम्भ		07:27	17:37
	11	रवि	द्वितीया तृतीया	10:40 31:15	पूर्वाभाद्रपद	28:27	शिव	19:59	कौलव	10:40	29	मीन 23:06	शुक्र मकर में 18:11 पर, शनि अस्त 18:30 पर	07:25	17:38
	12	सोम	चतुर्थी	28:13	उत्तराभाद्रपद	26:05	सिद्धि	16:06	वणिज	17:41	1	मीन	सूर्य कुम्भ में 29:05 पर, भद्रा 17:41 से 28:13 तक, गणेश तिल चतुर्थी	07:24	17:39
	13	मंगल	पंचमी	25:41	रेवती	24:13	साध्य	12:34	बव	14:53	2	मेष 24:13	पंचक 24:13 पर समाप्त, बसन्त पंचमी व सरस्वती जयंती, फाल्गुन संक्रान्ति	07:23	17:41
	14	बुध	षष्ठी	23:44	अश्विनी	22:56	शुभ शुक्ल	09:28 30:52	कौलव	12:37	3	मेष		07:21	17:42
	15	गुरू	सप्तमी	22:56	भरणी	22:17	ब्रह्म	28:47	गर	11:00	4	वृष 28:13	भद्रा 22:26 से, रथ सप्तमी	07:20	17:44
	16	शुक्र	अष्टमी	21:47	कृतिका	22:16	ऐन्द्र	27:13	विष्टि	10:01	5	वृष	भद्रा 10:01 तक	07:18	17:45
	17	शनि	नवमी	21:47	रोहिणी	22:53	वैधृति	26:03	बालव	09:42	6	वृष		07:17	17:46
	18	रवि	दशमी	22:21	मृगशिरा	24:03	विष्कुम्भ	25:30	तैतिल	10:00	7	मिथनु 11:24		07:15	17:48
	19	सोम	एकादशी	23:27	आर्द्रा	25:43	प्रीति	25:15	वणिज	10:50	8	मिथुन	बुध कुम्भ में 19:20 पर, सूर्य शतभिषा 19:33, भद्रा 10:50 से 23:27 तक, जया एकादशी	07:14	17:49
	20	मंगल	द्वादशी	24:59	पुनर्वसु	27:48	आयुष्मान	25:20	बव	12:10	9	कर्क 21:14		07:12	17:50
	21	बुध	त्रयोदशी	26:53	पुष्य	30:13	सौभाग्य	25:41	कौलव	13:53	10	कर्क	प्रदोष व्रत	07:11	17:52
	22	गुरू	चतुर्दशी	19:05	अश्लेषा	--:--	शोभन	26:17	गर	15:57	11	कर्क	भद्रा 29:05 से	07:09	17:53
	23	शुक्र	पूर्णिमा	--:--	अश्लेषा	08:55	अतिगण्ड	27:03	विष्टि	18:16	12	सिंह 08:55	पूर्णिमा, भद्रा 18:16 तक, श्री सत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 17:10 पर	07:08	17:54
	24	शनि	पूर्णिमा	07:31	मघा	11:50	सुकर्म	27:57	बव	07:31	13	सिंह		07:06	17:56
फाल्गुन कृष्ण पक्ष	25	रवि	प्रतिपदा	10:07	पूर्वाफाल्गुनी	14:54	धृति	28:56	कौलव	10:07	14	कन्या 21:41		07:05	17:57
	26	सोम	द्वितीया	12:47	उत्तराफाल्गुनी	18:01	शूल	29:54	गर	12:47	15	कन्या	भद्रा 26:07 से	07:03	17:58
	27	मंगल	तृतीया	15:24	हस्त	21:03	गर	30:46	विष्टि	15:24	16	कन्या	भद्रा 15:24 तक, श्री गणेशचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:20 पर	07:01	18:00
	28	बुध	चतुर्थी	17:50	चित्रा	23:52	वृद्धि	--:--	बालव	17:50	17	तुला क:प		07:00	18:01
	29	गुरू	पंचमी	19:53	स्वाति	26:18	वृद्धि	07:25	तैतिल	19:53	18	तुला		06:58	18:02

फरवरी 1, गुरु, प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°37°

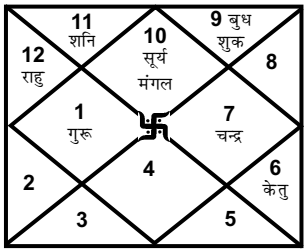

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
9	6	8	9	0	8	10	11	5
17	01	26	00	13	17	12	23	23
55	29	49	12	09	04	19	40	40
			वक्री				वक्री	वक्री
							अस्त	अस्त
श्रवण 3	चित्रा 3	उ0षा0 1	उ0षा0 2	अश्विनी 4	पू0षा0 2	शतभिषा 2	रेवती 3	चित्रा 1

फरवरी 15, गुरू प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°39°

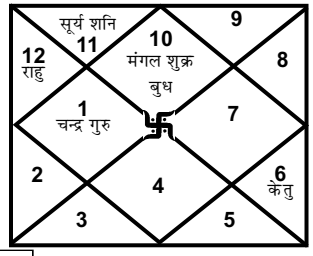

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
10	0	9	9	0	9	10	11	5
02	17	07	22	14	04	13	22	22
06	59	33	18	52	22	58	43	43
							वक्री	वक्री
						अस्त	अस्त	अस्त
धनिष्ठा 2	भरणी 3	उ0षा0 4	श्रवण 4	भरणी 1	उ0षा0 3	शतभिषा 3	रेवा 2	हस्त 4

*Magh-Phalgun, Samvat 2080, **February 2024,** Saka 1945 Surya-Uttrayan, Dakshin-Gol, Winter Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise & Set H.M.	H.M.
Magh Krishan Paksh	1	Thu	Saptami	29:34	Chitra	17:19	Shool	26:33	Vishti	16:39	19	Tula	Bhadra till 16: 39, Putra Saptami	07:37	17:24
	2	Fri	Ashtami	30:52	Swati	19:27	Gand	26:21	Balav	18:18	20	Tula		07:36	17:26
	3	Sat	Navami	31:21	Vishakha	20:50	Vriddhi	25:41	Taitil	19:13	21	Vrishchik 14:34		07:35	17:27
	4	Sun	Dashami	30:56	Anuradha	21:24	Dhruv	24:21	Vanij	19:15	22	Vrishchik	Bhadra 1915 to 30:56	07:34	17:28
	5	Mon	Ekadashi	29:38	Jyestha	21:05	Vyaghat	22:19	Bav	18:23	23	Dhanu 21:05	Mangal in Makar at 10:54, Shattila Ekadashi	07:33	17:30
	6	Tue	Dwadashi	27:33	Moola	19:57	Harshan	19:38	Kaulav	16:41	24	Dhanu	Sun in Dhanishtha from 15:05	07:32	17:31
	7	Wed	Tryodashi	24:48	P.Shadha	18:07	Vajra	16:22	Gar	14:15	25	Makar 23:34	Bhadra from 24:48, Pradosh Vrat	07:30	17:33
	8	Thu	Chaturdashi	21:33	U.Shadha	15:44	Sidhi	12:39	Vishti	11:14	26	Makar	Budh Ast (combust) at 10:42, Bhadra till 11:14	07:29	17:34
	9	Fri	Amavasya	18:00	Shravan	12:59	Vyatipat Variyan	08:36 28:23	Chatush	07:48	27	Kumbh 23:22	Amavas, Panchak begins at 23:32	07:28	17:35
Magh Shukl Paksh	10	Sat	Pratipada	14:18	Dhanishtha Shatbisha	10:04 31:09	Parigh	24:08	Bav	14:18	28	Kumbh		07:27	17:37
	11	Sun	Dwitiya Tritiya	10:40 31:15	P.Bhandra	28:27	Shiv	19:59	Kaulav	10:40	29	Meen 23:06	Sukra in Makar at 18:11, Sani Ast (combust) at 18:30	07:25	17:38
	12	Mon	Chaturthi	28:13	U.Bhadra	26:05	Sidhi	16:06	Vanij	17:41	1	Meen	Surya in Kumbh at 29:05, Bhadra 17:41 to 28:13, Ganesh Til Chaturthi	07:24	17:39
	13	Tue	Panchami	25:41	Revati	24:13	Sadhya	12:34	Bav	14:53	2	Mesh 24:13	Panchak ends at 24:13, **Vasant Panchami / Sarswati Jayanti,** Phalgun Sankranti	07:23	17:41
	14	Wed	Shashthi	23:44	Ashwani	22:56	Shubh Shukla	09:28 30:52	Kaulav	12:37	3	Mesh		07:21	17:42
	15	Thu	Saptami	22:56	Bharani	22:17	Brahm	28:47	Gar	11:00	4	Vrish 28:13	Bhadra from 22:26, Rath Saptami	07:20	17:44
	16	Fri	Ashtami	21:47	Kritika	22:16	Ainder	27:13	Vishti	10:01	5	Vrish	Bhadra till 10:01	07:18	17:45
	17	Sat	Navami	21:47	Rohini	22:53	Vaidhriti	26:03	Balav	09:42	6	Vrish		07:17	17:46
	18	Sun	Dashami	22:21	Mrigshira	24:03	Vishkumbh	25:30	Taitil	10:00	7	Mithun 11:24		07:15	17:48
	19	Mon	Ekadashi	23:27	Ardra	25:43	Preeti	25:15	Vanij	10:50	8	Mithun	Budh in Kubh at 19:20, Sun in Shatbhisha 19:33, Bhadra 10:50 to 23:27, Jaya Ekadashi	07:14	17:49
	20	Tue	Dwadashi	24:59	Punarvasu	27:48	Ayushman	25:20	Bav	12:10	9	Kark 21:14		07:12	17:50
	21	Wed	Tryodashi	26:53	Pushya	30:13	Saubhagya	25:41	Kaulav	13:53	10	Kark	Pradosh Vrat	07:11	17:52
	22	Thu	Chaturdashi	29:05	Ashlesha	--:--	Shobhan	26:17	Gar	15:57	11	Kark	Bhadra from 29:05	07:09	17:53
	23	Fri	Purnima	--:--	Ashlesha	08:55	Atigand	27:03	Vishti	18:16	12	Singh 08:55	Purnima, Bhadra till 18:16, Satyanarayan Vrat, Moonrise 17:10	07:08	17:54
	24	Sat	Purnima	07:31	Magha	11:50	Sukarma	27:57	Bav	07:31	13	Singh		07:06	17:56
Phalgun Krishan	25	Sun	Pratipada	10:07	P.Phalguni	14:54	Dhriti	28:56	Kaulav	10:07	14	Kanya 21:41		07:05	17:57
	26	Mon	Dwitiya	12:47	U.Phalguni	18:01	Shool	29:54	Gar	12:47	15	Kanya	Bhadra from 26:07	07:03	17:58
	27	Tue	Tritiya	15:24	Hast	21:03	Gand	30:46	Vishti	15:24	16	Kanya	Bhadra till 15:24, Shri Ganesh Chaturthi Vrat, Moonrise 21:20	07:01	18:00
	28	Wed	Chaturthi	17:50	Chitra	23:52	Vriddhi	--:--	Balav	17:50	17	Tula 10:30		07:00	18:01
	29	Thu	Panchami	19:53	Swati	26:18	Vriddhi	07:25	Taitil	19:53	18	Tula		06:58	18:02

February 1st, Thu 7 am Kundali & Niryan planets, Ayanamsa 24°11'37"

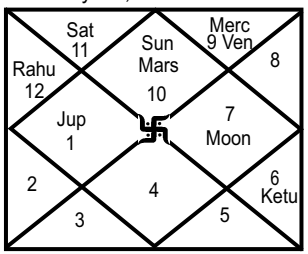

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
9	6	8	9	0	8	10	11	5
17	01	26	00	13	17	12	23	23
55	29	49	12	09	04	19	40	40
			Dx				D	D
Shra 3	Chit 3	U.Sha 1	U.Sha 2	Ashw 4	P.Sha 2	Shat 2	Reva 3	Chit 1

February 15th, Thu 7 am Kundali & Niryan planets, Ayanamsa 24°11'39"

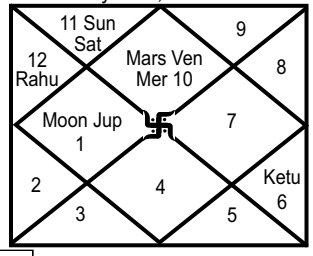

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
10	0	9	9	0	9	10	11	5
02	17	07	22	14	04	13	22	22
06	59	33	18	52	22	58	43	43
						C		
Dhan 2	Bhar 3	U.Sha 4	Shra 4	Bhar 1	U.Sha 3	Shat 3	Reva 2	Hast 4

फाल्गुन-चैत्र, सम्वत् 2080, मार्च 2024, शक् 1945 सूर्योत्तरायण, उत्तरगोल, शिशिर-बसन्तऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
फाल्गुन कृष्ण पक्ष	1	शुक्र	षष्ठी	21:25	विशाखा	28:12	ध्रुव	07:44	गर	08:44	19	वृश्चिक 21:47	भद्रा 21:25 से	06:54	18:05
	2	शनि	सप्तमी	22:16	अनुराधा	29:25	व्याघात	07:35	विष्टि	09:56	20	वृश्चिक	भद्रा 09:56 तक	06:52	18:7
	3	रवि	अष्टमी	22:20	ज्येष्ठा	29:51	हर्षण	06:54	बालव	10:24	21	धनु 29:51	सूर्य पूर्वाभाद्रपद में 25:55 से, सीता अष्टमी	06:51	18:08
							वज्र	29:35							
	4	सोम	नवमी	21:35	मूला	29:30	सिद्धि	27:37	तैतिल	10:04	22	धनु		06:49	18:09
	5	मंगल	दशमी	20:02	पूर्वाषाढ़ा	28:22	व्यतिपात	25:02	वणिज	08:54	23	धनु	भद्रा 08:54 से 20:02 तक, महर्षि दयानन्द जयन्ती	06:47	18:10
	6	बुध	एकादशी	17:45	उत्तराषाढ़ा	26:33	वरियान	21:53	बव	06:58	24	मकर 09:58	शुक्र कुम्भ में 24:04 पर, बुध मीन में 22:55 पर, विजया एकादशी	06:46	18:12
	7	गुरू	द्वादशी	14:51	श्रवण	24:11	परिघ	18:15	तैतिल	14:51	25	मकर	प्रदोष व्रत	06:44	18:13
	8	शुक्र	त्रयोदशी	11:29	धनिष्ठा	21:25	शिव	14:15	वणिज	11:29	26	कुम्भ 10:50	भद्रा 11:29 से 21:40 तक, पंचक 10:50 से प्रारम्भ, श्री महाशिवरात्रि व्रत	06:42	18:14
	9	शनि	चतुर्दशी	07:49	शतभिषा	18:26	सिद्ध	10:02	शकुनि	07:49	27	कुम्भ	अमावस	06:42	10:14
			अमावस्या	28:01			साध्य	29:43						06:40	18:15
फाल्गुन शुक्ल पक्ष	10	रवि	प्रतिपदा	24:16	पूर्वाभाद्रपद	15:25	शुभ	25:27	किंस्तुघ्न	14:07	28	मीन 10:10		06:39	18:17
	11	सोम	द्वितीया	21:44	उत्तराभाद्रपद	13:33	शुक्ल	22:22	बालव	11:28	29	मीन	रामकृष्णपरमहंस जयन्ती, फुलैरा दूज	07:37	19:18
	12	मंगल	तृतीया	18:35	रेवती	10:59	ब्रह्म	18:37	तैतिल	08:06	30	मेष 10:59	भद्रा 29:11 से, पंचक समाप्त 10:59 पर, शहीद लेख राम तृतीया	07:35	19:19
	13	बुध	चतुर्थी	15:57	अश्विनी	08:54	ऐन्द्र	15:17	विष्टि	15:57	1	मेष	सूर्य मीन में 26:58, भद्रा 15:57 तक, (मीन संक्रान्ति), चैत्र संक्रान्ति	07:33	19:20
					भरणी	31:26									
	14	गुरू	पंचमी	13:57	कृतिका	30:38	वैधृति	12:29	बालव	13:57	2	वृष 13:10	बुध उदय 15:36	07:31	19:22
	15	शुक्र	षष्ठी	12:40	रोहिणी	30:35	विष्कुम्भ	10:15	तैतिल	12:40	3	वृष	मंगल कुम्भ में 08:20 से	07:30	19:23
	16	शनि	सप्तमी	12:40	मृगशिरा	31:17	प्रीति	08:37	वणिज	12:10	4	मिथुन 13:10	शनि उदय 19:06 से, भद्रा 12:10 से 24:11 तक	07:28	19:24
	17	रवि	अष्टमी	12:24	आर्द्रा	--:--	आयुष्मान	07:34	बव	12:24	5	मिथुन	शनि उत्तराभाद्रपद में 11:17 से, होलाष्टक प्रारम्भ, अन्नपूर्णा अष्टमी	07:26	19:25
							सौभाग्य	31:06							
	18	सोम	नवमी	13:20	आर्द्रा	08:41	शोभन	31:06	कौलव	13:20	6	कर्क 28:07		07:24	19:27
	19	मंगल	दशमी	14:53	पुनर्वसु	10:40	अतिगण्ड	--:--	गर	14:53	7	कर्क	भद्रा 27:50 से	07:22	19:28
	20	बुध	एकादशी	16:54	पुष्य	13:08	अतिगण्ड	07:30	विष्टि	16:54	8	कर्क	भद्रा 16:54 तक, आमलकी एकादशी	07:21	19:29
	21	गुरू	द्वादशी	19:15	अश्लेषा	15:57	सुकर्म	08:11	बालव	19:15	9	सिंह 15:57	प्रदोष व्रत	07:19	19:30
	22	शुक्र	त्रयोदशी	21:49	मघा	18:58	धृति	09:04	कौलव	08:31	10	सिंह		07:17	19:31
	23	शनि	चतुर्दशी	24:26	पूर्वाफाल्गुनी	22:04	शूल	10:03	गर	11:07	11	कन्या 28:50	भद्रा 24:26 से	07:15	19:33
	24	रवि	पूर्णिमा	27:01	उत्तराफाल्गुनी	25:08	गर	11:03	विष्टि	13:44	12	कन्या	पूर्णिमा, भद्रा 13:44 तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, होलिका दहन, बसंत पूर्णिमा, चन्द्रोदय 19:11 पर होलाष्टक समाप्त, चैतन्य महाप्रभु जन्यती	07:13	19:34
चैत्र कृष्ण पक्ष	25	सोम	प्रतिपदा	29:27	हस्त	28:03	वृद्धि	11:59	बालव	16:15	13	कन्या	बुध मेष में 17:20 से, होली, चन्द्रग्रहण (अदृश्य)	07:12	19:35
	26	मंगल	द्वितीया	--:--	चित्रा	30:45	ध्रुव	12:47	तैतिल	18:34	14	तुला 17:26		07:10	19:36
	27	बुध	द्वितीया	07:37	स्वाति	--:--	व्याघात	13:22	गर	07:37	15	तुला	भद्रा 20:36 से	07:08	19:37
	28	गुरू	तृतीया	09:28	स्वाति	09:08	हर्षण	13:42	विष्टि	09:28	16	वृश्चिक 28:39	भद्रा 09:28 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 23:39 पर, श्रीशिवाजी जंयती, श्रीतुकाराम जयंती	07:06	19:39
	29	शुक्र	चतुर्थी	10:52	विशाखा	11:06	वज्र	13:41	बालव	10:52	17	वृश्चिक		07:04	19:40
	30	शनि	पंचमी	11:45	अनुराधा	12:33	सिद्धि	13:15	तैतिल	11:45	18	वृश्चिक	सूर्य रेवती में 22:11 से	07:03	19:41
	31	रवि	षष्ठी	12:02	ज्येष्ठा	13:27	व्यतिपात	12:22	वणिज	12:02	19	धनु 13:27	शुक्र मीन में 07:03 से, भद्रा 12:02 से 23:56 तक, शीतला सप्तमी	07:01	19:42

मार्च 1, गुरू प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°41°

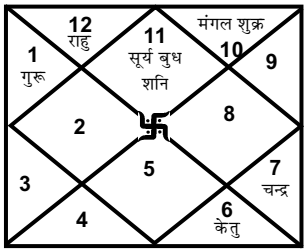

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
10	6	9	10	0	9	10	11	5
17	22	19	19	17	22	15	21	21
12	24	07	06	13	56	47	50	50
							वक्री	वक्री
			अस्त			अस्त	अस्त	अस्त
शतभिषा	विश0	श्रवण	शतभिषा	भरणी	श्रवण	शतभिषा	रेवती	हस्त
4	1	3	4	2	4	3	2	4

मार्च 15, गुरू प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°43°

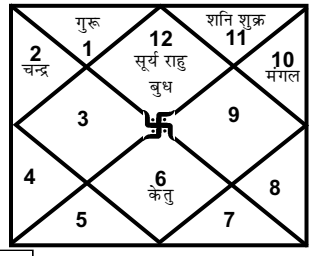

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
11	1	9	11	0	10	10	11	5
01	10	29	15	19	10	17	21	21
12	46	59	45	47	16	29	34	34
							वक्री	वक्री
					अस्त		अस्त	अस्त
पू.भा	रोहिणी	धनिष्ठा	उ0भा0	भरणी	शतभिषा	शतभिषा	रेवती	हस्त
4	1	2	4	2	2	4	2	4

*Phalgun-Chaitra, Samvat 2080, **March 2024,** Saka 1945 Surya-Uttrayan, Winter-Spring Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
Phalgun Krishan	1	Fri	Shashthi	21:25	Vishakha	28:12	Dhruv	07:44	Gar	08:44	19	Vrishchik 21:47	Bhadra from 21:25	06:54	18:05
	2	Sat	Saptami	22:16	Anuradha	29:25	Vyaghat	07:35	Vishti	09:56	20	Vrishchik	Bhadra till 09:56	06:52	18:07
	3	Sun	Ashtami	22:20	Jyestha	29:51	Harshan	06:54	Balav	10:24	21	Dhanu 29:51	Sun in P.Bhadra from 25:55, Seeta Ashatami	06:51	18:08
							Vajra	29:35							
	4.	Mon	Navami	21:35	Moola	29:30	Sidhi	27:37	Taitil	10:04	22	Dhanu		06:49	18:09
	5	Tue	Dashami	20:02	P. Shadha	28:22	Vyatipat	25:02	Vanij	08:54	23	Dhanu	Bhadra 08:54 to 20:02, Maharishi Dayanand Jayanti	06:47	18:10
	6	Wed	Ekadashi	17:45	U.Shadha	26:33	Variyan	21:53	Bav	06:58	24	Makar 09:58	Sukra in Kumbh at 24:04, Budh in Meen at 22:55, Vijaya Ekadashi	06:46	18:12
	7	Thu	Dwadashi	14:51	Shravan	24:11	Parigh	18:15	Taitil	14:51	25	Makar	Pradosh Vrat	06:44	18:13
	8	Fri	Tryodashi	11:29	Dhanishtha	21:25	Shiv	14:15	Vanij	11:29	26	Kumbh 10:50,	Bhadra 11:29 to 21:40, Panchak begins at 10:50, **Shri Mahashivratri Vrat**	06:42	18:14
	9	Sat	Chaturdashi	07:49	Shatbhisha	18:26	Sidh	10:02	Shakuni	07:49	27	Kumbh	Amavas	06:42	18:14
			Amavasya	28:01			Sadhya	29:43						06:40	18:15
Phalgun Shukl	10	Sun	Pratipada	24:16	P.Bhadra	15:25	Shubh	25:27	Kinstugh	14:07	28	Meen 10:10		06:39	18:17
	11	Mon	Dwitiya	21:44	U.Bhadra	13:33	Shukla	22:22	Balav	11:28	29	Meen	Ramkrishan Paramhans Jayanti, Fulera Duj	07:37	19:18
	12	Tue	Tritiya	18:35	Revati	10:59	Brahm	18:37	Taitil	08:06	30	Mesh10:59	Bhadra from 29:11, Panchak ends at 10:59, Shahid Lekhram Tritiya	07:35	19:19
	13	Wed	Chaturthi	15:57	Ashwani	08:54	Ainder	15:17	Vishti	15:57	1	Mesh	Surya in Meen at 26:58, Bhadra till 15:57, Meen (Chaitra) Sankranti	07:33	19:20
					Bharani	31:26									
	14	Thu	Panchami	13:57	Kritika	30:38	Vaidhriti	12:29	Balav	13:57	2	Vrish 13:10	Budh non-combust at 15:36	07:31	19:22
	15	Fri	Shashthi	12:40	Rohini	30:35	Vishkumbh	10:15	Taitil	12:40	3	Vrish	Mangal in Kumbh at 08:20	07:30	19:23
	16	Sat	Saptami	12:40	Mrigshira	31:17	Preeti	08:37	Vanij	12:10	4	Mithun 18:51	Sani non-combust at 19:06, Bhadra 12:10 to 24:11	07:28	19:24
	17	Sun	Ashtami	12:24	Ardra	--:--	Ayushman	07:34	Bav	12:24	5	Mithun	Sun in U. Bhadra from 11:17, Holaashtak Begin, Annapurna Ashtmi	07:26	19:25
							Saubhagya	31:06							
	18	Mon	Navami	13:20	Ardra	08:41	Shobhan	31:06	Kaulav	13:20	6	Kark 28:07		07:24	19:27
	19	Tue	Dashami	14:53	Punarvasu	10:40	Atigand	--:--	Gar	14:53	7	Kark	Bhadra from 27:50	07:22	19:28
	20	Wed	Ekadashi	16:54	Pushya	13:08	Atigand	07:30	Vishti	16:54	8	Kark	Bhadra till 16:54, Amalki Ekadashi	07:21	19:29
	21	Thu	Dwadashi	19:15	Ashlesha	15:57	Sukarma	08:11	Balav	19:15	9	Singh 15:57	Pradosh Vrat	07:19	19:30
	22	Fri	Tryodashi	21:49	Magha	18:58	Dhriti	09:04	Kaulav	08:31	10	Singh		07:17	19:31
	23	Sat	Chaturdashi	24:26	P.Phalguni	22:04	Shool	10:03	Gar	11:07	11	Kanya 28:50	Bhadra from 24:26	07:15	19:33
	24	Sun	Purnima	27:01	U.Phalguni	25:08	Gand	11:03	Vishti	13:44	12	Kanya	Basant Purnima, Bhadra till 13:44, Satyanarayan Vrat, Moonrise 19:11	07:13	19:34
													Chaitnya Mahaprabhu Jayanti, Holaashtak End, Holika Dahan		
Chaitra Krishan Paksh	25	Mon	Pratipada	29:27	Hast	28:03	Vriddhi	11:59	Balav	16:15	13	Kanya	Budh in Mesh at 17:20, Holi, Chandragrahan (Invisible)	07:12	19:35
	26	Tue	Dwitiya	--:--	Chitra	30:45	Dhruv	12:47	Taitil	18:34	14	Tula 17:26		07:10	19:36
	27	Wed	Dwitiya	07:37	Swati	--:--	Vyaghat	13:22	Gar	07:37	15	Tula	Bhadra from 20:36	07:08	19:37
	28	Thu	Tritiya	09:28	Swati	09:08	Harshan	13:42	Vishti	09:28	16	Vrishchik 28:39	Bhadra till 09:28, Ganesh Chaturthi, Sh. Shivaji & Tukaram Jay, Moonrise 23:39	07:06	19:39
	29	Fri	Chaturthi	10:52	Vishakha	11:06	Vajra	13:41	Balav	10:52	17	Vrishchik		07:04	19:40
	30	Sat	Panchami	11:45	Anuradha	12:33	Sidhi	13:15	Taitil	11:45	18	Vrishchik	Sun in Revati from 22:11	07:03	19:41
	31	Sun	Shashthi	12:02	Jyeshtha	13:27	Vyatipat	12:22	Vanij	12:02	19	Dhanu 13:27	Sukra in Meen at 07:03, Bhadra 12:02 to 23:56, Sheetla Saptami	07:01	19:42

March 1st, Fri 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'41"

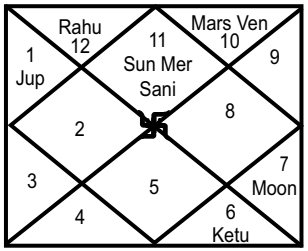

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
10	6	9	10	0	9	10	11	5
17	22	19	19	17	22	15	21	21
12	24	07	06	13	56	47	50	50
			C			C		
Shat 4	Vish 1	Shra 3	Shat 4	Bhar 2	Shra 4	Shat 3	Reva 2	Hast 4

March 15th, Fri 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'43"

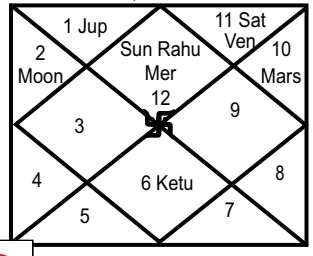

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
11	1	9	11	0	10	10	11	5
01	10	29	15	19	10	17	21	21
12	46	59	45	47	16	29	34	34
					C			
P.Bha 4	Rohi 1	Dhan 2	U.Bha 4	Bhar 2	Shat 2	Shat 4	Reva 2	Hast 4

चैत्र-वैशाख, सम्वत् 2080—81, अप्रैल 2024, शक् 1945-46 सूर्योत्तरायण, उत्तरगोल, बसन्त ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
चैत्र कृष्ण पक्ष	1	सोम	सप्तमी	10:41	मूला	12:42	वरियान	09:59	बव	10:41	20	धनु	बुध वक्री 17:08, शीतला अष्टमी	06:00	18:43
	2	मंगल	अष्टमी	09:40	पूर्वाषाढ़ा	12:19	परिघ शिव	08:04 29:39	कौलव	09:40	21	मकर 18:07		05:58	18:44
	3	बुध	नवमी दशमी	08:00 29:45	उत्तराषाढ़ा	11:17	सिद्ध	26:44	गर	08:00	22	मकर	बुध अस्त 23:57, भद्रा 18:57 से 29:45	05:57	18:45
	4	गुरू	एकादशी	27:00	श्रवण	09:42	साध्य	23:24	बव	16:26	23	कुम्भ 20:42	पापमोचनी एकादशी, पंचक 20:42 से प्रारम्भ	05:55	18:46
	5	शुक्र	द्वादशी	23:50	धनिष्ठा शतभिषा	07:37 29:09	शुभ	19:44	कौलव	13:27	24	कुम्भ		05:53	18:47
	6	शनि	त्रयोदशी	20:25	पूर्वा भाद्रपद	26:28	शुक्ल	15:49	गर	10:09	25	मीन 21:29	भद्रा 20:25 से , शनि प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	05:51	18:49
	7	रवि	चतुर्दशी	16:52	उत्तरा भद्रापद	23:42	ब्रह्म	11:46	विष्टि	06:39	26	मीन	भद्रा 06:39 तक	05:50	18:50
	8	सोम	अमावस्या	13:21	रेवती	21:02	ऐन्द्र वैधृति	07:43 27:47	नाग	13:21	27	मेष 2:02	सोमवती अमावस, पंचक समाप्त 21:02, सूर्यग्रहण	05:48	18:51
चैत्र शुक्ल पक्ष	9	मंगल	प्रतिपदा	10:02	अश्विनी	18:36	विष्कुम्भ	24:07	बव	10:02	28	मेष	बुध मीन में 11:06 से, चैत्रनवरात्रि / सम्वत् 2081 आरम्भ, आर्य समाज स्थापना दिवस, गुड़ी पड़वा	05:46	18:52
	10	बुध	द्वितीया तृतीया	07:03 28:34	भरणी	16:35	प्रीति	20:48	कौलव	07:03	29	वृष 22:10	मत्स्य जयन्ती, गणगौर	05:44	18:53
	11	गुरू	चतुर्थी	28:43	कृतिका	15:08	आयुष्मान	17:58	वणिज	15:33	30	वृष	भद्रा 15:33 से 26:43 तक	05:43	18:55
	12	शुक्र	पंचमी	25:35	रोहिणी	14:21	सौभाग्य	15:42	बव	14:03	31	मिथुन 26:14	श्री लक्ष्मी पंचमी	05:41	18:56
	13	शनि	षष्ठी	15:15	मृगशिरा	14:19	शोभन	14:03	कौलव	13:19	1	मिथुन	सूर्य मेष में 10:26, सूर्य अश्विनी 10:26 से, मेष / वैशाख संक्रान्ति	05:39	18:57
	14	रवि	सप्तमी	25:43	आर्द्रा	15:05	अतिगण्ड	13:02	गर	13:23	2	मिथुन	भद्रा 25:43 से	05:38	18:58
	15	सोम	अष्टमी	26:55	पुर्नवसु	16:35	सुकर्म	12:37	विष्टि	14:14	3	कर्क 10:09	भद्रा 14:14 तक, श्रीदुर्गाष्टमी	05:36	18:59
	16	मंगल	नवमी	28:45	पुष्य	18:46	घृति	12:46	बालव	15:46	4	कर्क	श्रीरामनवमी/नवरात्रि समाप्त	05:34	19:00
	17	बुध	दशमी	--:--	अश्लेषा	21:27	शूल	13:20	तैतिल	17:51	5	सिंह 21:27	धर्मराज दशमी	05:33	19:02
	18	गुरू	दशमी	07:03	मघा	24:27	गर	14:12	गर	07:03	6	सिंह	बुध उदय 23:45, भद्रा 20:18 से	05:31	09:03
	19	शुक्र	एकादशी	09:36	पूर्वाफाल्गुनी	27:34	वृद्धि	15:14	विष्टि	09:36	7	सिंह	भद्रा 09:36 तक, कामदा एकादशी व्रत	05:29	19:04
	20	शनि	द्वादशी	12:13	उत्तराफाल्गुनी	--:--	ध्रुव	16:16	बालव	12:13	8	कन्या 10:21	प्रदोष व्रत	05:28	19:05
	21	रवि	त्रयोदशी	14:42	उत्तराफाल्गुनी	06:38	व्याघात	17:13	तैतिल	14:42	9	कन्या		05:26	19:06
	22	सोम	चतुर्दशी	16:57	हस्त	09:30	हर्षण	17:57	वणिज	16:57	10	तुला 22:48	मंगल मीन राशी 21:52, भद्रा 16:57 से, श्री सत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 19:07 पर	05:24	19:08
	23	मंगल	पूर्णिमा	18:49	चित्रा	12:02	वज्र	18:25	विष्टि	05:56	11	तुला	पूर्णिमा, भद्रा 05:56 तक, श्री हनुमान जन्मोत्सव	05:23	19:09
वैशाख कृष्ण पक्ष	24	बुध	प्रतिपदा	20:17	स्वाति	14:11	सिद्धि	18:34	बालव	07:37	12	तुला	शुक्र मेष में 13:15	05:21	19:10
	25	गुरू	द्वितीया	21:17	विशाखा	15:54	व्यतिपात	18:22	तैतिल	08:50	13	वृश्चिक 09:31	बुध मार्गी 07:49	05:20	19:11
	26	शुक्र	तृतीया	21:49	अनुराधा	17:10	वरियान	17:48	वणिज	09:37	14	वृश्चिक	सूर्य भरणी में 26:18, भद्रा 09:37 से 21:49, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 23:38 पर	05:18	19:12
	27	शनि	चतुर्थी	21:53	ज्येष्ठा	17:58	परिघ	16:53	बव	09:54	15	धनु 17:58	शुक्र अस्त 20:31	05:17	19:13
	28	रवि	पंचमी	21:28	मूला	18:19	शिव	15:35	कौलव	09:44	16	धनु		05:15	19:15
	29	सोम	षष्ठी	20:36	पूर्वाषाढ़ा	18:12	सिद्ध	13:55	गर	09:06	17	मकर 24:07	भद्रा 20:36 से	05:14	19:16
	30	मंगल	सप्तमी	19:17	उत्तराषाढ़ा	17:39	साध्य	11:53	विष्टि	08:00	18	मकर	गुरु वृष में 25:40, भद्रा 08:00 तक	05:13	19:17

अप्रैल 1, सोम प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°45°

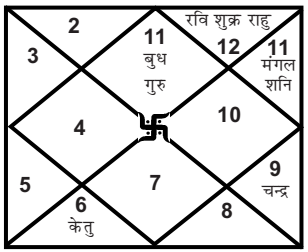

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
11	8	10	0	0	11	10	11	5
18	10	13	03	23	01	19	21	21
03	10	13	01	16	17	28	26	26
		वक्री					वक्री	वक्री
							अस्त	अस्त
रेवा	मूल	शतभिषा	अश्विनी	भरणी	पू.भ.	शतभिषा	रेवा	हस्त
1	4	2	1	3	4	4	2	4

अप्रैल 15, सोम प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°47°

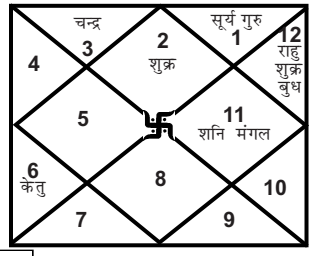

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
0	2	10	11	0	11	10	11	5
01	28	24	25	26	18	20	21	21
49	22	06	43	22	35	58	22	22
			वक्री				वक्री	वक्री
			अस्त				अस्त	अस्त
अश्विनी	पूना	पू.भा.	रेवा	भरणी	रेवा	पू.भा.	रेवा	हस्त
1	3	2	3	4	1	1	2	4

Chaitra-Baisakh, Samvat 2080-81, **April 2024,** Saka 1945-46 Surya-Uttrayan, Uttar Gol, Spring Season

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
Chaitra Krishan Paksh	1	Mon	Saptami	10;41	Moola	12:42	Variyan	09:59	Bav	10:41	20	Dhanu	Budh Vakri at 17:08, Sheetala Ashtami	06:00	18:43
	2	Tue	Ashtami	09:40	P.Shadha	12:19	Parigh Shiv	08:04 29:39	Kaulav	09:40	21	Markar 18:07		05:58	18:44
	3	Wed	Navami Dashami	08:00 29:45	U.Shadha	11:17	Sidh	26:44	Gar	08:00	22	Makar	Budh Ast (combust) at 23:57, Bhadra 18:57 to 29:45	05:57	18:45
	4	Thu	Ekadashi	27:00	Shravan	09:42	Sadhya	23:24	Bav	16:26	23	Kumbh 20:42	Paapmochini Ekadashi, Panchak begins at 20:42	05:55	18:46
	5	Fri	Dwadashi	23:50	Dhanishtha Shatbhisha	07:37 29:09	Shubh	19:44	Kaulav	13:27	24	Kumbh		05:53	18:47
	6	Sat	Tryodashi	20:25	P.Bhadra	26:28	Shukla	15:49	Gar	10:09	25	Meen 21:29	Bhadra from 20:25, Shani Pradosh Vrat, Monthly Shivratri	05:51	18:49
	7	Sun	Chaturdashi	16:52	U.Bhadra	23:42	Brahm	11:46	Vishti	06:39	26	Meen	Bhadra till 06:39	05:50	18:50
	8	Mon	Amavasya	13:21	Revati	21:02	Ainder Vaidhriti	07:43 27:47	Naag	13:21	27	Mesh 21:02	Somvati Amavasya/Solar Eclipse, Panchak ends at 21:02	05:48	18:51
Chaitra Shukl Paksh	9	Tue	Pratipada	10:02	Ashwani	18:36	Vishkumbh	24:07	Bav	10:02	28	Mesh	Budh in Meen at 11:06, **Chaitr Navratri/Samvat 2081 begin** Arya Samaj Sthapana Day/Gudi Padwa	05:46	18:52
	10	Wed	Dwitiya Tritiya	07:03 28:34	Bharani	16:35	Preeti	20:48	Kaulav	07:03	29	Vrish 22:10	Matsya Jayanti/Gangaur	05:44	18:53
	11	Thu	Chaturthi	26:43	Kritika	15:08	Ayushman	17:58	Vanij	15:33	30	Vrish	Bhadra 15:33 to 26:43	05:43	18:55
	12	Fri	Panchami	25:35	Rohini	14:21	Saubhagya	15:42	Bav	14:03	31	Mithun 26:14	Lakshmi Panchami	05:41	18:56
	13	Sat	Shashthi	25:15	Mrigshira	14:19	Shobhan	14:03	Kaulav	13:19	1	Mithun	Surya in Mesh at 10:26, Sun in Ashwani from 10:26, **Mesh/Baisakh Sankranti**	05:39	18:57
	14	Sun	Saptami	25:43	Ardra	15:05	Atigand	13:02	Gar	13:23	2	Mithun	Bhadra from 25:43	05:38	18:58
	15	Mon	Ashtami	26:55	Punarvasu	16:35	Sukarma	12:37	Vishti	14:14	3	Kark 10:09	Bhadra till 14:14, **Shri Durga Ashtami**	05:36	18:59
	16	Tue	Navami	28:45	Pushya	18:46	Dhriti	12:46	Balav	15:46	4	Kark	**Shri Ram Navami/Navratri End**	05:34	19:00
	17	Wed	Dashami	--:--	Ashlesha	21:27	Shool	13:20	Taitil	17:51	5	Singh 21:27	Dharamraj Dashami	05:33	19:02
	18	Thu	Dashami	07:03	Magha	24:27	Gand	14:12	Gar	07:03	6	Singh	Budh non-combust at 23:45, Bhadra from 20:18	05:31	19:03
	19	Fri	Ekadashi	09:36	P.Phalguni	27:34	Vriddhi	15:14	Vishti	09:36	7	Singh	Bhadra till 09:36, Kamada Ekadashi	05:29	19:04
	20	Sat	Dwadashi	12:13	U.Phalguni	--:--	Dhruv	16:16	Balav	12:13	8	Kanya 10:21	Pradosh Vrat	05:28	19:05
	21	Sun	Tryodashi	14:42	U.Phalguni	06:38	Vyaghat	17:13	Taitil	14:42	9	Kanya		05:26	19:06
	22	Mon	Chaturdashi	16:57	Hast	09:30	Harshan	17:57	Vanij	16:57	10	Tula 22:48	Mangal in Meen at 21:52, Bhadra from 16:57, Satyanayaran Vrat, Moonrise 19:07	05:24	19:08
Vaishakh Krishan	23	Tue	Purnima	18:49	Chitra	12:02	Vajra	18:25	Vishti	05:56	11	Tula	Purnima, Bhadra till 05:56, **Shri Hanuman Jayanti**	05:23	19:09
	24	Wed	Pratipada	20:17	Swati	14:11	Sidhi	18:34	Balav	07:37	12	Tula	Sukra in Mesh at 13:15	05:21	19:10
	25	Thu	Dwitiya	21:17	Vishakha	15:54	Vyatipat	18:22	Taitil	08:50	13	Vrishchik 09:31	Budh Margi at 07:49	05:20	19:11
	26	Fri	Tritiya	21:49	Anuradha	17:10	Variyan	17:48	Vanij	09:37	14	Vrishchik	Sun in Bharani from 26:18, Bhadra 09:37 to 21:49, Ganesh Chaturthi Moonrise 23:38	05:18	19:12
	27	Sat	Chaturthi	21:53	Jyeshtha	17:58	Parigh	16:53	Bav	09:54	15	Dhanu 17:58	Sukra Ast (combust) at 20:31	05:17	19:13
	28	Sun	Panchami	21:28	Moola	18:19	Shiv	15:35	Kaulav	09:44	16	Dhanu		05:15	19:15
	29	Mon	Shashthi	20:36	P.Shadha	18:12	Sidh	13:55	Gar	09:06	17	Makar 24:07	Bhadra from 20:36	05:14	19:16
	30	Tue	Saptami	19:17	U.Shadha	17:39	Sadhya	11:53	Vishti	08:00	18	Makar	Guru in Vrish at 25:40, Bhadra till 08:00	05:13	19:17

April 1st, Mon 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'45"

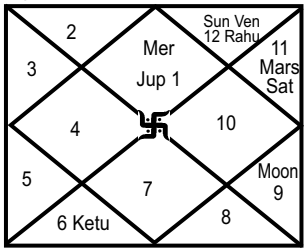

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
11	8	10	0	0	11	10	11	5
18	10	13	03	23	01	19	21	21
03	10	13	01	16	17	28	26	26
		D					D	D
Reva	Mool	Shat	Ashw	Bhar	P.Bha	Shat	Reva	Hast
1	4	2	1	3	4	4	2	4

April 15th, Mon 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'47"

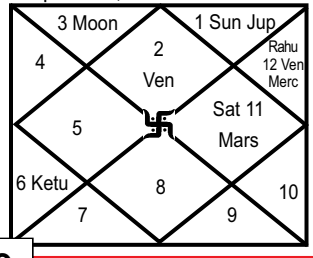

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
0	2	10	11	0	11	10	11	5
01	28	24	25	26	18	20	21	21
49	22	06	43	22	35	58	22	22
			Rx				Dx	Dx
			C					
Ashw	Puna	P.Bha	Reva	Bhar	Reva	P.Bha	Reva	Hast
1	3	2	3	4	1	1	2	4

वैशाख-ज्येष्ठ, सम्वत् 2081, मई 2024, शक् 1946 सूर्योत्तरायण, उत्तरगोल, बसन्त ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
वैशाख कृष्ण पक्ष	1	बुध	अष्टमी	18:32	श्रवण	17:41	शुभ	10:31	बालव	07:28	19	कुम्भ 29:02	पंचक प्रारम्भ 29:02	06:11	20:19
	2	गुरू	नवमी	16:24	धनिष्ठा	16:19	शुक्ल ब्रह्म	07:48 28:48	गर	16:24	20	कुम्भ	भद्रा 27:12 से	06:09	20:20
	3	शुक्र	दशमी	13:55	शतभिषा	16:36	ऐन्द्र	25:33	विष्टि	13:55	21	कुम्भ	गुरु अस्त 13:54, भद्रा 13:55 तक	06:08	20:21
	4	शनि	एकादशी	11:10	पूर्वाभाद्रपद	12:37	वैधृति	22:06	बालव	11:10	22	मीन 07:08	वरूथिनी एकादशी, श्री वल्लभाचार्य जयन्ती	06:06	20:22
	5	रवि	द्वादशी त्रयोदशी	08:13 29:11	उत्तराभाद्रपद	10:27	विष्कुम्भ	18:32	तैतिल	08:13	23	मीन	भद्रा 29:11 से, प्रदोष व्रत	06:05	20:23
	6	सोम	चतुर्दशी	26:12	रेवती अश्विनी	08:13 30:02	प्रीति	14:58	विष्टि	15:41	24	मेष 08:13	भद्रा 14:41 से, पंचक समाप्त 08:13	06:04	20:24
	7	मंगल	अमावस्या	13:22	भरणी	28:03	आयुष्मान	11:28	चातुष्पाद	12:45	25	मेष	भौमवती अमावस	06:03	20:26
वैशाख शुक्ल पक्ष	8	बुध	प्रतिपदा	20:52	कृतिका	26:25	सौभाग्य शोभन	08:10 29:10	किंस्तुघ्न	10:04	26	वृष 09:37		06:01	20:27
	9	गुरू	द्वितीया	18:49	रोहिणी	25:17	अतिगण्ड	26:36	बालव	07:46	27	वृष	बुध मेष में 09:15, सूर्य कृतिका में 21:24, भद्रा 28:52 से, श्री परशुराम जयन्ती	06:00	20:28
	10	शुक्र	तृतीया	17:21	मृगशिरा	24:45	सुकर्म	24:32	तैतिल	06:00	28	मिथुन 12:56	भद्रा 16:35 तक, अक्षय तृतीया	05:59	20:29
	11	शनि	चतुर्थी	16:35	आर्द्रा	24:57	धृति	23:03	विष्टि	16:35	29	मिथुन		05:58	20:30
	12	रवि	पंचमी	16:35	पुर्नवसु	25:54	शूल	22:10	बालव	16:35	30	कर्क 19:35	सूरदास / आदि गुरू शंकराचार्य जयन्ती	05:57	20:31
	13	सोम	षष्ठी	17:21	पुष्य	27:35	गर	21:54	तैतिल	17:21	31	कर्क		05:55	20:32
	14	मंगल	सप्तमी	18:50	अश्लेषा	--:--	वैधृति	22:10	गर	06:01	1	कर्क	सूर्य वृष में 08:15, भद्रा 18:50 से, गंगा सप्तमी / ज्येष्ठ संक्रान्ति	05:54	20:33
	15	बुध	अष्टमी	20:54	अश्लेषा	05:55	ध्रुव	22:52	विष्टि	07:49	2	सिंह 05:55	भद्रा 07:49 तक, बगलामुखी जयन्ती	05:53	20:34
	16	गुरू	नवमी	23:20	मघा	08:44	व्याघात	23:50	बालव	10:05	3	सिंह	श्री जानकी जयन्ती	05:52	20:36
	17	शुक्र	दशमी	25:54	पूर्वाफाल्गुनी	11:48	हर्षण	24:54	तैतिल	12:37	4	कन्या 18:35		05:51	20:37
	18	शनि	एकादशी	28:21	उत्तराफाल्गुनी	14:53	वज्र	25:53	वणिज	15:09	5	कन्या	शुक्र वृष में 22:59, भद्रा 15:09 से, मोहिनी एकादशी 28:21	05:50	20:38
	19	रवि	द्वादशी	--:--	हस्त	17:46	सिद्धि	26:39	बव	17:28	6	कन्या		05:49	20:39
	20	सोम	द्वादशी	06:30	चित्रा	20:16	व्यतिपात	27:05	बालव	06:30	7	तुला 07:04	प्रदोष व्रत	05:49	20:40
	21	मंगल	त्रयोदशी	08:11	स्वाती	22:17	वरियान	27:06	तैतिल	08:11	8	तुला	श्रीनृसिंह जयन्ती	05:48	20:41
	22	बुध	चतुर्दशी	09:19	वैशाख	23:44	परिघ	26:41	वणिज	19:19	9	वृश्चिक 17:26	भद्रा 09:19 से 21:40 तक, श्री सत्यनारायण व्रत / कूर्म जयन्ती, चन्द्रोदय 20:16 पर	05:47	20:42
	23	गुरू	पूर्णिमा	09:54	अनुराधा	24:40	शिव	25:50	बव	09:54	10	वृश्चिक	बुद्ध पूर्णिमा , नारद जयन्ती	05:46	20:43
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष	24	शुक्र	प्रतिपदा	09:56	ज्येष्ठ	05:06	सिद्ध	24:36	कौलव	09:56	11	धनु 25:06	सूर्य रोहिणी में 17:38	05:45	20:44
	25	शनि	द्वितीया	09:29	मूला	25:06	साध्य	23:00	गर	09:29	12	धनु	भद्रा 21:06 से	05:44	20:45
	26	रवि	तृतीया	08:37	पूर्वाषाढ़ा	24:44	शुभ	21:06	विष्टि	08:37	13	धनु	भद्रा 08:37 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 24:46 पर	05:44	20:45
	27	सोम	चतुर्थी	07:25	उत्तराषाढ़ा	24:03	शुक्ल	18:57	बालव	07:25	14	मकर 06:35		05:43	20:46
	28	मंगल	पंचमी षष्ठी	05:55 28:11	श्रवण	23:08	ब्रह्म	16:35	तैतिल	05:55	15	मकर	भद्रा 28:11 से	05:42	20:47
	29	बुध	सप्तमी	26:15	धनिष्ठा	22:01	ऐन्द्र	14:03	विष्टि	15:14	16	कुम्भ 10:36	भद्रा 15:14 तक, पंचक प्रारम्भ 10:36	05:42	20:48
	30	गुरू	अष्टमी	24:09	शतभिषा	20:44	वैधृति	11:22	बालव	13:13	17	कुम्भ	बुध वृष में 26:35	05:41	20:49
	31	शुक्र	नवमी	21:55	पूर्वाभाद्रपद	19:18	विष्कुम्भ प्रीति	08:4 29:39	तैतिल	11:03	18	मीन 13:40		05:41	20:50

मई 1, बुध प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°49°

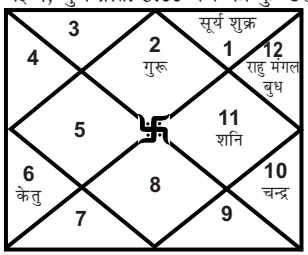

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
0	9	11	11	1	0	10	11	5
17	17	06	23	00	08	22	21	21
25	42	28	12	03	18	29	09	09
							वक्री	वक्री
					अस्त		अस्त	अस्त
भरणी	श्रवण	उ.भा.	रेवती	कृति	अश्विनी	पू.भा.	रेवती	हस्त
1	4	2	1	3	4	4	2	4

मई 15, बुध प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°51°

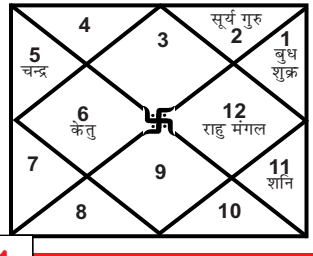

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	4	11	0	1	0	10	11	5
00	03	12	33	21	33	35	41	41
							वक्री	वक्री
				अस्त	अस्त		अस्त	अस्त
कृति	माघ	रेवती	अश्विनी	कृति	भरणी	पू.भा.	रेवती	हस्त
2	1	1	2	3	4	2	2	4

*Vaishakh-Jyeshth, Samvat 2081, **May 2024,** Saka 1946 Surya-Uttrayan, Uttar Gol, Spring Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
Vaishakh Krishan	1	Wed	Ashtami	18:32	Shravan	17:41	Shubh	10:31	Balav	07:28	19	Kumbh 29:02	Panchak begins at 29:02	06:11	20:19
	2	Thu	Navami	16:24	Dhanishtha	16:19	Shukla Brahm	07:48 28:48	Gar	16:24	20	Kumbh	Bhadra from 27:12	06:09	20:20
	3	Fri	Dashami	13:55	Shatbhisha	14:36	Ainder	25:33	Vishti	13:55	21	Kumbh	Guru Ast (combust) at 13:54, Bhadra till 13:55	06:08	20:21
	4	Sat	Ekadashi	11:10	P.Bhadra	12:37	Vaidhriti	22:06	Balav	11:10	22	Meen 07:08	Varuthini Ekadashi, Sh. Vallbhacharya Jayanti	06:06	20:22
	5	Sun	Dwadashi Tryodashi	08:13 29:11	U.Bhadra	10:27	Vishkumbh	18:32	Taitil	08:13	23	Meen	Bhadra from 29:11, Pradosh Vrat	06:05	20:23
	6.	Mon	Chaturdashi	26:12	Revati Ashwani	08:13 30:02	Preeti	14:58	Vishti	15:41	24	Mesh 08:13	Bhadra till 14:41, Panchak ends at 08:13	06:04	20:24
	7	Tue	Amavasya	23:22	Bharani	28:03	Ayushman	11:28	Chatush	12:45	25	Mesh	Bhaumvati Amavasya	06:03	20:26
Vaishakh Shukl	8	Wed	Pratipada	20:52	Kritika	26:25	Saubhagya Shobhan	08:10 29:10	Kinstugh	10:04	26	Vrish 09:37		06:01	20:27
	9	Thu	Dwitiya	18:49	Rohini	25:17	Atigand	26:36	Balav	07:46	27	Vrish	Shri Parshuram Jayanti	06:00	20:28
	10	Fri	Tritiya	17:21	Mrigshira	24:45	Sukarma	24:32	Taitil	06:00	28	Mithun 12:56	Budh in Mesh at 09:15, Sun in Kritika from 21:24, Bhadra from 28:52, **Akashya Tritiya**	05:59	20:29
	11	Sat	Chaturthi	16:35	Ardra	24:57	Dhriti	23:03	Vishti	16:35	29	Mithun	Bhadra till 16:35	05:58	20:30
	12	Sun	Panchami	16:35	Punarvasu	25:54	Shool	22:10	Balav	16:35	30	Kark 19:35	Surdas /Aadi Guru Shankracharya Jayanti	05:57	20:31
	13	Mon	Shashthi	17:21	Pushya	27:35	Gand	21:54	Taitil	17:21	31	Kark		05:55	20:32
	14	Tue	Saptami	18:50	Ashlesha	--:--	Vriddhi	22:10	Gar	06:01	1	Kark	Surya in Vrish at 08:15, Bhadra from 18:50, Ganga Saptami / Jyeshth Sankranti	05:54	20:33
	15	Wed	Ashtami	20:54	Ashlesha	05:55	Dhruv	22:52	Vishti	07:49	2	Singh 05:55	Bhadra till 07:49, Baglamukhi Jayanti	05:53	20:34
	16	Thu	Navami	23:20	Magha	08:44	Vyaghat	23:50	Balav	10:05	3	Singh	Shri Janaki	05:52	20:36
	17	Fri	Dashami	25:54	P.Phalguni	11:48	Harshan	24:54	Taitil	12:37	4	Kanya 18:35		05:51	20:37
	18	Sat	Ekadashi	28:21	U.Phalguni	14:53	Vajra	25:53	Vanij	15:09	5	Kanya	Sukra in Vrish at 22:59, Bhadra 15:09 to 28:21, Mohini Ekadashi	05:50	20:38
	19	Sun	Dwadashi	--:--	Hast	17:46	Sidhi	26:39	Bav	17:28	6	Kanya		05:49	20:39
	20	Mon	Dwadashi	06:30	Chitra	20:16	Vyatipat	27:05	Balav	06:30	7	Tula 07:04	Pradosh Vrat	05:49	20:40
	21	Tue	Tryodashi	08:11	Swati	22:17	Variyan	27:06	Taitil	08:11	8	Tula	Shri Nrisingh Jayanti	05:48	20:41
	22	Wed	Chaturdashi	09:19	Vishakha	23:44	Parigh	26:41	Vanij	09:19	9	Vrishchik 17:26	Bhadra 09:19 to 21:40, Shri Satyanarayan Vrat / Kurm Jayanti, Moonrise 20:16	05:47	20:42
	23	Thu	Purnima	09:54	Anuradha	24:40	Shiv	25:50	Bav	09:54	10	Vrishchik	Budh Purnima, Narad Jayanti	05:46	20:43
Jyeshth Krishan Paksh	24	Fri	Pratipada	09:56	Jyestha	25:06	Sidh	24:36	Kaulav	09:56	11	Dhanu 25:06	Sun in Rohini from 17:38	05:45	20:44
	25	Sat	Dwitiya	09:29	Moola	25:06	Sadhya	23:00	Gar	09:29	12	Dhanu	Bhadra from 21:06	05:44	20:45
	26	Sun	Tritiya	08:37	P.Shadha	24:44	Shubh	21:06	Vishti	08:37	13	Dhanu	Bhadra till 08:37, Shri Ganesh Chaturthi Vrat, Moonrise 24:46	05:44	20:45
	27	Mon	Chaturthi	07:25	U.Shadha	24:03	Shukla	18:57	Balav	07:25	14	Makar 06:35		05:43	20:46
	28	Tue	Panchami Shashthi	05:55 28:11	Sharvan	23:08	Brahm	16:35	Taitil	05:55	15	Makar	Bhadra from 28:11	05:42	20:47
	29	Wed	Saptami	26:15	Dhanishtha	22:01	Ainder	14:03	Vishti	15:14	16	Kumbh 10:36	Bhadra till 15:14, Panchk begins at 10:36	05:42	20:48
	30	Thu	Ashtami	24:09	Shatbhisha	20:44	Vaidhriti	11:22	Balav	13:13	17	Kumbh	Budh in Vrish at 26:35	05:41	20:49
	31	Fri	Navami	21:55	P.Bhadra	19:18	Vishkumbh Preeti	08:34 29:39	Taitil	11:03	18	Meen 13:40		05:41	20:50

May 1st, Wed 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'49"

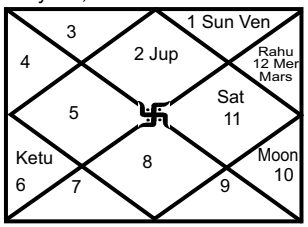

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
0	9	11	11	1	0	10	11	5
17	17	06	23	00	08	22	21	21
25	42	28	12	03	18	29	09	09
							D	D
					C			
Bhar 2	Shra 3	U.Bha 1	Reva 2	Krit 2	Ashw 3	P.Bha 1	Reva 2	Hast 4

May 15th, Wed 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'51"

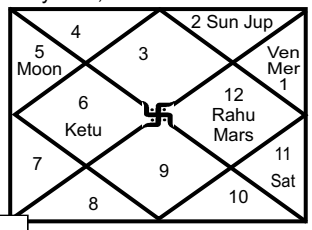

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
1	4	11	0	1	0	10	11	5
00	01	17	05	03	25	23	20	20
57	03	12	33	21	33	35	41	41
							D	D
				C	C			
Krit 2	Magh 1	Reva 1	Ashw 2	Krit 3	Bhar 4	P.Bha 2	Reva 2	Hast 4

ज्येष्ठ-आषाढ़, सम्वत् 2081, जून 2024, शक् 1946 सूर्योत्तरायण-दक्षिणायन, उत्तरगोल, गीष्म ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष	1	शनि	दशमी	19:35	उत्तराभाद्रपद	17:46	आयुष्मान	26:40	वणिज	08:46	19	मीन	मंगल मेष में 05:51, भद्रा 08:46 से 19:35 तक	05:41	20:45
	2	रवि	एकादशी	17:12	रेवती	16:10	सौभाग्य	23:40	बव	06:24	20	मेष 16:10	गुरु उदय 18:54, बुध अस्त 08:38, अपरा एकादशी, पंचक समाप्त 16:10	05:40	20:51
	3	सोम	द्वादशी	14:49	अश्विनी	14:35	शोभन	20:41	तैतिल	14:49	21	मेष	प्रदोष व्रत	05:40	20:52
	4	मंगल	त्रयोदशी	12:32	भरणी	13:05	अतिगण्ड	17:47	वणिज	12:32	22	वृष 18:44	भद्रा 12:32 से 23:27 तक, मासिक शिवरात्रि	05:39	20:53
	5	बुध	चतुर्दशी	10:26	कृतिका	11:46	सुकर्म	15:05	शकुनि	10:26	23	वृष	वट सावित्री व्रत	05:39	20:53
	6	गुरू	अमावस्या	08:38	रोहिणी	10:46	धृति	12:38	नाग	08:38	24	मिथुन 22:26	अमावस्या, शनि जयन्ती	05:39	20:54
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष	7	शुक्र	प्रतिपदा	07:16	मृगशिरा	10:13	शूल	10:34	बव	07:16	25	मिथुन	सूर्य मृगशिरा में 15:27 पर	05:38	20:55
	8	शनि	द्वितीया	06:26	आर्द्रा	10:12	गर	08:56	कौलव	06:26	26	कर्क 28:37		05:38	20:55
	9	रवि	तृतीया	06:15	पुर्नवसु	10:50	वृद्धि	07:50	गर	06:15	27	कर्क	भद्रा 18:25 से, रम्भा तृतीया / महाराणा प्रताप जयन्ती	05:38	20:56
	10	सोम	चतुर्थी	06:46	पुष्य	12:10	ध्रुव	07:17	विष्टि	06:46	28	कर्क	भद्रा 06:46 तक	05:37	20:57
	11	मंगल	पंचमी	07:58	अश्लेषा	14:09	व्याघात	07:16	बालव	07:58	29	सिंह 14:09		05:37	20:58
	12	बुध	षष्ठी	09:48	मघा	16:42	हर्षण	07:44	तैतिल	09:48	30	सिंह	शुक्र मिथुन में 08:45	05:37	20:58
	13	गुरू	सप्तमी	12:04	पूर्वाफाल्गुनी	19:38	वज्र	08:34	वणिज	12:04	31	कन्या 26:24	भद्रा 12:04 से 25:19 तक	05:37	20:59
	14	शुक्र	अष्टमी	14:35	उत्तराफाल्गुनी	22:44	सिद्धि	09:36	बव	14:35	1	कन्या	बुध मिथुन में 13:24 सूर्य मिथुन में 14:49, ज्येष्ठ संक्रान्ति	05:37	20:59
	15	शनि	नवमी	17:03	हस्त	25:43	व्यतिपात	10:39	कौलव	17:03	2	कन्या		05:37	20:59
	16	रवि	दशमी	19:15	चित्रा	28:20	वरियान	11:31	तैतिल	06:12	3	तुला 15:05	गंगा दशहरा	05:37	21:00
	17	सोम	एकादशी	20:56	स्वाती	--:--	परिघ	12:03	वणिज	08:10	4	तुला	भद्रा 08:40 से 20:56 तक, निर्जला एकादशी / गायत्री जयन्ती	05:37	21:00
	18	मंगल	द्वादशी	21:59	स्वाती	06:26	शिव	12:08	बव	09:32	5	वृश्चिक 25:35		05:37	21:00
	19	बुध	त्रयोदशी	22:21	विशाखा	07:53	सिद्ध	11:41	कौलव	10:15	6	वृश्चिक	प्रदोष व्रत	05:38	21:01
	20	गुरू	चतुर्दशी	22:03	अनुराधा	08:40	साध्य	10:41	गर	10:17	7	वृश्चिक	भद्रा 22:03 से	05:38	21:01
	21	शुक्र	पूर्णिमा	21:08	ज्येष्ठा	08:49	शुभ	09:11	विष्टि	09:40	8	धनु 08:49	श्री सत्यनारायण व्रत / पूर्णिमा, सूर्य आर्द्रा में 14:28, भद्रा 09:40 तक, वट सावित्री व्रत, चन्द्रोदय 21:25	05:38	21:01
आषाढ़ कृष्ण पक्ष	22	शनि	प्रतिपदा	19:44	मूला	08:24	शुक्ल ब्रह्म	07:14 28:55	बालव	08:29	9	धनु		05:38	21:01
	23	रवि	द्वितीया	17:57	पूर्वाषाढ़ा	07:34	ऐन्द्र	26:21	तैतिल	06:53	10	मकर 13:18	भद्रा 28:57 से	05:38	21:01
	24	सोम	तृतीया	15:54	उत्तराषाढ़ा श्रवण	06:24 29:02	वैधृति	23:35	विष्टि	15:54	11	मकर	भद्रा 15:54 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 23:39 पर	05:39	21:01
	25	मंगल	चतुर्थी	13:42	धनिष्ठा	27:35	विष्कुम्भ	20:43	बालव	13:42	12	कुम्भ 16:19	पंचक प्रारम्भ 16:19	05:39	21:01
	26	बुध	पंचमी	11:26	शतभिषा	26:07	प्रीति	17:50	तैतिल	11:26	13	कुम्भ	बुध उदय 18:45	05:39	21:02
	27	गुरू	षष्ठी	09:10	पूर्वाभाद्रपद	24:41	आयुष्मान	14:57	वणिज	09:10	14	मीन 19:02	भद्रा 09:10 से 20:04 तक	05:40	21:02
	28	शुक्र	सप्तमी अष्टमी	06:58 28:51	उत्तराभाद्रपद	23:19	सौभाग्य	12:08	बव	06:58	15	मीन	बुध कर्क में 26:44	05:40	21:02
	29	शनि	नवमी	26:50	रेवती	22:04	शोभन	09:23	तैतिल	15:50	16	मेष 22:04	शनि वक्री 13:58, पंचक समाप्त 22:04	05:41	21:01
	30	रवि	दशमी	24:57	अश्विनी सुकर्मा	20:56 28:11	अतिगण्ड	06:44	वणिज	13:53	17	मेष	भद्रा 13:53 से 24:57 तक	05:41	21:01

जून 1, शनि प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°53°

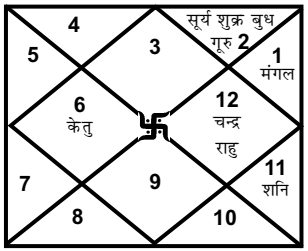

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	11	0	1	1	1	10	11	5
17	10	00	02	07	16	24	19	19
17	52	04	18	21	27	35	51	51
							वक्री	वक्री
				अस्त	अस्त		अस्त	अस्त
रोहि. 3	उ.भा. 3	अश्विनी 1	कृति 2	कृति 4	रोहि. 2	पू.भा. 2	रेवती 1	हस्त 3

जून 15, शनि प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°55°

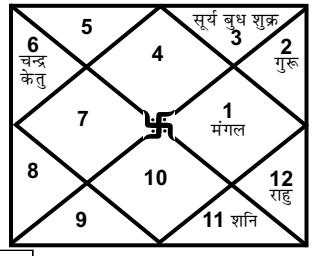

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
2	5	0	2	1	2	10	11	5
00	14	10	01	10	03	25	18	18
41	34	29	42	35	39	04	40	40
							वक्री	वक्री
			अस्त		अस्त		अस्त	अस्त
मृग. 3	हस्त 2	अश्विनी 4	मृग 3	रोहिणी 1	मृग 4	पू.भा. 2	रेवती 1	हस्त 3

Jyeshth-Aashadh, Samvat 2081, ***June 2024,*** *Saka 1945 Surya-Uttrayan-Dakshinaayan, Uttar Gol, Summer Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
Jyeshth Krishan	1	Sat	Dashami	19:35	U.Bhadra	17:46	Ayushman	26:40	Vanij	08:46	19	Meen	Mangal in Mesh at 05:51, Bhadra 08:46 to 19:35	05:41	20:45
	2	Sun	Ekadashi	17:12	Revati	16:10	Saubhagya	23:40	Bav	06:24	20	Mesh 16:10	Guru non-combust at 18:54, Budh Ast at 08:38, Apara Ekadashi, Panchak ends at 16:10	05:40	20:51
	3	Mon	Dwadashi	14:49	Ashwani	14:35	Shobhan	20:41	Taitil	14:49	21	Mesh	Pradosh Vrat	05:40	20:52
	4	Tue	Tryodashi	12:32	Bharani	13:05	Atigand	17:47	Vanij	12:32	22	Vrish 18:44	Bhadra 12:32 to 23:27, Monthly Shivratri	05:39	20:53
	5	Wed	Chaturdashi	10:26	Kritika	11:46	Sukarma	15:05	Shakuni	10:26	23	Vrish	Vat Savitri Vrat	05:39	20:53
	6	Thu	Amavasya	08:38	Rohini	10:46	Dhriti	12:38	Naag	08:38	24	Mithun 22:26	Amavas, Shani Jayanti	05:39	20:54
Jyeshth Shukl	7	Fri	Pratipada	07:16	Mrigshira	10:13	Shool	10:34	Bav	07:16	25	Mithun	Sun in Mrigshira from 15:27	05:38	20:55
	8	Sat	Dwitiya	06:26	Ardra	10:12	Gand	08:56	Kaulav	06:26	26	Kark 28:37		05:38	20:55
	9	Sun	Tritiya	06:15	Punarvasu	10:50	Vriddhi	07:50	Gar	06:15	27	Kark	Bhadra from 18:25, Rambha Tritiya / Maha Pratap Jayanti	05:38	20:56
	10	Mon	Chaturthi	06:46	Pushya	12:10	Dhruv	07:17	Vishti	06:46	28	Kark	Bhadra till 06:46	05:38	20:56
	11	Tue	Panchami	07:58	Ashlesha	14:09	Vyaghat	07:16	Balav	07:58	29	Singh 14:09		05:37	20:57
	12	Wed	Shashthi	09:48	Magha	16:42	Harshan	07:44	Taitil	09:48	30	Singh	Sukra in Mithun at 08:45	05:37	20:58
	13	Thu	Saptami	12:04	P.Phalguni	19:38	Vajra	08:34	Vanij	12:04	31	Kanya 26:24	Bhadra 12:04 to 25:19	05:37	20:58
	14	Fri	Ashtami	14:35	U.Phalguni	22:44	Sidhi	09:36	Bav	14:35	1	Kanya	Budh in Mithun at 13:24, Surya in Mithun at 14:49, Jyeshtha Sankranti	05:37	20:59
	15	Sat	Navami	17:03	Hast	25:43	Vyatipat	10:39	Kaulav	17:03	2	Kanya		05:37	20:59
	16	Sun	Dashami	19:15	Chitra	28:20	Variyan	11:31	Taitil	06:12	3	Tula 15:05	Ganga Dushera	05:37	20:59
	17	Mon	Ekadashi	20:56	Swati	--:--	Parigh	12:03	Vanij	08:10	4	Tula	Bhadra 08:10 to 20:56, **Nirjala Ekadashi / Gayatri Jayanti**	05:37	21:00
	18	Tue	Dwadashi	21:59	Swati	06:26	Shiv	12:08	Bav	09:32	5	Vrishchik 25:35		05:37	21:00
	19	Wed	Tryodashi	22:21	Vishakha	07:53	Sidh	11:41	Kaulav	10:15	6	Vrishchik	Pradosh Vrat	05:37	21:00
	20	Thu	Chaturdashi	22:03	Anuradha	08:40	Sadhya	10:41	Gar	10:17	7	Vrishchik	Bhadra from 22:03	05:38	21:01
	21	Fri	Purmima	21:08	Jyeshtha	08:49	Shubh	09:11	Vishti	09:40	8	Dhanu 08:49	Purnima, Sun in Ardra from 14:28, Bhadra till 09:40, Vat Savitri Vrat, Shri Satyanayaran Vrat Moonrise 21:25	05:38	21:01
Aashadh Krishan Paksh	22	Sat	Pratipada	19:44	Moola	08:24	Shukla Brahm	07:14 28:55	Balav	08:29	9	Dhanu		05:38	21:01
	23	Sun	Dwitiya	17:57	P.Shadha	07:34	Ainder	26:21	Taitil	06:53	10	Makar 13:18	Bhadra from 28:57	05:38	21:01
	24	Mon	Tritiya	15:54	U.Shadha Shravan	06:24 29:02	Vaidhriti	23:35	Vishti	15:54	11	Makar	Bhadra till15:54, Shri Ganesh Chaturthi Vrat, Moonrise 23:39	05:39	21:01
	25	Tue	Chaturthi	13:42	Dhanishtha	27:35	Vishkumbh	20:43	Balav	13:42	12	Kumbh 16:19	Panchak begings at 16:19	05:39	21:01
	26	Wed	Panchami	11:26	Shatbhisha	26:07	Preeti	17:50	Taitil	11:26	13	Kumbh	Budh non-combust at 18:45	05:39	21:02
	27	Thu	Shashthi	09:10	P.Bhadra	24:41	Ayushman	14:57	Vanij	09:10	14	Meen 19:02	Bhadra 09:10 to 20:04	05:40	21:02
	28	Fri	Saptami Ashtami	06:58 28:51	U.Bhadra	23:19	Saubhagya	12:08	Bav	06:58	15	Meen	Budh in Kark at 26:44	05:40	21:02
	29	Sat	Navami	26:50	Revati	22:04	Shobhan	09:23	Taitil	15:50	16	Mesh 22:04	Sani Vakri at 13:58, Panchak ends at 22:04	05:41	21:01
	30	Sun	Dashami	24:57	Ashwani Sukarma	20:56 28:11	Atigand	06:44	Vanij	13:53	17	Mesh	Bhadra 13:53 to 24:57	05:41	21:01

June 1st, Sat 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'53"

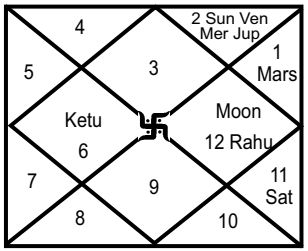

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
1	11	0	1	1	1	10	11	5
17	10	00	02	07	16	24	19	19
17	52	04	18	21	27	35	51	51
							D	D
				C	C			
Rohi 3	U.Bha 3	Ashw 1	Kriti 2	Kriti 4	Rohi 2	P.Bha 2	Reva 1	Hast 3

June 15th, Sat 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'55"

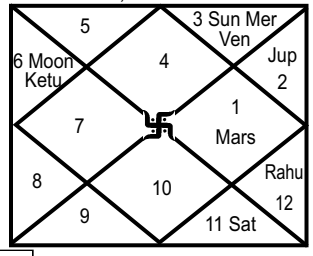

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
2	5	0	2	1	2	10	11	5
00	14	10	01	10	03	25	18	18
41	34	29	42	35	39	04	40	40
							D	D
			C		C			
Mrig 3	Hast 2	Ashw 4	Mrig 3	Rohi 1	Mrig 4	P.Bha 2	Reva 1	Hast 3

आषाढ़-श्रावण, सम्वत् 2081, जुलाई 2024, शक् 1946 सूर्य-दक्षिणायन, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
आषाढ़ कृष्ण पक्ष	1	सोम	एकादशी	23:13	भरणी	19:57	धृति	25:56	बव	12:04	18	वृष 25:44	योगिनी एकादशी	05:42	21:01
	2	मंगल	द्वादशी	21:41	कृतिका	19:10	शूल	23:31	कौलव	10:26	19	वृष	प्रदोष व्रत	05:42	21:01
	3	बुध	त्रयोदशी	20:25	रोहिणी	18:37	गर	21:29	गर	09:01	20	वृष	भद्रा 20:25 से	05:43	21:01
	4	गुरू	चतुर्दशी	19:29	मृगशिरा	18:24	वृद्धि	19:43	विष्टि	07:54	21	मिथुन 06:28	भद्रा 07:54 तक	05:44	21:01
	5	शुक्र	अमावस्या	18:58	आर्द्रा	18:36	ध्रुव	18:18	चातुष्पाद	07:10	22	मिथुन	सूर्य पुर्नवसु में 14:02 से, अमावस्या	05:44	21:01
आषाढ़ शुक्ल पक्ष	6	शनि	प्रतिपदा	18:57	पुर्नवसु	19:18	व्याघात	17:16	किंस्तुघ्न	06:53	23	कर्क 13:04	शुक्र कर्क में 18:47 से, आषाढ़ नवरात्रि	05:45	21:00
	7	रवि	द्वितीया	19:30	पुष्य	20:33	हर्षण	16:42	बालव	07:09	24	कर्क	रथयात्रा पुरी-जगन्नाथ, जगदीश रथोत्सव	05:46	21:00
	8	सोम	तृतीया	20:40	अश्लेषा	22:22	वज्र	16:35	तैतिल	08:01	25	सिंह 22:22		05:46	20:59
	9	मंगल	चतुर्थी	22:23	माघ	24:45	सिद्धि	16:55	वणिज	09:27	26	सिंह	भद्रा 09:27 से 22:23 तक	05:47	20:59
	10	बुध	पंचमी	24:35	पूर्वाफाल्गुनी	27:34	व्यतिपात	17:39	बव	11:26	27	सिंह	शुक्र उदय 22:27 से	05:48	20:58
	11	गुरू	षष्ठी	27:04	उत्तराफाल्गुनी	--:--	वरियान	18:38	कौलव	13:48	28	कन्या 10:19	कुमार षष्ठी	05:49	20:58
	12	शुक्र	सप्तमी	29:37	उत्तराफाल्गुनी	06:39	परिघ	19:44	गर	16:21	29	कन्या	मंगल वृष में 09:15 से, भद्रा 28:37 से, अट्ठाई व्रत प्रारम्भ	05:49	20:58
	13	शनि	अष्टमी	--:--	हस्त	09:45	शिव	20:44	विष्टि	18:49	30	तुला 23:13	भद्रा 18:49 तक	05:50	20:57
	14	रवि	अष्टमी	07:57	चित्रा	12:36	सिद्ध	21:29	बव	07:57	31	तुला		05:51	20:56
	15	सोम	नवमी	09:50	स्वाति	15:00	साध्य	21:48	कौलव	09:50	1	तुला	सूर्य कर्क में 25:40, गुप्त नवरात्रि समाप्त / आषाढ़ सक्रान्ति	05:52	10:55
	16	मंगल	दशमी	11:05	विशाख	16:44	शुभ	21:33	गर	11:05	2	वृश्चिक 10:22	भद्रा 23:25 से	05:53	20:55
	17	बुध	एकादशी	11:34	अनुराधा	17:43	शुक्ल	20:42	विष्टि	11:34	3	वृश्चिक	भद्रा 11:34 तक, गौरी व्रत आरम्भ, देवशयनी एकादशी	05:54	20:54
	18	गुरू	द्वादशी	11:15	ज्येष्ठा	17:55	ब्रह्म	19:13	बालव	11:15	4	धनु 17:55	प्रदोष व्रत	05:55	20:54
	19	शुक्र	त्रयोदशी	10:12	मूला	17:25	ऐन्द्र	17:10	तैतिल	10:12	5	धनु	बुध सिंह से 11:02, सूर्य पुष्य में 14:33 से, जया पार्वती व्रत आरम्भ	05:55	20:53
	20	शनि	चतुर्दशी	08:30	पूर्वाषाढ़ा	16:19	वैधृति	14:37	वणिज	08:30	6	मकर 21:57	भद्रा 08:30 से 19:27 तक, श्री सत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 20:58 पर	05:57	20:52
	21	रवि	पूर्णिमा प्रतिपदा	06:18 27:42	उत्तराषाढ़ा	14:44	विष्कुम्भ	11:40	बव	06:18	7	मकर	गुरू पूर्णिमा, व्यास पूजा	05:57	20:51
श्रावण कृष्ण पक्ष	22	सोम	द्वितीया	24:54	श्रवण	12:51	प्रीति आयुष्मान	08:27 29:05	तैतिल	14:19	8	कुम्भ 23:50	पंचक प्रारम्भ 23:50, श्रावण सोम आरम्भ	05:58	20:50
	23	मंगल	तृतीया	22:01	धनिष्ठा	10:48	सौभाग्य	25:40	वणिज	11:28	9	कुम्भ	भद्रा 11:28 से 22:01 तक, गौरी व जया पार्वती व्रत समाप्त, श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:34 पर	05:59	20:49
	24	बुध	चतुर्थी	19:11	शतभिषा	08:44	शोभन	22:18	बव	08:35	10	मीन 25:15		06:00	20:48
	25	गुरू	पंचमी	16:29	पूर्वाभाद्रपद उत्तराभाद्रपद	06:46 29:00	अतिगण्ड	19:04	तैतिल	16:29	11	मीन		06:01	20:47
	26	शुक्र	षष्ठी	14:01	रेवती	27:30	सुकर्म	16:01	वणिज	14:01	12	मेष 27:30	भद्रा 14:01 से 24:54, पंचक समाप्त 27:30 तक	06:02	20:46
	27	शनि	सप्तमी	11:50	अश्विनी	26:17	धृति	13:13	बव	11:50	13	मेष		06:03	20:45
	28	रवि	अष्टमी	09:58	भरणी	25:25	शूल	10:40	कौलव	09:58	14	मेष		06:04	20:44
	29	सोम	नवमी	08:27	कृतिका	24:53	गर	08:24	गर	08:27	15	वृष 07:15	भद्रा 19:49 से	06:05	20:43
	30	मंगल	दशमी	07:16	रोहिणी	24:43	वृद्धि ध्रुव	06:25 28:43	विष्टि	07:16	16	वृष	शुक्र सिंह में 28:50, भद्रा 07:16 तक, कामिका एकादशी	06:07	20:41
	31	बुध	एकादशी द्वादशी	06:27 30:00	मृगशिरा	24:54	व्याघात	27:19	बालव	06:27	17	मिथुन 12:45		06:08	20:40

जुलाई 1, सोम प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°57°

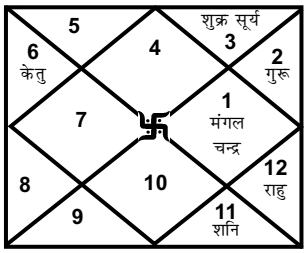

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
2	0	0	3	1	2	10	11	5
15	19	22	04	14	23	25	17	17
57	45	08	00	08	18	14	16	16
						वक्री	वक्री	वक्री
					अस्त		अस्त	अस्त
आर्द्रा	भरणी	भरणी	पुष्य	रोहिणी	पूना	पू.भा.	रेवती	हस्त
3	2	3	1	2	1	2	1	3

जुलाई 15, सोम प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°59°

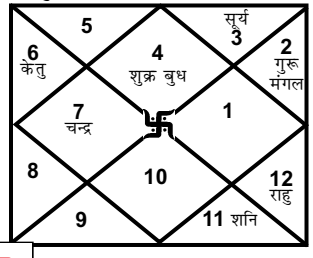

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
2	6	1	3	1	3	10	11	5
29	16	02	25	17	10	25	15	15
18	26	04	12	04	30	01	47	47
						वक्री	वक्री	वक्री
							अस्त	अस्त
पूना.	स्वाति	कृतिका	अश्विनी	रोहणी	पुष्य	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
3	3	2	3	3	3	2	4	2

Aashadh-Shraavanh, Samvat 2081, **July 2024,** Saka 1946 Surya Dakshinaayan, Uttar Gol, Summer Season

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Set H.M.
Aashadh Krishan	1	Mon	Ekadashi	23:23	Bharani	19:57	Dhriti	25:56	Bav	12:04	18	Vrish 25:44	Yogini Ekadashi	05:42	21:01
	2	Tue	Dwadashi	21:41	Kritika	19:10	Shool	23:31	Kaulav	10:26	19	Vrish	Pradosh Vrat	05:42	21:01
	3	Wed	Tryodashi	20:25	Rohini	18:37	Gand	21:29	Gar	09:01	20	Vrish	Bhadra from 20:25	05:43	21:01
	4	Thu	Chaturdashi	19:29	Mrigshira	18:24	Vriddhi	19:43	Vishti	07:54	21	Mithun 06:28	Bhadra till 07:54	05:44	21:01
	5	Fri	Amavasya	18:58	Ardra	18:36	Dhruv	18:18	Chatush	07:10	22	Mithun	Sun in Punarvasu from 14:02, Amavas	05:44	21:01
Aashadh Shukl	6	Sat	Pratipada	18:57	Punarvasu	19:18	Vyaghat	17:16	Kinstugh	06:53	23	Kark 13:04	Sukra in Kark at 18:47, Ashadh Navratri	05:45	21:00
	7	Sun	Dwitiya	19:30	Pushya	20:33	Harshan	16:42	Balav	07:09	24	Kark	Rathyatra Puri-Jagannath, Jagdish Rath Utsav	05:46	21:00
	8	Mon	Tritiya	20:40	Ashlesha	22:22	Vajra	16:35	Taitil	08:01	25	Singh 22:22		05:46	20:59
	9	Tue	Chaturthi	22:23	Magha	24:45	Sidhi	16:55	Vanij	09:27	26	Singh	Bhadra 09:27 to 22:23	05:47	20:59
	10	Wed	Panchami	24:35	P.Phaluhni	27:34	Vyatipat	17:39	Bav	11:26	27	Singh	Sukra non-combust at 22:27	05:48	20:58
	11	Thu	Shashthi	27:04	U.Phalguni	--:--	Variyan	18:38	Kaulav	13:48	28	Kanya 10:19	Kumar Shasthi	05:49	20:58
	12	Fri	Saptami	29:37	U.Phalguni	06:39	Parigh	19:44	Gar	16:21	29	Kanya	Mangal in Vrish at 09:15, Bhadra from 28:37, Atthais Vrat Begin	05:49	20:58
	13	Sat	Ashtami	--:--	Hast	09:45	Shiv	20:44	Vishti	18:49	30	Tula 23:13	Bhadra till 18:49	05:50	20:57
	14	Sun	Ashtami	07:57	Chitra	12:36	Sidh	21:29	Bav	07:57	31	Tula		05:51	20:56
	15	Mon	Navami	09:50	Swati	15:00	Sadhya	21:48	Kaulav	09:50	1	Tula	Surya in Kark at 25:40, Gupt Navratri Ends / Aashadh Sankranti	05:52	20:55
	16	Tue	Dashami	11:05	Vishakha	16:44	Shubh	21:33	Gar	11:05	2	Vrishchik 10:22	Bhadra from 23:25	05:53	20:55
	17	Wed	Ekasashi	11:34	Anuradha	17:43	Shukla	20:42	Vishti	11:34	3	Vrishchik	Bhadra till 11:34, Gauri Vrat Begin / Devshyani Ekadashi	05:54	20:54
	18	Thu	Dwadashi	11:15	Jyeshtha	17:55	Brahm	19:13	Balav	11:15	4	Dhanu 17:55	Pradosh Vrat	05:55	20:53
	19	Fri	Tryodashi	10:12	Moola	17:25	Ainder	17:10	Taitil	10:12	5	Dhanu	Budh in Singh at 11:02, Sun in Pushya from 14:33, Jaya Parvati Vrat Begins	05:55	20:52
	20	Sat	Chaturdashi	08:30	P.Shadha	16:19	Vaidhriti	14:37	Vanij	08:30	6	Makar 21:57	Bhadra 08:30 to 19:27,Shri Satyanarayan Vrat, Moonrise 20:58	05:56	20:51
Shraavan Krishan Paksh	21	Sun	Purnima Pratipada	06:18 27:42	U.Shadha	14:44	Vishkumbh	11:40	Bav	06:18	7	Makar	**Guru Purnima / Vyas Purnima**	05:57	20:51
	22	Mon	Dwitiya	24:54	Shravan	12:51	Preeti Ayushman	08:27 29:05	Taitil	14:19	8	Kumbh 23:50	Panchak begins at 23:50, Shraavan Som Begins	05:58	20:50
	23	Tue	Tritiya	22:01	Dhanishtha	10:48	Saubhagya	25:40	Vanij	11:28	9	Kumbh	Bhadra 11:28 to 22:01, Gauri & Jaya Parvati Vrat Ends, Ganesh Chaturthi, Moonrise 22:34	05:59	20:49
	24	Wed	Chaturthi	19:11	Shatbhisha	08:44	Shobhan	22:18	Bav	08:35	10	Meen 25:15		06:00	20:48
	25	Thu	Panchami	16:29	P.Bhadra U.Bhadra	06:46 29:00	Atigand	19:04	Taitil	16:29	11	Meen		06:01	20:47
	26	Fri	Shashthi	14:01	Revati	27:30	Sukarma	16:01	Vanij	14:01	12	Mesh 27:30	Bhadra 14:01 to 24:54, Panchak ends at 27:30	06:02	20:46
	27	Sat	Saptami	11:50	Ashwani	26:17	Dhriti	13:13	Bav	11:50	13	Mesh		06:03	20:45
	28	Sun	Ashtami	09:58	Bharani	25:25	Shool	10:40	Kaulav	09:58	14	Mesh		06:04	20:44
	29	Mon	Navami	08:27	Kritika	24:53	Gand	08:24	Gar	08:27	15	Vrish 07:15	Bhadra from 19:49	06:05	20:43
	30	Tue	Dashami	07:16	Rohini	24:43	Vriddhi Dhruv	06:25 28:43	Vishti	07:16	16	Vrish	Sukra in Singh at 28:50, Bhadra till 07:16, Kamika Ekadashi	06:07	20:41
	31	Wed	Ekasashi Dwadashi	06:27 30:00	Mrigshira	24:54	Vyaghat	27:19	Balav	06:27	17	Mithun 12:45		06:08	20:40

July 1st, Mon 8am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'57"

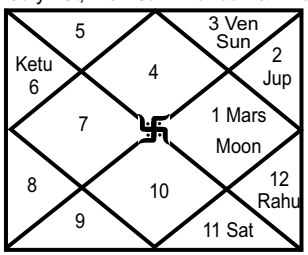

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
2	0	0	3	1	2	10	11	5
15	19	22	04	14	23	25	17	17
57	45	08	00	08	18	14	16	16
						Rx	Rx	Rx
					C			
Ardr 3	Bhar 2	Bhar 3	Push 1	Rohi 2	Puna 1	P.Bha 2	Reva 1	Hast 3

July 15th, Mon 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°11'59"

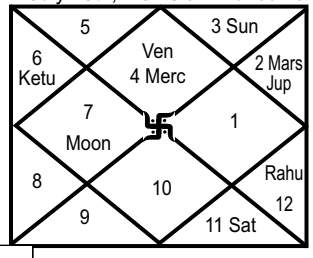

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
2	6	1	3	1	3	10	11	5
29	16	02	25	17	10	25	15	15
18	26	04	12	04	30	01	47	47
						Rx	Rx	Rx
Puna 3	Swat 3	Krit 2	Ashi 3	Rohi 3	Push 3	P.Bha 2	U.Bha 4	Hast 2

श्रावण-भाद्रपद, सम्वत् 2081, अगस्त 2024, शक् 1946 सूर्य-दक्षिणायन, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त	
														घं. मि.	घं. मि.
श्रावण कृष्ण पक्ष	1	गुरू	त्रयोदशी	29:58	आर्द्रा	25:29	हर्षण	26:14	गर	17:56	18	मिथुन	भद्रा 29:58 से, प्रदोष व्रत	06:08	20:40
	2	शुक्र	चतुर्दशी	--:--	पुर्नवसु	26:29	वज्रा	25:30	विष्टि	18:06	19	कर्क 20:11	सूर्य अश्लेषा में 12:28 से,भद्रा 18:06 तक	06:09	20:39
	3	शनि	चतुर्दशी	06:22	पुष्य	27:56	सिद्धि	25:07	शकुनी	06:22	20	कर्क		06:10	10:37
	4	रवि	अमावस्या	07:14	अश्लेषा	29:51	व्यतिपात	25:07	नाग	07:14	21	सिंह 29:51	बुध वक्री 24:50, हरियाली अमावस	06:11	20:36
श्रवण शुक्ल पक्ष	5	सोम	प्रतिपदा	08:34	मघा	--:--	वरियान	25:29	बव	08:34	22	सिंह		06:12	20:35
	6	मंगल	द्वितीया	10:23	मघा	08:14	परिघ	26:10	कौलव	10:23	23	सिंह		06:13	20:34
	7	बुध	तृतीया	12:37	पूर्वा फाल्गुनी	11:00	शिव	27:08	गर	12:37	24	कन्या 17:45	भद्रा 25:51 से, हरियाली तीज	06:14	20:32
	8	गुरू	चतुर्थी	15:08	उत्तरा फाल्गुनी	14:04	सिद्ध	28:14	विष्टि	15:08	25	कन्या	भद्रा 15:08 तक	06:16	20:31
	9	शुक्र	पंचमी	17:45	हस्त	17:14	साध्य	29:21	बालव	17:45	26	कन्या	नाग पंचमी	06:17	20:30
	10	शनि	षष्ठी	20:16	चित्रा	20:19	शुभ	06:18	कौलव	07:02	27	तुला 06:48	कल्कि जयन्ती	06:18	20:28
	11	रवि	सप्तमी	22:26	स्वाती	23:03	शुक्ल	--:--	गर	09:25	28	तुला	बुध अस्त 24:17, भद्रा 22:26 से, गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	06:19	20:27
	12	सोम	अष्टमी	24:02	विशाखा	25:14	शुक्ल	06:55	विष्टि	11:19	29	वृश्चिक 18:45	भद्रा 11:19 तक, **श्रीदुर्गा अष्टमी (चिन्तपूर्णी)**	06:20	20:25
	13	मंगल	नवमी	24:55	अनुराधा	26:43	ब्रह्म	07:03	बालव	12:34	30	वृश्चिक		06:21	20:24
	14	बुध	दशमी	24:58	ज्येष्ठा	27:23	ऐन्द्र वैधृति	06:35 29:28	तैतिल	13:02	31	धनु 27:23		06:22	20:22
	15	गुरू	एकादशी	24:11	मूला	27:14	विष्कुम्भ	27:41	वणिज	12:40	32	धनु	भद्रा 12:40 से 24:11 तक, पवित्रा एकादशी	06:23	20:21
	16	शुक्र	द्वादशी	22:37	पूर्वाषाढ़ा	26:19	प्रीति	25:16	बव	11:29	1	धनु	सूर्य सिंह में 10:06, सूर्य मंगल में 10:06, भाद्रपद संक्रान्ति दान पुण्य	06:24	20:19
	17	शनि	त्रयोदशी	20:22	उत्तराषाढ़ा	24:45	आयुष्मान	22:20	कौलव	09:34	2	मकर 07:59	प्रदोष व्रत	06:26	20:18
	18	रवि	चतुर्दशी	17:36	श्रवण	22:40	सौभाग्य	18:57	गर	07:02	3	मकर	भद्रा 17:36 से 26:03 तक, श्री सत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 20:06 पर	06:27	20:16
	19	सोम	पूर्णिमा	14:26	धनिष्ठा	20:15	शोभन	15:16	बव	14:26	4	कुम्भ 09:30	पूर्णिमा, पंचक प्रारम्भ 09:30, रक्षाबन्धन, श्रावण सोम समाप्त	06:28	20:15
भाद्रपद कृष्ण पक्ष	20	मंगल	प्रतिपदा	11:04	शतभिषा	17:40	अतिगण्ड	11:24	कौलव	11:04	5	कुम्भ		06:29	20:13
	21	बुध	द्वितीया तृतीया	07:38 28:17	पूर्वाभद्रापद	15:03	सुकर्म धृति	07:30 27:40	गर	07:38	6	मीन 09:42	बुध कर्क में 12:02, भद्रा 17:56 से 28:17 तक	06:30	20:12
	22	गुरू	चतुर्थी	25:10	उत्तराभाद्रपद	12:35	शूल	24:00	बव	14:41	7	मीन	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:42 पर	06:31	20:10
	23	शुक्र	पंचमी	22:23	रेवती	10:24	गर	20:38	कौलव	11:3	8	मेष 10:24	पंचक समाप्त 10:24	06:32	20:08
	24	शनि	षष्ठी	20:02	अश्विनी	08:36	वृद्धि	17:36	गर	09:09	9	मेष	शुक्र कन्या में 15:34, भद्रा 20:02 से, श्री चन्दन षष्ठी	06:33	20:07
	25	रवि	सप्तमी	18:10	भरणी कृतिका	07:15 30:25	ध्रुव	14:48	विष्टि	07:02	10	वृष 13:00	मंगल मिथुन में 29:43, भद्रा 07:02 तक, श्री कृष्ण जन्माष्टमी	06:34	20:05
	26	सोम	अष्टमी	16:51	रोहिणी	30:08	व्याघात	12:46	कौलव	16:51	11	वृष	बुध उदय 08:42	06:36	20:03
	27	मंगल	नवमी	16:04	मृगशिरा	30:23	हर्षण	11:00	गर	16:04	12	मिथुन 18:11	भद्रा 27:53 से, गुग्गा नवमी	06:37	20:02
	28	बुध	दशमी	15:51	आर्द्रा	--:--	वज्र	09:41	विष्टि	15:51	13	मिथुन	बुध मार्गी 17:08, भद्रा 15:51 तक	06:38	20:00
	29	गुरू	एकादशी	16:09	आर्द्रा	07:09	सिद्धि	08:46	बालव	16:09	14	कर्क 26:04	सूर्य पूर्वाफाल्गुनी में 30:08, अजा एकादशी	06:39	19:58
	30	शुक्र	द्वादशी	16:56	पुनर्वसु	08:26	व्यतिपात	08:16	तैतिल	16:56	15	कर्क	प्रदोष व्रत	06:40	19:56
	31	शनि	त्रयोदशी	18:12	पुष्य	10:09	वरियान	08:07	वणिज	18:12	16	कर्क	भद्रा 18:12 से	06:41	19:55

अगस्त 1, गुरू प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°02°

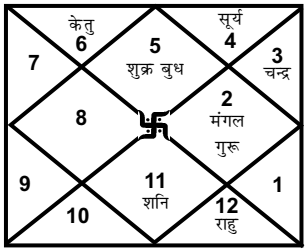

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
3	2	1	4	1	4	10	11	5
15	10	13	09	20	01	24	14	14
32	32	46	20	18	23	22	17	17
						वक्री	वक्री	वक्री
							अस्त	अस्त
पुष्या	आर्द्रा	रोहिणी	माघ	रोहिणी	मघा	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
4	2	2	3	4	1	2	4	2

अगस्त 15, गुरू प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°04°

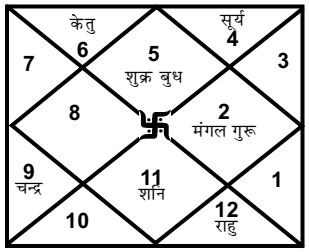

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
3	8	1	4	1	4	10	11	5
28	02	23	05	22	18	23	13	13
57	33	02	25	37	35	33	24	24
			वक्री			वक्री	वक्री	वक्री
			अस्त				अस्त	अस्त
अश्विनी	मूला	रोहिणी	मघा	रोहिणी	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
4	1	4	2	4	2	2	4	2

*Shravan-Bhadrapad, Samvat 2081, **August 2024,** Saka 1946 Surya Dakshinaayan, Uttar Gol, Summer Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
Shravan Krishan	1	Thu	Tyodashi	29:58	Ardra	25:29	Harshan	26:14	Gar	17:56	18	Mithun	Bhadra from 29:58, Pradosh Vrat	06:08	20:40
	2	Fri	Chaturdashi	--:--	Punarvasu	26:29	Vajra	25:30	Vishti	18:06	19	Kark 20:11	Sun in Ashlesha from 12:28, Bhadra till 18:06	06:09	20:39
	3	Sat	Chaturdashi	06:22	Pushya	27:56	Sidhi	25:07	Shakuni	06:22	20	Kark		06:10	20:37
	4	Sun	Amavasya	07:14	Ashlesha	29:51	Vyatipat	25:07	Naag	07:14	21	Singh 29:51	Budh Vakri 24:50, Hariyali Amavas	06:11	20:36
Sharavan Shukl Paksh	5	Mon	Pratipada	08:34	Magha	--:--	Vriyan	25:29	Bav	08:34	22	Singh		06:12	20:35
	6	Tue	Dwitiya	10:23	Magha	08:14	Parigh	26:10	Kaulav	10:23	23	Singh		06:13	20:34
	7	Wed	Tritiya	12:37	P.Phalguni	11:00	Shiv	27:08	Gar	12:37	24	Kanya 17:45	Bhadra from 25:51, Hariyali Teej	06:14	20:32
	8	Thu	Chaturthi	15:08	U.Phalguni	14:04	Sidh	28:14	Vishti	15:08	25	Kanya	Bhadra till 15:08	06:16	20:31
	9	Fri	Panchami	17:45	Hast	17:14	Sadhya	29:21	Balav	17:45	26	Kanya	Naag Panchami	06:17	20:30
	10	Sat	Shashthi	20:16	Chitra	20:19	Subh	06:18	Kaulav	07:02	27	Tula 06:48	Kalki Jayanti	06:18	20:28
	11	Sun	Saptami	22:26	Swati	23:03	Shukla	--:--	Gar	09:25	28	Tula	Budh Ast (combust) at 24:17 Bhadra from 22:26, Sh. Goswami Tulsidas Jayanti	06:19	20:27
	12	Mon	Ashtami	24:02	Vishakha	25:14	Shukla	06:55	Vishti	11:19	29	Vrishchik 18:45	Bhadra till 11:19, **Durgaashtami (Chintpurni)**	06:20	20:25
	13	Tue	Navami	24:55	Anuradha	26:43	Brahm	07:03	Balav	12:34	30	Vrishchik		06:21	20:24
	14	Wed	Dashami	24:58	Jyestha	27:23	Ainder Vaidhriti	06:35 29:28	Taitil	13:02	31	Dhanu 27:23		06:22	20:22
	15	Thu	Ekadashi	24:11	Moola	27:14	Vishkumbh	27:41	Vanij	12:40	32	Dhanu	Bhadra 12:40 to 24:11, Pavitra Ekadashi	06:23	20:21
	16	Fri	Dwadashi	22:37	P.Shadha	26:19	Preeti	25:16	Bav	11:29	1	Dhanu	Surya in Singh at 10:06, Sun in Magha from 10:06, Bhadrapad Sankranti	06:24	20:19
	17	Sat	Tryodashi	20:22	U.Shadha	24:45	Ayushman	22:20	Kaulav	09:34	2	Makar 07:59	Pradosh Vrat	06:26	20:18
	18	Sun	Chaturdashi	17:36	Sharvan	22:40	Saubhagya	18:57	Gar	07:02	3	Makar	Bhadra 17:36 to 28:03, Shri Satyanarayan Vrat, Moonrise 20:06	06:27	20:16
	19	Mon	Purnima	14:26	Dhanishtha	20:15	Shobhan	15:16	Bav	14:26	4	Kumbh 09:30	Rakshabandhan, Purnima, Panchak begins at 09:30, Sravan Som Ends	06:28	20:15
Bhadrapad Krishan	20	Tue	Pratipada	11:04	Shatbhisha	17:40	Atigand	11:24	Kaulav	11:04	5	Kumbh		06;29	20:13
	21	Wed	Dwitiya Tritiya	07:38 28:17	P.Bhadra	15:03	Sukarma Dhriti	07:30 27:40	Gar	07:38	6	Meen 09:42	Budh in Kark at 21:02, Bhadra 17:56 to 28:17	06:30	20:12
	22	Thu	Chaturthi	25:10	U.Bhadra	12:35	Shool	24:00	Bav	14:41	7	Meen	Shri Ganesh Chaturthi, Moonrise 21:42	06:31	20:10
	23	Fri	Panchami	22:23	Revati	10:24	Gand	20:38	Kaulav	11:43	8	Mesh 10:24	Panchak ends at 10:24	06:32	20:08
	24	Sat	Shashthi	20:02	Ashwani	08:36	Vriddhi	17:36	Gar	09:09	9	Mesh	Sukra in Kanya at 15:34, Bhadra from 20:02, Chandan Shashthi	06:33	20:07
	25	Sun	Saptami	18:10	Bharani Kritika	07:15 30:25	Dhruv	14:58	Vishti	07:02	10	Vrish 13:00	Mangal in Mithun at 29:43, Bhadra till 07:02, Shri Krishna Janmashtmi	06:34	20:05
	26	Mon	Ashtami	16:51	Rohini	30:08	Vyaghat	12:46	Kaulav	16:51	11	Vrish	Budh non-combust at 08:42	06:36	20:03
	27	Tue	Navami	16:04	Mrigshira	30:23	Harshan	11:00	Gar	16:04	12	Mithun 18:11	Bhadra from 27:53, Guggaa Navami	06:37	20:02
	28	Wed	Dashami	15:51	Ardra	--:--	Vajra	09:41	Vishti	15:51	13	Mithun	Budh Margi at 17:08, Bhadra till 15:51	06:38	20:00
	29	Thu	Ekadashi	16:09	Ardra	07:09	Sidhi	08:46	Balav	16:09	14	Kark 26:04	Sun in P.Phalguni from 30:08, Aja Ekadashi	06:39	19:58
	30	Fri	Dwadashi	16:56	Punarvasu	08:26	Vyatipat	08:16	Taitil	16:56	15	Kark	Pradosh Vrat	06:40	19:56
	31	Sat	Tryodashi	18:12	Pushya	10:09	Variyan	08:07	Vanij	18:12	16	Kark	Bhadra from 18:12	06:41	19:55

August 1st, Thu 8am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'02"

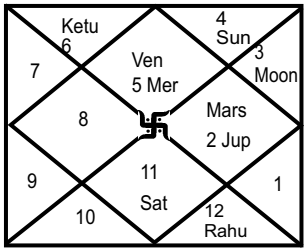

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
3	2	1	4	1	4	10	11	5
15	10	13	09	20	01	24	14	14
32	32	46	20	18	23	22	17	17
						Rx	Rx	Rx
Push 4	Ardr 2	Rohi 2	Magh 3	Rohi 4	Magh 1	P.Bha 2	U.Bha 4	Hast 2

July 15th, Thu 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'04"

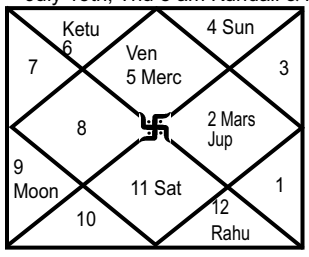

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
3	8	1	4	1	4	10	11	5
28	02	23	05	22	18	23	13	13
57	33	02	25	37	35	33	24	24
			Rx			Rx	Rx	Rx
			C					
Ashl 4	Mool 1	Rohi 4	Magh 2	Rohi 4	P.Pha 2	P.Bha 2	U.Bha 4	Hast 2

भाद्रपद-आश्विन, सम्वत् 2081, सितम्बर 2024, शक् 1946 सूर्य-दक्षिणायन, उत्तर-दक्षिण गोल, ग्रीष्म ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
भाद्रपद कृ. पक्ष	1	रवि	चतुर्दशी	19:53	अश्लेषा	12:19	परिघ	08:19	विष्टि	06:59	17	सिंह 12:19	भद्रा 06:59 से	06:42	19:54
	2	सोम	अमावस्या	21:56	मघा	14:50	शिव	08:49	चातुष्पाद	08:52	18	सिंह	कुशोत्पाटिनी अमावस	06:43	19:52
भाद्रपद शुक्ल पक्ष	3	मंगल	प्रतिपदा	24:18	पूर्वाफाल्गुनी	17:40	सिद्ध	09:34	किंस्तुघ्न	11:05	19	कन्या 24:25	बुध सिंह में 26:04	06:44	19:51
	4	बुध	द्वितीया	26:52	उत्तराफाल्गुनी	20:44	साध्य	10:32	बालव	13:34	20	कन्या		06:45	19:49
	5	गुरू	तृतीया	29:32	हस्त	23:55	शुभ	11:37	तैतिल	16:12	21	कन्या	वाराह जयन्ती / हरितालिका तीज	06:46	19:47
	6	शुक्र	चतुर्थी	--:--	चित्रा	27:04	शुक्ल	12:44	वणिज	18:52	22	तुला 13:30	भद्रा 18:52 से, विनायक चतुर्थी, चन्द्रास्त 21:03 मे	06:47	19:45
	7	शनि	चतुर्थी	08:08	स्वाती	30:01	ब्रह्म	13:45	विष्टि	08:08	23	तुला	भद्रा 08:08 से	06:48	19:43
	8	रवि	पंचमी	10:29	विशाखा	--:--	ऐन्द्र	14:34	बालव	10:29	24	वृश्चिक 25:59		06:49	19:42
	9	सोम	षष्ठी	10:24	विशाखा	08:34	वैधृति	15:01	तैतिल	12:24	25	वृश्चिक		06:51	19:40
	10	मंगल	सप्तमी	13:43	अनुराधा	10:34	विष्कुम्भ	15:00	वणिज	13:43	26	वृश्चिक	भद्रा 13:43 से 26:06 तक, महालक्ष्मी व्रत आरम्भ	06:52	19:38
	11	बुध	अष्टमी	14:18	ज्येष्ठा	11:52	प्रीति	14:24	बव	14:18	27	धनु 11:52	श्रीराधाष्टमी	06:53	19:36
	12	गुरू	नवमी	14:04	मूला	12:23	आयुष्मान	13:10	कौलव	14:04	28	धनु	सूर्य उत्तरा फाल्गुनी में 23:56, श्री चन्द नवमी	06:54	19:34
	13	शुक्र	दशमी	13:01	पूर्वाषाढ़ा	12:05	सौभाग्य	11:17	गर	13:01	29	मकर 17:54	बुध अस्त 27:13, भद्रा 24:12 तक	06:55	19:33
	14	शनि	एकादशी	11:12	उत्तराषाढ़ा	11:02	शोभन अतिगण्ड	08:47 29:43	विष्टि	11:12	30	मकर	भद्रा 11:12 से, पदमा एकादशी, वामन जयन्ती	06:56	19:31
	15	रवि	द्वादशी त्रयोदशी	08:43 29:41	श्रवण	09:19	सुकर्म	26:11	बालव	08:43	31	कुम्भ 20:14	पंचक प्रारम्भ 20:14, प्रदोष व्रत	06:57	19:29
	16	सोम	चतुर्दशी	26:15	धनिष्ठा शतभिषा	07:03 28:23	धृति	22:17	गर	16:00	1	कुम्भ	सूर्य कन्या में 10:14, भद्रा 26:15 से, आश्विन संक्रान्ति दान पुण्य, अनन्त चतुर्दशी	06:58	19:27
	17	मंगल	पूर्णिमा	22:35	पूर्वाभाद्रपद	25:30	शूल	18:10	विष्टि	12:26	2	मीन 20:14	शुक्र तुला में 28:15, भद्रा 12:26 तक, पूर्णिमा / श्रीसत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 19:21 पर	06:59	19:25
आश्विन कृष्ण पक्ष	18	बुध	प्रतिपदा	18:50	उत्तराभाद्रपद	22:34	गर	13:58	बालव	08:42	3	मीन	पितृ पक्ष आरम्भ	07:01	19:23
	19	गुरू	द्वितीया	15:11	रेवती	19:45	वृद्धि ध्रुव	09:48 29:48	गर	15:11	4	मेष 19:45	भद्रा 25:26 तक, पंचक समाप्त 19:45	07:02	19:22
	20	शुक्र	तृतीया	11:46	अश्विनी	17:13	व्याघात	26:05	विष्टि	11:46	5	मेष	भद्रा 11:46 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:31 पर	07:03	19:20
	21	शनि	चतुर्थी पंचमी	08:45 30:14	भरणी	15:06	हर्षण	22:47	बालव	08:45	6	वृष 20:39		07:04	19:18
	22	रवि	षष्ठी	28:21	कृतिका	13:32	वज्र	19:57	गर	17:13	7	वृष	बुध कन्या में 24:30, भद्रा 28:21 से	07:05	19:16
	23	सोम	सप्तमी	27:10	रोहिणी	12:37	सिद्धि	17:39	विष्टि	15:40	8	मिथुन 24:25	भद्रा 15:40 तक	07:06	19:14
	24	मंगल	अष्टमी	26:42	मृगशिरा	12:24	व्यतिपात	15:56	बालव	14:50	9	मिथुन	महालक्ष्मी व्रत समाप्त	07:07	19:12
	25	बुध	नवमी	26:57	आर्द्रा	12:54	वरियान	14:47	तैतिल	14:44	10	मिथुन		07:08	19:11
	26	गुरू	दशमी	27:51	पुनर्वसु	14:04	परीघ	14:10	वणिज	15:19	11	कर्क 07:43	सूर्य हस्त में 15:32, भद्रा 15:19 से 27:51 तक	07:10	19:09
	27	शुक्र	एकादशी	29:21	पुष्य	15:50	शिव	14:03	बव	16:32	12	कर्क	इन्दिरा एकादशी	07:11	19:07
	28	शनि	द्वादशी	--:--	अश्लेषा	18:08	सिद्ध	14:20	कौलव	18:17	13	सिंह 18:08		07:12	19:05
	29	रवि	द्वादशी	07:19	मघा	20:49	साध्य	14:56	तैतिल	07:19	14	सिंह	प्रदोष व्रत	07:13	19:03
	30	सोम	त्रयोदशी	09:38	पूर्वाफाल्गुनी	23:46	शुभ	15:57	वणिज	09:38	15	कन्या 30:32	भद्रा 09:38 से 22:53 तक	07:14	19:01

सितम्बर 1, रवि प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°06°

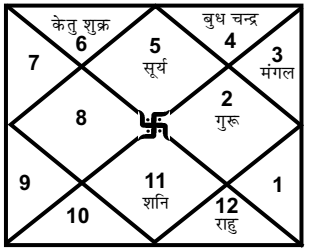

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
4	3	2	3	1	5	10	11	5
15	27	33	28	24	09	22	12	12
21	49	47	07	53	25	20	35	35
						वक्री	वक्री	वक्री
							अस्त	अस्त
पू.फा.	अश्विनी	मृग.	अश्विनी	मृग.	उ.फा.	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
1	4	4	4	1	4	1	3	1

सितम्बर 15, रवि प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°03°

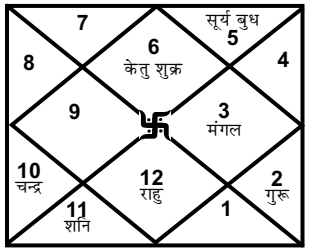

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
4	9	2	4	1	5	10	11	5
28	22	12	15	26	26	21	12	12
56	32	06	52	13	32	16	28	28
						वक्री	वक्री	वक्री
			अस्त				अस्त	अस्त
उ.फा.	शिरा	आर्द्रा	पू.फा.	मृगशिरा	चित्रा	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
1	4	2	1	1	1	1	3	1

*Bhadrapad-Ashwin, Samvat 2081, **September 2024,** Saka 1946 Surya Dakshinaayan, Uttar-Dakshin Gol, Summer Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
	1	Sun	Chaturdashi	19:53	Ashlesha	12:19	Parigh	08:19	Vishti	06:59	17	Singh 12:19	Bhadra till 06:59	06:42	19:54
	2	Mon	Amavasya	21:56	Magha	14:50	Shiv	08:49	Chatush	08:52	18	Singh	Kusotpatini Amavas	06:43	19:52
Bhadrapad Shukl Paksh	3	Tue	Pratipada	24:18	P.Phalguni	17:40	Sidh	09:34	Kinstugh	11:05	19	Kanya 24:25	Budh in Singh 26:04	06:44	19:51
	4	Wed	Dwitiya	26:52	U.Phalguni	20:44	Sadhya	10:32	Balav	13:34	20	Kanya		06:45	19:49
	5	Thu	Tritiya	29:32	Hast	23:55	Subh	11:37	Taitil	16:12	21	Kanya	Varah Jayanti / Haritalika Teej	06:46	19:47
	6	Fri	Chaturthi	--:--	Chitra	27:04	Shukla	12:44	Vanij	18:52	22	Tula 13:30	Bhadra from 18:52, Vinayak Chaturthi, Moonset 21:03	06:47	19:45
	7	Sat	Chaturthi	08:08	Swati	30:01	Brahm	13:45	Vishti	08:08	23	Tula	Bhadra till 08:08	06:48	19:43
	8	Sun	Panchami	10:29	Vishakha	--:--	Ainder	14:34	Balav	10:29	24	Vrishchik 25:59		06:49	19:42
	9	Mon	Shashthi	12:24	Vishakha	08:34	Vaidhriti	15:01	Taitil	12:24	25	Vrishchik		06:51	19:40
	10	Tue	Saptami	13:43	Anuradha	10:34	Vishkumbh	15:00	Vanij	13:43	26	Vrishchik	Bhadra 13:43 to 26:06, Mahalakshmi Vrat Begins	06:52	19:38
	11	Wed	Ashtami	14:18	Jyeshtha	11:52	Preeti	14:24	Bav	14:18	27	Dhanu 11:52	Radha Ashtami	06:53	19:36
	12	Thu	Navami	14:04	Moola	12:23	Ayushman	13:10	Kaulav	14:04	28	Dhanu	Sun in U.Phalhuni from 23:56, Shri Chand Navami	06:54	19:34
	13	Fri	Dashami	13:01	P.Shadha	12:05	Saubhagya	11:17	Gar	13:01	29	Makar 17:54	Budh Ast (combust) at 27:13, Bhadra from 24:12	06:55	19:33
	14	Sat	Ekadashi	11:12	U.Shadha	11:02	Shobhan Atigand	08:47 29:43	Vishti	11:12	30	Makar	Bhadra till 11:12, Padama Ekadashi, Vaman Jayanti	06:56	19:31
	15	Sun	Dwadashi Tryodashi	08:43 29:41	Shravan	09:19	Sukarma	26:11	Balav	08:43	31	Kumbh 20:14	Panchak begins at 20:14, Pradosh Vrat	06:57	19:29
	16	Mon	Chaturdashi	26:15	Dhanishtha Shatbhisha	07:03 28:23	Dhriti	22:17	Gar	16:00	1	Kumbh	Surya in Kanya at 10:14, Bhadra from 26:15, Aashwin Sankranti, Anant Chaturdashi	06:58	19:27
	17	Tue	Purnima	22:35	P.Bhadra	25:30	Shool	18:10	Vishti	12:26	2	Meen 20:14	Purnima, Sukra in Tula at 28:15, Bhadra till 12:26, Satnarayn Vrat, Moonrise 19:21	06:59	19:25
Ashwin Krishan Paksh	18	Wed	Pratipada	18:50	U.Bhadra	22:34	Gand	13:58	Balav	08:42	3	Meen	Pitri Paksh Begins	07:01	19:23
	19	Thu	Dwitiya	15:11	Revati	19:45	Vriddhi Dhruv	09:48 29:48	Gar	15:11	4	Mesh 19:45	Bhadra from 25:26, Panchak ends at 19:45	07:02	19:22
	20	Fri	Tritiya	11:46	Ashwani	17:13	Vyaghat	26:05	Vishti	11:46	5	Mesh	Bhadra till 11:46, Shri Ganesh Chaturthi Vrat, Moonrise 20:31	07:03	19:20
	21	Sat	Chaturthi Panchami	08:45 30:14	Bharani	15:06	Harshan	22:47	Balav	08:45	6	Vrish 20:39		07:04	19:18
	22	Sun	Shashthi	28:21	Kritika	13:32	Vajra	19:57	Gar	17:13	7	Vrish	Budh in Kanya at 24:30, Bhadra from 28:21	07:05	19:16
	23	Mon	Saptami	27:10	Rohini	12:37	Sidhi	17:39	Vishti	15:40	8	Mithun 24:25	Bhadra till 15:40	07:06	19:14
	24	Tue	Ashtami	26:42	Mrigshira	12:24	Vyatipat	15:56	Balav	14:50	9	Mithun	Mahalakshi Vrat Ends	07:07	19:12
	25	Wed	Navami	26:57	Ardra	12:54	Variyan	14:47	Taitil	14:44	10	Mithun		07:08	19:11
	26	Thu	Dashami	27:51	Punarvasu	14:04	Parigh	14:10	Vanij	15:19	11	kark 07:43	Sun in Hast from 15:32, Bhadra 15:19 to 27:'51	07:10	19:09
	27	Fri	Ekadashi	29:21	Pushya	15:50	Shiv	14:03	Bav	16:32	12	Kark	Indira Ekadashi	07:11	19:07
	28	Sat	Dwadashi	--:--	Ashlesha	18:08	Sidh	14:20	Kaulav	18:17	13	Singh 18:08		07:12	19:05
	29	Sun	Dwadashi	07:19	Magha	20:49	Sadhya	14:56	Taitil	07:19	14	Singh	Pradosh Vrat	07:13	19:03
	30	Mon	Tryodashi	09:38	P.Phalguni	23:46	Shubh	15:47	Vanij	09:38	15	Kanya 30:32	Bhadra 09:38 to 22:53	07:14	19:01

September 1st, Sun 8am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'06"

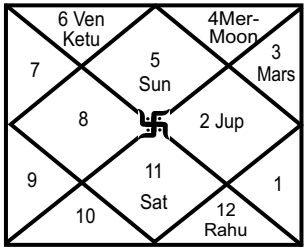

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
4	3	2	3	1	5	10	11	5
15	27	33	28	24	09	22	12	12
21	49	47	07	53	25	20	35	35
						Rx	Rx	Rx
P.Pha 1	Ashi 4	Mrig 4	Ashi 4	Mrig 1	U.Pha 4	P.Bha 1	U.Bha 3	Hast 1

September 15th, Sun 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'03"

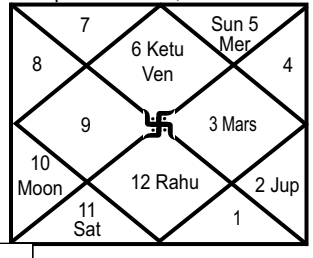

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
4	9	2	4	1	5	10	11	5
28	22	12	15	26	26	21	12	12
56	32	06	52	13	32	16	28	28
						Rx	Rx	Rx
			C					
U.Pha 1	Shira 4	Ardr 2	P.Pha 1	Mrig 1	Chit 1	P.Bha 1	U.Bha 3	Hast 1

आश्विन-कार्तिक सम्वत् 2081, अक्तूबर 2024, शक् 1946 सूर्य-दक्षिणायन, दक्षिण गोल, पतझड़ ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
आ क प	1	मंगल	चतुर्दशी	12:10	उत्तराफाल्गुनी	26:53	शुक्ल	16:47	शकुनी	12:10	16	कन्या		07:16	18:59
	2	बुध	अमावस्या	14:50	हस्त	30:02	ब्रह्म	17:50	नाग	14:50	17	कन्या	अमावस / सर्वपितृ श्राद्ध, पितृ विसर्जन	07:17	18:57
आश्विन शुक्ल पक्ष	3	गुरू	प्रतिपदा	17:29	चित्रा	--:--	ऐन्द्र	18:53	बव	17:29	18	तुला 19:36	**शरद् नवरात्रि आरम्भ**	07:18	18:55
	4	शुक्र	द्वितीया	20:02	चित्रा	09:08	वैधृति	19:50	कौलव	20:02	19	तुला		07:19	18:53
	5	शनि	तृतीया	22:21	स्वाती	12:03	विष्कुम्भ	20:37	तैतिल	09:13	20	तुला		07:21	18:52
	6	रवि	चतुर्थी	24:19	विशाखा	14:41	प्रीति	21:09	वणिज	11:23	21	वृश्चिक 08:04	भद्रा 11:23 से 24:19 तक	07:22	18:50
	7	सोम	पंचमी	25:49	अनुराधा	16:55	आयुष्मान	21:20	बव	13:08	22	वृश्चिक	श्री ललिता पंचमी	07:23	18:48
	8	मंगल	षष्ठी	26:45	ज्येष्ठा	18:38	सौभाग्य	21:06	कौलव	14:22	23	धनु 18:38	गुरु वक्री 26:16	07:24	18:46
	9	बुध	सप्तमी	27:03	मूला	19:45	शोभन	20:22	गर	14:59	24	धनु	बुध तुला में 25:38, सूर्य चित्रा में 28:28, भद्रा 27:03 से	07:25	18:45
	10	गुरू	अष्टमी	26:38	पूर्वाषाढ़ा	20:11	अतिगण्ड	19:06	विष्टि	14:56	25	मकर 26:11	भद्रा 14:56 तक, श्रीदुर्गा अष्टमी	07:26	18:43
	11	शुक्र	नवमी	25:29	उत्तराषाढ़ा	19:55	सुकर्म	17:15	बालव	14:09	26	मकर	श्रीमहानवमी	07:28	18:41
	12	शनि	दशमी	23:40	श्रवण	18:57	धृति	14:51	तैतिल	12:40	27	कुम्भ 30:14	शुक्र वृश्चिक में 20:20, पंचक प्रारम्भ 30:14, विजया दशमी / अपराजिता पूजन	07:29	18:39
	13	रवि	एकादशी	21:12	धनिष्ठा	17:21	शूल	11:55	वणिज	10:30	28	कुम्भ	भद्रा 10:30 से 21:12 तक, पापांकुशा एकादशी	07:30	18:38
	14	सोम	द्वादशी	18:13	शतभिषा	15:13	गर वृद्धि	08:30 28:43	बव	07:46	29	मीन 31:19	प्रदोष व्रत	07:31	18:36
	15	मंगल	त्रयोदशी	14:50	पूर्वाभाद्रपद	12:38	ध्रुव	24:39	तैतिल	14:50	30	मीन		07:33	18:34
	16	बुध	चतुर्दशी पूर्णिमा	11:11 31:27	उत्तराभाद्रपद रेवती	09:48 30:50	व्याघात	20:25	वणिज	11:11	1	मेष 30:50	पूर्णिमा, सूर्य तुला में 22:04, भद्रा 11:11 से 21:19 तक, पंचक समाप्त 30:50, कार्तिक संक्रान्ति, श्री बाल्मीकी जयन्ती, शरद् पूर्णिमा / सत्यनारायण व्रत, चन्द्रोदय 18:05 पर	07:34	18:33
कार्तिक कृष्ण पक्ष	17	गुरू	प्रतिपदा	27:46	अश्विनी	27:56	हर्षण	16:11	बालव	17:35	2	मेष		07:35	18:31
	18	शुक्र	द्वितीया	24:20	भरणी	25:17	वज्र	12:03	तैतिल	14:00	3	वृष 30:50		07:36	18:29
	19	शनि	तृतीया	21:17	कृतिका	23:01	सिद्धि व्यतिपात	08:11 28:41	वणिज	10:45	4	वृष	मंगल कर्क में 28:43, भद्रा 10:45 से 21:17 तक	07:37	18:28
	20	रवि	चतुर्थी	18:48	रोहिणी	21:20	वरियान	25:40	बव	07:58	5	वृष	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करवा चौथ, चन्द्रोदय 20:18 पर	07:39	18:26
	21	सोम	पंचमी	17:00	मृगशिरा	20:21	परीघ	23:15	तैतिल	17:00	6	मिथुन 08:45		07:40	18:24
	22	मंगल	षष्ठी	16:00	आर्द्रा	20:09	शिव	21:28	वणिज	16:00	7	मिथुन	बुध उदय 09:16, भद्रा 16:00 से 27:49	07:41	18:23
	23	बुध	सप्तमी	15:50	पुनर्वसु	20:46	सिद्ध	20:21	बव	15:50	8	कर्क 14:32	सूर्य स्वाती में 15:04, अहोई अष्टमी	07:43	18:21
	24	गुरू	अष्टमी	16:29	पुष्य	22:10	साध्य	19:51	कौलव	16:29	9	कर्क		07:44	18:20
	25	शुक्र	नवमी	17:54	अश्लेषा	24:16	शुभ	19:55	गर	17:54	10	सिंह 24:16	भद्रा 30:50 से	07:45	18:18
	26	शनि	दशमी	19:55	मघा	26:54	शुक्ल	20:56	विष्टि	19:55	11	सिंह	भद्रा 19:55 तक	07:46	18:17
	27	रवि	एकादशी	22:22	पूर्वाफाल्गुनी	29:54	ब्रह्म	21:16	बव	09:06	12	सिंह	रमा एकादशी	07:48	18:15
	28	सोम	द्वादशी	25:03	उत्तराफाल्गुनी	--:--	ऐन्द्र	22:17	कौलव	11:41	13	कन्या 12:41		07:49	18:14
	29	मंगल	त्रयोदशी	27:47	उत्तराफाल्गुनी	09:04	वैधृति	23:20	गर	14:25	14	कन्या	बुध वृश्चिक में 12:57, भद्रा 27:47 से, प्रदोष व्रत, धन तेरस	07:50	18:12
	30	बुध	चतुर्दशी	30:24	हस्त	12:13	विष्कुम्भ	24:20	विष्टि	17:07	15	तुला	भद्रा 17:07 तक, श्री हनुमान जन्मोत्सव / नरक चौदस	07:52	18:11
	31	गुरू	अमावस्या	--:--	चित्रा	15:14	प्रीति	25:10	चातुष्पाद	18:38	16	तुला	**दीपावली / महालक्ष्मी पूजा / अमावस**	07:53	18:10

अक्तूबर 1, मंगल प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11'10"

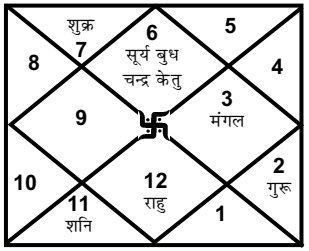

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
5	5	2	5	1	6	10	11	5
14	00	20	15	27	16	20	12	12
36	43	55	06	02	01	07	27	27
						वक्री	वक्री	वक्री
			अस्त				अस्त	अस्त
हस्त	उ.फा.	पूर्नवसु	हस्त	मृगशिरा	स्वाती	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
2	2	1	2	2	3	1	3	1

अक्तूबर 15, मंगल प्रात: 8:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11'12"

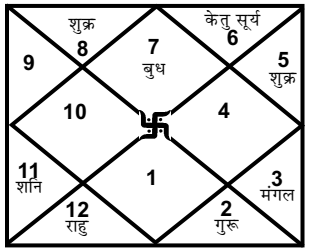

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
5	1	2	6	1	7	10	11	5
28	00	27	08	27	03	19	12	12
26	26	49	31	04	01	18	25	25
				वक्री		वक्री	वक्री	वक्री
			अस्त				अस्त	अस्त
उ.फा.	शिरा	आर्द्रा	पू.फा.	मृगशिरा	चित्रा	पू.भा.	उ.भा.	हस्त
2	4	3	1	2	4	4	3	1

*Ashwin-Kartik, Samvat 2081, **October 2024,** Saka 1946 Surya Dakshinaayan, Dakshin Gol, Fall Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
	1	Tue	Chaturdashi	12:10	U.Phalguni	26:53	Shukla	16:47	Shakuni	12:10	16	Kanya		07:16	18:59
	2	Wed	Amavasya	14:50	Hast	30;02	Brahm	17:50	Naag	14:50	17	Kanya	Amavas / Shraadh Ends, Pitri Visarjan	07:17	18:57
Aashwin Shukl Paksh	3	Thu	Pratipada	17:29	Chitra	--:--	Ainder	18:53	Bav	17:29	18	Tula 19:36	**Sharad Navratri Begins**	07:18	18:55
	4	Fri	Dwitiya	20:02	Chitra	09:08	Vaidhriti	19:50	Kaulav	20:02	19	Tula		07:19	18:53
	5	Sat	Tritiya	22:21	Swati	12:03	Vishkumbh	20:37	Taitil	09:13	20	Tula		07:21	18:52
	6	Sun	Chaturthi	24:19	Vishakha	14:41	Preeti	21:09	Vanij	11:23	21	Vrishchik 08:04	Bhadra 11:23 to 24:19	07:22	18:50
	7	Mon	Panchami	25:49	Anuradha	16:55	Ayushman	21:20	Bav	13:08	22	Vrishchik	Shri Lalita Panchami	07:23	18:48
	8	Tue	Shashthi	26:45	Jyeshtha	18:38	Saubhagya	21:06	Kaulav	14:22	23	Dhanu 18:38	Guru Vakri at 26:16	07:24	18:46
	9	Wed	Saptami	27:03	Moola	19:45	Shobhan	20:22	Gar	14:59	24	Dhanu	Budh in Tula at 25:38, Sun in Chitra from 28:28, Bhadra from 27:03	07:25	18:45
	10	Thu	Ashtami	26:38	P.Shadha	20:11	Atigand	19:06	Vishti	14:56	25	Makar 26:11	Bhadra till 14:56, Shri Durga Ashtami	07:26	18:43
	11	Fri	Navami	25:29	U.Shadha	19:55	Sukarma	17:15	Balav	14:09	26	Makar	Mahanavami	07:28	18:41
	12	Sat	Dashami	23:40	Shravan	18:57	Dhriti	14:51	Taitil	12:40	27	Kumbh 30:14	Sukra in Vrishchik at 20:20, Panchak begins 30:14, Vijaya Dashami / Aprajita Pujan	07:29	18:39
	13	Sun	Ekadashi	21:12	Dhanishtha	17:21	Shool	11:55	Vanij	10:30	28	Kumbh	Bhadra 10:30 to 21:12, Papankusha Ekadashi	07:30	18:38
	14	Mon	Dwadashi	18:13	Shatbhisha	15:13	Gand Vriddhi	08:30 28:43	Bav	07:46	29	Meen 31:19	Pradosh Vrat	07:31	18:36
	15	Tue	Tryodashi	14:50	P.Bhadra	12:38	Dhruv	24:39	Taitil	14:50	30	Meen		07:33	18:34
	16	Wed	Chaturdashi Purnima	11:11 31:27	U.Bhadra Revati	09:48 30:50	Vyaghat	20:25	Vanij	11:11	1	Mesh 30:50	Surya in Tula at 22:04, Bhadra 11:11 to 21:19, Panchak ends at 30:50, Kartik Sankranti / Balmiki Jayanti, Sharad Purnima / Shri Satyanarayan, Moonrise 18:05	07:34	18:33
Kartik Krishan Paksh	17	Thu	Pratipada	27:46	Ashwani	27:56	Harshan	16:11	Balav	17:35	2	Mesh		07:35	18:31
	18	Fri	Dwitiya	24:20	Bharani	25:17	Vajra	12:03	Taitil	14:00	3	Vrish 30:50		07:36	18:29
	19	Sat	Tritiya	21:17	Kritika	23:01	Sidhi Vyatipat	08:11 28:41	Vanij	10:45	4	Vrish	Mangal in Kark at 28:43, Bhadra 10:45 to 21:17	07:37	18:28
	20	Sun	Chaturthi	18:48	Rohini	21:20	Variyan	25:40	Bav	07:58	5	Vrish	Shri Ganesh Chaturthi / Krva Chauth, Moonrise 20:18	07:39	18:26
	21	Mon	Panchami	17:00	Mrigshira	20:21	Parigh	23:15	Taitil	17:00	6	Mithun 08:45		07:40	18:24
	22	Tue	Shashthi	16:00	Ardra	20:09	Shiv	21:28	Vanij	16:00	7	Mithun	Budh non-combust at 09:16, Bhadra 16:00 to 27:49	07:41	18:23
	23	Wed	Saptami	15:50	Punarvasu	20:46	Sidh	20:21	Bav	15:50	8	Kark 14:32	Sun in Swati from 15:04, Ahoi Ashtami	07:43	18:21
	24	Thu	Ashtami	16:29	Pushya	22:10	Sadhya	19:51	Kaulav	16:29	9	Kark		07:44	18:20
	25	Fri	Navami	17:54	Ashlesha	24:16	Subh	19:55	Gar	17:54	10	Singh 24:16	Bhadra from 30:50	07:45	18:18
	26	Sat	Dashami	19:55	Magha	26:54	Shukla	20:56	Vishti	19:55	11	Singh	Bhadra till 19:55	07:46	18:17
	27	Sun	Ekadashi	22:22	P.Phalguni	29:54	Brahm	21:16	Bav	09:06	12	Singh	Rama Ekadashi	07:48	18:15
	28	Mon	Dwadashi	25:03	U.Phalguni	--:--	Ainder	22:17	Kaulav	11:41	13	Kanya 12:41		07:49	18:14
	29	Tue	Tryodashi	27:47	U.Phalguni	09:04	Vaidhriti	23:20	Gar	14:25	14	Kanya	Budh in Vrishchik at 12:57, Bhadra from 27:47, Pradosh , Dhan Teras	07:50	18:12
	30	Wed	Chaturdashi	30:24	Hast	12:13	Vishkumbh	24:20	Vishti	17:07	15	Tula 25:45	Bhadra till 17:07, Hanuman Jayanti /Narak Chaudas	07:52	18:11
	31	Thu	Amavasya	--:--	Chitra	15:14	Preeti	25:10	Chatush	18:38	16	Tula	**Diwali / Mahalakshmi Puja/Amavas**	07:53	18:10

October 1st, Tue 8am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'10"

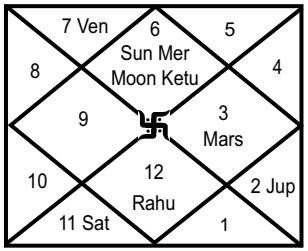

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
5	5	2	5	1	6	10	11	5
14	00	20	15	27	16	20	12	12
36	43	55	06	02	01	07	27	27
						Rx		
			C					
Hast	U.Pha	Puna	Hast	Mrig	Swat	P.Bha	U.Bha	Hast
2	2	1	2	2	3	1	3	1

October 15th, Tue 8 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'12"

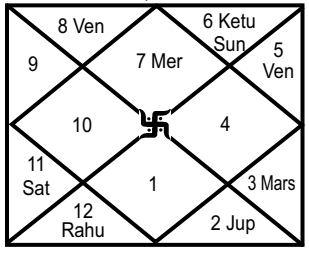

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
5	1	2	6	1	7	10	11	5
28	00	27	08	27	03	19	12	12
26	26	49	31	04	01	18	25	25
				Rx		Rx	D	D
			C					
U.Pha	Shira	Ardr	P.Pha	Mrig	Chit	P.Bha	U.Bha	Hast
2	4	3	1	2	4	4	3	1

कार्तिक-मार्गशीर्ष सम्वत् 2081, नवम्बर 2024, शक् 1946 सूर्य-दक्षिणायन, दक्षिण गोल, पतझड़ ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
कार्तिक कृष्ण पक्ष	1	शुक्र	अमावस्या	08:48	स्वाती	18:01	आयुष्मान	25:47	नाग	08:48	17	तुला	अन्न कूट, गोवर्धन पूजा (गुजराती नववर्ष)	07:53	18:09
कार्तिक शुक्ल पक्ष	2	शनि	प्रतिपदा	10:53	विशाखा	20:28	सौभाग्य	26:09	बव	10:53	18	वृश्चिक 13:53	भाई दूज	07:55	18:08
	3	रवि	द्वितीया	12:36	अनुराधा	22:34	शोभन	26:12	कौलव	12:36	19	वृश्चिक		07:56	18:06
	4	सोम	तृतीया	12:55	ज्येष्ठा	23:15	अतिगण्ड	24:57	गर	12:55	20	धनु 23:15	भद्रा 25:25 से	06:57	17:05
	5	मंगल	चतुर्थी	13:48	मूला	24:30	सुकर्म	24:20	विष्टि	13:48	21	धनु	सूर्य विशाखा में 22:08, भद्रा 13:48 तक	06:59	17:04
	6	बुध	पंचमी	14:12	पूर्वाषाढ़ा	25:17	धृति	23:20	बालव	14:12	22	धनु	शुक्र धनु में 16:52	07:00	17:02
	7	गुरू	षष्ठी	14:06	उत्तराषाढ़ा	25:33	शूल	21:57	तैतिल	14:06	23	मकर 07:27	छठ पूजा	07:01	17:01
	8	शुक्र	सप्तमी	13:27	श्रवण	25:18	गर	20:08	वणिज	13:27	24	मकर	भद्रा 13:27 से 24:56 तक	07:03	17:00
	9	शनि	अष्टमी	12:16	धनिष्ठा	24:30	वृद्धि	17:52	बव	12:16	25	कुम्भ 12:58	पंचक प्रारम्भ 12:58, गोपाष्टमी	07:04	16:59
	10	रवि	नवमी	10:32	शतभिषा	23:10	ध्रुव	15:11	कौलव	10:32	26	कुम्भ	अक्षय नवमी	07:05	16:58
	11	सोम	दशमी एकादशी	08:17 29:36	पूर्वाभद्रा	21:22	व्याघात	12:05	गर	08:17	27	मीन 15:52	भद्रा 19:00 से 29:36 तक, हरिप्रबोधिनी एकादशी	07:06	16:56
	12	मंगल	द्वादशी	26:32	उमराभाद्रपद	19:10	हर्षण वज्र	08:38 28:54	बव	16:06	28	मीन	तुलसी विवाह	07:08	16:55
	13	बुध	त्रयोदशी	23:14	रेवती	16:41	सिद्धि	24:59	कौलव	12:55	29	मेष 16:41	पंचक समाप्त 16:41, प्रदोष व्रत	07:09	16:54
	14	गुरू	चतुर्दशी	19:50	अश्विनी	14:03	व्यतिपात	20:59	गर	09:32	30	मेष	भद्रा 19:50 से 30:08 तक, वैकुंठ चौदस	07:10	16:53
	15	शुक्र	पूर्णिमा	16:29	भरणी	11:25	वरियान	17:02	बव	16:29	1	वृष 16:47	पूर्णिमा, सूर्य वृश्चिक में 20:54, शनि मार्गी 08:20, मार्गशीर्ष संक्रान्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु नानकदेव जयन्ती चन्द्रोदय 16:25 पर	07:12	16:52
मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष	16	शनि	प्रतिपदा	13:21	कृतिका रोहिणी	08:58 30:52	परीघ	13:17	कौलव	13:21	2	वृष		07:13	16:51
	17	रवि	द्वितीया	10:37	मृगशिरा	29:19	शिव सिद्ध	09:50 30:51	गर	10:37	3	मिथुन 18:01	भद्रा 21:27 से	07:14	16:50
	18	सोम	तृतीया चतुर्थी	08:27 30:59	आर्द्रा	28:26	साध्य	28:25	विष्टि	08:27	4	मिथुन	सूर्य अनुराधा में 28:15, भद्रा 08:27 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 19:00 पर	07:16	16:49
	19	मंगल	पंचमी	30:20	पुनर्वसु	28:20	शुभ	26:37	कौलव	18:33	5	कर्क 22:17		07:17	16:49
	20	बुध	षष्ठी	30:24	पुष्य	29:05	शुक्ल	25:30	गर	18:21	6	कर्क	भद्रा 30:34 से	07:18	16:48
	21	गुरू	सप्तमी	--:--	अश्लेषा	30:40	ब्रह्म	25:03	विष्टि	19:00	7	सिंह 30:40	भद्रा 19:00 तक	07:19	16:47
	22	शुक्र	सप्तमी	07:39	मघा	--:--	ऐन्द्रा	25:11	बव	07:39	8	सिंह		07:21	16:46
	23	शनि	अष्टमी	09:28	मघा	08:57	वैधृति	25:47	कौलव	09:28	9	सिंह		07:22	16:45
	24	रवि	नवमी	11:51	पूर्वा फाल्गुनी	11:46	विष्कुम्भ	26:41	गर	11:51	10	कन्या 18:32	भद्रा 25:10 से	07:23	16:45
	25	सोम	दशमी	14:33	उत्तरा फाल्गुनी	14:54	प्रीति	27:43	विष्टि	14:33	11	कन्या	बुध वक्री 21:36, भद्रा 14:33 तक	07:24	16:44
	26	मंगल	एकादशी	17:19	हस्त	18:05	आयुष्मान	28:42	बालव	17:19	12	कन्या	उत्पन्ना एकादशी	07:26	16:43
	27	बुध	द्वादशी	19:55	चित्रा	21:06	सौभाग्य	29:31	तैतिल	19:55	13	तुला 07:37		07:27	16:43
	28	गुरू	त्रयोदशी	22:11	स्वाती	23:48	शोभन	30:02	गर	09:06	14	तुला	भद्रा 22:11, प्रदोष व्रत	07:28	16:42
	29	शुक्र	चतुर्दशी	24:01	विशाखा	26:04	अतिगण्ड	30:13	विष्टि	11:09	15	वृश्चिक 19:33	भद्रा 11:09 तक	07:29	16:42
	30	शनि	अमावस्या	25:22	अनुराधा	27:54	सुकर्म	30:02	चतुष्पाद	12:45	16	वृश्चिक	बुध अस्त 09:45, अमावस, श्री बालाजी जयन्ती	07:30	16:41

नवम्बर 1, शुक्र प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°12°14°

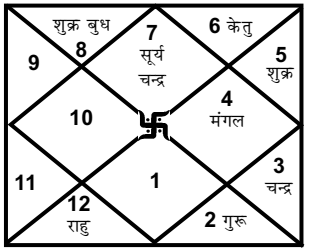

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
6	6	3	7	1	7	10	11	5
15	14	04	03	26	23	18	12	12
22	60	52	59	14	31	40	11	11
				वक्री		वक्री	वक्री	वक्री
	अस्त						अस्त	अस्त
स्वाति	स्वाति	पुष्या	अनुराधा	मृगशिरा	ज्येष्ठा	शतभिषा	उ.भा.	हस्त
3	3	1	1	1	3	4	3	1

नवम्बर 15, शुक्र प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°16°

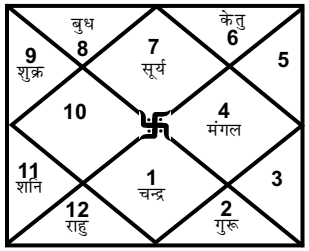

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
6	0	3	7	-	8	10	11	5
29	33	09	21	24	10	18	11	11
25	55	09	48	55	15	29	30	30
				वक्री		मार्गी	वक्री	वक्री
							अस्त	अस्त
विष.	भरणी	पुष्या	ज्येष्ठा	मृगशिरा	मूला	शतभिषा	उ.भा.	हस्त
3	4	2	2	-	4	4	3	1

*Kartik-Margshirsh, Samvat 2081, **November 2024,** Saka 1946 Surya Dakshinaayan, Dakshin Gol, Fall Season*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
	1	Fri	Amavasya	08:48	Swati	18:01	Ayushman	25:47	Naag	08:48	17	Tula	Amavas, Annkoot, Govardhan Puja	07:53	18:09
Kartik Shukl Paksh	2	Sat	Paratipada	10:53	Vishakha	20:28	Saubhagya	26:09	Bav	10:53	18	Vrishchik 13:53	Bhai Dooj	07:55	18:08
	3	Sun	Dwitiya	12:36	Anuradha	22:34	Shobhan	26:12	Kaulav	12:36	19	Vrishchik		07:56	18:06
	4	Mon	Tritiya	12:55	Jyeshtha	23:15	Atigand	24:57	Gar	12:55	20	Dhanu 23:15	Bhadra from 25:25	06:57	17:05
	5	Tue	Chaturthi	13:48	Moola	24:30	Sukarma	24:20	Vishti	13:48	21	Dhanu	Sun in Vishakha from 22:08, Bhadra till 13:48	06:59	17:04
	6	Wed	Panchami	14:12	P.Shadha	25:17	Dhriti	23:20	Balav	14:12	22	Dhanu	Sukra in Dhanu at 16:52	07:00	17:02
	7	Thu	Shashthi	14:06	U.Shadha	25:33	Shool	21:57	Taitil	14:06	23	Makar 07:24	Chhath Puja	07:01	17:01
	8	Fri	Saptami	13:27	Shravan	25:18	Gand	20:08	Vanij	13:27	24	Makar	Bhadra 13:27 to 24:56	07:03	17:00
	9	Sat	Ashtami	12:16	Dhanishtha	24:30	Vriddhi	17:52	Bav	12:16	25	Kumbh 12:58	Panchak begins at 12:58, Goopaashtami	07:04	16:59
	10	Sun	Navami	10:32	Shatbhisha	23:10	Dhruv	15:11	Kaulav	10:32	26	Kumbh	Akshaya Navami	07:05	16:58
	11	Mon	Dashami Ekadashi	08:17 29:36	P.Bhadra	21:22	Vyaghat	12:05	Gar	08:17	27	Meen 15:52	Bhadra 19:00to 29:36, Hari Prabhodhini Ekadashi	07:06	16:56
	12	Tue	Dwadashi	26:32	U.Bhadra	19:10	Harshan Vajra	08:38 28:54	Bav	16:06	28	Meen	**Tulsi Vivah**	07:08	16:55
	13	Wed	Tryodashi	23:14	Revati	16:41	Sidhi	24:59	Kaulav	12:55	29	Mesh 16:41	Panchak ends at 16:41, Pradosh Vrat	07:09	16:54
	14	Thu	Chaturdashi	19:50	Ashwani	14:03	Vyatipat	20:59	Gar	09:32	30	Mesh	Bhadra 19:50 to 30:08, Vaikunth Chaudas	07:10	16:53
	15	Fri	Purnima	16:29	Bharani	11:25	Variyan	17:02	Bav	16:29	1	Vrish 16:47	Purnima, Surya in Vrishchik at 20:54, Sani Margi at 08:20, Shri Satyanarayan Vrat Margsheersh Sankranti, Guru Nanak Jayanti, Moonrise 16:25	07:12	16:52
Maargsheersh Krishn	16	Sat	Pratipada	13:21	Kritika Rohini	08:58 30:52	Parigh	13:17	Kaulav	13:21	2	Vrish		07:13	16:51
	17	Sun	Dwitiya	10:37	Mrigshira	29:19	Shiv Sidh	09:50 30:51	Gar	10:37	3	Mithun 18:01	Bhadra from 21:27	07:14	16:50
	18	Mon	Tritiya Chaturthi	08:27 30:59	Ardra	28:26	Sadhya	28:25	Vishti	08:27	4	Mithun	Sun in Anuradha from 28:15, Bhadra till 08:27, Ganesh Chaturthi, Moonrise 19:00	07:16	16:49
	19	Tue	Panchami	30:20	Punarvasu	28:20	Shubh	26:37	Kaulav	18:33	5	Kark 22:17		07:17	16:49
	20	Wed	Shasthi	30:24	Pushya	29:05	Shukla	25:30	Gar	18:21	6	Kark	Bhadra from 30:34	07:18	16:48
	21	Thu	Saptami	--:--	Ashlesha	30:40	Brahm	25:03	Vishti	19:00	7	Singh 30:40	Bhadra till 19:00	07:19	16:47
	22	Fri	Saptami	07:39	Magha	--:--	Ainder	25:11	Bav	07:39	8	Singh		07:21	16:46
	23	Sat	Ashtami	09:28	Magha	08:57	Vaidhriti	25:47	Kaulav	09:28	9	Singh		07:22	16:45
	24	Sun	Navami	11:51	P.Phalguni	11:46	Vishkumbh	26:41	Gar	11:51	10	Kanya 18:32	Bhadra from 25:10	07:23	16:45
	25	Mon	Dashami	14:33	U.Phalguni	14:54	Preeti	27:43	Vishti	14:33	11	Kanya	Budh Vakri at 21:36, Bhadra till 14:33	07:24	16:44
	26	Tue	Ekadashi	17:19	Hast	18:05	Ayushman	28:42	Balav	17:19	12	Kanya	Utapanna Ekadashi	07:26	16:43
	27	Wed	Dwadashi	19:55	Chitra	21:06	Saubhagya	29:31	Taitil	19:55	13	Tula 07:37		07:27	16:43
	28	Thu	Tryodashi	22:11	Swati	23:48	Shobhan	30:02	Gar	09:06	14	Tula	Bhadra from 22:11, Pradosh Vrat	07:28	16:42
	29	Fri	Chaturdashi	24:01	Vishakha	26:04	Atigand	30:13	Vishti	11:09	15	Vrishchik 19:33	Bhadra till 11:09	07:29	16:42
	30	Sat	Amavasya	25:22	Anuradha	27:54	Sukarma	30:02	Chatush	12:45	16	Vrishchik	Budh Ast (combust), at 09:45, Amavas, Bala Ji Jayanti	07:30	16:41

November 1st, Fri 7am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'14"

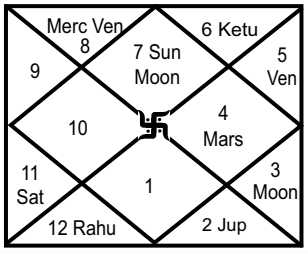

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
6	6	3	7	1	7	10	11	5
15	14	04	03	26	23	18	12	12
22	60	52	59	14	31	40	11	11
				Rx		Rx	Rx	Rx
	C							
Swat 3	Swat 3	Push 1	Anur 1	Mrig 1	Jyes 3	Shat 4	U.Bha 3	Hast 1

November 15th, Fri 7 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'16"

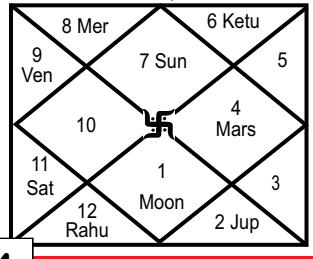

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
6	0	3	7	-	8	10	11	5
29	23	09	21	24	10	18	11	11
25	55	09	48	55	15	29	30	30
				Rx		Dx	Rx	Rx
Vish 3	Bhar 4	Push 2	Jyes 2	Mrig -	Mool 4	Shat 4	U.Bha 3	Hast 1

मार्गशीर्ष-पौष सम्वत् 2081, दिसम्बर 2024, शक् 1946 सूर्य-दक्षिणायन, दक्षिण गोल, पतझड़ ऋतु

	दिनांक	वार	तिथि	घं. मि.	नक्षत्र	घं. मि.	योग	घं. मि.	करण	घं. मि.	प्रविष्टे	चन्द्र प्रवेश राशि	विविध व्रत, पर्व व त्यौहार	टोरन्टो सूर्योदयास्त घं. मि.	घं. मि.
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष	1	रवि	प्रतिपदा	26:14	ज्येष्ठा	29:15	धृति	29:30	किंस्तुघ्न	13:52	17	धनु 29:15	शुक्र मकर में 25:19	07:32	16:41
	2	सोम	द्वितीया	26:40	मूला	30:12	शूल	28:37	बालव	14:30	18	धनु	सूर्य ज्येष्ठा में 09:31	07:33	16:40
	3	मंगल	तृतीया	26:41	पूर्वाषाढ़ा	30:45	गण्ड	27:26	तैतिल	14:44	19	धनु		07:34	16:40
	4	बुध	चतुर्थी	26:20	उत्तराषाढ़ा	30:56	वृद्धि	25:57	वणिज	14:33	20	मकर 12:50	भद्रा 14:33 से 26:20 तक	07:35	16:40
	5	गुरू	पंचमी	25:39	श्रवण	30:48	ध्रुव	24:12	बव	14:02	21	मकर		07:36	16:39
	6	शुक्र	षष्ठी	24:37	धनिष्ठा	30:20	व्याघात	22:11	कौलव	13:10	22	कुम्भ 18:37	मंगल वक्री 18:26, पंचक प्रारम्भ 18:37, चम्पा षष्ठी	07:37	16:39
	7	शनि	सप्तमी	23:15	शतभिषा	29:33	हर्षण	19:55	गर	11:59	23	कुम्भ	भद्रा 23:15 से, मित्र सप्तमी	07:38	16:39
	8	रवि	अष्टमी	21:34	पूर्वाभद्रा	28:26	वज्र	17:23	विष्टि	10:27	24	मीन 22:45	भद्रा 10:27 तक	07:39	16:39
	9	सोम	नवमी	19:33	उत्तराभद्रा	27:00	सिद्धि	14:35	बालव	08:36	25	मीन		07:40	16:39
	10	मंगल	दशमी	17:14	रेवती	25:18	व्यतिपात	11:32	गर	17:14	26	मेष 25:18	भद्रा 27:59 से, पंचक समाप्त 25:18	07:41	16:39
	11	बुध	एकादशी	14:40	अश्विनी	23:22	वरियान परिघ	08:17 28:52	विष्टि	14:40	27	मेष	बुध उदय 09:10 से, भद्रा 14:40 तक, मोक्षदा एकादशी, गीता जयन्ती	07:42	16:39
	12	गुरू	द्वादशी	11:57	भरणी	21:20	शिव	25:23	बालव	11:57	28	वृष 26:49	प्रदोष व्रत	07:43	16:39
	13	शुक्र	त्रयोदशी चतुर्दशी	09:11 30:30	कृतिका	19:18	सिद्ध	21:56	तैतिल	09:11	29	वृष	भद्रा 30:30 से	07:44	16:39
	14	शनि	पूर्णिमा	28:02	रोहिणी	17:24	साध्य	18:36	विष्टि	17:13	30	मिथुन 28:34	पूर्णिमा, भद्रा 17:13 तक, श्री सत्यनारायण व्रत, पूर्णिमा, दत्तात्रेय जयन्ती, चन्द्रोदय 15:41 पर	07:44	16:39
पौष कृष्ण पक्ष	15	रवि	प्रतिपदा	25:58	मृगशिरा	15:50	शुभ	15:33	बालव	14:57	1	मिथुन	सूर्य धनु में 11:33, बुध मार्गी 15:50, सूर्य मूला में 11:33, पौष संक्रान्ति	07:45	16:39
	16	सोम	द्वितीया	24:27	आर्द्रा	14:43	शुक्ल	12:52	तैतिल	13:08	2	मिथुन		07:46	16:40
	17	मंगल	तृतीया	23:37	पुनर्वसु	14:14	ब्रह्म	10:40	वणिज	11:56	3	कर्क 08:17	भद्रा 11:56 से 23:37 तक	07:47	16:40
	18	बुध	चतुर्थी	23:34	पुष्य	14:28	ऐन्द्र	09:03	बव	11:29	4	कर्क	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:13 पर	07:47	16:40
	19	गुरू	पंचमी	24:20	अश्लेषा	15:30	वैधृति विष्कुम्भ	08:03 31:41	कौलव	11:51	5	सिंह 15:30		07:48	16:41
	20	शुक्र	षष्ठी	25:52	मघा	17:17	प्रीति	--:--	विष्टि	13:01	6	सिंह	भद्रा 25:52 से	07:49	16:41
	21	शनि	सप्तमी	27:03	पूर्वाफाल्गुनी	19:44	प्रीति	07:52	विष्टि	14:54	7	कन्या 26:26	भद्रा 14:54 तक	07:49	16:41
	22	रवि	अष्टमी	30:39	उत्तराफाल्गुनी	22:39	आयुष्मान	08:29	बालव	17:19	8	कन्या		07:50	16:42
	23	सोम	नवमी	--:--	हस्त	25:47	सौभाग्य	08:29	तैतिल	20:01	9	कन्या		07:50	16:42
	24	मंगल	नवमी	09:23	चित्रा	28:52	शोभन	10:23	गर	09:23	10	तुला 15:21	भद्रा 22:44 से	07:51	16:43
	25	बुध	दशमी	12:00	स्वाती	31:39	अतिगण्ड	11:16	विष्टि	12:00	11	तुला	भद्रा 12:00 तक	07:51	16:44
	26	गुरू	एकादशी	14:15	विशाखा	--:--	सुकर्म	11:53	बालव	14:15	12	वृश्चिक 27:27	सफला एकादशी	07:51	16:44
	27	शुक्र	द्वादशी	15:58	विशाखा	09:58	धृति	12:06	तैतिल	15:58	13	वृश्चिक	प्रदोष व्रत	07:52	16:45
	28	शनि	त्रयोदशी	17:04	अनुराधा	11:43	शूल	11:52	वणिज	17:04	14	वृश्चिक	शुक्र कुम्भ में 13:4, सूर्य पूर्वाषाढ़ा में 13:47, भद्रा 17:04 से 29:53	07:52	16:46
	29	रवि	चतुर्दशी	17:32	ज्येष्ठा	12:52	गण्ड	11:10	शकुनी	17:32	15	धनु 12:52		07:52	16:46
	30	सोम	अमावस्या	17:27	मूला	13:27	वृद्धि	10:01	नाग	17:27	16	धनु	अमावस	07:52	16:47
पौ. शु. पक्ष	31	मंगल	प्रतिपदा	16:53	पूर्वाषाढ़ा	13:33	ध्रुव व्याघात	08:28 30:36	बव	16:53	17	मकर 19:31		07:52	16:48

दिसम्बर 1, रवि प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°12°18°

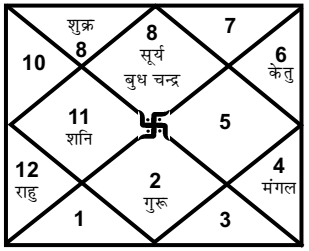

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
7	7	3	7	1	8	10	11	5
15	18	11	25	22	29	18	10	10
35	17	46	55	55	07	43	12	12
			वक्री	वक्री			वक्री	वक्री
	अस्त		अस्त					
अनुराधा	ज्येष्ठा	पुष्या	ज्येष्ठा	रोहिणी	पूर्वाषाढ़ा	शतभिषा	उ.भा.	हस्त
4	1	3	3	4	1	4	3	1

दिसम्बर 15, रवि प्रात: 7:00 बजे की कुण्डली व ग्रह स्पष्ट अयनांश 24°11°20°

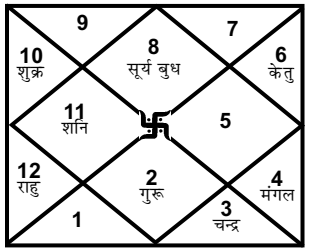

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु
7	2	3	7	1	9	10	11	5
29	01	11	12	21	15	19	08	08
48	27	28	12	01	15	16	43	43
		वक्री	मार्गी	वक्री			वक्री	वक्री
ज्येष्ठा	मृगशिरा	पुष्या	अनुराधा	रोहिणी	श्रवण	शतभिषा	उ.भा.	पू.फा.
4	3	3	3	4	2	4	2	4

*Margshirsh-Paush, Samvat 2081, **December 2024,** Saka 1946 Dakshinaayan, Dakshin Gol, Fall-Winter*

	Date	Day	Tithi	Ends H.M.	Nakshtra	Ends H.M.	Yoga	Ends H.M.	Karan	Ends H.M.	Pravishte	Chander Rashi Entrance H.M.	Fasts and Festivals	Toronto Sun Rise H.M.	Toronto Sun Set H.M.
Paush Krishan Paksh	1	Sun	Pratipada	26:14	Jyeshtha	26:15	Dhriti	29:30	Kinstugh	13:52	17	Dhanu 29:15	Sukra in Makar at 25:19	07:32	16:41
	2	Mon	Dwitiya	26:40	Moola	30:12	Shool	28:37	Balav	14:30	18	Dhanu	Sun in Jyeshtha from 08:31	07:33	16:40
	3	Tue	Tritiya	26:41	P.Shadha	30:45	Gand	27:26	Taitil	14:44	19	Dhanu		07:34	16:40
	4	Wed	Chaturthi	26:20	U.Shadha	30:56	Vriddhi	25:57	Vanij	14:33	20	Makar 12:50	Bhadra 14:33 to 26:20	07:35	16:40
	5	Thu	Panchami	25:39	Sharvan	30:48	Dhruv	24:12	Bav	14:02	21	Makar		07:36	16:39
	6	Fri	Shashthi	24:37	Dhanishtha	30:20	Vyaghat	22:11	Kaulav	13:10	22	Kumbh 18:37	Mangal Vakri at 18:26, Panchak begins at 18:37, Champa Sashthi	07:37	16:36
	7	Sat	Saptami	23:15	Shatbhisha	29:33	Harshan	19:55	Gar	11:59	23	Kumbh	Bhadra from 23:15, Mitra Saptami	07:38	16:39
	8	Sun	Ashtami	21:34	P.Bhadra	28:26	Vajra	17:23	Vishti	10:27	24	Meen 22:45	Bhadra till 10:27	07:39	16:39
	9	Mon	Navami	19:33	U.Bhadra	27:00	Sidhi	14:35	Balav	08:36	25	Meen		07:40	16:39
	10	Tue	Dashami	17:14	Revati	25:18	Vyatipat	11:32	Gar	17:14	26	Mesh 25:18	Bhadra from 27:59, Panchak ends at 25:18	07:41	16:39
	11	Wed	Ekadashi	14:40	Ashwani	23:22	Variyan	08:17	Vishti	14:40	27	Mesh	Budh non-combust at 09:10, Bhadra till 14:40, **Mokshada Ekadashi, Gita Jayanti**	07:42	16:39
							Parigh	28:52							
	12	Thu	Dwadashi	11:57	Bharani	21:20	Shiv	25:23	Balav	11:57	28	Vrish 26:49	Pradosh Vrat	07:43	16:39
Paush Shukl Paksh	13	Fri	Tryodashi	09:11	Kritika	19:18	Sidh	21:56	Taitil	09:11	29	Vrish	Bhadra from 30:30	07:44	16:39
			Chaturdashi	30:30											
	14	Sat	Purnima	28:02	Rohini	17:24	Sadhya	18:36	Vishti	17:13	30	Mithun 28:34	Bhadra till 17:13, Satyanarayan Vrat, Purnima, Dattatreya Jayanti, Moonrise 15:41	07:44	16:39
	15	Sun	Pratipada	25:58	Mrigshira	15:50	Shubh	15:33	Balav	14:57	1	Mithun	Surya in Dhanu at 11:33, Budh Margi at 15:50, Sun in Moola from 11:33 Paush Sankranti	07:45	16:39
	16	Mon	Dwitiya	24:27	Ardra	14:43	Shukla	12:52	Taitil	13:08	2	Mithun		07:46	16:40
	17	Tue	Tritiya	23:37	Punarvasu	14:14	Brahm	10:40	Vanij	11:56	3	Kark 08:17	Bhadra 11:56 to 23:37	07:47	16:40
	18	Wed	Chaturthi	23:34	Pushya	14:28	Ainder	09:03	Bav	11:29	4	Kark	Shri Ganesh Chaurthi Vrat, Moonrise 20:13	07:47	16:40
	19	Thu	Panchami	24:20	Ashiesha	15:30	Vaidhriti	08:03	Kaulav	11:51	5	Singh 15:30		07:48	16:41
							Vishkumbh	31:41							
	20	Fri	Shashthi	25:52	Magha	17:17	Preeti	--:--	Gar	13:01	6	Singh	Bhadra from 25:52	07:49	16:41
	21	Sat	Saptami	28:03	P.Phalguni	19:44	Preeti	07:52	Vishti	14:54	7	Kanya 26:26	Bhadra till 14:54	07:49	16:41
	22	Sun	Ashtami	30:39	U.Phallguni	22:39	Ayushman	08:29	Balav	17:19	8	Kanya		07:50	16:42
	23	Mon	Navami	--:--	Hast	25:47	Saubhagya	09:23	Taitil	20:01	9	Kanya		07:50	16:42
	24	Tue	Navami	09:23	Chitra	28:52	Shobhan	10:23	Gar	09:23	10	Tula 15:21	Bhadra from 22:44	07:51	16:43
	25	Wed	Dashami	12:00	Swati	31:39	Atigand	11:16	Vishti	12:00	11	Tula	Bhadra till 12:00	07:51	16:44
	26	Thu	Ekadashi	14:15	Vishakha	--:--	Sukarma	11:53	Balav	14:15	12	Vrishchik 27:27	Safala Ekadashi	07:51	16:44
	27	Fri	Dwadashi	15:58	Vishakha	09:58	Dhriti	12:06	Taitil	15:58	13	Vrishchik	Pradosh Vrat	07:52	16:45
	28	Sat	Tryodashi	17:04	Anuradha	11:43	Shool	11:52	Vanij	17:04	14	Vrishchik	Sukra in Kumbh at 13:04, Sun in P.Shadha from 13:47, Bhadra 17:04 to 29:23	07:52	16:46
	29	Sun	Chaturdashi	17:32	Jyestha	12:52	Gand	11:10	Shakuni	17:32	15	Dhanu 12:52		07:52	16:46
	30	Mon	Amavasya	17:27	Moola	13:27	Vriddhi	10:01	Naag	17:27	16	Dhanu	Amavas	07:52	16:47
Magh Krishan Paksh	31	Tue	Pratipada	16:53	P.Shadha	13:33	Dhruv	08:28	Bav	16:53	17	Makar 19:31		07:52	16:48
							Vyaghat	30:36							

December 1st, Sun 7am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'18"

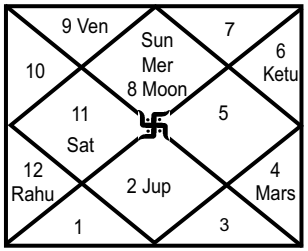

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
7	7	3	7	1	8	10	11	5
15	18	11	25	22	29	18	10	10
35	17	46	55	55	07	43	12	12
			Rx	Rx			Rx	Rx
	C		C					
Anur	Jyes	Push	Jyes	Rohi	U.Sha	Shat	U/Bha	Hast
4	1	3	3	4	1	4	3	1

December 15th, Sun 7 am Kundali & Nirayan planets, Ayanamsa 24°12'20"

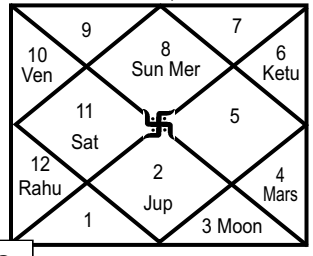

Sun	Moon	Mars	Merc	Jup	Ven	Sat	Rahu	Ketu
7	2	3	7	1	9	10	11	5
29	01	11	12	21	15	19	08	08
48	27	28	12	01	15	16	43	43
		Rx	Dx	Rx			Rx	Rx
Jyes	Mrig	Push	Anur	Rohi	Shra	Shat	U.Bha	U.Pha
4	3	3	3	4	2	4	2	4

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF JANUARY 2024, 12PM EST

Date	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu
1	8 16°35’	4 20°11’	8 03°39’ C	7 28°00’ R	0 11°24’	7 09°17’	10 09°07’	11 26°39’	5 26°39’
2	8 17°36’	5 01°59’	8 04°24’ C	7 28°01’	0 11°24’	7 10°31’	10 09°13’	11 26°36’	5 26°36’
3	8 18°37’	5 13°50’	8 05°08’ C	7 28°10’	0 11°25’	7 11°44’	10 09°18’	11 26°33’	5 26°33’
4	8 19°38’	5 25°49’	8 05°53’ C	7 28°28’	0 11°26’	7 12°57’	10 09°24’	11 26°29’	5 26°29’
5	8 20°39’	6 08°03’	8 06°38’ C	7 28°53’	0 11°27’	7 14°10’	10 09°29’	11 26°26’	5 26°26’
6	8 21°40’	6 20°35’	8 07°22’ C	7 29°25’	0 11°28’	7 15°23’	10 09°35’	11 26°23’	5 26°23’
7	8 22°41’	7 03°32’	8 08°07’ C	8 00°02’	0 11°29’	7 16°37’	10 09°41’	11 26°20’	5 26°20’
8	8 23°43’	7 16°55’	8 08°52’ C	8 00°45’	0 11°31’	7 17°50’	10 09°46’	11 26°17’	5 26°17’
9	8 24°44’	8 00°46’	8 09°37’ C	8 01°33’	0 11°33’	7 19°03’	10 09°52’	11 26°13’	5 26°13’
10	8 25°45’	8 15°02’ C	8 10°22’ C	8 02°25’	0 11°35’	7 20°17’	10 09°58’	11 26°10’	5 26°10’
11	8 26°46’	8 29°39’ C	8 11°07’ C	8 03°21’	0 11°37’	7 21°30’	10 10°04’	11 26°07’	5 26°07’
12	8 27°47’	9 14°27’	8 11°52’ C	8 04°20’	0 11°40’	7 22°44’	10 10°10’	11 26°04’	5 26°04’
13	8 28°48’	9 29°20’	8 12°37’ C	8 05°23’	0 11°43’	7 23°57’	10 10°16’	11 26°01’	5 26°01’
14	8 29°50’	10 14°07’	8 13°22’ C	8 06°28’	0 11°45’	7 25°11’	10 10°22’	11 25°58’	5 25°58’
15	9 00°51’	10 28°43’	8 14°07’ C	8 07°35’	0 11°49’	7 26°24’	10 10°28’	11 25°54’	5 25°54’
16	9 01°52’	11 13°03’	8 14°52’ C	8 08°45’	0 11°52’	7 27°38’	10 10°35’	11 25°51’	5 25°51’
17	9 02°53’	11 27°05’	8 15°37’	8 09°57’	0 11°55’	7 28°52’	10 10°41’	11 25°48’	5 25°48’
18	9 03°54’	0 10°49’	8 16°22’	8 11°10’	0 11°59’	8 00°05’	10 10°47’	11 25°45’	5 25°45’
19	9 04°55’	0 24°16’	8 17°07’	8 12°26’	0 12°03’	8 01°19’	10 10°54’	11 25°42’	5 25°42’
20	9 05°56’	1 07°28’	8 17°53’	8 13°42’	0 12°07’	8 02°33’	10 11°00’	11 25°39’	5 25°39’
21	9 06°57’	1 20°27’	8 18°38’	8 15°01’	0 12°11’	8 03°47’	10 11°06’	11 25°35’	5 25°35’
22	9 07°58’	2 03°15’	8 19°23’	8 16°20’	0 12°16’	8 05°00’	10 11°13’	11 25°32’	5 25°32’
23	9 08°59’	2 15°52’	8 20°09’	8 17°41’	0 12°20’	8 06°14’	10 11°20’	11 25°29’	5 25°29’
24	9 10°00’	2 28°19’	8 20°54’	8 19°03’	0 12°25’	8 07°28’	10 11°26’	11 25°26’	5 25°26’
25	9 11°01’	3 10°36’	8 21°40’	8 20°25’	0 12°30’	8 08°42’	10 11°33’	11 25°23’	5 25°23’
26	9 12°02’	3 22°44’	8 22°25’	8 21°49’	0 12°35’	8 09°56’	10 11°39’	11 25°19’	5 25°19’
27	9 13°03’	4 04°43’	8 23°11’	8 23°14’	0 12°41’	8 11°10’	10 11°46’	11 25°16’	5 25°16’
28	9 14°04’	4 16°36’	8 23°56’	8 24°40’	0 12°46’	8 12°24’	10 11°53’	11 25°13’	5 25°13’
29	9 15°05’	4 28°25’	8 24°42’	8 26°06’	0 12°52’	8 13°38’	10 12°00’	11 25°10’	5 25°10’
30	9 16°06’	5 10°12’	8 25°28’	8 27°34’	0 12°58’	8 14°52’	10 12°06’	11 25°07’	5 25°07’
31	9 17°07’	5 22°02’	8 26°13’	8 29°02’	0 13°04’	8 16°06’	10 12°13’	11 25°04’	5 25°04’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF FEBRUARY 2024, 12PM EST

Date	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu
1	9 18°08’	6 04°00’	8 26°59’	9 00°31’	0 13°10’	8 17°20’	10 12°20’	11 25°00’	5 25°00’
2	9 19°09’	6 16°10’	8 27°45’	9 02°01’	0 13°16’	8 18°34’	10 12°27’	11 24°57’	5 24°57’
3	9 20°10’	6 28°39’	8 28°30’	9 03°31’	0 13°23’	8 19°48’	10 12°34’	11 24°54’	5 24°54’
4	9 21°10’	7 11°31’	8 29°16’	9 05°03’	0 13°30’	8 21°02’	10 12°41’	11 24°51’	5 24°51’
5	9 22°11’	7 24°50’	9 00°02’	9 06°35’	0 13°36’	8 22°16’	10 12°48’	11 24°48’	5 24°48’
6	9 23°12’	8 08°39’	9 00°48’	9 08°08’	0 13°43’	8 23°30’	10 12°55’	11 24°44’	5 24°44’
7	9 24°13’	8 22°57’	9 01°34’	9 09°41’	0 13°51’	8 24°44’	10 13°02’	11 24°41’	5 24°41’
8	9 25°14’	9 07°41’	9 02°20’	9 11°16’ C	0 13°58’	8 25°58’	10 13°09’	11 24°38’	5 24°38’
9	9 26°15’	9 22°43’ C	9 03°06’	9 12°51’ C	0 14°05’	8 27°13’	10 13°16’	11 24°35’	5 24°35’
10	9 27°15’	10 07°54’ C	9 03°52’	9 14°27’ C	0 14°13’	8 28°27’	10 13°23’	11 24°32’	5 24°32’
11	9 28°16’	10 23°03’	9 04°38’	9 16°04’ C	0 14°21’	8 29°41’	10 13°31’	11 24°29’	5 24°29’
12	9 29°17’	11 08°01’	9 05°24’	9 17°41’ C	0 14°29’	9 00°55’	10 13°38’ C	11 24°25’	5 24°25’
13	10 00°17’	11 22°41’	9 06°10’	9 19°20’ C	0 14°37’	9 02°09’	10 13°45’ C	11 24°22’	5 24°22’
14	10 01°18’	0 06°58’	9 06°56’	9 20°59’ C	0 14°45’	9 03°23’	10 13°52’ C	11 24°19’	5 24°19’
15	10 02°19’	0 20°51’	9 07°42’	9 22°39’ C	0 14°54’	9 04°38’	10 13°59’ C	11 24°16’	5 24°16’
16	10 03°19’	1 04°20’	9 08°28’	9 24°20’ C	0 15°02’	9 05°52’	10 14°07’ C	11 24°13’	5 24°13’
17	10 04°20’	1 17°29’	9 09°15’	9 26°02’ C	0 15°11’	9 07°06’	10 14°14’ C	11 24°09’	5 24°09’
18	10 05°20’	2 00°19’	9 10°01’	9 27°45’ C	0 15°20’	9 08°20’	10 14°21’ C	11 24°06’	5 24°06’
19	10 06°21’	2 12°54’	9 10°47’	9 29°28’ C	0 15°28’	9 09°35’	10 14°28’ C	11 24°03’	5 24°03’
20	10 07°21’	2 25°17’	9 11°33’	10 01°13’ C	0 15°37’	9 10°49’	10 14°36’ C	11 24°00’	5 24°00’
21	10 08°22’	3 07°30’	9 12°20’	10 02°58’ C	0 15°47’	9 12°03’	10 14°43’ C	11 23°57’	5 23°57’
22	10 09°22’	3 19°34’	9 13°06’	10 04°45’ C	0 15°56’	9 13°17’	10 14°50’ C	11 23°54’	5 23°54’
23	10 10°23’	4 01°32’	9 13°52’	10 06°32’ C	0 16°05’	9 14°31’	10 14°58’ C	11 23°50’	5 23°50’
24	10 11°23’	4 13°25’	9 14°38’	10 08°20’ C	0 16°15’	9 15°46’	10 15°05’ C	11 23°47’	5 23°47’
25	10 12°23’	4 25°14’	9 15°25’	10 10°10’ C	0 16°25’	9 17°00’	10 15°12’ C	11 23°44’	5 23°44’
26	10 13°24’	5 07°03’	9 16°11’	10 12°00’ C	0 16°34’	9 18°14’	10 15°20’ C	11 23°41’	5 23°41’
27	10 14°24’	5 18°52’	9 16°58’	10 13°51’ C	0 16°44’	9 19°28’	10 15°27’ C	11 23°38’	5 23°38’
28	10 15°24’	6 00°45’	9 17°44’	10 15°43’ C	0 16°54’	9 20°43’	10 15°34’ C	11 23°35’	5 23°35’
29	10 16°25’	6 12°45’	9 18°30’	10 17°36’ C	0 17°05’	9 21°57’	10 15°42’ C	11 23°31’	5 23°31’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF MARCH 2024, 12PM EST

5 ĂĠ	{ĵ■	a ◘◘■	a Ăńŀ	a ś'ń'ĵ'ńF	Wj♫Ğś'n	ë ś■ĵ ŀ	{ ĂĜ'n■	wĂ╚ĵ	Yś Ġ
و	هو 17°25’	ي 24°57’	لآ 19°17’	هو 19°29’ C	ه 17°15’	لآ 23°11’	هو 15°49’ C	وو 23°28’	ي 23°28’
و	هو 18°25’	ﻳ 07°25’	لآ 20°03’	هو 21°24’ C	ه 17°25’	لآ 24°26’	هو 15°56’ C	وو 23°25’	ي 23°25’
ى	هو 19°25’	ﻳ 20°13’	لآ 20°50’	هو 23°19’ C	ه 17°36’	لآ 25°40’	هو 16°03’ C	وو 23°22’	ي 23°22’
ى	هو 20°25’	ﻳ 03°25’	لآ 21°36’	هو 25°15’ C	ه 17°46’	لآ 26°54’	هو 16°11’ C	وو 23°19’	ي 23°19’
ي	هو 21°25’	ﻳ 17°05’	لآ 22°23’	هو 27°11’ C	ه 17°57’	لآ 28°08’	هو 16°18’ C	وو 23°15’	ي 23°15’
ي	هو 22°25’	لآ 01°13’	لآ 23°10’	هو 29°07’ C	ه 18°08’	لآ 29°23’	هو 16°25’ C	وو 23°12’	ي 23°12’
ﻳ	هو 23°25’	لآ 15°47’	لآ 23°56’	وو 01°04’ C	ه 18°19’	هو 00°37’	هو 16°33’ C	وو 23°09’	ي 23°09’
ﻳ	هو 24°26’	هو 00°44’	لآ 24°43’	وو 03°00’ C	ه 18°30’	هو 01°51’	هو 16°40’ C	وو 23°06’	ي 23°06’
لآ	هو 25°26’	هو 15°55’ C	لآ 25°29’	وو 04°56’ C	ه 18°41’	هو 03°06’	هو 16°47’ C	وو 23°03’	ي 23°03’
هو	هو 26°25’	وو 01°10’ C	لآ 26°16’	وو 06°51’ C	ه 18°52’	هو 04°20’	هو 16°55’ C	وو 23°00’	ي 23°00’
وو	هو 27°25’	وو 16°20’	لآ 27°03’	وو 08°46’ C	ه 19°03’	هو 05°34’	هو 17°02’ C	وو 22°56’	ي 22°56’
وو	هو 28°25’	ه 01°14’	لآ 27°49’	وو 10°39’ C	ه 19°15’	هو 06°48’	هو 17°09’ C	وو 22°53’	ي 22°53’
ىو	هو 29°25’	ه 15°47’	لآ 28°36’	وو 12°30’ C	ه 19°26’	هو 08°03’	هو 17°16’ C	وو 22°50’	ي 22°50’
ىو	وو 00°25’	ه 29°54’	لآ 29°22’	وو 14°20’ C	ه 19°38’	هو 09°17’	هو 17°24’ C	وو 22°47’	ي 22°47’
يو	وو 01°25’	و 13°35’	هو 00°09’	وو 16°07’	ه 19°49’	هو 10°31’	هو 17°31’ C	وو 22°44’	ي 22°44’
يو	وو 02°25’	و 26°50’	هو 00°56’	وو 17°50’	ه 20°01’	هو 11°45’	هو 17°38’ C	وو 22°40’	ي 22°40’
ﻳو	وو 03°24’	و 09°42’	هو 01°42’	وو 19°30’	ه 20°13’	هو 13°00’	هو 17°45’	وو 22°37’	ي 22°37’
ﻳو	وو 04°24’	و 22°14’	هو 02°29’	وو 21°07’	ه 20°25’	هو 14°14’	هو 17°52’	وو 22°34’	ي 22°34’
لآو	وو 05°24’	ى 04°31’	هو 03°16’	وو 22°38’	ه 20°37’	هو 15°28’	هو 17°59’	وو 22°31’	ي 22°31’
هو	وو 06°23’	ى 16°36’	هو 04°02’	وو 24°05’	ه 20°49’	هو 16°42’	هو 18°06’	وو 22°28’	ي 22°28’
وو	وو 07°23’	ى 28°32’	هو 04°49’	وو 25°26’	ه 21°01’	هو 17°57’	هو 18°13’	وو 22°25’	ي 22°25’
وو	وو 08°22’	ى 10°24’	هو 05°36’	وو 26°42’	ه 21°13’	هو 19°11’	هو 18°21’	وو 22°21’	ي 22°21’
ىو	وو 09°22’	ى 22°13’	هو 06°22’	وو 27°51’	ه 21°26’	هو 20°25’	هو 18°28’	وو 22°18’	ي 22°18’
ىو	وو 10°21’	ي 04°01’	هو 07°09’	وو 28°54’	ه 21°38’	هو 21°39’	هو 18°35’	وو 22°15’	ي 22°15’
يو	وو 11°21’	ي 15°52’	هو 07°56’	وو 29°51’	ه 21°50’	هو 22°53’	هو 18°42’	وو 22°12’	ي 22°12’
يو	وو 12°20’	ي 27°47’	هو 08°42’	ه 00°40’	ه 22°03’	هو 24°08’	هو 18°48’	وو 22°09’	ي 22°09’
ﻳو	وو 13°19’	ي 09°48’	هو 09°29’	ه 01°22’	ه 22°15’	هو 25°22’	هو 18°55’	وو 22°05’	ي 22°05’
ﻳو	وو 14°19’	ي 21°58’	هو 10°16’	ه 01°57’	ه 22°28’	هو 26°36’	هو 19°02’	وو 22°02’	ي 22°02’
لآو	وو 15°18’	ﻳ 04°19’	هو 11°03’	ه 02°24’	ه 22°41’	هو 27°50’	هو 19°09’	وو 21°59’	ي 21°59’
هى	وو 16°17’	ﻳ 16°54’	هو 11°49’	ه 02°44’	ه 22°53’	هو 29°04’	هو 19°16’	وو 21°56’	ي 21°56’
وى	وو 17°17’	ﻳ 29°46’	هو 12°36’	ه 02°56’	ه 23°06’	وو 00°18’	هو 19°23’	وو 21°53’	ي 21°53’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF APRIL 2024, 12PM EST

5 ĂĠ	{ĵ■	a ◘◘■	a Ăńŀ	a ś'ń'ĵ'ńF	Wj♫Ğś'n	ë ś■ĵ ŀ	{ ĂĜ'n■	wĂ╚ĵ	Yś Ġ
و	وو 18°16’	ﻳ 12°57’	هو 13°23’	ه 03°01’	ه 23°19’	وو 01°33’	هو 19°29’	وو 21°50’	ي 21°50’
و	وو 19°15’	ﻳ 26°29’	هو 14°09’	ه 02°59’ R	ه 23°32’	وو 02°47’	هو 19°36’	وو 21°46’	ي 21°46’
ى	وو 20°14’	لآ 10°25’	هو 14°56’	ه 02°50’ R	ه 23°45’	وو 04°01’	هو 19°43’	وو 21°43’	ي 21°43’
ى	وو 21°13’	لآ 24°43’	هو 15°43’	ه 02°35’ R C	ه 23°58’	وو 05°15’	هو 19°50’	وو 21°40’	ي 21°40’
ي	وو 22°12’	هو 09°22’	هو 16°29’	ه 02°14’ R C	ه 24°11’	وو 06°29’	هو 19°56’	وو 21°37’	ي 21°37’
ي	وو 23°11’	هو 24°16’	هو 17°16’	ه 01°46’ R C	ه 24°24’	وو 07°43’	هو 20°03’	وو 21°34’	ي 21°34’
ﻳ	وو 24°10’	وو 09°19’	هو 18°03’	ه 01°14’ R C	ه 24°38’	وو 08°57’	هو 20°09’	وو 21°30’	ي 21°30’
ﻳ	وو 25°09’	وو 24°22’ C	هو 18°49’	ه 00°38’ R C	ه 24°51’	وو 10°12’	هو 20°16’	وو 21°27’	ي 21°27’
لآ	وو 26°08’	ه 09°16’	هو 19°36’	وو 29°58’ R C	ه 25°04’	وو 11°26’	هو 20°22’	وو 21°24’	ي 21°24’
هو	وو 27°07’	ه 23°54’	هو 20°23’	وو 29°16’ R C	ه 25°17’	وو 12°40’	هو 20°28’	وو 21°21’	ي 21°21’
وو	وو 28°06’	و 08°10’	هو 21°09’	وو 28°32’ R C	ه 25°31’	وو 13°54’	هو 20°35’	وو 21°18’	ي 21°18’
وو	وو 29°05’	و 22°00’	هو 21°56’	وو 27°47’ R C	ه 25°44’	وو 15°08’	هو 20°41’	وو 21°15’	ي 21°15’
ىو	ه 00°04’	و 05°24’	هو 22°42’	وو 27°01’ R C	ه 25°58’	وو 16°22’	هو 20°47’	وو 21°11’	ي 21°11’
ىو	ه 01°03’	و 18°22’	هو 23°29’	وو 26°17’ R C	ه 26°11’	وو 17°36’	هو 20°54’	وو 21°08’	ي 21°08’
يو	ه 02°01’	ى 00°58’	هو 24°16’	وو 25°34’ R C	ه 26°25’	وو 18°50’	هو 21°00’	وو 21°05’	ي 21°05’
يو	ه 03°00’	ى 13°15’	هو 25°02’	وو 24°53’ R C	ه 26°38’	وو 20°04’	هو 21°06’	وو 21°02’	ي 21°02’
ﻳو	ه 03°59’	ى 25°18’	هو 25°49’	وو 24°16’ R C	ه 26°52’	وو 21°18’	هو 21°12’	وو 20°59’	ي 20°59’
ﻳو	ه 04°57’	ى 07°12’	هو 26°35’	وو 23°41’ R C	ه 27°06’	وو 22°32’	هو 21°18’	وو 20°56’	ي 20°56’
لآو	ه 05°56’	ى 19°01’	هو 27°22’	وو 23°11’ R	ه 27°19’	وو 23°46’	هو 21°24’	وو 20°52’	ي 20°52’
هو	ه 06°55’	ي 00°49’	هو 28°08’	وو 22°45’ R	ه 27°33’	وو 25°00’	هو 21°30’	وو 20°49’	ي 20°49’
وو	ه 07°53’	ي 12°39’	هو 28°55’	وو 22°24’ R	ه 27°47’	وو 26°14’	هو 21°36’	وو 20°46’	ي 20°46’
وو	ه 08°52’	ي 24°35’	هو 29°41’	وو 22°07’ R	ه 28°01’	وو 27°28’	هو 21°41’	وو 20°43’	ي 20°43’
ىو	ه 09°50’	ي 06°39’	وو 00°27’	وو 21°56’ R	ه 28°15’	وو 28°42’	هو 21°47’	وو 20°40’	ي 20°40’
ىو	ه 10°48’	ي 18°53’	وو 01°14’	وو 21°49’ R	ه 28°28’	وو 29°56’	هو 21°53’	وو 20°36’	ي 20°36’
يو	ه 11°47’	ﻳ 01°18’	وو 02°00’	وو 21°47’	ه 28°42’	ه 01°10’	هو 21°58’	وو 20°33’	ي 20°33’
يو	ه 12°45’	ﻳ 13°55’	وو 02°46’	وو 21°51’	ه 28°56’	ه 02°24’	هو 22°04’	وو 20°30’	ي 20°30’
ﻳو	ه 13°44’	ﻳ 26°46’	وو 03°33’	وو 21°59’	ه 29°10’	ه 03°38’	هو 22°09’	وو 20°27’	ي 20°27’
ﻳو	ه 14°42’	ﻳ 09°51’	وو 04°19’	وو 22°12’	ه 29°24’	ه 04°52’ C	هو 22°15’	وو 20°24’	ي 20°24’
لآو	ه 15°40’	ﻳ 23°11’	وو 05°05’	وو 22°30’	ه 29°38’	ه 06°06’ C	هو 22°20’	وو 20°21’	ي 20°21’
هى	ه 16°38’	لآ 06°46’	وو 05°52’	وو 22°52’	ه 29°52’	ه 07°20’ C	هو 22°25’	وو 20°17’	ي 20°17’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF MAY 2024, 12PM EST

Date	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu
1	0 17°37’	9 20°36’	11 06°38’	11 23°18’	1 00°06’	0 08°34’ C	10 22°31’	11 20°14’	5 20°14’
2	0 18°35’	10 04°42’	11 07°24’	11 23°49’	1 00°20’	0 09°48’ C	10 22°36’	11 20°11’	5 20°11’
3	0 19°33’	10 19°02’	11 08°10’	11 24°24’	1 00°34’	0 11°02’ C	10 22°41’	11 20°08’	5 20°08’
4	0 20°31’	11 03°34’	11 08°56’	11 25°03’	1 00°48’ C	0 12°15’ C	10 22°46’	11 20°05’	5 20°05’
5	0 21°29’	11 18°14’	11 09°43’	11 25°45’	1 01°02’ C	0 13°29’ C	10 22°51’	11 20°01’	5 20°01’
6	0 22°28’	0 02°56’	11 10°29’	11 26°32’	1 01°16’ C	0 14°43’ C	10 22°56’	11 19°58’	5 19°58’
7	0 23°26’	0 17°34’ C	11 11°15’	11 27°21’	1 01°30’ C	0 15°57’ C	10 23°00’	11 19°55’	5 19°55’
8	0 24°24’	1 02°02’ C	11 12°01’	11 28°14’	1 01°45’ C	0 17°11’ C	10 23°05’	11 19°52’	5 19°52’
9	0 25°22’	1 16°13’	11 12°47’	11 29°10’	1 01°59’ C	0 18°25’ C	10 23°10’	11 19°49’	5 19°49’
10	0 26°20’	2 00°02’	11 13°33’	0 00°09’	1 02°13’ C	0 19°39’ C	10 23°14’	11 19°46’	5 19°46’
11	0 27°18’	2 13°28’	11 14°19’	0 01°12’	1 02°27’ C	0 20°53’ C	10 23°19’	11 19°42’	5 19°42’
12	0 28°16’	2 26°30’	11 15°04’	0 02°17’	1 02°41’ C	0 22°06’ C	10 23°23’	11 19°39’	5 19°39’
13	0 29°14’	3 09°09’	11 15°50’	0 03°25’	1 02°55’ C	0 23°20’ C	10 23°28’	11 19°36’	5 19°36’
14	1 00°11’	3 21°28’	11 16°36’	0 04°35’	1 03°09’ C	0 24°34’ C	10 23°32’	11 19°33’	5 19°33’
15	1 01°09’	4 03°32’	11 17°22’	0 05°48’	1 03°24’ C	0 25°48’ C	10 23°36’	11 19°30’	5 19°30’
16	1 02°07’	4 15°27’	11 18°08’	0 07°04’	1 03°38’ C	0 27°02’ C	10 23°40’	11 19°26’	5 19°26’
17	1 03°05’	4 27°15’	11 18°53’	0 08°22’	1 03°52’ C	0 28°16’ C	10 23°44’	11 19°23’	5 19°23’
18	1 04°03’	5 09°04’	11 19°39’	0 09°43’	1 04°06’ C	0 29°29’ C	10 23°48’	11 19°20’	5 19°20’
19	1 05°00’	5 20°57’	11 20°24’	0 11°07’	1 04°20’ C	1 00°43’ C	10 23°52’	11 19°17’	5 19°17’
20	1 05°58’	6 02°59’	11 21°10’	0 12°32’	1 04°34’ C	1 01°57’ C	10 23°56’	11 19°14’	5 19°14’
21	1 06°56’	6 15°13’	11 21°56’	0 14°00’	1 04°49’ C	1 03°11’ C	10 24°00’	11 19°11’	5 19°11’
22	1 07°54’	6 27°40’	11 22°41’	0 15°31’	1 05°03’ C	1 04°24’ C	10 24°03’	11 19°07’	5 19°07’
23	1 08°51’	7 10°23’	11 23°26’	0 17°03’	1 05°17’ C	1 05°38’ C	10 24°07’	11 19°04’	5 19°04’
24	1 09°49’	7 23°22’	11 24°12’	0 18°38’	1 05°31’ C	1 06°52’ C	10 24°10’	11 19°01’	5 19°01’
25	1 10°46’	8 06°35’	11 24°57’	0 20°16’	1 05°45’ C	1 08°06’ C	10 24°14’	11 18°58’	5 18°58’
26	1 11°44’	8 20°02’	11 25°43’	0 21°55’	1 05°59’ C	1 09°19’ C	10 24°17’	11 18°55’	5 18°55’
27	1 12°42’	9 03°40’	11 26°28’	0 23°37’	1 06°13’ C	1 10°33’ C	10 24°20’	11 18°52’	5 18°52’
28	1 13°39’	9 17°28’	11 27°13’	0 25°22’	1 06°27’ C	1 11°47’ C	10 24°24’	11 18°48’	5 18°48’
29	1 14°37’	10 01°24’	11 27°58’	0 27°08’	1 06°41’ C	1 13°01’ C	10 24°27’	11 18°45’	5 18°45’
30	1 15°34’	10 15°27’	11 28°43’	0 28°57’	1 06°55’ C	1 14°14’ C	10 24°29’	11 18°42’	5 18°42’
31	1 16°32’	10 29°36’	11 29°28’	1 00°49’	1 07°09’ C	1 15°28’ C	10 24°32’	11 18°39’	5 18°39’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF JUNE 2024, 12PM EST

Date	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu
1	1 17°29’	11 13°50’	0 00°13’	1 02°42’	1 07°24’ C	1 16°42’ C	10 24°35’	11 18°36’	5 18°36’
2	1 18°27’	11 28°07’	0 00°58’	1 04°38’ C	1 07°38’ C	1 17°56’ C	10 24°38’	11 18°32’	5 18°32’
3	1 19°24’	0 12°24’	0 01°43’	1 06°35’ C	1 07°52’	1 19°09’ C	10 24°40’	11 18°29’	5 18°29’
4	1 20°22’	0 26°37’	0 02°28’	1 08°35’ C	1 08°05’	1 20°23’ C	10 24°43’	11 18°26’	5 18°26’
5	1 21°19’	1 10°43’ C	0 03°13’	1 10°37’ C	1 08°19’	1 21°37’ C	10 24°45’	11 18°23’	5 18°23’
6	1 22°17’	1 24°37’ C	0 03°58’	1 12°41’ C	1 08°33’	1 22°51’ C	10 24°48’	11 18°20’	5 18°20’
7	1 23°14’	2 08°14’	0 04°42’	1 14°46’ C	1 08°47’	1 24°04’ C	10 24°50’	11 18°17’	5 18°17’
8	1 24°12’	2 21°32’	0 05°27’	1 16°54’ C	1 09°01’	1 25°18’ C	10 24°52’	11 18°13’	5 18°13’
9	1 25°09’	3 04°29’	0 06°12’	1 19°02’ C	1 09°15’	1 26°32’ C	10 24°54’	11 18°10’	5 18°10’
10	1 26°06’	3 17°06’	0 06°56’	1 21°12’ C	1 09°29’	1 27°46’ C	10 24°56’	11 18°07’	5 18°07’
11	1 27°04’	3 29°25’	0 07°41’	1 23°23’ C	1 09°43’	1 28°59’ C	10 24°58’	11 18°04’	5 18°04’
12	1 28°01’	4 11°29’	0 08°25’	1 25°34’ C	1 09°56’	2 00°13’ C	10 24°59’	11 18°01’	5 18°01’
13	1 28°58’	4 23°24’	0 09°09’	1 27°46’ C	1 10°10’	2 01°27’ C	10 25°01’	11 17°57’	5 17°57’
14	1 29°56’	5 05°13’	0 09°54’	1 29°58’ C	1 10°24’	2 02°40’ C	10 25°03’	11 17°54’	5 17°54’
15	2 00°53’	5 17°02’	0 10°38’	2 02°10’ C	1 10°37’	2 03°54’ C	10 25°04’	11 17°51’	5 17°51’
16	2 01°50’	5 28°58’	0 11°22’	2 04°21’ C	1 10°51’	2 05°08’ C	10 25°05’	11 17°48’	5 17°48’
17	2 02°48’	6 11°03’	0 12°06’	2 06°32’ C	1 11°05’	2 06°22’ C	10 25°07’	11 17°45’	5 17°45’
18	2 03°45’	6 23°24’	0 12°50’	2 08°42’ C	1 11°18’	2 07°35’ C	10 25°08’	11 17°42’	5 17°42’
19	2 04°42’	7 06°03’	0 13°34’	2 10°51’ C	1 11°32’	2 08°49’ C	10 25°09’	11 17°38’	5 17°38’
20	2 05°39’	7 19°02’	0 14°18’	2 12°58’ C	1 11°45’	2 10°03’ C	10 25°10’	11 17°35’	5 17°35’
21	2 06°37’	8 02°21’	0 15°02’	2 15°05’ C	1 11°59’	2 11°16’ C	10 25°11’	11 17°32’	5 17°32’
22	2 07°34’	8 15°58’	0 15°46’	2 17°09’ C	1 12°12’	2 12°30’ C	10 25°11’	11 17°29’	5 17°29’
23	2 08°31’	8 29°50’	0 16°29’	2 19°12’ C	1 12°25’	2 13°44’ C	10 25°12’	11 17°26’	5 17°26’
24	2 09°28’	9 13°53’	0 17°13’	2 21°13’ C	1 12°39’	2 14°58’ C	10 25°13’	11 17°22’	5 17°22’
25	2 10°25’	9 28°02’	0 17°57’	2 23°12’ C	1 12°52’	2 16°11’ C	10 25°13’	11 17°19’	5 17°19’
26	2 11°23’	10 12°14’	0 18°40’	2 25°09’ C	1 13°05’	2 17°25’ C	10 25°13’	11 17°16’	5 17°16’
27	2 12°20’	10 26°26’	0 19°24’	2 27°03’	1 13°18’	2 18°39’ C	10 25°14’	11 17°13’	5 17°13’
28	2 13°17’	11 10°36’	0 20°07’	2 28°56’	1 13°32’	2 19°52’ C	10 25°14’	11 17°10’	5 17°10’
29	2 14°14’	11 24°42’	0 20°50’	3 00°47’	1 13°45’	2 21°06’ C	10 25°14’	11 17°07’	5 17°07’
30	2 15°11’	0 08°43’	0 21°34’	3 02°36’	1 13°58’	2 22°20’ C	10 25°14’ R	11 17°03’	5 17°03’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF JULY 2024, 12PM EST

5 ĂĠ	{ĵ ■	a ◘◘■	a Ăŕł	a ś'ŕĵ 'ŕF	Ŵ♫Ğ'n	ë ś■ĵ ℓ	{ĂĢ'n■	wĂ╚ĵ	YśĠ
و	و 16°09’	ﻬ 22°39’	ﻬ 22°17’	ی 04°22’	و 14°11’	و 23°34’ C	ھو 25°14’ R	وو 17°00’	ي 17°00’
و	و 17°06’	و 06°28’	ﻬ 23°00’	ی 06°07’	و 14°24’	و 24°47’ C	ھو 25°13’ R	وو 16°57’	ي 16°57’
ی	و 18°03’	و 20°09’	ﻬ 23°43’	ی 07°49’	و 14°37’	و 26°01’ C	ھو 25°13’ R	وو 16°54’	ي 16°54’
ی	و 19°00’	و 03°39’	ﻬ 24°26’	ی 09°29’	و 14°49’	و 27°15’ C	ھو 25°13’ R	وو 16°51’	ي 16°51’
ي	و 19°58’	و 16°56’ C	ﻬ 25°09’	ی 11°07’	و 15°02’	و 28°28’ C	ھو 25°12’ R	وو 16°48’	ي 16°48’
ي	و 20°55’	و 29°58’ C	ﻬ 25°52’	ی 12°43’	و 15°15’	و 29°42’ C	ھو 25°11’ R	وو 16°44’	ي 16°44’
ۑ	و 21°52’	ی 12°43’	ﻬ 26°34’	ی 14°17’	و 15°27’	ی 00°56’ C	ھو 25°11’ R	وو 16°41’	ي 16°41’
ۑ	و 22°49’	ی 25°12’	ﻬ 27°17’	ی 15°49’	و 15°40’	ی 02°10’ C	ھو 25°10’ R	وو 16°38’	ي 16°38’
لآ	و 23°46’	ی 07°25’	ﻬ 27°59’	ی 17°18’	و 15°53’	ی 03°23’ C	ھو 25°09’ R	وو 16°35’	ي 16°35’
ھو	و 24°44’	ی 19°27’	ﻬ 28°42’	ی 18°45’	و 16°05’	ی 04°37’ C	ھو 25°08’ R	وو 16°32’	ي 16°32’
وو	و 25°41’	ي 01°19’	ﻬ 29°24’	ی 20°10’	و 16°17’	ی 05°51’	ھو 25°07’ R	وو 16°28’	ي 16°28’
وو	و 26°38’	ي 13°07’	و 00°07’	ی 21°33’	و 16°30’	ی 07°05’	ھو 25°05’ R	وو 16°25’	ي 16°25’
یو	و 27°35’	ي 24°56’	و 00°49’	ی 22°53’	و 16°42’	ی 08°18’	ھو 25°04’ R	وو 16°22’	ي 16°22’
یو	و 28°33’	ي 06°52’	و 01°31’	ی 24°12’	و 16°54’	ی 09°32’	ھو 25°03’ R	وو 16°19’	ي 16°19’
يو	و 29°30’	ي 18°59’	و 02°13’	ی 25°27’	و 17°06’	ی 10°46’	ھو 25°01’ R	وو 16°16’	ي 16°16’
يو	ی 00°27’	ۑ 01°23’	و 02°55’	ی 26°41’	و 17°18’	ی 12°00’	ھو 24°59’ R	وو 16°13’	ي 16°13’
ۑو	ی 01°24’	ۑ 14°07’	و 03°37’	ی 27°51’	و 17°30’	ی 13°13’	ھو 24°58’ R	وو 16°09’	ي 16°09’
ۑو	ی 02°21’	ۑ 27°15’	و 04°19’	ی 29°00’	و 17°42’	ی 14°27’	ھو 24°56’ R	وو 16°06’	ي 16°06’
لآو	ی 03°19’	ۑ 10°48’	و 05°00’	ی 00°05’	و 17°54’	ی 15°41’	ھو 24°54’ R	وو 16°03’	ي 16°03’
ھو	ی 04°16’	ۑ 24°43’	و 05°42’	ی 01°08’	و 18°06’	ی 16°54’	ھو 24°52’ R	وو 16°00’	ي 16°00’
وو	ی 05°13’	لآ 08°58’	و 06°24’	ی 02°08’	و 18°17’	ی 18°08’	ھو 24°50’ R	وو 15°57’	ي 15°57’
وو	ی 06°10’	لآ 23°25’	و 07°05’	ی 03°05’	و 18°29’	ی 19°22’	ھو 24°48’ R	وو 15°53’	ي 15°53’
یو	ی 07°08’	ھو 08°00’	و 07°46’	ی 03°59’	و 18°40’	ی 20°35’	ھو 24°46’ R	وو 15°50’	ي 15°50’
یو	ی 08°05’	ھو 22°35’	و 08°28’	ی 04°50’	و 18°52’	ی 21°49’	ھو 24°43’ R	وو 15°47’	ي 15°47’
يو	ی 09°02’	وو 07°05’	و 09°09’	ی 05°37’	و 19°03’	ی 23°03’	ھو 24°41’ R	وو 15°44’	ي 15°44’
يو	ی 10°00’	وو 21°26’	و 09°50’	ی 06°21’	و 19°14’	ی 24°17’	ھو 24°38’ R	وو 15°41’	ي 15°41’
ۑو	ی 10°57’	ﻬ 05°35’	و 10°31’	ی 07°02’	و 19°26’	ی 25°30’	ھو 24°36’ R	وو 15°38’	ي 15°38’
ۑو	ی 11°54’	ﻬ 19°32’	و 11°12’	ی 07°38’	و 19°37’	ی 26°44’	ھو 24°33’ R	وو 15°34’	ي 15°34’
لآو	ی 12°52’	و 03°16’	و 11°53’	ی 08°11’	و 19°48’	ی 27°58’	ھو 24°30’ R	وو 15°31’	ي 15°31’
ھی	ی 13°49’	و 16°48’	و 12°33’	ی 08°40’	و 19°58’	ی 29°11’	ھو 24°27’ R	وو 15°28’	ي 15°28’
وی	ی 14°46’	و 00°08’	و 13°14’	ی 09°04’	و 20°09’	ی 00°25’	ھو 24°25’ R	وو 15°25’	ي 15°25’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF AUGUST 2024, 12PM EST

5 ĂĠ	{ĵ ■	a ◘◘■	a Ăŕł	a ś'ŕĵ 'ŕF	Ŵ♫Ğ'n	ë ś■ĵ ℓ	{ĂĢ'n■	wĂ╚ĵ	YśĠ
و	ی 15°44’	و 13°16’	و 13°54’	ی 09°23’	و 20°20’	ی 01°39’	ھو 24°22’ R	وو 15°22’	ي 15°22’
و	ی 16°41’	و 26°10’	و 14°35’	ی 09°38’	و 20°31’	ی 02°52’	ھو 24°19’ R	وو 15°18’	ي 15°18’
ی	ی 17°39’	ی 08°52’ C	و 15°15’	ی 09°49’	و 20°41’	ی 04°06’	ھو 24°15’ R	وو 15°15’	ي 15°15’
ی	ی 18°36’	ی 21°21’ C	و 15°55’	ی 09°54’	و 20°51’	ی 05°20’	ھو 24°12’ R	وو 15°12’	ي 15°12’
ي	ی 19°34’	ی 03°38’	و 16°36’	ی 09°54’ R	و 21°02’	ی 06°34’	ھو 24°09’ R	وو 15°09’	ي 15°09’
ي	ی 20°31’	ی 15°43’	و 17°15’	ی 09°48’ R	و 21°12’	ی 07°47’	ھو 24°05’ R	وو 15°06’	ي 15°06’
ۑ	ی 21°29’	ی 27°39’	و 17°55’	ی 09°38’ R	و 21°22’	ی 09°01’	ھو 24°02’ R	وو 15°03’	ي 15°03’
ۑ	ی 22°26’	ي 09°29’	و 18°35’	ی 09°22’ R	و 21°32’	ی 10°15’	ھو 23°59’ R	وو 14°59’	ي 14°59’
لآ	ی 23°24’	ي 21°15’	و 19°15’	ی 09°00’ R	و 21°42’	ی 11°28’	ھو 23°55’ R	وو 14°56’	ي 14°56’
ھو	ی 24°21’	ي 03°03’	و 19°54’	ی 08°34’ R	و 21°52’	ی 12°42’	ھو 23°51’ R	وو 14°53’	ي 14°53’
وو	ی 25°19’	ي 14°58’	و 20°34’	ی 08°02’ R	و 22°01’	ی 13°56’	ھو 23°48’ R	وو 14°50’	ي 14°50’
وو	ی 26°16’	ي 27°04’	و 21°13’	ی 07°26’ R C	و 22°11’	ی 15°09’	ھو 23°44’ R	وو 14°47’	ي 14°47’
یو	ی 27°14’	ۑ 09°26’	و 21°52’	ی 06°46’ R C	و 22°20’	ی 16°23’	ھو 23°40’ R	وو 14°44’	ي 14°44’
یو	ی 28°12’	ۑ 22°10’	و 22°31’	ی 06°02’ R C	و 22°29’	ی 17°36’	ھو 23°36’ R	وو 14°40’	ي 14°40’
يو	ی 29°09’	ۑ 05°20’	و 23°10’	ی 05°15’ R C	و 22°39’	ی 18°50’	ھو 23°32’ R	وو 14°37’	ي 14°37’
يو	ی 00°07’	ۑ 18°56’	و 23°49’	ی 04°25’ R C	و 22°48’	ی 20°04’	ھو 23°28’ R	وو 14°34’	ي 14°34’
ۑو	ی 01°05’	لآ 02°59’	و 24°28’	ی 03°34’ R C	و 22°56’	ی 21°17’	ھو 23°24’ R	وو 14°31’	ي 14°31’
ۑو	ی 02°02’	لآ 17°25’	و 25°07’	ی 02°43’ R C	و 23°05’	ی 22°31’	ھو 23°20’ R	وو 14°28’	ي 14°28’
لآو	ی 03°00’	ھو 02°10’	و 25°45’	ی 01°51’ R C	و 23°14’	ی 23°44’	ھو 23°16’ R	وو 14°24’	ي 14°24’
ھو	ی 03°58’	ھو 17°06’	و 26°24’	ی 01°02’ R C	و 23°23’	ی 24°58’	ھو 23°12’ R	وو 14°21’	ي 14°21’
وو	ی 04°56’	وو 02°03’	و 27°02’	ی 00°15’ R C	و 23°31’	ی 26°12’	ھو 23°08’ R	وو 14°18’	ي 14°18’
وو	ی 05°53’	وو 16°55’	و 27°40’	ی 29°32’ R C	و 23°39’	ی 27°25’	ھو 23°03’ R	وو 14°15’	ي 14°15’
یو	ی 06°51’	ﻬ 01°34’	و 28°18’	ی 28°53’ R C	و 23°47’	ی 28°39’	ھو 22°59’ R	وو 14°12’	ي 14°12’
یو	ی 07°49’	ﻬ 15°57’	و 28°56’	ی 28°19’ R C	و 23°55’	ی 29°52’	ھو 22°55’ R	وو 14°09’	ي 14°09’
يو	ی 08°47’	و 00°00’	و 29°34’	ی 27°52’ R C	و 24°03’	ي 01°06’	ھو 22°50’ R	وو 14°05’	ي 14°05’
يو	ی 09°45’	و 13°44’	و 00°11’	ی 27°31’ R	و 24°11’	ي 02°19’	ھو 22°46’ R	وو 14°02’	ي 14°02’
ۑو	ی 10°43’	و 27°08’	و 00°49’	ی 27°18’ R	و 24°19’	ي 03°33’	ھو 22°42’ R	وو 13°59’	ي 13°59’
ۑو	ی 11°41’	و 10°15’	و 01°26’	ی 27°13’ R	و 24°26’	ي 04°46’	ھو 22°37’ R	وو 13°56’	ي 13°56’
لآو	ی 12°39’	و 23°06’	و 02°04’	ی 27°15’	و 24°33’	ي 06°00’	ھو 22°33’ R	وو 13°53’	ي 13°53’
ھی	ی 13°37’	ی 05°43’	و 02°41’	ی 27°26’	و 24°41’	ي 07°13’	ھو 22°28’ R	وو 13°49’	ي 13°49’
وی	ی 14°35’	ی 18°08’	و 03°18’	ی 27°46’	و 24°48’	ي 08°27’	ھو 22°24’ R	وو 13°46’	ي 13°46’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF SEPTEMBER 2024, 12PM EST

Date	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu
1	4 15°33’	4 00°21’	2 03°54’	3 28°13’	1 24°54’	5 09°40’	10 22°19’ R	11 13°43’	5 13°43’
2	4 16°31’	4 12°25’ C	2 04°31’	3 28°49’	1 25°01’	5 10°54’	10 22°15’ R	11 13°40’	5 13°40’
3	4 17°29’	4 24°21’ C	2 05°08’	3 29°33’	1 25°08’	5 12°07’	10 22°10’ R	11 13°37’	5 13°37’
4	4 18°27’	5 06°12’	2 05°44’	4 00°24’	1 25°14’	5 13°20’	10 22°05’ R	11 13°34’	5 13°34’
5	4 19°25’	5 17°59’	2 06°20’	4 01°23’	1 25°20’	5 14°34’	10 22°01’ R	11 13°30’	5 13°30’
6	4 20°24’	5 29°45’	2 06°56’	4 02°29’	1 25°26’	5 15°47’	10 21°56’ R	11 13°27’	5 13°27’
7	4 21°22’	6 11°34’	2 07°32’	4 03°42’	1 25°32’	5 17°01’	10 21°52’ R	11 13°24’	5 13°24’
8	4 22°20’	6 23°29’	2 08°08’	4 05°01’	1 25°38’	5 18°14’	10 21°47’ R	11 13°21’	5 13°21’
9	4 23°18’	7 05°35’	2 08°44’	4 06°25’	1 25°44’	5 19°27’	10 21°42’ R	11 13°18’	5 13°18’
10	4 24°17’	7 17°56’	2 09°19’	4 07°54’	1 25°49’	5 20°41’	10 21°38’ R	11 13°14’	5 13°14’
11	4 25°15’	8 00°37’	2 09°54’	4 09°27’	1 25°54’	5 21°54’	10 21°33’ R	11 13°11’	5 13°11’
12	4 26°13’	8 13°41’	2 10°29’	4 11°05’	1 26°00’	5 23°07’	10 21°29’ R	11 13°08’	5 13°08’
13	4 27°12’	8 27°11’	2 11°04’	4 12°45’	1 26°05’	5 24°21’	10 21°24’ R	11 13°05’	5 13°05’
14	4 28°10’	9 11°10’	2 11°39’	4 14°29’ C	1 26°09’	5 25°34’	10 21°19’ R	11 13°02’	5 13°02’
15	4 29°09’	9 25°34’	2 12°14’	4 16°15’ C	1 26°14’	5 26°47’	10 21°15’ R	11 12°59’	5 12°59’
16	5 00°07’	10 10°22’	2 12°48’	4 18°02’ C	1 26°18’	5 28°00’	10 21°10’ R	11 12°55’	5 12°55’
17	5 01°06’	10 25°26’	2 13°22’	4 19°51’ C	1 26°23’	5 29°13’	10 21°06’ R	11 12°52’	5 12°52’
18	5 02°04’	11 10°37’	2 13°56’	4 21°42’ C	1 26°27’	6 00°27’	10 21°01’ R	11 12°49’	5 12°49’
19	5 03°03’	11 25°46’	2 14°30’	4 23°32’ C	1 26°30’	6 01°40’	10 20°57’ R	11 12°46’	5 12°46’
20	5 04°01’	0 10°44’	2 15°04’	4 25°24’ C	1 26°34’	6 02°53’	10 20°53’ R	11 12°43’	5 12°43’
21	5 05°00’	0 25°24’	2 15°37’	4 27°15’ C	1 26°38’	6 04°06’	10 20°48’ R	11 12°40’	5 12°40’
22	5 05°59’	1 09°41’	2 16°11’	4 29°07’ C	1 26°41’	6 05°19’	10 20°44’ R	11 12°36’	5 12°36’
23	5 06°57’	1 23°33’	2 16°44’	5 00°58’ C	1 26°44’	6 06°32’	10 20°39’ R	11 12°33’	5 12°33’
24	5 07°56’	2 07°00’	2 17°17’	5 02°49’ C	1 26°47’	6 07°45’	10 20°35’ R	11 12°30’	5 12°30’
25	5 08°55’	2 20°03’	2 17°49’	5 04°39’ C	1 26°50’	6 08°58’	10 20°31’ R	11 12°27’	5 12°27’
26	5 09°54’	3 02°47’	2 18°22’	5 06°29’ C	1 26°52’	6 10°12’	10 20°27’ R	11 12°24’	5 12°24’
27	5 10°53’	3 15°13’	2 18°54’	5 08°18’ C	1 26°55’	6 11°25’	10 20°23’ R	11 12°20’	5 12°20’
28	5 11°52’	3 27°25’	2 19°26’	5 10°07’ C	1 26°57’	6 12°38’	10 20°18’ R	11 12°17’	5 12°17’
29	5 12°51’	4 09°27’	2 19°58’	5 11°55’ C	1 26°59’	6 13°51’	10 20°14’ R	11 12°14’	5 12°14’
30	5 13°49’	4 21°21’	2 20°30’	5 13°42’ C	1 27°01’	6 15°04’	10 20°10’ R	11 12°11’	5 12°11’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF OCTOBER 2024, 12PM EST

Date	Sun	Moon	Mars	Mercury	Jupiter	Venus	Saturn	Rahu	Ketu
1	5 14°48’	5 03°11’ C	2 21°01’	5 15°28’ C	1 27°02’	6 16°17’	10 20°06’ R	11 12°08’	5 12°08’
2	5 15°48’	5 14°58’ C	2 21°33’	5 17°13’ C	1 27°04’	6 17°30’	10 20°02’ R	11 12°05’	5 12°05’
3	5 16°47’	5 26°45’ C	2 22°03’	5 18°58’ C	1 27°05’	6 18°42’	10 19°59’ R	11 12°01’	5 12°01’
4	5 17°46’	6 08°35’	2 22°34’	5 20°42’ C	1 27°06’	6 19°55’	10 19°55’ R	11 11°58’	5 11°58’
5	5 18°45’	6 20°28’	2 23°05’	5 22°24’ C	1 27°07’	6 21°08’	10 19°51’ R	11 11°55’	5 11°55’
6	5 19°44’	7 02°29’	2 23°35’	5 24°06’ C	1 27°07’	6 22°21’	10 19°47’ R	11 11°52’	5 11°52’
7	5 20°43’	7 14°40’	2 24°05’	5 25°48’ C	1 27°08’	6 23°34’	10 19°44’ R	11 11°49’	5 11°49’
8	5 21°43’	7 27°03’	2 24°34’	5 27°28’ C	1 27°08’	6 24°47’	10 19°40’ R	11 11°45’	5 11°45’
9	5 22°42’	8 09°43’	2 25°04’	5 29°08’ C	1 27°08’ R	6 26°00’	10 19°37’ R	11 11°42’	5 11°42’
10	5 23°41’	8 22°42’	2 25°33’	6 00°47’ C	1 27°08’ R	6 27°12’	10 19°33’ R	11 11°39’	5 11°39’
11	5 24°40’	9 06°04’	2 26°02’	6 02°25’ C	1 27°08’ R	6 28°25’	10 19°30’ R	11 11°36’	5 11°36’
12	5 25°40’	9 19°51’	2 26°31’	6 04°02’ C	1 27°07’ R	6 29°38’	10 19°27’ R	11 11°33’	5 11°33’
13	5 26°39’	10 04°03’	2 26°59’	6 05°39’ C	1 27°06’ R	7 00°50’	10 19°24’ R	11 11°30’	5 11°30’
14	5 27°39’	10 18°38’	2 27°27’	6 07°15’ C	1 27°05’ R	7 02°03’	10 19°20’ R	11 11°26’	5 11°26’
15	5 28°38’	11 03°34’	2 27°55’	6 08°50’ C	1 27°04’ R	7 03°16’	10 19°17’ R	11 11°23’	5 11°23’
16	5 29°38’	11 18°42’	2 28°22’	6 10°25’ C	1 27°03’ R	7 04°28’	10 19°15’ R	11 11°20’	5 11°20’
17	6 00°37’	0 03°54’	2 28°49’	6 11°59’ C	1 27°01’ R	7 05°41’	10 19°12’ R	11 11°17’	5 11°17’
18	6 01°37’	0 19°01’	2 29°16’	6 13°32’ C	1 26°59’ R	7 06°53’	10 19°09’ R	11 11°14’	5 11°14’
19	6 02°36’	1 03°54’	2 29°43’	6 15°05’ C	1 26°57’ R	7 08°06’	10 19°06’ R	11 11°10’	5 11°10’
20	6 03°36’	1 18°24’	3 00°09’	6 16°37’ C	1 26°55’ R	7 09°18’	10 19°04’ R	11 11°07’	5 11°07’
21	6 04°35’	2 02°27’	3 00°35’	6 18°09’ C	1 26°53’ R	7 10°31’	10 19°01’ R	11 11°04’	5 11°04’
22	6 05°35’	2 16°03’	3 01°01’	6 19°40’	1 26°50’ R	7 11°43’	10 18°59’ R	11 11°01’	5 11°01’
23	6 06°35’	2 29°11’	3 01°26’	6 21°10’	1 26°47’ R	7 12°56’	10 18°56’ R	11 10°58’	5 10°58’
24	6 07°35’	3 11°54’	3 01°51’	6 22°40’	1 26°44’ R	7 14°08’	10 18°54’ R	11 10°55’	5 10°55’
25	6 08°34’	3 24°17’	3 02°15’	6 24°09’	1 26°41’ R	7 15°20’	10 18°52’ R	11 10°51’	5 10°51’
26	6 09°34’	4 06°24’	3 02°39’	6 25°38’	1 26°38’ R	7 16°33’	10 18°50’ R	11 10°48’	5 10°48’
27	6 10°34’	4 18°20’	3 03°03’	6 27°06’	1 26°34’ R	7 17°45’	10 18°48’ R	11 10°45’	5 10°45’
28	6 11°34’	5 00°09’	3 03°26’	6 28°33’	1 26°30’ R	7 18°57’	10 18°46’ R	11 10°42’	5 10°42’
29	6 12°34’	5 11°56’	3 03°50’	7 00°00’	1 26°26’ R	7 20°09’	10 18°44’ R	11 10°39’	5 10°39’
30	6 13°34’	5 23°43’	3 04°12’	7 01°26’	1 26°22’ R	7 21°21’	10 18°42’ R	11 10°36’	5 10°36’
31	6 14°34’	6 05°33’ C	3 04°34’	7 02°52’	1 26°18’ R	7 22°34’	10 18°41’ R	11 10°32’	5 10°32’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF NOVEMBER 2024, 12PM EST

5 ĂĠ	{ĵ ■	a ◘◘■	a Ăŋ	a ś’ŋ’ĵ’ŋF	Ŵ♫Ĝś’n	ë ś■ĵ ł	{ĂĜ’n■	wĂ╝ĵ	YśĠ
و	ي 15°34’	ي 17°30’ C	ى04°56’	ﻳ 04°16’	و 26°14’ R	ﻳ 23°46’	ھو 18°39’ R	وو 10°29’	ي 10°29’
و	ي 16°34’	ي 29°33’	ى05°17’	ﻳ 05°40’	و 26°09’ R	ﻳ 24°58’	ھو 18°38’ R	وو 10°26’	ي 10°26’
ى	ي 17°34’	ﻳ 11°45’	ى05°38’	ﻳ 07°04’	و 26°04’ R	ﻳ 26°10’	ھو 18°37’ R	وو 10°23’	ي 10°23’
ى	ي 18°34’	ﻳ 24°08’	ى05°59’	ﻳ 08°26’	و 25°59’ R	ﻳ 27°22’	ھو 18°36’ R	وو 10°20’	ي 10°20’
ي	ي 19°35’	ﻳ 06°42’	ى06°19’	ﻳ 09°47’	و 25°54’ R	ﻳ 28°34’	ھو 18°34’ R	وو 10°16’	ي 10°16’
ي	ي 20°35’	ﻳ 19°29’	ى06°38’	ﻳ 11°08’	و 25°48’ R	ﻳ 29°45’	ھو 18°33’ R	وو 10°13’	ي 10°13’
ﻳ	ي 21°35’	ﻵ 02°31’	ى06°57’	ﻳ 12°27’	و 25°43’ R	ﻳ 00°57’	ھو 18°33’ R	وو 10°10’	ي 10°10’
ﻳ	ي 22°35’	ﻵ 15°50’	ى07°16’	ﻳ 13°45’	و 25°37’ R	ﻳ 02°09’	ھو 18°32’ R	وو 10°07’	ي 10°07’
ﻵ	ي 23°35’	ﻵ 29°27’	ى07°34’	ﻳ 15°01’	و 25°31’ R	ﻳ 03°21’	ھو 18°31’ R	وو 10°04’	ي 10°04’
ھو	ي 24°36’	ھو 13°24’	ى07°52’	ﻳ 16°16’	و 25°25’ R	ﻳ 04°32’	ھو 18°31’ R	وو 10°01’	ي 10°01’
وو	ي 25°36’	ھو 27°40’	ى08°09’	ﻳ 17°30’	و 25°19’ R	ﻳ 05°44’	ھو 18°30’ R	وو 09°57’	ي 09°57’
وو	ي 26°36’	وو 12°16’	ى08°26’	ﻳ 18°41’	و 25°13’ R	ﻳ 06°56’	ھو 18°30’ R	وو 09°54’	ي 09°54’
ىو	ي 27°37’	وو 27°05’	ى08°42’	ﻳ 19°50’	و 25°07’ R	ﻳ 08°07’	ھو 18°30’ R	وو 09°51’	ي 09°51’
ىو	ي 28°37’	ﻬ 12°03’	ى08°57’	ﻳ 20°57’	و 25°00’ R	ﻳ 09°18’	ھو 18°29’ R	وو 09°48’	ي 09°48’
يو	ي 29°38’	ﻬ 27°02’	ى09°12’	ﻳ 22°01’	و 24°54’ R	ﻳ 10°30’	ھو 18°29’	وو 09°45’	ي 09°45’
يو	ﻳ 00°38’	و 11°52’	ى09°27’	ﻳ 23°02’	و 24°47’ R	ﻳ 11°41’	ھو 18°29’	وو 09°41’	ي 09°41’
ﻳو	ﻳ 01°39’	و 26°25’	ى09°40’	ﻳ 24°00’	و 24°40’ R	ﻳ 12°52’	ھو 18°30’	وو 09°38’	ي 09°38’
ﻳو	ﻳ 02°39’	و 10°34’	ى09°54’	ﻳ 24°53’	و 24°33’ R	ﻳ 14°03’	ھو 18°30’	وو 09°35’	ي 09°35’
ﻵو	ﻳ 03°40’	و 24°16’	ى10°06’	ﻳ 25°42’	و 24°26’ R	ﻳ 15°14’	ھو 18°30’	وو 09°32’	ي 09°32’
ھو	ﻳ 04°40’	ى07°31’	ى10°18’	ﻳ 26°26’	و 24°18’ R	ﻳ 16°25’	ھو 18°31’	وو 09°29’	ي 09°29’
وو	ﻳ 05°41’	ى20°19’	ى10°30’	ﻳ 27°05’	و 24°11’ R	ﻳ 17°36’	ھو 18°31’	وو 09°26’	ي 09°26’
وو	ﻳ 06°41’	ى02°44’	ى10°41’	ﻳ 27°37’	و 24°04’ R	ﻳ 18°47’	ھو 18°32’	وو 09°22’	ي 09°22’
ىو	ﻳ 07°42’	ى14°52’	ى10°51’	ﻳ 28°02’	و 23°56’ R	ﻳ 19°58’	ھو 18°33’	وو 09°19’	ي 09°19’
ىو	ﻳ 08°43’	ى26°47’	ى11°00’	ﻳ 28°19’	و 23°48’ R	ﻳ 21°09’	ھو 18°34’	وو 09°16’	ي 09°16’
يو	ﻳ 09°43’	ي08°35’	ى11°09’	ﻳ 28°27’	و 23°41’ R	ﻳ 22°19’	ھو 18°35’	وو 09°13’	ي 09°13’
يو	ﻳ 10°44’	ي20°21’	ى11°17’	ﻳ 28°26’ R	و 23°33’ R	ﻳ 23°30’	ھو 18°36’	وو 09°10’	ي 09°10’
ﻳو	ﻳ 11°45’	ي02°10’	ى11°25’	ﻳ 28°15’ R	و 23°25’ R	ﻳ 24°40’	ھو 18°37’	وو 09°06’	ي 09°06’
ﻳو	ﻳ 12°46’	ي14°05’	ى11°31’	ﻳ 27°53’ R	و 23°17’ R	ﻳ 25°51’	ھو 18°38’	وو 09°03’	ي 09°03’
ﻵو	ﻳ 13°46’	ي26°10’	ى11°37’	ﻳ 27°21’ R	و 23°09’ R	ﻳ 27°01’	ھو 18°40’	وو 09°00’	ي 09°00’
ھى	ﻳ 14°47’	ﻳ 08°26’ C	ى11°43’	ﻳ 26°37’ R C	و 23°01’ R	ﻳ 28°11’	ھو 18°41’	وو 08°57’	ي 08°57’

PLANETARY POSITION FOR THE MONTH OF DECEMBER 2024, 12PM EST

5 ĂĠ	{ĵ ■	a ◘◘■	a Ăŋ	a ś’ŋ’ĵ’ŋF	Ŵ♫Ĝś’n	ë ś■ĵ ł	{ĂĜ’n■	wĂ╝ĵ	YśĠ
و	ﻳ 15°48’	ﻳ 20°54’ C	ى11°47’	ﻳ 25°43’ R C	و 22°53’ R	ﻳ 29°21’	ھو 18°43’	وو 08°54’	ي 08°54’
و	ﻳ 16°49’	ﻳ 03°35’	ى11°51’	ﻳ 24°39’ R C	و 22°45’ R	ﻵ 00°31’	ھو 18°45’	وو 08°51’	ي 08°51’
ى	ﻳ 17°50’	ﻳ 16°28’	ى11°54’	ﻳ 23°27’ R C	و 22°37’ R	ﻵ 01°41’	ھو 18°47’	وو 08°47’	ي 08°47’
ى	ﻳ 18°51’	ﻳ 29°33’	ى11°56’	ﻳ 22°08’ R C	و 22°29’ R	ﻵ 02°51’	ھو 18°49’	وو 08°44’	ي 08°44’
ي	ﻳ 19°51’	ﻵ 12°49’	ى11°57’	ﻳ 20°47’ R C	و 22°21’ R	ﻵ 04°00’	ھو 18°51’	وو 08°41’	ي 08°41’
ي	ﻳ 20°52’	ﻵ 26°16’	ى11°58’	ﻳ 19°24’ R C	و 22°12’ R	ﻵ 05°10’	ھو 18°53’	وو 08°38’	ي 08°38’
ﻳ	ﻳ 21°53’	ھو 09°54’	ى 11°58’ R	ﻳ 18°03’ R C	و 22°04’ R	ﻵ 06°19’	ھو 18°55’	وو 08°35’	ي 08°35’
ﻳ	ﻳ 22°54’	ھو 23°44’	ى 11°57’ R	ﻳ 16°46’ R C	و 21°56’ R	ﻵ 07°28’	ھو 18°58’	وو 08°32’	ي 08°32’
ﻵ	ﻳ 23°55’	وو 07°47’	ى 11°55’ R	ﻳ 15°36’ R C	و 21°48’ R	ﻵ 08°38’	ھو 19°00’	وو 08°28’	ي 08°28’
ھو	ﻳ 24°56’	وو 22°02’	ى 11°52’ R	ﻳ 14°35’ R C	و 21°40’ R	ﻵ 09°47’	ھو 19°03’	وو 08°25’	ي 08°25’
وو	ﻳ 25°57’	ﻬ 06°27’	ى 11°49’ R	ﻳ 13°44’ R	و 21°32’ R	ﻵ 10°55’	ھو 19°05’	وو 08°22’	ي 08°22’
وو	ﻳ 26°58’	ﻬ 21°00’	ى 11°45’ R	ﻳ 13°05’ R	و 21°23’ R	ﻵ 12°04’	ھو 19°08’	وو 08°19’	ي 08°19’
ىو	ﻳ 27°59’	و 05°35’	ى 11°39’ R	ﻳ 12°36’ R	و 21°15’ R	ﻵ 13°12’	ھو 19°11’	وو 08°16’	ي 08°16’
ىو	ﻳ 29°00’	و 20°05’	ى 11°34’ R	ﻳ 12°18’ R	و 21°07’ R	ﻵ 14°21’	ھو 19°14’	وو 08°12’	ي 08°12’
يو	ﻳ 00°01’	و 04°24’	ى 11°27’ R	ﻳ 12°12’ R	و 20°59’ R	ﻵ 15°29’	ھو 19°17’	وو 08°09’	ي 08°09’
يو	ﻳ 01°02’	و 18°26’	ى 11°19’ R	ﻳ 12°15’	و 20°51’ R	ﻵ 16°37’	ھو 19°20’	وو 08°06’	ي 08°06’
ﻳو	ﻳ 02°03’	ى02°05’	ى 11°11’ R	ﻳ 12°28’	و 20°44’ R	ﻵ 17°45’	ھو 19°23’	وو 08°03’	ي 08°03’
ﻳو	ﻳ 03°04’	ى15°20’	ى 11°01’ R	ﻳ 12°49’	و 20°36’ R	ﻵ 18°52’	ھو 19°27’	وو 08°00’	ي 08°00’
ﻵو	ﻳ 04°05’	ى28°10’	ى 10°51’ R	ﻳ 13°18’	و 20°28’ R	ﻵ 20°00’	ھو 19°30’	وو 07°57’	ي 07°57’
ھو	ﻳ 05°06’	ى10°38’	ى 10°40’ R	ﻳ 13°54’	و 20°20’ R	ﻵ 21°07’	ھو 19°33’	وو 07°53’	ي 07°53’
وو	ﻳ 06°08’	ى22°48’	ى 10°29’ R	ﻳ 14°36’	و 20°13’ R	ﻵ 22°14’	ھو 19°37’	وو 07°50’	ي 07°50’
وو	ﻳ 07°09’	ي04°45’	ى 10°16’ R	ﻳ 15°24’	و 20°05’ R	ﻵ 23°21’	ھو 19°41’	وو 07°47’	ي 07°47’
ىو	ﻳ 08°10’	ي16°34’	ى 10°03’ R	ﻳ 16°17’	و 19°58’ R	ﻵ 24°27’	ھو 19°45’	وو 07°44’	ي 07°44’
ىو	ﻳ 09°11’	ي28°21’	ى 09°48’ R	ﻳ 17°14’	و 19°50’ R	ﻵ 25°34’	ھو 19°48’	وو 07°41’	ي 07°41’
يو	ﻳ 10°12’	ي10°12’	ى 09°33’ R	ﻳ 18°15’	و 19°43’ R	ﻵ 26°40’	ھو 19°52’	وو 07°37’	ي 07°37’
يو	ﻳ 11°13’	ي22°11’	ى 09°18’ R	ﻳ 19°19’	و 19°36’ R	ﻵ 27°46’	ھو 19°56’	وو 07°34’	ي 07°34’
ﻳو	ﻳ 12°14’	ﻳ 04°22’	ى 09°01’ R	ﻳ 20°26’	و 19°29’ R	ﻵ 28°52’	ھو 20°01’	وو 07°31’	ي 07°31’
ﻳو	ﻳ 13°15’	ﻳ 16°49’	ى 08°44’ R	ﻳ 21°36’	و 19°22’ R	ﻵ 29°57’	ھو 20°05’	وو 07°28’	ي 07°28’
ﻵو	ﻳ 14°17’	ﻳ 29°32’	ى 08°26’ R	ﻳ 22°48’	و 19°15’ R	ھو 01°02’	ھو 20°09’	وو 07°25’	ي 07°25’
ھى	ﻳ 15°18’	ﻳ 12°32’ C	ى 08°08’ R	ﻳ 24°02’	و 19°09’ R	ھو 02°07’	ھو 20°14’	وو 07°22’	ي 07°22’
وى	ﻳ 16°19’	ﻳ 25°48’ C	ى 07°48’ R	ﻳ 25°18’	و 19°02’ R	ھو 03°12’	ھو 20°18’	وو 07°18’	ي 07°18’

JANUARY 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	12:25	13:43	15:29	17:47	20:23	22:59	01:39	04:16	06:44	08:44	10:11.	11:20
2.	12:21	13:39	15:25	17:44	20:19	22:55	01:35	04:12	06:40	08:40	10:07	11:16
3.	12:18	13:35	15:21	17:40	20:15	22:51	01:31	04:08	06:36	08:36	10:03	14:12
4.	12:14	13:31	15:17	17:36	20:11	12:47	01:27	04:04	06:32	08:32	09:59	11:08
5.	12:10	13:27.	15:13	17:32	20:07	22:44	01:23	04:00	06:28	08:28	09:55	11:04
6.	12:06	13:23	15:09	17:28	20:03	22:40	01:19	03:56	06:24	08:24	09:51	11:00
7.	12:02	13:19	15:05	17:24	19:59	22:36	01:15	03:52	06:20	08:20	09:48	10:56
8.	11:58	13:15	15:01	17:20	19:56	22:32	01:11	03:48	06:17	08:16	09:44	10:52
9.	14:54	13:12	14:57	17:16	19:52	22:28	01:07	03:44	06:13	08:12	09:40	10:48
10.	11:50	13:08	14:53	17:12	19:48	22:24	01:03	03:40	06:09	08:08	09:36	10:44
11.	11:46	13:04	14:49	17:08	19:44	22:20	00:59	03:36	06:05	08:05	09:32	10:40
12.	11:42	13:00	14:45	17:04	19:40	22:16	00:56	03:32	06:01	08:01	09:28	10:37
13.	14:38	12:56	14:41	17:00	19:36	22:12	00:52	03:28	05:57	07:57	09:24	10:33
14.	11:34	12:52	14:37	16:56	19:32	22:08	00:48	03:25	05:53	07:53	09:20	10:29
15.	11:30	12:48	14:34	16:52	19:28	22:04	00:44	03:21	05:49	07:49	09:16	10:25
16.	11:26	12:44	14:30	16:48	19:24	22:00	00:40	03:17	05:45	07:45	09:12	10:21
17.	11:22	12:40	14:26	16:45	19:20	21:56	00:36	03:13	05:41	07:41	09:08	10:17
18.	11:19	12:36	14:22	16:44	19:16	21:52	00:32	03:09	05:37	07:37	09:04	10:13
19.	11:15	12:32	14:18	16:37	19:12	21:49	00:28	03:05	05:33	07:33	09:00	10:09
20.	11:11	12:28	14:14	16:33	19:08	21:45	00:24	03:01	05:29	07:29	08:56	10:05
21.	11:07	12:24	14:10	16:29	19:04	21:41	00:20	02:57.	05:25	07:25	08:52	10:01
22.	11:03	12:20	14:06	16:25	19:00	21:37	00:16	02:53	05:21	07:21	08:49	09:57
23.	10:59	12:17	14:02	16:21	18:57	21:33	00:12	02:49	05:18	07:17	08:45	09:53
24.	10:55	12:13	13:58	16:17	18:53	21:29	00:08	02:45	05:14	07:13	08:41	09:49
25.	10:51	12:09	13:54	16:13	18:49	21:25	00:04	02:41	05:10	07:10	08:37	09:45
26.	10:47	12:05	13:50	16:09	18:45	21:21	00:00	02:37	05:06	07:06	08:33	09:41
							23:57					
27.	10:43	12:01	13:46	16:05	18:41	21:17	23:53	02:33	05:02	07:02	08:29	09:38
28.	10:39	11:57	13:42	16:01	18:37	21:13	23:49	02:30	04:58	06:58	08:25	09:34
29.	10:35	11:53	13:38	15:57	18:33	21:09	23:45	02:26	04:54	06:54	08:21	09:30
30.	10:31	11:49	13:35	15:53	18:29	21:05	23:41	02:22	04:50	06:50	08:17	09:26
31.	10:27	11:45	13:31	15:49	18:25	21:01	23:37	02:18	04:46	06:46	08:13	09:22

FEBRUARY 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	10:23	11:41	13:27	15:46	18:21	20:57	23:33	02:14	04:42	06:42	08-09	09:18
2.	10:20	11:37	13:23	15:42	18:17	20:53	23:29	02:10	04:38	06:38	08:05	09:14
3.	10:16	11:33	13:49	15:38	18:13	20:50	23:25	02:06	04:34	06:34	08:01	09:10
4.	10:12	11:29	13:15	15:34	18:09	20:46	23:21	02:02	04:30	06:30	07:57	09:06
5.	10:08	11:25	13:11	15:30	18:05.	20:42	23:17	01:58	04:26	06:26	07:54	09:02
6.	10:04	11:21	13:07	15:26	18:01	20:38	23:13	01:54	04:23	06:22	07:50	08:58
7.	10:00	11:18	13:03	15:22	17:58	20:34	23:09	01:50	04:19	06:18	07:46	08:54
8.	09:56	11:14	12:59	15:18	17:54	20:30	23:05	01:46	04:15	06:14	07:42	08:50
9.	09:52	11:10	12:55	15:14	17:50	20:26	23:02	01:42	04:11	06:11	07:38	08:46
10.	09:48	11:06	12:51	15:10	17:46	20:22	22:58	01:38	04:07	06:07	07:34	08:42
11.	09:44	11:02	12:47	15:06	17:42	20:18	22:54	01:34	04:03	06:03	07:30	08:39
12.	09:40	10:58	12:43	15:02	17:38	20:14	22:50	01:31	03:59	05:59	07:26	08:35
13.	09:36	10:54	12:40	14:58	17:34	20:10	22:46	01:27	03:55	05:55	07:22	08:31
14.	09:32	10:50	12:36	14:54	17:30	20:06	22:42	01:23	03:51	05:51	07:18	08:27
15.	09:28	10:46	12:32	14:51	17:26	20:02	22:38	01:19	03:47	05:47	07:14	08:23
16.	09:25	10:42	12:28	14:57	17:22	19:58	22:34	01:15	03:43	05:43	07:10	08:19
17.	09:21	10:38	12:24	14:43	17:18	19:54	22:30	01:11	03:39	05:39	07:06	08:15
18.	09:17	10:34	12:20	14:39	17:14	19:51	22:26	01:07	03:35	05:35	07:02	08:11
19.	09:13.	10:30	12:16	14:35	17:10	19:47	22:22	01:03	03:31	05:31	06:58	08:07
20.	09:09	10:26	12:12	14:31	17:06	19:43	22:18	00:59	03:27	05:27	06:55	08:03
21.	09:05	10:23	12:08	14:27	17:03	19:39	22:14	00:55	03:24	05:23	06:51	07:59
22.	09:01	10:19	12:04	14:23	16:59	19:35	22:10	00:51	03:20	05:19	06:47	07:55
23	08:57	10:15	12:00	14:19	16:55	19:31	22:06	00:47	03:16	05:16	06:43	07:51
24.	08:53	10:11	11:56	14:15	16:51	19:27	22:03	00:43	03:12	05:12	06:39	07:47
25	08:49	10:07	11:52	14:11	16:47	19:23	21:59	00:39	03:08	05:08	06:35	07:44
26.	08:45	10:03	11:48	14:07	16:43	19:19	21:55	00:35	03:04	05:04	06:31	07:40
27.	08:41	09:59	11:44	14:03	16:39	19:15	21:51	00:32	03:00	05:00	06:27	07:36
28.	08:37	09:55	11:41	13:59	16:35	19:11	21:47	00:28	02:56	04:56	06:23	07:32
29.	08:33	09:51	11:38	13:55	16:31	19:07	21:43	00:24	02:52	04:52	06:19	07:28

MARCH 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	08:33	09:51	11:37	13:55	16:31	19:07	21:43	00:24	02:52	04:52	06:19	07:28
2.	08:29	09:47	11:33	13:52	16:27	19:03	21:39	00:20	02:48	04:48	06:15	07:24
3.	08:26	09:43	11:29	13:48	16:23	18:59	21:35	00:16	02:44	04:44	06:11	07:20
4.	08:22	09:39	11:25	13:44	16:19	18:56	21:31	00:12	02:40	04:40	06:07	07:16
5.	08:18	09:35	11:21	13:40	16:15	18:52	21:27	00:08	02:36	04:36	06:03	07:12
6.	08:14	09:31	11:17	13:36	16:11	18:48	21:23	00:04	02:32	04:32	05:59	07:08
7.	08:10	09:27	11:13	13:32	16:07	18:44	21:19	00:00	02:28	04:28	05:56	07:04
								23:56				
8.	08:06	09:24	11:09	13:28	16:04	18:40	21:15	23:52	02:25	04:24	05:52	07:00
9.	08:02	09:20	11:05	13:24	1600	18:36	21:11	23:48	02:21	04:20	05:48	06:56
10.	07:58	09:16	11:01	13:20	15:56	18:32	21:07	23:44	02:17	04:17	05:44	06:52
11.	07:54	09:12	10:57	13:16	15:52	18:28	21:04	23:40	02:13	04:13.	05:40	06:48
12.	07:50	09:08	10:53	13:12	15:48	18:24	21:00	23:37	02:09	04:09	05:36	06:45
13.	07:46	09:04	10:49	13:08	15:44	18:20	20:56	23:33	02:05	04:05	05:32	06:41
14.	07:42	09:00	10:46	13:04	15:40	18:16	20:52	23:29	02:01	04:01	05:28	06:37
15.	07:38	08:56	10:42	13:00	15:36	18:12	20:48	23:25	01:57	03:57	05:24	06:33
16.	07:34	08:52	10:38	12:57	15:32	18:08	20:44	23:21	01:53	03:53	05:20	06:29
17.	07:30	08:48	10:34	12:53	15:28	18:04	20:40	23:17	01:49	03:49	05:16	06:25
18.	07:27	08:44	10:30	12:49	15:24	18:00	20:36	23:13	01:45	03:45	05:12	06:21
19.	07:23	08:40	10:26	12:45	15:20	17:57	20:32	23:09	01:41	03:41	05:08	06:17
20.	07:19	08:36	10:22	12:41	15:16	17:53	20:28	23:05	01:37	03:37	05:04	06:13
21.	07:15	08:32	10:18	12:37	15:12	17:49	20:24	23:01	01:33	03:33	05:01	06:09
22.	07:11	08:28	10:14	12:33	15:09	17:45	20:20	22:57	01:30	03:29	04:57	06:05
23.	07:07	08:25	10:10	12:29	15:05	17:41	20:16	22:53	01:26	03:25	04:53	06:01
24.	07:03	08:21	10:06	12:25	15:01	17:37	20:12	22:49	01:22	03:21	04:49	05:57
25.	06:59	08:17	10:02	12:21	14:57	17:33	20:09	22:45	01:18	03:18	04:45	05:53
26.	06:55	08:13	09:58	12:17	14:53	17:29	20:05	22:41	01:14	03:14	04:41	05:49
27.	06:51	08:09	09:54	12:13	14:49	17:25	20:01	22:38	01:10	03:10	04:37	05:46
28.	06:47	08:05	09:50	12:09	14:45	17:21	19:57	22:34	01:06	03:06	04:33	06:42
29.	06:43	08:01	09:47	12:05	14:41	17:17	19:53	22:30	01:02	03:02	04:29	05:38
30.	06:39	07:57	09:43	12:01	14:37	17:13	19:49	22:26	00:58	02:58	04:25	05:34
31.	06:35	07:53	09:39	11:58	14:33	17:09	19:45	22:22	00:54	02:54	04:21	05:30

APRIL 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	06:32	07:49	09:35	11:54	14:29	17:05	19:41	22:18	00:50	02:50	04:17	05:26
2.	06:28	07:45	09:31	11:50	14:25	17:01	19:37	22:14	00:46	02:46	04:13	05:22
3.	06:24	07:41	09:27	11:46	14:21	16:58	19:33	22:10	00:42	02:42	04:09	05:18
4.	06:20	07:37	09:23	11:42	14:17	16:54	19:29	22:06	00:38	02:38	04:05	05:14
5.	06:16	07:33	09:19	11:38	14:13	16:50	19:25	22:02	00:34	02:34	04:02	05:10
6.	06:12	07:30	09:15	11:34	14:10	16:46	19:21	21:58	00:31	02:30	03:58	05:06
7.	06:08	07:26	09:11	11:30	14:06	16:42	19:17	21:54	00:27	02:26	03:54	05:02
8.	06:04	07:22	09:07	11:26	14:02	16:38	19:13	21:50	00:23	02:23	03:50	04:58
9.	06:00	07:18	09:03	11:22	13:58	16:34	19:10	21:46	00:19	02:19	03:46	04:54
10.	05:56	07:14	08:59	11:18	13:54	16:30	19:06	21:42	00:15	02:15	03:42	04:51
11.	05:52	07:10	08:55	11:14	13:50	16:26	19:02	21:39	00:11	02:11	03:38	04:47
12.	05:48	07:06	08:51	11:10	13:46	16:22	18:58	21:35	00:07	02:07	03:34	04:43
13.	05:44	07:02	08:48	11:06	13:42	16:18	18:54	21:31	00:03	02:03	03:30	04:39
									23:59			
14.	05:40	06:58	08:44	11:02	13:38	16:14	18:50	21:27	23:55	01:59	03:26	04:35
15.	05:36	06:54	08:40	10:59	13:34	16:10	18:46	21:23	23:51	01:55	03:22	04:31
16.	05:33	06:50	08:36	10:55	13:30	16:06	18:42	21:19	23.47	01:51	03:18	04:27
17.	05:29	06:46	08:32	10:51	13:26	16:03	18:38	21:15	23:43	04:47	03:14	04:23
18.	05:25	06:42	08:26	10:47	13:22	15:59	18:34	21:11	23:39	01:43	03:10	04:19
19.	05:21	06:38	08:24	10:43	13:18	15:55	18:30	21:07	23:36	01:39	03:07	04:15
20.	05:17	06:34	08:20	10:39	13:14	15:51	18:26	21:03	23:32	01:35	03:03	04:11
21.	05:13	06:31	08:16	10:35	13:11	15:47	18:22	20:99	23:26	01:31	02:59	04:07
22.	05:09	06:27	08:12	10:31	13:07	15:43	18:18	20:55	23:24	01:27	02:55	04:03
23.	05:05	06:23	08:08	10:27	13:03	15:39	18:15	20:51	23:20	01:24	02:51	03:55
24.	05:01	06:19	08:04	10:23	12:59	15:35	18:11	20:47	23:16	01:20	02:47	03:55
25.	04:57	06:15	08:00	10:19	12:55	15:31	18:07	20:44	23:12	01:16	02:43	03:52
26.	04:53	06:11	07:56	10:15	12:51	15:27	18:03	20:40	23:08	01:12	02:39	03:48
27.	04:49	06:07	07:53	10:11	12:47	15:23	17:59	20:36	23:04	01:08	02:35	03:44
28.	04:45	06:03	07:49	10:07	12:43	15:19	17:55	20:32	23.00	01:04	02:31	03:40
29.	04:41	05:59	07:45	10:04	12:39	15:15	17:51	20:28	22:56	01:00	02:27	03:36
30.	04:37	05:55	07:41	10:00	12:35	15:11	17:47	20:24	22:52	00:56	02:23	03:32

MAY 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	04:34	05:51	07:37	09:56	12:31	15:07	17:43	20:20	22:48	00:52	02:19	03:28
2.	04:30	05:47	07:33	09:52	12:27	15:04	17:39	20:16	22:44	00:48	02:15	03:24
3.	04:26	05:43	07:29	09:48	12:23	15:00	17:35	20:12	22:40	00:44	02:11	03:20
4.	04:22	05:39	07:25	09:44	12:19	14:56	17:31	20:08	22:37	00:40	02:08	03:16
5.	04:18	05:35	07:21	09:40	12:16	14:52	17:27	20:04	22:33	00:36	02:04	03:12
6.	04:14	05:32	07:17	09:36	12:12	14:48	17:23	20:00	22:29	00:32	02:00	03:08
7.	04:10	05:28	07:13	09:32	12:08	14:44	17:19	19:56	22:25	00:28	01:56	03:04
8.	04:06	05:24	07:09	09:28	12:04	14:40	17:16	19:52	22:21	00:25	01:52	03:00
9.	04:02	05:20	07:05	09:24	12:00	14:36	17:12	19:48	22:17	00:21	01:48	02:56
10.	03:58	05:16	07:01	09:20	11:56	14:32	17:08	19:45	22:13	00:17	01:44	02:53
11.	03:54	05:12	06:57	09:16	11:52	14:28	17:04	19:41	22:09	00:13	01:40	02:49
12.	03:50	05:08	06:54	09:12	11:48	14:24	17:00	19:37	22:05	00:09	01:36	02:45
13.	03:46	05:04	06:50	09:08	11:44	14:20	16:56	19:33	22:01	00:05	01:32	02:41
14.	03:42	05:00	06:46	09:05	11:40	14:16	16:52	19:29	21:57	00:01	01:28	02:37
										23:57		
15.	03:39	04:56	06:42	09:01	11:36	14:12	16:48	19:25	21:53	23:53	01:24	02:33
16.	03:35	04:52	06:38	08:57	11:32	14:09	16:44	19:21	21:49	23:49	01:20	02:29
17.	03:31	04:48	06:34	08:53	11:28	14:05	16:40	19:17	21:45	23:45	01:16	02:25
18.	03:27	04:44	06:30	08:49	11:24	14:01	16:36	19:13	21:41	23:41	01:12	02:21
19.	03:23	04:40	06:26	08:45	11:20	13:57	16:32	19:09	21:38	23:37	01:09	02:17
20.	03:19	04:37	06:22	08:41	11:17	13:53	16:28	19:05	21:34	23:33	01:05	02:13
21.	03:15	04:33	06:18	08:37	11:13	13:49	16:24	19:01	21:30	23:30	01:01	02:09
22.	03:11	04:29	06:14	08:33	11:09	13:45	16:20	18:57	21:26	23:26	00:57	02:05
23.	03:07	04:25	06:10	08:29	11:05	13:41	16:17	18:53	21:22	23:22	00:53	02:01
24.	03:03	04:21	06:06	08:25	11:01	13:37	16:13	18:50	21:18	23:18	00:49	01:58
25.	02:59	04:17	06:02	08:21	10:57	13:33	16:09	18:46	21:14	23:14	00:45	01:54
26.	02:55	04:13	05:58	08:17	10:53	13:29	16:05	18:42	21:10	23:10	00:41	01:50
27.	02:51	04:09	05:55	08:13	10:49	13:25	16:01	18:38	21:06	23:06	00:37	01:46
28.	02:47	04:05	05:51	08:09	10:45	13:21	15:57	18:34	21:02	23:02	00:33	01:42
29.	02:43	04:01	05:47	08:06	10:41	13:17	15:53	18:30	20:58	22:58	00:29	01:38
30.	02:40	03:57	05:43	08:02	10:37	13:13	15:49	18:26	20:54	22:54	00:25	01:34
31.	02:36	03:53	05:39	07:58	10:33	13:10	15:45	18:22	20:50	22:50	00:21	01:30

JUNE 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	02:32	03:49	05:35	07:54	10:29	13:06	15:41	18:18	20:46	22.46	00:17	01:26
2.	02:28	03:45	05:31	07:50	10:25	13:02	15:37	18:14	20:43	22:42	00:14	01:22
3.	02:24	03:41	05:27	07:46	10:21	12:58	15:33	18:10	20:39	22:38	00:10	01:18
4.	02:20	03:38	05:23	07:42	10:18	12:54	15:29	18:06	20:35	22:34	00:06	01:14
5.	02:16	03:34	05:19	07:38	10:14	12:50	15:25	18:02	20:31	22:31	00:02	01:10
											23:58	
6.	02:12	03:30	05:15	07:34	10:10	12:46	15:22	17:58	20:27	22:27	23:54	01:06
7.	02:08	03:26	05:11	07:30	10:06	12:42	15:18	17:54	20:23	22:23	23:50	01:02
8.	02:04	03:22	05:07	07:26	10:02	12:38	15:14	17:51	20:19	22:19	23:46	00:59
9.	02:00	03:18	05:03	07:22	09:58	12:34	15:10	17:47	20:15	22:15	23:42	00:55
10.	01:56	03:14	05:00	07:18	09:54	12:30	15:06	17:43	20:11	22:11	23:38	00:51
11.	01:52	03:10	04:56	07:14	09:50	12:26	15:02	17:39	20:07	22:07	23:34	00:47
12.	01:48	03:06	04:52	07:11	09:46	12:22	14:58	17:35	20:03	22:03	23:30	00:43
13.	01:45	03:02	04:48	07:07	09:42	12:18	14:54	17:31	19:59	21:59	23:26	00:39
14.	01:41	02:58	04:44	07:03	09:38	12:14	14:50	17:27	19:55	21:55	23:22	00:35
15.	01:37	02:54	04:40	06:59	09:34	12:11	14:46	17:23	19:51	21:51	23:18	00:31
16.	01:33	02:50	04:36	06:55	09:30	12:07	14:42	17:19	19:47	24:47	23:15	00:27
17.	04:29	02:46	04:32	06:51	09:26	12:03	14:38	17:15	19:44	21:43	23:11	00:23
18.	01:25	02:42	04:28	06:47	09:23	11:59	14:34	17:11	19:40	21:39	23:07	00:19
19.	01:21	02:39	04:24	06:43	09:19	11:55	14:30	17:07	19:36	21:35	23:03	00:15
20.	04:17	02:35	04:20	06:39	09:15	14:51	14:26	17:03	19:32	21:32	22:59	00:11
21.	04:13	02:31	04:16	06:35	09:11	11:47	14:23	16:50	19:28	21:28	22:55	00:07
22.	01:09	02:27	04:12	06:31	O9:07	11:43	14:19	16:55	19:24	21:24	22:51	00:03
												24:00
23.	01:05	02:23	04:08	06:27	09:03	11:39	14:15	16:52	19:20	21:20	22:47	23:56
24.	01:01	02:19	04:04	06:23	08:59	11:35	14:11	16:48	19:16	21:16	22:43	23:52
25.	00:57	02:15	04:01	06:19	08:55	11:31	14:07	16:44	19:12	21:12	22:39	23:48
26.	00:53	02:11	03:57	06:15	08:51	11:27	14:03	16:40	19:08	21:08	22:35	23:44
27.	00:49	02:07	03:53	06:12	08:47	11:23	13:59	16:36	19:04	21:04	22:31	23:40
28.	00:46	02:03	03:49	06:08	08:43	11:19	13:55	16:32	19:00	21:00	22:27	23:36
29.	00:42	01:59	03:45	06:04	08:39	11:16	13:51	16:28	18:56	20:56	22:23	23:32
30.	00:38	01:55	03:41	06:00	08:35	11:12	13:47	16:24	18:52	20:52	22:19	23:28

JULY 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	00:34	01:51	03:37	05:56	08:31	11:08	13:43	16:20	18:48	20:48	22:16	23:24
2.	00:30	01:47	03:33	05:52	08:27	11:04	13:39	16:16	18:45	20:44	22:12	23:20
3.	00:26	01:44	03:29	05:48	08:24	11:00	13:35	16:12	18:41	20:40	22:08	23:16
4.	00:22	01:40	03:25	05:44	08:20	10:56	13:31	16:08	18:37	20:37	22:04	23:12
5.	00:18	04:36	03:21	05:40	08:16	10:52	13:27	16:04	18:33	20:33	22:00	23:08
6.	00:14	04:32	03:17	05:36	08:12	10:48	13:24	16:00	18:29	20:29	21:56	23:05
7.	00:10	01:28	03:13	05:32	08:08	10:44	13:20	15:57	18:25	20:25	21:52	23:01
8.	00:06	01:24	03:09	05:28	08:04	10:40	13:16	15:53	18:21	20:21	21:48	22:57
9.	00:02	01:20	03:05	05:24	08:00	10:36	13:12	15:49	18:17	20:17	21:44	22:53
	23:58											
10.	23:54	01:16	03:02	05:20	07:56	10:32	13:08	15:45	18:13	20:13	21:40	22:49
11.	23:50	04:12	02:58	05:17	07:52	10:28	13:04	15:41	18:09	20:09	21:36	22:45
12.	23:47	01:08	02:54	05:13	07:48	10:24	13:00	15:37	18:05	20:05	21:32	22:41
13.	23:43	01:04	02:50	05:09	07:44	10:20	12:56	15:33	18:01	20:01	21:28	22:37
14.	23:39	01:00	02:46	05:05	07:40	10:17	12:52	15:29	17:53	19:57	21:24	22:33
15.	23:35	00:56	02:42	05:01	07:36	10:13	12:48	15:25	17:53	19:53	21:21	22:29
16.	23:31	00:52	02:38	04:57	07:32	10:09	12:44	15:21	17:50	19:49	21:17	22:25
17.	23:27	0048	02:34	04:53	07:29	10.05	12:40	15:17	17:46	19:45	21:13	22:21
18.	23:23	00:45	02:30	04:49	07:25	10:01	12:36	15:13	17:42	19:41	21:09	22:17
19.	23:19	00:41	02:26	04:45	07:21	09:57	12:32	15:09	17:38	19:38	21:05	22:13
20.	23:15	00:37	02:22	04:41	07:17	09:53	12:20	15:05	17:34	19:34	21:01	22:09
21.	23:11	00:33	02:18	04:87	07:13	09:49	12:25	15:01	17:90	19:30	20:57	22:06
22.	23:07	00:29	02:14	04:33	07:09	09:45	12:21	14:58	17:26	19:26	20:53	22:02
23.	23:03	00:25	02:10	04:29	07:05	09:41	12:17	14:54	17:22	19:22	20:49	21:58
24.	22:59	00:21	02:07	04:25	07:01	09:37	12:13	14:50	17:18	19:18	20:45	21:54
25.	22:55	00:17	02:03	04:21	06:57	09:33	12:09	14:46	17:14	19:14	20:41	21:50
26.	22:52	00:13	01:59	04:18	06:53	09:29	12:05	14:42	17:10	19:10	20:37	21:46
27.	22:48	00:09	01:55	04:14	06:49	09:25	12:01	14:38	17:06	19:06	20:33	21:42
28.	22:44	00:05	01:51	04:10	06:45	09:21	11:57	14:34	17:02	19:02	20:29	21:38
29.	22:40	00:01	01:47	04:06	06:41	09:18	11:53	14:30	16:58	18:58	20:25	21:34
30.	22:36	23:53	01:43	04:02	06:37	09:14	11:49	14:26	16:54	18:54	20:22	21:30
31.	22:32	23:49	01:39	03:58	06:33	09:10	11:45	14:22	16:51	18:50	20:18	21:26

AUGUST 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	22:28	23:46	01:35	03:54	06:30	09:06	11:41	14:18	16:47	18:46	20:14	21:22
2.	22:24	23:42	01:31	03:50	06:26	09:02	11:37	14:14	16:43	18:43	20:10	21:18
3.	22:20	23:38	01:27	03:46	06:22	08:58	11:33	14:10	16:39	18:39	20:06	21:14
4.	22:16	23:34	01:23	03:42	06:18	08:54	11:30	14:06	16:35	18:35	20:02	21:10
5.	22:12	23:30	01:19	03:38	06:14	08:50	11:26	14:02	16:31	18:31	19:58	21:07
6.	22:08	23:26	01:15	03:34	06:10	08:46	11:22	13:59	16:27	18:27	19:54	21:03
7.	22:04	23:22	01:11	03:30	06:06	08:42	11:18	13:55	16:23	18:23	19:50	20:59
8.	22:00	23:18	01:08	03:26	06:02	08:38	11:14	13:51	16:19	18:19	19:46	20:55
9.	21:56	23:14	01:04	03:22	05:58	08:34	11:10	13:47	16:15	18:15	19:42	20:51
10.	21:53	23:10	01:00	03:19	05:54	08:30	11:06	13:43	16:11	18:11	19:38	20:47
11.	21:49	23:06	00:56	03:15	05:50	08:26	11:02	13:39	16:07	18:07	19:34	20:43
12.	21:45	23:02	00:52	03:11	05:46	08:23	10:58	13:35	16:03	18:03	19:30	20:39
13.	24:41	22:58	00:48	03:07	05:42	08:19	10:54	13:31	15:59	17:59	19:26	20:35
14.	21:37	22:54	00:44	03:03	05:38	08:15	10:50	13:27	15:56	17:55	19:23	20:31
15.	21:33	22:51	00:40	02:59	05:34	08:11	10:46	13:23	15:52	17:51	19:19	20:27
16.	21:29	22:47	00:36	02:55	05:31	08:07	10:42	13:19	15:48	17:47	19:15	20:23
17.	21:25	22:43	00:32	02:51	05:27	08:03	10:38	13:15	15:44	17:44	19:11	20:19
18.	21:21	22:39	00:28	02:47	05:23	07:59	10:35	13:11	15:40	17:40	19:07	20:15
19.	21:17	22:35	00:24	02:43	05:19	07:55	10:31	13:07	15:36	17:36	19:03	20:12
20.	21:13	22:31	00:20	02:39	05:15	07:51	10:27	13:04	15:32	17:32	18:59	20:08
21.	21:09	22:27	00:16	02:35	05:11	07:47	10:23	13:00	15:28	17:28	18:55	20:04
22.	21:05	22:23	00:13	02:31	05:07	07:43	10:19	12:56	15:24	17:24	18:51	20:00
23.	21:01	22:19	00:09	02:27	05:03	07:39	10:15	12:52	15:20	17:20	18:47	19:56
24.	20:57	22:15	00:05	02:24	04:59	07:35	10:11	12:48	15:16	17:16	18:43	19:52
25.	20:54	22:11	00:01	02:20	04:55	07:31	10:07	12:44	15:12	17:12	18:39	19:48
			23:57									
26.	20:50	22:07	23:53	02:16	04:51	07:27	10:03	12:40	15:08	17:08	18:35	19:44
27.	20:46	22:03	23:49	02:12	04:47	07:24	09:59	12:36	15:04	17:04	18:31	19:40
28.	20:42	21:59	23:45	02:08	04:43	07:20	09:55	12:32	15:00	17:00	18:28	19:36
29.	20:38	21:55	23:41	02:04	04:39	07:16	09:51	12:28	14:57	16:56	18:24	19:32
30.	20:34	21:52	23:37	02:00	04:36	07:12	09:47	12:24	14:53	16:52	18:20	19:28
31.	20:30	21:48	23:33	01:56	04:32	07:08	09:43	12:20	14:49	16:48	18:16	19:24

SEPTEMBER 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	20:26	21:44	23:29	01:52	04:28	07:04	09:39	12:16	14:45	16:45	18:12	19:20
2.	20:22	21:40	23:25	01:48	04:24	07:00	09:36	12:12	14:41	16:41	18:08	19:16
3.	20:18	21:36	23:21	01:44	04:20	06:56	09:32	12:08	14:37	16:37	18:04	19:13
4.	20:14	21:32	23:17	01:40	04:16	06:52	09:28	12:05	14:33	16:33	18:00	19:09
5.	20:10	21:28	23:14	01:36	04:12	06:48	09:24	12:01	14:29	16:29	17:56	19:05
6.	20:06	21:24	23:10	01:32	04:08	06:44	09:20	11:57	14:25	16:25	17:52	19:01
7.	20:02	21:20	23:06	01:28	04:04	06:40	09:16	11:53	14:21	16:21	17:48	18:57
8.	19:59	21:16	23:02	01:25	04:00	06:36	09:12	11:49	14:17	16:17	17:44	18:53
9.	19:55	21:12	22:58	01:21	03:56	06:32	09:08	11:45	14:13	16:13	17:40	18:49
10.	19:51	21:08	22:54	01:17	03:52	06:29	09:04	11:41	14:09	16:09	17:36	18:45
11.	19:47	21:04	22:50	01:13	03:48	06:25	09:00	11:37	14:05	16:05	17:32	18:41
12.	19:43	21:00	22:46	01:09	03:44	06:21	08:56	11:33	14:01	16:01	17:29	18:37
13.	19:39	20:57	22:42	01:05	03:40	06:17	08:52	11:20	13:58	15:57	17:25	18:33
14.	19:35	20:53	22:38	01:01	03:37	06:13	08:48	11:25	13:54	15:53	17:21	18:29
15.	19:31	20:49	22:34	00:57	03:33	06:09	08:44	11:21	13:50	15:50	17:17	18:25
16.	19:27	20:45	22:30	00:53	03:29	06:05	08:40	11:17	13:46	15:46	17:13	18:21
17.	19:23	20:41	22:26	00:49	03:25	06:01	08:37	11:13	13:42	15:42	17:09	18:18
18.	19:19	20:37	22:22	00:45	03:21	05:57	08:33	11:10	13:38	15:38	17:05	18:14
19.	19:15	20:33	22:18	00:41	03:17	05:53	08:29	11:06	13:34	15:34	17:01	18:10
20.	19:11	20:29	22:15	00:37	03:13	05:49	08:25	11:02	13:30	15:30	16:57	18:06
21.	19:07	20:25	22:11	00:33	03:09	05:45	08:21	10:58	13:26	15:26	16:53	18:02
22.	19:03	20:21	22:07	00:29	03:05	05:41	08:17	10:54	13:22	15:22	16:49	17:58
23.	19:00	20:17	22:03	00:26	03:01	05:37	08:13	10:60	13:18	15:18	16:18	17:54
24.	18:56	20:13	21:59	00:22	02:57	05:33	08:09	10:46	13:14	15:14	16:41	17:50
25.	18:52	20:09	21:55	00:18	02:53	05:30	08:05	10:42	13:10	15:10	16:37	17:46
26.	18:48	20:05	21:51	00:14	02:49	05:26	08:01	10:38	13:06	15:06	16:33	17:42
27.	18:44	20:01	21:47	00:10	02:45	05:22	07:57	10:34	13:03	15:02	16:30	17:38
28.	18:40	19:58	21:43	00:06	02:41	05:18	07:53	10:30	12:59	14:58	16:26	17:34
29.	19:36	19:54	21:39	00:02	02:38	05:14	07:49	10:26	12:55	14:54	16:22	17:30
				23:58								
30.	18:32	19:50	21:35	23:54	02:34	05:10	07:45	10:22	12:51	14:51	16:18	17:26

OCTOBER 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	18:28	19:46	21:31	23:50	02:30	05:06	07:42	10:18	12:47	14:47	16:14	17:22
2.	18:24	19:42	21:27	23:46	02:26	05:02	07:38	10:14	12:43	1443	1610	17:19
3.	18:20	19:38	21:23	23:42	02:22	04:68	07:34	10:11	12:39	14:39	16:06	17:16
4.	18:16	19:34	21:20	23:38	02:18	04:64	07:30	10:07	12:35	14:36	16:02	17:11
5.	18:12	19:30	21:16	23:34	02:14	04:60	07:26	10:03	12:31	14:31	15:58	17:07
6.	18:08	19:26	21:12	23:31	02:10	04:46	07:22	09:59	12:27	14:27	16:54	17:03
7.	18:04	19:22	21:08	23:27	02:06	04:42	07:18	09:55	12:23	14:23	16:50	16:59
8.	18:01	19.18	21:04	23:23	02:02	0438	07:14	09:61	12:19	14:19	15:46	16:55
9.	17:57	19:14	21:00	23:19	01:58	04:34	07:10	09:47	12:15	14:15	15:42	16:51
10.	17:53	19:10	20:56	23:16	01:54	04:31	07:06	09:43	12:11	14:11	15:38	16:47
11.	17:49	19.06	20:52	23:11	01:80	04:27	0702	09:30	12:07	14:07	15:35	16:43
12.	17:45	19:02	20:48	23:07	01:46	04:23	06:58	09:35	12:04	14:03	15:31	16:39
13.	17:41	18:58	20:44	23:03	01:43	04:19	06:64	09:31	12:00	13:59	15:27	16:35
14.	17:37	18:55	20:40	22:50	01:39	04:15	06:50	09:27	11:56	13:55	1523	16:31
15.	17:33	18:51	20:36	22:65	01:35	04:11	06:46	09.23	11:52	13:52	15:19	16:27
16.	17:29	18.47	20:32	22:61	01:31	04:07	06:43	09:19	11:48	15:48	15:15	16:23
17.	17:25	18:43	20:28	22.47	01:27	04:03	06:30	09:15	11:44	13:44	15:11	16:20
18.	17:21	16:39	20:24	22:43	01:23	03:69	06:35	09:12	1140	13:40	15:07	16:16
19.	17:17	18:35	20:21	22:39	01:19	03:65	06:31	09:08	11:36	13:36	15:03	16:12
20.	17:13	18:31	20:17	22:35	01:15	03:51	06:27	09:04	11:32	13:32	14:60	16:08
21.	17:09	18:27	20:13	22:32	01:11	03:47	06:23	09.00	11:28	13:28	14:65	16:04
22.	17:06	18:23	20:09	22:28	01:07	03:43	06:19	08:56	11:24	13:24	14:51	16:00
23.	17:02	18:19	20:05	22:24	01:03	03:39	06:15	08:52	11:20	13:20	14:47	15:66
24.	16:58	18:15	20:01	22:20	00:59	03:36	06:11	08:48	11:16	13:16	14:43	15:52
25.	16:54	18:11	19:57	22:16	00:55	03:32	06:07	08:44	11:12	13:12	14:39	15:48
26.	16:50	18:07	19:53	22:12	00:51	03:28	06:03	08:40	11:08	13:08	14:36	15:44
27.	16:46	18:04	19:49	22:08	00:47	03:24	05:50	08:36	11:05	1304	1432	15:40
28.	16:42	18:00	19:45	22:04	00:44	03:20	05:55	08:32	11:01	13:00	14:28	15:36
29.	16:38	17:56	19:41	22:00	00:40	03:16	05:51	08:28	10:57	12:57	14:24	16:32
30.	16:34	17:52	19:37	21:56	00:36	03:12	05:47	08:24	10:53	12:53	14:20	15:28
31.	16:30	17:48	19:33	21:52	00:32	03.08	05:44	08:20	10:49	12:49	14:16	15:26

NOVEMBER 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	16:26	17:44	19:29	21:48	00:28	03:04	05:40	08:17	10:45	12:45	14:12	15:21
2.	16:22	17:40	19:25	21:44	00:24	03:00	05:36	08:13	10:41	12:41	14:08	15:17
3.	16:18	17:36	19:22	21:40	00:20	02:56	05:32	08:09	10:37	12:37	14:04	15:13
4.	16:14	17:32	19:18	21:37	00:16	02:52	05:28	08:05	10:33	12:33	14:00	15:09
5.	16:10	17:28	19:14	21:33	00:12	02:48	05:24	08:01	10:29	12:29	13:56	15:05
6.	16:07	17:24	19:10	21:29	00:08	02:44	05:20	07:57	10:25	12:25	13:52	15:01
7.	16:03	17:20	19:06	21:25	00:04	02:40	05:16	07:53	10:21	12:21	13:48	14:57
8.	15:59	17:16	19:02	21:21	00:00	02:37	05:12	07:49	10:17	12:17	13:44	14:53
					23:56							
9.	15:55	17:12	18:58	21:17	23:52	02:33	05:08	07:45	10:13	12:13	13:40	14:49
10.	15:51	17:08	18:54	21:13	23:49	02:29	05:04	07:41	10:10	12:09	13:37	14:45
11.	15:47	17:05	18:50	21:09	23:45	02:25	05:00	07:37	10:06	12:05	13:33	14:41
12.	15:43	17:01	18:46	21:05	23:41	02:21	04:56	07:33	10:02	12:01	13:29	14:37
13.	15:39	16:57	18:42	21:01	23:37	02:17	04:52	07:29	09:58	11:58	13:25	14:33
14.	15:35	16:53	18:38	20:57	23:33	02:13	04:49	07:25	09:54	11:54	13:21	14:29
15.	15:31	16:49	18:34	20:53	23:29	02:09	04:45	07:21	09:50	11:50	13:17	14:26
16.	15:27	16:45	18:30	20:49	23:25	02:05	04:41	07:18	09:46	11:46	13:13	14:22
17.	15:23	16:41	18:27	20:45	23:21	02:01	04:37	07:14	09:42	11:42	13:09	14:18
18.	15:19	16:37	18:23	20:41	23:17	01:57	04:33	07:10	09:38	11:38	13:05	14:14
19.	15:15	16:33	18:19	20:38	23:13	01:53	04:29	07:06	09:34	11:34	13:01	14:10
20.	15:11	16:29	18:15	20:34	23:09	01:49	04:25	07:02	09:30	11:30	12:57	14:06
21.	15:08	16:25	18:11	20:30	23:05	01:45	04:21	06:58	09:26	11:26	12:53	14:02
22.	15:04	16:21	18:07	20:26	23:01	01:41	04:17	06:54	09:22	11:22	12:49	13:58
23.	15:00	16:17	18:03	20:22	22:57	01:38	04:13	06:50	09:18	11:18	12:45	13:54
24.	14:56	16:13	17:59	20:18	22:53	01:34	04:09	06:46	09:14	11:14	12:42	13:50
25.	14:52	16:09	17:55	20:14	22:50	01:30	04:05	06:42	09:11	11:10	12:38	13:46
26.	14:48	16:06	17:51	20:10	22:46	01:26	04:01	06:38	09:07	11:06	12:34	13:42
27.	14:44	16:02	17:47	20:06	22:42	01:22	03:57	06:34	09:03	11:02	12:30	13:38
28.	14:40	15:58	17:43	20:02	22:38	01:18	03:53	06:30	08:59	10:59	12:26	13:34
29.	14:36	15:54	17:39	19:58	22:34	01:14	03:50	06:26	08:55	10:55	12:22	13:30
30.	14:32	15:50	17:35	19:54	22:30	01:10	03:46	06:22	08:51	10:51	12:18	13:27

DECEMBER 2024 DAILY START TIME FOR EACH LAGNA

	MES	VRB	MIT	KAR	SIM	KAN	TUL	VRK	DHA	MAK	KUM	MEN
1.	14:28	15:46	17:31	19:50	22:26	01:06	03:42	06:19	08:47	10:47	12:14	13:23
2.	14:24	15:42	17:28	19:46	22:22	01:02	03:38	06:15	08:43	10:43	12:10	13:19
3.	14:20	15:38	17:24	19:42	22:18	00:58	03:34	06:11	08:39	10:39	12:06	13:15
4.	14:16	15:34	17:20	19:39	22:14	00:54	03:30	06:07	08:35	10:35	12:02	13:11
5.	14:13	15:30	17:16	19:35	22:10	00:50	03:26	06:03	08:31	10:31	11:58	13:07
6.	1409	15:26	17:12	19:31	22:06	00:46	03:22	05:59	08:27	10:27	11:54	13:03
7.	14:05	15:22	17:08	19:27	22:02	00:43	03:18	05:55	08:23	10:23	11:50	12:59
8.	14:01	15:18	17:04	19:23	21:58	00:39	03:14	05:51	08:19	10:19	11:46	12:55
9.	13:57	15:14	17:00	19:19	21:54	00:35	03:10	05:47	08:15	10:15	11:43	12:51
10.	13:53	15:11	16:56	19:15	21:51	00:31	03:06	05:43	08:12	10:11	11:39	12:47
11.	13:49	15:07	16:52	19:11	21:47	00:27	03:02	05:39	08:08	10:07	11:35	12:43
12.	13:45	15:03	16:48	19:07	21:43	00:23	02:58	05:35	08:04	10:04	11:31	12:39
13.	13.41	14:59	1644	19:03	21:39	00:19	02:55	05:31	08:00	10:00	11:27	12:35
14.	13:37	14:55	16:40	18:59	21:35	00:15	02:51	05:27	07:56	09:56	11:23	12:32
15.	13:33	14:51	16:36	18:55	21:31	00:11	02:47	05:24	07:52	09:52	11:19	12:28
16.	13:29	14:47	16:33	18:51	21:27	00:07	02:43	05:20	07:48	09:48	11:15	12:24
17.	13:25	14:43	16:29	18:47	21:23	00:03	02:39	05:16	07:44	09:44	11:11	12:20
						23:59						
18.	13:21	14:39	1625	18:44	21:19	23:55	02:35	05:12	07:40	09:40	11:07	12:16
19.	13:17	14:35	16:21	18:40	21:15	23:51	02:31	05:08	07:36	09:36	14:03	12:12
20.	13:44	14:31	16:17	18:36	24:11	23:47	02:27	05:04	07:32	09:32	10:59	12:08
21.	13:10	14:27	16:13	18:32	21:07	23:44	02:23	05:00	07:28	09:28	10:55	12:04
22.	13:06	14:23	16:09	18:28	21:03	23:40	02:19	04:56	07:24	09:24	10:51	12:00
23.	13:02	14:19	16:05	18:24	20:59	23:36	02:15	04:52	07:20	09:20	10:48	11:56
24.	12:58	14:15	16.01	18:20	20:56	23:32	02:11	04:48	07:17	09:16	10:44	11:52
25.	12:54	14:42	15:57	18:16	20:52	23:28	02:07	04:44	07:13	09:12	10:40	11:48
26.	12:50	14:08	15:53	18:12	20:48	23:24	02:03	04:40	07:09	09:08	10:36	11:44
27.	12:46	14:04	15:49	18:08	20:44	23:20	01:59	04:36	07:05	09:05	10:32	11:40
28.	12:42	14:00	15:45	18:04	20:40	23:16	01:56	04:32	07:01	09:01	10:28	11:36
29.	12:38	13:56	15:41	18:00	20:36	23:12	01:52	04:28	06:57	08:57	10:24	11:33
30.	12:34	13:52	15:37	17:56	20:32	23:08	01:48	04:25	06:53	08:53	10:20	11:29
31.	12:30	13:48	15:34	17:52	20:28	23:04	01:44	04:21	06:49	08:49	10:16	11:25

ASTROLOGICAL COMPATIBILITY CHART FOR MARRIAGE वर-कन्या मेलापक सारिणी

HIS RAASHI AND NAKSHATRA वर की राशि व नक्षत्र

HER RAASHI AND NAKSHATRA कन्या की राशि व नक्षत्र

		MESH			VRISH			MITHUN			KARK			SINGH			KANYA			TULA			VRISHCHIK			DHAN			MAKAR			KUMBH			MEEN		
		ASH	BHA	KRI 1	KRI 3	ROH	MRI 2	MRI 2	ARD	PUN 3	PUN 1	PUS	ASL 3	MGH	PPH	UPH 1	UPH 3	HAS	CHI 2	CHI 2	SWA	VIS 3	VIS 1	ANU	JYE	MOO	PSH	USH 1	USH 3	SHR	DHA 2	DHA 2	SHA	PBH 3	PBH 1	UBH	REV
MESH	ASH	28 A	33	27½	17½ E	23½	22½	25½	16½	17½	22½ A	30½	27	20 D	24 D	14½ AD	9½ AC	10½ ACF	12½ C	22	28 F	13 AC	18½ C	24½ C	13 AC	12½ AD	24½ D	23 D	25	26	20	19½	14½ A	15½ A	14½ AE	23½ E	26 E
	BHA	34	28 A	28 B	18 BE	26½	14½ AE	17½ A	25½	25½	30½	22½ A	24½ B	19 BD	17 AD	24 D	19 C	20½ C	3½ BAC	13 AB	28	21 B	18½ BC	17½ AC	19½ BC	19½ BD	17½ AD	25½ D	27½	26	10 ABF	9½ ABF	19½ B	23 F	22½ EF	16½ AE	25½ E
	KRI 1	27½	29 B	28 A	18 AE	10 ABE	16½ E	19½	19½ B	19½	24½	26½	22½ A	15½ AD	19 BD	20 BD	15 BC	14 C	17½ C	27	14 A	19 A	16½ AC	19½ C	25½ C	25 D	19 BDF	11½ ABD	13½ AB	13½ AF	25	24½	25½	18½ B	17½ BE	19½ BE	10½ AE
VRISH	KRI 3	19 E	19 BE	19 AE	28 A	18½ ABE	26½	17 E	17 BE	17 E	21	23	19 A	19 A	21 B	22 B	20 BD	20 D	23 D	22 C	9 AC	14 AC	21½ A	24½	30½	22 C	15 BCF	7 ABC	12 ABD	10½ ADF	24½ D	29	30	23 B	20 B	22 B	13 A
	ROH	23½ E	22½ E	11 ABE	20 AB	28 A	36	26½ E	23 E	22 E	26	27	12 AB	10½ AB	24½	27	25½ D	25½ D	18½ BD	17½ BC	15 AC	8 ABC	14½ AB	29½	23½ B	13½ BC	19½ C	11 ACF	16 ADF	18 AD	19 BD	24½ B	24 B	29	26	27	19 A
	MRI 2	23 E	14½ AE	18½ E	27½	35	28 A	18½ AE	23½ E	22½ E	26	19 A	21	19½	15½ A	24½	23 D	25½ D	11½ AD	10½ AC	24½ C	17 C	23	21½ A	24½	14½ C	10½ AC	16½ CF	21½ DF	26 D	12 AD	17½ A	26½	28	25	18 A	27
MITHUN	MRI 2	26½	17½ A	21½	19 E	26½	19½	28 A	33	31½	18½ E	11½ AE	31½	22½	18½ A	27½	31½	34½ 24	20 A	13 AD	27 D	19½ D	13 C	13 AC	14 C	23½	19 A	25 F	19½ CF	24 C	10 AC	12 AD	21 D	22½ D	24	17 A	26
	ARD	20½ A	26½	21½ B	19 BE	24 E	25½ E	34	28 A	25 A	12 AE	20½ E	12½ BE	21½ B	27½	20½ A	24½ A	24½ A	27 B	20 BD	27 D	20 BD	13½ CB	19 CF	5A BCF	15 AB	28	27	21½ C	22½ C	17 BC	19 BD	12 ABD	17 AD	18½ A	26	26
	PUN 3	20½ A	25	21½	19 E	22 E	23 E	31½	24 A	25 A	14 AE	21 E	15½ E	21½ F	25½ F	19½ A	23½ A	17½ A	26½	19½ D	27 D	21 D	14½ C	20½ C	14 A	14 A	27	27	21½ C	22½ C	16½ C	18½ D	13 AD	16 AD	17½ A	26½	26
KARK	PUN 1	22½ A	28½	24½	21	24	25	19 E	10 AE	13 AE	28 A	34	28½	16½ EF	20½ EF	14½ AE	16½ A	25½ A	19½	19	26½	20½	19 D	25 D	10½ AD	7½ AC	20½ C	20½ C	26	27	21	12 C	5½ AC	9½ AC	16 AD	25 D	24½ B
	PUS	30½	20½ A	26½	23	25	18 A	10½ AE	18½ E	24 E	34	28 A	29	18½ E	14½ AE	23½ E	25½	19½	11½ A	11 A	25	20½	19 D	17 AD	20 D	17 C	12½ ACF	2½ C	26	27 F	13 A	4 AC	13 C	17½ C	26 D	18 AD	26 D
	ASL	25	23 B	19½ A	22½ A	12 AB	19	11½ E	11½ BE	13 E	27½	28	28 A	15 AEF	15½ BEF	17½ BE	19½ B	14½	24½	24	11 A	16 A	14½ AD	19 D	25 D	22½ C	15½ BC	7½ ABC	13 AB	13 A	26	17 C	18 C	11 BC	17½ BD	20 BD	12 AD
SINGH	MGH	19 D	19 BD	15½ AD	16½ A	9½ AB	17½	20½	20½ B	19½ F	16 EF	18½ E	16 AEF	28 A	30 B	26½ B	14½ BE	20½ E	19½ E	23½	10½ A	15½ A	24½ A	24½	32	24 D	19 BD	9 ABD	3½ ABC	4½ AC	17½ C	23½	24½	17½ B	17½ BC	18½ BC	12 AC
	PPH	25 D	17 AD	19 BD	20 B	23½	15½ A	18½ A	26½	25½ F	22½ EF	16½ AE	16½ AEF	30 B	28 A	34	24 E	15 E	5½ ABF	9½ AB	24½	17½ B	23½ B	22½ A	24½ B	20 BD	17 AD	24 D	19 C	18½ C	5½ ABC	9½ AB	19½ B	23½	23½ C	16½ AC	24½ C
	UPH 1	16 AD	25 D	21 BD	21 B	26	24½	27½	19½ A	21½ A	17 AE	25½ E	18½ BE	26½ B	34	28 A	15½ AE	27 AE	12½ BEF	16½ BF	25½	16½ BF	22½ BF	30½	16½ AB	9½ ABD	25 D	25 D	20 C	20 C	11½ BC	17½ B	10½ AB	15½ A	15½ AC	26½ C	24½ C
KANYA	UPH 3	13 AC	21 C	16 AC	20½ BD	25½ D	24 D	31½	23½ A	22½ A	17½ A	27½	21½ B	15½ BE	23 E	17 AE	28 A	28 A	24½ BF	16½ BEF	24½ E	16½ BEF	18 BF	26	12 AB	14 AB	29½	29½	24 D	24 D	15½ BD	16½ BC	9½ ABC	14½ AC	27 A	28	26
	HAS	11 ACF	18 C	17½ BC	20½ D	23½ D	24½ D	32	22½ A	23½ A	18½ A	26½	21½	16 E	23½ E	15 AE	26 A	27 A	28	20 E	26½ E	18½ E	20	26	13½ A	15 A	27	28½	23 B	24 D	18 D	16½ C	10½ ACF	13½ AC	16 A	26	26
	CHI 2	12½ C	4½ ABC	18½ C	25 D	18 BD	10½ AD	18 A	26 B	24½	19½	11½ A	25½	20½ E	6½ ABE	13½ BEF	24½ BE	20	28 A	19 AE	12 E	25½ E	27	11	25	27	13 AB	21 B	15½ BD	17 D	15 AD	16 AC	24 C	16½ BC	19 B	10 ABF	19
TULA	CHI 2	22	14 AB	28	23 C	18½ BC	10½ AC	12 AD	20 BD	18½ D	19	11 A	25	24½	10½ AB	17½ BF	17½ BEF	27 E	20 AE	28 A	27½	33½	22½ E	9 AE	16 AE	27	13 AB	21 B	23½ B	25	23 A	18 AD	26 D	18½ BD	12 BC	3A BCF	12 C
	SWA	27 F	28	16 A	11 AC	14 AC	24 C	26 D	26 D	27 D	27½	26	23 A	12½ A	13	25½	25½ E	18½ E	21 E	28	28 A	20 A	9½ AE	21½ E	16 E	23	27	18 A	12½ A	22½ A	26	21 D	22 DF	25 D	18½ C	19 C	11 AC
	VIS 3	22	22 B	20 A	15 AC	9 ABC	17 C	18½ D	20 BD	20 D	20½	20½	17 A	16½ A	18½ B	17½ BF	17½ BEF	E	26 E	33½	19 A	28 A	16 AE	16½ E	21½ E	27	21 B	13 AB	15½ AB	15½ A	29½	24 D	26 D	20 BD	13½ BD	12½ BCF	4 AC

ASTROLOGICAL COMPATIBILITY CHART FOR MARRIAGE वर-कन्या मेलापक सारिणी

HIS RAASHI AND NAKSHATRA वर की राशि व नक्षत्र

HER RAASHI AND NAKSHATRA कन्या की राशि व नक्षत्र

		MESH			VRISH			MITHUN			KARK			SINGH			KANYA			TULA			VRISHCHIK			DHAN			MAKAR			KUMBH			MEEN		
		ASH	BHA	KRI 1	KRI 3	ROH	MRI 2	MRI 2	ARD	PUN 3	PUN 1	PUS	ASL	MGH	PPH	UPH 1	UPH 3	HAS	CHI 2	CHI 2	SWA	VIS 3	VIS 1	ANU	JYE	MOO	PSH	USH 1	USH 3	SHR	DHA 2	DHA 2	SHA	PBH 3	PBH 1	UBH	REV
VRISCHIK	VIS 1	16½ C	16½ BC	14½ AC	19½ A	13½ AB	21½	11 C	12½ BC	12½ C	18 D	18 D	14½ AD	24½ A	22½ B	21½ BF	17 BF	18	26	21½ E	7 AE	15 AE	28 A	27	31½	21½ E	15½ BE	7½ ABE	11 AB	11 A	25	24	25½	19½ B	19 BD	18 BD	9½ AD
	ANU	23½ AC	14½ AC	18½ C	23½	27½	20½ A	10 AC	15 CF	19½ C	25 D	17 AD	20 D	24½	20½ A	28½	24	25	11 A	6½ AE	20½ E	16 E	28	28 A	31	15½ EF	13½ AE	21½ E	25	26	12 A	11 A	20	24½	24 D	17 AD	26 D
	JYE	10 C	17½ BC	23½ C	28½	22½ B	22½	12 C	2 A BCF	4 AC	19½ AD	19 D	25 D	31	23½ B	15½ AB	11 AB	11 A	24	19½ E	14½ E	19 E	31½	30	28 A	14 AEF	16½ BE	16½ BE	20 B	20	25	24	17 A	25	9½ ABD	20 BD	20 D
DHAN	MOO	11½ AD	19 BD	25 D	19½ C	12½ BC	12½ C	21	14 AB	12 A	7½ AC	17½ C	23 C	24 D	18 BD	9½ ABD	13 AB	13 A	26	26	21	26	22½ E	16½ EF	16 AEF	28 A	28 B	25½ B	13½ BE	14½ E	19½ E	28½	21½	14½ AB	16 AB	24½ B	26
	PSH	25½ D	17½ AD	19½ BDF	14 BCF	18½ C	10½ AC	19 A	26	27	22½ C	14½ ACF	16½ BC	19 BD	17 AD	25 D	28½	27	12 AB	12 AB	27	20 B	16½ BE	15½ AE	17½ BE	27 B	28 A	34	22 E	22½ E	5½ ABE	14½ AB	23½ B	28½	29½	30½	22½ A
	USH 1	24 D	25½ D	11½ ABD	6 ABC	10 ACF	16½ CF	25 F	26	27	22½ C	22½ C	8½ ABC	8½ ABD	24 D	15½ BD	28½	28½	20 B	10½ AC	19 A	12 AB	8½ ABE	23½ E	17½ BE	25 B	35	28 A	21½ DF	26 D	12 AD	22½ B	23½ B	28½	29½	30½	22½ A
MAKAR	USH 2	27	28½	14½ AB	12 ABD	16 ADF	22½ DF	19½ CF	24½ C	21½ C	28	28	14 AB	4½ ABC	20 C	21 C	24 D	24 D	15½ BD	22½ B	21½ A	14½ AB	12 AB	27	21 B	14½ BE	24 E	17 AE	28 A	27 A	25 B	15½ BE	16½ BE	21½ E	29½	30½	22½ A
	SHR	28	27	14½ AF	12 ADF	17 AD	26 D	23 C	19½ C	21½ C	28	28 F	14 A	5½ AC	18 C	20 C	23 D	24 D	19 D	24	21½ A	14½ A	12 A	27	21	14 E	22 E	15 AE	26 A	28 A	27	17 E	17½ E	20½ E	28½	29½	23½ A
	DHA 3	20	11 ABF	26	23½ D	15 BD	11 AD	8 AC	16 BC	14½ C	22	13 A	27	18½ C	4½ ABC	10½ BC	15½ BD	17 D	15 AD	19 A	24	28½	26	12 A	26	20½ E	6½ ABE	14½ BE	25 B	27	28	17 AE	23 E	17½ BE	24½ B	15 AB	22½ F
KUMBH	DHA 2	19½	10½ ABF	25½	30	25½ B	17½ A	11 AD	18 BD	17 D	12 C	4 AC	18 C	24½	10½ AB	18 B	17½ BC	19 C	17 AC	18 AD	20 D	24½ D	25	11 A	25	29½	15½ AB	23½ B	16½ BE	18 E	18 AE	28 A	33	27½ B	16½ BE	6½ ABE	13½ EF
	SHA	14½ A	20½ B	26½	31	25 B	26½	20 D	12 ABD	12 AD	6½ AC	13 C	19 C	25½	19½ B	11½ AB	10½ ABC	10½ ACF	25 C	26 D	21 DF	26 D	26½	20	18 A	22½ A	24½ B	24½ B	17 BE	17½ E	24 E	33	28 A	19 AB	8 ABE	14½ BE	15½ E
	PBH 3	17½ A	24½ F	19½ B	24 B	30	30	23½ D	17 AD	17 AD	11½ AC	19½ C	12 BC	18½ B	24½	16½ A	15½ AC	15½ AC	17½ BC	18½ BD	26 D	20 BD	20½ B	26½	11 AB	15 AB	27½	29½	22½ E	22½ E	18½ BE	28 B	19 AB	28 A	16 AE	22 E	16½ EF
MEEN	PBH 1	14½ AE	21½ EF	16½ BE	19 B	25	25	24	17½ A	17½ A	17 AD	25 D	17½ BD	16½ BC	22½ C	14½ AC	16 A	16 A	18 B	11 BC	18½ C	12½ BC	19 BD	25 D	9½ ABD	14 BF	28½	28½	28½	28½	24½ B	15½ BE	7 ABE	15 AE	28 A	33	33½ F
	UBH	23½ E	15½ AE	18½ BE	21 B	26	18 A	17 A	25	26½	26 D	19 AD	20 BD	17½ BC	15 AC	25½ C	27	26	9 ABF	2 A BCF	19 C	11½ BCF	18 BDF	18 AD	20 BD	23½ B	21½ A	29½	29½	29½	14½ AB	5½ ABE	16 BE	21 E	33	28 A	33
	REV	25 E	23½ E	10½ AE	13 A	17 A	26	25	24	25	24½ D	26 D	13 AD	12 AC	22½ C	22½ C	24	25	19	12 C	10 AC	4 AC	10½ AD	26 D	21 D	26	28½	20½ A	19½ A	21½ A	22½ F	23½ EF	15½ E	17½ EF	29½ F	33	28 A

For use of this chart for finding compatibility of two horoscopes, see page 66.

Sign words used in the Marriage compatibility Chart

SIGN	Meaning	
"	HALF POINT MORE	आधा अंक जमा
A	NADI DOSH	नाड़ी दोष
B	GANA DOSH	गण दोष
C	BHUKUTA DOSHA	भुकुट दोष
D	NAVA PANCHAMA DOSHA	नव पंचम दोष
E	DVIRDVADASHA DOSHA	द्विर्द्वादश दोष
F	YONI DOSHA	योनि दोष

Legends for Nakashatra

NAKSHATRA	ABBREVIATION
ASHWANI	(ASH)
BHARNI	(BHA)
KRITTIKA	(KRI)
ROHINI	(ROH)
MRIGSHIRA	(MRI)
ARDRA	(ARD)
PUNARVASU	(PUN)
PUSHYA	(PUS)
AASHLESHA	(ASL)

NAKSHATRA	ABBREVIATION
MAGHA	(MGH)
PURVA PHALGUNI	(PPH)
UTTRA PHALGUNI	(UPH)
HAST	(HAS)
CHITRA	(CHI)
SWATI	(SWA)
VISHAKHA	(VIS)
ANURADHA	(ANU)
JYESHTHA	(JYE)

NAKSHATRA	ABBREVIATION
MOOLA	(MOO)
PURVASHADA	(PSH)
UTTRASHADA	(USH)
SHRAVANI	(SHR)
DHANISHTHA	(DHA)
SHATBHISHA	(SHA)
PURVABHADRAPADA	(PBH)
UTTARBHADRAPADA	(UBH)
RWEVATI	(REV)

वर कन्या मेलापक सारिणी सम्बन्धित

भास्कर पंचांग में पृष्ठ 64-65 पर लड़के व लड़की की कुण्डलियों के मिलान के लिये गुण-दोष बोधक सारणी दी गई है। बाईं से दाईं तरफ को वर व ऊपर से नीचे को कन्या के जन्म, नक्षत्र, नक्षत्र चरणानुसार एवं राशिनुसार गुण मिलान सुगमता से जाना जा सकत हैं। वर्ग, नाड़ी, गण, योनि, भकुट आदि के कुल 36 गुण होते हैं। इनमें से कम से कम 16 गुण मिलान के लिये अनिवार्य कहे जाते हैं।

ग्रह मिलान के लिये लग्न, चन्द्र, सूर्य व शुक्र कुण्डली से भी मिलान कर लेना होता है। 18 से 24 तक मध्यम मिलान तथा 24 से 36 तक उत्तरोत्तर मिलान श्रेष्ठ होता है। इस पंचांग में दी गई मेलापक सारणी में गुण तथा जहाँ कहीं कोई दोष है, उसके नीचे ए, बी, सी आदि शब्द अंकित किये गये हैं। उनका तात्पर्य भी सारणी के नीचे स्पष्ट किया गया है। सभी दोषों में राशि मित्रता होने के उपरान्त भी नाड़ी दोष पर विशेष विचार किया जाता है। एक नक्षत्र, एक ही राशि तथा चरण के भेद होने पर या नक्षत्र भिन्न राशि एक होने पर नाड़ी दोष नहीं माना जाता है। यदि नाड़ी दोष होने पर भी अत्यावश्यकता में देश-काल परिस्थितिवश विवाह करना ही पड़े तो कम से कम 31000 महामृत्युञ्जय जाप तथा 31 रती की स्वर्ण की नाड़ी विवाह में दान करना विद्वानों ने इसका उपचार कहा है। मेलापक सारणी से गुण मिलान के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत है— किसी लड़के के जन्म राशि वृष है तथा नक्षत्र रोहिणी दूसरा चरण है। लड़की राशि तुला है, जन्म नक्षत्र विशाखा तृतीया चरण में हैं अह मेलापक सारणी में इन दोनों के सामने जहाँ ये नक्षत्र राशि मिलते हैं, 9 लिखा है इसके साथ में नीचे ए, बी, सी लिखा है, इसका अर्थ है कि कुल 9 मिल रहे हैं तथा ए, बी, सी से तात्पर्य नाड़ी, गण, भकुट दोष सारिणी के नीचे लिखा है। अत: राशियाँ मित्र होते हुये भी गुण 9 ही मिलते हैं सदोष हैं, जोकि शुभ मिलान नहीं है। इसी तरह अन्यत्र कुण्डली मिलान पर गुण-दोष जाँच करें। लड़के व लड़की की कुण्डली में व्यक्तिगत योगायोग का विचार भी अवश्य करना चाहिये।

विवाह मुहूर्त में लग्न विचार तथा त्रिबल शुद्धि — विवाह मुहूर्त देखना सभी मुहूर्तों में एक महत्त्वपूर्ण कार्य है। यहाँ लग्न विचार किया जा रहा है- मेष, वृष सिंह दिन में तथा मिथुन, कर्क, कन्या राशि में अंधे होते हैं और तुला वृश्चिक दिन में तथा धनु- मकर रात्रि में बधिर होते हैं। कुम्भ दिन में तथा मीन रात्रि में पंगु होते हैं। इनमें विवाह शुभ नहीं होते है, किन्तु ये राशियाँ अपने स्वामी या गुरू, बुध से दृष्ट या युक्त हों तो उक्त दोष नहीं होता। विवाह मुहूर्त बन रहा हो लेकिन लग्नाभाव रहें तो गोधूलि लग्न जोकि स्थानीय सूर्यास्त के आस पास के 24 मिनटों का होता है, सभी के लिये प्रशस्त माना जाता है। प्रबल शुद्धि विचार वर, कन्या के लिये सूर्य बल, चंद्रबल व गुरु बल देखा जाता है जिसे त्रिबल शुद्धि भी कहते हैं। इनमें विशेष रूप से वर को सूर्य बल, कन्या को गुरु बल (16 वर्ष से ऊपर की कन्या को यह भी आवश्यक नहीं) तथा वर-कन्या दोनों को चंद्रबल आवश्यक है।

सूर्य बल विचार— सूर्य वर की राशि से तृतीय, षष्ठ, दशम, एकादश राशि में शुभ तथा चतुर्थ, अष्टम और द्वादश राशि में अशुभ और प्रथम, द्वितीय, पंचम, सप्तम, नवम राशि में पूजा करके शुभ होता है।

गुरुबल विचार — गुरु कन्या की राशि से नवम, पंचम, एकादश, द्वितीय और सप्तम राशि में शुभ, चतुर्थ, अष्टम और द्वादश राशि में अशुभ तथा दशम तृतीय, षष्ठ और प्रथम राशि में पूजा करके होता है।

ग्रह	शुभ राशि	अशुभ राशि	पूजा करके शुभ
सूर्य	३,६,१०,११	४,८,१२	१,२,५,७,९
गुरु	२,५,९,७,९	४,८,१२	१,३,६,१०
चंद्र	१,३,६,७,१०,११	४,८,१२	२,५,९

चंद्रबल विचार— चंद्रमा वर और कन्या की राशि से पहला, तीरसा, छठा, सातवाँ, एकदाश राशि में शुभ, दूसरी, पांचवी, नौवीं, राशि पूजा करके शुभ होता है तथा चौथे, आठवें, बारहवें राशि में अशुभ होता है।

About marriage compatibility table

On page 64-65 of the Bhaskar Panchang, a table is provided to determine the favorable or non-favorable aspects of horoscopes of the boy and the girl for the purpose of marriage. All the favorable aspects of the birth nakshatras, rashis and nakshatra-charana 02 Escope. There is a total of 36 matching points of varga, naadi, gana, yoni, bhukuuta, etc. A minimum of 16 points must match. Matching of 18 to 24 points is considered as mediocre while matching of 24 to 36 points is considered as the most superior. In the table, letter A, B, C indicate matching qualities and non-matching items. The meaning of these indicators is given also. Even if the non-favorable aspects correspond to favorable raashis, one should give a special consideration to the non-favorable aspect of nadi. Under the following situations, the non-favorable aspects of nadi is ignored : same nakshatra, same raashi, difference in charana (i.e. same rashi but different nakshatra). Under the situation of non-matching of nadi, if a marriage is inevitable due to unavoidable circumstances, then, according to the advise of the pandits, one should recite "Maha-mrityu-anjaya Mantra" at least 31,000 times; and donate a gold bangle** weighing 31 grams or one ounce. Following is an example which describes the use of the table. For boy : birth rashi is vrisha and rohini nakshatra is in the second charana. For girl birth rashi is tula and nakshatra vishakha is in the third charana. In the table, where the nakshatras and rashis meet, there is numeral '9' and below it are letters A, B, C. This implies that a total of nine points are matching. The non-favorable aspects A, B, C of nadi, gana and bhukuuta are given below. Even though the raashis are favorable, there are only nine matching points and those are with faults as indicated by A, B, C. This is not considered as an auspicious match for marriage. One should also consider individual yoga and ayoga of the boy and the girl.

Consideration of lagna in determining auspicious timing for marriage —

Calculation of an auspicious timing for the marriage ceremony is the most important of all such calculations. One takes note of lagna for this calculation. The rashis of mesh, vrish and singh are blind in the daytime and those of mithun, kark and kanya are blind at the night-time. Tula and vrishchik are active in the daytime and dhanu and makar in the night. Kumbh is invalid in the daytime and meen at night. In these rashis, timing is not auspicious for a marriage ceremony. However, if these rashis are visible from their respective lords, by Jupitor or Mercury, then the non-favorable condition does not exist. If the auspicious timing exists but there is lack of lagna, then godhuli lagna (duration of 24 minutes around the time of local sunset) is considered auspicious for all.

Consideration of forceful effects of the Sun, Moon and Jupiter —

All these effects are considered for the boy and the girl. In particular, force of the Sun is essential for the boy, the force of Jupiter for the girl (but not necessary if the girl is over the age of 16) and the force of the moon for both.

Sun's force — With respect to the birth rashi of the body, it is considered as auspicious when Sun is in the 3rd, 6th, 10th or 11th rashi, inauspicious when in the 4th, 8th and 12th raashi, and auspicious after offering worship when the 1st, 2nd, 5th, 7th and 9th rashi.

Jupiter force — With respect to the birth rashi of the girl, it is considered as auspicious when Jupiter is in the 2nd, 5th, 7th, 9th or 11th rashi, inauspicious when in the 4th, 8th or 12th rashi, and auspicious after offering worship when in the 1st, 3rd, 6th or 10th rashi.

Moon's force— With respecr to the birth rashi of the boy and the girl, it is considered as auspicious when Moon is in the 1st, 3rd, 6th, 7th, 10th or 11th rashi, inauspicious when in the 4th, 8th or12 rashi and auspicious after offering worship when in the 2nd, 5th or 9th rashi.

मेलापक सारिणी में नाड़ी आदि दोषों के बारे में

वर कन्या की विवाह मेलापक सारिणी में नाड़ी, गण, षडाष्टक दोषों का संकेत किया गया है। इन दोषों के ज्ञान के लिए तालिका नीचे दी गई है।

नवपंचम दोष :— नवपंचम दोष विशेषत: सन्तान आदि के लिए पति पत्नी को प्रभा वित करता है। वर से कन्या या कन्या से वर की राशि पांचवीं या नवमी हो तो नवपंचम दोष होता है। मित्र नवपंचम दोष शुभ होता है और शत्रु नवपंचम दोष अशुभ होता है।

मित्र नवपंचम

मेष	वृष	मिथुन	सिंह	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
सिंह	कन्या	तुला	धनु	कुम्भ	मीन	मेष	वृष

शत्रु नवपंचम

मीन	कुम्भ	कन्या	कर्क
कर्क	मिथुन	मकर	वृश्चिक

षडाष्टक दोष : — वर से कन्या या कन्या से वर की राशि छठी या आठवीं हो तो षडाष्टक दोष होता है। मित्र षडाष्टक दोष शुभ होता है और शत्रु षडाष्टक दोष अशुभ होता है।

मित्र षडाष्टक

मेष	मिथुन	सिंह	तुला	धन	कुम्भ
वृश्चिक	मकर	मीन	वृष	कर्क	कन्या

शत्रु षडाष्टक

मेष	मिथुन	सिंह	तुला	धनु	कुम्भ
कन्या	वृश्चिक	मकर	मीन	वृष	कर्क

द्विर्द्वादश दोष : — द्विर्दादश दोष से दाम्पत्य जीवन में परस्पर माधुर्य विचार किया जाता है। वर-कन्या की परस्पर दूसरी-बारहवीं राशि हो तो द्विर्द्वादश दोष होता है। मित्र द्विर्दादश दोष शुभ होता है और शत्रु द्विर्द्वादश दोष अशुभ होता है।

मित्र द्विर्द्वादश

मीन	वृष	कर्क	कन्या	वृश्चिक	मकर
मेष	मिथुन	सिंह	तुला	धनु	कुम्भ

शत्रु द्विर्द्वादश

मेष	मिथुन	सिंह	तुला	धनु	कुम्भ
वृष	कर्क	कन्या	वृश्चिक	मकर	मीन

नाड़ी दोष : — वर-कन्या का जन्म नक्षत्र एक ही नाड़ी में पड़े तो विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है। दोनों की एक ही नाड़ी होना अशुभ माना जाता है। वर-कन्या दोनों की आदि नाड़ी होने से परस्पर वियोग, मध्य नाड़ी होने से दोनों की हानि, अन्त्य नाड़ी होने से महान् कष्ट या वैधव्य आदि की सम्भावना रहती है।

नाड़ी बोधक तालिका

अश्विनी	आश्लेषा	पुनर्वसु	उ0फाल्गुनी	हस्त	ज्येष्ठा	मूला	शतभिषा	पू0भाद्र	आदि	नाड़ी
भरणी	मृगशिरा	पुष्य	पू0फाल्गुनी	चित्रा	अनुराधा	पू0 षाढा	धनिष्ठा	उ0भाद्र	मध्य	नाड़ी
कृत्तिका	रोहिणी	आर्द्रा	मघा	स्वाति	विशाखा	उ0षाढा	श्रवण	रेवती	अन्त्य	नाड़ी

About Nadi etc. negative points in marriage compatibility chart

In the marriage compatibility chart mention has been made about Nadi, Gan and Shadashtak negative points (Doshas). More information about these negative points (Doshas) is give below.

Navpancham Dosha :— It particularly affects with respect to having children. If the sings of zodiac of the bride and groom are 5th forward or 9th backward, then this Dosha is present. If both the signs are friendly it is auspicious and if the signs are enemies it is inauspicious.

Friendly Nav-pancham

Mesh	Vrish	Mithun	Singh	Tula	Vrishch.	Dhan	Makar
Singh	Kanya	Tula	Dhan	Kumb	Meen	Mesh	Vrish

Enemy Nav-pancham

Meen	Kumbh	Kanya	Kark
Kark	Mithun	Makar	Vrishch

Khadashtak Dosha — The signs of zodiac are 6th and 8th from each other in this Dosha. Again friendly khadashtak are auspicious and enemy ones inauspicious.

Friendly Shadashtak

Mesh	Mithun	Singh	Tula	Dhan	Kumbh
Vrishch.	Makar	Meen	Vrish	Kark	Kanya

Enemy Shadashtak

Mesh	Mithun	Singh	Tula	Dhan	Kumbh
Vrish	Kark	Kanya	Vrishch.	Makar	Meen

Dvir-Dwadash (2nd-12th Rashi) :— Here the two signs are 2nd and 12th forward and backward from each other. Affection between boy and girl is considered by this Dosha. As in others above friendly signs are auspicious and enemy signs are inauspicious.

Friendly Dwirdwadash

Meen	Vrish	Kark	Kanya	Vrishch.	Makar
Mesh	Mithun	Singh	Tula	Dhan	Kumbh

Enemy Dwirdwadash

Mesh	Mithun	Singh	Tula	Dhan	Kumbh
Vrish	Kark	Kanya	Vrishch.	Makar	Meen

Nadi Dosha :— If the boy and girl (for marriage compatibility) are both born in the same Nadi of Nakshatra is not good for married life. Nakshatras are divided into three groups which follow three different group of Nadi. If the Nakshatras of male and female follows in same nadi group is called Nadi Dosha. If they both being in early group means separation, with both in middle group loss to both and with late group great suffering or widowhood (widowerhood)are possible.

Table of the knowledge of Nadi Dosha

Ashwani	Ardra	Punarva	U.Phalguni	Hast	Jyeshtha	Moola	Shaybhis	P.Bhadra	Aadi Nadi
Bharani	Mrigshir	Pushya	P.Phalguni	Chitra	Anuradh	P.Shadh	Dhanish	U.Bhadra	Madhau Nadi
Krittika	Rohini	Ardra	Magha	Swati	Vishakha	U.Shadha	Shravan	Revati	Antya Nadi

मंगलीक दोष

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुविनाशाय भर्ता कन्या विनाशकः॥

तदनुसार जन्मपत्री के पहले, चौथे, सातवें, आठवें व बारहवें भाव में मंगल ग्रह कन्या की कुण्डली में हो तो लड़के को और लड़के की कुण्डली में हो तो लड़की को प्रभावित करेगा। दाम्पत्य जीवन में हानिकारक सिद्ध होगा। जन्म लग्न के पश्चात् जन्मराशि तथा शुक्र की कुण्डली अनुसार भी विचार किया जाता है। नवांश कुण्डली पर भी विचार करना होता है अत: मंगलीक कन्या का मंगलीक लड़के के साथ मंगलीक लड़के का मंगलीक लड़की के साथ विवाह करना श्रेष्ठ एवं दाम्पत्य जीवन सुखद शान्त बनाने के प्रयास करना हितकर होगा।

इसमें विचार करने पर उपरोक्त भावों में मंगल की जगह यदि पापग्रह (सूर्य, शनि, राहु, केतु) दूसरे की कुण्डली (अर्थात् लड़की की कुण्डली में मंगलीक हो तो लड़के को और लड़के की कुण्डली में मंगलीक हो तो लड़की कुण्डली) में हो तो **(भौमेन सदृशो भौमः पापोः व तादृशो भवेत्। विवाह शुभदः प्रोक्तश्चिरायुः पुत्र पौत्रदः)** मंगलीक कि निवारण हो जाता है।

वर कन्या की राशियों में मित्रता हो तथा कम से कम 28 गुण मिले, गण भी एक हो तो भौम दोष नहीं होता। वृश्चिक का मंगल चौथे भाव में, मेष का लग्न में, मकर का सातवें भाव में, कर्क का आठवें भाव में तथा धनु राशि का मंगल बारहवें भआव में हो तो मंगलीक दोष अविचारिणीय होता है। जैसा कि कहा गया है—

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
द्यूने मृगे कर्किचाष्टौ भौम दोषो न विद्यते॥

केन्द्र में चंद्रमा अथवा चंद्रमा मंगल के साथ रहने पर भी मंगल दोष शान्त हो जाता है। यदि मंगल वक्री हो या नीच राशि में हो या अस्त हो अथवा शत्रु भाव में पड़ा मंगल पहले, चौथे, सातवें, आठवें व बारहवें भाव में हो तो मंगलीक दोष नहीं रहता।

द्वितीय भौमदोषस्तु युग्म कन्यकयोर्विना, चतुर्थे भौमदोषस्तु मेष वृश्चिकयोविनी॥
सप्तमे भौमदोषस्तु मकर कर्कटयोविनी, अष्टमे भौमदोषस्तु धनु मीनकयोविनी॥

अर्थात् यदि मंगल द्वितीयस्थ होकर मिथुन व कन्या राशि में चतुर्थ होकर मेष व वृश्चिक राशिगत गो, सप्तमस्थ होकर मकर या कर्क राशिगत हो, अष्टमस्थ होकर धनु या मीन में हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

यदि मंगल द्वादश में वृष या तुला का हो तथा कुम्भ व सिंह राशिगत मंगल कहीं भी स्थित हो तो दोष नहीं बनता है।

मंगलीक दोष एवं परिहार पर हमारे ज्योतिष ग्रन्थों में पर्याप्त विवेचन मिलता है। संक्षेप में ज्योतिषी के अनुभन व दृष्टि पर भी काफी निर्भर करता है। लड़के व लड़की की कुण्डली का गाम्भीर्यपन से अवलोकन अनन्तर ही तत्त्व निकालना चाहिये, अन्यान्य योगों पर भी अधिक चिन्तन की आवश्यकता है, क्योंकि साधारण मंगलीक तो प्राय: सभी कुण्डलियों में देखने को मिलता है।

EFFECT OF BEING MANGLIK

Lagne Vyaye Ca Pātāle Jāmitre Cāṣṭame Kuje।
Kanyā Bhaturvināśāya Bhartā Kanyā Vināśakah॥

Meaning that if Mars is in 1st, 4th, 8th ro 12th house, the person is called Manglik and it can affect the spouse with resultant harmful married life.

After the Lagna Kundali, a person's sign of zodiac and Shukra kundali are also taken in consideration. Similarly Navansha Chart is also considered. Usually it is most desirable that a Manglik person should be married to a Manglik person.

In the above mentioned houses if Mars is associated with Sun, Satrun, Rahu Ketu or if the same house of the intended spouse these planets are present, the effect of being Manglik is nullified.

If the Signs of zodiac of two marriage partners are friends and it least 28 points in marriage compatibility chart and both have the same Gana matches the effect of being Manglik is not considered.

Mars in Scorpio in 4th house, in Aries in 1st house, in Capricorn in 7th house, in Cancer in 8th house and in Sagittarius in 12th house, all these also result in Manglik status not worth considering.

If Moon is in one of the central houses or if Moon & Mars are tegether in a house, effect of Manglik is nullified.

If Mars is retrograde or set or is in the house of enemy again being Manglik is without effect.

If Mars of Mithun and Kanya Rashi is in second house, Mars of Mesh and Vrishchik Rashi in forth, Mars of Makar and Kark Rashi in seventh house, Mars of Meen and Dhanu Rashi in eighth house then Manglik Dosh is without effect.

If there is a Vrish of Tula Rashi's Mars is in 12th house, Mars of Kumbh and Singh Rashi in any house again being Manglik, is without effect.

There is a simple explanation available on the effect of being Manglik and its remedies in astrology books. Briefly a good deal depends the point of view and experience of the astrologer. Final decision should be based on detailed and care ful analysis of the horoscope.

Being simple Manglik i.e. Mars in house numbers 1, 4, 7, 8 or 12 is very common. Astrologers should look at all planets, their positions etc. before arriving at a final conclusion.

मांगलीक दोष

फलित ज्योतिष ग्रंथों में दिए गए मंगल दोष परिहार मंगल दोष को नष्ट नहीं सकते, केवल उसकी तीव्रता में कमी ला सकते हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों में मंगल दोष स्वत: न्यून व निरस्त हो जाता है।

भौमेन तुल्य यदा भौम: पापो व तादृशो भवेत्।
विवाह: शुभद: प्रोक्तश्चिरायु: पुत्रपौत्रद: ॥

यदि लग्न चतुर्थ, सप्तम अष्टम व द्वादश किसी भी स्थान पर वर या कन्या दोनों की कुण्डली में मंगल हो तो परस्पर दोषों का नाश होकर विवाह संबंध शुभप्रद होता है।

सप्तमे यदा सौरिर्लग्ने वापि चतुर्थके।
अष्टमे द्वादशे चैव तदा भौमो न दोषकृत॥

यदि वर-कन्या की कुण्डली में एक की कुण्डली में मंगलीक योग हो और दूसरे की कुण्डली में लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम, द्वादश इन भावों में शनि हो तो परस्पर भौम का दोष नहीं रहता।

उक्त स्थानेषु चन्द्राच्च गणयेत् पापखेचरान्।
पापाधिक्ये वरे श्रेष्ठ विवाहं प्रवदेद् बुध: ॥

लग्न तथा चन्द्रमा से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम, द्वादश भावों में पापग्रहों की संख्या गिनें, यदि कन्या की कुण्डली से वर की कुण्डली में पापग्रहों की संख्या अधिक हो तो विवाह श्रेष्ठ समझना चाहिए।

दोषकारी कुजो यस्य बली चेदमुक्त दोषकृत्।
दुर्बल: शुभ दृष्टो वा सूर्येणऽस्तगतोऽपिवा॥

जन्म कुण्डली में मंगल अनिष्ट स्थानों में बलवान होकर पड़ा होगा तभी वह दोषकारी होगा अन्यथा दुर्बल होने, शुभग्रह से दृष्ट होने या सूर्य के साथ अस्त होने पर दोषकारी नहीं होगा।

जो ग्रह भाव मध्य में होते हैं, वह भाव संबंधी पूर्ण फल प्रकट करते हैं और जो ग्रह भाव संधि में होते हैं, वह शून्य फल देते हैं। तदनुसार वर-कन्या की कुण्डलियों का मिलान करते समय दोनों की कुण्डलियों के ग्रह स्पष्ट, भाव स्पष्ट एवं चलित भाव कुण्डली भी होनी चाहिए। यदि दोनों की कुण्डलियों में मंगल सन्धिगत होगा तो मंगलीक दोष भंग माना जायेगा।

यदि सप्तमेश ग्रह उच्चस्थ या स्वराशि, मित्रादि होकर केन्द्र या त्रिकोणादि भावों में स्थित हो तो मंगल दोष निष्प्रभावी होगा। इसके विपरीत यदि त्रिक् में सप्तमेश हो, पाप ग्रह व पाप दृष्टि युक्त हो, नीच राशिगत सप्तमेश हो तो विवाह का पूर्ण सुख नहीं होगा।

दु:स्थे कामपतौ तु पाप ग्रहगे पापेक्षिते-तद्युते।
तज्जाया भवनस्थ मध्यमफलं सर्वं शुभं चान्यथा॥

MANGLIK DOSH

According to books of astrology drawback of mars cannot be mitigated. However, effect of its intensity can be reduced. In come situations mars impact either gets minimized or gets nullified.

Bhaumaina tulya yadā bhaumah pāpo va tādriśo bhavait
Vivāhah śubhadah proktiśicarāyuh putrapautradah

The placement of "Mangal" (Mars) in the horoscope is the main parameter for consideration of "Manglik dosha". A person can be considered "Manglik" if in his horoscope Mars is placed in the "lagna" (ascendant), the fourth house, the seventh house, the eight house or the twelfth house. If there is a same configuration of Mars in the horoscope of bride and groom then the mangal dosha stands cancelled and marriage becomes auspicious.

Saptme yadā Saurirlagne vāpi chaturthake
Aṣṭamai dvādaśe chaiva tadā bhaumo na doṣakrita

If the horoscope of on partner out of the two happens to have mangleek dosha and the other partner's horoscope lagan (ascendant) is in the fourth, seventh, eighth and 12th and in these houses Saturn happens to be there to be there then effect of manglik is also nullified.

Ukta sthāneṣu chandrācca gaṇayet pāpakhecarān
Pāpādhikye vare śreṣṭha vivāhaṁ pravaded budhah

If the total count of paap grehas of bride's horoscope taken into account from the house of lagna and from house of moon starting from first, fourth seventh, eighth and twelfth outnumber the count of grooms, horoscope, the marriage of such couple should be considered as auspicious.

Doṣakārī kujo yasya balī ceidamukta doṣakrit
Durbalah śubha driṣṭo vā suryeṇa'stagato'pivā

If mars occupies strong place in harmful houses then it will be harmful and if it is in weaker position then it loses its effect at the time of sun set. Those grehas which are in the centre of the house give full benefit and the planets in between the two houses they do not give any benefit at all. Therefore while matching the horoscopes of both partners; these should be very thoroughly scrutinized about their planet position and house positions of chalet bhaav kundli. If both kindlis Mars position is in between two houses then mangal dosha is nullified. If the lord of the 7th house happens to be in the higher position in his own house sitting in a triangular houses (1st, 5th and 9th) and central houses (first, fourth, seventh and tenth) then Mars has no effect.

If the lord of the 7th houses is in house 3-9 (trik), unfriendly planets or they are watched by enemy planets then marriage won't be fully harmonious.

Dusthe kāmapatau tu pāpa grahage pāpekṣite-tadyute
Tajjāyā bhavanastha madhyamaphalaṁ sarvaṁ śubhaṁ cānyathā

नक्षत्र, राशि स्वामी, वर्ण, वश्य आदि ज्ञान

राशि	नक्षत्र	1 2 3 4	स्वामी	वर्ण	गण	नाड़ी	योनि	वश्य	विंशोतरी दशा	योगिनी दशा
मेष	अश्विनी भरणी कृत्तिका	चू चे ले ला ली लू ले लो अ	मंगल	क्षत्रिय	देव मनुष्य राक्षस	आदि मध्य अन्त्य	अश्व गज मेष	चतुष्पद चतुष्पद चतुष्पद	केतु 7 वर्ष शुक्र 20 वर्ष सूर्य 6 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष भाद्रिका 5 वर्ष उल्का 6 वर्ष
वृष	कृत्तिका रोहिणी मृगशिरा	ई ऊ ए ओ वा वी वू वे वो	शुक्र	वैश्य	राक्षस मनुष्य देव	अन्त्य अन्त्य मध्य	मेष सर्प सर्प	चतुष्पद चतुष्पद चतुष्पद	सूर्य 6 वर्ष चन्द्र 10 वर्ष मंगल 7 वर्ष	उल्का 6 वर्ष सिद्धा 7 वर्ष संकटा 8 वर्ष
मिथुन	मृगशिरा आर्द्रा पुनर्वसु	का की कु घ ड छ के को ह	बुध	शूद्र	देव मनुष्य देव	मध्य आदि आदि	सर्प श्वान विडाल	मनुष्य मनुष्य मनुष्य	मंगल 7 वर्ष राहु 18 वर्ष गुरू 16 वर्ष	संकटा 8 वर्ष मंगला 1 वर्ष पिंगला 2 वर्ष
कर्क	पुनर्वसु पुष्य आश्लेषा	ही हू हे हो डा डी डू डे डो	चन्द्रमा	ब्राह्मण	देव देव राक्षस	आदि मध्य अन्त्य	विडाल मेष विडाल	जलचर जलचर जलचर	गुरू वर्ष शनि 19 वर्ष बुध 17 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष धान्या 3 वर्ष भ्रामरी 4 वर्ष
सिंह	मघा पूर्वाफाल्गुनी उत्तराफाल्गुनी	मा मी मू मे मो टा टी टू टे	सूर्य	क्षत्रिय	राक्षस मनुष्य मनुष्य	अन्त्य मध्य आदि	मूषक मूषक गौ	चतुष्पद चतुष्पद चतुष्पद	केतु 7 वर्ष शुक्र 20 वर्ष सूर्य 6 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष उल्का 6 वर्ष सिद्धा 7 वर्ष
कन्या	उत्तराफाल्गुनी हस्त चित्रा	टो पा पी पू ष ण ठ पे पो	बुध	वैश्य	मनुष्य देव राक्षस	आदि आदि मध्य	गौ महिष व्याघ्र	मनुष्य मनुष्य मनुष्य	सूर्य 6 वर्ष चन्द्र 10 वर्ष मंगल 7 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष संकटा 8 वर्ष मंगला 1 वर्ष
तुला	चित्रा स्वाति विशाखा	रा री रू रे रो ता ती तू ते	शुक्र	शूद्र	राक्षस देव राक्षस	मध्य अन्त्य अन्त्य	व्याघ्र महिष व्याघ्र	मनुष्य मनुष्य मनुष्य	मंगल 7 वर्ष राहु 18 वर्ष गुरू 16 वर्ष	मंगला 1 वर्ष पिंगला 2 वर्ष धान्या 3 वर्ष
वृश्चिक	विशाखा अनुराधा ज्येष्ठा	तो ना नी नू ने नो या यी यू	मंगल	ब्राह्मण	राक्षस देव राक्षस	अन्त्य मध्य आदि	व्याघ्र मृग मृग	कीट कीट कीट	गुरु 16 वर्ष शनि 19 वर्ष बुध 17 वर्ष	धान्या 3 वर्ष भ्रामरी 4 वर्ष भद्रिका 5 वर्ष
धनु	मूला पूर्वाषाढ़ा उत्तराषाढ़ा	ये यो भा भी भू घ फ ड भे	गुरू	क्षत्रिय	राक्षस मनुष्य मनुष्य	आदि मध्य अन्त्य	श्वान वानर नकुल	मनुष्य मनुष्य चतुष्पद	केतु 7 वर्ष शुक्र 20 वर्ष सूर्य 6 वर्ष	उल्का 6 वर्ष सिद्धा 7 वर्ष संकटा 8 वर्ष
मकर	उत्तराषाढ़ा श्रवण धनिष्ठा	भो जा जी खी खू खे खो गा गी	शनि	वैश्य	मनुष्य देव राक्षस	अन्त्य अन्त्य मध्य	नकुल वानर सिंह	चतुष्पद चतुष्पद जलचर	सूर्य 6 वर्ष चन्द्र 10 वर्ष मंगल 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष मंगला 1 वर्ष पिंगला 2 वर्ष
कुम्भ	धनिष्ठा शतभिषा पूर्वाभाद्र	गू गे गो सा सी सू से सो दा	शनि	शूद्र	राक्षस राक्षस मनुष्य	मध्य आदि आदि	सिंह अश्व सिंह	मनुष्य मनुष्य मनुष्य	मंगल 7 वर्ष राहु 18 वर्ष गुरू 16 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष धान्या 3 वर्ष भ्रामरी 4 वर्ष
मीन	पूर्वाभाद्र उत्तराभाद्र रेवती	दी दू थ झ ञ दे दो चा ची	गुरू	ब्राह्मण	मनुष्य मनुष्य देव	आदि मध्य अन्त्य	सिंह गौ गज	जलचर जलचर जलचर	गुरू 16 वर्ष शनि 19 वर्ष बुध 17 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष भद्रिका 5 वर्ष उल्का 6 वर्ष

ग्रह मैत्री चक्र

ग्रह	मित्र ग्रह	सम ग्रह	शत्रु ग्रह
सूर्य	मंगल चन्द्र गुरू	बुध	शुक्र शनि
चन्द्र	सूर्य बुध	मंगल शनि गुरू, शुक्र	
मंगल	गुरू, सूर्य चन्द्र	शुक्र, शनि मंगल	बुध
बुध	सूर्य शुक्र	गुरू शनि	चन्द्र
गुरू	सूर्य, चन्द्र मंगल	शनि	शुक्र, बुध
शुक्र	बुध, शनि	मंगल, गुरू	सूर्य, चन्द्र
शनि	बुध, शुक्र	गुरू	सूर्य, चन्द्र मंगल

नामाक्षर से वर्ग देखने का चक्र

अ ई उ ए गरूड़	क ख ग घ ङ मार्जार	च छ ज झ ञ सिंह
ट ठ ड ढ ण श्वान	त थ द ध न सर्प	प फ ब भ म मूषक
य र ल व हरिण	श ष स ह मैंढ़ा	

द्वादशभाव फल बोधक यंत्रम्

फलित अन्वेषण के समय किस भाव से क्या-क्या विचार होना चाहिए, इस हेतु सुलभ कोष्ठ प्रस्तुत है। साथ ही ग्रह+राशि+कारक+नेष्ट ग्रहों के स्थान व भाव संज्ञा एवं विशेष प्रभावी स्थान भी स्थापित किये गये हैं।

विविध ग्रहसंज्ञा विवेक

नवग्रहों का भाग्योदयकालांश –

रवि का 22 से 24 वर्ष तक। चन्द्र का 24 से 25 वर्ष तक। मंगल का 28 से 32 वर्ष तक। बुध का 32 से 36 वर्ष तक। गुरु का 16 से 22 वर्ष तक। शुक्र का 25 से 28 वर्ष तक। शनि का 36 से 42 वर्ष तक तथा राहु 42 से 48 वर्ष तक और केतु का 48 से 54 वर्ष तक प्रारब्ध विकासक कालांश।

ग्रहाणां धात्वादि–

सूर्य- अस्थि, चन्द्र-रूधिर, भौम-मज्जा एवं मांस, बुध- चमड़ी, गुरु - चर्बी, शुक्र - वीर्य, शनि - राहु-केतू नसों के अधिपति हैं। इनकी विषम नेष्ट स्थिति में इन धातुओं की कमी एवं रोग तथा शुभ सबल स्थिति में इन धातुओं का सौख्य प्रभावशील बनना स्पष्ट है।

ग्रहाणां नैसर्गिक प्रतिफलं –

सूर्य - पिता, आत्मा, प्रताप आरोग्य, शक्ति, लक्ष्मी। चन्द्र - मन, बुद्धि, उत्तम सोसायटी, माता, धन का कारक। भौम- पराक्रम, रोग, गुण, भाई, भूमि, जाति, शत्रु, शासक। बुध - विद्या, बंधु, विवेक, मामा, मित्र, वाणी-वचन। गुरू - बुद्धि, शरीर, पुष्टि, पुत्र, ज्ञान। शुक्र - स्त्री सुख, वाहन, भूषण, काम, शृंगार, व्यापार सुख। शनि - आयु, जीवन, मृत्यु, सुख, दु:ख कारक आदि उपलक्षक।

ग्रहाणां मौलिकत्त्व–

रवि, मंगल - तेजतत्त्व। चन्द्र, शुक्र - जलतत्त्व। बुध - पृथ्वीतत्त्व। गुरू - आकाशतत्त्व। शनि - वायुतत्त्व। राहु - जल - वायुतत्त्व। केतू - आकाश - तेजतत्त्व के गुणधर्म से योगवाही है।

ग्रह परिहार विवेक

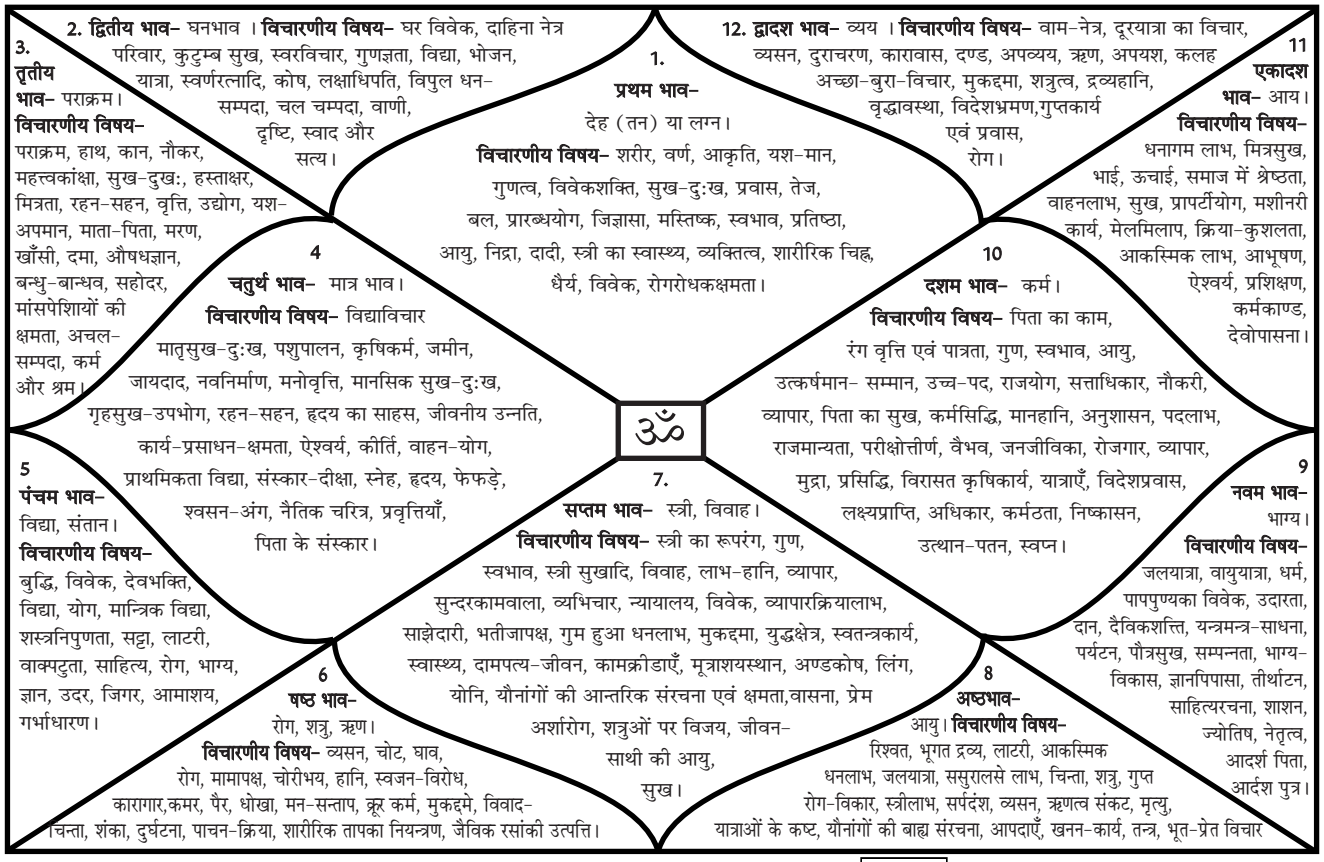

ग्रहों के दोष शामक ग्रह –

राहु का दोषनाशक बुध, राहु व बुध का दोषनाशक शनि, और राहु बुध शनि इन तीनों का दोषनाशक मंगल, तथा राहु बुध शनि मंगल इन चारों का दोषनाशक शुक्र है। शु, रा, बु, श मंगल इन पांचों का दोषनाशक गुरू है। रा, मं, बु, गु, श, शु इन 6 के दोष निवारण में चन्द्र तथा सभी ग्रहों का दोष नाश सूर्य के बलवान होनें पर समझें।

ग्रहाणां विफलत्वयोग–

सूर्य के साथ चन्द्र, लग्न से चतुर्थ बुध, पांचवे भाव में गुरू, द्वितीय मंगल, छठे शुक्र, सातवें शनि हो तो विफल योग, अर्थात् मौलिक फल के नाशक हैं।

ग्रहाणां फलकाल–

सूर्य+मंगल आदि में शनि तथा चन्द्र मध्य में, गुरू तथा शुक्र अन्त्य में तथा बुध सर्वदा शुभाऽशुभ फल के प्रतिकारक।

ग्रहों के अस्तकालांश –

(उपकरण - सूर्य+चन्द्रान्तरम्) चन्द्र 2, मंगल 17, बुध 13, गुरू 11, शुक्र 9, शनि 15 अंशान्तर कालांश से अस्तगत माध्यमिक स्थूल नियम से समझना चाहिये।

ग्रहाणां भोग राशि –

सूर्य बुध शुक्र एक मास, मंगल डेड़ मास, शनि ढाई वर्ष, गुरू डेड़ वर्ष, राहु डेड़ वर्ष तक एक एक राशि में मौलिक स्थूल नियम से गतिशील हैं तथा वक्र व अतिचार स्थिति बनने पर यह नियामक स्पष्ट गणना का नहीं। इसी प्रकार अस्त कालांश गणना हेतु भी नियम समझना चाहिए।

PERCEPTION YANTRA FOR PREDICTION OF TWELVE HOUSES

An easy chart is presented here to predict as to what is to be predicted from each house. Also, the planet +Rashi + Karak + planetary positions, their impact and form of each house has been given to indicate the special effects.

Different discretional planetary positions for the advent of luck---

For Sun 22 to 24 years; Moon 24 to 25 years; Mars 28 to 32; Mercury 32 to 36 years; Jupiter 16 to 22; Venus 25 to 28; Saturn 36 to 42 years and Rahu 42 to 48 and Ketu 48 to 54 years, these are years for destined progress.

Planetary abilities

Sun – Bones; Moon- Blood; Mars -Meat; Mercury- skin; Jupiter-fat; Venus- Semen; Saturn-Rahu-and Ketu all veins. In case of deficiency of anyone causes diseases and if in good condition it will give better health.

Planetary natural results

Sun- Father, soul, glory, health, power, Laxmi. Moon- mental, wisdom, better society, mother, cause of wealth. Mars- valor, illness, qualities, brother, land, caste, enemy, administrator. Mercury- Knowledge, relations, maternal uncle, friends, voice. Jupiter- Knowledge, body, fulfilling, son, wisdom. Venus- Wife's happiness, vehicle, ornaments, sex, dressing, business effluences. Saturn – longevity, life, death, happiness, sorrowful denotations.

Basic elements of Planets

Sun, Mars- Smart element. Moon, Venus- water element. Mercury- Earth element. Jupiter – Sky element. Saturn- air element. Rahu- water and sky element. Ketu- Sky and smartness elements.

Planets eliminating faulty planets

Mercury removes faults of Mercury, Rahu and Mercury for Saturn and Rahu, Mercury and Saturn for all these three, Mars and Rahu, Mercury Sturn and Mars can eliminate faults for all four. Venus, Rahu, Mercury, Jupiter, Rahu, Venus and Saturn are meant for all six planets; and for all the planets Sun , if powerful it will remove all faults.

Yoga for making futile all effects of planets

Sun with Moon, Mercury fourth from Lagna, Jupiter at fifth position, Mars in second place, Venus in sixth position, Saturn in seventh position. These are the prime destroyers of the results.

Planetary periods for fruitful effects

Sun+ Mars in the beginning Saturn and Moon in the middle and Venus in the end and Mercury all the time gives favorable effects.

Setting degrees of Planets

(Accessories –Sun + Difference in Moon) Moon 2, Mars 17, Mercury 13, Jupiter 11, Venus9, Saturn 15, it should be understood by the middle firm rule.

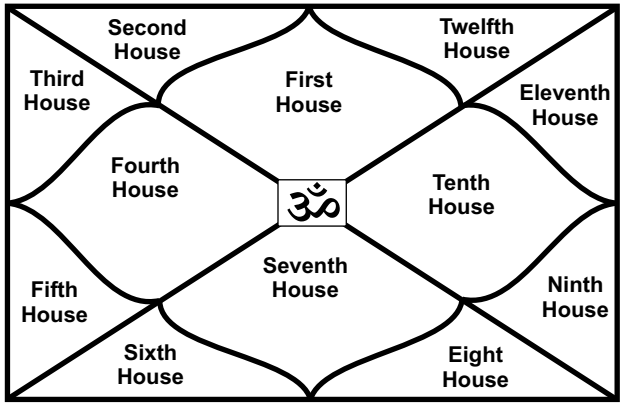

Period for planets to remain--

Sun, Mercury, Venus- one month, Mars One and half month, Saturn two and half month, Jupiter one and half month, all these planets are in motion as per the dynamic rule. In case these are retrograde or set off this is not applicable. The same also holds good if set off as per the calculation principle of timings.

First House --Body or Lagna,

Subjects to be viewed--- body, varna, shape, prestige, quality, discretional power, sorrow or happiness, residence, smartness, past life, inquisitiveness, brain, nature, prestige, age, sleepiness, wife's illness, personality, body marks, Patience, discretional power, capacity to avoid illness.

Second House Wealth Subjects to be viewed

Residence, wisdom, right eye, family, family happiness, voice thinking, quality assessment, education, food, travel, Gems, millionaire, lot of wealth, voice, sight, taste and truthfulness.

Third House—Velour Subjects to be viewed

Valor, hands, ears, servants, high thinking, happiness and pain, signature, friendship, common living, desire, industry, praises and insults, parents, death, cough, asthma, medical sciences, family friends, relations, capacity of muscles, immovable property, labor and work.

Fourth House-- Motherly House Subjects to be viewed

Education, paternal happiness, cattle care, agriculture, property, house building, attitude, mental happiness, comfort enjoyment, living, courageous, progress in life, ability to better working, valor, vehicle comfort, courage, progress in life, ability to work better, love, heart, lungs, breathing parts, good character, and parental tradition.

Fifth House- Education and Sons and daughter subjects to be viewed-

Wisdom, education, Godly worshipping, Yog, knowledge of Mantras, knowledge of arms, lottery, politics, prestige, writer, speaker, literary, illness, fate, knowledge, stomach, liver, to conceive.

Sixth House—diseases, enemy, loans and subjects to be viewed -

Addiction, wound, diseases, maternal side, theft, loss, opposition from own people, jail, waist, legs, cheating, mental anguish, bad deeds, court cases, arguments, worries, doubts, accidents, digestion, control of digestion temperature, development of organic juices.

Seventh house—---Wife, marriage—subjects to be viewed-

Wife's beauty and color, qualities, happiness of wife, marriage, loss and gain, business, good acts, adultery, courts, wisdom, gain in business, partnership, nephew side, gain of lost property, court case, war field, free actions, health, family life, sexual acts, urinating part, andkosh, penis, vagina, inner structure and capacity of womb, craving, love, inner diseases, win over enemy, age of wife and happiness.

Eighth House- Age- subjects to be viewed

Bribery, earthly material, lottery, sudden money gain, sea travel, gain from in laws, worries, enemies, sexual diseases, gain from wife, snake bite, cravings, loan problem, death, travel problems, shape of vagina, troubles, mining, tantra, consideration of evil spirits.

Ninth House- Fate—Subjects to be viewed-

Sea travel, air travel, religion, wisdom of sin and profit, kindness, donation, godly power, black magic ideas, travel, wellness, development of fate, hungry for knowledge, literary creation, ruling, astrology, leadership, ideal father and ideal son.

Tenth House—Action- Subjects to be viewed--

Father's business, quality and ability, nature, age, highest prestige, high position, official prize, official position, service, business, father's happiness, fruitful actions, loss of prestige, discipline, gain of position, state honor, passing the examination, valor, earning livelihood, business, money, name, parental gain, agriculture acts, foreign residence, aim attained, authority, strong willed, exodus, gain and loss and dreams.

Eleventh House—Income- Subjects to be viewed

Income expenditure gain, friendly gains, brothers, position in society, vehicle gain, happiness, gain of property, machinery acts, gain of property, meeting people, quality for this, sudden gain, Jewlery, high position training, religious actions, and religious worshipping.

Twelfth House --Expenditure- Subjects to be viewed-

Lest eye, idea of long travel, cravings, bad actions, jail possible, useless expenditure, bad name, Strifes, good and bad thinking, cases, enmity, loss of wealth, old age, foreign travel, hidden actions and living, diseases.

1 घात चक्र :— राज सेवा, वाहन, रोग, युद्ध, विवाद आदि कार्यों में घात चक्र देखना चाहिए तथा विवाह आदि अन्य कार्यों में अविचारणीय होता है। अपनी राशि अनुसार सामने की तालिका से घात वार आदि देखें।

राशियां	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
घात चन्द्र पुरुष	मेष	कन्या	कुम्भ	सिंह	मकर	मिथुन	धनु	वृष	मीन	सिंह	धनु	कुम्भ
घात चन्द्र स्त्री	मेष	धनु	धनु	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	मीन	धनु	कन्या	वृश्चिक	मिथुन	कुम्भ
घात मास	कार्तिक	माघ	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	मार्गशीर्ष	मार्गशीष	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घात नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनुराधा	मूला	श्रवण	शतभिषा	रेवती	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घात योग	विष्कुम्भ	शुक्ल	परिघ	व्याघात	धृति	शूल	शूल	व्यतिपात	वरीयान	वैधृति	गण्ड	वैधृति
घात करण	बव	शकुनि	चतुष्पाद	नाग	बव	कौवल	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनि	किंस्तुध्न	चतुष्पाद
घात वार	रवि	शनि	चन्द्र	बुध	शनि	शनि	गुरू	शुक्र	शुक्र	मंगल	गुरू	शुक्र
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	प्रथम	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	चतुर्थ
घात लग्न	1	2	4	7	10	12	6	8	9	11	3	5
घात तिथि	1,6,11	5,10,15	2,7,12	3,9,13	5,10,15	4,9,14	1,6,11	3,8,16	4,9,14	4,9,14	3,8,13	5,10,15

विंशोत्तरी दशा :—

विंशोत्तरी दशा बोधक सारिणी अन्तर्दशा सहित लिखी गई है। जन्म नक्षत्रानुसार जन्म से दशा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। जन्म समय में जितना नक्षत्र भुक्त हो चुका हो उतनी ही दशा जन्म से पूर्व जातक भोग चुका होता है। मान लो किसी का जन्म नक्षत्र रोहिणी है और जन्मकालीन समय में वह आधा बीत चुका है तो सारिणी से ज्ञात होता है कि रोहिणी नक्षत्र में चन्द्रमा की दशा जिसका मान 10 वर्ष है अत: 5 वर्ष यानि आधी दशा जातक जन्म समय में भोग चुका है 5 वर्ष क्रमश: दशा भोग्य होगी। अन्तर्दशा की भी समझ सुगम है। एक ग्रह की दशा में नौ ग्रहों की दशा भोग्य होती है। जिसका सामान्य नियम है–

2 घात पराशरोक्त विंशोत्तरी दशा सारिणी

सूर्य दशा वर्ष 6	चन्द्र दशा वर्ष 10	मंगल दशा वर्ष 7	राहु दशा वर्ष 18	गुरू दशा वर्ष 16	शनि दशा वर्ष 19	बुध दशा वर्ष 17	केतु दशा वर्ष 7	शुक्र दशा वर्ष 20
कृतिका, उत्तराषाढ़ा, उत्तरा फाल्गुनी	रोहिणी, हस्त श्रवण	मृगशिरा, धनिष्ठा चित्रा	आर्द्रा, स्वाति शतभिषा	पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती	मघा, मूला, अश्विनी	भरणी, पूर्वाषाढ़ा, पूर्वाफाल्गुनी
अन्तर्दशा वर्षादि	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**	**अन्तर्दशा वर्षादि**
ग्रह वर्ष मास दिन	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**	**ग्रह वर्ष मास दिन**
सूर्य 0 3 18	चन्द्र 0 10 0	मंगल 0 4 27	राहु 2 8 12	गुरू 2 1 18	शनि 3 0 3	बुध 2 4 27	केतु 0 4 27	शुक्र 3 4 0
चन्द्र 0 6 0	मंगल 0 7 0	राहु 1 0 18	गुरू 2 4 24	शनि 2 6 12	बुध 2 8 9	केतु 0 11 27	शुक्र 1 2 0	सूर्य 1 0 0
मंगल 0 4 6	राहु 1 6 0	गुरू 0 11 6	शनि 2 10 6	बुध 2 3 6	केतु 1 1 1	शुक्र 2 10 0	सूर्य 0 4 6	चन्द्र 1 8 0
राहु 0 10 24	गुरू 1 4 0	शनि 1 1 1	बुध 2 6 18	केतु 0 11 6	शुक्र 3 2 0	सूर्य 0 10 6	चन्द्र 0 7 0	मंगल 1 2 0
गुरू 0 9 18	शनि 1 7 0	बुध 0 11 27	केतु 1 0 18	शुक्र 2 8 0	सूर्य 0 11 12	चन्द्र 1 5 0	मंगल 0 4 27	राहु 3 0 0
शनि 0 11 12	बुध 1 5 0	केतु 0 4 27	शुक्र 3 0 0	सूर्य 0 1 18	चन्द्र 1 7 0	मंगल 0 11 27	राहु 1 0 18	गुरू 2 8 0
बुध 0 10 6	केतु 0 7 0	शुक्र 1 2 0	सूर्य 0 10 24	चन्द्र 1 4 0	मंगल 1 1 1	राहु 2 6 18	गुरू 0 11 6	शनि 3 2 0
केतु 0 4 6	शुक्र 1 8 0	सूर्य 0 4 6	चन्द्र 1 6 0	मंगल 0 11 6	राहु 2 10 6	गुरू 2 3 6	शनि 1 1 9	बुध 2 10 0
शुक्र 1 0 0	सूर्य 0 6 0	चन्द्र 0 7 0	मंगल 1 0 18	राहु 2 4 24	गुरू 2 6 12	शनि 2 8 9	बुध 0 11 27	केतु 1 2 0

मुख्य दशा वर्ष म अन्तर्दशा वर्ष
कुल दशा मान (120)

जैसे शुक्र दशा 20 वर्ष है तो

$\frac{20\times20}{120} = \frac{400}{120}$ = 3 वर्ष 4 मास

3 वर्ष 4 मास शुक्र दशा में शुक्र अन्तरा होगा उसके बाद सूर्य अन्तरा होगा 1 वर्ष जैसे

$\frac{20\times6}{120} = \frac{120}{120}$ = 1 वर्ष 4 मास

3. योगिनी दशा

योगिनी दशा 01 वर्ष माना जाता है विंशोतरी दशा मान 120 वर्ष होता है।

3 योगिनी दशा सारिणी

मंगला, 1 वर्ष, चन्द्र आर्द्रा, चित्रा श्रवण	पिंगला, 1 वर्ष, सूर्य पुनर्वसु,स्वाति, धनिष्ठा	धान्या, 3 वर्ष गुरू पुष्य, विशाखा, शतभिषा	भ्रामरी, 4 वर्ष, मंगल आश्ले, अनु. पू.भा.अशि.	भद्रिका, 5 वर्ष, बुध मघा ज्ये, उ.भाद्र, भर	उल्का, 6 वर्ष, शनि उ.फा. पू.षाढ़ा, रोहिणी	सिद्धा 7 वर्ष, शुक्र उ.फा., पू.षाढ़ा, रोहिणी	संकटा, 8 वर्ष, केतु हस्त, उ.षा., मृगशिरा
योगिनी मास दिन	**योगिनी मास दिन**	**योगिनी मास दिन**	**योगिनी मास दिन**	**योगिनी मास दिन**	**योगिनी मास दिन**	**योगिनी मास दिन**	**योगिनी मास दिन**
मंगला 0 10	पिंगला 1 10	धान्या 3 0	भ्रामरी 5 10	भद्रिका 8 10	उल्का 12 0	सिद्धा 16 10	संकटा 21 10
पिंगला 0 20	धान्या 2 0	भ्रामरी 4 0	भद्रिका 6 20	उल्का 10 0	सिद्धा 14 0	संकटा 18 20	मंगला 2 20
धान्या 1 0	भ्रामरी 2 20	भद्रिका 5 0	उल्का 8 0	सिद्धा 11 20	संकटा 16 0	मंगला 2 10	पिंगला 5 10
भ्रामरी 1 10	भद्रिका 3 10	उल्का 6 0	सिद्धा 9 10	संकटा 13 10	मंगला 2 0	पिंगला 4 20	धान्या 8 0
भद्रिका 1 20	उल्का 4 0	सिद्धा 7 0	संकटा 10 20	मंगला 1 20	पिंगला 4 0	धान्या 7 0	भ्रामरी 10 20
उल्का 2 0	सिद्धा 4 20	संकटा 8 0	मंगला 1 10	पिंगला 3 10	धान्या 6 0	भ्रामरी 9 10	भद्रिका 13 10
सिद्धा 2 10	संकटा 5 20	मंगला 1 0	पिंगला 2 20	धान्या 5 0	भ्रामरी 8 0	भद्रिका 11 20	उल्का 16 0
संकटा 2 20	मंगला 0 20	पिंगला 2 0	धान्या 4 0	भ्रामरी 6 20	भद्रिका 10 0	उल्का 14 0	सिद्धा 18 20

और योगिनी दशा कुल 36 वर्ष की होती है। तत्पश्चात् पुनरावृत्ति की जाती है। विंशोतरी दशा की गणना कृत्तिका नक्षत्र से तथा योगिनी दशा की गणना 42लिका से स्पष्ट ज्ञात होता है। विंशोत्तरी व योगिनी दशा ही भारतीय ज्योतिष में अधिक प्रचलित है कहीं कहीं अष्टोत्तरी दशा भी व्यवहृदय है जिसका कुल मान 108 वर्ष का होता है।

1. Ghaat Chakra : Ghaat Chakra effect in case of serving kingdom vehicle, sickness, discussion, and war etc. For the wedding ceremony avoid the Ghaat chakra. According to your rashi you can know the Ghaat vara etc. from the table given below:-

Raashies	Mesh	Vrish	Mithun	Kark	Singh	Kanya	Tula	Vrishchik	Dhanu	Makar	Kumbh	Meen
Ghat Chandr Male	Mesh	Mithun	Dhanu	Vrish	Kanya	Makar	Mithun	Tula	Kark	Vrishchik	Kumbh	Meen
Ghat Chandr Female	Mesh	Dhanu	Dhanu	Meen	Vrishchik	Vrishchik	Meen	Dhanu	Kanya	Vrishchik	Mithun	Meen
Ghaat Maas	Kartika	Magh	Aashadh	Paush	Jyeshth	Margashee	Margashee	Aashwin	Shravan	Vaishakh	Chaitra	Phalgun
Ghaat Nakshatra	Magha	Hast	Swati	Anuradha	Moola	Shravani	Shatbhish	Revati	Bharani	Rohini	Ardra	Ashlesha
Ghaat Yoga	Vishku.	Shukl	Parigh	Vyaghat	Dhriti	Shoola	Shool	Vyatipat	Variyan	Vaidhriti	Ganda	Vaidhriti
Ghaat Karana	Bav	Shakuni	Chatush.	Nag	Bav	Kaulav	Taitil	Gar	Taitil	Shakuni	Kinstughan	Chatuspad
Ghaat Vara	Ravi	Shani	Chandra	Budh	Shani	Shani	Guru	Sukra	Sukra	Mangal	Guru	Sukra
Ghaat Prahara	1st	4th	3rd	1st	1st	1st	4th	1st	1st	4th	3rd	4th
Ghaat Tithi	1,6,11	5,10,15	2,7,12	2,7,12	3,9,13	5,10,15	4,9,14	1,6,11	3,8,16	4,9,14	3,8,13	5,10,15

2. Vinshottari Dasha (period):

Table indicating vinshottari dasha (period) also gives antar-dasha (sub-period). Dashaa can be determined from the time of birth based on birth nakshatra. The native (jataka) has completed the same dashaa an from the time of birth as he/she has completed the nakshatra from the time of birth. For example: If someone's birth nakshatra iti is rohini, and this nakshatra is half completed as calculated from the time of birth. From the table, note that the native has al-ready completed half (i.e. 5 years) of moon's dasha in rohini nakshatra (whose total measure is ten years). Five years of 15 this dasha still remain to be completed. Thereafter, the native will live through seven years of Mangars dasha and 18 years of Rahu's dasha. One can easily consult antardasha (sub-pe-riod) also from this table.In the dashaa of one graha. one lives through the dasha of nine grahas. As a general s Graha Yrs Mon Days rule—

Table for the Knowledge about Vinshottari Dasha

Surya Dasha 6 yrs Kritika, U.Shadha U.Phalguni				Chandr Dasha 10 yrs Rohini, Hasta Shravani				Mangal Dasha 7 yrs Mrigshira, Dhan-ishtha Chitra				Rahu Dasha 18 yrs Ardra, Swati Shatbhisha				Guru Dasha 16 yrs Punarvasu, Vishakha P. Bhadrapada				Sani Dasha 19 yrs Pushya, Anuradha U. Bhadrapada				Budh Dasha 17 yrs Ashlesha, Jyeshtha, Revati				Ketu Dasha 7 yrs Magha, Moola Ashwani				Sukra Dasha 20 yrs Bharani, P.Shadha P. Phalguni			
Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha				Antar-Dasha			
Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days	Graha	Yrs	Mon	Days
Surya	0	3	18	Chand	0	10	0	Mang	0	4	27	Rahu	2	8	12	Guru	2	1	18	Sani	3	0	3	Budh	2	4	27	Ketu	0	4	27	Sukra	3	4	10
Chan	0	6	0	Mang	0	7	0	Rahu	1	0	18	Guru	2	4	24	Sani	2	6	12	Budh	2	8	9	Ketu	0	11	27	Sukra	1	2	0	Surya	1	0	0
Mang	0	4	6	Rahu	1	6	0	Guru	0	11	6	Sani	2	10	6	Budh	2	3	6	Ketu	1	1	9	Sukra	2	10	0	Surya	0	4	6	Chand	1	8	0
Rahu	0	10	24	Guru	1	4	0	Sani	1	1	9	Budh	2	6	18	Ketu	0	11	6	Sukra	3	2	0	Surya	0	10	6	Chand	0	7	0	Mang	1	2	0
Guru	0	9	18	Sani	1	7	0	Budh	0	11	27	Ketu	1	0	18	Sukra	2	8	0	Surya	0	11	12	Chand	1	5	0	Mang	0	4	27	Rahu	3	0	0
Saini	0	11	12	Budh	1	5	0	Ketu	0	4	27	Sukra	3	0	0	Surya	0	9	18	Chand	1	7	0	Mang	0	11	27	Rahu	1	0	18	Guru	2	8	0
Budh	0	10	6	Ketu	0	7	0	Sukra	1	2	0	Surya	0	10	24	Chand	1	4	0	Mang	1	1	9	Rahu	2	6	18	Guru	0	11	6	Sani	3	2	0
Ketu	0	4	6	Sukra	1	8	0	Surya	0	4	6	Chand	1	6	0	Mang	0	11	6	Rahu	2	10	6	Guru	2	8	9	Sani	1	1	9	Budh	2	10	0
Sukra	1	0	0	Surya	0	6	0	Chand	0	7	0	Mang	1	0	18	Rahu	2	4	24	Guru	2	6	12	Sani	2	6	12	Budh	2	11	27	Ketu	1	2	0

$$\frac{\text{Main Dasha Varsh} \times \text{Antar Dasha Varsh}}{\text{Total Dasha period}}$$

For example if we have to know the sub period of Sukra in Sukra then $\frac{20 \times 20}{120}$ $\frac{400}{120}$ = 3 yrs and 4 months that means antra dasha of Sukra in Sukra is 3 years and 4 months. It is the same formula for all other grahas.

Table for the Knowledge about Yogini Dasha

Mangala,1yr,Chand. Ardra,Chitra,Shrava			Pingala,2yr,Surya Punrva,Swati,Dhanish			Dhanya,3yr,Budha Pushya,Vishakh,Shat.			Bhramari,4yr,Mangal Ashl.,Anu.,P.Bha.,Aswa.			Bhadrika,5yr,Budh Magh,Jye.U.Bha,Bhar			Ulaka,6yr, Saini P.Bha,Mula, Rev,Krit			Siddha,7yr, Sukra U.Pha,P.Shadh,Rohi			Sankata,8yr, Ketu Hast,U.Shadh,Mrigshir		
Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days	Yogini	Mon	Days
Mangala	0	10	Pingala	1	10	Dhanya	3	0	Bhramari	5	10	Bhadrika	8	10	Ulaka	12	0	Siddha	16	10	Sankata	21	10
Pingala	0	20	Dhanya	2	0	Bhramari	4	0	Bhadrika	6	20	Ulaka	10	0	Siddha	14	0	Sankata	18	20	Mangala	2	20
Dhanya	1	0	Bhramari	2	20	Bhadrika	5	0	Ulaka	8	0	Siddha	11	20	Sankata	16	0	Mangala	2	10	Pingala	5	10
Bhramari	1	10	Bhadrika	3	10	Ulaka	6	0	Siddha	9	10	Sankata	13	10	Mangala	2	0	Pingala	4	20	Dhanya	8	0
Bhadrika	1	20	Ulaka	4	0	Siddha	7	0	Sankata	10	20	Mangala	1	20	Pingala	4	0	Dhanya	7	0	Bhramari	10	20
Ulaka	2	0	Siddha	4	20	Sankata	8	0	Mangala	1	10	Pingala	3	10	Dhanya	6	0	Bhramari	9	10	Bhadrika	13	10
Siddha	2	10	Sankata	5	10	Mangala	1	0	Pingala	2	20	Dhanya	5	0	Bhramari	8	0	Bhadrika	11	20	Ulaka	16	0
Sankata	2	20	Mangala	0	20	Pingala	2	0	Dhanya	4	0	Bhramari	6	20	Bhadrika	10	0	Ulaka	14	0	Siddha	18	20

3. Yogini Dashaa (period):

The succession of yogini dasha is determined it vinshottari dasha is 120 years while that of yogini dasha is 36 years. Thereafter one goes through the cycle again. As given in the corre-sponding table, the vinshottari dasha is calculated from krittika nakshatra while yogini dasha is calculated from aardra nakshatra. These two dashas (vinshottari and yogini) are the main ones used in Indian astrology. On some occasions ashtottari dasha (with a total measure of 108 years) is also considered

ज्योतिष शास्त्र में कुछ महत्त्वपूर्ण योग

पुत्रोत्पत्ति का समय—

1. लग्न, चन्द्र व गुरु इन तीनों से पंचम व नवम स्थान के राशिस्वामी ग्रह की दशा अन्तर्दशा में पुत्रोत्पत्ति सम्भव होती है।
2. जन्म, लग्नेश व पंचमेश के स्पष्ट के जोड़े, योगफल के राश्यादि और नवांश की राशि में या इन तीनों की त्रिकोण राशि में जब गोचर का गुरु आए तो पुत्र लाभ होगा।

विवाह योग—

1. जन्म लग्नेष, सप्तमेश को जोड़कर जो राशि हो, उस राशि में जब गोचरवश गुरु आए तो विवाह का योग बनता है।
2. चन्द्र राशीश और अष्टमेश को जोड़ने पर प्राप्त राशि में जब गोचरवश गुरु आए तो विवाह योग बनता है।
3. लग्नेश का नवांशेश जिस राशि में हो, उस राशि से द्वितीय भाव में जब गोचर में गुरु चन्द्रमा होते हैं, तब विवाह होता है।

पिता के लिए कष्ट योग—

सूर्य व मंगल नवम व दशम भाव में गए हों अथवा दशमेश सूर्य मंगल से युक्त हो, अथवा शत्रु राशि का मंगल दशम भाव में हो अथवा पाप ग्रह युक्त सूर्य सातवें भाव में हो, इनमें से कोई भी एक योग कुण्डली में हो तो पिता के लिए कष्टकारी होता है।

पिता के लिए खतरा— सूर्य से 1,2,7,22 भावों में जो पाप ग्रह हो, उसकी दशा-अन्तर्दशा में पिता को खतरे का योग बनेगा।

मातृतुश नाशक योग—

1. सातवें में पापग्रह युक्त हो।
2. चन्द्रमा से सातवें पापयुक्त शुक्र हो।
3. पापग्रहों के बीच चन्द्रमा हो अथवा चन्द्रमा से सातवें और चौथे पापग्रह हों।
4. तीसरे या सातवें स्थान में सूर्य और लग्न में मंगल हो।
5. चौथे भाव में शनि पापग्रहों से दृष्ट हो।

इन पांचों में से कोई एक भी योग मिलें तो माता को कष्ट का भय होता है।

ग्रहदशानुसार माता की मृत्यु का समय—

जन्म के समय सूर्य स्पष्ट में से चन्द्र स्पष्ट घटायें, शेष की राशि का त्रिकोण राशि में या इस शेष राशि के नवांश राशि में जब गोचर का शनि या गुरु आए तो माता को मृत्यु तुल्य कष्ट होगा।

हृदय रोग—

सूर्य यदि चतुर्थ भावगतम हो तो हृदय रोग होता है।

मकर राशिगत सूर्य सामान्य हृदय रोग उत्पन्न करता है।

वृश्चिक राशिगत सूर्य हृदय रोगी बनता है।

कुम्भ राशिगत सूर्य धमनियाँ अवरोध उत्पन्न करता है।

वृष राशिगत सूर्य होने से हृदय रोगी हनता है।

राहु द्वादशस्थ हो तो हृदय शूल होगा।

Important Yoga in Vedic Astrology

Calculating and predicting the birth of a child—

1. The 5th house and 9th house lord's dasha from Lagan, Moon, and Jupiter gives potential time for child birth.
2. When the Guru is in Gochar of the following 3 scenarios then child birth is possible. The Lord of ascendant and the lord of the 5th house's degree. The sum of the 2 previously mentioned house's sign and degrees and lastly navamsa sign.

Calculating auspicious time for Marriage —

1. By adding the ascendant's lord and 7th house lord a sign will be calculated. When Jupiter is present in the gochar of that sign, then a auspicious time for marriage will be present.
2. By adding the lord of moon and the lord of 8th house a sign will be calculated. When Jupiter is present in the gochar of that sign, then a auspicious time for marriage will be present.
3. First calculate the lord of the Ascendant's navamsa Lord. When Jupiter and Moon are present in the 2nd house from the sign of that Navamsa lord, then a auspicious time for marriage will be present.

Scenarios in which father may face misfortune—

1. When Sun and Mars are present in the 9th.
2. 10th of the Lord of the 10th house is present with Sun and Mars.
3. Mars is present in enemy sign in 10th house.
4. Sun is in 7th house with malefic planets.

When Father will face misfortune—

1. When malefic planets are present in the 1st, 2nd, 7th, 12th house from Sun and their main period and sub periods has begun.

Scenarios in which mother may face misfortune—

1. Moon present in 7th house with malefic planets.
2. If Venus is present with malefic planets 7th house from Moon.
3. Moon is present with malefic planets or 7th house or 4th house from moon has malefic planets present.
4. If Sun is present in 3rd of 7th house and mars is present in ascendant.
5. Saturn is present in 4th with aspect of malefic planets.

Scenarios in which mother may face death—

1. At the time of birth Moon degree should be subtracted from Sun degree. When Saturn and Jupiter is present in the gochar of the remainder's sign or triangular sign of this remainder's sign's namavmsa then death may be possible.

Heart Diseases scenario—

- When Sun is present in 4th house Heart Disease is possible.
- When Sun is in Capricorn normal heart problem is possible.
- When Sun in Scorpio heart problems are possible.
- When Sun is present in Aquarius, artery problems are possible.
- When Sun is in Taurus heart problems are possible.
- Rahu is present in 12th house then heart pains are possible.

भारतीय धर्मशास्त्रों में अशौच व्यवस्था

हमारे हिन्दू धर्मशास्त्रों में अशौच व्यवस्था पर प्राचीन, आध्यात्मिक शक्ति सम्पन्न ऋषिजनों ने अपने-अपने मत दिये हैं। अशौच व्यवस्था शास्त्रों में दो प्रकार से वर्णित है जन्म और मरण अशौच। जन्म से जननाशौच (सूतक) तथा मरण से मरणाशौच (पातक) होता है। जब किसी घर में कोई जातक जन्म ले तो जननाशौच होता है तथा किसी की मृत्यु हो जाए तो मरणाशौच कहा जाता है। इस अशौच निर्णय में अवश्य ही प्राचीन ऋषियों का कोई वैज्ञानिक सिद्धान्त रहा होगा।

दशाहं शावमाशौचे सपिण्डेषु विधीयते।
सपिण्ड़ता तु पुरुषे सप्तमे विनिवर्तते।
जननेत्येमेव स्यात् ..... मनुस्मृति - 5/59

सगोत्रता व सपिण्डता के अनुसार इसका निर्णय दिया जाता है।

शुद्धयेत विप्रो दशाहेन द्वादशाहेन भूमिपः।
वैश्यो पंचदशाहेन, शूद्रः मासेन शुध्यति॥ मनुस्मृति 4 /83

अर्थात् ब्राह्मण दस दिनों में, क्षत्रिय बारह दिनों में, वैश्य पन्द्रह दिनों में तथा शूद्र एक मास में शुद्ध होता है। सामान्यतया यही नियम है। इन दिनों में शुभ कर्म करना, देवयज्ञ, विवाहादि संस्कार, ठाकुर जी को स्नान कराना पूजोपचार वर्जित होते हैं। मानसिक उपचारों से ही ईश्वर उपासना की जाती है।

चार मास तक का गर्भ गिरने से माता को तीन दिन का अशौच और पिता स्नान मात्र से शुद्ध मानते हैं। बच्चे का जन्म होने पर नालच्छेदन तक सूतक (अशौच) नहीं होता, नालच्छेदन उपरान्त दस दिन तक का सूतक होता है। जन्म से दाँत आने तक के बच्चे की मृत्यु होने से माँ-बाप को तीन दिन का मृताशौच होता है। दांत आने से मुण्डन संस्कार न होने तक हुई बच्चे की मृत्यु से तीन दिन का माँ-बाप को व अन्य परिवार वालों को एक दिन का अशौच माना जाता है। बच्चा तीन वर्ष का हो, मुण्डन संस्कार होने पर मृत्यु हो तो, दाह संस्कार किया जाता है। इससे छोटे बच्चे को तो मिट्टी या जल में स्थान दिया जाता है।

कन्या अशौच में यदि विवाहित कन्या की मृत्यु पिता के घर में हो तो माँ-बाप, भाईयों को तीन दिन, चाचा आदि को एक दिन तथा कन्या के पति कुल में पूर्ण अशौच होता है। किसी के नाना की मृत्यु से दौहित्र को तीन दिन तथा नानी के मरने से दो दिन का पातक लगता है। दौहित्र की मृत्यु से नाना-नानी को तीन दिन का और बिना यज्ञोपवीत वाले को एक दिन का मरणाशौच कहा गया है।

बहिन की मृत्यु से एक दिन का तथा विवाहित कन्या की मृत्यु से एक दिन का पातक माना जाता है। सास ससुर की मृत्यु से दामाद (जामाता) को तीन दिन का और सुदूर कहीं हो तो डेढ़ दिन का तथा जामाता की मृत्यु से सास-ससुर को एक दिन का मरणाशौच होता है। बुआ, मासी, मामी आदि जो आत्मबान्धव, पितृ बान्धव आदि कहलाते हैं, इनकी मृत्यु से तीन दिन का अशौच माना जाता है।

अशौच निर्णय पर हमारे धर्मग्रन्थो में विशेषरूप से धर्म-सिन्धु, निर्णय सिन्धु, व्रत परिचय, व्रतराज, तिथि निर्णय आदि में विशद प्रकरण है। वहाँ पर अधिक जानकारी के लिये देखना चाहिए।

Management of Impurity (ashauch) Scriptures

Our ancient and spiritually strong sages (rishies) have given their own opinion about impurity in Hindu religious scriptures. Impurity has been described in two ways : at birth impurity and at death impurity. In regulating this impurity, the ancient sages must have kept in mind same scientific theories.

Dasham shavmashaucham sapindeshu vidhiyate /
Sapandita to purushe saptame vinivartate//
Jananetyevamev syat --- *Manusmriti (5/59)*

This impurity is decided by same gotra or same 'Pandita'.

Shudhayate Vipro dashahen Dwadashahen bhumipah /
Vaishyo panchadashahen Shudra Masen shudhayati// *Manusmriti (4/83)*

This means that a Brahamin can get purified in ten days, Kshatriya in Tweleve days, Vaishya in Fifteen days and Shudra in one month. Generally this is the rule. During these days one should not perform auspicious functions, devaya-gana, marriage and other rituals, bathing Gods and worship etc. One should mentally worship Gods.

If there is any miscarriage within four months of conception, mother remain impure for three days, whilst father till his bath. At the time of his birth there is no impurity till cutting of baby chord, after that for ten days it is considered as impure. If child dies within six months the parents will observe it for three days. From six months to one year if the child dies then also parents will I observe it for three days but other family members for one day. If a child dies at the age of three, and after the haircut ceremony (mundan Sansakar) one has to cremate the child. Smaller babies are buried or pushed in flowing water.

If married daughter dies at parents house then parents and/ or brothers will observe impurity for three days, while uncles only for one day and in-laws for full time as mentioned above. If grandfather (Nana) dies then grand-son observes impurity for three days but if Grandmother (Nani) dies it is observed for two days. If grandson (Dohitra) dies then grandparents (nana-Nani) have to observe for three days but if it has taken place before 'Yagyopaveet' then it is observed for one day.

For sisters death it is one day and so for married girl. If mother-father in-laws die then son-in-law will observe it for three days but if they die at far distant place then observe for one and half days. Father's sisters, mothers's sister or any relations of father and mother die then observe for three days.

To regulate and decide for impurity our scriptures have given clear directions in Dharam sindhu, Nirn.ya Sindhu, Vrat Parichya, Vrat raj, Tithi Nirn.ya. Please look for these books for more details.

कौन है वैष्णव और कौन स्मार्त ?

अधिकांशत: लोग समझते हैं कि मांस मदिरा आदि का भोजन न करें, सात्विक भोजन करें वे पूर्ण वैष्णव हैं। शास्त्रों में इसकी व्याख्या कुछ और ही है। हमारे पुराणों, संहिताओं तथा स्मृतियों में विभिन्न व्रत, विभिन्न नियम गृहस्थी, सन्यासी, ब्रह्मचारी व वानप्रस्थ जीवों के लिये बताये गये हैं। अधिकतर जप-तप नियम गृहस्थीजनों के लिये हैं। शास्त्रों में ग्रहस्थी को स्मार्त कहा गया है। और वैष्णव उन्हें कहा गया है जिन्होंने वैष्णव संप्रदाय से दीक्षा ली है। वैष्णव आचार्य से जो दीक्षित हैं गले में कंठी पहने रखते हैं। भुजाओं पर तप्त मुद्रा से शंख-चक्र आदि से चिह्न अंकित कर रखे हैं, मस्तक पर विष्णु चरण रज का तिलक लगाये रखते हैं। भगवचिन्तन में सदैव उन्मत रहते हैं।

हरिणचरण सरोजयुग्न चित्ता जडिमधिय: सुखदु:खसाम्यरुपा: ।
अपचितचतुरा हरौ निजात्म नतवचस: खलु वैष्णवा: प्रसिद्धा: ॥ (स्कन्द पुराण)

जो नित्यप्रति सुख-दुख में साम्यभाव को बनाये रखते हुये हरि के चरण कमलों को मन-वाणी कर्म से भजते हैं निश्चित ही वे इस लोक में परम वैष्णव कहलाते हैं।

ध्यायन्ते वैष्णव: शश्वद्गोविन्द पादपंकजम् ।
ध्यायते तांश्च गोविन्द: शाश्वतत्तेषां च सन्निधौ ॥ (ब्रह्मवैवर्त पुराण)

वैष्णव लोग शाश्वद् गोविन्द के चरणकमलों का ध्यान करते हैं और गोविन्द उन्हें निज चरणकमलों का सानिध्य प्रदान करते हैं।

गृहस्थियों में वैष्णव बहुत कम पाये जाते हैं। वैष्णवों की संख्या स्वल्प है। मथुरा, वृन्दावन, अयोध्या, हरिद्वार आदि स्थलों पर ही अधिकतर इनके दर्शन सुलभ हैं। अन्य सभी गृहस्थी हैं, जिन्हें स्मार्त कहा जाता है।

पूर्वाकर्मा गृहस्थेस्तु यतिभिश्चोतरा तिथि । (स्कन्दपुराण)

अर्थात् 'गृहस्थी' स्मार्त लोग तिथियों के पूर्वार्द्ध तथा 'यति' वैष्णव तिथि के उत्तरार्द्ध में व्रत करें। अन्यदपि कई जगह ऐसे वर्णन मिलते हैं। यही कारण है कि एकादशी तिथि का व्रत भी दो दिन अधिक तक मनाया जाता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत जिस दिन स्थानीय समयानुसार मध्यरात्री को अष्टमी हो उस दिन स्मार्त तथा वैष्णव जिस दिन, उदयकालिक थोड़ी अष्टमी भी हो उसी में व्रत आदि नियमधारण करेंगे। प्राय: सभी भारतीय पंचांगनुसार उसी पद्धति का व्रत आदि में अनुसरण करते हैं। भारतीय (हिन्दू) धर्म-संस्कृति मानवता हेतु दिव्य सन्देश देती है, सम्पूर्ण विज्ञान उसके जप तप-व्रत नियम आदि अन्तर्हित है।

Vaishnav and Smaarat defined.

Most people understand that those who do not consume alcohal nor eat meat just use pure vegetarian diet are Vaishnay. Scriptures, how-ever, define vaishnavas differently. In our books Puranas and Smrities specific fast' disciplines have been prescribed for the four phases of life defined ad Brahmchari, householder, Vanprasath and sanyas. Scriptures called house-holder (Grihasthi as smaarat. Vaishnavas are those who have received initiation from Vaishanav institution. Those initiated by a Vaishnav teacher or Guru wear a Tulsee weeds necklace and anoint their forehead with a Vaishnav symbol. They constatly recite Lords name.

Haricharan Sarojyugma Chitta Jaimadhiyah Sukhdukh Saamyarupaah/
Aochitichatura Harau Nijaatam natvachasah Khalu Vaishnavah prasiddhah//
(Skand Puran)

Those who worship the Lord with full devotion even the ups and downs of life in their thoughts, words and deeds are true Vaishnays.

Dhyaante Vaishnavah Shashvad Govind paadpankjam /
Dhyaayate taanchch Govvindah Shashvattesham cha sannidhau //
(Brahm Vaivart Puran)

Vaishnav people constantly think of the lotus feet of Govind and He provides them with His inspiration and grace.

Very few householders are Vaishnay. Vaishnavas are not many and mostly re-side in Mathura, Vrindavan, Ayodhya and Haridwar. All others are called Smaarat.

Poorva karma Grihasthaisrhu Yatibhishchotra Tithi / *(Skand Puran)*

Means householders (Grihasthi) Smaarat people should ob-serve fasts in the first half of the Tithi and Vaishnavas should observe fasts in the second half of the Tithi. Tithi has been quoted in many Puranas. For this reason some times Ekadashi fasts is observed for two days.

The fast observed on Shri Krishna's birthday by Smaarats, when Ashtami follows till midnight at local time of place on that day. But Vaishnays ob-serve the fast on the day Ashtami follows just at Sunrise time if Ashtami is just for few hours on that day. All editors of Indian Almanacs follow this Indian Saner (Hindu) scriptures give complete guidance for humanity and self real-isation. All the various Practices of observing fast, recitation of Lord's name, prayer and meditation are considered conductive to this good of self realistaion.

घर में वास्तु शान्ति हेतु धर्म शास्त्रीय विचार

यदि आपका घर वास्तु शास्त्र के अनुकूल विनिर्मिन नहीं तो शास्त्रीय विचार है कि घर में नौ दिनों तक अखण्ड भगवन्नाम संकीर्तन करें।

घर में नौ दिनों तक श्रीरामचरितमानस का अखण्ड पाठ करें।

प्रवेश द्वार पर नौ अंगुल लम्बा व नौ अंगुल चौड़ा अष्टगन्ध से स्वस्तिक बनाएं।

विचारणीय बातें-

क. जल के ऊपर व मन्दिर के ऊपर कभी भी घर न बनाएं।

ख. घर में सुख शान्ति हेतु हमेशा पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके शान्तचित से भोजन करें। दक्षिण व पश्चिमाभिमुख कभी भोजन न करें।

फ. घर में दीपक जलाएं तो इसका मुख पूर्व की ओर रखें।

ब. घर में ईशान दिशा में पति-पत्नी कभी शयन न करें।

गृह प्रवेश—

क. बिना दरवाजा लगा, बिना छत वाला, देव पूजा व ब्राह्मण भोजन किये बिना वाले घर में रहना शुभकर नहीं।

ख. रवि व मंगल को गृह प्रवेश कष्टकारक है, शनि को प्रवेश करें तो चोर भय होगा।

गृह प्रवेश में मास—

माघ, फाल्गुन, वैशाख, ज्येष्ठ मास में गृह प्रवेश विशेष शुभ होता है।

कार्तिक, मार्गशीर्ष में मध्यम होता है।

चैत्र, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन व पौष में ग्रह प्रवेश विशेष शुभ नहीं।

वास्तु शान्ति हेतु —

दक्षिण-पश्चिम की ओर दरवाजे कम होने चाहिये यदि हों तो अधिकतर बन्द ही रखें।

घर के दरवाजे पर घुड़नाल (लोहे की) लगाई जा सकती है।

घर के समीप वृक्ष विचार—

बेल, दाड़िम, कटहल, नारियल, आम, केला, नीम, नींबू, मल्लिका आदि के वृक्ष घर के समीप शुभ होते हैं। जिन वृक्षों से दूध निकलता हो वे घर के पास नहीं होने चाहिये जैसे वट, अंजीर आदि।

गृहारम्भ—

श्रवण, पूर्वाषाढ़ा, रोहिणी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराभाद्रपद इन नक्षत्रों में गृहारम्भ कार्य करने से उस घर में धन, पुत्र, पौत्रादि की विशेष वृद्धि होती है।

Scriptural consideration for pacification of Vaastu in houses

If your house has not been constructed as per Vaastu the scriptural consider-ation is to chant God's name and reciting Shri Ramcharitmanas for continously nine days. Also, draw a Swastik about 9" wide and 9" long by eight kinds of perfume mixed vermillion powder (ASHTAGANDH).

Considerations :—

1. Never construct a house over water and temple. For peace in the house always eat food facing east or north east but never south or west.
2. Light the lamp but face it towards east.
3. In the house, husband and wife should never sleep in north east direction.

First Entry in the house :—

It is not auspicious to live in a house, if it is without door, roof and without feeding Brahamins and deity worship. It is troublesome to enter first time in the house on a Sunday and Tuesday, but if it is Saturday there will always be fear of theft.

Month for first Entery in the house :—

Best is to enter in the house is Solar month Maagh, Phalgun, Vaishakh, Jyeshtha. It is medium in the month of Kartik, Margshirsh but it is not good to enter the house in Chaitra, Aashadh, Shraavan, Bhadrapad, Aashwin and Paush Month.

Pacification of Vaastu :—

There should be less doors in south-west direction but if it has been put up, keep it closed. Put a steel horseshoe on the main gate.

Consideration for trees near the house :—

It is auspicious to have trees of wood apple, pomegranate, jack fruit, Coconut, Mango. Banana, Neem, lemon Jasmin near your house. In no case these trees like Banyan and fig produces milk should not be near the house. It is auspicious to put "PAKAR" tree in the north wild Fig tree in the south and Peepal tree in the west of house.

Start of House construction :—

If one starts construction of house in the nakshatra of Shravan, Poorvashadha, Rohini, Uttarashadha, Uttaraphalguni, Uttrabhadrapad, it is always auspicious. One will be blessed with wealth, sons and whole progeny.

गृहारम्भ व गृहप्रवेश सम्बन्धी ज्ञातव्य विषय

गृह प्रवेश तीन प्रकार के होते हैं। अपूर्व, सपूर्व एवं इन्द्र। नए गृह में प्रवेश अपूर्व, यात्रान्तर गृह प्रवेश सपूर्व एवं जीर्णोद्धार में इन्द्र प्रवेश कहलाता है। माघ, फाल्गुन, वैशाख, ज्येष्ठ गृह प्रवेश में विशेष शुभ हैं तथा कार्तिक, मार्गशीर्ष मध्यम होते हैं। कृष्ण पक्ष में दशमी तिथि तक और शुक्ल पक्ष में चन्द्रोदयान्तर प्रवेश शुभ होता है। जीर्णोद्धार में सूर्य दक्षिणायन में भी शुभ होता है। गुरु अस्त व शुक्रास्त जीर्णोद्धार को छोड़कर सर्वत्र विचारणीय है।

नीव की खुदाई—

- ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण में नीव की खुदाई नैऋत्य (दक्षिण पश्चिम) की ओर
- भाद्रपद, आश्विन, कार्त्तिक में अग्निकोण (पूर्व दक्षिण) की ओर
- मार्गशीर्ष, पौष, माघ मास में ईशान कोण (उत्तर पूर्व) से करें
- वैशाख, फाल्गुन, चैत्र में वायव्य कोण (उत्तर पूर्व) से करें

गृहारम्भ (गृह निर्माण कार्य) मुहूर्त —

शुभ मास- माघ, फाल्गुन, वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष
मध्यम मास- भाद्रपद, कार्त्तिक
शुभ तिथियाँ- शुक्ल पक्ष की 2,3,5,6,7,10,11,12,13 पूर्णिमा व कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा
शुभ वार- सोम, बुध, गुरु, शुक्र शनि
शुभ लग्न- 2,3,5,6,8,11,12

शुभ नक्षत्र-रोहिणी, मृगशिरा, चित्रा, हस्त, स्वाति, अनुराधा, उत्तरफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती लग्न से अष्टम स्थान में शुद्ध हो, 3,6,11, भावों में पाप ग्रह तथा केन्द्र त्रिकोण इन स्थानों में शुभ ग्रह होने पर गृह निर्माण कार्य करना शुभ होता है।

गृहारम्भमें वृषवास्तु चक्र—

सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक गिनती करें, प्रथम सात नक्षत्रों में गृह निर्माण अशुभ, 8 से 18 तक के नक्षत्रों का गृह निर्माण करना शुभ और 19 से 28 (अभिजित नक्षत्र सहित) तक के 10 गृह निर्माम कार्य करना नेष्ट होता है।

(सूर्य नक्षत्र से गृहारम्भ के दिन के नक्षत्र तक अभिजित सहित गणना करनी चाहिए)

स्थान	नक्षत्र संख्या	फल
शीर्ष	3	अग्नि भय
अग्र पाद	4	शून्य
पृष्ठ पाद	4	स्थिर
पृष्ठ	3	लक्ष्मी प्राप्ति
दक्षिण कुक्षि	4	शुभ लाभ
पुच्छ	3	गृहस्वामी नाश
वाम कुच्छ	4	पीडा कष्ट
मुख	3	पीडा कष्ट

घर में शयन कक्ष कैसे बनाऐं—

प्राच्यं दिशे शिरशस्तं याम्यायाण वा नृप। सदैव स्वपतः पुंसो विपरीतं तु रोगम् (वि0पु)

पूर्व की ओर सिर करके सोने से विद्यावृद्धि, दक्षिण की ओर धन, धान्य, आयुवृद्धि, पश्चिम में चिन्ता वृद्धि और उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व आयु क्षीण होती है।

भूमिशयन विचार—

सूर्य नक्षत्र से 5,7,9,12,19,26 इन नक्षत्रों की संख्या में भूमिशयन के कारण मकान की नींव आदि के लिए शुभ नहीं होता।

मकान के अन्दर शौच, स्नान, पाक शाला आदि के कक्ष कहाँ हो ?

प्राचीन वैज्ञानिक पद्धतियों से निर्मित साधारण या राजमहल तक के घरों की बनावट का नीचे के चक्र से स्पष्टीकरण समझें।

<table>
<tr><td colspan="2">वायव्य</td><td colspan="3">उत्तर</td><td colspan="2">ईशान</td></tr>
<tr><td></td><td>कोष धान्य रोदन</td><td>मनोरंजन कक्ष</td><td>भण्डार-गृह</td><td>औषधि गृह</td><td>देव स्थान</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td rowspan="3">भोजन कक्ष</td><td colspan="3" rowspan="3">आँगन</td><td>सर्ववस्तु</td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="2">पश्चिम</td><td>स्नान गृह</td><td>पूर्व</td></tr>
<tr><td>विद्याभ्यास</td><td>दधिमथन</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>शस्त्रागार</td><td>शौचालय</td><td>शयनकक्ष</td><td>घी</td><td>रसोई</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">नैऋत्य</td><td colspan="3">दक्षिण</td><td colspan="2">अग्नि</td></tr>
</table>

गृह नींव में कौन से पदार्थ रखें—

नारियल, दूध, गंगाजल, कच्चा दूध, सुपारी 5, कौड़ियाँ पाँच, 5 नई ईटें, पंचरत्न तथा गीता आदि धार्मिक ग्रन्थ।

सर्प दो, लाल वस्त्र, जनेऊ जोड़ा, सर्वौषधि हल्दी-वच आदि।

मौली व आम्र पत्रों से वेष्टित तथा चावलों से भरकर ताँबे का लोटा।

चैत्र, वैशाख, फाल्गुन मासोंमें सर्प का मुख पश्चिम को, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण मासों में उत्तर को, माघ, मार्गशीर्ष, पौष में हो तो दक्षिण को और भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक में सर्प का मुख पूर्व की ओर करें।

घर में दीपक प्रज्वलन—

घर में दीपक प्रज्वलन कर दीपक पूर्वाभिमुख से आयुवृद्धि, उत्तराभिमुख धनवृद्धिकारक, पश्चिमकष्ट और दक्षिण हानिकारक होता है। केवल मृतक प्राणी हेतु दक्षिणाभिमुख दीपक प्रज्वलित करते हैं अतः पूर्व उत्तर में ही दीप प्रज्वलित करें।

Thoughts Provoking Subject to build a house

Auspicious time for house building —

Auspicious month — Magh, Phalgun, Baisakh, Shravan, Margashirsh
Medium month — Bhadrapad, Kartik

Auspicious tithi — 2,3,5,6,7,10,11,12,13 or full moon in Shukla Paksha and 1 in Krishna Paksha

Auspicious Day — Monday, Wednesday, Thursday, Friday or Saturday

Auspicious Lagna — 2,3,5,6,8,11 or 12 Auspicious Nakshatra — Rohini, Mrigshira, Chitra, Hasta, Swati, Anu-radha, Uttarphalguni, Uttarashadha, Uttarabhadrapad, Dhanistha, Shatbhisha, Revati.

It is auspicious to start constructing a house if 8th house from lagna 3,6,11 house have inauspicious have planets and auspicious planets in centre and in triangle.

Vrishvastu circle in constructing a house —

Count from sun star to moon star, it is inauspicious to start constructing in first seven stars, auspicious in 8th to 18th and from 19th to 28th (including Abhijit star), counting from sun star to moon star will by auspicious. In the remaining ones, it is inauspicious.

Aum Vrish Vastu Circle Aum

(Count from sun star to the satar when house construction starts including Abhijit star)

Location	NakshatraNo.	Effect
Shirsha	3	Fear of fire
Agra Paad	4	Null
Pristha Paad	4	Stable
Pristha	3	Wealth gain
South Kukshi	4	Auspicious gain
Puchcha	3	Death of house lord
Vaam Kuchha	4	Poverty
Face	3	Pain, Trouble

Dormant Land Consideration —

It is inauspicious to start the foundation of the house in stars 5,7,9,12,19 and 26 counting from sun star due to dormant land. Almanac correction in construction if house start the construction by leaving Sunday, Tuesday, 4th, 8th, 9th, 11th, 14th and 30th tithi .

Location of bath, kitchen and washrooms in the house —

Based on the ancient scientific norms for ordinary house to place the lo-cation of various units are clarified in the chart below :

<table>
<tr><td colspan="2">Vaayavya</td><td colspan="3">North</td><td colspan="2">Ishaan</td></tr>
<tr><td></td><td>Treasury Rodan Place</td><td>Entertainment Room</td><td>Storage</td><td>Medicine</td><td>Worship</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td rowspan="3">Dining Room</td><td colspan="3" rowspan="3">Court Yard</td><td>Storage</td><td></td></tr>
<tr><td>West</td><td>Bathroom</td><td>East</td></tr>
<tr><td></td><td>Milk Section</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>Armoury</td><td>Lavatories</td><td>Bedroom</td><td>Ghee</td><td>Kitchen</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">Nairitya</td><td colspan="3">South</td><td colspan="2">Agni</td></tr>
</table>

Items to be put in the foundation of the house —

One Coconut, milk, Ganges water, raw milk, 5 betel nut, 5 conch shells, 5 new bricks, 5 precious stones, Gita and other scriptures. 2 snakes of 1 silver, red cloth, a pair of sacred threads, turmeric and medicine, etc., mauli, mango leaves garland, copper utensil with rice. Turn the snakes mouth to west side in Chaitra, Baisakh, Phalgun; to north in Jyestha, Ashad, Shravan; to south in Margashirsh and to east in Bhadrapad Ash-1 win and Kartik.

Light the Ghee lamp in the house —

Ghee lamp in the house facing east increase the age, faceing north good wealth, facing west and south give you many truobles. Only for dead body we light oil lamp facing south. So ways face your lamp to east and north.

षोडश संस्कार - कर्णवेध संस्कार

कर्णवेध संस्कार

हमारी भारतीय संस्कृति हमारे षोडश संस्कारों के कारण ही महिमामय तथा गौरवान्वित है। इन क्म संस्कारों का मानव जीवन के प्रत्येक पडाव में विशेष महत्त्व है। इन षोडश संस्कारों में दशम संस्कार कर्णवेध संस्कार है। इस संस्कार में नव जन्मे जातक बालय या बालिका के कान का छेदन करना होता है। बालक के पहले दाहिने व बालिका के पहले बाएं कान का छेदन करना होता है। व्यास स्मृति में बताया गया है - **कृत चूड़े च बाले च कर्णवेधो विधीयते॥** (व्यासस्मृति 1.19) अर्थात् चूड़ाकरण संस्कार के बाद बालक का कर्ण वेध संस्कार करना चाहिए। तीसरे या पांचवे वर्ष में बालक की दीर्घायु व श्रीवृद्धि के लिए यह संस्कार विशेष प्रशंसनीय है।

प्रशंसन्ति पुष्टयायु0 श्रीवृद्धिये॥ (गर्गस्मृति)

इसमें दोनों कानों का छेदन करके उनकी नस ठीक करने के लिए सुवर्ण का कुण्डल धारण करवाया जाता है।

शुभ मुहुर्त में माता-पिता किसी योग्य आचार्य के मार्गदर्शन में इस मांगलिक कार्य को करते हैं। स्वस्तिवाचन आदि करके माता बालक को गोद में लेकर कुछ मिठाई या खिलोने से बालक को पुचकारते हुए इस संस्कार को करे। कन्या का नाक भी छेदन करके कपड़े की नर्म बत्ती पहना देनी चाहिए।

रक्षाभूषणनिमित्तं बालस्य कर्णौ विध्यते।
पूर्वं दक्षिणं कुमारस्य, वाम कुमार्याः ततः पिचुवर्तिं प्रवेशयेत्॥

(सुश्रुतसंहितासूत्र 16.3)

कन्या का कान का छिद्र आभूषण धारण करने योग्य तथा बालक का सूर्य किरण निकलने योग्य होना चाहिए। कुमार तन्त्र (चक्रपाणि) में कहा गया है कि बालारिष्ट शान्ति व मुख शोभा के लिए स्वर्ण धारण करना चाहिए।

कर्णव्यधे कृतो बालो न ग्रहैरभिभूयते।
भूष्यतेऽस्य मुखं तस्मात् कार्यस्तत् कर्णयोर्व्यधः॥

<u>कर्णवेध संस्कार प्रयोग</u>

किसी शुभ मुहूर्त में माता-पिता बालक को लेकर आचार्य के संरक्षण में पूजा स्थान में पूर्वाभिमुख आसन पर बैठ जाए। पूजा सामग्री यथास्थान रखें। दीपक प्रज्वलित करें। आचमन, प्राणायाम, पवित्रीधारण आदि कर्म करके कर्णवेधसंस्कार के लिए संकल्प करें। दाहिने हाथ में जल, कुश, पुष्प आदि लेकर निम्न संकल्प करें :-

<u>प्रतिज्ञा संकल्प—</u>

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः अधेत्यादि देशकालौ सङ्कीत्य नाम गोत्रादि उच्चारण पूर्वक मम पुत्रस्य बीजगर्मसमुद्भवैनोनिबर्हण-पुष्टयायुः श्रीवृद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वर प्रीतये कर्णवेधाख्यं कर्म करिष्ये। तदङ्गत्वेन गणपति सहित गौर्यादि षोडशमातृणां पूजनं स्वस्तिपुण्याहवाचनं वसोर्धारा पूजनं आयुष्यमन्त्रजपं सांकल्पिकेन विधिना नान्दीश्राद्धं च करिष्ये।

हाथ का संकल्प जल छोड़ दें।

इसके बाद कलश स्थापन उसमें ब्रह्मा वरुण सहित नवग्रहादि का आवाहन व केशवादि देवों का नाम मन्त्रों से पूजन करें।

प्रतिष्ठा

हाथ में अक्षत लेकर निम्न मन्त्रों से देवों का आवाहन व प्रतिष्ठा करें।

ॐ एतं ते देव सवितुर्यज्ञं प्राहुर्बृहस्पतये ब्रह्मणे।
तेन यज्ञमव तेन यज्ञपति तेन मामव॥
ॐ भूर्भुवः स्वः कलशे ब्रह्मवरुणरुद्र सहित आदित्यादि
नवग्रहाः जले केशवापिदेवाः सुप्रतिष्ठिता वरदा भवन्तु॥

सब पर अक्षत छोड़ दें।

गन्धादि उपचारों से देवताओं का पूजन :-

1. ॐ ब्रह्मणे नमः॥ 2.ॐ वरुणाय नमः ॥ 3. ॐ सूर्याय नमः॥ 4. ॐ चन्द्रमसे नमः॥
5. ॐ भौमाय नमः॥ 6. ॐ बुधाय नमः॥ 7.ॐ गुरुवे नमः॥ 8. ॐ शुक्राय नमः॥
9. ॐ शनैश्चराय नमः॥ 10. ॐ राहवे नमः॥ 11. ॐ केतवे नमः ॥

जल में आवाहित देवताओं का पूजन —

1. ॐ केश्वाय नमः॥ 2. ॐ हराय नमः॥ 3.ॐ ब्रह्मणे नमः॥ 4. ॐ चन्द्राय नमः॥
5. ॐ सूर्याय नमः॥ 6. ॐ दिगीशेभ्यो नमः॥ 7. ॐ नासत्याभ्यां नमः॥ 8. ॐ सरस्वत्यै नमः॥
9. ॐ ब्राह्मणेभ्यो नमः॥ 10. ॐ गवे नमः॥ 11. ॐ गुरुभ्यो नमः॥

इस प्रकार पूजन व पुष्पाजंलि प्रदान करें।

तदन्तर अपने कुलदेवता, वैध, ब्राह्मणों व कर्णच्छेदनकर्त्ता को नमस्कार करें। माता की गोद में बालक को सुसज्जित करके हाथ में लड्डू व खिलौना देकर कर्णवेधन प्रारम्भ करें।

कानों का अभिमन्त्रण —

बालक का पिता बालक के दाहिने कान का अभिमन्त्रण करें-

ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिः यजत्राः।
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवाँ सस्तनूभिर्व्यशेमहि देवहितं यदायुः॥ (यजु0 25.21)

फिर बाएं कान का अभिमन्त्रण करें —

ॐ वक्ष्यन्तीवेदा गनीगन्ति कर्णं प्रियँ सरवायं परिषस्वजाना।
योषेव शिङ्क्ते वितताधि धन्वञ्या इयँ समने पारयन्ती॥ (यजु0 29.40)

<u>कानों का छेदन</u>

सौभाग्यवती स्त्री कर्णवेध के स्थान को लाल रंग से चिन्हित करें। फिर स्वर्णकार सोने की सूई (चांदी या ताँबा) से छेदन करके मंगल डोरा कान में पहना दें। इस प्रकार बाएं कान तथा कन्या की नासिका का भी छेदन करें।

दक्षिणा व ब्राह्मण भोजन का संकल्प करें।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु-मम बालकस्य कर्णवेध कूर्मणः साङ्गफल प्राप्तये
तन्मध्ये न्यूनातिरिक्त दोषपरिहारार्थं नानानामगोत्रेभ्यो ब्रह्मणेभ्यो भूयसीं दक्षिणां विभज्य दातुमुत्सृज्ये।
ॐ तत्सन्न मम। तया यपोपन्नेनान्नेन ब्राह्मणान् भोजयिष्ये।

विसर्जन

इसके बाद अक्षत-पुष्पादि से देवताओं का विसर्जन करें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम्
इष्टकामसमृद्धयर्थं पुनरागमनाय च॥

भगवत्स्मरण -

हाथ में अक्षत-पुष्प लेकर भगवान को स्मरण करते हुए समस्त कर्म उन्हें समर्पित करें -

ॐ यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञ क्रियायषु।
न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥
ॐ विष्णवे नमः॥ ॐ साम्बसदाशिवाय नमः॥

Ṣodaśa Sanskar - Karnavedh

Our Indian culture is glorious and proud only because of our sixteen rituals. These 16 sanskars have special importance in every stage of human life. Among these sixteen Sanskars, the tenth Sanskar is Karnavedha Sanskar. In this ritual, the ears of the newly born boy or girl have to be pierced. The right ear of a boy has to be pierced first and the left ear of a girl has to be pierced first. In Vyasa Smriti mentioned- Kṛta cūḍe bāle ca karṇavedho vidhīyate / (Vyāsasmṛti, 1.11). That is, after the Chudakaran Sanskar, the child's ear piercing Sanskar should be performed. This ritual is especially admirable for the longevity and growth of the child in the third or fifth year.

Praśṅsanti puṣṭayāyu.. Śrīvṛddhiye/ (Gargsmṛti)

In this, both the ears are pierced and gold earrings are worn to heal them.

In auspicious time, parents perform this auspicious task under the guidance of a qualified Acharya. After reciting Swastiva etc., the mother should perform this sanskar by taking the child in her lap and caressing the child with some sweets or toys. The girl's nose should also be pierced and a soft piece of cloth should be worn.

Rakṣābhūṣṇanimittaṁ bālasya karṇau vidhyate/
Purvaṁ dakṣiṇaṁ kumārsya, vāma kumāryāḥ tataḥ picuvartiṁ praveśayet// (Suśrusaṁhitāsūtra, 16.3)

The ear hole of the girl should be capable of wearing jewelery and the ear hole of the child should be capable of emanating the sun rays. It is said in Kumar Tantra (Chakrapani) that gold should be worn for childish peace and facial beauty.

Karṇavyadhe kṛto bālo na grahairabhibhūyate/
Bhūṣyate'sya mukhaṁ tasmāt kāryastat karṇayorvyadhaḥ//

Karnaveda ritual experiment

At some auspicious time, the parents should take the child and sit on a seat facing east in the place of worship under the protection of the Acharya. Keep the puja material in its place. Light the lamp. Make a resolution for Karnavedha Sanskar by doing Aachman, Pranayama, Pavitridharan etc. Take water, flowers, flowers etc. in your right hand and make the following resolution:

pledge resolution—

ñ Viṣṇurviṣṇurviṣṇuḥ adhetyādi deśakālau saṅkītya nāma gotrādi uccāraṇa pūrvaka mama putrasya bījagarmasamudbhavainonibarhaṇa-puṣṭayāyuḥ śrīvṛddhidvārā śrīparameśvara prītaye karṇavedhākhyaṁ karma kariṣye/ Tadaṅgatvena gaṇapati sahita gauryādi ṣoḍaśamātṛnāṁ pūjanaṁ svastipuṇyāhavācanaṁ vasordhārā pūjanaṁ āyuṣyamantrajapaṁ sāṅkalpikena vidhinā nāndīśrīddhaṁ ca kariṣye/

Release the resolution of the hand. After this, place the Kalash in it and worship Navgrahadi along with Brahma Varun and the names of Keshavadi Gods with mantras.

Pratiṣṭhā

ñ Aitaṁ te deva saviturjñaṁ prāhurbṛhasptaye brahmaṇe/
tena yajñamava tena yajñapati tena māmava//
ñ Bhūrbhuvaḥ svaḥ kalaśe brahmavaruṇarudra sahita ādityādi/
navagrāḥ jale keśavāpidevāḥ supratiṣṭhitā varadā bhavantu//

Taking Rice (Akshat) in hand, invoke and honor the Gods with the following mantras. Leave everything intact.

Worship of gods with aromatic remedies—

1.ñ Brahmṇe namaḥ, 2.ñ Varuṇāya namaḥ, 3.ñ Sūryāya namaḥ, 4.ñ Candramase namaḥ, 5.ñ Bhaumāya namaḥ, 6.ñ Budhāya namaḥ, 7.ñ Guruve namaḥ, 8.ñ Śukrāya namaḥ, 9.ñ Śanaiścarāya namaḥ, 10.ñ Rāhave namaḥ, 11.ñ Ketave namaḥ

Worship of gods invoked in water—

1.ñ Keśvāya namaḥ, 2.ñ Harāya namaḥ, 3.ñ Brahmṇe namaḥ, 4.ñ Candrāya namaḥ, 5.ñ Sūryāya namaḥ, 6.ñ Digīśebhyo namaḥ, 7.ñ Nāsatyābhyaṁ namaḥ, 8.ñ Sarasvatyai namaḥ, 9.ñ Brahamaṇebhyo namaḥ, 10.ñ Gave namaḥ, 11.ñ Gurubhyo namaḥ.

In this way, worship and offer floral tributes.

After that, pay obeisance to your family deity, valid, brahmins and ear remover. After placing the child in the mother's lap, giving him laddu and toy in his hand, start Karnavedha.

Invocation of ears –

The father of the child should invocation of the right ear of the child.

ñ Bhadraṁ karṇebhiḥ śṛṇuyāma devā bhadraṁ paśyemākṣabhi yajatrāḥ/ Sthirairaṅgaistuṣṭuvāṁ Sastnūbhirvyaśmahi devahitaṁ yadāyūḥ// (Yaju. 25.21)

Then Invocation of left ear :-

ñ Vakṣyanīvedā ganīganti karṇaṁ priyaṁ sarvāyaṁ pariṣasvajānā/
Yoṣeva śiṅkte vitatīdha dhanvaṅjyā iyaṁ samane pārayanti// (Yaju. 29.40)

Ear piercing:

A lucky woman should mark the place of ear piercing with red colour. Then pierce it with a golden needle (silver or copper) and wear the Mangal Dora in the ear. In this way, pierce the left ear and nostril of the girl also. Resolve to eat Dakshina and Brahmin food.

ñ Viṣṇurviṣṇurviṣṇu-mama-bālakasya karṇavedha kūrmaṇaḥ sāṅfala prāptaye tanmadhye nyūnātirikta doṣaparihārārthaṁ nānānāmagotrebhyo brahmaṇebhyo bhūyasiṁ dakṣiṇaṁ vibhajya dātumutsṛjye/
ñ Tatsanna mama/ Tayā yapopannenānnena brāhmaṇān bhojayiṣye/

Immersion

After this, immerse the deities with Akshat (rice) and flowers-

Yāntu devagaṇāḥ sarve pūjāmādāya māmakīm/
iṣṭakāmasamṛddhayarthaṁ punarāgamanāya ca//

Remembering God with intact Akshat (rice) - flowers in his hand, dedicate all his work to him.

Bhagvatsmarana

ñ Yasya smṛtyā ca nāmoktyā tapoyajñya kriyāyaṣu/
nyunaṁ sampurṇatāṁ yāti sadyo vande tamacyutam//
ñ Viṣṇave namaḥ// ñ Sāmbasadāśivāya namaḥ//

मन्त्र विज्ञान

पुत्र प्राप्ति हेतु —

ॐ क्लीं ॐ देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जगत्पते।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गतः॥

मन्त्र का चाली दिन तक निरन्तर ताप करें। कम से कम सवा लाख जाप, श्रीकृष्ण पूजा, हवन-ब्राह्मण भोजन के साथ समापन करें। अथवा क्वीं बीज मन्त्र का सम्पुट लगाकर श्रीदुर्गा सप्तदशी के प्रतिदिन तीन-तीन पाठ 41 दिन करें, तत्पश्चात्, हवन, विप्र भोजन आदि निश्चित ही सन्तान प्राप्ति होगी।

लक्ष्मी प्राप्ति हेतु—

'श्री' बीज मन्त्र का सम्पुट लगाकर पन्द्रह श्रीदुर्गा सप्तशती के पाठ करें।

सर्वमनोकामना सिद्ध हमुमत मंत्र —

नित्य 11 माला जाप करें।

अच्छे पति हेतु—

हे गौरि शंकरार्धाङ्गी यथा त्वं शंकर प्रिया। तथा मां कुरु कल्याणी कान्तकान्ता सुदुर्लभा॥

इस मन्त्र का सवा लाख जाप करने से निश्चित ही अच्छे पति की प्राप्ति होगी।

अच्छी पत्नी हेतु—

पत्नीं मनोरमा देहि मनोवृतानुसारिणीम्। तारिणीं दुर्गसंसारस्य पत्नी कुलोद्भवाम्॥

इस मंत्र का सवा लाख जाप करने से निश्चित ही अच्छी पत्नी की प्राप्ति होगी।

बन्धन से छुटकारा व बल-बुद्धि हेतु—

प्रतिदिन दिन में श्रीहनुमान चालीसा का पाठ करें या 100 पाठ प्रतिदिन चालीस दिनों तक करें।

रोग निवृत्ति हेतु—

ॐ हौं जूँ सः माम् पालय

बाधा व शत्रुओं से निवृत्ति हेतू मंत्र—

सर्वाबाधाप्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरिविनाशनम्॥ दु.स. 11/39

इस मंत्र का सवा लाख जाप करने से निश्चित ही सभी प्रकार की बाधाओं व रोगों से निवृत्ति होगी।

Science of Mantra

Mantra means a sound, a certain utterance or a syllable. Today, modern science sees the whole existence as reverberations of energy, different levels of vibrations. They are like keys when used in a certain way. Mantra become a key to open up a different dimension of life and experience within.

1. **For begetting child**
   Om klim Om devakisut govind vasudev jagatpate/
   Dehi me tanyam krishan tvaamham sharnam gtaha//
   Chant this mantra continuously with faith and devotion for 40 days. Complete it with atleast 125000 japa, Shreekrishan Pooja, fire ritual (hawan), Brahmin feeding. You may also use Klim seed mantra as Samput_ and recite Durga sap-tashati three times a day for 41 days. Afterwards do hawan, Brahmin feeding etc. It will surely result in getting blessings for begetting a healthy child.
2. **For prosperity**
   Recite 15 Shree durga-saptashati path with Shrim seed mantra samput.
3. **For desires fulfillment**
   Om namo Bhagwate Aamjaneyaya mahabalaya swaha/
   Chant this mantra 11 rosary or malas daily.
4. **For good Husband**
   He gaurishankarardhangi yatha tvam Shankar priya/
   Tatha Mam kuru Kalyani Kantkanta sudurlabha//
   Chant this mantra with devotion 125000 times and it will definitely help you find a good husband.
5. **For Good wife**
   Patnim manorama dehi manovrtanusarinim/
   Tarineem durgsamsaarasya patni kuludbhawam//
   Chant this mantra with devotion 125000 times and it will definitely help you find a good wife.
6. **For obligations, bondage redemption and efficiency, energy and intelligence boosting**
   Recite 100 shreehanuman chalisa daily for 40 days .
7. **To get free from disease**
   Om haraum joom saha maam palya/
8. **For freedom from obstacles and enemies**
   Sari abadhaprashamanam trailokyasyakhileshwari/
   Aevrnaiv tavya kaaryamasm-dwairiveenashnarn//
   Chant this mantra with devotion 125000 times and it will definitely remove all tseases and obstacles.

VAIDHRITI, VYATIPAT YOG 2024
व्यतिपात व वैधृति योग 2024

योग	तारीख	आरम्भ घं. मि.	तारीख	समाप्त घं. मि.	YOG	DATE	BEGINS Hr. Mn.	DATE	ENDS Hr. Mn.
व्यतिपत	जनवरी 06	19:52	जनवरी 14	16:09	Vyatipat	Jan 13	19:52	Jan 14	16:09
वैधृति	जनवरी 22	21:33	जनवरी 23	21:08	Vaidhriti	Jan 22	21:33	Jan 23	21:08
व्यतिपत	फरवरी 08	12:39	फरवरी 09	08:36	Vyatipat	Feb 08	12:39	Feb 09	08:36
वैधृति	फरवरी 16	27:13	फरवरी 17	26:03	Vaidhriti	Feb 16	27:13	Feb 17	26:03
व्यतिपत	मार्च 04	27:37	मार्च 05	25:02	Vyatipat	Mar 04	27:37	Mar 05	25:02
वैधृति	मार्च 13	15:17	मार्च 14	12:29	Vaidhriti	Mar 13	15:17	Mar 14	12:29
व्यतिपत	मार्च 30	13:15	मार्च 31	12:22	Vyatipat	Mar 30	13:15	Mar 31	12:22
वैधृति	अप्रैल 08	07:43	अप्रैल 08	27:47	Vaidhriti	Apr 08	07:43	Apr 08	27:47
व्यतिपत	अप्रैल 24	18:34	अप्रैल 25	18:22	Vyatipat	Apr 24	18:34	Apr 25	18:22
वैधृति	मई 03	25:33	मई 04	22:06	Vaidhriti	May 03	25:33	May 04	22:06
व्यतिपत	मई 19	26:39	मई 20	27:05	Vyatipat	May 19	26:39	May 20	27:05
वैधृति	मई 29	14:03	मई 30	11:22	Vaidhriti	May 29	14:03	May 30	11:22
व्यतिपत	जून 14	09:36	जून 15	10:39	Vyatipat	Jun 14	09:36	Jun 15	10:39
वैधृति	जून 23	26:31	जून 24	23:35	Vaidhriti	Jun 23	26:31	Jun 24	23:35
व्यतिपत	जुलाई 09	16:55	जुलाई 10	17:39	Vyatipat	Jul 09	16:55	Jul 10	17:39
वैधृति	जुलाई 19	17:10	जुलाई 20	14:37	Vaidhriti	Jul 19	17:10	Jul 20	14:37
व्यतिपत	अगस्त 03	25:07	अगस्त 04	25:07	Vyatipat	Aug 03	25:07	Aug 04	25:07
वैधृति	अगस्त 14	06:35	अगस्त 14	29:28	Vaidhriti	Aug 14	06:35	Aug 14	29:28
व्यतिपत	अगस्त 29	08:46	अगस्त 30	08:16	Vyatipat	Aug 29	08:46	Aug 30	08:16
वैधृति	सितम्बर 08	14:34	सितम्बर 09	15:01	Vaidhriti	Sep 08	14:34	Sep 09	15:01
व्यतिपत	सितम्बर 23	17:39	सितम्बर 24	15:56	Vyatipat	Sep 23	17:39	Sep 24	15:56
वैधृति	अक्तूबर 03	18:53	अक्तूबर 04	19:50	Vaidhriti	Oct 03	18:53	Oct 04	19:50
व्यतिपत	अक्तूबर 19	08:11	अक्तूबर 19	28:41	Vyatipat	Oct 19	08:11	Oct 19	28:41
वैधृति	अक्तूबर 28	22:17	अक्तूबर 29	23:20	Vaidhriti	Oct 28	22:17	Oct 29	23:20
व्यतिपत	नवम्बर 13	24:59	नवम्बर 14	20:59	Vyatipat	Nov 13	24:59	Nov 14	20:59
वैधृति	नवम्बर 22	25:11	नवम्बर 23	25:47	Vaidhriti	Nov 22	25:11	Nov 23	25:47
व्यतिपत	दिसम्बर 09	14:35	दिसम्बर 10	11:32	Vyatipat	Dec 09	14:35	Dec 10	11:32
वैधृति	दिसम्बर 18	09:03	दिसम्बर 19	08:03	Vaidhriti	Dec 18	09:03	Dec 19	08:03

व्यतिपात व वैधृति योग तथा संक्रान्ति इनमें यदि कोई जन्म ले तो उसकी शान्ति करने का विधान है—

कुमार जन्मकाले तु व्यतीपातश्च वैधृति ।
संक्रमश्च खेस्तत्र जातो दारिद्रयकारकः ॥
दरिद्राणां महादुखं व्याधिपिड़ा महद् भयम् ।
अश्रियं मृत्युमाप्नोति नात्र कार्या विचारण ॥

कलश स्थापन, महामृत्युमजय मंत्र का जाप, देव पूजा, होम, गोदान, ब्राह्मण भोजन दक्षिणा आदि देकर शान्ति करें अन्यथा जातक आजीवन पर्यन्त कष्ट दरिद्रता भोगता है । वैधृति आदि योगों में विवाह आदि शुभ कार्य करना भी शास्त्र की मनाही है । 2024 में आने वाले वैधृति व व्यतिपात योग यहां बांयी ओर दिए गए हैं ।

According to scriptures, if somebody take birth in Vaidhriti Yog, Vyatipat Yog and Sankranti, then it is necessary to have done prayer for peace. Kalash Sthapan, chanting of Mahamrityunjay Mantra, Worship to God, Hawan, Charity for Cow, respect and prayer to Priest, is good remedy to get peace from the effect of these Yog. These Yog are not even good to perform Marriage ceremony, etc. Vaidhriti and Vyatipat Yog taking place in 2024 are given ON THIS PAGE.

2024 में विश्व के विभिन्न स्थलों पर मुख्य-व्रत-पर्वों की तारीखें

टाईम जोन	मुख्य शहर व देश	श्रीमहाशिवरात्रि	होली	वसन्त नवरात्रि आरम्भ	श्रीराम नवमी	गुरू पूर्णिमा	रक्षाबन्धन	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	शरद नवरात्रि आरम्भ	विजया दशमी	करवा चौथ	दीपावली
-10:00	होनोलुलु	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 08, सोम	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 24, शनि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-10:00	एंकारेज	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 08, सोम	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 24, शनि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
- 8:00	सान फ्रसिस्को	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 08, सोम	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-8:00	वेन्कूबर	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 08, सोम	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-8:00	डेनवर	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 08, सोम	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-07:00	कैलगिररि	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-7:00	एडमेन्टन	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 15, सोम	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-6:00	शिकागो	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-6:00	विन्निपैग	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-6:00	हूस्टन	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-5:00	बोस्टन	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-5:00	न्यूयार्क	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-5:00	पिटसवर्ग	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-5:00	टोरोन्टो	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-5:00	माँट्रियाल	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-5:00	ओटावा	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 20, शनि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-4:00	ग्याना	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-3:00	सूरीनाम	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-4:00	ट्रिनिडाड	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-4:00	सेंट जान	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
-0:00	लंदन	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 25, रवि	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+1:00	राटरडैम	मार्च 08, शुक्र	मार्च 24, रवि	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+1:00	पैरिस	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+1:00	ज्यूरिक	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+1:00	ओस्लो	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+1:00	डब्लिन	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 12, शनि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+3:00	नैरोबी	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 20, रवि	अक्तूबर 31, गुरू
+4:00	मारिशयस	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 16, मंगल	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	अक्तूबर 31, गुरू
+5:30	दिल्ली	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+4:30	मुम्बई	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+4:30	कोलम्बो	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+6:30	पेरू	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+6:30	रंगून	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 18, रवि	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+7:00	जकार्टा	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+7:00	बैंगकाक	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+8:00	कौलालमपुर	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+8:00	सिंगापुर	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+8:00	हांग कांग	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+9:00	टोक्यो	मार्च 08, शुक्र	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+10:00	सिडनी	मार्च 09, शनि	मार्च 25, सोम	अप्रैल 09, मंगल	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 03, गुरू	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+12:00	आकलैण्ड	मार्च 09, शनि	मार्च 25, सोम	अप्रैल 10, बुध	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 04, शुक्र	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र
+12:00	फिजी	मार्च 09, शनि	मार्च 25, सोम	अप्रैल 10, बुध	अप्रैल 17, बुध	जुलाई 21, रवि	अगस्त 19, सोम	अगस्त 26, सोम	अक्तूबर 04, शुक्र	अक्तूबर 13, रवि	अक्तूबर 21, सोम	नवम्बर 01, शुक्र

MAJOR FASTS AND FESTIVALS OF 2024 AROUND THE WORLD

TIME ZONE	MAIN CITIES	MAHA SHIVRATRI	HOLI	BASANT NAVRATRI BEGINS	SHRI. RAM NAVAMI	GURU PURNIMA	RAKSHA BANDHAN	KRISHNA JANMASHTAMI	SHARAD NAVRATRI BEGINS	VIJAYA DASHAMI	KARVA CHAUTH	DEEPAVALI
-10:00	Honolulu	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 08, Mon	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 24, Sat	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-10:00	Anchorage	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 08, Mon	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 24, Sat	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
- 8:00	Sanfrancisco	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 08, Mon	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-8:00	Vancouver	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 08, Mon	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-8:00	Denver	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 08, Mon	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-07:00	Calgary	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-7:00	Edmonton	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 15, Mon	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-6:00	Chicago	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-6:00	Winnipeg	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-6:00	Houston	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-5:00	Boston	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-5:00	New York	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-5:00	Pittsburgh	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-5:00	Toronto	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-5:00	Montreal	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-5:00	Ottawa	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 20,Sat	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-4:00	Guyana	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-3:00	Suriname	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-4:00	Trinidad	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-4:00	St.John's (NF)	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
-0:00	London	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+1:00	Rotteradam	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+1:00	Paris	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+1:00	Zurich	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+1:00	Oslo	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+1:00	Dublin	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 12, Sat	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+3:00	Nairobi	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 20, Sun	Oct 31, Thu
+4:00	Mauritius	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+5:30	Delhi	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+4:30	Bombay	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+4:30	Colombo	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+6:30	Peru	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+6:30	Rangoon	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 18, Sun	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+7:00	Jakarta	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+7:00	Bangkok	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+8:00	Kuala-lampur	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+8:00	Singapore	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+8:00	Hong Kong	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Oct 31, Thu
+9:00	Tokyo	Mar 08, Fri	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Nov 01, Fri
+10:00	Sydney	Mar 09, Sat	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 03, Thu	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Nov 01, Fri
+12:00	Auckland	Mar 09, Sat	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 04, Fri	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Nov 01, Fri
+12:00	Fiji	Mar 09, Sat	Mar 25, Mon	Apr 09, Tue	Apr 16, Tue	Jul 21, Sun	Aug 19, Mon	Aug 25, Sun	Oct 04,Fri	Oct 13, Sun	Oct 21,Mon	Nov 01, Fri

विभिन्न शहरों का करवा चौथ चन्द्रोदय

Moonrise time on Karwa Chauth-Day

20 October 2024

for some cities in Canada and U.S.A.

नीचे लिखे सभी शहरों में 20 अक्तूबर 2024 को ही करवा चौथ का व्रत मनाया जाना चाहिए वही शास्त्र सम्मत होगा। आप सभी को सुविधा के लिए विभिन्न शहरों का करवा चौथ चन्द्रोदय दिया जा रहा है। In the following cities **KARWA CHAUTH Vrat** should be observe on **20 October, 2024** according to Hindu scriptures. For your convenience **Moonrise time** has been given for some cities.

CANADIAN CITIES	Moonrise time	AMERCAN CITIES	Moonrise time
Brampton, ON	08:20	Albany, NY	08:00
Brantford, ON	08:25	Atlanta, GA	09:19
Calgary, AB	07:59	Boston, MA	07:51
Chatham, ON	08:36	Buffalo, NY	08:21
Edmonton, AB	07:37	Cincinnati, OH	09:00
London, ON	08:30	Cleveland, OH	08:38
Guelph, ON	08:23	Chicago, IL	08:01
Halifax, NS	08:09	Columbus, OH	08:50
Hamilton, ON	08:23	Dallas, TX	09:14
Kitchner, ON	08:25	Dayton, OH	08:56
Kingston, ON	08:04	Detroit, MI	08:40
Waterioo, ON	08:25	Fremont, CA	08:42
Milton, ON	08:22	Houston, TX	09:18
Mississauga, ON	08:20	Los Angeles, CA	08:39
Montreal, QC	07:46	Minneapolis, MN	08:10
Newmarket, ON	08:17	Mountain View, CA	08:43
Niagara Falls, ON	08:20	New York, NY	08:10
North Bay, ON	08:06	Newark, NJ	08:11
Oakville, ON	08:21	Newport News, VA	08:35
Oshawa, ON	08:16	Oklahoma city, OK	09:08
Ottawa, ON	07:55	Orlando, FL	09:23
Pickering, ON	08:17	Philadelphia, PA	08:18
Regina, SK	07:24	Pittsburgh, PA	08:36
Richmond Hill, ON	08:18	Rochester, NY	08:43
Richmond, BC	07:50	Sacramento, CA	08:36
Surrey, BC	07:48	San Francisco, CA	08:43
Toronto, ON	20:18	San Diego, CA	08:39
Vancouver, BC	07:55	San Jose, CA	08:42
Victoria, BC	07:55	Syracuse, NY	08:08
Winnipeg, MN	07:57	Tampa, FL	09:29
Windsor, ON	08:40	Washington, D.C.	08:30

काल ज्ञान

दिन के पाँच काल होते हैं। दिनमान के बराबर पाँच हिस्से करें, सूर्योदय में जमाकर क्रमशः जानें। 1 प्रातःकाल, 2 साँयकाल, 3 मध्याह्न काल, 4. अपराह्न काल, 5. सन्ध्या काल

ब्रह्ममुहूर्त कालः– सूर्योदय से दो घंटे पहले

अरुणोदयः– सूर्योदय से दो घड़ी अर्थात् एक घंटा बारह मिनट पहले।

प्रातः सन्ध्या काल :– सूर्योदय के तीन घड़ी अर्थात् 1 घंटा 12 मिनट बाद तक।

साँय सन्ध्याकालः– सूर्यास्त में 3 घड़ी अर्थात् सूर्यास्त में 1 घंटा, 12 मिनट जना करें।

प्रदोषकाल :– सूर्यास्त के 6 घड़ी बाद अर्थात् सूर्यास्त में 2 घंटे 24 मिनट जमा करें।

निशीथ कालः– रात्रि मध्य की दो घड़ी अर्थात् मध्य रात्रि के 48 मिनट।

Time's Division

There is a five special division of time in one day. Divide the total length of the day into five parts and add it to the sunrise continuously 1.Morning, 2. Evening, 3. Noon, 4. Afternoon, 5. Sunset time.

Brahm muhurat :- Two hours before sunrise time.

Arunodaya:- One hour twelve minutes before sunrise.

Morning prayer time:- One hour twelve minutes after sunrise.

Evening prayer time:- Add One hour twelve minutes to sunset time.

Pradosh Kaal:- Add 2 hours 24 minutes to sunset time.

Nisheeth Kaal:- 48 minute of middle of the night.

ज्वालामुखी योग– ज्वालामुखी योग भारतीय मनीषियों, जायेतिर्विदों के मतानुसार अरिष्टकर होता है। शुभ कार्यों में यह अग्राहया है। किसी का जन्म हो जाये तो किसी के वश में तो नहीं किन्तु अरिष्टकर होता है। हिन्दी में एक लोकोक्ति प्रसिद्ध है कि–

जन्मे तो जीवे नहीं, जीवे तो उजड़े गाँव।
नारी पहने चूड़ियाँ पुरुष विहीना होय,
बोबे तो काटे नहीं, कुएँ उपजे न नीर॥

ऐसे योग में विवाह होने से वैधव्य योग बनता है, फसल न उगे, शुभ कार्य अधिक फलप्रद नहीं होवे। निम्नलिखित ज्वालामुखी योग के समय में किया गया कोई भी नया काम सफल नहीं होता।

2024 में होने वाले ज्वालामुखी योगः–

जहाँ तक सम्भव हो शुभ कार्य को इसमें न करें।

फरवरी 15, 22:24	फरवरी 16, 21:45
फरवरी 16, 22:16	फरवरी 17, 21:45
मार्च 13, 15:55	मार्च 17, 21:45
अप्रैल 16, 29:44	अप्रैल 17, 22:27
जून 21, 21:07	जून 22, 08:24
अगस्त 25, 18:09	अगस्त 25, 30:25
अगस्त 26, 16:49	अगस्त 26, 30:08
सितम्बर 21, 08:43	सितम्बर 21, 15:06
अक्तूबर 25, 17:52	अक्तूबर 25, 24:16
दिसम्बर 12, 24:35	दिसम्बर 13, 16:40

Jwalamukhi Yog :- This is a harmful yog, as per Indian astrologers and knowledgeable people. For auspicious occasions this is not acceptable, but by chance this happens, one can not help. In Hindi there is a saying "Janme to jive nahin, base to ujade gaon, nari pahne churiyan purush vihina hoy, bove to kaate hahin, kunyey ujade niir." If one marries in this yog, one gets widowed and auspicious deeds do not succeed.

JAWALAMUKHI YOG in 2024

Avoid to do auspicious work in these dates.

Feb. 15, 22 : 24	Feb. 16, 21 : 45
Feb. 16, 22 : 16	Feb. 17, 21 : 45
Mar. 13, 15 : 55	Mar. 17, 21 : 45
Apr. 16, 29 : 44	Apr. 17, 22 : 27
Jun. 21, 21 : 07	Jun. 22, 08 : 24
Aug. 25, 18 : 09	Aug. 25, 30 : 25
Aug. 26, 16 : 49	Aug. 26, 30 : 08
Sep. 21, 08 : 43	Sep. 21, 15 : 06
Oct. 25, 17 : 52	Oct. 25, 24 : 16
Dec. 12, 24 : 35	Dec. 13, 16 : 40

धर्मशास्त्रीय विवेक

1. विल्व पत्र —

विल्पपत्र छः मास वासी नहीं होता अतः तोड़ने पर षड्मास तक पूजा में ग्राह्य है। सूर्य व गणेश को छोड़कर बिल्वपत्र सभी देवों पर चढ़ाया जा सकता है।

2. तुलसी व आंवला —

द्वादशी को तुलसी पत्र तथा कार्तिक मास में आंवला तोड़ना शुभ नहीं। शालीग्राम पूजा हेतु तुलसी पत्र नित्य तोड़ने से अपराध नहीं होता।

3. शिक्षा —

सभी वर्णों को शिखा धारण करनी चाहिए। देवगण व पितृगण शिखा का ही आश्रयण करते हैं।

शिखा ग्रन्थि मंत्र- ब्रह्मवाक्य सहस्रेण शिववाक्य शतेन च।
विषर्णोनाम सहस्रेण शिखा ग्रन्थिं करोम्यहम्॥

शिखा मुक्ति (खोलने) मंत्र-
ब्रह्मपाश सहस्रेण रुद्रस्रेण रुद्रशूल शतेन च।
विष्णु चक्र सहस्रेण शिखा मुक्तिं करोम्यहम्॥

4. व्रत में बार-बार जल पीना, पान चबाना, मैथुन व दिन में सोना पुण्य को क्षीण करता है।
5. यज्ञशाला, गोशाला, देवमूर्ति, विप्र, गुरु व भोजन करते समय जूता उतार देना चाहिए अन्यथा तन क्षीण, मन अशान्त व धन ह्रास होता है।
6. अन्न ब्रह्म है, कभई निंदा न करें, व्यर्थ भी गंवाना नहीं चाहिए। समय पर जो सात्विक भोजन मिल उसे शांत होकर ग्रहण करने से आयु, बुद्धि व शान्ति की वृद्धि होती है।
7. भोजनोपरान्त शत (सौ) पद चलने वाला, ताम्बूला लेने वाला व अपनी बायीं करवट सोने वाला सदा स्वस्थ रहता है, उसे औषधि की आवश्यकता नहीं पड़ती।
8. सभी में, यज्ञ में, देवालय में सभी को इकट्ठा ही प्रणाम करें। पृथक् पृथक् प्रणाम करने की आवश्यकता नहीं।
9. पूर्वाह्न में देवकार्य, मध्याह्न में मनुष्य कार्य और अपराह्न में पितृ कर्म करना हितकर है।
10. खड़े होकर जल नहीं पीना चाहिए। न जलं चोत्थितः पिबेत् (स्कन्द पुराण)
11. अग्नि, गायों, ब्राह्मणों व दम्पति के बीच में से कभी नहीं निकलना चाहिए।
12. विवाह और विवाद समान व्यक्तियों से ही होना चाहिए।
13. शमशान भूमि से वापस आकर बिना स्नान किए देवार्चन स्पर्श व अन्न ग्रहण करना अरिष्टकर है।
14. ज्येष्ठ पुत्र या पुत्री का विवाह उसके जन्म मास, जन्म नक्षत्र व जन्म दिन में न करें।
15. पुत्र विवाह पश्चात् 6 मास तक पुत्री का विवाह न करें।

Scriptural Wisdom

1. **Vilva Patra (leaves of wood apple tree)**
Vilva patra is not available all the six months. hence even after plucking it can be used for next six month. This can be offered to all deities except Sun and Lord Ganesh.
2. **Tulsi and Aamala (basil and Indian Goosberry)**
It is not auspicious to pluck Tulsi leaves on twelfth of Moon month and Indian gooseberry in the month of Kartik. If Tulsi is plucked for Saligram Puja daily, it is not inauspicious.
3. **Shikha (Bunch of tied hair at the back of head)**
Every one should have shikha. All the gods and paternal beings have these. The scrip-tural mantra for Shikha is "Brahmavakya sahastrain shivvaya shaten ch, Vishnornam sahastrain shikha granthim karomyaham". For untying the mantra is "Brahmapaash sa-hastrain rudrashul shaten ch, Vishnu chakra sahastrain shikha muktim karomyaham".
4. It makes the effect of fast very weak, if one takes water, eating 'pan leaves, coitus enjoyment, sleeping in the day etc.
5. One should take out shoes before entering cow shed, hall of sacrifice, place of deity, place of elderly and teacher, otherwise, body gets affected, disturbs peace and loss of money.
6. Food is like Brahma; it should not be cursed or wasted. One should accept the pure & good food with mental peace; this will give you longevity, wisdom and peace of mind.
7. One may not need any medicine, if one walks 100 steps, eating 'pan' leaves and sleeping on left side after dinner. He will always be healthy.
8. One should bow head all at one time in a congregation, place of sacrifice, and place of deities. One should not separately bow.
9. It is always beneficial to worship in the morning, routine jobs in the afternoon and all paternal work in the evening.
10. One should not drink water standing. ' Na jalam chotthimah pivait' (skanda Puran).
11. Never cross fire, cows, Brahmins and couples.
12. Marriage and arguments should always be done with people of the same calibre.
13. It is harmful to worship, eating food and even touching a deity without taking bath after coming from funeral.
14. Do not marry your eider son or daughter in the same month, star or day of his birth.
15. Do not marry the daughter for six months after the marriage of son.

सूर्य व चन्द्र ग्रहण विवरण 2024

वर्ष 2024 में कुल चार ग्रहण होंगे । जिनमें दो सूर्यग्रहण और दो चन्द्रग्रहण होंगे । सभी ग्रहण विश्व के विभिन्न स्थलों पर दिखाई देंगे । पाठकवृंद कृपया ध्यान दें कि ग्रहण जहां दिखाई देता है उसका प्रभाव वहीं होगा, अन्यत्र नहीं । ग्रहण का समय, स्थल व राशियों पर प्रभाव निम्न प्रकार से होगा ।

1 चन्द्रग्रहण 25 मार्च, 2024 सोमवार

ग्रहण प्रारम्भ 00:51 AM EDT तथा समाप्त 5:35 AM EDT

यह ग्रहण लगभग समूचे उत्तरी अमेरिका में दिखाई देगा ।

2 सूर्यग्रहण 8 अप्रैल, 2024 सोमवार

ग्रहण प्रारम्भ 11:40 AM EDT तथा समाप्त 4:50 PM EDT

यह ग्रहण अलास्का को छोड़कर उत्तरी अमेरिका में दिखाई देगा ।

3 चन्द्रग्रहण 17 - 18 सितम्बर, 2024 बुधवार

ग्रहण प्रारम्भ 17 सितम्बर, 8:38 PM EDT तथा 18 सितम्बर, समाप्त 00:48 AM EDT यह ग्रहण भी लगभग सारे उत्तरी अमेरिका में दृष्टिगत होगा ।

4 सूर्यग्रहण 2 अक्टूबर, 2024 गुरुवार

ग्रहण प्रारम्भ 5:40 AM HAT तथा समाप्त 11:47 AM HAT

यह ग्रहण केवल हवाई के कुछ भागों में ही दृष्टिगत होगा ।

ग्रहण	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
मार्च २५	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ
अप्रैल ०८	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ
सितम्बर १८	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ
अक्तूबर ०२	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

उपरोक्त तालिका से आप अपनी राशि के अनुसार ग्रहण का क्या प्रभाव है जान सकते हैं। पुन: ध्यान दें कि जहां ग्रहण दृष्टिगत होगा वहीं पर उसका अच्छा या बुरा प्रभाव होगा, अन्यत्र नहीं ।

ग्रहण में क्या करें:-

सूर्येन्दु ग्रहणं यावन्तावन्कुर्याज्जपादिकम्।
न स्वपेत् न भुञ्जीत स्नात्वा भुञ्जीत् मुक्त्योः॥

अर्थात् ग्रहण का समय में परमात्मा की पूजा, प्रार्थना, जाप करना चाहिए। ग्रहण काल में खाना-पीना ओर सोना नहीं चाहिए। ग्रहण समाप्ति पर भगवत्स्मरण करते हुए स्नान करके खाना-पीना करना चाहिए। विशेष रूप से गर्भवती स्त्रियों को ग्रहण का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्हें न सोना चाहिए, न ग्रहण देखना चाहिए, केवल प्रभु भजन, गीता, रामायण, भगवद् कथा आदि का पाठ करें।

ग्रहण में 'चूड़ामणि योग' :-

जब रविवार को सूर्यग्रहण लगे और चन्द्रग्रहण सोमवार को लगे तो यही चूड़ामणि योग कहलाता है। सूर्य पुराण में लिखा है कि :-

अन्यवारे यदा भानोरिन्दोर्वा ग्रहणं भवेत्।
तत्फलं कोटिगुणितं ज्ञेयं चूडामणौ ग्रहे॥

अर्थात् अन्य वारों की अपेक्षा रवि सोम को इन ग्रहणों का पुण्य कोटिगुणा अधिक कहा गया है। ऐसे काल में मन्त्र सिद्धि, इष्टदेव उपासना करना अनेक अनिष्टों, जन्म-जन्मान्तर के पापों का नाश करती है, सब प्रकार से कल्याण करता है।

जिसके जन्म नक्षत्र का जन्म राशि पर ग्रहण हो तो उस व्यक्ति को ग्रहण मृत्युतुल्य कष्टप्रद होता है। मृत्यु का तात्पर्य यहाँ मृत्यु से नहीं, बल्कि 'पंचस्वरा' ग्रन्थ में लिखा है:-

व्यथा दुखं भयं लज्जा रोगः शोकस्तथैव च।
मरणं चापमानञ्च मृत्युरष्टविधः स्मृतः॥

अर्थात् व्यथा, दु:ख, भय, लज्जा, रोग, शोक, मरण, अपमान आदि आठ प्रकार के कष्ट होते हैं जो मृत्युतुल्य माने जाते हैं।

चन्द्र-सूर्य ग्रहण विश्व को कब प्रभावित करते हैं :-

सूर्य ग्रहण के बाद अगले पक्ष में चन्द्र ग्रहण आये तो सारे संसार के लिए सुखद, शान्तिदायक और चन्द्रग्रहण के बाद सूर्यग्रहण पड़े तो विश्व में दैहिक-दैविक-भौतिक कष्टप्रद होता है।

ग्रहण का पुण्यकाल व सूतक विचार :-

जिस स्थान पर ग्रहण दिखाई पड़े, वहीं पर जप-तप, दान-पुण्य के लिए व राशि अनुसार शुभाशुभ फल होता है। लगभग 12 घण्टे पहले सूर्यग्रहण का तथा 9 घण्टे पहले चन्द्रग्रहण का सूतक माना जाता है। सूतक काल से ग्रहण समाप्ति तक शयन, भोजन, मैथुन आदि का परित्याग कर ईश्वर आराधन, जप-तप, पूजा-पाठ करनेसे अनन्त पुण्य मिलता है।

मंत्र दीक्षा :- सूर्यग्रहण का काल मंत्र दीक्षा व मंत्र व साधना हेतु विशेष शुभ माना जाता है। ग्रहण का दिन व उससे अगला दिन विवाहादि मंगल कार्यों, व्रतारम्भ व व्रत उद्यापन हेतू शुभ नहीं माना जाता है।

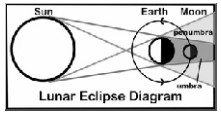

SOLAR AND LUNAR ECLIPSES IN 2024

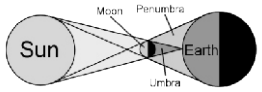

There will be total four eclipses in 2024, two solar and two lunar eclipses. Some eclipses will be visible in North America and some from other parts of the world.

1. March 25, 2024, Monday – Lunar Eclipse
Eclipses commences 00:51 AM EDT and concludes 5:35 AM EDT
This eclipse will be visible from whole North America.

2. April 8, 2024, Monday – Solar Eclipse
Eclipse commences 11:40 AM EDT and concludes 4:50 PM EDT
This eclipse will be visible from North America excluding Alaska.

3. September 17 - 18, 2024, Wednesday – Lunar Eclipse
Eclipse commences on 17 Sep, 8:38 PM EDT and concludes on 18 Sep, 12:48 AM EDT. This eclipse will be visible from whole North America.

4. October 2, 2024, Thursday – Solar Eclipse
Eclipse commences 5:40 AM HAT and concludes 11:47 AM HAT
This eclipse will be visible from Hawaii only.

Eclipse	Mesh	Vrish	Mithun	Kark	Singh	Kanya	Tula	Vrishch	Dhanu	Makar	Kumbh	Meen
March 25	Bad	Bad	Good	Good	Med	Bad	Med.	Good	Bad	Bad	Good	Med
April 08	Bad	Med.	Good	Bad	Bad	Good	Med.	Bad	Bad	Good	Good	Med.
Sept. 28	Good	Bad	Bad	Good	Med.	Bad	Bad	Good	Good	Med.	Bad	Med
Oct. 03	Bad	Bad	Good	Good	Med.	Bad	Med.	Good	Bad	Bad	Good	Med.

Depending on the time, date and birth's zodiac sign of individuals, please consult on the chart given below.

According to the following Scriptural ad-vice on eclipses :
"Suryendu Grahanam Yaavat-taavan-kuryaat-japaadikam
Na Swapait Na Bhunjeet Snaatvaa Bhunjeet Muktayoh."
During the eclipses of the Sun and the Moon, one should spend time in prayer and worshipping to God. There should be no eating and bathing during this time. After the eclipse, one should take bath while reciting prayers to God and then take food.

"Chooramani Yog" during eclipse :— Chooramani. Yog is said to occur, when a Solar eclipse takes place on a Sunday and a Lunar eclipse takes place on Monday. Surya Puran Says :—

Anyavare yada bhanorindorva grahanam bhavet I
tatphalam kotigunitam gyeyam Chudarnanau grahe II

Meaning that compared to other days, occurence of eclipses on Sunday or Monday multiply the auspiciousness many fold. During these occasions doing Mantra Siddhi and worshipping ones' Ishta Deva (Chosen Deity) washes away sins and ill fortunes of many previous incarnations of a person. It is beneficial in every way.

Eclipse occurring during birth Nakshatra or birth Rashi of a person can lead to the grave suffering of that person. In this respect **Panch-Swara scrip-ture says :**—

Vyatha dukham bhayam lajja rogah shokastathaiva cha I
maranam chapamanancha mrityurashtavidhaa smritaa II

Meaning that physical and mental suffering , fear, disease, shame, bereavement, insult and death, these eight are all equal to death. When the Solar and Lunar eclipse influence the World :— Solar eclipse fol-lowed by lunar eclipse in next Paksha (fortnight) is beneficial for the whole world. If these happen in reverse (lunar eclipse followed by solar eclipse) the effect is all kinds of sufferings.

Auspicious duration of an eclipse and Sutaka :—
An eclipse exerts an effect only where it is (geographically) visible and and is good for meditation, Japa and for donation etc. The Sutak of a solar eclipse start 12 hours before its onset and that of lunar one 9 hours before its onset. From the onset of Sutak till the end of the eclipse one should avoid sleeping, eating and sexual activities. Eclipses time is very auspicious for the prayers to God and give do-nations. The pregnant women should, especially, heed the advice that they should not eat, drink and bath during the eclipse time just J Med do prayer.

जन्म से पूर्व एवं मृत्युपश्चात् योगायोग विचार

भारतीय ऋषियों ने अपनी साधना, लग्न, परिश्रम एवं दिव्य ज्ञान से ग्रहों की गति का अध्ययन करके जो निष्कर्ष निकाले, वे वस्तुत: प्रामाणिक होने के साथ-साथ इस बात के सूचक भी हैं कि इन सिद्धान्तों, नियमों एवं तथ्यों के पीछे आर्य ऋषियों की सैकड़ों-हज़ारों वर्षों की तपस्या एवं अनुभूति है। मानव-जीवन के छोटे से छोटे तथ्य पर भी इन ऋषियों ने विचार एवं अनुभव प्राप्त किया है। हानि-लाभ, सुख-दुख जीवन-मरण आदि का विवेचन करने के साथ-साथ उन्होंने ग्रहों की गति एवं स्थिति के आधार पर आवागमन पर भी प्रकाश डाला है।

बालक जिस समय जन्म लेता है उस समय का शोधनकर अक्षांश-देशांतर-संस्कार करने के पश्चात् बालक की जन्मकुण्डली बनाई जाती है। उस समय के ग्रहों की स्थिति के अध्ययन के फलस्वरूप यह ज्ञात किया जा सकता है कि बालक किस योनि में आया है और मृत्यु के पश्चात् उसकी क्या गति होगी। नीचे इस सम्बन्ध में कुछ विशेष योग प्रस्तुत किये जा रहे हैं-

जन्म-पूर्व योनि-विचार

1. यदि जातक की जन्म-कुण्डली में चार या इससे अधिक ग्रह उच्च राशि के अथवा स्वराशि के हों तो जीव ने उत्तम योनि भोगकर यहाँ जन्म लिया है, ऐसा समझना चाहिए।
2. लग्न में उच्चराशि का या स्वराशि का चन्द्रमा हो तो बालक पूर्वजन्म में सद्विवेकी वणिक थी, यह मानना चाहिए।
3. लग्नस्थ गुरु इस बातका सूचक है कि बालक पूर्वजन्म में वेदपाठी ब्राह्मण था। यदि जन्मकुण्डली में कहीं भी उच्च का गुरु होकर लग्न को देख रहा है तो बालक पूर्वजन्म में धर्मात्मा, सद्गुणी एवं विवेकशील साधु अथवा तपस्वी था- ऐसा ऋषियों का कथन है।
4. यदि जन्मकुण्डली में सूर्य, छठे, आठवें या बारहवें भाव में अथवा तुला राशि का हो तो बालक पूर्वजन्म में पापरत एवं भ्रष्टजीवन व्यतीत करने वाला था- यह जानना चाहिए।
5. लग्न या सप्तम भाव में यदि शुक्र हो तो जातक पूर्वजन्म में राजा या प्रसिद्ध सेठ था तथा पूर्णत: भोगी जीवन बिताने वाला था- यह मानना चाहिए।
6. लग्न, एकादश, सप्तम या चौथे भाव में शनि इस बात का सूचक है कि बालक पूर्वजन्म में शूद्र परिवार से सम्बन्धित था तथा पापपूर्ण कार्यों में रत था।
7. यदि लग्न या सप्तम भाव में राहु हो तो बालक की पूर्वमृत्यु स्वाभाविक रूप में नहीं समझनी चाहिए।
8. चार या इससे अधिक ग्रह जन्म-कुण्डली में नीच राशि के हों तो बालक ने पूर्वजन्म में निश्चय ही आत्महत्या की होगी, ऐसी ऋषियों का कथन है।
9. लग्नस्थ बुध स्पष्ट करता है कि जातक पूर्वजन्म में वणिक-पुत्र था एवं विविध क्लेशों से ग्रस्त रहता था।
10. सप्तम भाव, षष्ठ भाव या दशम भाव में मंगल की उपस्थित यह स्पष्ट करती है कि जातक पूर्वजन्म में अत्यन्त क्रोधी स्वभाव का था तथा कई व्यक्ति उससे पीड़ित रहते थे।
11. बृहस्पति शुभ ग्रहों से दृष्ट हो तथा गुरु पंचम या नवम भाव में हो तो जातक पूर्वजन्म में वीतरागी था- यह समझना चाहिए।
12. एकादश में सूर्य, पंचम में बृहस्पति तथा द्वादश भाव में शुक्र इस बात के द्योतक हैं कि जातक पूर्वजन्म में धर्मात्मा लोगों की सहायता करने वाला तथा दान-पुण्य में तत्पर ईश्वराराधक था। ऐसा भारतीय ऋषियों का कथन है।

मृत्यु उपरान्त ग्रह-विचार —

1. कुण्डली में कहीं पर भी यदि उच्च राशि (कर्कराशि) का बृहस्पति स्थित हो तो जातक की अन्त्येष्टि धूमधाम से होती है तथा मृत्यु के पश्चात् उत्तम कुल में जन्म होता है।
2. लग्न में उच्चराशि का चन्द्रमा हो तथा कोई पापग्रह उसे न देखते हों तो जातक की सद्गति होती है तथा वह अपने पीछे कीर्ति कथाएँ छोड़ जाता है।
3. अष्टमस्थ राहु जातक को पुण्यात्मा बना देता है तथा मरने के पश्चात् वह राज्यकुल में जन्म लेता है, ऐसा विद्वानों का कथन है।
4. अष्टम भाव पर मंगल की दृष्टि हो तो तथा लग्नस्थ भौम पर नीच शनि का दृष्टि हो तो जातक रौरव नरक भोगता है।
5. अष्टमस्थ शुक्र पर गुरु की दृष्टि हो जो जातक मृत्यु के पश्चात् वैश्यकुल में जन्म लेता है।
6. अष्टम भाव पर मंगल और शनि इन दोनों ग्रहों की पूर्ण दृष्टि हो जो जातक अकाल मृत्यु से मरता है।
7. अष्टम भाव पर शुभ तथा अशुभ किसी भी प्रकार के ग्रह की दृष्टि न हो और न अष्टम भाव में कोई ग्रह स्थित हो जो जातक ब्रह्मलोक प्राप्त करता है।
8. लग्न में गुरु-चन्द्र, चतुर्थ भाव में तुला का शनि एवं सप्तम भाव में मकर राशि का मंगल हो तो जातक जीवन में कीर्ति अर्जित करता हुआ मृत्यु-उपरान्त ब्रह्मलीन होता है।
9. लग्न में उच्च का गुरु चन्द्र को पूर्ण दृष्टि से देख रहा हो एवं अष्टम स्थान ग्रहों से रिक्त हो तो जातक जीवन में सैकड़ों धार्मिक कार्य करता है तथा प्रबल पुण्यात्मा तथा मृत्यु के उपरान्त सद्गति का अधिकारी होता है।
10. अष्टम भाव को शनि देख रहा हो तथा अष्टम भाव में मकर या कुम्भ राशि हो तो जातक योगिराज पद प्राप्त करता है तथा विष्णुलोक प्राप्त करता है।
11. यदि जन्मकुण्डली में चार ग्रह उच्च के हों तो जातक निश्चय ही श्रेष्ठ मृत्यु का वरण करता है एवं पीछे अक्षयकीर्ति-वट स्थापित कर देता है।
12. एकादश भाव में सूर्य-बुध हों, नवम भाव में शनि तथा अष्टम भाव में राहु हो तो जातक मृत्यु के पश्चात् मोक्ष प्राप्त करता है।

विशेष योग-

1. द्वादशभाव शनि, राहु व केतु से युक्त हो, फिर अष्टमेश से युक्त हो अथवा षष्ठेश से दृष्ट हो तो मरने के बाद दुर्गति होगी- यह समझना चाहिए।
2. गुरु लग्न में हो, शुक्र सप्तम में हो, कन्या राशि का चन्द्रमा हो एवं धनुलग्न में मेष का नवांश हो तो जातक मृत्यु के पश्चात् परमपद प्राप्त करता है।
3. अष्टम भाव को गुरु, शुक्र और चन्द्र तीनों ग्रह देखते हों तो जातक मृत्यु के पश्चात् श्रीकृष्ण के चरणों में स्थान प्राप्त करता है, ऐसा आर्य ऋषियों का कथन है।

Prediction of Birth-Death from Planets

The hard work, dedication, spiritual knowledge and the in depth study of the movements of the planets have let the Indian sages to make such con-clusions that not only bear the testimony of the tine but they are also indicative of being a scientific reality based on the principles. This has happened because due to the scores of thousands of years of their meditation. These sages have also learnt through experience and also by contemplating on the tiny problems faced by human being in their daily life They have also unfolded the logic behind gain and loss, happiness and sorrow, life and death . They also studied the basis of the planets and their effect of their particular location and movement of the planets on the individual and the migration of past, present and future life as well. Preparation of Horoscope depends upon the time of birth and placement of the planets at that particular time of birth. From these located planets in the horoscope the origin of his past life is discovered and after what will be state of life after the death. Following is the summary of the situations in this context:

Relates to previous birth: —

1. In the chart of the houses in the horoscope if the lord of four or more houses are in exalted rasi or friendly rasi then the person has lived a good life in the previous life.
2. If the moon is lagna of friendly exalted rasi the child must be very intellectual and wise in his previous life.
3. Jupiter in lagna indicated that the child in his previous life was reli-gious and devoted Brahmin. If Jupiter being in exalted position and keeping an eye on lagna then the person in his past life has been a saint, virtuous, wise and self disciplined with restrain and austerity. this is the conclusion of saints who have realized through their eternal knowledge.
4. If the Sun is in the in 6th , 8th or the 12th house bhav and of Libra rasi the person in his past life lived a corrupt life.
5. If the Venus is in the 7th bhav or in the lagna the person in his past life could either be a king or a well known wealthy person enjoying a luxurious life.
6. Saturn when placed in lagna , eleventh, seventh or fourth house is in-dicative that the baby has come from unskilled worker class engaged in menial tasks.
7. If Rahu (Dragon Head) is located in the lagna or 7th house the baby in his past life has died a natural death.
8. Four or more grehas are of debilitated rasi in the kundli the person has definitely committed suicide in his past life.
9. If the mercury is in the lagna then it indicates that he was a son of a merchant and always engaged in troublesome pursuits.
10. Mars presence in7th, 6th and or in 10th house indicates that he was al-ways in anger and many people were victims s of his anger.
11. If the Jupiter is within the orbit of auspicious grehas and it is located om 5th or 9th bhav then person has been a detached soul all worldly attachments.
12. If Sun is in the 11th house. Jupiter in the 5th house and Venus in thel2th house then the person in his past life was a noble person and he was always help-ful to others and always ready to give donations and do charitable deeds in the name of God.

Planets Relating to Life after death —

What will be the state of his life after death can also be derived based on the planets in his horoscope. Following are the proven facts in relation the life after death:

1. Jupiter accompanied by exalted with cancer rasi situated in any house in horoscope means that his funeral will be like a celebration and takes next birth in a very noble dynasty.
2. Exalted rasi Moon situated in the Lagna without being watched by vicious planets then departed soul gets salvation and leaves behind his mark and goodwill.
3. Rehu in the 8th house the horoscope then intends to make the soul pure and religious and after death he gets born in a family of kings.
4. If Mars cover the 8th house then and is watched by debilitated Saturn then per-son goes to hell after death.
5. Venus located in 8th house and covered by Jupiter then person is borne in mer-chants family in the next life.
6. If 8th bhav covered fully by Saturn and Mars then person dies an eternal death.
7. If 8th bhav is not covered by auspicious or otherwise by any planet and neither any planet occupies this location then person with such horoscope attains salvation and goes to heaven.
8. Jupiter and Moon in lagna, Libra rasi Saturn in 4th bhav and 7th bhav Capricorn Mars then the person reaches height of popularity and in such state he breathes his last.
9. Exalted Jupiter keeping an eye on Moon planet and eighth house not occupied by any planet person with such situation of the planets in the horoscope performs multiple religious deeds. Such strong soul attains salvation and secures his place in the heaven.
10. If Saturn is watching 8th bhav and 8th bhav has either Cancer or Capricorn rasi then such person attains a saintly status and goes to heaven.
11. If 4 grehas occupy exalted position in the horoscope then the person definitely attains death with suffering and leaves his name and status in tact for all time to come.
12. 11th bhav is occupied by Sun, Mercury, and Saturn in 9th bhav, and Rahu in 8th bhav and being watched from the sixth then he attains salvation after death.
1. 12th bhav Saturn joined by Rahu and Ketu and joined by 8th house and watched by 6th house then he will face disgrace after his death.
2. When Jupiter is in lagna and Venus in 7th house, Virgo rasi Moon Sagittarius as-cendant occur in the horoscope such person attains salvation after death
3. Jupiter, Venus and Moon all three watch 8th bhav then he gets the glories of ord Krishna and attains salvation of the soul.

मृत्यु के समय क्या करें ?

मृत्यु के समय सबसे बड़ी सेवा है 'किसी भी उपाय से रोगी का मन संसार से हटाकर भगवान में लगा देना।' इसके लिए —

1. उसके पास बैठकर घर की, संसार की कारोबार की, कोई भी राग या द्वेष हो तो उनकी ममता के पदार्थों की तथा अपने दुख की चर्चा बिल्कुल ही न करें।
2. जब तक चेत रहे भगवान के स्वरूप, लीला तथा उनके तत्त्व की बात सुनावे। श्रीमद्भगवतगीता का (सातवें, नवें, बारहवें, चौदहवें, पंद्रहवें अध्याय का विशेष रूप से) अर्थ सुनावें। भागवत के एकादश स्कन्ध, योग वशिष्ठ का वैराग्य प्रकरण, उपनिषदों के चुने हुये स्थलों के उपदेश सुनावें। इनमें से रोगी का रुचि का ध्यान रखकर उसी को सुनावें। नाम कीर्तन में रुचि हो तो नाम कीर्तन करें। व सन्तों भक्तों के पद सुनावें। जगत के भौतिक पदार्थ की, राग द्वेष उत्पन्न करने वाली बात, ममता मोह को जगाने वाली चर्चा बिल्कुल ही भूलकर भी न करें।
3. रोगी भगवान के साकार रूप का प्रेमी हो तो उसको अपने इष्ट - भगवान विष्णु, राम, कृष्ण, शिव, दुर्गा, गणेश- किसी भी भगवद्रूप का मनोहर चित्र सतत दिखाते रहें। निराकार निर्गुण का उपासक हो तो उसे आत्मा व ब्रह्म के सच्चिदानन्द अद्वैत तत्त्व की चर्चा सुनावे।
4. उस स्थान को पवित्र धूप, कर्पूर से सुगन्धित रखें। कर्पूर या घृत के दीपक की शीतल परमोज्जवल ज्योति उसे दिखावे।
5. समर्थ हो और रुचि हो तो उसके द्वारा उसके इष्ट भगवत्स्वरूप की मूर्ति का पूजन करवायें।
6. कोई भी अपवित्र वस्तुय या दवा उसे न दें। चिकित्सक की राय हो तो भी उसे नशीली तथा जान्तव पदार्थों से बनी एलोपैथिक, होमियोपैथिक दवा बिल्कुल न दें। जिन आयुर्वेदिक दवाइयों में अपवित्र तथा जान्तव चीजें पड़ी हों उनको भी न दें। न ही खानपान में अपवित्र, तामसी तथा जान्तव पदार्थ दें। रोगी की क्षमता के अनुसार गंङ्गाजल का अधिक या कम पान करावें। उसमें तुलसी पत्ते अलग पीसकर, छानकर मिला दें और तुलसी मिश्रित गंङ्गाजल पिला दें।
7. गले में रुचि के अनुसार तुलसी या रुद्राक्ष की माला पहना दें। मस्तक पर रुचि के अनुसार त्रिपुण्ड या उर्ध्वपुण्ड तलिक पवित्र चंदन से, गोपीचंदन आदि से कर दें। अपवित्र केसर का तिलक न करें।
8. रोगी के निकट रामरक्षा या मृत्युञ्जय स्तोत्र का पाठ करें। एकदम अन्तिम समय पवित्र नारायण नाम की विपुल ध्वनि करें।
9. रोगी को कष्ट का अनुभ न होता दीखे तो गंङ्गाजल या शुद्ध जल से उसे स्नान करा दें। कष्ट होता हो तो न करावे।
10. विशेष कष्ट न होता हो तो जमीन को धोकर उस पर गंङ्गाजल के छींटे देकर भगवान का नाम लिखकर, गंङ्गा की रज या ब्रजरज हो तो डालकर चारपाई से नीचे सुला दें।
11. मृत्यु के समय तथा मृत्यु के बाद भी 'नारायण' नाम की या अपने इष्ट भगवान् नाम की विपुल ध्वनि करें। जब तक उसकी अर्थी चली न जाये, तब तक यथासम्भव कोई घरवाले रोवे नहीं।
12. उसके शव को दक्षिण की ओर पैर करके सुला दें। तदनन्तर शुद्ध जल से स्नान करवाकर, नवीन धुला हुआ वस्त्र पहनाकर अपनी जातिप्रथा के अनुसार शव यात्रा में ले जाये, पर पिण्डदान आदि कार्य जानकर विद्वान् के द्वारा अवश्य कराया जाय। शमशान में भी पिण्डदान तथा अग्निसंस्कार का कार्य शास्त्रविधि के अनुसार किया जाये। रास्ते पर भगवान्नाम की ध्वनि 'रामनाम सत्य है' 'हरि बोल' 'नारायण-नारायण' की ध्वनि होती रहे। शमशान में भी भगवत् चर्चा ही हो।

What Action should be taken at the time of Death?

The best service at the time of Death? The best service at the time ol death is to divert patient's mind from worldly things to God. For this :—

1. Do not talk with patient about worldly affairs, business, rivalry or enemity matters of affection and your own sorrow or anxiety.
2. Describe about forms, play and essence of God. Recite shri Mad Bhagwat Gita particularly 7th, 9th, 12th, 14th, 15th chapters and meaning of important slokas. Eleventh chapter of Bhagwat, Asceticism subject from Yogvashishth, important topics of Upanishad may be told to him. Try to find his interest, then narrate this. If he is interested in chanting any God's name or chanting the poems of great saints, recite with him.
3. If he is lover of idol worship of any God like Vishnu, Ram, Krishna, Shiv, Durga Maa. Ganesh. Show him the idol or the photograph of the same. If he is a worshipper of formless absolute God then describe about soul, Brahma and eternal peerless God.
4. That place should all the time be fragrant with dhoop, camphor, ghee or essence or show the ghee lamp's flicker.
5. If he is capable and interested then get the worship done of his own Lord.
6. Do not give any impure things or medicine. Do not give any medicine allopathic or homeopathic or made from alcohol even if advised by doctor. Any Ayurvedic medicine if contains impure or produced out of living things should not be given. Even in food containing any impure indictive substances should not be given. Keep on giving Ganges water depending on his acceptance. If possible the Ganges water may be mixed with juice of Tulasi leaves.
7. If possible wear him a rosary of 'Rudraksha' or 'Tulasi'. Put marks of Shivas' three lines or rising mark on forehead by pure Sandal paste. Do not put mark by impure saffron.
8. Recite 'Ramraksha Stotra' or mritunjaya stotra near the patient. At the final moments sound of pure Narayan name be made.
9. If the patient is not in pain, give him a pure Ganges water bath. Do not give bath if he is in pain.
10. Bring him down on the earth after cleaning the floor with Ganges water and writing God's name. If posible the dust from Ganges or from Brij be put on floor before putting the patient.
11. At the time of death or even after the death uproar of the name of Narayan or Lord be sounded. No one should cry till the body is taken away.
12. The legs of the dead body should be towards South. Then give bath with pure water, wear new clothes, and take the body for cremation as per individual tradition. Pinddaan or offering to the dead must be made by knowledgeable priest. At the cremation ground the pinddaan and fire ceremony be done as per scriptures. Throughout the journey recite "Ram nam satya hai, Hari bol, Narayan-Narayan". At the cremation ground discussion should be about God.

मृत्यु के उपरान्त क्या करें ?

मृत्यु उपरान्त पुत्र व बन्धुजनों के कर्त्तव्य —

मरणासन मनुष्य के मुंह में गंगाजल, पंचामृत, तुलसी डालें, सभी बन्धुजन हरि नाम का उच्चारण करें और मरणासन मनुष्य से भी हरि नाम को कहें। जब किसी की मृत्यु हो जो तो उत्तर दिशा की ओर सिर करके उस प्राणी को लिटाएं और उसकी आत्मा की शाँति हेतू तेल का दीपक दक्षिणामुख करके जलायें, अन्नादि भी दान के लिए रखें। ये तेन का दीपक दस दिन अवश्य जलायें। सनातन पद्धति के अनुसार दाह संस्कार करें व उस समय बंधुजन उस आत्मा की शाँति के लिए भगवद् नाम उच्चारण करें।

दाह संस्कारोपरान्त पुत्र व कुटुम्बियों के कृत्य —

- शवयात्रा के बाद सभी अपने घर जाएं, स्नान करके यज्ञोपवीत व शुद्ध वस्त्र धारण करें। फिर कुछ समय बैठकर भगवद् चिन्तन करें और मृतात्मा की शांति हेतु प्रार्थना करें।
- दाह संस्कार के बाद दस दिन तक मदिर न जायें और न ही देव प्रतिमाओं का स्पर्श व पूजन करें। धर्मशास्त्रानुसार ये निषिद्ध है।
- किसी को प्रमाण न करें और न ही आशीर्वा दें।
- दूसरे का भोजन न करें और न ही दूसरों को भोजन बनवाएं।
- दस दिन तक ब्रह्मचर्य का पालन करें। भूमि पर शयन करें।
- सूर्यास्त के पूर्व भोजन करें।
- दस दिन तक मृतात्मा की शांति हेतू पिण्डदान व तिलांजलि दें। श्री गरूड़ पुराण या श्री विष्णु सहस्रनाम स्तोत्र तथा श्रीमद्भागवत गीता का नित्य पाठ व श्रवण करें।
- माँस इत्यादि आमिष भोजन न करें।
- यदि संभव हो तो दस दिन के भीतर गंगा जी में अस्थि प्रवाह करें। इससे मृतक को वही फल प्राप्त होता है, जो तीर्थ पर मरण से होता है। वैसे भी अस्थि प्रवाह तो गंगा जी में ही करना चाहिए।

  दशाहाभ्यन्तरे यस्य गङ्गातोयेऽस्थि मज्जति।
  गङ्गायां मरणं यादृक् तादृक् फलमवाप्नुयात्॥

- यदि माता-पिता के अतिरिक्त किसी अन्य संबंधीजन के लिए दस दिन के पिण्डदान कर रहे हों और अमावस्या आ जाए तो अमावस्या को सभी दस पिण्डदान किये जा सकते हैं।

अन्त्यकर्मदीपक —

- ग्याहरवें या तेहरवें दिन नारायण बलि व मध्यम षोड़शी करें। सपिण्डी श्राद्ध, शैय्या दान करके 16वें दिन ब्रह्मभोज करवायें।
- मासिक तिथि में ब्राह्मणों को अन्नदान दें और वार्षिक श्राद्ध के समय पिण्डदान करके ब्राह्मणों को भोजन करवायें।

What actions should be taken after the death?

Duties of the son, family members and relatives —

At the time of death please keep on giving Ganges water, depending on his acceptance. Ganges water may be mixed with juice of Tulsi (basil) Leaves. All relatives in attendance should recite glories of God and urge the departing man to join in reciting Hari Nam also. When the person breathes his last, lay his dead body on the floor, facing his head north. The place thereafter should, all the time, be fragrant with dhoop. ghee or essence. An oil lamp is lit which continues to flicker for ten days. Cremation of the dead body is performed based on very ancient traditions of established practices and core belief. Everyone present at the cremation ground should recite Ram Naam to pray for peace to the departed soul.

Duties of the son and members of the family after cremation—

- After the cremation everyone must go to their homes, take bath, put sacred thread back and then wear another set of clean clothes.
- Up to ten days they should neither go to the temple, touch the deities or worship. This is prohibited by scriptures.
- Do not bow before any one nor seek blessing from any one.
- Do not take meals from any one nor offer meals to anyone.
- For ten days observe sexual abstinence and sleep on the floor.
- Take dinner every day (for ten days) before the sun set.
- For the peace of the soul of the departed offer pinddaan (offering to the dead) and also arrange for Katha of Garud Puran or Vishnu Sahasaranam Path.
- Completely avoid eating non vegetarian food If possible within ten days, please immerse ashes in the Ganges and by doing so the dead gets the same benefit as he would have by dying on a holy place.
- If you are offering Pinddaan for someone else for ten days in addition to parents and in this duration Amavasya happens to come then on Amavasya day (last day of the dark fortnight of the lunar month)all ten pinddaan can be done same day.
- On eleventh or thirteenth puja for gods is done. First Saradha is per-formed on this day which is called sapindi karna at which time the departed soul become a pitar. Whole affair concludes with the feeding of invited Brahmins.
- On the monthly anniversary donate food to the brahamins. On the Shraadh day perform pinddaan and offer meals to Brahmins.

ज्योतिष एवं रोग

मधुमेह (Diabetes) के कारक –

साधनों का कारक शुक्र, लीवर का कारक ग्रह बृहस्पति, मन का कारक ग्रह चंद्रमा, लीवर व पेट का उपरी भाग,अग्नाशय का यह भाग पंचम से जुड़ा हुआ है, और शुक्र हारमोंस का भी कारक ग्रह है। शुक्र व गुरु के साथ पंचम भाव भी इसके लिए बहुत ही जिम्मेदार है। शुक्र यदि सूर्य अथवा मंगल से पीड़ित होकर जलतत्व राशि में हो। बृहस्पति अथवा शुक्र यदि आठवें भाव में पीड़ित हों तो मधुमेह रोग होता है। शुक्र किसी पाप ग्रह के साथ आठवें भाव में पड़ा हो। शुक्र यदि दूसरे भाव में हो और लग्न भाव पीड़ित हो, साथ ही लग्नेश छठे भाव में षष्ठेश के साथ नीच का होकर स्थित हो।

मन का कारक ग्रह चंद्रमा जब सूर्य अथवा मंगल से पीड़ित हो और जलतत्व राशि में स्थित हो।चंद्रमा अगर शनि से पीड़ित हो।चंद्रमा अगर जलतत्व राशि में स्थित हो और राशि का अधिपति अगर छठे भाव में जलतत्व राशि में हो तो मधुमेह होता है।

गुरु और चंद्रमा आठवें भाव में स्थित ग्रह से पीड़ित हो। बृहस्पति अगर गुरु शनि से पीड़ित हो। बृहस्पति पूर्वषाढ़ा नक्षत्र में हो। बृहस्पति अगर राहू के नक्षत्र में हो या इससे प्रभावित हो। सातवें भाव में कर्क अथवा तुला राशि हो। तुला राशि अथवा सातवें भाव में हो या इससे एक से अधिक ग्रह स्थित हों।तो मधुमेह होता है।

रोग का भाव 6 और मृत्यु का 8वां भाव, 6 भाव का अधिपति अगर 8वें भाव में हो या 8वें भाव का अधिपति ६ भाव में हो। दो अथवा दो से अधिक ग्रह अगर छठे भाव में स्थित हों। राहू आठवें भाव के अधिपति के साथ छठे, आठवें अथवा बारहवें भाव में स्थित हो। आठवें भाव में पाप ग्रह हों, बृहस्पति और शुक्र पीड़ित हों तो मधुमेह रोग होता है।

चौथे और सातवें भाव के अधिपति छठे, आठवें या बारहवें भाव में हों। 6ठे या 7वें भाव के अधिपति का संबंध बारहवें भाव के अधिपति से हो और शनि से प्रभावित हो तो मधुमेह होता है।

दो या अधिक ग्रह जलतत्व राशि में पीड़ित हों।चौथे और सातवें भाव के अधिपति पीड़ित हों। तीसरे भाव का अधिपति बुध अथवा मंगल के साथ पीड़ित हो। बुध यदि गुरु की राशि (धनु अथवा मीन) में हो तो मधुमेह रोग होता है।

चर्म रोग के कारण–

चमड़ी का कारक बुध होता है। कुंडली में बुध जितनी उत्तम अवस्था में होगा, जातक की चमड़ी उतनी ही चमकदार एवं स्वस्थ होगी। बुध पाप ग्रह राहु, केतु या शनि से दृष्टि में या युति के साथ होगा तो चर्म रोग होने के पूरे आसार बनेंगे। रोग की तीव्रता ग्रह की प्रबलता पर निर्भर करती है। एक ग्रह दूसरे ग्रह को कितनी डिग्री से पूर्ण दीप्तांशों में देखता है या नहीं। रोग सामान्य भी हो सकता है और गंभीर भी। ग्रह किस नक्षत्र में कितना प्रभावकारी है यह भी रोग की भीषणता बताता है क्योंकि एक रोग सामान्य सा उभरकर आता है और ठीक हो जाता है। दूसरा रोग लंबा समय लेता है, साथ ही जातक के जीवन में चल रही महादशा पर भी निर्भर करता है। मंगल रक्त का कारक है, यदि मंगल किसी भी तरह से पाप ग्रहों से ग्रस्त हो, शत्रु राशिस्थ हो, नीच हो, वक्री हो तो वह रक्त संबंधी रोग पैदा करेगा। मुख्य बात यह है कि यदि मंगल बुध का योग होगा तो किसी भी प्रकार की समस्या अवश्य खड़ी होगी।

1. मंगल किसी भी तरह से पाप ग्रहों से ग्रस्त हो, नीच हो,शत्रु राशि हो या वक्री हो तो वह रक्त संबंधी रोग पैदा करेगा।
2. मंगल बुध का योग होगा तो रक्त या चर्म रोग की समस्या अवश्य खड़ी होगी।
3. मंगल शनि का योग शरीर में खुजली पैदा करने के साथ साथ रक्त भी खराब करेगा।
4. शनि पूर्ण बली होकर मंगल के साथ तृतीय स्थान पर हो तो जातक को खुजली का रोग होता है।
5. मंगल और केतु छठे या बारहवें स्थान में हो तो चर्म रोग होता है।
6. मंगल और शनि छठे या बारहवें भाव में हों तो व्रण (फोड़ा, छिद्र या घाव)) होता है।
7. मंगल षष्ठेश के साथ हो तो चर्म रोग होता है।
8. षष्ठेश शत्रुगृही, नीच, वक्री अथवा अस्त हो तो चर्म –रोग होता है।
9. षष्ठेश पाप ग्रह होकर लग्न, अष्टम या दशम स्थान में बैठा हो तो चर्म–रोग होता है।
10. बुध और राहु षष्ठेश और लग्नेश के साथ हो तो चर्म–रोग होता है।

ज्योतिष और बीमारी

11. षष्टम भाव में कोई भी ग्रह नीच, शत्रुक्षेत्री, वेक्री अथवा अस्त हो तो भी चर्म रोग होता है।

12. षष्ठेश पाप ग्रह के साथ हो तथा उस पर लग्नस्थ, अष्टमस्थ दशमस्थ पाप ग्रह की दृष्टि हो तो चर्म रोग होता है।

13. शनि अष्टमस्थ और मंगल सप्तमस्थ हो तो जातक को पंद्रह से तीस वर्ष की आयु में चेहरे पर फुंसी होती है।

14. लग्नेश मंगल के साथ लग्नगत हो तो पत्थर अथवा किसी शस्त्र से सिर में छिद्र होते हैं।

15. लग्नेश मंगल के साथ लग्नगत हो और उसके साथ पाप ग्रह हो अथवा पाप ग्रह की दृष्टि पड़ती हो तो पत्थर अथवा किसी शस्त्र के द्वारा सिर में व्रण (छिद्र या घाव) होता है।

16. लग्नेश शनि के साथ लग्न में बैठा हो और उस पर पाप ग्रह की दृष्टि हो अथवा लग्न में और कोई भी पाप ग्रह हो तो जातक के सिर में चोट से या अग्नि से व्रण (छिद्र या घाव) होते हैं।

17. षष्ठेश, राहु अथवा केतु के साथ लग्न में बैठा हो तो जातक के शरीर में व्रण (छिद्र या घाव) होता है।

गुर्दे की समस्या एवं ग्रह दशा–

कुंडली का सप्तम भाव गुर्दों का स्थान है। सप्तम भाव का कारक ग्रह शुक्र होता है। इसलिए शुक्र सप्तमांश, सप्तम भाव का दुष्प्रभावों में रहने के कारण गुर्दे का रोग होता है। इसके साथ अगर लग्नेश भी दुष्प्रभावों में हो, तो गुर्दे के रोग के कारण जातक की मृत्यु भी हो जाती है। ग्रह गोचर,दशा–अंतर्दशा के अनुसार रोग का समय एवं उसकी अवधि निर्धारित किये जाते हैं ।प्रत्येक ग्रह के शुभ और अशुभ दोनों ही प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ते हैं।

मेष लग्न– शुक्र बुध के साथ ग्यारहवें भाव में हो और मंगल सप्तम भाव में शनि से दृष्ट, चंद्र या सूर्य राहु– केतू के प्रभाव में हो, तो जातक को गुर्दे का रोग होता है।

वृष लग्न– गुरु–मंगल लग्न में, शुक्र अष्टम भाव में, शनि पंचम में, सूर्य और चंद्र पर राहु या केतु की दृष्टि हो, तो गुर्दा रोग के कारण जातक की मृत्यु होती है।

मिथुन लग्न– सप्तम भाव में मंगल, शुक्र, शनि, दशम भाव में बुध, नवम भाव में सूर्य, राहु अष्टम में हो, तो जातक को गुर्दा रोग होता है।

कर्क लग्न– शुक्र–बुध सप्तम भाव में, शनि द्वितीय भाव में, राहु सप्तम भाव में, सूर्य अष्टम भाव में हो, तो गुर्दा रोग होता है।

सिंह लग्न– शनि–शुक्र अष्टम भाव में, गुरु–बुध सप्तम भाव में, सूर्य षष्ठ भाव में, राहु दशम भाव में चंद्र के साथ हो, तो जातक को गुर्दे का रोग होता है।

कन्या लग्न– मंगल लग्न में, चंद्र, शुक्र, शनि सप्तम भाव में, बुध अष्टम भाव में, सूर्य नवम में राहु से दृष्ट हो, तो जातक को गुर्दे का रोग होता है।

तुला लग्न– गुरु लग्न में, शुक्र अष्टम में मंगल के साथ हो, चंद्र लग्न में राहु से दृष्ट हो, तो जातक को गुर्दे का रोग होता है।

वृश्चिक लग्न– षष्ठेश, शुक्र बुध लग्न में हों, सूर्य द्वादश में राहु से दृष्ट हो, तो गुर्दा रोग होता है।

धनु लग्न– शुक्र, बुध ग्यारहवें भाव में, सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि हो, सूर्य तथा चंद्र राहु–केतु से पीडित हों और लग्नेश पाप ग्रह के साथ हो तो जातक को गुर्दा रोग होता है।

मकर लग्न– गुरु सप्तम भाव में, चंद्र ग्यारहवें भाव में राहु से युक्त हो, शुक्र पंचम भाव में, शनि, बुध षष्ठ भाव में हो , तो जातक को गुर्दे का रोग होता है।

कुंभ लग्न– शनि–शुक्र दशम भाव में, चंद्र सप्त भाव में, बुध के साथ सूर्य अष्टम भाव में राहु से दृष्ट हो, तो जातक को गुर्दों का रोग होता है।

मीन लग्न– शनि सप्तम भाव में,सूर्य लग्न में, शुक्र–बुध द्वादश भाव में, गुरु अष्टम भाव में और राहु पंचम में हों, तो जातक को गुर्दे से संबंधित रोग होता है।

स्वप्न विज्ञान

स्वप्न एक विज्ञान है, मनुष्य अहर्निश कुछ न कुछ सोचता है। विचारों का आन्दोलन चलता ही रहता है, कुछ सोचता है, कुछ सुनता है, कुछ करता है, ऐसे भ्रान्ति स्वप्न भी मनुष्य देखा करता है। स्वप्न कुछ सत्यता के द्योतक होते हैं। तो कुछ भ्रान्ति जन्य। हमारे धर्म शास्त्रों में मुख्यत: सात प्रकार के स्वप्न कहे हैं, जैसे- 1. दिन में सुने हुए को स्वप्न में देखना। 2. दिन में देखे हुए को देखना। 3. इच्छा की हुई वस्तु की प्राप्ति। 4. दिन में परीक्षित वस्तु को स्वप्न में देखना। 5. कल्पि वस्तु की प्राप्ति। 6. अनसुना, अनदेखा, विलक्षणता हेतु स्वप्न देखना। 7. शारीरिक रुग्णतावश स्वप्न देखना। इनमें जो छठई प्रकार का स्वप्न है वास्तव में वही फलदायक है अच्छा या बुरा। सप्तम प्रकार का स्वप्न फलदायक कहा है।

स्वप्न फल—

रात्रि के प्रथम पहर में देखा गया एक वर्ष तक शुभ या अशुभ फल देता है। दूसरे पहर का 6-8 मास में, तृतीय पहर में देखा स्वप्न 3-4 मास में, चतुर्थ पहर वाला स्वप्न एक मास के अन्दर, सूर्योदय समय में देखा एक सप्ताह के भीतर फल देता है। दिन में देखे गये स्वप्न प्राय: व्यर्थ ही कहे गये हैं।

याद रखें कि शुभ स्वप्न के बाद सो जाना स्वप्न का फल समाप्त कर देता है। अशुभ स्वप्न की शान्ति के लिये अपने इष्ट देव की आराधनाा, शिव पूजन, महामृत्युञ्जय जाप तथा यथाशक्ति दान, विप्र भोजन, विष्णु सहस्रनाम पाठ तथा चण्डी पाठ करना समस्त अरिष्टों का फल कम करते हैं, निवारण करते हैं।'शेष हरि इच्छा।'

स्वप्न	फल	स्वप्न	फल	स्वप्न	फल
आम का वृक्ष	सन्तान की प्राप्ति	भैसें की सवारी या दक्षिण	मृत्यु का सूचक	मुण्डन करना	घर में सुख वृद्धि
आग उठाना	परेशानी का प्रतीक	दिशा की ओर जाना		मन्दिर देखना	मनोकामना सिद्ध
आकाश दिखाना	तरक्की	बर्फ गिरते देखना	कष्ट आवे	बारात देखना	मानसिक परेशानी चिन्ता
अपनी शादी देखना	संकटों का आगमन	शमशान घाट देखना	दीर्घ आयु	विष खाना	परेशानी का सूचक
आलिंगन करना	धन लाभ	श्राद्ध करना या देखना	पितरो की प्रसन्नता	विमान देखना	शुभ
कौये का बोलना	प्रियतम से मिलान	सांप देखना	भय परेशानी हो	शव देखना	शुभ
दर्पण में मुख देखना	प्रिया मिलन	अपने को जल में देखना	दुख से छुटकारा	स्नान करते देखना	व्यवसाय में वृद्धि
बिच्छु या सर्प द्वारा	विपत्ति का नाशक	सूखा वृक्ष देखना	मृत्युवत कष्ट	रिश्वत लेना	मान हानि
जल में काटना		दीपक का टिमटिमाते देखना	निरोगी को रोग तथा	रोगी देखना	कष्ट-पीड़ा से छुटकारा
घर में किसी की मृत्यु	लक्ष्मी एवं सुख वृद्धि		रोगी की मृत्यु का सूचक	रेल देखना	यात्रा में कष्ट या कष्टप्रद यात्रा
कोयला देखना	झूठा आरोप लगे	सांप का गिरना	रोग चिन्ता	विधवा देखना	आयु का ह्रास
कूप में गिरना	परेशानी बढ़े	सांप का काटना	धन लाभ	हत्या देखना	परेशानी आना
छींकना	कार्य में बाधा आये	सांप का पकड़ना	शत्रु पर विजय	कैं ची चलाना	अकारण विवाद
तितली का दर्शन	प्रेम में लाभ मिले	बूढ़ी स्त्री व बारात देखना	दुख चिन्ता का आगमन	कटा सिर देखना	चिन्ता-परेशानी
चिकित्सा देखना	रोग की सम्भावना	तेल मलना व उससे स्नान	मृत्यु का प्रतीक	अपने को मृत्य देखना	आयु की वृद्धि
गर्भपात देखना	भयानक रोग	पूजा करते देखना	उन्नति होगी	ताला बन्द देखना	कार्यों में विघ्न-उलझनें
जहाज दर्शन	यात्रा या स्त्री क्लेश	पूजारी देखना	धार्मिक रुचि की वृद्धि	शमशान घाट देखना	दीर्घ आयु का द्योतक
दवाई का पान	रोगों का नाश	प्रेत देखना	सौभाग्य वर्धक	दूध, पानी	प्रसन्नता का समाचार
गोदुग्ध पान करना	प्रसन्नता की प्राप्ति	लाल कपड़े पहनना	कष्ट आये	ग्रहण देखना	गुप्त चिन्ता निराशा
कन्या देखना	उन्नति, प्रगति पद	सूर्य, चंद्र का तेजहीन दर्शन	कष्ट, भय	डाक्टर देखना	रोग का सूचक
दूरभाष पर वार्ता करना	शुभ समाचार मिले	राजा, गौ, विप्र, पर्वत बगीचा	सकल मनोरथ पूर्ण हो	घोड़े पर बैठना	विजय की प्राप्ति
तपस्वी का दर्शन	शान्ति की प्राप्ति	बहती नदी आदि देखना		अंधेरा देखना	दुख, तकलीफ का प्रतीक है

Science of Dreaming

Study of dreaming is now considered a science. At every moment man is thinking something or the other. There is a continuous struggle and thoughts. Man thinks something, listens something and does something. Similarly, man goes on dreaming. Some of the dreams are signals of the truth while others are merely illusions. According to Hindu scriptures, there are mainly six types of dreams.1. To hear in the dream what has been heard during the day. 2. To see in the dream what has been observed during the day. 3. To dream about something which has been dealt with during the day. 4. To get a desired thing in the dream. 5. To dream of an unheard or unseen thing. 6. Dream as a result of physical ailment. The fifth type of dream from the above is the most important in signifying a good or bad reward. The sixth type of dream is of inter-mediate importance in signifying a reward. Dream reward: Dreams observed in the first quarter of the night signify good or bad reward in one year. Dreams observed in the second quarter are effective in imparting a result for 6-8 months. dreams observed in third quarter in 3-4 months and dreams observed in the forth quarter in. one month. Dreams observed at sunrise are effective for a week and dreams observed during the day are considered practically without significance.

Dream	**Result**
Mango Tree	Bestowment of offsprings
Picking up of fire	Symbol of botheration
Visualization of sky	Progress
Observation of own marriage	Dawn of problems
Embracement	Gain of wealth
Crowing of a crow	Meeting with the lover
Seeing a face in the mirror	Meeting the beloved
Snake or scorpion bite in water	Destruction of difficulties
Mourning	Wealth and happiness
Observation of coal	False accusation
Fall in a well	Increase in worries
Sneezing	Obstruction in work
Observation of a butterfly	Success in love
Observation of a physician	Possibility of disease
Observation of abortion	Serious medical problem
Sighting of a ship	Problems with wife
Drinking cow's milk	Happiness
Conversation on telephone	Good News
Sighting of an ascetic	Attainment of peace
Riding a buffalo towards south	Message of death
Sighting of snowing	Pain and suffering
Cremation ground	Long life
Perfomance or watching 'Shradh'	Pleasing of dead ancestors
Finding oneself in the prison	Freedom from suffering
Sight of a dead tree or a dry river bed	Possible Death
Flickering of a lamp	Healthy person gets sick and a sick person faces death
Fa11 of a snake	Diseases and worry
Snake bite	Wealth gain
Catching a snake	Defeating the enemy
Sighting of an old woman or a marriage party-	Beginning of suffering and worries
Oil massage or oil bath	Signal of death
Observation of worship	Message of progress
Sighting of a priest	Increases in religious activities
Sighting of a ghost	Increase in good fortune
Wearing red cloths	Fear and suffering
Sight of a dull Sun or moon	Fear and suffering
Sight of a cow, Mountain, flowing river	Fulfilment of all desires
Tonsure Increased	Happiness
Seeing temple	Fulfillment of desire
Marriage procession	Mental troubles and worries
Seeing ghosts	Auspicious increased luck
Consuming poison	Indicate troubles
Seeing airplanes	Auspicious
Seeing dead body	Auspicious
Seeing taking bath	Increased business
Taking bribes	Prestige loss
Seeing an ill person	Relief from troubles
Seeing a train	Troubles in the journey
Seeing a widow	Loss of longevity
Seeing a murder	Entering toubles
Using scissors	Unnecessary conflict
Seeing a severed head	Problems and toubles
Seeing oneself dead	Increased longevity
Seeing locked house	Obstacles in jobs
Seeing a funeral house	Indicate long life
Drinking milk	Happy news
Seeing a customer	Secret troubles
Seeing a doctor	Indicate illness
Sitting on a horse	Indicate victory
Seeing darkness	Indicate sorrow and troubles

Please note:

Sleeping after a good dream destroys the good edicts of the dream and sleeping after a bad dream reduces the bad effects of the dream. To reduce the influence of a bad dream, one should pray to one's dear 'Devta', perform Shiv pooja and 'Mahamrityu jaap' and gives alms according to one's capacity. Performing of 'Vishnu' and 'Chandi' paths reduces or removes all bad effects of bad dreams.

महत्त्वपूर्ण मुहूर्त ज्ञान

1. **जातकर्म व नामकरण मुहूर्त—** रवि, सोम, बुध, बृहस्पति वारों में शुभ है। द्वितीया, तृतीया, पंचमी, सप्तमी, दशमी, पूर्णिमा तिथियाँ शुभ हैं। अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, स्वाति, चित्रा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मृगशिरा, मूला, उत्तराषाढ़ा, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराभाद्रपद व धनिष्ठा नक्षत्र शुभ है। 2,5,8,11 लग्न अच्छे हैं।

2. **नवीन वस्त्र धारण मुहूर्त—** रवि, सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्र वारों में भद्रारहित तिथियों में, अश्विनी, हस्त, चित्रा, विशाखा नक्षत्रों में शुभ है।

3. **मुण्डन मुहूर्त—** सूर्य उत्तरायण में, वर्ष जन्म से 1,3,5,7 वर्षों में, चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी तिथियों को छोड़कर 2,4,6,9,12 लग्नों में, रवि, सोम, बुध, शुक्र वारों में व पुनर्वसु, पुष्य, ज्येष्ठा, मृगशिरा, हस्त, अभिजित श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवतीआदि नक्षत्रों में शुभ माने जाते हैं।

4. **विद्यारम्भ—** रवि, गुरुवारों में शुभ है। द्वितीया, पञ्चमी, षष्ठी, दशमी, एकादशी, द्वादशी तिथियाँ हस्त, चित्रा, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, उत्तरा तीनों, अश्विनी, मृगशिरा, आर्द्रा, रेवती आदि शुभ माने जाते हैं।

5. **यज्ञोपवीत—** सूर्य उत्तरायण में हो। पूर्वाषाढ़ा, अश्विनी, हस्त, स्वाति, श्रवण, शतभिषा, ज्येष्ठा, पूर्वाफाल्गुनी, मृगशिरा, पुष्य, रेवती आदि नक्षत्र शुभ माने जाते हैं। शुक्ल पक्ष की द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी तिथियाँ, रवि, सोम, बुध, बृहस्पति वारों में, 2,3,5,6,9 लग्न व शुभ ग्रहों के योग में शुभ माना जाता है।

6. **मुकद्दमा दायर करना—** रवि, मंगल, शुक्रवार, द्वितीया, पञ्चमी, अष्टमी, दशमी, पूर्णिमा तिथियाँ 3,6,7,8 लग्न, आश्लेषा, मघा, अश्विनी, भरणी आदि नक्षत्र शुभ हैं।

7. **नये घर में प्रवेश—** शुभ मास में सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि वारों में, द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी, षष्ठी, सप्तमी, दशमी, एकादशी तिथियों में 2,5,8,11 लग्नों में, रोहिणी, मृगशिरा, चित्रा, अनुराधा, रेवती, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराभाद्रपद, उत्तराषाढ़ा तथा शुक्ल पक्ष शुभ हैं।

8. **दुकान खोलने का मुहूर्त—** सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्र वारों को, द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी, सप्तमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी तिथियाँ, रोहिणी, उत्ताषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, पुष्य, चित्रा, रेवती, अनुराधा, मृगशिरा, अश्विनी आदि नक्षत्र शुभ हैं।

9. **जमीन जायदाद खरीदने का मुहूर्त—** माघ, फाल्गुन, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, मार्गशीर्ष मास शुभ माने जाते हैं। दोनों पक्षों की 1,3,5,6,20,15 तिथियाँ सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्रवार तथा मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, विशाखा, अनुराधा, पूर्वाषाढ़ा, मूलां, फाल्गुनी, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, स्वाति तथा शतभिषा नक्षत्र प्राय: भूमि अचल सम्पत्ति लेन देन में प्रशस्त है।

10. **रामायण, भागवत आदि ग्रन्थ पारायण मुहूर्त—** वैसे श्री मद्भागवत आदि में पारायण विधि अङ्कित होती है तथापि शुक्ल पक्ष की 2,3,5,7,10,13,15 तिथियाँ, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, तथा शतभिषा, रेवती नक्षत्र तथा रवि, सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्रवार शुभ माने जाते हैं। शुभ मुहूर्त में किया गया अनुष्ठान ही प्रवक्ता-श्रोता का आध्यात्मिक विकास करेगा।

11. **बच्चे के दात का आना—** जन्म दिन से पाँच मास के भीतर तथा दान्त सहित जन्म लेना शुभ नहीं। छठे मास के बाद दान्त आना शुभ होता है।

12. **विवाह मुहूर्त—** वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, मार्गशीर्ष, कार्तिक, माघ, फाल्गुन मास शुभ माने जाते हैं। तिथियों में 1,2,3,5,7,8,10,11,12,13 व पूर्णिमा शुभ है। रोहिणी, मृगशिरा, मघा, उत्तरा, तीनों, हस्त्र चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूला, रेवती, नक्षत्र विशेष शुभ होते हैं। तदतिरिक्त चैत्र, पौष मास, पूर्णत: होलाष्टक, श्राद्ध पक्ष, गुरु शुक्रास्त काल, सूर्य-चन्द्र ग्रहण काल विशेष रूप से त्याज्य है। गुरु, शुक्र व चन्द्रबल अवश्य विचारणीय है।

13. **नौकरी आरम्भ करने का मुहूर्त—** हस्त, चित्रा, अनुराधा, रेवती, अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य नक्षत्रों में। रवि, बुध, बृहस्पति, शुक्र वारों में। चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस तिथियों को छोड़कर नौकरी शुरु करना लाभपद्र होता है।

14. **बड़े व्यापार करने का मुहूर्त —** हस्त, पुष्य, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराफाल्गुनी, चित्रा नक्षत्रों में, बुध, बृहस्पति, सोमवारों में तथा द्वितीया, तृतीया, पञ्चमी, सप्तमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी तिथियों में व्यापार आरम्भ करना अच्छा होता है।

15. देव प्रतिष्ठा मुहूर्त— उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराफाल्गुनी, रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में, सोम, बुध, बृहस्पति, शुक्रवारों में शुक्ल पक्ष की द्वितीया, पञ्चमी, दशमी, त्रयोदशी, पूर्णिमा तथा कृष्ण पक्ष की प्रथमा द्वितीया, पञ्चमी तिथियों में प्रतिष्ठा शुभप्रद है। 2,3,5,6,8,9,11 लग्न राशियाँ शुभ हैं। शुभ ग्रह 1,4,5,7,9,10 भावों में तथा पापग्रह 3,6,11 भावों में हो, अष्टम में कोई ग्रह शुभ नहीं होता। सभी मूर्तियों की प्रतिष्ठा प्राय: सूर्य उत्तरायण में गुरु, शुक्रास्त रहित समय में शुभ हैं। मतान्तर से जिस देवता की जो तिथि हो उसमें भी प्रतिष्ठा की जा सकती है।

16. **वाहन खरीदने का मुहूर्त—** कार, मोटर आदि हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित, रेवती, धनिष्ठा, मृगशिरा, स्वाति, शतभिषा, पुनर्वसु इन नक्षत्रों में चर लग्न (1,4,7,10) में सोम, बुध, शुक्र इन वारों में खरीदना लाभप्रद होगा। 4,9,14 तिथियों में त्याग दें।

17. **लेन देन के नक्षत्र—** अश्विनी, मृगशिरा, अनुराधा, रेवती, श्रवण, धनिष्ठा का पूर्वार्द्ध, हस्त, चित्रा, स्वाति, पुनर्वसु, पुष्य नक्षत्र जमीन जायदाद खदीरने, लेन-देन सौदा सामग्री आदि के लिए प्रशस्त माने जाते हैं। भरणी, कृतिका, रोगिणी, आर्द्रा, आश्लेषा, विशाखा, मूला, मघा, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराफाल्गुनी इन नक्षत्रों में चोरी गई वस्तु कम ही वापिस आती है। धरोहर रखना, भूमि सम्पत्ति आदि उधार दी जाये तो वापिस कम ही आती है।

18. **आप्रेशन मुहूर्त—** रवि, मंगल, बृहस्पतिवार आप्रेशन के लिये शुभ माना जाते हैं। अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, अभिजित व श्रवण नक्षत्र शुभ माने जाते हैं। चन्द्रफल विचारणीय है। विशेष से अष्टम चन्द्र अग्राह्य है।

19. **शुभ कर्मों में त्याज्य—** जन्म मास, जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र व्यतिपात योग, भद्रा, वैधृति योग, अमावस्या माता-पिता का मृत्यु दिन, तिथि क्षय व वृद्धि, क्षय मास, मल मास, चन्द्र रवि की कान्ति की ममता, परिघ योग का पूर्वार्द्ध, शूल योग के आरम्भ के दो घण्टे, गण्ड व अतिगण्ड कार्य मङ्गलमय रहता है।

नोट — उपरोक्त सभी मुहूर्त पञ्चाङ्ग के अनुसार दिये गये हैं, इनमें से कोई मुहूर्तों में और भी अनेकों बातें देखी जाती हैं। समय शुद्धि, होलाष्टक, ग्रहों का उदयास्त, पितृपक्ष व कर्मानुसार मासों का निर्णय आदि सब अपेक्षित है।

Auspicious days (Vaar), Moon-days (Tithi) and Nakshatras for Important ceremonies

1. Jaata-karma and Naming ceremony: Auspicious days: Sunday, Monday Wednesday, Thursday, Friday. Auspicious moon-days: second, third, fifth, seventh. tenth full-moon. Auspicious Nakshatras: Ashwani, Rohini, Punarvasu, Hasta, Chitra, Swati, Anu radha, Jyeshtha, Mrigashira, Moola, Uttarashadha, Uttraphalguni, Uttrabhadrapad, Dhan ishtha. Auspicious Lagnas (raashis): 2, 5, 8, 11.

2. Wearing of New clothes: Days: Sunday, Monday. Wednesday, Thursday, Fri day. Moon-days: ones without Bhadra. Nakshatras. Ashvini, Hasta. Chitra, Vishakha.

3. First hair-cut (Mundan): In the first, third, fifth or seventh year of birth, when the sun is in the northerly hemisphere. All moon-days except fourth, ninth and fourteenth Lagnas: 2, 3, 4, 6, 9, 12. Days: Sunday, Monday, Wednesday, Friday. Nakshatras: Punar-vasu, Pushya, Jyeshtha, Mrigashira, Hasta, Abhijit, Shravan. Dhanishtha, Shatbhisha, Re-vati

4. Start of Education: Days: Sunday, Thursday, Friday. Moon-days: second, fifth, sixth, tenth, eleventh, twelfth. Nakshatra: Hasta, Chitra. Svaati, Shravan, Dhanistha, Ut-trabhadrpad, Uttrashadha, Uttraphalguni, Ashvini, Mrigashira. Aardra, Revati.

5. Wearing of Sacred thread (Yagyopaveet): Sun in northerly hemisphere. Nakshatra Purvashadha, Ashvini, Hasta. Svaati, Shravan, Shatbhisha, Jyeshtha, Puri vaphalguni, Mrigashira, Pushya, Revati. Moon-days: second, third, fifth, tenth, eleventh, twelfth, thirteenth of the bright fortnight. Days: Sunday, Monday, Wednesday, Thursday. Lagnas: 2, 3, 5, 6, 9 in auspicious grahas.

6. Start of a legal action: Days: Sunday, Tuesday, Friday. Moon-days: second, fifth, eighth, tenth, full moon. Lagnas: 3, 6, 7, 8. Nakshatras: Aashlesha, Maghaa, Ashvini, Bharani.

7. Start living in a new home: Days: Monday, Wednesday, Thursday, Friday, Sat-urday of an auspicious month. Moon-days: second, third, fifth, sixth, seventh, ninth, tenth, eleventh of bright fortnight. Lagnas: 2, 5, 8, 11. Nakshatras: Rohini, Mrigashira, Chitra. Anuradha, Revati, Uttraphalguni, Uttrabhadrapad, Uttrashadha.

8. To start a new shop: Days: Monday, Wednesday, Thursday, Friday. Moon-days: second. third, fifth, seventh, tenth, eleventh, twelfth, thirteenth. Nakshatras: Rohini, Ut-trashadha, Uttrabhadrapad, Uttraphalguni, Hasta, Pushya, Chitra, Revati, Anuradha, Mri-gashira, Ashvini.

9. Buying property: Months of Magha, Phalgun, Vaishakha, Jyeshtha, Aashadha and Maargsheersha are auspicious. 1,2, 5, 6 &15 of each lunar cycle; Mondays, Wednes-days & Fridays; Mrigshira, Punarvasu, Ashlesha, Magha, Vishakha, Anuradha , all the three Purva's, Moola, Revati Shatbhisha and Swati Nakshtras are good for dealing in land or the immobile property.

10. Ceremonial Recitation of scriptures such as Ramayan, Bhaagvat, etc: Auspicious' Following moon-days of the bright fortnight: Second, third, fifth. seventh, tenth, eleventh, thirteenth, fifteenth. Nakshatras: Ashvini, Rohini, Mrigashira, Punarvasu, Pushya, all three Purva and Uttara, Hasta, Chitra, Swati, Anuradha, Shravan, Dhanishtha, Shatab-hisha, Revati. Days: Sunday. Monday, Wednesday, Thursday, Friday. Spiritual gains for the listeners and the reader can only be obtained if the recitation ceremonies are carried out on auspicious occasions.

11. Child's teething: Auspicious: Any time after six months. Inauspicious: Within five months of the birth or to be born with teeth.

12. Marriage ceremony: Auspicious: Months: Vaishakha, Jyeshtha, h Aasadha, Shravan, Bhadrapad, Aashvina, Marga-sheersha, Kartika, Maagh and J. Phalgun. Moon-days: First, second, third, fifth, seventh, eighth, tenth, eleventh, twelfth, thirteenth, full moon. Nakshatras: Rohini, Mriga-shira, Magha. all three Ut-taras, Hasta. Chitra, Swati, Anuradha, Moola, Revati. Forbidden and inauspicious: Months : Chetra, Pausha; Holashtaka, fortnight of Shradhas, setting time of guru ano shukra, during eclipse of the sun or the moon. One should be cautious about e Guru, shukra and Chandra-bala. 1,

13. To start a new job: Days: Sunday, Wednesday, Thursday, Friday. Moon-r- days: all except fourth, ninth, fourteenth and dark night. Nakshatras: Hasta. Chitra. Anuradha, Revati, Ashvini, Mrigashira, Pushya.

14. To start a large-scale business: Nakshatras: Hasta, Pushya, Uttraphal-), guni, Uttrabhadrapad, Uttrashadha, Chitra. Days: Monday. Wednesday. Thursday. t, Moon-days: second, third, fifth, seventh, tenth, eleventh, twelfth, thirteenth.

15. To consecrate a deity (Pran-pratishtha): Nakshatras: Uttrashadha, Uttraphalguni, Uttrabhadrapad, Revati, Ashwani, Rohini, Mrigashira, Punarvasu, Pushya, Hasta, Shravana, Dhanishtha. Days: Monday, Wednesday. Thursday, Fri-day. Moon-days (bright fortnight): second. fifth, tenth, thirteenth, full moon. Moon-days (dark fortnight): first, second, fifth. Lagnas: 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12. The auspicious grahas in houses 1, 4, 5, 7, 9 and 10; and auspicious and paapagrahas it in houses 3, 6 and 11. None of the grahas is auspicious for Lagna 8. In general the auspicious time for the consecration of all deities is when the sun is in the northerly hemisphere and Jupiter (Guru) and Venus (Shukra) are not invisible (asta-rahita). t- It is recommended (by scriptural instructions) to carry out this ceremony on the moon-day specially associated with that particular deity.

16. Buying a vehicle such as car, truck, etc.: Auspicious: Nakshatras: Hasta, Ashwani, Pushya, Abhijita, Revati, Dhanishtha, Mriga-shiraa, Swati, Shata-bhisham, Punarvasu. Lagnas: Chara. Days: Monday, Wednesday, Friday. Avoid: Moon-days of fourth, ninth and fourteenth.

17. Transactions of property, business, etc.: Auspicious: Nakshatras: Ashvini, Mriga-shiraa, Anuraadhaa, Revatee, First half of Shravan and Dhanishtha, Hasta, Chitra, Swati, Punarvasu, Pushya. In the following Nakshatras, there is not much hope of getting back stolen, mortgaged or loaned property: Bharani, Krittika, Rohini, Aardra. Ashlesha, Vishaakhaa, Moola, Magha, Uttara-shadha, Uttara-, bhadrapada, Uttara-phalguni.

18. Surgery: Auspicious: Days: Sunday, Tuesday, Thursday. Nakshatras: Ashvini, Rohini, Mriga-shira, Hasta, Chitraa, Svaati, Anuradha, Abhijit, Shravan. Caution is needed about chandra-phala. Eighth moon is especially inauspicious.

19. Timing to completely avoid in the performance of noble deeds and auspicious ceremonies: Birth month, birth nakshatra, birth date, Vyati-pata yoga, Bhadra, Vaidhriti yoga, dark night, death anniversary date of father or mother, increment or decrement in moon-date, decrement of month Kshaya month, equality of brightness of the moon and the sun, first half of Parigha yoga, first two hours of Shuula yoga, first two and half hours of Ganda and Atiganda yoga, and first four hours of Vyaghata yoga.

यात्रा मुहूर्त स्वयं देखिये

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में यात्रा मुहूर्त का अपनी ही महत्त्व है जिसमें बहुत सारी बातें शास्त्रों में विचारणीय कही गई हैं तथापि कुछ का उल्लेख दिया गया है। अपने ग्राम, शहर, देश व विदेश किसी कार्य विशेष के उद्देश्य से गमन करने का नाम यात्रा है। शुभ समय में यात्रा शुरु की जाए, तो अवश्य ही आशानुकूल लाभ होता देखा गया है। अश्विनी, पुनर्वसु, अनुराधा, मृगशिरा, पुष्य, रेवती, हस्त, श्रवण और धनिष्ठा नक्षत्रों की यात्रा सुखद मानी जाती है। भद्रा, व्यतिपात, वैधृति आदि योग तथा शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा, चतुर्थी, षष्ठी, अष्टमी, नवमी, चौदस व अमावस तिथियाँ अशुभ मानी जाती है। तदतिरिक्त दिशाशूल, योगिनी वास, चन्द्रवास व कालपाश आदि विचारणीय है। सामान्य ज्ञान हेतु देखें नीचें की सारिणीयाँ—

चन्द्रवास ज्ञान

पूर्व	पश्चिमी	उत्तर	दक्षिण
मेष	मिथुन	कर्क	वृष
सिंह	तुला	वृश्चिक	कन्या
धनु	कुम्भ	मीन	मकर

कालपाश ज्ञान

वायु	उत्तर	ईशान
चन्द्र	सूर्य	बुध
पश्चिम	कालपाश	पूर्व
मंगल	चक्र	शनि
नैऋत्य	दक्षिण	अग्नि
बुध	गुरू	शुक्र

दिशाशूल ज्ञान

वायु	उत्तर	ईशान
सूर्य, बुध	बुध, मंगल	बुध
पश्चिम	दिशाशूल	पूर्व
सूर्य, शुक्र	ज्ञान	शनि, चन्द्रमा
नैऋत्य	दक्षिण	अग्नि
शुक्र, गुरू	गुरू	चन्द्रमा, गुरू

योगिनी वास

वायु	उत्तर	ईशान
तिथि 7,15	तिथि 2,20	तिथि 8,30
पश्चिम	योगिनी वास	पूर्व
तिथि 6,14	दिशा	तिथि 1,9
नैऋत्य	दक्षिण	अग्नि
तिथि 4,12	तिथि 5,13	तिथि 3,11

चन्द्रमा का वास दाहिनी ओर या सामने हो तो अच्छा है। यात्रा की जाने वाली दिशा से सामने तथा दाहिनी ओर योगिनी होने से कष्ट, धन हानि, चिन्ता आदि होती है। रवि, चन्द्रादि वारों में ऊपर वाली सारणी अनुसार जिस दिशा में काल का वास हो उसके सम्मुख वाली दिशा में पाश रहता है। रात्रि को दिन की दिशा से काल का वास विपरीत होता है। यात्रा करने वाली दिशा से काल का दाहिनी तथा पाश का वाम ओर होना शुभ है।

1. यात्रा में जन्म लग्न या जन्म राशि तथा उसका नवांश भी हितकर नहीं होता।
2. ऊषा काल में पूर्व दिशा, गोधूलि में पश्चिम अर्द्धरात्रि में उत्तरदिशा की ओर यात्रा करना हितकर नहीं।
3. यात्रा से कुछ दिन पूर्व मैथुन, क्षौर कर्मादि का परित्याग करना चाहिये।
4. यात्रा प्रारम्भ समय जो नासिका चल रही हो उसी तरफ का कदम पहले आगे बढ़ाना यात्रा को सफल करता है।
5. यात्रा प्रारम्भ में बादल गर्जना, दु:स्वप्न, अल्प व अति वृष्टि, बन्ध्या स्त्री दर्शन, रजस्वला स्त्री, अन्धा, बधिर आदि का मिलना भी सफलता का सूचक नहीं होता।
6. यात्रा प्रारम्भ समय में कलश पूजन, मङ्गल गान, विप्र, गुरु, माता-पिता का शुभाशीर्वाद यात्रा को निस्सन्देह सफल बनाता है।

दिशाशूल वाली दिशा को यात्रा करनी अहितकर होती है अथवा रवि को घी, सोम को दूध, मंगल को गेहूँ, बुध को तिल, गुरु को जौ, शुक्र को दही, शनि को उड़द खाकर जाएं।

Auspicious Timings for a Journey

Indian Astrological Scriptures give special importance to auspicious timing for a journey. One gets the desired results if the travelling is done during an auspicious time as recommended by these scriptures. The following are the main item to consider when planning a trip to a villege, city or a foreign country for a specific purpose:

1. One's birth langa and birth rashi or its Navasha are unfavorable.
2. It is unfavorable to travel towards east in the morning, towards west in the evening, towards north at midnight and towards south at the timing or abhijit muhurta.
3. Abstain from sexual intercourse and shaving, hair cutting etc a few days prior to travel.
4. While starting travel, the first step should be from the same side as the nostril is breathing at that moment.
5. Thundering, bad dreams, either too little or too much rain, sight of a childless women or menstruating woman, or meeting a blind person while starting a journey is not a good sign.
6. Worship of vessel, auspicious singing, and blessings of a teacher, brahman, father and mother no doubt result in a successful journey.
7. Travel is considered auspicious in the following Nakshatras: Ashwani punarvasu, anuradha, mrigashira, pushya, revati, hasta shravani and dhanishtha.
8. It is considered inauspicious during bhadra, vyatipata, vaidhriti yoga etc., first moon-day of dark fortnight, fourth, sixth, eighth, ninth, fourteenth and amavasya.
9. Besides these, consult the tables below for dishaa-shuula, yoginee vaasa, chandra-vasa and kala-pasha.

For good results Chandra vaasa should be in right or in front of your rashi.

CHANDRA VAASA			
EAST	**WEST**	**NORTH**	**SOUTH**
MESHA	MITHUNA	KARKA	VRISHA
SINGHA	TULA	VRISHCHIKA	KANYA
DHANU	KUMBHA	MEENA	MAKARA

To the direction you travelling kal should be in right side and pash should be in left.

NORTH W. CHANDRA	NORTH SURYA	NORTH E. BUDHA
WEST MANGALA	KAALPASH CHAKRA	EAST SANI, CHANDR
SOUth W. SUKRA, GURU	SOUTH GURU	SOUTH E. SUKRA

Yogini vas Knowledge

NORTH W. TITHI 7,15	NORTH TITHI 2,10	NORTH E. TITHI 8, 30
WEST TITHI 6,14	YOGINI VASA	EAST TITHI 1, 9
SOUth W. TITHI 4,12	SOUTH TITHI 5,13	SOUTH E. TITHI 3,11

If the Yogini vaasa is to right or front to the travelling direction it is not favourable

NORTH W. Surya Budha	NORTH Mangal, Budh	NORTH E. BUDHA
WEST Surya Sukra	Dishashool Knowledge	EAST Sani, Chand
SOUTH W. Sukra, Guru	SOUTH GURU	SOUTH E. Chand, Guru

To the direction you travelling kal should be in right side and pash should be in left.

सिद्ध होरा मुहूर्त

आवश्यक कार्य हेतु जब कोई शुभ मुहूर्त न मिले तो होरा चक्र द्वारा आप शुभ कार्य कर सकते हैं। हमारे प्राचीन ऋषियों ने होरा को क्षण वार कहा है। अत: वारों के अनुसार जिस होरा में जो कार्य कहा है उसे आप कर सकते हैं।

होरा ज्ञान:-- प्रत्येक होरा का मान एक समान होता है। जिस दिन जो वार हो, उसी वार की सूर्योदय से लेकर एक घन्टे तक की होरा होती है तत्पश्चात अगली होरा सामने की तालिका से जानें। प्रत्येक होरा का फल नीचे देखें। मान लो, आपको 5 जनवरी शुक्रवार को बुध की होरा देखनी है तो पञ्चाङ्ग के पृष्ठ नम्बर 34 पर टोरन्टो का उसी दिन का सूर्योदय देखकर उसमें 1 घन्टा जमा करें। होरा ज्ञान में शुक्र को दूसरी होरा बुध की है जो 08:52 सुबह 09:52 सुबह तक रहेगी अत: बुध की होरा:-- नया व्यापार करना, नवीन लेखन, पुस्तक का प्रकाशन करना व विद्या का प्रारम्भ करने के लिये उतम होती है। इसी प्रकार से अन्य होरा का ज्ञान भी कर सकते है।

सूर्य की होरा:-- टैंडर देने व सरकारी नौकरी का पदभार लेने के लिये अच्छी होती है।

चन्द्र की होरा:-- सब कार्यों के लिये शुभ होती है।

मंगल की होरा:-- कर्ज देना, यात्रा करना, मुकद्दमा आदि के कार्यों के लिये उत्तम होती है।

बुध की होरा:-- नया व्यापार करना, नवीन लेखन, पुस्तक का प्रकाशन करना व विद्या का प्रारम्भ करने के लिये उतम होती है।

गुरु की होरा:-- नवीन लेखन, प्रकाशन आदि , बड़ों से मिलना, विवाह आदि अनेक कार्यों के लिये शुभ है।

शुक्र की होरा:-- नये वस्त्र धारण करने के लिये , यात्रा करने के लिये, सौभाग्य वर्द्धक कार्यों के लिये शुभ होती है।

शनि की होरा:-- मशीन का कार्यारम्भ करने के लिये, सभी स्थिर कार्य, मकान की नींव रखने व द्रव्य संग्रह के लिये अच्छी होती है।

HORA KNOWLEDGE

When you could not find an auspicious time for starting your important work, then the use of HORA CHAKRA (auspicious hour) can help make it auspicious for you. Our sages have called the HORA as the auspicious moment of the day, so you can work according to the days of the week. You can do a task assigned during that particular Hora (Hour).

Knowledge of Hora : On every day of week, hora of that day lasts for an hour after sunrise. Let us say, on January 5, 2024 on Friday. you want to know the hora for Wed., then look up for Toronto sunrise in this almanac and add one hour. According to Hora calculations, second hora of Jan. 5, 2024, Friday is Wed, (see table on right) Thus second hora will last from 08:53 A.M. to 09:53 Wednesday is good for starting a new business, publishing new articles or books and starting studies.

Hora (auspicious hour) for weekdays :

Hora for Sunday is good for submitting tenders and accepting govt. service.

Hora for Monday is best for doing all tasks.

Hora for Tuesday is good for lending money, travelling and court related work.

Hora for Wednesday is good for starting a new business, publishing new articles or books and starting studies.

Hora for Thursday is good for marriage related activities, meeting with important people, publishing new articles etc.

Hora for Friday is auspicious for putting on new clothes, travelling and other auspicious work.

Hora for Saturday is good for starting a machine work, foundation work and to collect money.

वार

होरा	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
1	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
2	शुक्र	शनि	सूय	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू
3	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल
4	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य
5	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र
6	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध
7	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र
8	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
9	शुक्र	शनि	सूय	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू
10	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल
11	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य
12	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र
13	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध
14	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र
15	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
16	शुक्र	शनि	सूय	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू
17	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल
18	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य
19	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र
20	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध
21	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र
22	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
23	शुक्र	शनि	सूय	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरू
24	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	सूर्य	चन्द्र	मंगल

Hora	Days						
-	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
2	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu
3	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue
4	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun
5	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri
6	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed
7	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon
8	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
9	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu
10	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue
11	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun
12	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri
13	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed
14	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon
15	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
16	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu
17	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue
18	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun
19	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri
20	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed
21	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon
22	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
23	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu
24	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue

अभिजित मुहूर्त EVERYDAY'S ABHIJIT MUHURT

	जनवरी JANUARY	फरवरी FEBRUARY	मार्च MARCH	अप्रैल APRIL	मई MAY	जून JUNE	जुलाई JULY	अगस्त AUGUST	सितम्बर SEPTEMBER	अक्तूबर OCTOBER	नवम्बर NOVEMBER	दिसम्बर DECEMBER
	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.	Begins Ends Hr.Mn Hr. Mn.
1.	12:04 12:40	12:13 12:51	12:09 12:53	12:57 13:47	12:47 13:43	12:46 13:46	12:52 13:52	12:56 13:54	12:52 13:44	12:45 13:31	11:42 12:22	11:49 12:25
2.	12:04 12:40	12:13 12:51	12:09 12:53	12:56 13:46	12:47 13:43	12:46 13:46	12:52 13:52	12:56 13:54	12:52 13:44	12:45 13:31	11:41 12:21	11:49 12:25
3.	12:05 12:41	12:12 12:52	12:09 12:53	12:56 13:46	12:47 13:43	12:46 13:46	12:53 13:53	12:56 13:54	12:51 13:43	12:44 13:30	11:41 12:21	11:50 12:26
4.	12:05 12:41	12:12 12:52	12:09 12:53	12:55 13:45	12:47 13:43	12:47 13:47	12:53 13:53	12:55 13:53	12:51 13:43	12:44 13:30	11:42 12:22	11:50 12:26
5.	12:06 12:42	12:13 12:53	12:08 12:52	12:55 13:45	12:47 13:43	12:47 13:47	12:53 13:53	12:56 13:52	12:51 13:43	12:44 13:30	11:42 12:22	11:51 12:27
6.	12:06 12:42	12:13 12:53	12:08 12:52	12:55 13:45	12:47 13:43	12:47 13:47	12:53 13:53	12:57 13:53	12:51 13:43	12:43 13:29	11:41 12:21	11:51 12:27
7.	12:07 12:43	12:13 12:53	12:07 12:53	12:54 13:46	12:46 13:42	12:47 13:47	12:53 13:53	12:57 13:53	12:51 13:41	12:44 13:28	11:42 12:22	11:52 12:28
8.	12:07 12:43	12:13 12:53	13:07 13:53	12:54 13:46	12:46 13:42	12:47 13:47	12:53 13:53	12:56 13:52	12:51 13:41	12:44 13:28	11:42 12:22	11:52 12:28
9.	12:07 12:43	12:13 12:53	13:07 13:53	12:54 13:46	12:46 13:42	12:47 13:47	12:54 13:54	12:56 13:52	12:50 13:40	12:43 13:27	11:43 12:21	11:53 12:29
10.	12:08 12:44	12:13 12:53	13:06 13:52	12:53 13:45	12:46 13:44	12:48 13:48	12:54 13:54	12:56 13:52	12:50 13:40	12:43 13:27	11:43 12:21	11:53 12:29
11.	12:08 12:44	12:13 12:53	13:06 13:40	12:53 13:45	12:45 13:43	12:48 13:48	12:54 13:54	12:56 13:52	12:50 13:40	12:43 13:27	11:43 12:21	11:54 12:30
12.	12:09 12:45	12:13 12:53	13:06 13:52	12:52 13:44	12:45 13:43	12:48 13:48	12:54 13:54	12:56 13:52	12:49 13:39	12:43 13:27	11:43 12:22	11:54 12:30
13.	12:09 12:45	12:13 12:53	13:06 13:52	12:52 13:44	12:45 13:43	12:48 13:48	12:54 13:54	12:55 13:51	12:49 13:39	12:42 13:26	11:44 12:22	11:55 12:31
14.	12:09 12:45	12:12 12:54	13:06 13:52	12:52 13:44	12:45 13:43	12:48 13:48	12:54 13:54	12:55 13:51	12:49 13:39	12:42 13:26	11:44 12:22	11:56 12:30
15.	12:10 12:46	12:12 12:54	13:05 13:51	12:52 13:44	12:45 13:43	12:48 13:48	12:54 13:54	12:55 13:51	12:48 13:38	12:42 13:26	11:44 12:22	11:57 12:31
16.	12:10 12:46	12:12 12:54	13:04 13:50	12:52 13:44	12:46 13:44	12:49 13:49	12:54 13:54	12:55 13:51	12:48 13:38	12:42 13:26	11:44 12:22	11:57 12:31
17.	12:10 12:46	12:12 12:54	13:04 13:50	12:50 13:44	12:46 13:44	12:49 13:49	12:54 13:54	12:55 13:51	12:49 13:37	12:42 13:24	11:44 12:22	11:57 12:31
18.	12:11 12:47	12:12 12:54	13:03 13:51	12:50 13:44	12:46 13:44	12:49 13:49	12:55 13:55	12:55 13:51	12:48 13:36	12:42 13:24	11:44 12:22	11:58 12:32
19.	12:11 12:47	12:12 12:54	13:02 13:50	12:50 13:44	12:46 13:44	12:49 13:49	12:55 13:55	12:55 13:49	12:48 13:36	12:42 13:24	11:44 12:23	11:58 12:32
20.	12:11 12:47	12:11 12:53	13:02 13:50	12:49 13:43	12:46 13:44	12:50 13:50	12:55 13:55	12:55 13:49	12:48 13:36	12:42 13:24	11:45 12:23	11:59 12:33
21.	12:11 12:49	12:11 12:53	13:02 13:50	12:49 13:43	12:46 13:44	12:50 13:50	12:55 13:55	12:55 13:49	12:47 13:35	12:41 13:23	11:45 12:22	11:59 12:33
22.	12:11 12:49	12:11 12:53	13:02 13:50	12:49 13:43	12:46 13:44	12:50 13:50	12:56 13:54	12:55 13:49	12:47 13:35	12:41 13:23	11:46 12:22	12:00 12:34
23.	12:11 12:49	12:11 12:53	13:01 13:49	12:49 13:43	12:45 13:45	12:50 13:50	12:56 13:54	12:55 13:49	12:47 13:35	12:41 13:23	11:46 12:22	12:00 12:34
24.	12:11 12:49	12:11 12:53	13:01 13:49	12:49 13:43	12:45 13:45	12:51 13:51	12:56 13:54	12:54 13:48	12:46 13:34	12:41 13:22	11:46 12:23	12:01 12:35
25.	12:12 12:50	12:10 12:54	13:01 13:49	12:48 13:42	12:45 13:45	12:51 13:51	12:56 13:54	12:54 13:48	12:46 13:34	11:41 12:23	11:47 12:23	12:01 12:35
26.	12:12 12:50	12:10 12:54	13:01 13:49	12:48 13:42	12:45 13:45	12:51 13:51	12:56 13:54	12:54 13:48	12:45 13:33	11:41 12:23	11:47 12:23	12:02 12:36
27.	12:12 12:50	12:09 12:53	12:59 13:49	12:48 13:42	12:45 13:45	12:51 13:51	12:56 13:54	12:53 13:46	12:46 13:32	11:41 12:23	11:47 12:23	12:02 12:36
28.	12:12 12:50	12:09 12:53	12:59 13:49	12:47 13:43	12:45 13:45	12:51 13:51	12:56 13:54	12:53 13:46	12:46 13:32	11:42 12:22	11:48 12:24	12:02 12:38
29.	12:13 12:51	12:09 12:53	12:59 13:49	12:47 13:43	12:45 13:45	12:52 13:52	12:56 13:54	12:53 13:46	12:45 13:31	11:42 12:22	11:48 12:24	12:02 12:38
30.	12:13 12:51		12:58 13:48	12:47 13:43	12:45 13:45	12:52 13:52	12:56 13:54	12:53 13:45	12:45 13:31	11:42 12:22	11:49 12:25	12:03 12:39
31.	12:13 12:51		12:58 13:48		12:46 13:46		12:56 13:54	12:52 13:44		11:42 12:22		12:03 12:39

भारतीय ज्योतिष शास्त्रानुसार अभिजित मुहूर्त में किये गये कार्य निश्चित सफल होते हैं, जिसमें लग्न शुद्धि आदि भी अनापेक्षित हैं।

दिन मध्यगते सूर्ये मुहूर्ते हि अभिजित प्रभुः। चक्रमादाय गोविन्दः सर्वान्दोषान्कृन्तति॥

जैसे भगवान विष्णु का चक्र सर्वदा अपराजित है। इसी तरह अभिजित मुहूर्त में किया गया हर कार्य सफलीभूत होता है। अतः ऊपर टोरन्टो समयानुसार लिखें प्रतिदिन के अभिजित मुहूर्त से पूरा-पूरा लाभ उठायें।

According to Indian astrology any job done in Abhijit muhurta are undoubtedly successful which solicits the correction of Lagna.

Din-madhyegate Surye muhurte hi abhijit Prabhu
Chakramadhya Govinah Sarvandoshan-krantati.

Like Chakra of Vishnu Bhagwan cannot be defeated similarly every job performed in abhijit muhurta has to be successful. Therefore please make use of abhijit muhurta timings of Toronto on daily basis.

चौघड़िया

जब किसी विशेष कार्य हेतु मुहूर्त न मिले तो शास्त्रों में चौघड़िया देखकर शुभ कर्म, यात्रा आदि करना शुभ कहा है। दिन में आठ तथा रात में भी आठ चौघड़िया होते हैं। अमृत, लाभ, चर तथा शुभ ये शुभ होते हैं बाकी अशुभ होते हैं। चौघड़िया का अर्थ है चार घड़िया लेकिन यह पूरी चार घड़ी नहीं होता है जैसा कि आम श्रद्धालुजन समझते हैं। चौघड़िया प्रतिदिन का दैनिक सूर्यास्त के साथ घटता बढ़ता रहता है। आपको जिस दिन से जिस समय का चौघड़िया देखना है उस दिन का पञ्चाङ्ग में सूर्यास्त से सूर्योदय घटा, तो वह दिनमान होगा। दिन मान को आठ से भाग दें, जो फल आयेगा वही एक चैघडिया होगा। चौघड़िया सूर्योदय से प्रारम्भ होता है। इसी तरह एक-एक चौघड़िया जमा करते चलें तो अगला चौघड़िया आएगा जैसा कि ऊपर सारणी में दिया गया है।

उदाहरण : मान लो आपको जनवरी 5 को देखना है कि दिन में लाभ चौघड़िया कब होगी। आप भास्कर पञ्चाङ्ग में पृष्ठ 34 पर देखें कि 5 जनवरी 2024 को सूर्यास्त 16:52 तथा सूर्योदय 7:53 को है। सूर्यास्त में से सूर्योदय घटाया तो 8:59 आया जिसे दिनमान कहते हैं। दिनमान को आठ से भाग दिया तो 1 घंटा 7 मिनट आया जो कि एक चौघड़िया का मान आया इसे 5 जनवरी 2024 शुक्रवार के सूर्योदय (7:53) में जमा किया तो 9:00 आया। ऊपर सारणी से ज्ञात हुआ कि शुक्रवार को सूर्योदय 7:52 से 9:00 तक पहली चौघड़िया है व दूसरी चौघड़िया के लिये 9:00 में 1 घंटा 7 मिनट जमा किया तो 9:00 से 10:07 दूसरी चौघड़िया तक होगी जो कि लाभ है। इसी तरह आगे गिनती करें। रात्रि की चौघड़िया में सूर्योदय से सूर्यास्त (पिछले दिन का) रात्रि ज्ञान हुआ, उसे आठ से भाग दिया जो आयेगा वह रात्रि का पहला चौघड़िया होगा। इसी तरह आगे का समझें तथा दूसरी तारीखों को भी निकालकर प्रयोग में लाएं और लाभ उठायें।

दिन का चौघड़िया

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात का चौघड़िया

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

Chaughadiya of Day Time

Surya	Chandr	Mangal	Budha	Guru	Sukra	Sani
Udwega	Amrita	Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala
Chara	Kaala	Udwega	Amrita	Roga	Laabha	Shubha
Laabha	Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrita	Roga
Amrita	Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala	Udwega
Kaala	Udwega	Amrita	Roga	Laabha	Shubha	Chara
Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrita	Roga	Laabha
Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrita
Udwega	Amrit	Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala

Chaughadiya of Night Time

Surya	Chandr	Mangal	Budha	Guru	Sukra	Sani
Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrita	Roga	Laabha
Amrita	Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala	Udwega
Chara	Kaala	Udwega	Amrita	Roga	Laabha	Shubha
Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrita
Laabha	Udwega	Amrita	Roga	Laabha	Shubha	Chara
Udwega	Amrita	Roga	Laabha	Shubha	Chara	Kaala
Kaala	Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrita	Roga
Laabha	Shubha	Chara	Kaala	Udwega	Amrit	Roga

According to our scriptures, chaughadiya is determined for starting a noble activity, travel, etc., when an auspicious timing cannot be found from other astrological considerations. There are eight chaughadiyas in the day and the same in the night. Amrita, Laabha, Chara, and Shubha are considered auspicious and the others inauspicious. The word chaughadiya means four ghadiya, but its time duration is not exactly four ghadis, as some devotees assume it to be. Its duration depends upon the timing of the daily sunrise and sunset. To detemine a chaughadiya, consult the sunrise time and sunset time for that day from panchang, subtract the two times to get dinamana, which then divided by eight gives chaughadiya. It starts with sunrise, and as given in the chart, the next chaughadiyas can be determined by successively adding duration of one chaughadiya.

Example: Let us say we want to determine the timing for "Laabh" chaughadiya on January 5, 2024. On page 35 of the Bhaskar Panchang note that the sunrise is 7:53 and sunset is 16:52. Subtract the two times to get 8:59 which is the dinamana. Divide this by 8 to get 1 hr 7 min which is one chaughadiya. Add this to the sunrise time on January 5, 2024 Friday which gives 9:00. According to the chart given on this page, on Friday, first Chaughadia will be from 7:53+1:7 equal to 9:00 so its first chaugharia is from 7:53 to 9:00 am is Char not good then second chaughadiya is "Laabh" is from (9:00+1:7 equal to 10:07) which will continue till 10:07, thus continuuing to the next. In the chaughadiyaa of the night, find first the ratrimana from difference of the timings of sunset and sunrise of the next day, divide by eight and add the quotient to the sunset time that will be the first chaughadiya of night. In this way eight chaughadiya of night will be continue until the sunrise of next day. The same procedure can be applied to other dates.

HAVAN MUHURT 2024 हवन मुहुर्त 2024

DATE	DAY	BEGINS TIME Hr. Min.	ENDS TIME Hr. Min.	DATE	DAY	BEGINS TIME Hr. Min.	ENDS TIME Hr. Min.	DATE	DAY	BEGINS TIME Hr. Min.	ENDS TIME Hr. Min.	DATE	DAY	BEGINS TIME Hr. Min.	ENDS TIME Hr. Min.
Jan 01	Mon	Sunrise	30:40	Apr 15	Mon	Sunrise	Sunrise	Aug 07	Wed	11:00	12:35	Oct 23	Wed	Sunrise	Sunrise
Jan 03	Wed	Sunrise	31:04	Apr 17	Wed	Sunrise	22:27	Aug 08	Thu	15:06	Sunrise	Nov 4	Mon	12:54	Sunrise
Jan 14	Sun	18:29	Sunrise	Apr 21	Sun	07:38	Sunrise	Aug 09	Fri	Sunrise	17:44	Nov 5	Tue	Sunrise	13:46
Jan 15	Mon	Sunrise	15:46	Apr 23	Tue	Sunrise	Sunrise	Aug 12	Mon	Sunrise	Sunrise	Nov 6	Wed	14:11	Sunrise
Jan 16	Tue	13:27	Sunrise	Apr 29	Mon	Sunrise	21:35	Aug 18	Sun	Sunrise	17:34	Nov 7	Thu	Sunrise	14:04
Jan 17	Wed	Sunrise	11:36	May 01	Wed	Sunrise	17:41	Aug 20	Tue	Sunrise	11:02	Nov 8	Fri	13:26	Sunrise
Jan 18	Thu	10:14	Sunrise	May 10	Fri	17:20	21:43	Aug 23	Fri	10:24	Sunrise	Nov 9	Sat	Sunrise	12:15
Jan 19	Fri	Sunrise	9:21	May 11	Sat	Sunrise	16:33	Aug 25	Sun	Sunrise	18:09	Nov 10	Sun	Sunrise	23:10
Jan 22	Mon	18:28	Sunrise	May 12	Sun	Sunrise	Sunrise	Sep 06	Fri	Sunrise	Sunrise	Nov 14	Thu	Sunrise	19:49
Jan 24	Wed	Sunrise	Sunrise	May 14	Tue	Sunrise	Sunrise	Sep 07	Sat	Sunrise	08:07	Nov 15	Fri	16:28	Sunrise
Jan 26	Fri	Sunrise	26:31	May 16	Thu	Sunrise	Sunrise	Sep 08	Sun	Sunrise	Sunrise	Nov 16	Sat	Sunrise	8:58
Jan 30	Tue	11:36	25:06	May 22	Wed	Sunrise	Sunrise	Sep 10	Tue	Sunrise	Sunrise	Nov 21	Thu	Sunrise	Sunrise
Feb 01	Thu	Sunrise	29:32	May 28	Tue	Sunrise	5:53	Sep 12	Thu	Sunrise	12:23	Nov 23	Sat	Sunrise	08:57
Feb 12	Mon	Sunrise	Sunrise	May 29	Wed	Sunrise	Sunrise	Sep 17	Tue	Sunrise	Sunrise	Dec 05	Thu	Sunrise	Sunrise
Feb 14	Wed	Sunrise	Sunrise	June 10	Mon	Sunrise	Sunrise	Oct 05	Sat	12:03	Sunrise	Dec 07	Sat	Sunrise	Sunrise
Feb 16	Fri	Sunrise	Sunrise	June 12	Wed	Sunrise	Sunrise	Oct 07	Mon	Sunrise	25:47	Dec 09	Mon	Sunrise	19:31
Feb 22	Thu	Sunrise	29:03	June 14	Fri	Sunrise	Sunrise	Oct 09	Wed	Sunrise	27:01	Dec 13	Fri	Sunrise	9:10
Feb 25	Sun	10:05	14:54	June 20	Thu	Sunrise	22:01	Oct 11	Fri	Sunrise	25:28	Dec 14	Sat	Sunrise	Sunrise
Mar 01	Fri	Sunrise	21:23	June 22	Sat	Sunrise	19:42	Oct 16	Wed	Sunrise	3:25	Dec 16	Mon	Sunrise	14:43
Mar 12	Tue	10:59	Sunrise	June 23	Sun	Sunrise	7:33	Oct 21	Mon	Sunrise	Sunrise	Dec 20	Fri	Sunrise	25:57
Mar 14	Thu	Sunrise	Sunrise	June 27	Thu	Sunrise	Sunrise								
Mar 16	Sat	Sunrise	Sunrise	July 09	Tue	Sunrise	22:21								
Mar 17	Sun	12:22	Sunrise	July 11	Thu	Sunrise	27:02								
Mar 18	Mon	Sunrise	13:19	July 13	Sat	Sunrise	Sunrise								
Mar 22	Fri	18:48	21:47	July 14	Sun	07:55	Sunrise								
Mar 25	Mon	Sunrise	28:04	July 15	Mon	Sunrise	9:49								
Mar 29	Fri	11:06	Sunrise	July 19	Fri	Sunrise	10:11								
Mar 30	Sat	Sunrise	11:43	July 20	Sat	08:29	Sunrise								
Mar 31	Sun	Sunrise	11:43	July 22	Mon	Sunrise	12:51								
Apr 02	Tue	Sunrise	13:19	July 25	Thu	16:28	Sunrise								
Apr 10	Wed	17:35	29:33	July 26	Fri	Sunrise	14:00								
Apr 12	Fri	Sunrise	26:34	July 27	Sat	11:40	Sunrise								

होमादि में अग्नि वास जानना :- जिस तिथि को हवन करना हो उस दिन की तिथि और वार की संख्या को जोड़कर 1 जमा करें। फिर कुल जोड़ को 4 द्वारा भाग दें। यदि शेष शून्य या 3 बचे तो अग्नि वास धरती पर होगा, इस दिन हवन कल्याणकारक होता है। यदि शेष 2 बचे तो अग्नि वास पाताल में होता है, इस दिन हवन करने से धन की हानि होती है। यदि शेष 4 बचे तो अग्नि वास आकाश में होता है, इसमें हवन करने से आयु का क्षय होता है। तिथि की गणना शुक्ल प्रतिपदा से तथा वार की गणना रविवार से करनी चाहिए। तदुपरान्त ग्रह के मुख आहुति का विचार करना चाहिए।

ग्रहे मुख में आहुति चक्र :- सूर्य के नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिनने से यदि 3 या 3 से कम की संख्या आए तो होम आहुति सूर्य के मुख में जाने, 3 से 6 तक की संख्या में बुध के मुख में जाने, इसी प्रकार चक्र से क्रमानुसार सब ग्रहों में होमाहुति जाने।

ग्रह	नक्षत्र	फल
सूर्य	3	अशुभ
बुध	3	शुभ
शुक्र	3	शुभ
शनि	3	अशुभ
चन्द्र	3	शुभ
मंगल	3	अशुभ
गुरू	3	शुभ
राहू	3	अशुभ
केतु	3	अशुभ

पंचक विचार और पंचकों में क्या करें व क्या नहीं ?

पञ्च मानि धनिष्ठातः पञ्चकं परिकीर्त्यते।
गृहार्थं तृणकाष्ठानां संग्रहं तत्र वर्जयेत्॥

अश्विनी से रेवती पर्यन्त 27 नक्षत्र मुख्य हैं, अभिजित सहित 28 की गणना भी मानी जाती है। इन नक्षत्रों मे अन्त में पाँच नक्षत्र पंचक कहलाते हैं। इन पाँचों में भी वास्तव में साढ़े चार नक्षत्र ही पंचक होते हैं। धनिष्ठा का उत्तरार्द्ध यानि तृतीय व चतुर्थ चरण तथा शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद व रेवती ये पाँच नक्षत्र अर्थात् चन्द्रमा जब कुम्भ व मीन राशि में होता है, वही पंचक काल होता है।

इन पंचकों के काल में दक्षिण दिशा की यात्रा करना, मकान आदि की छत बनाना, शैया, कुर्सी आदि का बुनना, शव को जलाना, लड़की को तोड़ना तथा इनका संग्रह करना आदि कृत्य वर्जित होते हैं अर्थात् शुभ नहीं माने जाते। पंचकों में मृत्यु होने पर दिवगंत आत्मा व उसके पुत्रादि कुटुम्ब के लिए अहितकर होता है।

कुम्भ मीन स्थिते चन्द्रे मरणं यस्य जायते।
न तस्योर्ध्वगतिर्दृष्टा संततौ न शुभ भवेत्॥ (ब्रह्मपुराण)

परन्तु आटे, कुशा आदि के पांच पुतले बनाकर शवदाह करने का विधान गरुड़ पुराण व ब्रह्मपुराण में लिखा है, जिससे पंचक शान्ति होती है।

दाहदेशे शवं नीत्वा स्वापयेच्च प्रयत्नतः।
दर्भाणां प्रतिमाः कार्याः पञ्चोर्णासूत्रवेष्टितः॥
यवपिष्टेनानुलिप्तास्ताभिः सह शवं दहेत्।
प्रेतवाहः प्रेतसखः प्रेतपः प्रेतभूमिः।
प्रेतहर्ता पञ्चमश्च नामान्येतानि च क्रमात्॥

पंचक शान्ति—

कुशा की पांच प्रतिमा बनाएं, ऊन से लपेटें, जौं के आटे से उन पर लेप करें, संस्कार कर्ता हाथ में कुशा, गंगाजल, चावल लेकर पंचक शान्ति का संकल्प करें। पांच पुतलों की पूजा पञ्चोपचारों से करे— ॐ प्रेतवाहनाय नमः, प्रेमसखाय नमः, प्रेतपाय नमः, प्रेतभूमियाय नमः, प्रेतहर्ते नमः। तत्पश्चात् पिण्डदान करें। पांच प्रतिमाओं को मृतक के शरीर सिर, नेत्र कुक्षि, नाभि, पैरों पर क्रमशः रखें व अग्नि में आहुति दें। मृतक शरीर को अग्नि प्रदान करें। पंचक शान्ति के लिए पांच कलशों पर ब्रह्मा, विष्णु, शिव, इन्द्र, वरुण की स्थापना करने, उनके सूक्तों का पाठ तथा मन्त्रजाप करने से पंचक शान्ति विधान कर्मकाण्ड ग्रन्थों, पुराणों में वर्णित हैं।

कृपया ध्यान दें —

गृहारम्भ, गृहप्रवेश, वधुप्रवेश, नई दुकान का उद्घाटन, विवाह, यज्ञोपवीत, चूड़ाकरण संस्कार आदि अनेकों की शुभ कार्य करने पंचकों में शुभ होते हैं। कुछ लोग रक्षाबन्धन आदि में पंचकों का विचार करते हैं किन्तु शास्त्रों में प्राचीन ऋषिमत से यह अविचारणीय है। नवरात्र पूजन, महालक्ष्मी पूजन, जप-तप व्रतानुष्ठान करना, राखी बांधना, तथा भ्रातृ (भैया) दूज आदि सभी कर्मों के लिये पंचक शुभ माने जाते हैं। इन सभी कार्यों को करने में पंचक का विचार नहीं करना चाहिये।

WHAT IS 'PANCHAK', WHAT TO DO AND WHAT NOT?

'Panch maani dhanisthaathh panchakam parikirtyatate,
Graharth trankaasthanam sangraham tatra varjyate'

There are 27 main nakshatra, if 'abhijit is included it becomes 28. At the end of this nakshatra there are five more known as panchak? Essentially there are four and half panchak nakshatra. The northern part of 'dhanishtha' that is fourth and third foot and 'shatbhisha', 'purvabhadrapad', uttarabhadrapad and revati are the five nakshatra that is when moon is in kummbh and meen rashi these are known as 'panchak kal'.

In this panchak kal it is inauspicious to travel to south, making roof of the house, bed, chair, cremation, cutting wood or collecting wood etc. In case of death in the family, it is considered harmful for the departed soul and the family.

'KUMMBH MEEN STHIITE CHANDRE MARANAM YASYA JAAYATE, NA TA-SYODHWARGTIDRASHTA SANTATAU NA SHUBHAM BHAVET'. PANCHAKS CAN MADE TO PEACE, IF ONE CAN MAKE FIVE EFFIGIES OF THEM WITH FLOUR AND KUSHA AND BURN THEM.

'Daandeshe shavam neetva swapayechch pratnnatah, darbhanaam pratimah kaaryah panchornasutravestitah.

yavpistenanuliptastabhih sah shavam dahet, pretvaah pretsakhah pretapah pretbhumih, pretharta panchmasch namanyetaani ch kramat'

PEACE FOR PANCHAK Make five effigies of kusha, wrap in wool, coat with barley flour and resolve with kusha, Ganges water and rice in hand for pan-chak peace. Also, do the prayer by chanting ***'Aum pretvaahnaaya namah', 'pretsakhaya namah' pretpaaya namah, 'pretbhumiyaya namah', 'pretharte namah'.*** Then do the pind daan. Put the five dead effigies on the head, eyes, waist, navel and feet by oblation in fire. Put into fire the dead body. Purans in their workbooks have discussed this for the peace of panchak to in-stall Brahma, Vishnu, Shiva, Indra and Varun on the five pots. Also, do the chanting of 'Sukta'mantras for the peace of panchak.

PLEASE REMEMBER It is auspicious to build new house, enter new house, bride entering the new house, inaugurating new shop. marriage, thread ceremony, hair cutting ceremony etc. Some consider otherwise having raksha-bandhan in panchak but that is not correct, according to the scriptures. Pan-chaks are auspicious for 'nay- ratra' 'pujan., 'mahalaxmi pujan', 'jap-tap anushthan', tying 'rakhr, and 'bhai dui One should not consider ill effects of panchaks for this.

भद्रा विचार व प्रभाव

पञ्चाङ्ग के पाँछ अङ्गों (वार, नक्षत्र,योग, तिथि तथा करण) में से एकादश करणों में एक करण का नाम है विष्टि 'विष्टिर्भद्रा' उसे ही भद्रा कहा जाता है। तिथि के आधे भाग को करण कहते हैं अर्थात् एक तिथि में दो करण होते हैं। भद्रा (विष्टि) शुक्ल पक्ष की अष्टमी, पूर्णिमा व कृष्ण पक्ष की सप्तमी व एकादशी के पूर्वार्द्ध में तथा शुक्ल पक्ष की चतुर्थी, एकादशी के पूर्वार्द्ध में तथा शुक्ल पक्ष की चतुर्थी, एकादशी व कृष्ण पक्ष की तृतीया, दशमी के उत्तरार्द्ध में होती है। तिथि का शुरु से आधा भाग पूर्वार्द्ध तथा आधे से समाप्ति तक उत्तरार्द्ध कहलाता है। कृष्ण पक्ष की भद्रा सर्पिणी तथा शुक्ल पक्ष की भद्रा वृश्चिकी कहलाती है। भद्रा एक कल्याण का वाचक है तथापि भद्रा को शास्त्रों में शुभ कर्मों में वर्जित माना जाता है। एक पौराणिक कथानक अनुसार दैत्यों से पराजित देवों की अराधना से रुद्र के ज्वाला, माला, कुल नेत्रा लोकित शरीर से मुँह व पूँछ वाली भद्रा नाम की देवी प्रकट हुई, जिसने दैत्यो का वध किया।

रत्न कोष नामक एक ग्रन्थ में भद्रा के नाम गिनाये गये हैं जैसे- 1 हंसी, 2 नन्दिनी, 3 त्रिशिदा, 4 सुमुखी, 5 करालिका, 6 वैकृति, 7 रौद्रमुखी, 8 चतुर्मुखी। नामानुसार उनका फल कथन भी कहा गया है।

भद्रा कृत्य —

वधबन्धविषाग्न्यस्वच्छेदनोच्चाटनादियत तरङ्ग महिषोष्टपादिकर्म विष्टयातुं सिद्धयति।

अर्थात् भद्रा में अस्त्र-शस्त्र प्रयोग, आप्रेशन, मुकद्दमा, शत्रु उच्चाटन, स्त्री प्रसंग आदि शुभ कहे हैं और **'न कुर्याद् मंगलं विष्टयां जीवितार्थी कदाचन'** गृह प्रवेश, रक्षाबन्धन, होलिका दहन, विवाह, मुण्डन, गृहारम्भ, यज्ञोपवित आदि शुभ कर्मों को भद्रकाल में कदापि न करें। यह शुभ नहीं है।

चन्द्र राशि अनुसार भद्रा का वास तीन लोकों (भू लोक, पाताल लोक, स्वर्ग लोक) में बताया गया है, जिस लोक में भद्रा जब होती है वही उसका प्रभाव कहा गया है। देखें नीचे की तालिका-

चन्द्र राशि	लोकवास	भद्रामुखवास
मेष, वृष, मिथुन, वृश्चिक	स्वर्ग लोक	उर्ध्वमुखी
कन्या, तुला, धन, मकर	पाताल लोक	अधोमुखी
कर्क, सिंह, कुम्भ, मीन	भूलोक	सुमुखी

उपर्युक्त तालिका के अनुसार भद्रा जब भूलोक में होगी तभी अनिष्टकारी होगी। शास्त्रों में और भी परिहार कहे हैं जैसे-

दिवा पराद्विजा विष्टि: पूर्वाद्धोता निशि।
तदा विष्टि: शुभायति कबलासबभाषितम्॥

यानि उत्तरार्द्ध की भद्रा दिन में तथा पूर्वार्द्ध की रात्रि में शुभ होती है। पीयूष धारा में लिखा है

रात्रिभद्रा यदाह्लिस्याद् दिवा भद्रा यदा निशि।
न तत्र भद्रादोष: सा भद्रा भद्रदायिनी॥

रात्रि में भद्रा शुरु होकर दिन में आ जाए तथा दिन में भद्रा शुरु होकर रात्रि में आ जाए तो दोष नहीं रहता है। परिहारों की अत्यावश्यकता में ही स्वीकार करें सम्भवत: त्याग ही करें, भद्रा में शुभ कर्म अहितकर रहते हैं।

Consideration about Bhadra

Almanac has five parts (Tithi, Var, nakshatra, yog and Karan) Out of 11 Karanas' one of them is called Vishti or Vishti bhadra and that is this called as **BHADRA.** Half of Tithi is known as Karan that means every Tithi has two Karanas. Bhadra is Ashtami and Purnima of Shukla Paksha, chaturthi and Ekadashi of Sukla Paksha, and early half of eleventh and saptami of Krishna Paksh, later half of tritiya and dashami of Krishna Paksh. The first half is early and second half is as later. The Bhadra of Krish Paksh is known as Sarpini, and of Shukla Paksh as Vrishchiki. Bhadra is a warning and as per scriptures all auspicious actions are forbidden. According to folklore,when Devas defeated by demons then they pray and a Devi came out known as Bhadra having body, face and a tail with fire like ex perssion, She defeated the demons. Ratnakosh enunciates the names of Bhadra as Hansi, Nandini, Trishida, Sumukhi, karalika, Vaikriti, Raudramukhi and chaturmukhi. Their effects have also been given.

Bhadra Kritya :- Meaning it is auspicious to, do surgery, lawsuits, chal-lenging enemies, and female pursuits etc. One should never attempt en-tering new house, tieing thread, Holika dahan, Marriage, hair cutting ceremony, and Yagyipavit during the Bhadra time. According to moon rashi Bhadra resides in all three lokas (Bhulok, Pataal lok, Swarg Lok) and it effects according to the house in which it is located as given below :--

Chander Rashi	**Lokvaas**	**Bhadramukh Vaas**
Mesh, Vrish, Mithun, Vrishchik	Heaven	Upper Side
Kanya, Tula, Dhan, Makar	Pataal Lok	Down side
Kark, Singh, Kumbh, Meen	Earth	Front side

According to the table above, when there is bhadra in Bhulok (on earth) it is inauspicious. Other scriptures also describe this as

diva paradwija vishiti puvadwotaata nishi/
tada vishtih xuwayit kabalasababhashitam//

Meaning it is auspicious if in day it is the former one and previous one in the night time.

Bhadra is not inauspicious if the bhadra starts in the night and extends to the day, similar to if it starts in the day and extends to night. Disregard to this one should agree only, if it is emergency, possibly ignore. Mostly jobs done in bhadra are harmful.

GANDMOOL 2024 गण्डमूल 2024

BEGINS				ENDS			BEGINS				ENDS		
NAKSHATRA	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	NAKSHATRA	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.
Jyestha	Jan 08	Mon	11:33	Jan 09	Tue	10:41	Ashlesha	Jul 07	Sun	20:33	Jul 08	Mon	22:22
Mool	Jan 09	Tue	10:41	Jan 10	Wed	09:10	Magha	Jul 08	Mon	22:22	Jul 09	Tue	24:25
Revati	Jan 16	Tue	18:08	Jan 17	Wed	17:04	Jyestha	Jul 17	Wed	17:43	Jul 18	Thu	17:55
Ashwini	Jan 17	Wed	17:04	Jan 18	Thu	16:28	Mool	Jul 18	Thu	Thu	Jul 19	Fri	17:25
Ashlesha	Jan 25	Thu	23:58	Jan 26	Fri	26:31	Revati	Jul 25	Thu	29:00	Jul 26	Fri	27:30
Magha	Jan 26	Fri	26:31	Jan 27	Sat	29:33	Ashwini	Jul 26	Fri	27:30	Jul 27	Sat	26:17
Jyestha	Feb 04	Sun	21:24	Feb 05	Mon	21:05	Ashlesha	Aug 03	Sat	27:56	Aug 04	Sun	29:51
Mool	Feb 05	Mon	21:05	Feb 06	Tue	19:57	Magha	Aug 04	Sun	29:51	Aug 06	Tue	08:14
Revati	Feb 12	Mon	26:05	Feb 13	Tue	24:13	Jyestha	Aug 13	Tue	26:43	Aug 14	Wed	27:23
Ashwini	Feb 13	Tue	24:13	Feb 14	Wed	22:56	Mool	Aug 14	Wed	27:23	Aug 15	Thu	27:14
Ashlesha	Feb 21	Wed	30:13	Feb 23	Fri	08:55	Revati	Aug 22	Thu	12:35	Aug 23	Fri	10:24
Magha	Feb 23	Fri	08:55	Feb 24	Sat	11:50	Ashwini	Aug 23	Fri	10:24	Aug 24	Sat	08:36
Jyestha	Mar 02	Sat	29:25	Mar 03	Sun	29:51	Ashlesha	Aug 31	Sat	10:09	Sep 01	Sun	12:19
Mool	Mar 03	Sun	29:51	Mar 04	Mon	29:30	Magha	Sep 01	Sun	12:19	Sep 02	Mon	14:50
Revati	Mar 11	Mon	13:33	Mar 12	Tue	10:59	Jyestha	Sep 10	Tue	10:34	Sep 11	Wed	11:52
Ashwini	Mar 12	Tue	10:59	Mar 13	Wed	08:54	Mool	Sep 11	Wed	11:52	Sep 12	Thu	12:23
Ashlesha	Mar 20	Wed	13:08	Mar 21	Thu	15:57	Revati	Sep 18	Wed	22:34	Sep 19	Thu	19:45
Magha	Mar 21	Thu	15:57	Mar 22	Fri	18:59	Ashwini	Sep 19	Thu	19:45	Sep 20	Fri	17:13
Jyestha	Mar 30	Sat	12:33	Mar 31	Sun	13:27	Ashlesha	Sep 27	Fri	15:50	Sep 28	Sat	18:08
Mool	Mar 31	Sun	13:27	Apr 01	Mon	12:42	Magha	Sep 28	Sat	18:08	Sep 29	Sun	20:49
Revati	Apr 07	Sun	23:42	Apr 08	Mon	21:02	Jyestha	Oct 07	Mon	16:55	Oct 08	Tue	18:38
Ashwini	Apr 08	Mon	21:02	Apr 09	Tue	18:36	Mool	Oct 08	Tue	18:38	Oct 09	Wed	19:45
Ashlesha	Apr 16	Tue	18:46	Apr 17	Wed	21:27	Revati	Oct 16	Wed	09:48	Oct 16	Wed	30:50
Magha	Apr 17	Wed	21:27	Apr 18	Thu	24:27	Ashwini	Oct 16	Wed	30:50	Oct 17	Thu	27:56
Jyestha	Apr 26	Fri	17:10	Apr 27	Sat	17:58	Ashlesha	Oct 24	Thu	22:10	Oct 25	Fri	24:16
Mool	Apr 27	Sat	17:58	Apr 28	Sun	18:19	Magha	Oct 25	Fri	24:16	Oct 26	Sat	26:54
Revati	May 05	Sun	10:27	May 06	Mon	08:13	Jyestha	Nov 03	Sun	22:34	Nov 04	Mon	23:15
Ashwini	May 06	Mon	08:13	May 06	Mon	30:02	Mool	Nov 04	Mon	23:15	Nov 05	Tue	24:30
Ashlesha	May 13	Mon	27:35	May 15	Wed	05:55	Revati	Nov 12	Tue	19:10	Nov 13	Wed	16:41
Magha	May 15	Wed	05:55	May 16	Thu	08:44	Ashwini	Nov 13	Wed	16:41	Nov 14	Thu	14:03
Jyestha	May 23	Thu	24:40	May 24	Fri	05:06	Ashlesha	Nov 20	Wed	29:05	Nov 21	Thu	30:40
Mool	May 24	Fri	05:06	May 25	Sat	25:06	Magha	Nov 21	Thu	30:40	Nov 23	Sat	08:57
Revati	Jun 01	Sat	17:46	Jun 02	Sun	16:10	Jyestha	Nov 30	Sat	27:54	Dec 01	Sun	29:15
Ashwini	Jun 02	Sun	16:10	Jun 03	Mon	14:35	Mool	Dec 01	Sun	29:15	Dec 02	Mon	30:12
Ashlesha	Jun 10	Mon	12:10	Jun 11	Tue	14:09	Revati	Dec 09	Mon	27:00	Dec 10	Tue	25:18
Magha	Jun 11	Tue	14:09	Jun 12	Wed	16:42	Ashwini	Dec 10	Tue	25:18	Dec 11	Wed	23:22
Jyestha	Jun 20	Thu	Thu	Jun 21	Fri	08:49	Ashlesha	Dec 18	Wed	14:28	Dec 19	Thu	15:30
Mool	Jun 21	Fri	08:49	Jun 22	Sat	08:24	Magha	Dec 19	Thu	15:30	Dec 20	Fri	17:17
Revati	Jun 28	Fri	23:19	Jun 29	Sat	22:04	Jyestha	Dec 28	Sat	11:43	Dec 29	Sun	12:52
Ashwini	Jun 29	Sat	22:04	Jun 30	Sun	20:56	Mool	Dec 29	Sun	12:52	Dec 30	Mon	13:27

Five festive days : —
According to periods during auspicious occasions Chaturdashi, Amavasya (New moon), Purnima (Full moon), Sankranti and Ashatami of Krishna Paksha are known as five festives. During auspicious occasions these days are to be avoided. During these days charity, good deed, recitation of Gods name are good and beneficial for your inner peace.

Avoid taking loan on:—
Tuesday, Sankranti, Vriddhi Yog, Sunday with Hast nakshatra. If somebody take loan on these days never be able to return it back.

Avoid lending loan on:—
Kritika, Rohini, Ardra, Ashlesha, Uttrashadha, Vishakha, Jyeshtha, Moola nakshatra, Bhadra tithi, Vyatipat yog and Amavas. If somebody lend money on this time they will never get it back.

गण्ड मूल दोष का प्रभाव व शान्ति उपाय

सम्पूर्ण पृथ्वी पर रहने वाले प्राणी परमात्मा की प्रकृति द्वारा प्रभावित होते हैं। प्रकृति में आकाशीय नक्षत्र-तारे, राशियाँ, ग्रह आदि सब का प्राणी के तन-मन पर असर पड़ता देखा जाता है। कुछ समय 24 घण्टे में ऐसा होता है जिसे हमारे प्राचीन ऋषि-मुनिजनों ने गण्डान्त काल का। उस काल में जन्मा जातक तन-मन-धन से कष्ट पाता है। जिसकी शान्ति पूजा करने का विधान हमारे सनातन धर्मशास्त्रों में वर्णित है।

गण्डान्त का संक्षिप्त विवरण- प्रतिपदा, षष्ठी, एकादशी (नन्दा तिथि) के शुरु के तथा पंचमी, दशमी, पूर्णिमा, अमावस (पूर्णा तिथि) के अन्त के 24 मिनट गण्डान्त कहे जाते हैं। मीन, वृश्चिक, कर्क लग्न के अन्तिम 12 मिनट तथा मेष, धनु, सिंह के प्रारम्भ के 12 मिनट गण्डान्त होते हैं। 27 नक्षत्रों में से आश्वेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूला, रेवती तथा अश्विनी ये 6 नक्षत्र मुख्य गण्डमूल कहलाते हैं। जन्म समय के पश्चात् जब यह नक्षत्र पुन: लगभग 27 दिन पश्चात् आता है, तब पूजा करने का विधान है। गण्डमूल का प्रभाव, शान्ति मन्त्र, देवता, मन्त्र जाप संख्या नीचे की तालिका से समझें।

बड़े मूल— मूला, ज्येष्ठा व आश्लेषा की पूजा - उसी नक्षत्र में करने का विधान लगभग 27 दिनों में

छोटे मूल— आश्विनी, रेवती, मघा की पूजा- 10वें 19वें दिन में भी कर सकते हैं जब उसके स्वामी का दूसरा या तीसरा नक्षत्र आता है।

सारावली नामक ज्योतिष ग्रन्थ में गण्ड नक्षत्र का फल इस प्रकार कहा है- **जातो न जीवति मरो मातुर पयो भवेत्कुल हन्ता। यदि जीवति गण्डान्ते बदुगजतुरगो भवेत भूय: ॥** अभूक्त मूल-ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की 24 मिनट तथा मूला की प्रथम 24 मिनट।

1 प्रथम नक्षत्र युग्म	स्वामी	च0 राशि	अंश	कला	च0 राशि	अंश	कला
मीन राशी, रेवती नक्षत्र	बुध	11	16	40	00	0	0
मेष राशी, अश्विनी नक्षत्र	केतु	00	0	0	00	13	20
2 द्वितीय नक्षत्र युग्म							
कर्म राशी, आश्लेषा नक्षत्र	बुध	03	16	40	04	0	0
सिंह राशी, मघा नक्षत्र	केतु	04	0	0	04	13	20
3 तृतीय नक्षत्र युग्म							
वृश्चिक राशी, ज्येष्ठा नक्षत्र	बुध	07	16	40	08	0	0
धनु राशी, मूल नक्षत्र	केतु	08	0	0	08	13	20

गण्डमूल संज्ञक नक्षत्र → गण्डमूल बोधक युग्म

मूला नक्षत्र मान के 15 बराबर भागकर कष्टकारी फल जानें—
भाग 1 - पिता, 2 - चाचा, 3 - बहनोई, 4 - दादा, 5 - शुभ, 6-शुभ, 7-शुभ, 8-चाची, 9-सभी को, 10-पशु नाश, 11- नौकर, 12-स्वयं को, 13-बड़े भाई, 14-बहिन, 15-नाना

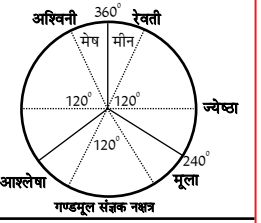

नक्षत्र → अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूला	रेवती	नक्षत्र चरण
पिता के लिए कष्ट	धन के लिए मध्यम	माता-पिता, नाना-नानी माता-मामी को कष्ट	ज्येष्ठ भ्राता को कष्ट	पिता को हानि	राजा की तरह ऐश्वर्य युक्त जीवन	प्रथम चरण
अपव्यय, धन की अस्थिरता	पैतृक धन का नाश हो	पिता व दादा को कष्ट	छोटे भाई को कष्ट	माता व छोटे भाई को हानि, धन नाश	मन्त्री की तरह जीवन किन्तु धन हानि	द्वितीय चरण
भ्रमणशील	माता व सास आदि को प्रभवित करे	शुभ फलप्रदायक	पिता के लिए दुखप्रद	शुभफलप्रद	सम्पत्ति का नाशक	तृतीय चरण
अपने लिए कष्टप्रद	पिता को कष्ट	धन सम्पत्तिवान् हो	जातक स्वयं ही प्रभावित हो	सम्पत्ति का नाश	माता पिता को कष्टकारी	चतुर्थ चरण
ॐ यावाङ्कशा मधुमत्यश्विना सुनृतावती तया यज्ञमिमिक्षिताम्	ॐ नमोऽस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु: ये अन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्य: सर्पेभ्यो नम:।	ॐ पितृभ्य: स्वधायिभ्य: स्वधा नम:। पितामहेभ्य: स्वधायिभ्य: स्वधा नम:। प्रपितामहेभ्य: स्वधायिभ्य: स्वधा नम:। अक्षन्न पितरोऽमीमदन्त: पितरो तां तृपन्त: पितर:शुन्धध्वम्।	ॐत्रातरमिन्द्रमवितारमिन्द्र हवे हवे सुहव शूरमिन्द्रं ह्वयामि शक्रम्पुरुहूतमिन्द्र स्वस्ति नो मघवा धावत्विन्द्र:।	ॐअसुन्नवन्त यजमानमिच्छंस्तेन सेत्वामन्विहितकरस्य। अन्यमस्मदिच्छ सातऽइत्यानमो देवि निर्ऋते	ॐ पूषन्तवव्रते वयन्नरिष्येम कदाचन। स्तोतारस्ते ऽहिस्मसि।	शान्ति के लिए मन्त्र जाप
पांच हजार	दस हजार	दस हजार	पाँच हजार	पाँच हजार	दस हजार	जाप संख्या
अश्विनी देवता	रुद्र (सर्प)	पितृ देवता	इन्द्र देवता	निऋति देवता	पूषा देवता	नक्षत्र देवता

Influence of Harmful Gadaanta and remedies to secure continue peace

God's material nature affects the lives of all living beings on this earth. In particular it is often observed that the stars, "nakshatras, raashis and planets" in the sky influence a living being mentally as well as physically. Our ancestral sages have calculated that in a period of 24 hours. there is an in-terval called "Gadaanta". A person, whose birth time falls in this interval, is likely to suffer problems in mental, physical or financial well being. Our religious scriptures have described ways to appease such adverse situations. A brief description of timing of Gadaanta is as follows:

1. The final 24 minutes of (Nandaa Tithi) First, sixth, the start of eleventh and (Purnima Tithi) fifth, tenth, full moon (Purnima) and new moon (Amavas). 2. Final 12 minutes of lagnas: meena, vrishchak and karka.3. First 12 minutes of lagnas: mesha, dhanu and sinha. 4. Among the 27 Nakshatras the following are the main called as Ganda-muula: Ashlesha, Magha, Jyeshtha, Moola, Revati, ashwani. It is rec-ommended to do the appropriate worship twelve days after the birth or after the time of birth when this nakshatra returns after 27 days. Consult the following table for the influence exerted by these naksha-tras, and ways to achieve peace through the recitation of mantras and the deity to be worshipped. Bade Mool__Moola, Jyeshtha and Ashlesha-Puja should be done in thesame Nakshatra time when it comes after 27 days.

Chhote Mool — Revati, Ashwani and Magha. Puja can be done after 10th or 19th days when its lords second or third Nakshatra comes.

First Nakshatra pair	Lord	Rashi	Ansh	Kala	Rashi	Ansh	Kala
Meen Rashu, Revati	Mer	11	16	40	00	00	00
Mesh Rashi, Ashwani	Ketu	00	00	00	00	13	20
Second Nakshatra pair	Mer	03	16	40	04	00	00
Kark Rashi, Ashlesha	Ketu	04	00	00	04	13	20
Singh Rashi, Magha							
Third Nakshtra Pair	Mer	07	16	40	08	00	00
Vrishchik Rasi, Jyeshtha	Ketu	08	00	00	08	13	20
Dhanu Rashi, Moola							

Total of Moola Nakshatra divided into 15 parts has different affect on person. 1-father, 2-Uncle, 3-brother in law, 4-granfather, 5-good, 6- good, 7-good, 8-Aunti, 9-all-10-cattle, 11 servant, 12-yourself, 13-elder brother, 14-sisiter, 15-maternal grand father

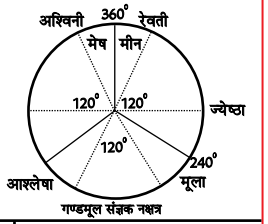

Ashwani	Ashlesha	Magha	Jyeshtha	Moola	Revati	Period Pada
Inauspicious for father	Mediocre for financial gain	Inauspicious for parents, maternal grant patents uncles & aunts	Inauspicious for older brother	Harmful to father	Kingly life of luxary	**1st Period**
Expensive spending, financially unstable	Loss of hereditary wealth	Inauspicious to father & paternal grand father	Inauspicious for younger	Harmful to mother & younger brother	Life like a minister but financial loss	**2nd Period**
Interest in travelling	Should affect mother & mother in law	Brings good fortune	brother Inauspicious for father	Financial loss otherwise brings good fortune	Loss of wealth	**3rd Period**
Inauspicious for oneself	Inauspicious for father	Brings wealth to onself	become an influential person	Loss of wealth	Inauspicious to parents	**4th Period**
Om Yavanka sha mad-humatyashwina sunritavati, Tatya yagnam mimikshitam.	Om namo astu sarpebhyo hyio ye ke cha prihivirmanu manu ye antrikshey ye divi tebhyah sarpeybhyo namah.	Om pitribhyah swadhaa-yibhyah swadha namah pitambhebhyah swadha-yibhyah swadha namah prapitamahebhy swadhayibhyah swadha namah akshann pitaro amimadant pitaro taam trapant pitrah sudhandhwam.	Om traataaramindram vi-tarramindram hawe hawe suhav shooramindram hawyaami shakkarmpuru hootmindra swasti no madhava dhatwindrah.	Om asunvanta me yaja-maanamicchastensye tyaamnvihitaskarasya Anymasmadiccha saataa-ityaanamo devi nirrite tubhayamastu swaha.	Om pooshatav vratey varyann rishyam kathachan. Stotaarast ihasmasi.	**Mantra for relief**
5000	10000	10000	5000	5000	10000	**Number of chanting**
Ashwani	Naag	Pitri	Indra	Niriti	Poosha	**Lord of nakshatra**

ग्रहों के प्रभाव तथा उपचार

ग्रह	सभावित रोग	रत्न	जड़वाने के लिए धातु	धारण करने की उंगली	धारण करने का वार व समय	अवधि व मात्रा	जाप के लिए मन्त्र	मन्त्र जाप संख्या	दान योग्य वस्तु
सूर्य	सिर दर्द, ज्वर, नेत्र विकार, गर्मी, दिल सम्बन्धी रोग।	माणिक्य	स्वर्ण या ताम्र	बाएं हाथ की अनामिका	रविवार को सूर्योदय के समय	तीन रत्ती से अधिक मात्रा में।	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।	28,000	गेहूँ, गुड़, लाल वस्त्र व चन्दन, कमल, सूर्य की स्वर्ण प्रतिमा।
चन्द्र	पागलपन, निद्रा, कमजोरी, मुख रोग, तिल्ली, पाण्डु रोग, यकृत, कफ, उदर विकार।	मोती	चांदी	बाएं हाथ की कनिष्ठिका या तर्जनी	सोमवार या गुरूवार सूर्योदय, रवि पुष्य योग।	कम से कम चार रत्ती दो वर्ष के लिए।	ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।	44,000	चावल, सफेद वस्त्र, चीनी, दूध, कपूर आदि।
मंगल	गर्मी के रोग, रक्त चाप, पित, वायु, कर्ण रोग, खुजली, क्रोध।	मूंगा	स्वर्ण	बाएं हाथ ही मध्यमा	मंगलवार सूर्योदय के समय	आठ रत्ती तीन वर्ष तक।	ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।	40,000	गेहूं, गुड़, लाल वस्त्र
बुध	स्नायु विकार, त्वचा रोग, खांसी, कुष्ठता, वात व हृदय रोग।	पन्ना	स्वर्ण या कांसा	दाएं हाथ की कनिष्ठिका या तर्जनी	बुधवार सूर्योदय समय, आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती नक्षत्रों	तीन रत्ती से छ: रत्ती तक तीन वर्ष तक।	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।	36,000	स्वर्ण, हरा वस्त्र, कांसा, कस्तूरी चावल आदि।
गुरू	कण्ठ रोग, गुल्म रोग, फोड़ा, फुन्सी, गुप्तरोग, जिगर विकार।	पुखराज	स्वर्ण	दाएं हाथ की अनामिका या तर्जनी	गुरूवार सूर्योदय व गुरू पुष्य योग	चार रत्ती का चार वर्ष चार महीने तक।	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरूवे नम:।	76,000	पीला वस्त्र, चने की दाल, स्वर्ण, हल्दी, पुखराज।
शुक्र	रक्त की कमी, पित विकार, वीर्य नाश होने का रोग, गुप्तांग रोग, प्रमेह, मेद वृद्धि।	हीरा	स्वर्ण	बाएं हाथ की अनामिका	शुक्रवार सूर्योदय	एक रत्ती से अधिक सात वर्ष तक।	ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।	64,000	सफेद वस्त्र, चांदी चावल, घी, शुक्र यन्त्र आदि।
शनि	उन्माद, वात रोग, भगन्तर रोग, गठिया, स्नायु, जोड़ों का रोग, वाहन हानि, शरीर विकृत।	नीलम	लोहा या शीशा	दाएं हाथ की मध्यमा	शनिवार सांयकाल, शनि कुम्भ या मकर राशि पर	चार रत्ती का पांच वर्ष तक	ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।	92,000	तिल तेल, मांह दाल, लोहा, काला वस्त्र, हनुमान चालीसा, सुन्दरकाण्ड पाठ।
राहु	अनिद्रा, उदर व मस्तिष्क विकार, हाथों पैरों को कष्ट, कैंसर, वृथा दौड़ धूप।	गोमेद	पंचधातु	बाएं हाथ की मध्यमा	बुधवार सांयकाल	चार रत्ती का तीन वर्ष तक	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।	72,000	राहु यन्त्र, नील वस्त्र, कम्बल, तिल तेल आदि।
केतु	चर्म रोग, दिल का दौरा, मस्तिष्क रोग तथा क्षुधाजनित रोग।	लहुसनिया	पंचधातु	बाएं हाथ की कनिष्ठिका या मध्यमा	बुधवार या शुक्रवार सांयकाल	चार रत्ती का तीन वर्ष तक	ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।	68,000	केतु यन्त्र, काला वस्त्र, कम्बल, कस्तूरी, तेल आदि।

NINE PLANETS (GRAHA'S) THEIR INFLUENCE & REMEDIES

PLANETS	PROBABLE AILMENT	STONE	MENTAL TO WORN IN	FINGER To WORN	TIME & DAYS TO WORN	DURATION & WEIGHT	MANTRA for CHANTING	MANTRA QUANTITY	CHARITY
SUN	Headache, Fever, Eye Problems, Liver trouble.	**RUBY**	Gold or Copper	Left index Finger	Sunday sunrise	3 Ratti	**Om Hran Hreen hraun sah surayye namah**	28,000	Weat, Jiggery, red clothes red sandal, sun image on gold
MOON	Mental problems, Insomnia, Mouth disease, Stomach problems.	**PEARL**	Silver	Left little or ring finger	Monday Thursday at sunrise	4 Ratti for two years	**Om shran, shren, shraun sah chandrmase namah**	44,000	Rice, white clothes, sugar, ghee, milk
MARS	High B.P., Pruitis, Vaat & Pitt diseases.	**CORAL**	Gold	Left middle finger	Tuesday sunrise, Moon is Aries or Scorpio	8 Ratti for 3 years	**Om kran kreen kraun sah Bhaumaye namah**	40,000	Wheat, Jiggery, Red clothes
MERCURY	Skin disease, Cough, Heart disease, Leprosy	**EMERALD**	Gold or Bronze	Right little or index finger	Wednesday sunrise, Ashlesha, Jyestha, Nakshtr	3 to 6 Ratti for three years	**Om bran breen braun sah budhaaye namah**	36,000	Gold, blue clothe, Bronze, rice
JUPITER	Throat problems, Boils, Liver diseases.	**TOPAZ**	Gold	Right Index finger	Thursday sunrise	4 Ratti for 4 years 4 months	**Om gran green graun sah guruve namah**	76,000	Yellow clothes yellow lentils, gold
VENUS	Anaemia, Billary diseases, Genitourinary problems.	**DIAMOND**	Gold	Left Ring finger	Friday sunrise, Venus in Taurus or Pisces.	More than 1 Ratti for seven years	**Om dran dreen draun sah shukraaye namah**	64,000	White clothes, silver, rice ghee
SATRUN	Rheumatism, Arthritis, Mental, disorders.	**SAPPHIRE**	Iron or Lead	Right middle finger	Saturday evening.	4 Ratti for three years	**Om pran preen praun sah shanaye namah**	92,000	Black lentils and clothes, Iron, recite Hanuman Chalisha, Sundarkand paath.
DRAGON'S HEAD	Insomnia, Stomach problems, problems of hands and feet, cancer.	**GOMEDH**	Five mixed metal	Left middle finger	Wednesday evening.	4 Ratti for three years	**Om bran bhreen bhraun sah rahve namah**	72,000	Rahu yantra, oil, blue clothes, blankets, sesame seeds, iron.
DRAGON'S TAIL	Skin, Heart and head problems.	**CAT'S EYE**	Five mixed metal	Left middle finger	Wednesday, Friday evening.	4 Ratti for three years	**Om sran sreen sraun sah ketve namah**	68,000	Ketu yantra, sesame, blankets, black clothes, oil.

पञ्चाङ्ग क्या है ?

तिथिर्वासर नक्षत्रे योग: करणमेव च। इति पञ्चाङ्गमाख्यातं व्रत पर्व निर्देशकम्।

तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण इन पांचों के संयोग को पञ्चाङ्ग कहते हैं, जिनका व्रत-पर्व आदि के लिये शास्त्रीय निर्देश है।

1. तिथि—

सूर्य चन्द्रयोर्या स्थिति: सा एव तिथि।

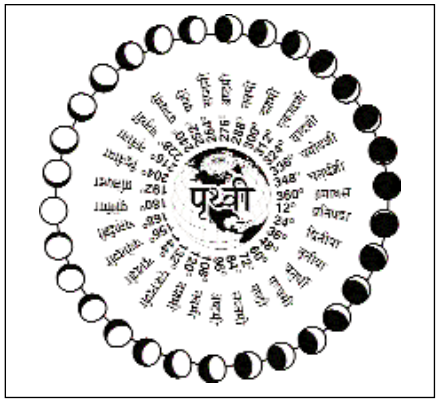

सूर्य-चन्द्र की स्थिति से तिथि बनती है। अमावस्या के अन्त पर सूर्य चन्द्र दोनों समान अंश पर रहते हैं उस समय पर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का प्रारम्भ काल होता है। जब शीघ्र गति चन्द्रमा का सूर्य से 12 अंश का अन्तर हो जाता है तो वह समय शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा का समाप्ति काल और द्वितीया तिथि का प्रारम्भ काल होता है। सामने पृथ्वी का चक्कर लगाते हुये चन्द्रमा की स्थिति से सभी तिथियों की जानकारी प्राप्त करें। जो तिथि पहले दिन सूर्योदय के समय भी हो और दूसरे दिन के सूर्योदय के समय भी हो , उसे वृद्धि तिथि कहते हैं। जिस तिथि का मान प्रथम सूर्योदय उपरांत प्रारम्भ हो और दूसरे दिन के सूर्योदय से पूर्व ही पूर्ण हो जाय उसे क्षय तिथि कहते हैं।

2. वार — एक सूर्योदय से द्वितीय सूर्योदय के बीच के समय को वार कहते हैं - रवि, सोम, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि सात वार होते हैं। उदयादोदयं भानोर्भूमि सावन वासर:।

3. योग— सूर्य तथा चन्द्रमा के स्पष्ट राशि , अंश , कला जोड़ने से 13 अंश 20 कला का एक योग होता है। कुल योग 27 हैं — विष्कुम्भ, प्रीति, आयुष्मान, सौभाग्य, शोभन, अतिगण्ड, सुकर्म, धृति, शूल, गण्ड, वृद्धि, ध्रुव, व्याघात, हर्षण, वज्र, सिद्धि, व्यतिपात, वरीयान, परिघ, शिव, सिद्ध, साध्य, शुभ, शुक्ल, ब्रह्म, ऐन्द्र, वैधृति।

4. करण:— एक तिथि में दो करण होते हैं-- बव, बालव, कौलव, तैतिल, गर, वणिज, विष्टि, यह सात चर करण होते हैं। कुल ग्यारह करण होते हैं। इस पञ्चाङ्ग में सूर्योदयकालिक करण दिए गए हैं, यदि आप किसी दिन का करण जानना चाहते हैं तो तिथि व पक्ष की जानकारी के द्वारा नीचे दी गई तालिका से करण जान सकते हैं।

करण बोधक तालिका

पक्ष	तिथि	1	2	3	4	5	6	7	8
शुक्ल पक्ष	पूर्वार्द्ध	किंस्तुघ्न	बालव	तैतिल	वणिज	बव	कौलव	गर	विष्टि
	उत्तरार्द्ध	बव	कौलव	गर	विष्टि	बालव	तैतिल	वणिज	बव
कृष्ण पक्ष	पूर्वार्द्ध	बालव	तैतिल	वणिज	गव	कौलव	गर	विष्टि	बालव
	उत्तरार्द्ध	कौलव	गर	विष्टि	बालव	तैतिल	वणिज	बव	कौलव
	तिथि	9	10	11	12	13	14	15	30
शुक्ल पक्ष	पूर्वार्द्ध	बालव	तैतिल	वणिज	बव	कौलव	गर	विष्टि	--
	उत्तरार्द्ध	कौलव	गर	विष्टि	बालव	तैतिल	वणिज	बव	--
कृष्ण पक्ष	पूर्वार्द्ध	तैतिल	वणिज	गव	कौलव	गर	विष्टि	--	चतुष्पाद
	उत्तरार्द्ध	गर	विष्टि	बालव	तैतिल	वणिज	शकुनि	--	नाग

नक्षत्र — सम्पूर्ण आकाश 360 अंश का है, समस्त भूचक्र को 27 भागों में विभक्त करने से 13 अंश 20 कला का एक क्षेत्र एक नक्षत्र होता है। ऐसे ही अश्विनी से रेवती पर्यन्त 27 नक्षत्रों को माना गया है। जिस दिन जिस समय तक चन्द्रमा पृथ्वी से जिस नक्षत्र पुंज में दिखाई देता है, उस दिन पञ्चाङ्ग में वही नक्षत्र लिखा जाता है। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण होते हैं, सवा दो नक्षत्रों की एक राशि होती है।

राशि, नक्षत्र व नामाक्षर बोधक तालिका

राशि	नक्षत्र	1	2	3	4	राशि	नक्षत्र	1	2	3	4
मेष	अश्विनी	चू	चे	चो	ला	तुला	चित्रा			रा	री
	भरणी	ली	लू	ले	लो		स्वाति	रू	रे	रो	ता
	कृत्तिका	अ					विशाखा	ती	तू	ते	
वृष	कृत्तिका		ई	इ	ए	वृश्चिक	विशाखा				तो
	रोहिणी	ओ	वा	वी	वू		अनुराधा	वो	नी	नू	ने
	मृगशिरा	व	वो				ज्येष्ठा	नो	या	यी	यू
मिथुन	मृगशिरा			का	की	धन	मूला	ये	यो	भा	भी
	आर्द्रा	क	घ	ङ	छ		पूर्वाषाढ़ा	भू	ध	फ	ड
	पुनर्वसु	के	को	ह			उत्तराषाढ़ा	भे			
कर्क	पुनर्वसु				हि	मकर	उत्तराषाढ़ा		भो	जा	जी
	पुष्य	हू	हे	हो	डा		श्रवण	खी	खू	खे	खो
	आश्लेषा	डी	डू	डे	डो		धनिष्ठा	ग	गी		
सिंह	मघा	मा	मी	मू	मे	कुम्भ	धनिष्ठा			गू	गे
	पूर्वाफाल्गुनी	मो	टा	टी	टू		शतभिषा	गो	सा	सी	सू
	उत्तराफाल्गुनी	टे					पूर्वाभाद्र	से	सो	दा	
कन्या	उत्तराफाल्गुनी		टो	पा	पी	मीन	पूर्वाभाद्र				दी
	हस्त	पु	ष	ण	ठ		उत्तराभाद्र	दू	थ	ढ	ञ
	चित्रा	प	पो				रेवती	दे	दो	च	ची

What is Panchang ?

(PANCH= FIVE, ANG= PARTS) Panchàng as the name implies in Hindi consists
of five parts which are Tithi, day, yog, karan, Nakshtra

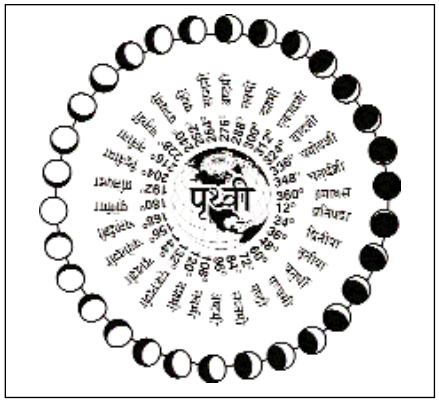

1.TITHI : Poisition of Sun and Moon. At the end of Amavasya, Sun and Moon both remain at the same Degree (Ansh), the shukla Paksha Pratipada starts at that time.When the difference of fast revolving Moon from Sun becomes 12 Degree (Ansh) that is the end of Pratipada and start of Dwitiya.Besides this, please get information of all the tithies with the stages of Moon revolving around the Earth.

TITHI VRIDHI (Addition) :
The tithi which is present at the time of Sunrise on first day and also on the second day sunrise is called Tithi Vridhi.

TITHI KSHAYA (Delectin) : The tithi which starts after first sunrise and ends before second sun rise is called Tithi Kshaya.

2. DAYS: The time between first sunrise to next sunrise is called a day : Sunday, Monday, Tuesday, Wednesday, Thursday, Friday & Saturday are 7 days of the week.

3. YOG : When the total of Zodiac sign (Rashi), degree (Ansh) minute (kalaa) of full Moon and Sun becomes 13 degree (Ansh) and 20 minute (Kala), it becomes a Yog. There are 27 Yogas : Vishkumbh, Preeti, Aayushman, Saubhagya, Shobhan, Atigand, Sukarma, Dhriti, Shool, Gand, Vridhi, Dhruv, Vyaghat, Harshan, Vajra, Sidhi, Vyatipat, Variyaan, Parigh, Shiv, Sidh, Sadhya, Shubh, Shukla, Brahm, Ainder, Vaidhriti.

4.KARAN: One tithi has two karans. 7 Char karans are : Vav, Valav, Kaulav, Taitil, Gar, Vanij, Vishti. 4 Fixed Karans are: Shakuni, Chatushpad, Naag kinstughan. In total there are 11 Karan. Only sunrise time karan has been given in this Panchaang. If you want to know the Karan of any day you can know from the following table with the knowledge of Tithi and Paksha.

THE KARAN KNOWLEDGE TABLE

Paksh	Tithi	1	2	3	4	5	6	7	8
Shukl Paksh	1st half	Kinstu.	Valav	Taitil	Vanij	Vav	Kaulav	Gar	Vishti
	2nd half	Vav	Kaulav	Gar	Vishti	Valav	Taitil	Vanij	Vav
Krishn Paksh	1st half	Valav	Taitil	Vanij	Vav	Kaulav	Gar	Vishti	Valav
	2nd half	Kaulav	Gar	Vishti	Valav	Taitil	Vanij	Vav	Kaulav
Shukla Paksh	Tithi	9	10	11	12	13	14	15	16
	1st half	Valav	Taitil	Vanij	Vav	Kaulav	Gar	Vishti	0
	2nd half	Kaulav	Gar	Vishti	Valv	Taitil	Vanij	Vav	0
Krishn Paksh	1st half	Taitil	Vanij	Vav	Kaulav	Gar	Vishti	0	Chatus.
	2nd half	Gar	Vishti	Valav	Taitil	Vanij	Shakuni	0	Naag

5.NAKSHATRAS : The whole universe is divided into 360 degrees. The whole belt of zodiac is divided into 27 segments to get an area of 13 degrees 20 kalaa. From Ashwani to Revati nakshtras there are 27 segments. Nakshtra of any day or time is the segment of these 27, occupied by moon on that day or time. Every nakshtra has four periods (CHARAN). Two and a quarter of the Nakshtras make a Rashi

Please see the following table for Nakshatra, Rashi and for the knowledge of the first digit of a Name

Rashi	Nakshtra	1	2	3	4	Rashi	Nakshtra	1	2	3	4
MESH	Ashwani	Chu	Che	Cho	Laa	TULA	Chitra			Raa	Ree
	Bharni	O	Loo	Le	Lo		Swati	Ru	Ru	Ro	Taa
	Kritika	Lee					Vishakha	Tee	Too	Te	
VERISH	Kritika	A	Ee	Uo	A	VRISHCHIK	Vishakha				To
	Rohini	O	Vaa	Vee	Voo		Anuradha	Naa	Nee	Noo	Ne
	Mrigshira	Ve	Vo				Jyeshtha	No	Yaa	Yee	Yoo
MITHUN	Mrigshira			Kaa	Kee	DHANU	Moola	Ye	Yo	Bhaa	Bhi
	Ardra	Koo	Gha	Ang	Chh		P.Shadha	Bhoo	Dha	Pha	Da
	Punarvasu	Ke	Ko	Ha			U.Shadha	Bhe			
KARK	Punarvasu				Hi	MAKAR	U.Shadha		Bho	Jaa	Jee
	Pushya	Hoo	He	Ho	Daa		Shravan	Khee	Khoo	Khe	Kho
	Ashlesha	Dee	Doo	De	Do		Dhanishtha	Gaa	Gee		
SINGH	Magha	Maa	Mee	Moo	Me	KUMBH	Dhanishtha			Goo	Ge
	P.Phalguni	Mo	Taa	Tee	Too		Shatbhisha	Go	Saa	See	Soo
	U.Phalguni	Te					P.Bhadrapad	Se	So	Daa	
KANYA	U.Phalguni		To	Paa	Pee	MEEN	P.Bhadrapad				Dee
	Hast	Pu	Sha	Nia	Tha		U.Bhadrapad	Doo	Tha	Zha	Nga
	Chitra	Pe	Pu				Revati	Da	Do	Chaa	Che

RAVI YOG 2024 रवि योग 2024

BEGINS			END			BEGINS			END		
DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.
Jan 01	Mon	25:12	Jan 02	Tue	28:16	Jun 26	Wed	26:06	Jun 27	Thu	24:40
Jan 13	Sat	23:12	Jan 15	Mon	31:53	Jul 08	Mon	22:22	Jul 12	Fri	06:39
Jan 16	Tue	07:53	Jan 16	Tue	18:08	Jul 14	Sun	12:36	Jul 16	Tue	16:44
Jan 18	Thu	16:28	Jan 19	Fri	31:51	Jul 18	Thu	17:55	Jul 20	Sat	16:19
Jan 20	Sat	07:51	Jan 20	Sat	16:39	Jul 25	Thu	29:00	Jul 26	Fri	27:30
Jan 22	Mon	18:28	Jan 24	Wed	21:46	Aug 07	Wed	11:00	Aug 10	Sat	20:19
Jan 31	Wed	14:38	Jan 31	Wed	31:40	Aug 12	Mon	25:14	Aug 14	Wed	27:23
Feb 01	Thu	07:40	Feb 01	Thu	17:19	Aug 17	Sat	24:45	Aug 18	Sun	22:40
Feb 11	Sun	28:26	Feb 14	Wed	22:56	Aug 24	Sat	08:35	Aug 25	Sun	07:15
Feb 16	Fri	22:16	Feb 19	Mon	25:43	Sep 05	Thu	23:55	Sep 09	Mon	08:34
Feb 21	Wed	30:13	Feb 23	Fri	08:55	Sep 11	Wed	11:52	Sep 14	Sat	11:02
Feb 29	Thu	26:18	Mar 01	Fri	28:12	Sep 16	Mon	07:03	Sep 16	Mon	28:23
Mar 16	Sat	31:17	Mar 20	Wed	13:08	Sep 22	Sun	13:32	Sep 23	Mon	12:37
Mar 22	Fri	18:58	Mar 23	Sat	22:04	Oct 05	Sat	12:03	Oct 08	Tue	18:38
Mar 30	Sat	12:33	Mar 31	Sun	31:06	Oct 11	Fri	19:55	Oct 13	Sun	17:21
Apr 01	Mon	07:06	Apr 01	Mon	13:42	Oct 15	Tue	12:38	Oct 16	Wed	09:48
Apr 10	Wed	17:35	Apr 14	Sun	16:05	Oct 21	Mon	20:21	Oct 23	Wed	20:45
Apr 16	Tue	19:46	Apr 18	Thu	25:27	Nov 03	Sun	21:34	Nov 07	Thu	25:33
Apr 29	Mon	19:12	Apr 30	Tue	18:39	Nov 09	Sat	24:29	Nov 11	Mon	21:22
May 09	Thu	25:17	May 13	Mon	27:35	Nov 13	Wed	16:41	Nov 14	Thu	14:03
May 16	Thu	08:44	May 18	Sat	14:53	Nov 20	Wed	29:05	Nov 21	Thu	30:40
May 20	Mon	20:16	May 21	Tue	22:17	Dec 03	Tue	30:45	Dec 06	Fri	30:20
May 28	Tue	23:08	May 29	Wed	22:01	Dec 08	Sun	28:26	Dec 10	Tue	25:18
Jun 09	Sun	10:50	Jun 12	Wed	16:42	Dec 12	Thu	21:20	Dec 13	Fri	19:18
Jun 14	Fri	22:44	Jun 16	Sun	28:20	Dec 20	Fri	17:17	Dec 21	Sat	19:44
Jun 19	Wed	07:53	Jun 20	Thu	08:40						

AMRIT SIDDHI 2024
अमृत सिद्धि 2024

DATE	DAY	TIME H. M.	TIME H. M.
Jan 20	Sat	15:39	31:45
Jab 22	Mon	07:44	Sunrise
Jan 25	Thu	07:42	23:58
Feb 13	Tue	00:13	Sunrise
Feb 17	Sat	07:14	22:53
Mar 12	Tue	10:59	Sunrise
Mar 24	Sun	01:08	Sunrise
Apr 09	Tue	06:44	19:36
Apr 21	Sun	07:38	Sunrise
May 07	Tue	Sunrise	Sunrise
May 19	Sun	Sunrise	17:46
May 22	Wed	23:45	Sunrise
June 19	Wed	07:53	Sunrise
June 28	Fri	23:19	Sunrise
Jul 17	Wed	05:52	17:43
Jul 26	Fri	06:01	27:30
Aug 23	Fri	06:32	10:24
Aug 27	Tue	Sunrise	Sunrise
Sep 23	Mon	12:37	Sunrise
Sep 26	Thu	14:04	Sunrise
Oct 09	Sat	23:01	Sunrise
Oct 21	Mon	07:40	20:21
Oct 24	Thu	07:44	22:10
Nov 16	Sat	08:58	Sunrise
Dec 11	Wed	01:18	07:42
Dec 14	Sat	07:44	17:24
Dec 22	Sun	22:39	Sunrise

RAVI PUSHYA 2024
रवि पुष्य योग 2024

May 12	Mon	25:54	30:03
Jun 09	Sun	10:50	29:46
Jul 07	Sun	05:54	20:33

GURU PUSHYA 2024
गुरू पुष्य योग 2024

Jan 25	Thu	07:47	23:58
Sep 26	Thu	14:04	31:18
Oct 24	Thu	07:50	22:10

Ravi Yoga in its specific time period results in various auspicious & beautiful ceremonies which are respectively; bringing a new car to home, final closure of a home deal, car booking, inaugurating any shops, & house warming parties or events. Ravi Yoga results in invalidation of the spoiled or bad muhurtas.

TRIPUSKAR YOG 2024
त्रिपुष्कर योग 2024

DATE	DAY	TIME H. M.	TIME H. M.
Jan 02	Tue	07:51	28:16
Feb 10	Sat	31:09	31:23
Feb 11	Sun	07:23	10:39
Apr 14	Sun	16:05	26:41
Apr 20	Sat	06:26	13:11
Apr 30	Tue	06:11	18:39
May 04	Sat	11:08	12:37
Jun 18	Tue	06:26	21:58
Jun 23	Sun	07:33	17:55
Jul 02	Tue	05:41	19:10
Jul 06	Sat	18:56	19:18
Aug 20	Tue	17:39	30:30
Aug 25	Sun	07:15	18:09
Sep 03	Tue	24:16	30:45
Oct 22	Tue	20:08	31:43
Oct 27	Sun	29:54	31:49
Nov 02	Sat	10:51	20:28
Dec 21	Sat	19:44	28:01
Dec 31	Tue	16:51	31:51

DWIPUSKAR YOG 2024
द्विपुष्कर योग 2024

Jan 21	Sun	17:22	31:49
Mar 16	Sat	07:34	12:08
Mar 26	Tue	07:09	30:46
May19	Sun	17:46	29:47
May 28	Tue	28:09	29:40
Aug 10	Sat	20:14	20:19
Nov 16	Sat	30:52	31:45
Nov 17	Sun	07:15	10:36
Nov 26	Tue	18:05	31:27

Astrologers say that the **Ravi Pushya, Guru Pushy, Tripushakar, Dwipushakar & Amrit Siddhi Yoga** are very auspicious for performing tasks. As the name suggest Amrit Siddhi Yoga means, any work undertaken during this time will have a positive outcome. Works, plans and projects performed in this Yoga gives successful results without any obstruction to the native. These are highly auspicious for starting any spiritual or religious activities.

SARVARTH SIDDHI YOG 2024 सर्वार्थ सिद्धि योग 2024

		BEGINS	END								
DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	TIME Hr. Mn.	DATE	DAY	TIME Hr. Mn.	TIME Hr. Mn.
Jan 03	Wed	07:56	Sunrise	May14	Tue	06:02	27:55	Aug 29	Thu	07:09	30:40
Jan 06	Sat	07:56	10:53	May19	Sun	05:57	17:46	Aug 30	Fri	06:40	08:26
Jan 08	Mon	07:56	11:33	May 22	Wed	23:45	29:54	Sep 04	Wed	20:44	30:46
Jan 12	Fri	07:55	Sunrise	May 23	Thu	05:54	24:40	Sep 07	Sat	06:49	30:01
Jan 16	Tue	07:53	18:08	May 26	Sun	24:43	29:51	Sep 09	Mon	08:34	30:52
Jan 18	Thu	07:52	16:28	May 27	Mon	24:03	29:50	Sep 14	Sat	11:02	30:58
Jan 20	Sat	16:39	Sunrise	Jun 02	Sun	16:10	29:47	Sep 17	Tue	25:30	31:01
Jan 22	Mon	07:49	18:28	Jun 04	Tue	13:05	29:47	Sep 19	Thu	07:02	31:03
Jan 25	Thu	07:47	23:58	Jun 05	Wed	05:47	29:46	Sep 20	Fri	07:03	17:13
Jan 31	Wed	07:41	14:38	Jun 09	Sun	10:50	29:46	Sep 23	Mon	07:07	31:08
Feb 09	Fri	07:31	12:59	Jun 10	Mon	05:46	12:10	Sep 26	Thu	07:10	13:11
Feb 11	Sun	28:26	Sunrise	Jun 11	Tue	05:45	14:09	Oct 02	Wed	07:17	30:02
Feb 13	Tue	24:13	Sunrise	Jun 19	Wed	07:53	29:46	Oct 05	Sat	07:21	12:03
Feb 17	Sat	07:20	22:53	Jun 20	Thu	05:46	08:40	Oct 07	Mon	07:23	16:55
Feb 25	Sun	14:54	Sunrise	Jun 23	Sun	07:33	29:47	Oct 11	Fri	19:55	31:29
Mar 01	Fri	28:12	30:58	Jun 24	Mon	06:24	29:02	Oct 12	Sat	07:29	18:57
Mar 03	Sun	29:51	30:55	Jun 28	Fri	23:19	29:49	Oct 15	Tue	12:38	31:34
Mar 10	Sun	16:25	31:43	Jun 30	Sun	05:49	20:56	Oct 17	Thu	07:35	27:56
Mar 12	Tue	10:59	31:40	Jul 02	Tue	05:51	19:10	Oct 19	Sat	23:01	31:39
Mar 13	Wed	31:26	31:38	Jul 03	Wed	05:51	29:52	Oct 21	Mon	07:40	20:21
Mar 24	Sun	07:20	31:18	Jul 05	Fri	18:36	29:53	Oct 24	Thu	07:44	22:10
Mar 29	Fri	11:06	31:10	Jul 07	Sun	05:54	20:33	Oct 27	Sun	29:54	31:49
Mar 31	Sun	13:27	31:06	Jul 17	Wed	06:02	17:43	Oct 30	Wed	07:52	12:13
Apr 07	Sun	06:56	24:42	Jul 21	Sun	06:05	14:44	Nov 08	Fri	07:03	25:17
Apr 09	Tue	06:52	19:36	Jul 22	Mon	06:06	12:51	Nov 12	Tue	07:09	19:10
Apr 10	Wed	17:35	30:49	Jul 25	Thu	29:00	30:11	Nov 14	Thu	07:11	14:03
Apr 15	Mon	17:35	30:41	Jul 26	Fri	06:10	30:11	Nov 16	Sat	08:58	30:52
Apr 16	Tue	19:46	30:39	Jul 29	Mon	24:53	30:14	Nov 24	Sun	11:46	31:25
Apr 21	Sun	06:33	30:31	Jul 31	Wed	06:15	24:54	Nov 29	Fri	26:05	31:31
Apr 25	Thu	16:54	30:25	Aug01	Thu	25:29	30:08	Dec 01	Sun	29:15	31:33
Apr 26	Fri	06:25	18:10	Aug02	Fri	06:08	26:29	Dec 08	Sun	28:26	31:40
Apr 28	Sun	06:22	19:19	Aug10	Sat	20:19	30:18	Dec 10	Tue	25:18	31:42
May 05	Sun	06:13	10:27	Aug12	Mon	25:14	30:21	Dec 14	Sat	07:44	17:24
May 07	Tue	28:03	30:09	Aug17	Sat	24:45	30:26	Dec 22	Sun	07:49	31:49
May 08	Wed	06:09	30:08	Aug 22	Thu	12:35	30:32	Dec 27	Fri	09:58	31:51
May12	Sun	25:54	30:03	Aug 23	Fri	06:32	30:33	Dec 29	Sun	12:52	31:51
May13	Mon	06:03	27:35	Aug 26	Mon	06:35	30:36				

RAHU KAALAM

In south India, Rahu Kaal is considered inauspicious. One eighth part of the day (duration from Sun rise to Sun set) whose lord is Rahu, is known as Rahu Kaal. Therefore, it is different every day. This one and half hour is dull. To understand it better and minutely, one can see the table below wherein the day and multiplier has been given:-

Day	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
Multiplier	7	1	6	4	5	3	2

First find out the local duration of the day and divide it in 8 parts. Now for any day the Rahu Kaal will be the multiplier of that day multiplied to one eighth of the duration of the day and add the result to the duration of the day, it will be the Rahu Kaal.

For example January 04, 2024, Thursday, Sun rise is at 07:53 and Sun set is at 16:51, therefore, the duration will be 16:51 – 07:53 = 08 hrs and 58 min is the duration. Now divide this by 8 (08:58 divided by 8 = 1 hr 07 min.) Now for January 5, being Thursday the multiplier is 5. Now 5x1:07 = 05 hrs.35min. Now add this to Sunrise 07:51+05:35 = 13:26, therefore, Rahu Kaal will begin at 13:26 and end at start time plus one eighth of day duration (13:26 + 01:07 = 14:33) Therefore, the Rahu Kaal will be from 13:26 to 14:33 hrs. This period is inauspicious for any religious activity.

Please remember in North India, Hora, Bhadra, Chaughadhia is considered more important, in Mithila and Bengal it is 'Yamarth' and in South India it is Rahu Kaal, are considered for inauspicious for any religious activities.

✻✻✻✻✻✻✻

Sarvarth Siddhi yoga is one of the most auspicious time for the commencement of new work or tasks. Utilizing this yoga can fulfill all long-awaited wishes of an individual if used in the correct manner. As per vedas this Yoga has the capabilities of invalidating the negative effects of Mrityu Yoga.

Sarvarth Siddhi Yoga is an auspicious time period as per Hindu calendar and panchang. If the yoga is present at the beginning of an auspicious event like buying, opening, meeting, interview etc. it destroyer any bad time or yoga present that time. Sarvartha Siddhi Yoga ensures success.

The Yoga is looked by people believe in astrology, especially when they have to travel or make a new beginning and there is no auspicious time.

LATTITUDES-LONGITUDES & TIME ZONES FOR FEW CITIES OF THE WORLD

विश्व के कुछ मुख्य शहरों के अक्षांश-रेखांश व टाईम जोन

MAIN CITIES OF CANADA & AMERICA	कनाडा व अमेरिका के कुछ मुख्य शहर	Lattitude अक्षांश	Longiitude रेखांश	Time Zone टाईम जोन	MAIN CITIES OF INDIA	भारत के कुछ मुख्य शहर	Lattitude अक्षांश	Longiitude रेखांश		MAIN CITIES OF SOME COUNTRIES AROUND THE WORLD	विभिन्न देशों के कुछ मुख्य शहर	Latitude अक्षांश	Longitude रेखांश	Time Zone टाईम जोन
CANADA	**कनाडा**				Agra	आगरा	27 N 11'	78 E 01'	+5:30	Australia, Sydney	आस्ट्रेलिया, सिडनी	33 N 52'	151 E 13'	+10:00
Calgary	कैलगिरि	51 N 03	114 W 05'	-7	Ahmedabad	अहमदाबाद	23 N 02'	72 E 37'	+5:30	Afghan, Kabul	अफगान, काबुल	34 N 33'	69 E 12'	+ 4:30
Edmonton	एडमैंटन	53 N 33'	113 W 28'	-7	Ambala	अम्बाला	30 N 21'	76 E 52'	+5:30	Kandahar	कन्धार	31 N 32'	65 E 30'	+ 4:30
Guelph	गल्फ	43 N 35'	80 W 20'	-5	Amritsar	अमृतसर	31 N 35'	74 E 53'	+5:30	Bangladesh, Dhaka	बंगलादेश, ढाका	23 N 43'	90 E 25'	+ 6:00
Hamilton	हैमिल्टन	43 N 15	79 W 51'	-5	Ankleshwar	अंकलेश्वर	21 N 38'	73 E 03'	+5:30	Burma, Rangoon	बर्मा, रंगून	16 N 47'	96 E 10'	+ 06:30
Halifax	हैलिफैक्स	44 N 39'	63 W 36'	-4	Bangalore	बैंगलोर	12 N 59'	77 E 35'	+5:30	China, Beijing	चीन, बीजिंग	39 N 55'	116 E 25'	+ 08:00
Kingston	किंगस्टन	44 N 14'	76 W 30'	-5	Batala	बटाला	31 N 48'	75 E 12'	+5:30	Doha - Qatar	दोहा, कतर	25 N 15'	51 E 36'	+ 03:00
London	लण्डन	42 N 59'	79 W 15'	-5	Banga	बंगा	31 N 11'	75 E 59'	+5:30	**England,** London	इंग्लैण्ड, लण्डन	51 N 32'	00 W 05'	- 00:00
Montreal	मानट्रियाल	45 N 31'	73 W 34'	-5	Bhatinda	भटिंडा	30 N 11'	75 E 00'	+5:30	Birmingham	इंग्लैण्ड, बर्मिंघम	52 N 30'	01 W 50'	- 00:00
Niagara-Falls	नियाग्रा फाल	43 N 06'	79 W 04'	-5	Mumbai	मुम्बई	18 N 58'	72 E 50'	+5:30	Leeds	इंग्लैण्ड, लीडज	53 N 50'	02 W 55'	- 00:00
North Bay	नार्थ बे	46 N 20'	79 W 30'	-5	Kolkata	कोलकाता	22 N 32'	88 E 22'	+5:30	Liverpool	इंग्लैण्ड, लीवरपूल	52 N 25'	02 W 55'	- 00:00
Oakville	ओकविल	43 N 54'	79 W 41'	-5	Chandigarh	चण्डीगढ़	30 N 45'	76 E 50'	+5:30	New Castle	इंग्लैण्ड, न्यू-कैसल	52 N 27'	09 W 04'	- 00:00
Oshawa	औशवा	43 N 54'	78 W 51'	-5	Delhi	दिल्ली	28 N 40'	77 E 18'	+5:30	Manchester	इंग्लैण्ड, मान्चैस्टर	53 N 30'	02 W 15'	- 00:00
Ottawa	ओटावा	45 N 25'	75 W 42'	-5	Dehradun	देहरादून	30 N 19'	78 E 04'	+5:30	Fiji	फीजी	17 S 20'	179 E 0'	+ 12:00
Regina	रिजाइना	50 N 25'	104 W 39'	-7	Dharamshala	धर्मशाला	32 N 16'	76 E 23'	+5:30	France, Paris	फ्रांस, पैरिस	48 N 52'	02 E 20'	+ 1:00
Scarborough	स्कारब्रो	43 N 47'	79 W 15'	-5	Dwarka	द्वारका	22 N 14'	69 E 07'	+5:30	Germany, Frankfurt	जर्मनी, फ्रैंकफर्ट	50 N 07'	08 E 40'	+ 1:00
Surrey	सरी	49 N 10'	122 W 47'	-8	Faridkot	फरीदकोट	30 N 40'	74 E 40'	+5:30	**Guyana,** Georgetown	गयाना, जार्जटाउन	06 N 50'	58 W 12'	- 4:00
Toronto	टोरान्टो	43 N 39'	79 W 23'	-5	Faridabad	फरिदाबाद	28 N 26'	77 E 19'	+5:30	**Guyana,** San Femado	गयाना, सान फ्रेनेडो	10 N 17	112 W 40'	- 4:00
Winnipeg	विन्निपैग	49 N 53'	97 W 09'	-6	Haridwar	हरिद्वार	29 N 58'	78 E 10'	+5:30	**Guyana,** Holmia	गयाना, होलिमा	4 N 58'	61 W 28'	- 4:00
Vancouver	वैन्कूवर	49 N 16'	123 W 07'	-8	Hoshiarpur	होशियारपुर	31 N 32'	75 E 57'	+5:30	Hong-Kong,	हांग-कांग	22 N 17'	59 W 35'	+ 08:00
Victoria	विक्टोरिया	48 N 25'	123 W 22'	-8	Indore	इन्दौर	22 N 44'	75 E 50'	+5:30	Indonesia, Jakarta	इन्डोनेशिया, जकार्ता	06 S 10'	106 E 48'	+ 7:00
Windsor	विन्डसर	42 N 18'	83 W 01'	-5	Jalandhar	जालंधर	31 N 19'	75 E 34'	+5:30	Iraq, Baghdad	ईराक, बग्दाद	33 N 21'	44 E 25'	+ 3:00
AMERICA	**अमेरिका**				Jaipur	जयपुर	26 N 55'	75 E 49'	+5:30	Italy, Rome	इटली, रोम	41 N 54'	12 E 29'	+ 1:00
Atlanta	एटलान्टा	33 N 44'	84 W 23'	-5	Jabalpur	जबलपुर	23 N 10'	79 E 59'	+5:30	Japan, Tokyo	जापान, टोकयो	35 N 42'	134 E 34'	+ 9:00
Boston	बोस्टन	42 N 21'	71 W 03'	-5	Jammu	जम्मु	32 N 42'	74 E 52'	+5:30	Kenya, Nairobi	केनिया, नैरोबी	04 S 03'	39 E 40'	+ 3:00
Buffalo	बफलो	42 N 53'	78 W 52'	-5	Jodhpur	जोधपुर	26 N 18'	73 E 4'	+5:30	Kenya, Mombasa	केनिया, मोम्बासा	01 S 17'	36 E 49'	+ 3:00
Chicago	शिकागो	41 N 51'	87 W 39'	-6	Kanpur	कानपुर	26 N 28'	80 E 21'	+5:30	Kuwait, Abadan	कुवैत, अबादान	30 N 22'	48 E 20'	+ 3:00
Columbus	कोलम्बस	29 N 57'	82 W 59'	-5	Karnal	करनाल	29 N 42'	77 E 02'	+5:30	Mexico, Mexico City	मैक्सिको, सिटी	19 N 26'	99 W 01'	- 6:00
Dallas	डैलस	32 N 47'	96 W 48'	-6	Ludhiana	लुधियाना	30 N 55'	75 E 54'	+5:30	Nepal, Kathmandu	नेपाल, काठमांडु	27 N 43'	85 E 19'	+ 5:45
Detroit	डेटराइट	42 N 20'	71 W 03'	-5	Moga	मोगा	30 N 48'	75 E 10'	+5:30	New Zealand	न्यूजीलैण्ड	41 S 18'	174 E 47'	+ 13:00
Dayton	डेटन	39 N 45'	84 W 11'	-5	Madras	मद्रास	13 N 05'	88 E 17'	+5:30	Norway, Oslo	नारवे, आसलो	59 N 55'	10 E 45'	+ 1:00
Houston	हूस्टन	29 N 57'	95 W 23'	-6	Nagpur	नागपुर	21 N 09'	78 E 16'	+5:30	**Pakistan,** Karachi	पाकिस्तान, कराची	33 N 42'	73 E 10'	+ 5:00
Los-Angeles	लास-एंजलस	34 N 03'	118 W 14'	-8	Nawashahar	नवांशहर	31 N 07'	76 E 08'	+5:30	**Pakistan,** Islamabad	इस्लामाबाद	24 N 52'	63 E 03'	+ 5:00
New Jersey	न्यू जर्सी	40 N 13'	74 W 44'	-5	Nabha	नाभा	30 N 42'	76 E 52'	+5:30	**Pakistan,** Peshawar	पेशावर	34 N 01'	71 E 34'	+ 5:00
New York	न्यू यार्क	40 N 43'	74 W 00'	-5	Panchkula	पंचकुला	29 N 23'	77 E 00'	+5:30	**Pakistan,** Lahore	लाहौर	31 N 35'	74 E 18'	+ 5:00
Orlando	औरलैण्डो	28 N 32'	81 W 22'	-5	Panipat	पानीपत	30 N 22'	76 E 08'	+5:30	Phillippines, Manila	फिलिपिन्स, मनीला	14 N 30'	121 E 30'	+ 8:00
Pittsburgh	पिटसवर्ग	40 N 26'	79 W 59'	-5	Patna	पटना	25 N 37'	73 E 52'	+5:30	Russia, Moscow	रशिया, मास्को	55 N 45'	37 E 34'	+ 3:00
Philadelphia	फिलेडैल्फिया	39 N 05'	75 W 10'	-5	Patiala	पटियाला	30 N 20'	76 E 25'	+5:30	Singapore	सिंगापुर	01 N 21'	103 E 54'	+ 7:00
Rochester	रोचैस्टर	43 N 09'	77 W 37'	-5	Pathankot	पठानकोट	32 N 17'	75 E 42'	+5:30	Suriname	सूरीनाम	05 N 52'	55 W 10'	- 3:00
San-Francisco	सान-फ्रांसिस्को	37 N 46'	122 W 25'	-8	Phagwara	फगवाड़ा	31 N 14'	75 E 46'	+5:30	Trinidad & Tobago	ट्रिनिडाड-टबैगो	10 N 03'	61 E 31'	- 4:00
Tampa	टैम्पा	27 N 56'	82 W 27'	-5	Pune	पूना	18 N 32'	85 E 13'	+5:30	Tanzania, Dar-E-Salam	टंजानिया, दारेसलाम	06 S 50'	39 E 17'	+ 3:00
Washington	वाशिगंटन	38 N 53'	77 W 02'	-5	Shimla	शिमला	31 N 06'	77 E 10'	+5:30	Uganda, Kamoala	युगाण्डा, कम्पाला	00 N 20'	32 E 30'	+ 3:00

PRIESTS IN NORTH AMERICA

Abhaya Dev	Brampton, ON	416-560-8135
Abhiram Vyas	Toronto, ON	437-345-8411
Ajay Tyagi	Brampton, ON	647-408-2295
Anil Sharma	Modesto, CA	209-818-3333
Anklesh Ji	Chattanooga, TN	423-499-2799
Ashok Pathak	Brampton, ON	905-475-8290
Ashwani Sharma	Dayton, OH	937-429-5815
Avadh Bihari	Rexdale, ON	416-748-9632
Avinash Sharma	Mississauga, ON	647-834-2987
Bhagirath Devjani	Los Angeles, CA	818-723-8081
Bhawani S. Sharma	Ottawa, ON	613-822-1531
Bhoj Sharma	Thornhill, ON	905-303-7554
Bharat Tiwari	Brampton, ON	647-448-2999
Bhan Pratap	Sacaremento, CA	916-642-2461
Bharat Joshi	Cleavland, OH	440-263-5500
Bharat R. Joshi	Scarborough, ON	416-289-9569
Bimal Maharaj	Florida, FL	954-752-5103
Brij Bhushan	Rexdale, ON	416-748-9632
Bipin Vyas	Toronto, ON	647-400-4878
Chakreshwar Ji	Cincinati, OH	513-376-2982
Chaman Lal Shastri	Richmond, BC	778-714-9655
Chidanand Sharma	Markham, ON	905-470-1505
D.K. Mishra	Stockton, CA	209-403-6234
Dabral Ji	Calgary, AB	403-613-9642
Damodar Sharma	Pickering, ON	416-577-1641
Damodar Sharma	Scramento,CA	650-921-0175
Damaru Dahal	Scarborough, ON	647-720-6282
Devender Joshi	London, ON	647-856-6262
Devender Prasad	Sacaremento, CA	650-921-0175
Deepak	Burny, BC	236-668-1791
Dhirender Tripathi	Brampton, ON	416-319-6282
Dharampal Sharma	Montreal, QC	514-684-8030
Dhawal K Purohit	Otttawa, ON	613-822-1531
Dinesh Sharma	Las Vegas, NV	702-544-6529
Diagamber Dutt	Ottawa, ON	613-822-1531
D.K. Mishra	Stocton, CA	209-403-6234
Diwakar	Vancouver, BC	778-953-0566
Durga Prasad	Edmonton, AB	780-462-2103
Durgeshwar Tiwari	London, ON	519-451-6335
Ganesh Prasad	Toronto, ON	416-537-7570
Ghanshyam Dass	Toronto, ON	416-242-5007
Girish	Pickering, ON	647-707-6935
Girish	Michigan, MI	248-703-1549
Goolacharan Persad	New York, NY	646-641-9088
Gunanand Persad	Bronx, NY	845-357-4963
Har Dutt	Brampton, ON	416-454-4986
Hari Bhajan Sharma	Brampton, ON	416-305-1606
Hardeep N Sharma	Vancouver, BC	604-433-1165
Hukum C Rewah	New York, NY	347-210-3641
Ishvaram	Toronto, ON	416-286-8604
Jagdish C Joshi	Pittusburgh, PA	724-327-7613
Jagdish Maharaj	Mississauga, ON	905-275-6672
Jag Gosai	Markham, ON	905-472-0795
Jagat Tiwari	Cambridge, ON	519-505-1624
Jeet Sharma	Orlando, FL	407-222-0932
Jeeshan Prasad	Toronto ON	416-537-7570
Jotish Mishra	Richmond Hill, NY	718-850-8603
Jagdish Gaire	Brampton, ON	647-713-0783
Jitu Bhai	Burnby, BC	236-777-1392
Kapil Dev	Brampton, ON	647-228-7911
Kailash C Sharma	Cincinati, OH	513-528-3714
Kamlesh Bhai Vyas	Markham, ON	905-887-7777
Kailash Upadhyaya	Tennsessee, TN	720-344-1448
Keshav Dutt Joshi	Denver, USA	423-788-3820
Kishore Jani	Oakville, ON	905-469-9259
Krishana P. Regami	Toronto, ON	416-745-4793
Krishna Sukul	Scarborough, ON	416-267-5038
Kapil Sharma	Winnipeg, MB	204-999-9471
Krishna S Maharaj	FLorida, FL	954-974-6941
Lalit Sharma	Mississauga, ON	289-654-7719
Lalman Sharma	Scarborough, ON	416-286-5406
Latchman Sharma	Edmonton, AB	780-729-2106
Latchman Emogaje	Ozone Park, NY	718-835-0768
Mahendranath Maharaj	Florida, FL	954-309-1516
Maheshwar Tiwari	Orland, FL	407-325-0248
Mahendra Doobey	Brookland, NY	718-647-6102
Mahesh Gaur	Castleberry, FL	407-699-7966
Mangal Sharma	Brampton, ON	905-781-3722
Manikya Sharma	Tampa, FL	813-221-4482
Mohan Lal Devjani	New York, NY	516-835-9669
Mohan L Jairam	Oakville, ON	905-827-1287
Mohan Murari Tiwari	Abbostford, BC	403-466-6435
Mohan Seeram	Whitby, ON	905-666-2638
Mukesh Kalia	Hamilton, ON	905-719-7583
Narender Vashishth	Brampton, ON	416-319-6282
Naresh Pal Manku	Windsor, ON	519-966-3216
Natrajan	Mississauga, ON	416-846-5856
Neeraj	Oakville, ON	905-825-4202
O.V. Rangnathan	Getzville, NY	716-688-5525
Pawan Sharma	Burnby, BC	778-838-4655
P. Sukul	New York, NY	347-870-8870
Padam Nabh Joshi	Reisterstown, US	410-526-4424
Pankaj Dixit	Edmonton, ON	780-905-9100
Paresh Pandya	Windsor, ON	519-972-7876
Paras Nauth	Scarborough, ON	416-286-3692
Parveen Sharma	Mississauga, ON	905-369-0363
Paramanand	New York, NY	718-835-8565
Peeyush Bhai	Oakville, ON	416-319-0940
Pramod Sharma	Surrey, BC	778-892-0648
Pitambar Avashthi	Edmonto, AB	780-475-4742
Phool Kumar	Brampton, ON	416-930-2523
Pt. Dvivedi	Vancouver, BC	604-678-1166
Pranesh Sharma	Modesto, CA	510-695-6597
Pratha Dass	Vancouver, BC	604-433-9728
Prabhu D. Ramrattan	New York, NY	917-365-7777
Praveen Prabhakar	----------	925-427-1872
Purshottam Sukul	New York, NY	718-430-9305
Rahul Dev	Calgary, AB	403-903-5221
Rajan Bhatt	Florida, FL	813-221-4482
Rajinder Sharma	Houston, TX	281-861-8115
Rajesh	Brampton, ON	647-504-0980

PRIESTS IN NORTH AMERICA

Rakesh Sharma	Surrey, BC	778-668-3523
Ralph Rampersad	Florida, US	239-673-9152
Ram K. Prasad	Markham, ON	905-475-2398
Ram C Upadhaya	Scarborough, ON	647-771-9119
Ramesh Sharma	Malton, ON	647-607-5183
Ramesh Rajamani	Dayton,OH	937-431-9988
Ramesh Nath	Buffala, NY	716-688-2460
Ramesh Raval	Toronto, ON	647-719-9848
Ram Nariane Tiwari	Montreal, QC	514-620-7064
Ram Narayan	Ottawa,ON	613-228-1305
Ram J. Maharaj	Edmonton, AB	780-472-6562
Ram Prasad	Minnesota, US	612-770-4727
Ram Prasad	Lemont, US	630-739-2894
Ram Dat Bidesi	Queens, NY	347-324-9505
Ram Niwas Pandey	Sacramento, CA	916-214-4906
Rishendra Chandra	Modesto, CA	916-293-6225
Rishi Ram Acharya	Toronto, ON	416-606-9191
Rajinder Sharma	Toronto ON	647-456-6399
Rajendra Persad	Virginia, US	703-628-6312
Rajender Sharma	Texas, US	713-628-6312
Ramsunder Gobind	New York, USA	631-807-3128
Rishi Nand Sharma	Vancouver, BC	604-584-3630
Rishi Vyas	Tampa, FL	813-221-4482
Roop Nath Sharma	Mississauga, ON	416-856-3810
Rudy Parray	Brooklyn, NY	647-393-0797
Sachin Sharma	Modesto, CA	209-529-7250
Sanjay Acharya	Brampton, ON	905-458-4196
Sanjay R. Shastr	Kent, Washington	425-329-9314
Satyanand Sukul	Mississauga	905-276-1258
Satya N Sharma	Washington, DC	703-508-1003
Sharma Maharaj	Calgary, AB	403-293-2257
Shri Bhagwan	Toronto, ON	416-931-5899
Shashi Bhushan	Hamilton, ON	905-518-3459
Shukla Ji	Hamilton, ON	905-531-6985
Sita Ram Sharma	Montreal, QC	514-856-1725
Som Dutt Sharma	Scarborough, ON	416-283-8900
Sri Krishna Maharaj	Oriendo, FL	407-578-5460
Sudarshan Sharma	Brampton, ON	416-817-8687
Sunil Sharma	Mississauga, ON	416-834-6779
Swami Satyaparkash	Burby, BC	604-818-9296
Suresh Chander	Powell, OH	614-885-7620
Surendra Sharma	Mississauga, ON	416-457-0719
Suresh C. Joshi	Pittsburg, PA	724-733-8914
Sushil Kumar Kalia	Edmonton, AB	403-463-1031
Swami Bhajananand	Toronto, ON	416-741-4335
S. Purushtaam	Toronto, ON	416-741-4335
Suraj Prasad	Toronto, ON	416-530-1899
Toshan Persaud	Brampton, ON	905-794-4225
Uday Chandra	Vancouver, BC	604-254-2624
Vasudev Prashad	Scarborough, ON	416-289-6607
Vasudev Joshi	Brampton, ON	416-558-8278
Vedprakash Agnihotri	Vancouver, BC	604-572-8586
Vijay Sharma	Mississauga, ON	416-400-4330
Vimlesh Jha	Montral, QC	514-684-8030
Vinod Pandey	Pittsburgh PA	724-325-2073
Vinod Sodiyal	Calgary, AB	403-291-4950
Vinod Mishra	Mississauga, ON	647-859-8027
Vipin Vyas	Richmond Hill, ON	416-493-2311
Vishal Vashishth	Vancouver, BC	604-852-1369
Vishal Maraj	New York, NY	347-582-5058
Vishnu R. Shukal	Adalphi, MD	301-602-1456
Yadu Nath Sharma	Mississauga, ON	905-369-0363

HINDU TEMPLES AND ORGANIZATIONS IN NORTH AMERICA

Arya Samaj Mississauga	Mississauga, ON	905-670-5358
Arya Pratinidhi Sabha America	Troy, MI	248-879-2531
Bhavaanee Maa Mandir	Broklyn, NY	718-647-6102
Bhawani Shankara Mandir	Brampton, ON	416-454-4986
Bhartiya Temple of Lansing	Lansing, NY	(517) 339-6337
Bronx Hindu Temple	Bronx, NY	(718) 299-1723
Brahm Rishi Mission of Canada	Kitchener, ON	519-579-1486
California Hindu Prarishad	Hawthorne, CA	(714) 562-8602
Devi Mandir	Pickering, ON	905-686-8534
Durham Hindu Heritage Centre	Scarborough, ON	416-577-1641
Ganesh Temple	Richmond Hill, ON	905-883-9109
Hanuman Mandir	Brampton, ON	905-799-8814
Hare Krishna Temple	Toronto, ON	416-922-5415
Har Siddhi Mata Mandir	Burnaby, BC	604-433-9728
Hindu Cultural Centre	Adalphi, MD	301-625-5134
Hindu Cultural Society of W.NY	Gettzville, NY	716-688-2460
Hindu Community Centre Knoxville	Lenoir City, TN	
Hindu Temple	Winnipeg, MB	204-774-9197
Shri Shri Radha Krishna Temple	Regina, SK	306-525-0002

HINDU TEMPLES AND ORGANIZATIONS IN NORTH AMERICA

Hindu Heritage Centre	Mississauga, ON	905-369-0363
Hindu Devotional Society	Quebec, QC	514-363-2301
Hindu Jain Temple	Monroeville, PA	724-325-2073
Hindu Mandir Windsor	Windsor, ON	519-966-3390
Hindu Mandir	Montreal, QC	514-684-8030
Hindu Prarathana Samaj	Toronto, ON	416-536-9229
Hindu Sabha Temple	Brampton, ON	905-794-4638
Hindu Samaj Temple	Hamilton, ON	905-679-6935
Hindu Society of Calgary	Calgary, AB	403-291-2551
Hindu Temple	Burnaby, BC	604-299-5922
Hindu Learning Foundation	New York, USA	347-582-5058
Hindu Temple of Dayton	Dayton, Ohio	937-429-4455
Hindu Mission of Canada	Montreal, QC	514-270-5557
Hindu Sthan	Katty, Texas	281-861-8115
Hindu Temple of Ottawa	Ottawa, ON	613-822-1531
Hindu Temple of Florida	Tempa, FL	813-962-6890
Jai Durga Hindu Society	Scarborough, ON	416-754-2983
Kabir Cultural Centre	Surrey, BC	604-572-3539
Laxami Narayan Mandir	Scarborough, ON	416-284-6282
Laxami Narayan Temple	Sacramento, CA	916-383-4206
Laxami Mandir	Mississauga, ON	905-803-9813
Meenakshi Devsthanam	Pearland, TX	713-489-0358
Niagara Hindu Samaj	Niagara Falls, ON	905-356-7575
Pranav Hindu Mandir	Toronto, ON	416-741-4335
Radha Krishna Mandir	Cambridge, ON	519-650-1575
Shree Ram Mandir	Modesto, CA	209-551-9820
Ram Mandir	Surrey, BC	604-572-4033
Shiv Mandir, Brahm Vidya Peetham	Virginia VI	703-624-4837
Shiv Mandi	Burnby, BC	604-572-4033
Shree Sant Gyaneshwar	Brampton ON	905-794-5530
Sidh Shakti Bibi Satya D Bhavan	Etobicoke, ON	416-251-5538
Sri Venkteshwar Temple	Pittsburg,PA	724-373-3380
Shiva Mandir	East Elmhurst, NY	718-335-3380
South Florida Hindu Temple	Peombroke Pine, FL	954-346-9852
Sanatan Mandir	Markham, ON	905-887-7777
Sangam Temple	Delta, BC	604-584-0958
Shiv Shakti Cultural Sabha	Scarborough, ON	416-754-0440
Shiv Uma Ganesh Mandir	Central Islip NY	631-582-5194
Swami Narayan (BAPS)	Toronto, ON	416-798-2277
Swami Narayan (BAPS)	Scarborough	416-321-2277
Shri Ganesh Temple	Vancouver, BC	604-879-3505
Shri Ji Dham Temple	Brampton, ON	416-305-1606
Shiv Shakti Mandir	La Belle, FL	239-673-9152
Shiva Vishnu Temple	Cleveland, Ohio	440-263-5500
SDMS Shiva Mandir	East Elmhurst, NY	718-335-7540
Shri Durga Mandir	Surrey, BC	604-954-4033
Shri Durga Bhameshwari Tem.	Surrey, BC	604-572-0406
Sri Murgan Temple	Richmond, BC	604-231-7694
Shri Gauri Shankar Mandir	Brampton, ON	416-319-6282
Shri Ram Mandir	Mississauga, ON	905-696-8886
Shri Hindu Sanatan Mandir	Abbotsford, BC	604-852-1369
Shree Mahalaxami Temple	Vancouver, BC	604-874-0175
Shree Satya Sai Centre	Surrey, BC	604-583-2812
Shri Radha Krishna Mandir	Scarborough, ON	416-431-3311
Subramaniya Temple	Richmond, BC	604-274-7906
The Hindu Society of Alberta	Edmonton, AB	403-451-3150
Toronto Arya Samaj	Markham, ON	905-475-5778
Vaishno Devi Temple	Oakville, ON	905-825-4202
Vedic Cultural Society of BC	Richmond, BC	604-275-9182
Vedic Hindu Society of BC	Surrey, BC	604-596-4977
Victoria Hindu Temple	Saanichton, BC	250-652-6626
Voice of Dharma Temple	Scarborough, ON	416-267-9614
Vishnu Mandir	RichmondHill, ON	905-886-1724
Vishnu Mandir	Edmonton, AB	780-478-3572
Vishnu Temple	Branx, NY	716-893-1435
Vishwa Hindu Parishad	Burnby, BC	604-299-5922

We have listed above some of the Hindu Priests and Hindu Organizations listed in North America. If any organization is not listed here please email us : info@hinduvision.com. We will be glad to include in our future publications.
Please email us any suggestions and any other questions regarding Bhaskar Panchang.

राशि प्रभाव —

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में दो प्रकार की राशियाँ मानी जाती हैं। जन्म समय नक्षत्र से जन्म राशि का ज्ञान होता है और उसकी अनभिज्ञता में मनुष्य के प्रथम नामाक्षर से नाम राशि का ज्ञान होता है।

जन्म राशि की प्रधानता —

वर-वधु की जन्मपत्री मिलान, मुण्डन, यज्ञोपवीत संस्कार, जन्म दिवस, अन्न प्राशन, राज्यभिषेक, ज्येष्ठ सन्तान का विवाह तथा शनि आदि नवग्रहों का गोचर प्रभाव सब जन्मराशि से माना जाता है।

नाम राशि की प्रधानता —

देश कार्य, व्यापार, व्यवहारिक कार्य, गृहारम्भ, गृह प्रवेश दान, बड़ों से मिलना, रोग, युद्ध आदि में नाम राशि की प्रधानता रहती है।

सोमावती, भौमावती व शनैश्चरी अमावस का माहात्म्य —

सोम, भौम शनिवार से युक्त अमावस का शास्त्रों में विशेष माहात्मय कहा गया है। स्कन्द पुराण के अनुसार सोम, भौम व शनिवार और अमावस का योग कभी कभी होता है। इस दिन भगवान शिव का दर्शन व पूजन करने का विशेष महत्व है। विशेषकर सोमेश्वर महादेव की पूजा अर्चना करने से कोटि यज्ञों का फल प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त सोम, भौम शनिवार से युक्त अमावस के दिन पितृ दोष की शान्ति, धन सम्पदा सम्बन्धी परेशानियाँ लड़के-लड़की के विवाह में विलम्ब, सन्तान कष्ट आदि बाधाएं एवं रोगों की शान्ति व आध्यात्मिक क्षेत्र में आत्मशुद्धि, स्नान, जप, दान आदि का विशेष महत्व है।

वर्ष 2024 में मई 7 को भौमावती अमावस है। अप्रैल 8, सितम्बर 2, दिसम्बर 30 को सोमावती अमावस है व मार्च 9, नवम्बर 30 को शनैश्चरी अमावस है अत: इसका लाभ लें।

Effect of rashi —

In Indian Astrology rashis are of two types. One from birth Nakshatra which gives the knowledge of birth rashi. In case of it is not known then take the first letter of name as the second kind.

Importance of birth rashi :— The birth Rashi is important for matching bride and groom horoscope , Hair cut ceremony, thread ceremony, birthday, first grain feeding ceremony, marriage of elder child, and also the nine planets transit position effect.

Importance of rashi by name : —

The name rashiès importance is for nation's work, business, social work, starting building of house, first entry of new home, donation, meeting with prominent people., illness and in battles.

Importance of Somavati, Bhaumavati and Snaishchahri Amavas :—

It has been accepted as of great importance if Amavas is on Monday, Tuesday and Saturday. As per Skand Puran the coincidence of Monday, Tuesday, Saturday and Amavas is rare. On this day, it is of great importance to pray and visit Lord Shiva. If one can worship Someshwar Mahadev on this day on will get thousands of blessings. Moreover on this day one can pray for peace of fatherly problems, money problems, delay of marriage of children, troubles of progeny, overcoming illness, spiritual wisdom, self purification, bathing, chanting and charity etc.

In the year 2024 Bhaumavati Amavasis on May 7th, Somavati amavas on April 8, September 2, December 30 and Sanaishachari Amavas is in March 9, November 30. Please make use of it.

Some North American \Canadian Important Days 2024

New Years Day..... Jan. 1	Independence Day USA .....July 4
St. Valentine's Day..... Feb 14	Civic Holiday ..... August 5
Day light Saving time begins Mar.. 10	Labour Day .... Sept. 2
Spring Begins..... March 19	Fall Begins .... Sept. 22
Good Friday ..... March 29	Canadian Thanksgiving..... Oct. 14
Easter Sunday.....March 31	Halloween ..... Oct. 31
Easter Monday ..... April 1	Day light Saving Times ends....Nov 03
Mother's Day ..... May 12	Remembrance Day Canadian.. Nov. 11
Victoria Day ..... May 20	Thanksgiving Day USA ..... Nov. 28
Memorial Day USA..... May 27	Winter begins .... Dec. 21
Father's Day ..... June 16	Christmas Day .... Dec. 25
Summer begins ..... June 20	Boxing Day ....Dec. 26
Canada Day ..... July 1	

Personal Notes